

HRA Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORIT

₹ • 29] No. 291 नई दिस्ती, सनिवार, जुलाई 20, 1985 (आषाढ़ 29, 1907) NEW DELHI, SATURDAY, JULY 20, 1985 (ASADHA 29, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे जि यह अलग संकलन से कर में रखा जा सके (Superate paging is given to this Part in order than it may be filed as a superate compilation)

WIN III--Bes 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और बाबोन कार्यालयों द्वारा जारों की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union

Public Service Commission, the in lian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग नईदिल्ली-110011, दिनांक 17 ग्रुप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० 19011/2/84-85-प्रशा०-राष्ट्रपति, श्री सुरेश कुमार, भा० रा० से० (आ० क०) को स्था लोक सेवा आयोग के कायश्चिय मे 15 अप्रैल, 1985 प्रवन्हि सेऽ आगामी आदेशों तक अवंर सचिव के पद पर सहर्ष निशुक्त करते हैं।

दिनांक 7 मई 1985

सं० ए०-32013/3/83-प्रशा० I — कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के का० जा० सं० 5/1/83/सी॰ एस० II दिनाक 30 जुलाई, 1983 में सिल्निहित अनुदेशों के अनुसरण में ग्रांश इस विभाग के अपने का० जा० सं० 7/18/83-सी॰ एस० II दिनाक 17 अगस्त, 1984 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचि- विभिन्न आधुलिपिक सेवा के ग्रेड 'क' में नियुक्त के लिये निम्न लिखित अधिकारियों के नामित किये जान के परिणामस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा के० स॰ आ० के निम्नलिखित ग्रेड 'ख' आगुलिपिकों को प्रत्येक के ताम के सामर्ने निर्दिष्ट तिथि से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० आ० से० के अस्यायी

निजि सिचिव (के० स० आ० से० के ग्रेड क) के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है——

| क्रम सं० | अधिकारी का नाम | नियुक्ति की तारीख |
|-------------|--------------------|----------------------|
| .(1) | (2) | (3) |
| 1 5 | प्री० प्रार्ग | 11-4-1985 |
| 2. | त्रीजे० एल० नन्दां | 11-4-1985 |
| 3. | श्रीपी० सी० दत्त | 19-4-1985 |

्एस० पी० जैन, अवर सन्विव (प्रशा)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जून 1985 सं० ए०-32013/3/83-प्रशा० 1—कामिक तथा प्रशिक्षण विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/1/83-सी० एस० दिनांक 30 षुलाई, 1983 में सांन्नहिं। जनुदेशों के अनुपाण में माँर उनता विभाग द्वारा संघ लोक सेवा जायोग के पंकी में केन्द्रीय सचित्रालय आणुलिएक सेवा के ग्रेड कि में कियुंकन के लिये श्री एस० सीना-रमन के नामित होने के परिणामस्वरूप उनके का० जा० सं० 7/18/83-सी० एस० धि दिनांक 17 जगरत, 1984 द्वारा संघ लोक सेवा आयाग के सवर्ग में के० से० आणु० से० के के० सा० आणु० से० के ग्रेड 'ख' आणुलिएक श्री एस० सीतारमन को राष्ट्रपति द्वारा 27 मई, 1985 के पूर्वान्ह से आगामी आवेशों तक निजि सचिव (के० स० आणु० रे० के ग्रेड 'क') के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

सुहास बनर्जी अवर सचिव

गृह मंत्रालय महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 24 जून 1985

मं० स्रो० दो० 2042/85-स्थापना—महाभिदेशक केल्बीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर के० वैंकाटेमवरलू को 25 मई, 1985 पूर्वान्ह से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होते तक, इनमें जो भी पहले हो उस जारीख तक केल्बीय रिजर्व पुलिस बल में बानिस्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ हम में नियुक्त किया है।

अणोक राज महीपयी, सहायक निणक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रांशोगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 28 जून 1985

सं० ६०-16013/2/20/83-क्रामिक-1---राज्य काडर को प्रस्पावर्तन होने के फलस्वरूप श्री एन० एस० नफ्ला, भा० पु० मे० (राजस्थान : एस० पी० एस०) ने 14 जून, 1985 के अपरान्ह में केश्रीसुब मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक महा-निरीक्षण (फायर) के पद का कार्यभार छोड़ दिथा।

सं० ई० 16016/2/83-कार्मिक-1---मूल विभाग को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वब्ध श्री जे० मी० कुमरा ने 17 जून. 1985 के पूर्वन्ह में अनुभाग अधिकारी (इण्डनशन-1) के पर का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-32015/3/22/84-कार्मिन-1---राष्ट्रियति, श्री श्रो० पी० अभी को दिसांक 6 जून 1985 के पूर्वान्ह से 27-8-1985 तक की अवधि के लिए या ऐसे समय में नियमिन विश्वविद्यां किए जाने तक, जो भी पहलें हो, के श्रीसु यनिट, एफ० एस० टी० टी० पी० पी० (एन० टी० पी० मी०) फरकका में कमाडेंट के रूप में पूर्णतथा सदर्थ श्रीर अध्याई त्राधार पर नियुक्त करते हैं। मं० ई-28017/10/84 सामित-11 — के० श्रीं ए सु० ब्रं प्रिट, ई० सी० एत०, सीतलप्र में श्री मदन गोताल दाम, सहायम कमाईट का 12 मई, 1985 को निवस हो गया। उन्हें 13 गई, 1985 के पूर्वीन्ह में के० श्रा० मु०व० की स्फरी में निकास जीता है।

्रस० आनन्दराम महानिदेशक/के० श्रो० मृ० ब०

विस्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1985

सं ० 6/सी ० शु० उ० शु० व० नि० अ०अ०/1985—श्री जगर नाथ वर्मा जो कि पहले दिल्ली उच्च न्यायलय नई दिल्ली में स्थाई सहायक के पद पर कार्य रत थे, ने 31 मई 1985 अपरान्ह से सीमा-णुल्क केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण दिल्ली बंच, नई दिल्ली में महायक पंजीकार के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> फौजी सिंह गिल, अध्यक्ष

(प्रार्थिक कार्य विभाग) बैंक नोट मुद्दणालय, देवास (स० प्र०) देवास, दिनांक 26 जून 1985

नस्ती कु० बी० एन० पी०/सी०/5/85—श्री पी० आर० धर्मा स्वायी नियंत्रण निरीक्षण को रुपये 650-30-740-35-810 द०री० 880-40-1000-द०-रो०-40-1200 (समृह "ख"राज पत्नित) के वेतनमान में तदर्थ आधार पर बैंक नोट मुद्रणालय, देशस, (म० प्र०) में उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर दिनांक 4-6-85 (पुर्वन्हि) में सीन माह के लिये या पद के नियंमित आधार पर भरे जाने तरु जो भी पहले हो, नियुक्त किया जाता है।

हम तस्थायी तदर्थ नियुक्ति से उन्हें उक्त पद पर बने रहारे जा आवा नियामित नियुक्ति का भोगाधिशार प्राप्त नहीं होगा श्रीर उनकी यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय जिला कोई कारण बताये कभी भी समाप्त की जा स्थानी है।

सरती सं ० बी० एन० पी० सी० / 5/85—इस विभाग की अधि-सूचता क्रमां रु बी० एन० पी० सी० / 5/84 दिनावा 9-10-84 तथा 16-12-84 के तारतम्य में उन्हों शतौ पर निम्नालिखन अधिकारियों की बैंछ नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) धे तकती की अधिकारी (मुद्रण तथा मुद्रपट्ट) के पद पर की गयी तदर्थ नियुधितयां उनके नाम के सम्मुख दणियों गयी निधियों तक या पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है:---

| श्रमंक | अधिकारी का नाम | Υ | तिथि जब त की अवधि | क तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गयी |
|--------|-----------------------|---|----------------------|-------------------------------|
| सर्वः | श्री | | | |
| 1. एस | '० पी ० फु लकर | | 20-9-1 | 85 (पूर्वान्ह) |
| 2. सी | ० एस० रॉनाडे | | 20-9-8 | 35 (पूर्वान्ह) |
| 3. एम | ० सी० कोशी | • | 3 0-1 0- | ·85(पूर्वान्ह) |
| 4. आ | र० एस० गोपालन | | 20-5-8 | s (पूर्वान्ह) |

नस्ती मं बी० एन० घी०/ही०/5/85— निम्हिलिखित मुद्रण एवं मुद्र पट्ट निर्माण अनुभाग के स्थायी उप तकनीकी अधिकारी को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्र पट्ट निर्माण) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 (समूह "खं" राजपवित) के पद पर दिनांक 17-7-84 (पूर्वन्हि) से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न हप से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है——

| · | | |
|--------------------|----------------|--|
| | C | |
| - 10-10 Med - | अधिकारी का नाम | |
| अनु० ऋ ० | આ અમારા મામ | |
| ` - - - | | |
| | | |

- 1. श्री आर० सी० अग्रवाल
- 2. श्री अशोक जोशी
- 3. श्री ए० डी० देशपाण्डे

नंस्ती सं० बी० एन० पी०/सी०/5/85—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० बी० एन० पी०/जी०/7/85 दिनांक 1-5-85 के अनुक्रम में निम्नलिखित अधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की अवधि उनके नाम के सम्भुख दर्शाई गई दिनांक तक या इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जी भी पहले हो, बढ़ाई जाती हैं—

| ऋ० अधिकारी का | पद जिस पर तदर्थ | नियुक्ति की तिथि |
|-----------------|--------------------|------------------------------------|
| सं० नाम | नियुक्ति की गई | जहां तक बढ़ाई गई है |
| सर्वश्री | - | |
| 1. मोहिन्दरसिंह | उप नियंत्रण आधकार | री दिनांक 3 - 9- 8 5 |
| 2. परेण जोशी | उप नियंत्रण अधिकार | री दिनांक 3-9-85 |

इस अस्थामी नदर्थ नियुक्ति ने उन्हें उक्त पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति का भोगाधिकार प्राप्त नहीं होगा मौर उनकी यह नदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिना कोई कारण बताये कभी भी समान्त की जा सकती है।

> मृ० बै० चार महा प्रबंधक

भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 26 जुन 1985

सं० 197/क—इस कार्यालय की दिनंक 1-12-1984 की अधिमूचना सं० 476/क के कम में श्री बी० सी० लोध, लेखापाल, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय को भारत प्रतिभृति मुद्रणालय को भारत प्रतिभृति मुद्रणालय के भारत प्रतिभृति मुद्रणालय में लेखा अधिकारी के पद पर वेतन श्रेणी 840-1200 में तदर्थ आधार पर 1-12-84 में कः माह की अविधि के लिए प्रथम दौर में परीक्षण के रूप में नियुक्त किया गया था। उक्त तदर्थ आधार की नियुक्ति को उन्ही प्रति पर जून 1985 में 30 नवस्बर 1985 तक बक्षामा जाता है

पा० सु० शिवराम म**हाप्रबं**धक भारत प्रतिभति मद्रणालय

भारतीय लेखा परीक्षा सथा लेखा विभाग
मपालेखाकार (लेखा परीक्षा II) तमिलनाडू का कार्यालय
मद्रास, दिनांक 26 जून 1985

सं० 16-वा० ले० प० 1/210-69---महालेखाकार (लेखा-परीक्षा II) निमलनाडु मद्रास के श्री पी० एम० संकरन लेखा-परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवार्षिता आयुपूर्ण करने पर दिनांक 31-5-85 (अपरान्ह) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> के० पी० लक्षमण राव सहायक नियंद्यक महालेखा परीक्षा अधिकारी (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-110000%, दिनांक 27 जून 1985

सं प्रशासन-1/का० आ० सं ० 172-श्री मान निवेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजम्ब इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी तथा स्थानायन्न अनुभाग अधिकारियों अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को 10-6-85 पूर्वान्ह से अगले आवेश तक 840-1200 रुप्ये के वेतन क्रम में स्थानायन्न लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

ऋम् सं० नाम

- 1. श्री जे० एन० दिखा (स्थायी अनुभाग अधिकारी)
- श्री जुलियस टोच्पो स्थानापन्न अनुभाग अधिकाची

सं० प्रशा० 1/कार्यालय आदेश सं० 173-श्रीमान् निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1 इस कार्यालय के श्री जागीर सिंह स्थायी अनुभाग अधिकारी अव सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्थानापनं लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतन त्रम 840-1200 रु० में 13 जून, 1985 (पूर्वान्ह) से अगले आदेश आने तक नियुत्रित करते हैं।

24096

ह अपठनीय उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशा०)

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 27 जून, 1985

सं० प्रशा-III/2(8)/अ> ले० प० अ०/84-86/554-निदेशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य निर्माण कार्य एवम विविध, नई दिल्ली, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों की, उनके नाम के सामने दशायीं गई तिथियों से सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में रु० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-1040 के वेतन मान में पदोन्नत करने का आदेश देते हैं।

| नाम | पदोन्नति की तिथि |
|----------------------|---------------------|
| सर्वश्री | , |
| 1. के० के० कोहली | 1-3-1984 |
| 2. शिव चरन | 1-5-1984 |
| 3. अ० प्र० गांगुली | 29-8-1984 |
| 4. विनोद कुमार क्पूर | 29-8-1984 |
| 5. श्री दत्त | 6-4-1985 |
| 6. कुल भूषण धर | 31-12-1984 |
| 7. एम० आर० चौधरी | 31-12-1984 |

🌣 आर० पी० सिंह, उप निदेशक . लेखा परीक्षा

कार्यालय महालेखाकार लेखा म० प्र०

ग्वालियर, दिनांक

सं प्रशा एक पी ० एफ ० ए० जी ० एन ० / 121--श्री ए० जी० नारायणस्वामी, महालेखाकार लेखा प्रथम मध्य प्रदेश को आधवार्षिकी आयु हो जाने पर दिनांक 30-11-1985 को अपराह से शासकीय सेवा से निवृत्त किया जाता है।

> गी० मुखर्जी, विग्ठ उप महालेखाकार/प्रशा०

महालेखाकार कार्यालय-I, महाराष्ट्रा

(लेबा ग्रीर हर्नदारी)

बम्बई-400020, दिनांक 11 जून 1985

महालेखाकार (लेखा और ह हदारी)-I, महाराष्ट्र, बम्बई, अधीनस्थ लेखा सेवा के निज्नलिधित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट वियो गये दिनांक ने आगामी आदेश तक स्थानानन रूप से लेखा अधिकारी नियुक्त करते है।

| 末 。 | सं० | नाम | दिनांक |
|------------|-----|------------------------------|-----------------------|
| | 1. | श्री सी० जी० भाते राव | 10-6-1985 पूर्वाह |
| , | 2. | श्री एसं० सी० शर्मा | 10-6-1985-पूर्वाह |
| • | 3. | श्री बी० एल० हेडाऊ | 10-6-1985 पूर्वीह्र . |

एस० विश्वनाथन वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 जुन 1985 आयात निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1194/77-प्रशा० (राज०)/3128--संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र) नई दिल्ली में श्री बलबीर सिंह, नियंत्रक, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर, 31-3-1985 के अपराह से सरकारी ऐवा से निवृत्त हो गए हैं।

शंकर चंद

उप म्ख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1985

. सं० ए० 32013/(1)/84-प्रशा \circ III—-राष्ट्रपति, वस्त्र, रसायन में कनिष्ठ प्राध्यापक श्री एस० वी० माथुर को 21 मई 1985 से आगामी आदेशों तक के लिए भारतीय हथकरघा प्रौद्यो-गिकी संस्थान, वाराणसी में वरिष्ठ प्राध्यापन (वस्त्र रसायन) के पद पर नियुक्त करते है।

> वी० कैं० अभिनहोती अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय श्रोद्योगिक विकास विभाग विकास त्रायुक्त ल० उ० का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1985

्सं 12(7)/61-प्रशा० (गा०)-छण्ड IV---राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघ उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के निरंशक ग्रेड-2 (चर्म/पादुका) श्री एस० पी० सिंशागम को इसी कार्यालय में निदेशका ग्रेड 1 (चर्म/पादुका) के स्वर्म 1-6-1985 के पूर्वाह से अगले आदेश होने लक, नदर्भ आधार पर नियुक्त करते हैं।

संव 12(116)/61-अभाव (राजव) खण्ड JII---राष्ट्रपति क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली में निदेशक श्री एसव वंधोपध्याय को मेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर 31 मई, 1985(अपराह्र) पे सरकारी भेवा हैं भेवा निवृत्त होने की अनुमित प्रदान करते हैं।

मंगण्य-19018(618)/82-प्रशाय (राज्य)---राष्ट्रपति लघु उद्योग भेवा संस्थान, गुवाहाटी में महायक निदेशका, ग्रेट-1 (ग्रांतिकी), श्री सीय केय विश्वनाथन की, लघु उद्योग गेवा संस्थान, अहमदाबाद में 29 अप्रैल, 1985 के अगले आदेण होने तक उप निदेशक (ग्रांतिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> सी० मी० राय उप निदेश क

पूर्ति तथा निष्टान महानिवेशालय (प्रशासन अनुभाग ए-1)

नर्ड दिल्ली, दिनांक 28 जून 1985

म० ए०-1/1(262) मेबा——िमवृत्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर इस महानिदेशालय के स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) ग्रीं र स्थानापन्न उप महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) श्री पी० चक्रवर्ती दि० 30-6-85 के अपराह्म से सरकारी सेवा में निवृत्त हो गये हैं।

> राजबीर सिंह उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान फ्राँर कोमला मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूदैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 25 जून 1985

मं० 634 ज्वी/ए-19012 (य-वेज्वेज एम०)/80-19ब्री-- श्री के० वेज मुखर्जी, जिन्हें भारतीय भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिवर ते एद पर उम कार्यालय में दिनाक 10-4-84 की अधिसूचमा गं० 2819बी/ए-32013 (य-ड्रिविन)/78-19बी के श्रंतमेन स्थानापन्न पदोन्निक किया गया था, को उन्हें

मूत्र पद बिल्ड वकतीकी ग्रहायक (डिलिंग) पर इसी विभाग में 21 फल्परी, 1984 के अपराह्म में परिवर्तित किया जा रहा है।

में० 6352वी/ए-32014 (2-ए०जी०-1)/81-19बी--भारतीय भूतैज्ञातिक सर्वेक्षण के महाधिदेशक भारतीय भूतैज्ञातिक सर्वेक्षण के विष्ट कन्नदीकी सहायक (भूभीतिकी कार्यशाला)
(धी मानवेन्द्र दास को सहायक भूभौतिकीविद) उपकरण के या में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200-रुप्ये के वेतनगान के वेतन पर, स्थानापन क्षमता में, आगामी आदेश होन नक 13-5-85 के पूर्वाह्र से पदो-

मं० 6368बी०/ए०-19012(1-ए० के० एस०)/82-19ए०---भारतीय धूर्वज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूर्वज्ञानिक श्री अभय कुमार सिंह ने भारतीय भूर्वज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूर्वज्ञानिक के पद का कार्यभार 19-4-1984 के अपराह्म से त्यागपत्म पर छोड़ दिया।

> अमित कुशारी निर्देशक (कार्मिक)

भारतीय खान न्यूरो भागपुर, दिभांक 25 जून 1985

सं० ए०-19011 (257)/79-स्था० ए०--श्री पी० जी० कुलकर्णी, उप खनिज अर्थणास्त्री (सांख्यिकी), भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर ने दिनांक 31 मार्च 1985 के अपराह्म से उपरोक्त पद त्याग कर दिया है।

मं० ए०-19011 (380)/85-स्था० ए०—राष्ट्रपति मंघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, श्री एच० आर० आखरू, स्थानापन्न सहायक खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ट्यूनों में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में विनांक 31 गई 1985 के अपराह्म से सहयं नियुक्त करते है।

> ज० च० शर्मा सहायक प्रणासन अधिकारी कृते महानियंत्रक

भारतीय मानविज्ञान सर्वेक्षण वालकत्ता-16, दिनांक 25 जून, 1985

सं० 18-79/79/स्थापना—भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के थी सुभाष चन्द्र बहुत्पाध्याय, अनुसंधान सहायक (भाषा विज्ञानी) 13 मई, 1985 पुर्वीद्ध में अगला आदेण तक इस सर्वेक्षण के उत्तर पश्चिमी क्षेत्र, देहणादूर में यह भाषा विज्ञानी, युप 'वी' (राजपीवन) के एए एए स्थानापन्न के रूप में पदोन्नति हुई है।

ए० के० याग गुप्ता वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन कलकत्ता-700019, दिनांक 27 जून 1985

सं० 35-2/83/स्था०—श्री सुकुमार मुखर्जी जो राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में वैज्ञामिक अधिकारी के पर पर पूर्ण रूपेण अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त थें, किन्छ तकनीकी अधिकारी (समूह 'ख', राजपित्रत, (वेतनमान रू० 650-1200) के पद पर दिमांक 26 अप्रैल, 1985 पूर्वीह्न से अन्य आदेश न होने तक प्रदोक्षत किए जाते हैं।

शा० कु० दत्त, निदेशक

स्वास्थ्य मेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, विभांक 27 जून 1985

सं० ए० 19018/4/85-एम० (एफ० एण्ड एस०)— राष्ट्रपति ने डा० आर० सुन्दरसन को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान, संस्थान, पाण्डिचेरी में 17 मई, 1984 से जीव रसायन विज्ञान के सहायक प्रोफैसर के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> पी० के० यई उप निदेशक प्रशासन (रोकड एवं बजट)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई, 400085, विमांक 26 अप्रैल 1985

''श्री रामबाबू ट्रेड्स मैंन (सी) रिएक्टर आपरेशन्स डिबीजन अपनी डि्यूटी से 17 नवम्बर 1984 से अमधिकृत रूप से अनुपस्थित हैं ।

अपने उपर्युक्त आचरण के कारण उपर्युक्त श्री राम बाबू ने अपने कर्तव्य के प्रति अबहेलना प्रदिशित की है तथा केन्द्रीय सिनिल सेवाएं (आचरण) नियमावली 1964 के नियम 3 के उपनियम (1), (2) तथा (3) - के उल्लंघन में उन्होंने सरकारी कर्मचारी न होने योग्य काम किया है।

ग्रीर जबकि कथित श्री राम बाबू को दिमांक 26 फरवरी, 1985 के कार्यालय शापन संख्या 7(1)/85/सदर्कता/662 के द्वारा केन्द्रीय सिविल मेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली 1965 के वियम 14 के अधीन उन पर सगाये गये आरोप तथा उस संबंध में की जाने वाली कार्रवाई से सुवित किया गया था।

भौर गविक उपर्युक्त झापन वाले लिफाफी उसके झात पतें पर राजस्ट्री द्वारा भेजने पर वापस लौट आए। ं और अबिक कथित श्री राम बाबू इस कार्यालय को अपने पते से सुचित करने में असमर्थ रहें हैं।

श्रीर जबकि कथित श्री राम बाबू लगातार बगैर इस कार्यालय को अपना एता बताए अनुएस्थित हैं, अधोहस्ताक्षर-कर्ता इस बात से पूर्ण संतुष्ट हैं कि केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपीलं) नियमावली 1965 के ग्रंतर्गत जांच आगे जारी रखमा व्यावहारिक नहीं हैं4

अत: अब, अधोहस्ताक्षरकर्ता केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियमावली 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) के उपवाक्य (बी) परमाणु ऊर्जा विभाग के दिशांक 7 जुलाई 1979 के आदेश संख्या 22(1)/68 प्रशासन-II तथा उपर्युक्त नियमावली के नियम 19(11) के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कथित श्री राम बाबू को उनकी सेवाश्रों से तत्काल निष्काषित करते हैं।

श्री राम बाबू को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त आदेण के खिलाफ अपील, अपीलीय प्राधिकारी, नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को की जा सकेगी। अपील, यदि कोई हो तो इस आदेश के मिलने के पैतालीस दिन के भीतर अधी-लीय प्राधिकारी के यहां दायर करें।

टी० जें० आसनाणी, अध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय स्रौर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 19 जून 1985

सँ० डी० पी० एस०/2/1(11)/83-प्रशा०/17864— इस निवेशालय के दिनांक 19-3-85 के अधिसूजना संख्या डी० पं ० एस०/41/9-85-प्रशा०/7911 के कम में परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रम और भंडार के निवेशक ने इस निवेशालय के स्थायी भंडारी श्री पी० सी० गर्मा को इसी निवेशालय में 31 जुलाई, 1985 या अगले आदेश होने तम, जो भी पहले हो सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार परस्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 21 जून 1985

सं० डी० पी० एस०/41/3/85-प्रणा०/3841/ — परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार सिदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल थी अनिल माध्य परलकर को इसी निदेशासूप में दिनांक 8-5-85 (पूर्वाह्न) से 7-6-85 (अपराह्न) ते के स्पये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थाना- पन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी थी टी० एम० अलेक्जेंडर के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अविध के लिए छुट्टी प्रदान की है।

বিধকা 29 ুন 1985

मं० डी॰ पी॰ एनं०/41/1/85-नेशा०/3847 परमाणु उनी विकास, कह और क्रवार निवेशक के स्थाई कर सहायर श्री काकिन्य सानिये के निवेशक ने स्थाई कर सहायर श्री काकिन्य सानिये को उनी निवेशालय में विकास 8-5-85 (पूर्णाह) से १८१-6-85 (प्रयस्त्र) तक सूत्र्य 650-30-740-35-810 यह रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के विकासान में महायक क्रय अधिवारी के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री पी० एन० यू० नायर, सहायक क्रय अधिकारी, उ० ए० प कमिन के स्थान पर की नाई है जिन्हें उन्त अवधि के लिये छुट्टी प्रवान की गई है।

पी० गोपालन प्रभा० **अधि** सारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद - 500762, दिनांक 11 जून 1985

मं० ना ई स/बा० प्र० भ/0704/1182:—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० नाई भ/गा० प्र० भ/0704/1001, दिनांश कि अधिसूचना सं० नाई भ/गा० प्र० भ/0704/1001, दिनांश कि इंदि, 1985 ने क्रम में प्रचरण श्रेणी लिपिक श्री व० र० ना० श्रय्यार की महायव रामिडा अधिवारी ने क्रम में र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 ने वेतनमान में तदर्थ आधार पर नियुधित को दिनात 29-6-1985 पर्यंत या श्राणामी श्रादेशों पर्यन्त इनमें से जो भी पूर्व घटित हो, श्राणे घढाया जाता है।

जी० जी० कुलकर्णी, प्रबन्धक, कामिक व प्रशासन

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना अनुणनित दिन*े ३* 17 जून 1985

सं० रा० प० बिय/भर्ती/8(7)/85/स्य/264:---राजस्थान परमाणु बिजलीधर के मुख्य प्रधीक्षक पीपोइ डी पूल के स्थाई निजी सहायक तथा भारी पानी परियोजना (कोटा) के स्थानापन्न श्रम एवं कृत्याण प्रधिकारी श्री एम० श्ररविन्दाक्षन को राजस्थान परमाणु बिजली घर में 29-5- 85 के पूर्विन्न से अगलें आवेश होने तक के लिये स्थानापन्न औद्योगिक मंपर्क अधिकारी रुए 840--1200 के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रार० के० **चौप**ड़ा, सह्ायल ार्मिक शविकारी (भर्नी)

भारी पानी परियोजनायें बम्बई-1400008, दिन्ता 28 जून, 1985

मं० 05012/म5/2346: --भारीं पानीं परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, मद्रान परमाणु विजली परियोजना, परमाणु ऊर्जी लिमाग श्री डीं० नारायणन नायर, स्थाई भागुलिपिए (्निष्ट) तथा स्थानापन्न आशुलिपिक (बरिष्ट) को, भारी पानी पांत्र्योजना (तलचर) में पूर्वाह्न 29 अप्रैल, 1985 में प्राचे आदेश होने नाउं के लिये स्थानापन्न नहायक हार्मिक प्रतिकारी निशुक्त करते हैं।

> श्रीमतीं के० पीं० सल्याणी**कुट्टी**, प्रशासन अधिवासी,

बेंगलूर 560017, दिनांत 6 जून 1985

मं० 0201/1(15.4)/85-स्थापना:--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के श्री एमं० प्रभाकर कौषिक, वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता एसं० बीं० से प्राप्त त्याग पत्र को दिनांक 21 मार्च, 1985 के ग्रपराह्न से सहर्थ स्वींकार करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रणासन ग्रधिकारी~

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिस्त्री, दिनांक 24 जून, 1985

मं० ए० 35018/1/85 श्रई० एस०—-राष्ट्रपति, मूल नियम 56 के० के श्रधीन, श्री एस० एन० बसु, विमान निरीक्षण (इस समय उड़ान योग्यता श्रधिकारी) की सरकारी सेया से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति की प्रार्थना दिनांक 27-5 1985 (श्रपराञ्ज) से जस्तीकार करते हैं।

दिनांक 26 जून 1985

सं० ए० 19011/1/85 दै० एस०:—सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त होने पर, श्री बीं० श्रार० श्रार० श्ररावा, नियंत्रक उड़ान योग्यता दिनोक 31-5-85 (श्रपराह्म) संुसरकारी सेवा से निवृत्त हो गर्ये हैं।

एम० भट्टाचार्जी, सहाय ह निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्लीं-11,0066, दिनांक 26 जून 1985

सं० ए० 19012/1102/85 स्थापना प्रांच: -- अध्यक्ष, केरद्रीय जल आयाग श्री प्रांतिल कुमार चीधरी, प्रांभिकल्प सहाय 5 की प्रांतिरिकत सहाय 5 निदेग ह/ पहाय 7 डंजीनियर (इंजीनियरों) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 20-5-1985 की पूर्वाह्म से एउ वर्ष की प्रांति के लिये प्रथमा पद के नियमित प्राधार पर भरे जाने तह, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियम्त करते हैं।

दिनां क 28 जून, 1985 :

सं०ए० 0-19012/1100/85-प्यास्ता पाव --- विद्यामी। पदोन्नित समिति (समूह छ) की िकारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रोय जल आयोग, श्री जित्रेश पाय बन्द्रा पर्यवेत । को केन्द्रोय जल आयोग में अतिरिक्त पहाबह । विद्रेश / तहाय । इंजीनियर के ग्रेड में 650-30 · 740-35 - 810 - द० रो०- 35-880 · 40-1000 - द० रो०- 40-1200 के वेतनमान में 6-5-1985 को पूर्वाह्न से अन्य आदेशों प्रश्न नियमित न आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीं से दो वर्ष की अवधि के लिये परित्रींक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी श्ररोड़ा, र सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1985

सं० 1/139/69ई० सी०-9—इस क्रिभाग के वरिष्ठ वास्तुक, श्री जे० ग्रार० यादव वार्धक्य की ग्रायु प्राप्त करने पर $30/\sqrt{1985}$ जून, 1985 (ग्रपराह्म) को सेरकारी सेवा से नियुत होते हैं।

पृथ्वी पाल सिंह, प्रशासन उपनिदेशक

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनीयों के रजिस्ट्रार का कार्यानय

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 और मैं० महाशक्ति स्टैंड एण्ड एग्रीकल्चरल फामर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1985

सं ० 12380/22974 कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 569 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्दारा

यह सूचना दी जाती है कि मैं महाश्वित स्टेंड एण्ड एग्री-कल्चरल फार्मर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

> तेज प्रकाश गर्मा, सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार

कोचीन ग्रायकर ग्रायुक्त का कार्यालय कोचीन-682016' दिनांक 4 जून 1985

शुद्धि पत्न

सं० 1(9)/(बी०)/जी० एल०/85-86: ग्रधिस्चना सं० 1/85-86(सी० सं० 1(9)/बी/जी० एल०/85-86) दिनांक 10-5-1985 के ग्रन्तगंत कम सं० 6 के कालम 4 (ग्रधिकारिता क्षेत्र) में मद सं० (1) में उल्लिखित वाक्य के स्थान पर 'पहले का ग्रायकर ग्रधिकारी, ए वार्ड, कम्पनी सर्किल, एरणाकुलम को सौंपे सभी मामले पढ़ा जायेगा कि कालम 4 में मद सं० (ii) में उल्लिखित वाक्य 'पहले का ग्रायकर ग्रधिकारी, बी वार्ड, कम्पनी सर्किल, एरणाकुलम को सौंपे सभी मामले पढ़ा जायेगा।

- 2. ग्रायकर ग्रधिकारी, बी वार्ड, सर्किल-2 के ग्रधिकारिता क्षेत्र के ग्रन्तर्गत उल्लिखित मद (ख) 'जिनकी ग्रधिकारिता ग्रायकर ग्रधिकारी, ए वार्ड, सी वार्ड, डी० वार्ड और ई वार्ड, सर्किल-2 एरणाकुलम पढ़ी जायेगी।
- 3. ग्रायकर ग्रधिकारी, सी० वार्ड, सर्किल-2 के ग्रधि-कारिता क्षेत्र के ग्रन्तर्गत उल्लिखित मद ग्रायकर ग्रधिकारी, ए० वार्ड, बी० वार्ड, डी० वार्ड, और ई वार्ड, सिकल 2 एरणा कुलम को निहित ग्रधिकारिता को छोड़कर इस ग्रादेश के ग्रामुख में विनिदिष्ट ग्रिधिकारिता क्षेत्र के ग्रन्तर्गत सभी ट्यक्ति, पढ़ी जायेगी।

कोचीन, दिनांक 11 जून 1985

आयकर

सी॰सं॰ 1(9)/जी॰ एल॰|24|85-86—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की उपधारा (1) स्रौर (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए कोचीन आयकर आयुक्त में एतद्द्वारा निदेश करता हूं कि दिनांक 15-6-1985 से संलग्न

अनुसूची के कालम 3 में उत्तिलिखित आयहर अधिकारी कालम 4 में निर्दिष्ट कार्यक्षेत्र, व्यक्ति व्यक्तियों की श्रेणी, आय,आयकी श्रेणी, मामले या मामलों की श्रेणी से संबंधित सभी प्रकार्यों का निर्वाह्म करेंगे।

अनुसूची

| म सं० | सकिल का नाम | आय हर अधिकारी का पदनाम | अधिकारिता क्षेत्र |
|------------------------|-------------|---------------------------------|---|
| | 2 | 3 | 4 |
| 1. आयहरसाँहत, हण्णूर | | आयक्तर अधिकारी, ए-वार्ड, कण्णूर | आयकर अधिनियम, 1961 की धार 124, 126 श्री र/अथवा 127 (1) के अधिन निम्नलिखित की की श्री श्री श्री श्री श्री श्री श्री भामलीं को छोड़क श्री सभी व्यक्ति जिसके मार्मलीं में 1-4-1983 की पूरा किए गए सबसे बांब के निर्वारण अथवा फाइल की गर विवरणी के अनुसार कुल आम म हानि 1,00,000/- श्री र अधिक हो : कण्णूर जिला के बल्चिपट्टम, अषीकोर श्री र विप्यक्ति जिलक श्री हो कर कण्णूर राजस्व तालुक। उक्त की के सभी व्यक्ति जिलक अबतक कर निर्वारण नहीं हो चुक है तथा इसके प्रचात् कि को बार के अधिक रामि की आम अथवा हानि की घोषणा देते हा आम अथवा हानि की घोषणा देते हा अथवा फाइल की जाएगी। |
| | | | 3. उपरोक्त मद (1) फ्रींर (2) उ उष्टिलिखित श्रेणियों के ऐसे सभी व्यक्ति जिनकी आय केवल व्यवसाय या वृष्टि सं हो अथवा किसी एक फर्मे या फर्मे व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों है क्तिया के शेयर से पैदा हो, चा उनकी आय या हानि कुछ भी हो |
| | | | 4. आयकर सिंकल, कण्णूर के अधिकारित क्षेत्र के प्रत्यंत ऐसे सभी व्यक्ति जिनकी आय चिकित्सा वृत्ति से पैदा हो। |
| | | | 5. अन्य सभी मामले जिनका आयक अधिनियम, 1961 की धारा 124 126 और अथवा 127(1) व अधीन विशेष उल्लेख किया गया है |
| 2. आयक्र सक्तिल कण्णूर | : | आयकर अधिकारी, बीं-वार्ड, कण्णूर | आयकर अधिनियम, 1961 की धा 124, 126 फ्रींर/अथवा 127(1 के अधीन निम्निलिखित क्षेत्र के फ्रंतर्ग अन्य किसी आयक्तर अधिकारी प |

1

2 3

सींपे मामलों को छोड़कर प्रोष सभी व्यक्ति जिनके मामलों में 1-4-83 को पूरा किए गए सबसे बाद के निर्धारण या फाइल की गई विवरणी के अनु- सार कुल आय या हानि 1,00,000 घोर अधिक हो: क. कण्णर जिला के तलिप्परंब गौर

4

- क. कण्णूर जिला के तलिप्परेंब 'ग्रौर तलग्रगेरी राजस्व तालुक।
- ख. वयनाड जिला का पुराना नार्थ वायनाड राजस्व तालुक।
- ग. सं० राज्य क्षेत्र माहि, ग्रौर
- ण. कण्णूर जिला में कण्णूर तालुक के बलियपट्टम, अधीकोड़ ग्रीर चिरक्कल पंचायत।
- 2. जपरोक्त मद (1) में उल्लिखित क्षेत्र के सभी व्यक्ति जिनका अब तक कर निर्धारण नहीं हो चुका है तथा इन्क्रि-पश्चास् जिनके द्वारा द० 30,000 से अधिक राशि की आय की विधरणी फाइल की गयी है अथवा फाइल की जाएगी।
- 3. उपरोक्त मद (1) थ्रौर (2) में उल्लिखित श्रेणियों के ऐसे सभी, व्यक्ति जिनकी आय केवल व्यवसाय या वृत्ति से हो अथवा किसी एक फर्म या फर्मों, व्यक्तियों के संगम या व्यक्टियों के निकाय के शेयर से पैदा हो, वाहे उनकी आय या हानि कुछ भी हो।
- 4. आयकर सिंकल, कण्णूर के अधिकारिता क्षेत्र के ध्रंतर्गत ऐसें सभी व्यक्ति जिनकी आय चिकित्सा वृत्ति से पैदा नहीं है।
- 5. आयकर सर्किल, कण्णूर के अधि-कारिता क्षेत्र के प्रतर्गत धार्मिक भौर/ अथवा पूर्व न्यास से संबंधित सभी मामले।
- 6. कण्णूर राजस्य जिला, वयनाड जिला के पुराने नार्थ वयनाड तालुक धीर संभू राज्य क्षेत्र माहि के ग्रंतर्गत ऐसे सभी क्यक्ति जिनकी आय ठेकेदारी व्यवसाय से पैदा हो, चाहे आय की सीमा कुछ भी हो।

अधिनियम, 1961 की धारा 124, 126 ग्रीर/अथवा 127(1) के अधीन

विशेष उल्लेख किया गया है।

भाग III--खण्ड 1] भारत का राजपत्त, जुलाई 20, 1985 (भाषाइ 29, 1907) 24103 2 3 1 7. अन्य सभी मामले जिनका आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 124, 126 भीर/अथवा 127(1) के अधीन विशेष उल्लेख किया गया है। आमकर अधिकारी, सी-वार्ड कण्णुर आयकरआधनियम, 1961 की धारी 124, 3. आयकर सर्किल कण्णुर 126 भौर/अथवा 127(1) के अधीन अन्य किसी आयकर अधिकारी को सौंपे मामलों को छोड़कर / शेष सभी व्यक्ति जो बलियपट्टम पंचायत को छोड़कर कण्णूर राजस्व तालुक के भंतर्गत हो, जिनके मामलों में 1-4-83 सबसे बाद के को पूरा किए गए निर्धारण अथवा फाइल की गई विवरणी के अनुसार कुल आय या हानि रु० 1,00,000/- से कम हो। इनमें 1-4-85 की फाइल की गई सबसे ब्राव की विवरणीया निर्धारण के अनुसार रु० 25,000/- तक के मामल शामिल नहीं होंगे। 2. उक्त क्षेत्र के सभी व्यक्ति जिनका अबतक कर निर्धारण नहीं हो चुका है तथा इसके पश्चात् जिनके द्वारा ६० 30,000 से अधिक राणि की आय अथवा हानि की घोषणा देते हुए आय की विवरणी फाइल की गयी है अथवा फाइल की जाएगी। 3. उपरोक्त मव (1) फ्रीर (2) में उल्लि-खित श्रेणियों के ऐसे सभी व्यक्ति जो यदि एभीर बी-वार्ड द्वारा निर्धारण के बाध्य नहीं हो जिनकी आय केवल व्यवसाय या वृत्ति से हो अथवा किसी एक फर्म या फर्मी, व्यक्तियों के संगम या व्यष्टियों के निकाय के शेयर से पैदा हो, चाहे उनकी आयया हानि क्छ भी हो। 4. ऊपर (1) में उल्लिखित क्षेत्र के प्रतर्गत ऐसे सभी व्यक्ति जो आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 133क के अधीन कार्रवाई के फलस्वरूप लिये गए हो। 5. अप्य सभी मामले जिनका आयकर

1

2

3

4. आयक्तर सिंकल कण्णूर . . . आयकर अधिकारी, **डी-वार्ड, कण्णूर**

1. आयधर अधिनियम, 1961 की धारा 124, 126 भ्रौर/अथवा 127(1) के अधीन-निम्नलिखित क, ख, ग ग्रीर घ के अन्तर्गत अन्य किसी आयकर अधि-कारी को सौंपे मामलों को छोडकर शेष सभी व्यक्ति जिन के मामलों में 1-4-83 को की गई सबसे बाद की विवरणी या पूरा किए गए निर्धारण के अनुसार मूल आय या हानि रू० 1,00,000/ से कम हो। इनमें बलियपट्टम पंचायत के श्रंतर्गत i-4-85 को फाइल की गई . सबसे बाद की विवरणी गा पूरा किए गये निर्धारण के अनुसार रू० 25000/ तक के मामले शामिल महीं होंगे:---

- (क) कण्णूर जिला के तलकारी ग्रीर तलिप्परंग्न राजस्य तम्बुँक
- (ख) वयनाड जिला का पुराना नार्य वायना
- (ग) संघ राज्य क्षेत्र माहि, धौर
- (घ) कण्णूर तालुक में बलियपट्टम पंचायत
- 2. उक्त क्षेत्र के सभी व्यक्ति जिनका अब तक कर निर्धारण नहीं हो चुका है तथा इसके पश्चात् जिनके द्वारा रू० 30,000 से अधिक की आय अथवा हानि की घोषणा देते हुए आय की विवरणी फाइल की गई है अथवा फाइल की जाएगी।
- 3. उपरोक्त मद (1) घौर (2) में उस्लि खित श्रेणियों के ऐसे सभी व्यक्ति जो यदि ए घौर बी वार्ड द्वारा निर्धारण के बाध्य नहीं हो जिनकी आय केवल व्यवसाय या वृत्ति से हो अथवा किसी एक फर्म या फर्मों, व्यक्तियों के संगम या व्यक्टियों के निकाय के घेयर से पैदा हो, चाहे उनकी आय या हानि कुछ भी हो।
- 4. कपर (1) में उल्लिखित क्षेत्र के प्रतर्गते ऐसे सभी व्यक्ति जो आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 133क के अधीन कार्रवाई के फलस्बरूप लिखे गए

105 2 1 3 5. अन्य सभी मामले जिनका आयकर अधि नियम, 1961 की घारा 124, 126 धौर/अथवा 127(1) के अधीन विषेष उल्लेख किया गया है। . . अधकर अधिकारी, **ई-वाई**, कण्णूर 1. आयकर अधिनियम की धारा 124. आयकर सिकल, कम्णुर 126 फ्रीर/अथवा 127(1) के अधीन कण्णुर राजस्व तालुक के श्रंतर्गत अन्य किसी आयकर अधिकारी को सीपे मामलों की छोड़कर शेष सभी व्यक्ति जिनके मामलों में 1-4-85 को फाइल की गई विवरणी या निर्धारण के अनुसार कुल आय रू० 25,000/-तक हो। इनमें आयकर अधिकारी ए-वार्ड, डी-वार्ड , सी-वार्ड तथा डी-वार्ड, कण्णूरं द्वारा निर्धारित फर्म के भागीबार श्रीर ऐसे व्यक्ति शामिल नहीं होंगे जिनकी आम चिकित्सा पुत्ति से पैदा हो। 2. आयकर सकिल, कण्णूर के अधिकारिता धीव के श्रंतर्गत 1-4-85 ऐसं सभी व्यक्ति जिनकी आप बेतन (किन्तु इसमें व्यवसाय या वृत्ति से पैदा आम धामिल नहीं होंगी) से पैदा हो।

2. मे आदेश विनांक 15-6-1985 से लागू होंगे।

एम० जै०मासन कोचीन आयकर आयुक्त

एकप् भार्य्य दी : एक् :, पुरा_{र्य} : • : = e---:

बाय्कर व्यथितियम, 1961 (1961 वा 43) की भाष 269-व (1) वे व्यथित स्वया

धाउत बरकाड

कायलिय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5810-5811--अतः मुझे, जे० एस० गिरधर

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार प्रविचार कहा गया है), की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर स्प्यास, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फरीवकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीवकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाबार भूश्य के कम के क्यां का प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मुधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बहु प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिए तम्

- (क) ब्लाइन हे हुई किसी बाव की बाबत, बक्क लागीनगम के नभीन कर दोने के अन्तरक के लागिक की कमी करने वा उससे बचने की क्रिया के हिंगए; बॉर/वा
- (च) एखं किसी नायं या किसी भन वा जन्त जारिस्कृते को जिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत निभिनियम, वा भन्कृत निभिनियम, 1957 (1957 का 27) व अयोजनार्थ जन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिए;

बतः जब उक्त विभिन्तियम की धारा 269-म को बन्तरक को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हैं सभीन, निम्नु-निवित स्पृतिकारों, अर्थात् हन्न

- (1) श्री कुलभूषण राय, पुत्र उलफत राय, वासी गली नं० 6, डोगर बस्ती, फरीदकोट, आर० डी० नं० 2403, 2521 (अन्तरक)
- (2) श्री साहिव सिंह, पुत्र श्रीतम सिंह, वासी गली नं० पू, डोगर बस्ती, फरीदकोट, (आर० डी० नं० 2403) तथा गुरजीत सिंह पुत्र श्रीतम सिंह, मार्फत, उपरोक्त आर० डी० 2521

(अन्तरितो)

कार्यह सूचना चारी करके पूर्वोक्तः स्म्यति के वर्धन के हिन्छ कार्यवाहियां कारता हुन्।

उपत तुम्मृति से अर्थन् के सम्बन्ध में कोर्य भी भारतेष 🐃

- (क)। इस सूचना के राजपण में जकरान की टारींच वे 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में तथाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाब्द;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच छै 45 दिन के भीतर उपत स्थायर सम्पत्ति में हिएबब्ध स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी निचित में किए जा सकरेंगे

स्वकारिक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया मुंबा है।।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2403 भौर 2521 दिनांक प्रक्तूबर 1984, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीवकोट ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृक्षजैन रेंज, जालन्छर

दिनांक: 3-6-1985

मोहुद्ध 😘

मुक्तपु नाइ^कः टी.: एव : एस : ---------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन स्वाना

६ **रह**्गरकाः -

कार्यालय, नहायक जायकर आयुक्त (निर्वाश)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5812—अतः मुझे जे० एस० गिरघर

षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भाषिनियम' कहा गया है), को भारा 269-च भी अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इपसे उपाबज़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

में पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहीमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी अन था अन्य आस्तिकी को जिन्ही आरसीय जायक र जिन्ही भीरतिया, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अनकर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ज्या या किया जाना आहिए था, कियाने वें सुविधा के लिए;

बतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसद्यम् ते, ते, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को उपभारा (1) के सधीन, निकासिकिय व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्री मुगील कुमार पुरी, पुत्र श्री खैराती लाल, गासी-4-ए, वादा नगर, ग्रीन माडल टाउन, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमरजीत कौर, पत्नी श्री सुरिन्दर जीत सिंह, वासी 189, आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिय कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकर्ण हे—इसमें प्यक्त कान्यों और प्यों का, जो उक्क अधिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या कैं।

जनसंची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 3272 दिनाक नवम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जैन रेंज, जासन्धर

दिनांक : 3-6-1985

मोहद्र ध

प्रकृष बाह् ह टी. एम् व इस् . मनम्प्रक्रम

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनोक 10 जून 1985

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5813---अतः मुखे जे० एल०, गिरधर

नायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

घोर जिसकी सं० (जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजन है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख अक्तूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अंतिरित की गई है और मूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार ब्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितिमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में राहसविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई फिसी जाय की वावत, अक्त अभिनियंत्र की अवीम अहर दोने की जन्तरक की शामित्व में कमी करने या अलखे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन था जन्म आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिध्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिध्यम, या धनकर अधिनिध्यम, या धनकर अधिनिध्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्याप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, किया में स्विधा की किए;

श्रीमती सुरजीत शौर,
 मली जरनैल सिंह,
 वासी--गांव खेड़ा, सहसील कपूरवला ।

(अन्तरक)

(2) श्री शोवन लाल, पुत्त श्री रतन चन्द वासी-473, न्यू जवाहर नगर, भाषत्वर ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना चारों करको पूर्णोक्त संस्पत्ति को अर्जान को जिए। कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उन्त संपत्ति के अंबंग के संबंध में कोड़ भी आक्रोप ट्रास्ट

- (क) इस सुभना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सुभना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकेश विकाश में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीबा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्तित व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिश्चित में विश्र का सकरें।

स्वक्यीकपुर्वः --- इसमें प्रध्वत कन्यों और वयों का, खों स्वक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं ॥

पनुसूची

व्यक्ति तथा सप्प्यति जैसा कि विलेख नं० 2845 दिनांक अनुतूबर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर संसम प्राधिकारी सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसूरण में, में दक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीर, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विभिक्त : 10= 6- 1985

मोक्स ७

प्रथम बार्च ही ,युव ,युव ,-----

नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन भूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक बायकर वासुक्त (रिनर्शक्षण)

अर्जन रेंज, जासन्धर जालन्धर, दिशांक 12 जूम 1985 निदेश सं०ए०पी०नं० 5814—अतः **मुझे**, जे० एस० धर

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसमें परचाह 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भाषा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्तास अध्ये का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाचार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० (जैसा कि अनसूची में लिखा है) तथा जो मुक्त्यूदपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनसूची में श्रीर पूर्ण किं से विणित है) रिजस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मूल्य से कम के दरवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई आरे मुझे यह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उणित बाबार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एरे दर्यमान प्रतिफल का पल्चह प्रतिधत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वाया नवा शिवका, निम्नितियित क्यूबरेच से सकत अध्यस्म किंद्य में बास्विक रूप से कृतिय नहीं विद्या नवा है —

- (क) अन्तरण से हुई किथीं बाय की बावसा, उपस् अभिनियम के अभीम कर दोने के बलारण के वापित्य में कजी करने का उससे नचने में सुविधा से सिए; कोर/का
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी भन ना बच्च कास्तिकों नते, चिन्हें भारतीय बान-कर विधितस्य, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधितन्त, वा भन-कर विधितस्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिली बुनारा प्रकट नहीं किया नवा था का किया जाना चाहिए था, किपाने जें कृषिभा के लिए;

(1) श्री अमीरवन्द वर्मा पुत्र वृज लाल वर्मा, जनरल अटानी श्री अजय मनमोहन मेहना पुत्र वृज लाल मेहना, गारडियन आफ अजय मेहना, पुत्र मनमोहन मेहना, 240/2, शहीद उधमसिंह नगरय, जालन्धर।

(अन्सरक)

(2) श्री रोगन सिंह, जसवन्त सिंह, सन्तोख सिंह, पुत्र श्री नाजर सिंह, वासी चीमां कला, तहसील फिलार, जिला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोच्छ सन्पत्ति से मर्थन के विष् कार्यमाहियां करता हो।

वक्स सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी कामोप :----

- (क) इत बुचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की संवीध ना तत्त्रध्वनथी न्यवित्तवों वर सूचना की तामीस से 30 दिन की संबीध, को भी संवीध नाथ में समाप्त होती हो, लो भीतर पूर्वोंक्थ स्ववित्तवों में से किसी न्यवित बुवारा;
- (य) इस स्थाना के राजधन को प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्वादर सम्पत्ति में द्वित-यस्थ किसी जन्म स्वतित स्वारा, अभोहस्साक्षरी से पास लिसित में किए जा सकोंने।

स्थव्यक्तिरणः---इसमे प्रमुक्त कव्यों और नवों का, जो उक्त विश्व-नियक के कथ्यान 20-क में परिभाव्यि हो। नहीं कर्य होगा, को उक्त कथ्यान में दिना गंगा हो।

वन् सूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3129 दिनांक अक्तूबर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जन: जन, उन्ता लिंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उन्ता अधिनियम की धारा 269-**ग की उपभारा (1)** के अधीन सम्मासि**द्य स्पन्तियाँ स्वाप्ति स**म्मा

3-156GI/85

विनांक : 12-3-1985

मोहरः

प्रकृषः बार्षः, टी. एनः, एसः, ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जम रेंज, जालन्धर क्षाप्त विभाग १२ जन १

जालन्धर, दिमांक 12 जून 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5815—-अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० (जैंसा कि अनुसूची में लिखा है) सथा जी फिरोजपुर में स्थित है (म्रांर इससे उपाबद्ध अनसूची में म्रांर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रेलवे कर्मचारी की० पी० सोसायटी लि० फिरोजपुर द्वारा रेजोल्प्रां नं० 3, दिनांक 13-12-1984 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिनम्बर 13 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपितित का जावत बाजार-मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाया क्या प्रतिफल, विस्तिवित स्वृद्धित से उक्त अन्तरण मिश्वित में बास्त्विक रूप से कृषित महीं किया गया है ह---

- (क) संतरण से हुई किसी आय की बाबत, उपत अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे क्वने में धृतिभा के सिए; और/मा
- '(ड) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- अधिनियम, या अन- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सृष्धिया के लिए;

चतः भव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की वन्तरभ की, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिर्मुं, अभृति :--- (1) श्री सोहन लाल मार्फत रेलवे वर्मचारी को० पो० सोसायटी सि० फिरोजपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह, पुत्र श्री प्रीतम सिंह, कोठी नं० 84, प्रीत मगर, फिरोजपुर महर ।

(अन्तरिती)

का यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काहें भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थितियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए आ सकीं।

स्वक्षिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ शोगा, का उस अध्याय में दियः। गवा हैं।

Bund

रेलवे कंमंचारी को० पो० सोसायटी लि० फिरोजपुर द्वारा रेजोलूशन न० 3, दिनांक 13-12-1984 को सम्पति कोठी नं • 84, प्रीत नगर फिरोजपुर के अनुसार।

जे० एम० गिरधर के सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

दिनांक: 12-6-1985

मोहर:

प्रकल् कार्युं ही हुन्तुः सुर्वात लाग स्टामक कायकार्युं क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के क्षीन कुल्ला

भारत सरकार

कार्यक्षय, सहायक गायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, नई दिल्ली

नई दल्ली, दिनांक 4 जून 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/659 अत: मझे के० वास्वेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० 26 है तथा जो उत्तम नगर, नई दिल्ली में स्थित है (म्रोर इससे उपत्बद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिल्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयाहर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

-कार्य पूर्वीक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रातशत स अधिक है बीच कन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त क्षिपियम् के क्षीन् कर दोने के मृत्युरक के ब्रानित्व में कमी करने वा उक्के क्षाने में सुविधा के मिए; भीर/वा
- (क) हांची कियी जान या किसी धन या जन्म जास्सियों का, जिन्हों भाउतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधालनार्थ जन्तिरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना काहिए था, कियाने में सूर्यिका वी जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती वेद कुम।री,निव।सी-2746, 'रनजीत नगर ,नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज कुमारी, निवासी-के-559, मंगोल पुरी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्कान बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप ए---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीचा हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाचिट ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

प्लाट नंव 26. (नार्थन हल्प) ब्लाक-यू, उत्तम नगप, ग्राम बिन्दापुर, नई दिल्ली, तादानी 108 वर्गगज ।

> े के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3; न**ई दिल्ली**

दिनांक : 4-6-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ. टी. एन . एस . -------

शायकर भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांज 4 जून 1985

भिवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/10-84/662 अत: मुझे के० वास्देशन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मोधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वार कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिल्ला सं० 13 है तथा जो 19, यूनुफ मराय, भई दिल्ली में स्थित है (श्रार इत्तरे उपाबद अनसूची में श्रीर पूर्ण का रो विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली में भारतीय आयंकर अधिनियम 1961 के अधीम तारीख असतुबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण से इन्हें किशी अस्त की हालन, तकः मौधित्यन के अभीन कर दोने के अस्तरक हो यागित्य मों कासी कारने या जावशे अवने मों सुविधाः वी सिए।
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायेंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाम क्षित्र था, खियाने में स्पिधा औ लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) बोम्बे बिल्डर्स इण्डिया (प्रा० लि०) 18, मालचा मार्ग, कर्माणयल कम्पलेक्स, नई दिल्ली ।

(अन्सरक)

(2) श्री जिल्मी० चौपड़ा श्रीर श्रीमती कमल चौपड़ा, निवासी-3, को-आपरेटिय सोसायटी (एम० डी० एस० ई० माग-2) नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांड्रों भी जाओंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सीवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेतित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीर्च से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पर्दी का, जो उक्त अधिनियम के बच्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अभे होगा जो उस अध्याय में विया स्या है।

पनुसूची

मोप नं 13, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्रोरियन्टल अपार्टमेंट, प्लाट नं 19, कम्यनिटी सेंधर, यूसुफ सराय, नई दिल्ली, तादाबी 395.60 वर्ग फीट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारीं महायक आयकर आयक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज−3, मई दिल्ली

दिनांक : 4-6-1985

मोहर:

प्ररूप आई.दी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1985

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं श्रार एस एवं एवं निग है तथा जो 3, लॉकल कम्युनिटी सेंटर, दिल्लाद गार्डन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उगाबद्ध श्रमुचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिम्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रारकर अधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाण कितिजल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल कर कित श्रीकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कारिक कम से किथत महीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कर दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन मा अन्य जास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गय. था मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

कतः संब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीग, निम्नेसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री राजेन्द्र दात,एन०-52,ए, कनाट प्लेस,नई दिस्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती माशा गुप्ता. मैसर्स लिश्टमैन इन्डस्ट्रीण, बी-13/2, झिलमिल इन्डस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-32।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्धन के बिल्यु कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

हक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप 🐃

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ग्याक्तया पर
 स्थान की लागील से 30 दिन की अविधि, जो भा
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

ण्कटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया यक्द, हैं।

श्रनु सूची र

भार० एस० एच०--107, (ग्राउन्ड फ्लोर्र) 3, लोकल कम्युनिटी सेंटर, दिलशाघ, गार्डन, दिल्ली, सादादी 80 वर्गफिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 4-6-1985

महर 🛪

प्रक्ष आई.टी.एन.एस------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1985 .

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/37ईई/10-84/666 भनः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रार एम एच । तथा जो 3, लोकल कम्युनिटी सेंटर, दिलगाद गार्डन, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्री- कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख अक्तूबर

को पूर्वो जित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर हो रहयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अंतरित कीगई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पन्नि का उचित वाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आव की वावस, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1000 (1000 कि प्रथोंकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं वियो गया था या किया जाना वाहिए था, ख्यिन में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्बरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) दे सधीन, निम्नलिखिश व्यक्तियों, वर्धातः :--- (1) राजेन्द्रास,
 ए-52ए, कनाट प्लेस,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती द्रोपदी देवी, निवासी—सी—1570~71 पहली मंजिल, मेन बाजार, पहाड़गंज, दिल्ली—55 (ग्रन्तरिती)

का यह सूधना जारी करके पृद्धोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से ¶ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भ्रार**० एस० एव०-10**4, (ग्राउन्ड प्लोर) 3, लोकल कम्युनिटी सेंटर, दिल्लाद गार्डन, दिल्ली, तादादी 80 वर्गफिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-3, नई दिल्ली

षिनांक : 4-6-198**5**

मोहर:

AND THE THE THE PARTY OF THE PROPERTY OF THE P

- नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-- च (1) के क्रकीस सुचका

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, नई विल्ली नई दल्ली, विनांक 4 जून 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु.०/3/37ईई/10-84/667 भतः मुझे, के० वासुदेवन,

भावकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उसत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भ प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस्ता उचित बाजार प्रथ

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिनकी संव ग्रारव एवव एसव नंव 119 है तथा जो,
3, लोइन कम्युनिटी सेंटर, दिलशाद गार्डन, दिल्ली में स्थित हैं
"(श्रीर दमसे उपावद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है)
रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख भक्तूबर
1984

को पूर्वीयत संस्पत्ति को प्रिन्त नाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट्र प्रतिकार से मिल है और मन्तर्क (क्षम्तरकों) मोर मन्तरिक प्रमारितियों) के बीच ऐसे मन्तर्भ के लिए तय पावा गया प्रतिकार का निम्निलिखित उद्देश्य से उसत मन्तरण जिखित में नास्तिक का पन्तृष्ट्

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वावल, रुक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी गाय या किसी भन या अन्य जास्तियों हो, जिल्हें भारतीय पायकर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किन्। गया वा या किया जाता वाडिए। था। कियाने में मुक्तिर के लिए।

अतः प्रतः उक्त अधिनियमं कौ भारा 269-मं कौ सम्सरण थों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधा<u>रा (1)</u> मुं सभीन्_{यं} निम्निसिंदतं स्थानतयाँ _{यो} समार्त् सामार् (1) श्री राजेन्द्रास,ए~5 2ए, अनाट प्लेस,नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कीर, निवासी ई-111, कालका जी, नई दिल्ली।

(मन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियां पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में सभा परिकारित हैं, पहां अधिद्वाना का उन्न सभाव में किस स्वाही।

प्रमुखी ।

श्रारः एसः एचः -119, ग्राउग्ड फ्लोर, 3, लोकल, कम्युनिटी सेंटर, दिलगाव गार्डन, धिल्ली, ताथादी 181 वर्गफीट।

> के० वासूदेवन क्सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,नई दिल्ली

विनांक : 4-6-1985

मोक्टर 🖁

क्ष्मम जार्द्र की स्पर्नात पुरात नामनाना

नावकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) से नुभीन सुजना

वाद्यव बहुकार्

कार्यासयः सहायक जायकर आयुक्त (निर्दांक्क्) अर्जन रेज-3, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं० माई० ए० सी०/एक्यु/3/37ईई/10-84/668---म्रतः मृझे के० वास्रदेवन

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स मिथिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विस्ता उचित वाबाद सम्ब

1,00,000 / - रु. से अभिक **ह**ै

भौर जिसकी सं आरं एसं एसं 402 है तथा जो 3, दिल्लाह गार्डन , दिल्ली में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अक्तूबर 1984

कां प्यांक्त सम्मत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के क्ष्यमान मृतिका के निए बलारित की पर्द हैं, बीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त बंपरित का उभित् वाकार मृत्य, उसके ध्यमन प्रतिकास से ऐसे व्यममान प्रतिकास का पंद्र प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अलारितियाँ) के बीच एसे बलारण के निए तब पावा अधा मिकका, निम्मीनीवत स्ववंदन से उक्त बलारण विश्वित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) अञ्चल्य से इन्हें किसी नाम की वाव्य उपर अपित सिव्य से क्यीन कर देने के क्यारक से शरियल के कभी करने वा उपसे क्यान में सुविधा के सिछ; कीए/वा
- (थ) ऐसी किसी अाथ या किसी वन वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों आरतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या वनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती इवार्थ प्रकट नहीं किया बया था था किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविका के सिए;-

कतः जब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) की यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहिया सुरू करता है।

- (1) राजेन्द्रास, एन०-52ए, कनाट प्लेस, न**ई दिल्ली**। (ग्राग्तरक)
- (2) श्री कमल किशोर पंतरली निवासी-ए-10/टी-2, दिलशाद गार्डन, दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

चै नभीत... निम्निशिष्ठ व्यक्तियाँ, अर्थात श्र— स्वत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हः—

- (क) इस सूचना को राजपत्र में शकायन की तारीय से 45 दिन की अवध्यि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवध्य , जो भी अवध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति इवार;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्त्थ फिसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकती।

न्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मौह पदों का, थो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नशा हैं।

-

मार० एस० एव० 402, (दूसरी मंजिल) लोकल कम्युनिटी सेंटर, दिलशाद गार्डन, विल्ली-32, तादादी 85 वर्गफीट ।

> कें वासूदेवन सप्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विनोक : 4-6-1985 भावतः :

भाह्य 🕹

प्रकल् बार्ड, दी. एम. एस.

भाषकर जीधनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की विश्व पर 269-प (1) के बधीन मुच्या

बाइव बरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनोक 4 जून 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84--669--अतः मुक्षे, के० वास्देशन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 266-क के अधिन सक्षत प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर प्रमौत, विश्वका अधित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 606, है तथा जो 22, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंग्र-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख, अक्तुवर, 1984

- (क) जन्तरण ने हुई फिली जाय की वाबत, उपस् अधिनियत की जभीन कर योगे के अन्तर्क की शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औ निम्ह; जीत्र/वा
- (क) एंडी किनी बार वा किनी धन वा बन्स वास्त्रियों की, जिन्हें भारतीय जानकर विविद्युम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनयन, या धनकर वृष्पियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तिरिती प्रयोग प्रकट नहीं किया गया था वा किया अभा चाहिए वर किया वे वृद्धिया के किय;

कतः जय **उपल जिथिनियम की पारा 269-म की जपधारा (1)** कें अधीन, निम्नलिखल व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 4—156GI/85 (1) भाटिया सहगत कन्टद्रक्यान्स, यम्पनी, 48र, जौर बाग, नई विल्ली ।

(अन्तः एक)

(2) मैं एसोसिएटेड मन्वतेरी कारपेरियन, एफ 64, सिटी नं 1, बुलन्दणहर रोड, दन्डिस्प्रिया एरिया पोस्ट वाक्स नं 40, गाजियाबाद (यू जिल्हे)।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

एक्ट सम्बद्धि के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :----

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्त्वं की स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सक्धि बाद में सवाप्त होती हो, के शीलन प्रशिक्त काविसकों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इंग्र सुम्मा के राजपत्र मां प्रकाणन का सारांच 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला क्ष्मा किसी मन्य स्थानत द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पाय जिस्ति में किस था सकेंगे।

स्विक्षित्यः — इसमें प्रमुक्त सम्बोधीर पदोंका, आ उनक स्विधिनियम के संध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं वर्ष होगा को उस संध्याय में दिवास स्वाही।

अनुसूची

प्लाट नं० 606, दावर नं० 2, 22, राजेन्द्रा प्लेस, नर्ष दिल्ली, नादादी-521 वर्ग फिट ।

> कैं० वासुदेवन सबस प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीखा: 4-6-1985

माह्य 🛚

प्रकप आहे, टी. पूर्व. धूर्व. ------

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सुधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1985 निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/3/37ईई/10-84/ 670—अत: मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 133, है तथा जो ब्लाक डी०, प्रीत बिहार, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख, अक्तूबर, 1984,

को प्यांक्त सम्पत्ति के उचित्र वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित वाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्षण से उक्त अन्तरण विविद्य में अस्तर अन्तरण विविद्य में अस्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्न में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; वौर/या
- (ज) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या पत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अञ्जरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार (1) के अधीन, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एच० एस० नीलखा, निवासी—के 26, हींज खास इन्स्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० सी० अग्रवाल, . 18/27, शक्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को नर्जन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध धाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्वक्वितरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मनुसूची

ण्लाट नं 0133, ब्लाक 'डी 0' नादादी-370 वर्ग गज, प्रीत बिहार, दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-3, नहीं दिल्ली

तारीब : 4-6-1985

मोहर:

प्ररूप आइं .टी. एन . एस . -----

नापकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यक्रय, सहायकः भागकर भागवतः (निड्रोजन) अर्जन रेंज-3, नई (दल्ली)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/3/37ईई/10-84 671—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं 203, है जिया जो 1, कीशस्या पार्क, हीज खास नई देन्तों में स्वेत हैं (प्रोट इसन उतानद्व तमुपूर्वों में स्वीर पूर्ण रूप से व्यक्ति हैं) राज द्विशतीं अधिकारी के कार्यालय वर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयक्तर अधिनयम 1961 के अधीन, तारीख, अक्तूबर, 1984

हो पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण तिल्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

सतः अस, उक्त स्रीधिन्यम की धारा 269-व को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियाँ, संधीत् ६—— (1) मैं । सूर्या इन्टरप्राईजेज प्रा० लि । कीर्ति नगर, हीज खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० टराष्ट्रग ग्रोवरसीज, 8, ग्राम होज खास, नई दिल्ली-16

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जमि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्ताट नं २ 203, दूसरी मंजिल, 1, कौशल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली, तादाधी 1070 वर्ग फिट ।

> के० वासुदेवन सक्ष म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारी**ज**: 3-6-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. की. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांन 4 जून 1985

निदेश सं अाई ए० सी ०/एक्यू ०-3/37ईई/10-84 672---अत: मुझे, के० बासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संब 322 है तथा जो 3, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, में नेशन हैं, (प्रोर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विज्ञा हैं), रिजाइंकिती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, पर्शे देल्ली, भारतीय जायकर अधिनियम 1961 के अधीन, सारीख, अक्तबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्ल अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा से लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिकित व्यक्तियों, अधीत र--

(1) श्रीमिति रेखा वर्मा धर्मपत्ति श्री प्रदीप वर्मा, श्रीमिति सरला रानी वर्मा धर्मपत्ति श्री आर० के० वर्मा, श्री आर० के० वर्मा सुनुत्र श्री सचिवदानन्य वर्मा, निवासी—सी 6/६, वन्सत बिहार नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं० इण्डिया ट्यूब मिल्स श्रीर मिसल इन्डस्ट्रीज श्रा० लि०, के/श्रो, धीरज चैम्बर्स हजारी मल सोमानी मार्ग सम्बर्ध।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हुं.।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

धनुसूची

प्लाट नं ० ए8322, 3 भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

के० वासुदेवन संसम प्राधिकारी सङ्गायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई विल्ली

तारीं**व : 486-198**5

मीहर :

प्रकथ वार्षः ही. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/ 673---अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिन्निही सं 3, है तथा जो गुजरात बिहार, विकास भागं, नहीं दहनी में स्थित हैं (श्रीर इन्दे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विकास हैं), रिजस्ट्री क्वी आधनारी के वायलिय, अर्जन रेंज-3, नई दिहली में भारतीय आधनर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख, अन्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निल खित उद्धेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्सों, अर्थात् ६——

(1) श्री प्रकाश काटीवाला, सुपुत्र श्री हीरालाल सी० काटीवाला, आवेरी भवन, कटरा तोबाको, दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्री (डॉ॰) उपेन्द्रा गामी,
सुपुत्र श्री बाल किशन,
(2) श्रीमति (डा) मृदुला गामी
धर्मपत्नि उपेन्द्रा गामी,
निवासी—ए० 1/97, सफदरजंग इन्स्लैंव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकः। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

मनसची

प्लाट नं० 3, गुजरात विहार, विकास मार्गे, विल्ली-92, सादादी-337.78 वर्गे गज (नजवीक सत्यावसी बिहार प्राम **जु**रेजी खास।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, दिल्ली-110002

सारी**य**: 5-6-1985

मोहर 🛚 🕆

भ्रक्ष्यः **वाद**्रं, टी. प्रयु<u>्ध</u>श्च (१००५० सम्बन्ध

बाथकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीत सुकता

मारुव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 जून, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/ 674—अत: मुझे, के० वासुवेयन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने स्थान है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 51, है तथा जो को०-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग, सीसाइटी, लि०, विल्ली में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दरवमाल प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है जोते मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार गृत्य उसके दरयमान प्रतिकास की ए एवे दरवमान प्रतिकास का जनति काजार गृत्य उसके दरयमान प्रतिकास की और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय गया बया प्रतिकास, निम्निसित उद्वेष्य से उकत मंतरिय लिखित में वास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसीं जाम की बावत, उक्त जीविनियर के अधीन कार दोने की अन्तरक के व्यक्तित के कमी कर्म या उसने बचने के बुविका की सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय मा किसी अन मा अन्य कारितवाँ को जिन्हें भारतीय आयकार जिथितियक, 1922 (1922 को 11) या अवस अधिनियक, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना फाहिए जा. कियाने में सुविधा वै विष्

जतः सन्, उनत मधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

(1) श्री जें० आर० जैन श्रीर श्रीमित शिश जैन. निवासी-आर० जैड-108ई, आर्य समाज रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता श्रीर श्रीमती शशि गुप्ता, निवासी-सी-3039, कूच राजा सोहन लाल, क्रे-बाजार सीता राम, दिल्ली।

🖟 (अन्तरिती)

करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्यक्ति के कर्मन के संबंध में काई भी भाक्षेप ट----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की भविध या सत्सम्बन्धी ज्यांक्सर्य पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों की से किसी स्थनित इवादा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिविक में किए जा सकी।

रुपकिरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, पो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा पया है।

वम्स्या

प्लाट नं० 51, ताबादी-180 वर्ग गज, डिफेंस हैंडक्वाटर, सिविजन पर्सनत, को०-प्रो० हाउसिंग सोसाइटी लि०, दिल्ली।

> भे० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली, दिल्ली-110002

तारीख: 4-6-1985

मोहर:

प्रकृप आहें हो एन एस. -----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यक्तर बायुक्त (निद्राक्तिक)

अर्जन रें ज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं अर्ह ए० सी ०/एक्यू ०/3/37ईई/10-84/675—अतः मुक्ते, के० वासुदेवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संब 621, है तथा जो 9, बीकाजी कामा प्लेंस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रजिल्ड्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिकियम 1961, के विश्वीन, तारीख, अवसूब 1884.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रतिपास को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसको दश्यमान प्रतिपाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्दृष्ठ प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपाल, निम्नीलिशित उद्वेदय से उच्च अन्तरण लिकित में बास्तिक कुप से किंदित नहीं किंदर मुंबा है कु

- (क) बस्तरण से हुइ किसी बाम की वायत, उनत अधिनियम के जभीन कर देने की जन्तरक की बागित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के किए; सरि/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तिक। को जिन्हों भारतीय जायकर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधीनयम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में, मैं उभत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलियत व्यक्तियों, अधीत ह— (1) श्रीमति अवतार कौर, निवासी-57.27 'ए' सेक्टर, अण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति अवतार कौर धौर बी० एस० भल्ला, (कर्ता एच० यू० एफ०), 57.27 'ए' तेक्टर चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्वांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप::--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श स्थानित यों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टिशिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवी का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गुना है।

वगृत्त्वी

ण्लाट नं० 621, छठी मंजिल, बिल्डिंग नं०-9, बीकाजी, कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादावी-335 वर्ग फिट ।

> कें० वासुवेवन समम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, दिल्ली-110002.

तारीख : 4-6-1985

मीहर 🖪

प्ररूप भार्दः, टी. एतः, एसः, ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सहकार

कार्यास्त्र महायक आएकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली ` नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1985

भिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/ 676—अत: मुझे, के० वास्वेवन,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राध्यकारों को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 110 है तथा जो 19 युमुफ सराय, कम्यूनिटी सेन्टर नई दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इसले उपावद अमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप हो विल्ली हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जत रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984,

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुइं किसी आय की अअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक हैं दायि य में केमी करने या उक्के वचने हैं सुविधा की सिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधांधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, किया है सुविधा के किए।

बता वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण के बनुसरण में मी, एक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) विभिन्न किनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) (1) बास्बई लिंडसे इंग्डिया प्रा० लिं०, 18, मालचा मार्ग, कर्माधियल काम्पलेक्स, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति वीना मल्होता, श्रीमिति लीना चोपड़ा श्रीर, संजीव सोनी, मिवासी बी-1/173, साजपत नगर, नर्श दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उत्तर प्रम्पील के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध आद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्पक्ति ध्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य न्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्यव्यक्तिस्ण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, असे अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

प्रनुसूची

ण्लाट मं 110, पहली मंजिल, भ्रोरियन्टल, अपार्टमेंटस, प्लाट नं 19, युसुफ सराय, कम्यूनिटी सेन्टर, नई दिल्ली, तादादी-405.48 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, दिल्ली-110002

सारीख: 426-1985

भोहर:

प्रस्य बाह्यं,टी,एन,एस,-----

आयकर अधिनियम, 196/1 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण)

भ्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निवेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/ 677---श्रत: मुझे, के० वामुदेवन.

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त मिधनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स को मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. में अधिक हैं

और जिसकी संव आउन्ड पलोर है तथा जो जनक सिनेमा विल्डिंग, जनक पुरी, नई दिली में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रें ज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961, के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के स्रमान प्रतिक्रम के निए भन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यांच्य संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्रमान प्रतिकान के एमि स्रथमान प्रतिकान का यन्द्रह प्रतिकात से बिक्ष है और अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरित (सन्तरितियों) के श्रीच एमि सन्तर्ण के निए तम पामा चया प्रतिकान, निक्तिशिक्ष उद्स्केष के उन्तर सन्तरक निष्ति में वास्तरिक स्प से किया निष्ति में वास्तरिक क्य से किया निष्ति में वास्तरिक क्य से किया निष्ति हैं

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण क शाजित्य में कनी वजने के उक्त अपने से बृजिका से जिए: सीर/का
- (क) एसी किसी आप सा जिसी धन ना जन्म आस्तिकों की. जिन्ही भारतीय जायकार जिसीनयम, 1922 (1922 का 11) था अन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या ग किया वाना चाहिए ना, कियान में सुविधा के लिए;

कतः अव, जनत अधिभिषम की धारा 269-ण के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के कभीन, निकासिसिस व्यक्तियों, ब्याँद ***** 5---156GI/85 (1) सकीपर प्रापरटीज प्रा० लि०, 22, बारहखम्बा रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तरसेम लाल चक्छा, सुपुत श्री जनक राज चढ्छा निवासी—411, ग्रादर्भ नगर, जालन्धर सिटी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकने।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के मध्याय 20-क भे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

तादादी--397.83 वर्ग फिट, ग्राउन्ड फ्लोर, जनक सिनेमा बिल्डिंग, जनक पुरी, नई दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, दिल्ली-110002.

तारीखा: 4-6-1985

मोहर 🤃

मुख्य बाहें .टी . एव . एव . ------

पायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की छारा 269-ए(1) के अधीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामकत (निरीक्षण)

ग्रर्जल रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं अग्नई ० ए० सी ० एक्यू ० | 3 | 37-ईई | 10-84 | 678--यत:, मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ग्राउन्ड फ्लोर है, तथा जो जनक सिनेमा बिल्डिंग जनकपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961, के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1984

कां पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम को खरबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी, यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्तित में बास्तिवक लग्न से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने ने बन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौड़/बा
- (व) होती किसी बाब या किसी धन वा जन्म बाहितकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया दवा वा वा किया बाना बाहिए वा, कियाने वो सविधा के जिए:

क्रा कर्, उस्त विधिनवम् की धारा 269-म में अनुसरण भी, भी, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को क्योन, निस्तिवित व्यक्तियों, वर्णात् क्ष्म

- सकीपर प्रापर्थीज (प्रा०) लि०, ढडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. मास्टर विकास कुमार चढ्ढा (मिनार), यू०/जी० श्री जनक राज चढ्ढा, निवासी—411, ग्रादर्श नगर, जालंधर सिटी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिद् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के खब्पन में प्रकारन की ताड़ीय है 45 दिन की जनिय या तत्स्वन्त्रभी न्यत्विक्ष पृष्ठ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी न्यत्वित हुनाचाः
- (क) इस क्षणा के रायणत में प्रकाशन की वारीय से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर कर्गीत में हितवक्ष विश्वती क्या क्यक्ति ह्यारा क्योहरूवाकडी के पास विवित में किए वा सर्वोंने ।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-ऋ में परिभाषित इं, बहुदे अर्थ होता, को उच्च अध्याय में दिया च्या 🏥

अन्सूची

तादादी--397.33 वर्ग फिट, ग्राउन्ड फ्लोर, जनक सिनेमा बिल्डिंग, जनक पुरी, नई दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सिक्षम आधिकारी सिक्षम आधिकारी सिक्षम आधिकारी सिक्षम आधिकार आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-6-1985

मोहर 🗧

प्रस्य **मार्थ . टौ . एन** , **एव**ा स ५ न रूच्च

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वता

ब्राइत रहता

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 3 जून 1985

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें उच्चा अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं 310 है, तथा जो 19, युसूक सराय, नई दिल्ली के सिथत है (और इमसे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के दार्थालय,

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 के ग्रधीन नारीख अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित काजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का वारण ही कि स्थापनोक्त सम्पर्ति का विश्व अपनार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एने रूपमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्बोध्य में उसके अन्तरण लिखित में शस्तिबक कप से किंशत मही किया गया है:—

- (क) अस्थरक व हुई कि कि बाब को बाक्त, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए बरिट का
- (ध) एसी किसी भाष वा किसी पत्र वा बन्य आस्तिवाँ को, जिल्हाँ भारतीय आष-बार गणियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अन् उन्त अभिनियम की भारा 269-न के नमुसर्थ वें, में, अक्त अभिनियम की शारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियें अभार ह—— बाम्बे कुल्डर्म इण्डिया (घा०) लि०,
 तिक्र कमर्गीयन काम्पलेक्स, मालचा मार्ग, डिपलोमेटीक इन्कलिब, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

स्टाल ६ण्डिया एक्सपोर्ट,
 14, न्यू डबल स्टोरी एक्सटेन्शन, लाजपत नगर-4,
 नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

कां यह स्वतः वारी करके पृबींक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

जन्स सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षप 🖂 🖛

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारं,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए वा सकेंगे।

स्यक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया

अनुसूची

पलैट नं० 310, तीसरी मंजिल, ओरियन्टल एपार्टमेंट, 19, अभूफ सराय; नई दिल्ली, तादादी—625, 55 वर्ग फीट।

> के० यामुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-6-1985

मोहर 🚡

प्रकल बाह्य हो, इत् ह एक हान्यान नाम

बायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

शास्त्र ब्रह्मकाड

कार्यानन, सङ्घानक नामकद् शाननत (विद्वासिक)

ग्रर्जन रेज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जुन 1985

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का आहरण हैं 'कि स्थानर सम्पर्तित, जिसका उचित वाचार मुक्क 1,00,000/- रहे, से अधिक हैं

और जिसकी सं 206-ए है, तथा जो 2, ओल्ड रोहतक रोड़, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय प्रायकर प्रधियनयम 1961, के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने के कारण है कि यक्षाप्नाँकत संपरित का उपित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिशत सं अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे ज्न्तरण के निए त्व पाया प्रमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्तिष्त अद्देश्य से उक्त जन्तरण कि विद्

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने थी अन्तरक के वासित्य में कभी कुटने वा उत्तसे बचने में सुविधा के विद्धाली अंति
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों को, जिन्ह भारतीय जाय-कर विधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम्, 1922 भारकेत अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना वाहिए था, कियाने में स्विधा है हिस्सू

बत् अव, उक्त विधिनियम की भारा 259-न के वन्तरण को. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि——

- ईलाइड कल्स्ट्रेक्शन,
 जी-5, दिपाली, 92, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
 (म्रन्सरक)
- श्रीमती गीता जसवाल और दिनेश कुमार, ई-167, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के <mark>जिए</mark> कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त बम्पतित के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप k---

- (क) इस स्वना के राज्यपत्र में प्रकाशन की ताड़ीज से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बहर किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पांकीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में विषा गवा है।

वन्स्या

तादाबी—210 वर्ग फिट, कन्स्ट्रक्सडीड इन्डिस्ट्रियल, प्लाट नं० 206-ए, प्लाट नं० 2, ओल्ड रोहतक रोड़, दिएती।

> के० वासुदंबत सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-6-1985

मोहर 🛭

प्रकार कार्य ्टी : एक : पुरु : प्राप्त : प्राप्त :

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के नमीन स्मता

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नध्र दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37/ई£ / 10-84/681 ए०—यतः, मझे, के० वासुदेशन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 78 है, तथा जो हरी नगर, नई दिल्ली चैंमैं स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूकी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कायोलय, अर्जन रेज−3, नई दिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफंल से, एसे स्वयमान प्रतिफंल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफंल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया न्या है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी नाथ कर्ती वानतः, उनकं विभिन्नयम् के वभीन कर दोने के अन्तरक ले दासित्व में कमी करने ना उनके वभने में सुनिया है सिए; बोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना काहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अभीन, जिल्ला व्यक्तिकों, अधारा अ श्री कन्हैयाँ लाल सुपुत्र स्थ० श्री जी० सी० बहुल. निवासी-52, अजमेरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती दलजीत कौर धर्मपत्नी श्री मनजीत सिंह, निवासी—सी-78, ब्लाक-जी, हरी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की वह कृषमा नारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हो।

जबत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों दक्ष सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकेंगे।

श्राक्ष्म रणः विश्व श्राप्त श्राप्त शब्दों और पदों का, को सक्का अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्युची

बी-78, ब्लाफ जी $^{\prime}$ हरी नगर, नई विल्ली, तादादी, 200 वर्ग गज।

के० वासु**र्वे**यन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-6-1985

नोहर 🛮

प्ररूप आहाँ दी. एम. एस.,-----

बायकर काँधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 4 जूने, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/107/84/ 681 बी०:---अत: मुझे, के० बासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सच्या सी-135 है, तथा जो प्रणांत विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण हम संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, नारीख अक्तुबर, 1984

को पूर्विक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के. इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई निक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को व्यक्तियम में क्यी करने वा उकते व्यन् में ब्रुक्तिया को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :--- श्रो जगदीश लाग ग्रोधर, निगासी-9429/10, मुल्तानी डान्डा, पहाड गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती शाभा, निवासी सी-135, प्रशांत विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशभ की तारीख से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बना हुआ घर सी-135, प्रशात विहार, दिल्ली।

कें वासुदेवन नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 5-6-1935

इक्ट बार्ड . डी . एक् <u>ड इक्ट----</u>

मायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के जभीन सुभना

भारत बरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 5 जून 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/10-84/682— अतः मुझे, के० बासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिक राज्य की प्रकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख

1,00,000/- रु. से ब्रीयक हैं
श्रीर जिसकी संख्या ग्राउण्ड फ्लोर, है तथा जो जनक सिनेमा
ब्रिल्डिंग, जनक पुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांर इसमें
अपाबद्ध अनमूची में पूर्ण कप से बिलित है), रजिस्द्रीकर्त्ता
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली,
आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख अक्तूबर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्छिए बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित के गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से, एसे दश्यमान प्रतिक्रल का क्लूह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के जीए एसे अंतरण के लिए तब स्था गया प्रतिक् कल निम्नलिकित उद्देश्य से उसत अन्तरण निवित्त में वास्तविक कम से किथन नहीं किया एक हैं

- (का) करनारण ले हुई किसी आय की वाबता, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाबित्य में कनी करने या तससे वचने में सुविधा वीकिस; बीड़/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या क्रय आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा वै सिद्धः

जबः वय, उपत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक वा, वा उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को धनीक, निम्निकिटिक स्थितियमों, संभादि अ मैं तर्म स्कीपर प्रापरटीज (प्रा०) लि०,
 22, बाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री विनय कुमार चहुा, सुपुत श्री ज्ञार राज चहुा, निवासी-411, आदर्श नगर, जालन्धर सिटी ।

(अन्तरिती)

क्यों वह सूचना जारों कारके प्रशिक्त संपरित के अर्थन के जिल्न कार्यवाहियां करता हो।

श्वत सम्मित्त के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप है-

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी वासे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत: पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकर्णः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, वो स्वक अधिनियम के अध्याम 20 क में परिभाषित है, वहीं अभे होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

जन्**स्**चीं

ग्राउण्ड फ्लार, जनक पिनेमा बिल्डिंग, जनक पुरी, नई दिल्ली, तादादी 397.83 वर्ग फिट।

> के० वासुंदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली∈110002

तारीख 5-6~1985 **मोहर** थ प्रकम् बाइं, टी. प्नु. प्रचः, ஊः

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वर्धीन सचना

भारत चरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 3 जूम 1985

निर्देशसं० आई० ए० सी०/एक्य्/3/37ईई/10-84/683---अत: मुझे, के० देवासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरकास् 'रायत' अगरिमारच' इन्हा गया हैं), की भाष 269- व को बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रारि जिसकी संख्या ग्राउण्ड फ्लोर, है, तथा जो जनक सिनेमा बिल्डिंग, जनक पूरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कायोलय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली. में आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, अक्तूबर, 1984

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसि स्वयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरूण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 👸 ू---

- (क) बन्तरम् से हृद्द कियी नाय की नावत्, उपक्र क्रिविष्यं है वरीन कर देने के बन्तरक के दायित में अपनी अप्रनेता उपसे वचने में सुविधा की मिए; और/या
- (क्य) एंसी किसी जाय था किसी धन मा बन्धः वास्तिकों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा दा फिया जामा चाहिए था, छिताने मं सविधः में सिए।

बदा बन, उक्त मीधीनवम की धारा 269-ग के अव्हारण में, में, उक्त निधनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थता :---

and the control of th 1. मैं० प्रापर्टीज (प्रा०) लि०, 22, बाराखम्बा, रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार चहुा, स्पूत श्री जकन राज चड्डा, निवासी-411, आदर्श नगर, जालन्धर सिटी।

क्यों यह सचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यन।हिमां करता हो।

चनत सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप हु----

- (क) इस स्थान के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविभिया तुरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवृश्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (क) इस स्वना के ख़बपन में प्रकाशन की तारीब 🖫 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

रमुच्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो अवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, बहा वर्थ होगा को उस क्ष्याय में विया पंचा हैं।

अनसूणी

तादादी 397.83 वर्ग फिट, ग्राउण्ड फ्लोर, जनक सिनेमा बिल्डिंग, जनक पूरी, नई दिल्ली।

> के० वास्देवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 3ू-6−1985

मोहरु 🙉

प्ररूप आर्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

मारत तरकार

काश्रांलय. सहार्यक अध्यक्तर आश्रृक्त (निरीक्षण) नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1985 अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/10-84/ 684—अत: मुझे के० वासूदैवम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ग्राउंड फ्लोर है तथा जो जनक सिनेमा बिल्डिंग, जनक पुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूचित में पूर्ण रूप से बिल्ती है), रिजिस्ट्रीएर्ना अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, अ अधीन दिनांए अक्टूबर 1984

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित भाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की भई है और मुफे यह विश्वास करने करने का लिए अंतरित की भई है और मुफे यह विश्वास करने करने का लिखन का प्रदेश भूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (संतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-कल निजनितिस्त उद्वरिय से जल्दा अंतरण निजन में नास्तविक कर में तिथा नहीं लिया गया है र---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत, उक्त विधिनसम के वधीन कर दोने के बन्दरक के बाजित्य में कनी करने वा उक्के ब्याने में बृत्यिका के किए; बॉर्/वा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी भन वा जन्म जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग-के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—156GI|85

 स्कीपर प्रापरटी न प्रा० लि०, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तर्क)

2 अथवनी कुमार बढ्ढा मुपुत्र श्री जनक राज चढढा, निवासी-411, अ(दर्ण नगर, जालन्धर सिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्नत सम्मृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी भाषांप 2--

- (क) इस स्थान के प्राचन में प्रकाश्य की राशीय के 45 दिन की अविधि मा तत्स्वन्ती अविधि, जो भर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वव्धि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य कावितमों में से किसी अविंत्य बुवारा;
- (क) इब्रु स्वान के राज्यक में प्रकाशन की हार्यक के 45 दिन के भीतन उनक स्थान्य सम्परित में दिवनक्ष किसी बन्ध कान्तित स्वारा अभात्स्ताक्षरी के पान सिर्वित में निस् का सकति।

स्यस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त वस्तें और वनों का, वो अन्त अभिनियम दे अध्याय 20-क में वीरआविश्व ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमागया ही।

अमसूची

ग्राउण्ड फ्लोर, ताद्वाची 397.83 वर्ग फिट, जनक सिनेमा बिल्डिंग, जनक पुरी, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवम नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज- 3 दिल्ली,

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🦠

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 4 जून, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/10-84/ अतः मुझे, के० वासुदैवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवान 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर०-7 है तथा जो 6, बीका जी, कामा प्लेस, मई दिल्ली, में स्थित हैं (शौर हो उपाबद्ध अत्मूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकचा जिजारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के लिचस वाजार मृत्य से कम के दश्यभात प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति की जिसस बाजार मृत्य से कम के दश्यभात प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति की जिसस बाजार मृत्य, सस्के दश्यमान प्रतिकल में, एसे हश्यमान प्रतिकल का पन्नूट प्रतिगत से अभिक ही और अन्तर्श (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शिष एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविस में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के दिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या मन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::—

 श्रीमती कैलाण रानी धर्मणत्नी अभर नाथ गुप्ता, निवासी-बी/4-227, शफदर्ज़ंग इन्कलेब, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिन्दर कोव्ली धर्मपत्नी श्री एस० एन० कोव्ली, निवासी-3/29, ईस्ट पटेल, नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई नाक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अके अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में हैंदभा वया हैं।

धनुसूची

प्लाट नं० आर०-7, बीका जी कामा प्लेस, नई विल्ली (आर० के० पुरम), तादादी--218 वर्ग फिट,

> कें० वासुदेवें क्रें सक्षम प्राधिकः री, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-3, दिल्ली,

तारीख: 4-6-1985

मोहर 🖫

प्रकार वाह . सी . एस . एस . राज्यसम्बद्धान

माप्कर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) कर्त गरा २६६-म (1) के अधीन स्थान

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-3 दिल्ली

मर्ष दिल्ली, दिनांक 3 जुन, 1985

मं० आई० ए० सी॰/एक्यू/3/37ई३/10-84/686---अत: मुझे, के० वासुदैवन,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43): (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या आर०-2 है तथा जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इसने वार्क उपाबद्ध अनसूची में पूर्म क्ष्य से वर्णित है, रजिस्ट्री कर्ता अधि गरी के कार्यालय, अर्जिन रज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, दारीख अन्तूबर, 1984

को प्वोंक्त रूपित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित दाजार मूल्य, उसके रुक्यमान प्रतिफल से एंसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिभक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितिगां) दे बोज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्दरव से हुई किसी बाय की बाबद, उक्द अधिनियम के ब्रुधीन कर दोने की अन्तरक की सामित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुन्धिथ को सिए: बरि/बा
- (भी) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य बास्तियों को, चिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उल्लं अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्दा व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपानों में बृद्धिया के विद्य;

कतः कव, उकत विधिनियम की धारा 269-म के बनसरण मो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्निचित्त व्यक्तियों, वर्षात् ह श्री जगदीश प्रसाद, निवासी ए॰० 6, हीज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री विलोक चन्द गुप्ता, निवासी सी० डी-12, हाँज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त संपृष्टित के वर्षक के सिंध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियाँ पर श्रृंचना की तासील से 30 दिन की सबीध, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्ट स्पिन्तयों में से किसी स्पिन्त ह्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः - प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और उदा का, जो जान मिलियम, को अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिर वसा है।

श्रनुसूची

प्रौ० नं० आर०-2, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, ग्राउण्ड फ्लोर तादादी-1440 वर्ग फिट, पहली मंजिल नादादी 1200 वर्ग फिट, बरसाती फ्लोर नादादी 360 वर्ग फिट।

> कें वासुवैवन, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख: 3-6-1985

मो ः र

प्ररूप बाह्र दी. एन . एस . ---==

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1985

सं० आर्ठ० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/10-84/687---अतः मझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 33 है, तथा जो गगन बिहार, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अन्भूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली, में आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, अक्तूबर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अंतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती कमलेश कुमारी, निवासी-ए~3, गोल्डन पार्क, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री जोगिन्दर पाल ग्रॉर श्री सतीम चन्द, सुपुत्र श्री वजीर चन्द, निवासी-2878, कुचा मिल कान्ता, दिरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्रो० नं० 33, गगन बिहार, दिल्ली।

के० वामुदेवन, सक्षम प्राधिकारीक सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 विल्ली, नई दिल्ली-11002

तारीख: 4-6-1985

मोहर 🟅

प्रक्रम कार्य हो। एत . एस , ---- --------

शायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) की अभीत स्वाना

भारक बहुकारु

नावासय, सहायक जायकार बायूनत (निर्देशको

श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून, 1985

सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्/3/37ईई/10-84/688— स्रत: मुझे, के० वासुदेखन,

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पहचात् जनत अभिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निक्यस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभिन बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 134 है, तथा जो 6 बीका जी कामा निम, निई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, में आयकण श्रधिनियम 1961, के श्रधीन, अक्नूबर, 1984।

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लास के बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) यत्तरण वं हुएं विक्षी वाथ की चलक, जबक वीधिम्बन की बंधीन कुर वोने के अन्तरक हैं वाबित्य में कवीं कहने या उन्हों नक्षणें में सुविधा के निष्: बारि/वा
- (ब) ऐसी किसी अब या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कों, को अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री के० एल० नागपाल और श्री ग्रहण मेहता, निवासी एउँ 8, लाजपत नगर-3 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मास्टर सन्वीप सिंह माकरं , निवामी डी-II, श्रन्सारी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कर बहु शुर्थन। आरो करने पृथानत सम्पत्ति के अर्थन के निम्नु कार्यगाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए का सकेंगी।

स्थानीक रण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदी का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में विशा गवा ही।

अनुसुची

प्लाट नं० 134, पहली मंजिल बिल्डिंग नं० 6, बीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादाबी-126 वर्ग फिट।

> कें० वामुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 3 दिल्ली

तारीख: 5-6-1985

मोहर 🖫

प्रकार नाहीं हु दी । एस , एस ह न न न न न

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, तारीख 3 जून 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू/3/37ईई/10-84/689---भतः मुझे, के० वास्टेबन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम आधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 117 है तथा जो 2, ओल्ड रोहतक रोड दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप सर्वाणत है), रिजस्ट्री किता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, रे 1961, के अधीन, तारीख अक्ष्तूबर, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि प्रशासनीति संपत्ति का उचित वाजार भृत्य उसके क्ष्यभाग प्रतिफल गे, एने क्ष्यभाग प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उच्चेस्य से उसत अन्त निर्देश में वास्तिक कप से कमित वही किया प्रवाह कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ता विभिनियम के वभीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; वॉर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '??) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कि अधीच, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ईलाइड कन्सक्ट्रसन कम्पनी
 जी, दिपाली 92, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती गीता जसवाल, और दिनेश कुमार शर्मा, निवासी ई०-157, भेंटर कैलाश,-1, नई दिल्ली-48।

(म्रन्तरिती)

की धह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिष् कार्यनाहियां कारता हो।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के शब्दरंश में कोई भी आक्षेप;---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 गूचना की धार्मीच में 30 दिन की जाति, जो भी
 अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उसके अधिन्यमं के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा न्या है।

anu d

प्लाट नं० 117, तादादी 427 वर्ग फट, प्लाट नं० 2, क्षोल्ड रोहतक रोड, महजादा बास, दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 3-6-1985

प्रकल नार्च_ाटी पुत्र पुत्रहें सम्मानसम्बद्धाः

बायकर मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

नाइत चहुकार

कार्यालयः, सहायक नायकर नायकत (निराक्षण) भ्रार्जन रेंज 3 दिल्ली

नई दि.ी, दिनांक 5 जून, 1985

द्यतः मुझे, के० वासदेवन,

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्मन्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संख्या 310 ए, जैना टावर, है तथा जो जिस्ट्री सेन्टर, जनक पुरी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्री-कत्ती श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961, के ब्रधीन, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शर्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपहित का उचित बाजार मृत्य उसके दरणभान प्रतिपाल से, पृथे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (मन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिशित उद्योख्य से उत्तर बन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संकृष्ट किली नाम की बाबतः, उन्क भी पीत्रक्य के संपीत कर बाने के अमारक के वायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा ाँ ियः चरि/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्हरिती द्वारा प्रकट गृहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में समिषा के जिए।

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स जैना प्रापरटीज (प्रा०) लि०, एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी, धर्मपरनी श्री टी० सी० कटकवाल, निवासी डब्स्य० जैंड० ओ० 39, न्यू महाबीर नगर, पोस्ट भ्राफिस तिलक नगर, 🗸 नई विल्ली।

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ३---

- (क) इस सुचना कं राजपत्र में प्रकाशन की **तारीख़** से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 जिन की अवधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पर्वोक्त यानिसयों पें से किसी ध्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित प्रवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यव्यक्तिकरण :--इसम् प्रयाकत अव्यों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ हारेगा जो उस अभ्याय में विया गया

व्यवस्था

310 ए, जेना टावर, डिस्ट्री सेन्टर, जनक पुरी, नई विल्ली सादादी 170 वर्ग फिट।

> के० वासुदेधन, सक्षम प्राधिकारी. ायुक्त (निरीक्षण) सहायक श्राय श्रर्जन रेंज•3, दिल्ली/नई दिल्ली•11002

तारीख: 5-7-1984

मोहर ४

प्रकृष नाइ . रहें . एनं . युस . -----

कामकार मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-म (1) के बभीन सूचना

MIST VENIS

कार्यालय, तहामक बावकार बायुक्त (निरीक्षण)

्रम्रजन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश संब्ह्याईव्ए० सीव/एक्यू/3/37ईई/10-84/689 --बी----श्रत मुझे, केव वास्देवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परभाव जिसने किसिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का धारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका सजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी०-42, जैना णांपिंग काम्पलेवस, है तथा जो बसई दारापुर नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है) राजस्ट्रीकर्त्ता श्राधकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्राधनियम, 1961 में राजस्ट्रीकरण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से काम के स्वयंतान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों के सर्हित का स्विक्त स्वाध मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल सो, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिष् तब श्वा मध्य वितिफल निम्नसिवित उद्योदय से स्वतः बन्तरण निम्नसिवित या साम्तरिक रूप से कथित महीं किया गवा है है—

- हिंक) जन्मद्भान से हार्य किसी जान भी नानता अन्य अधिनिक्य के नार्शित कड़ दोने में अन्यादक से बाजिएन में कर्मी करने ना अवर्त नजने में स्विधा से मिल, कटिया
- (ख) श्रेसी किसी जाय या धन वा अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आप-अर अभिनियम, 1932 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या बन-कद अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विका खें किया

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्ष--- मैसर्क जैना प्रापरिटीज (प्रा०) लि०, एडीनाथ सरी हाउस, सामने सुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री जसवन्त कौर
 धर्मपत्नी एस० खजान सिह,
 निवासी डब्ल्यू० जैड०-2 ए,
 हिन्द नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कार्य वह स्थान जारी कारने प्रशेषत सम्मत्ति से वर्षन के विद्रा कार्यवाहिमां कारता हूं।

हमद सम्परित के अर्ह्य में बन्नप्प में मूर्वि औ बन्नप्रिक

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अवधि, यो भी अवधि वास में स्थान होती हो, में भीतर प्राधिक महिलामों में से सिकी व्यक्ति हुनारा!
- (क) इस बुबना के रावपुत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के औंदर क्या स्थापुर कम्मिश में दिवसपूर्य किसी मृज क्यायित स्वाय मुभाइस्ताकरी के पास सिविस में किए सा सकीये।

लक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त सम्बा नीर पदा का, जो उनक निधित्यम के नभाय 20-क में परिभावित हाँ, नहीं नुर्ध होगा जो उस नभाग में दिया पता है।

जी० 42, जैना, शांपिंग काम्पलेक्स, बसई दारापुर, नजक गढ़ रोड, नई दिल्ली, सादावी 45 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी... सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) *-अर्जन रेज-3, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-6-1985

भोहर :

प्ररूप आइं.टी.एन.एस:-----

बायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

मार्थ सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1985

सं० 2-44/85-86:—अत मुझे, एस० के० भटनागर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 99 22/18 है तथा जो सीकरी में स्थित है (श्रीर इससे उप।बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुर।वली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1984

को प्रांक्त सम्पाल के उपित बाजार मुस्य से कम के अध्यमन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किनलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में सास्तिक हम में किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आब की धावल सक्त काँध-नियम के अभीन केर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तोरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः जब, जयतः अधिनियमं की धारा 269-तं के उन्हरूष कों, भीं, उसतं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—— 7.—156GI/85 श्री रिख्या पुल खुद्दा, फतेहपुर सीकरी, अगरा।

(अन्तरक)

2. श्री लाखन सिंह एवं अन्य, जीताना-फतेह्युर सीकरी, आगरा।

(अन्तरिती)

अन्तिरिती

(बहुव्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

सी वह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृष्टी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- के दिश किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोष्ठस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ°, वहीं अर्थ क्रोगा, जो उस अध्याय में दिया जना डाँ॥

मप्राप्ती

खेन नं० 99/22-18 स्थित मौजा सीकरी-आगरा।

एस० के० भटनागर डूपभम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-6-1985

क्षा आहे हैं हैं हैं हैं कि कर क

सायकः स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वता

Marie Company of the Company of the

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1985

सं० ए० 55/85-86: अतः मुझे, एस० के० भटनागर, श्रायकार अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 47 है तथा जो कि फिरोजाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-10-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हैं और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल में, एवं क्र्यमान प्रतिफाल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया मया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निर्मित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी स्तव की वाबत, उक्त विभिन्न के बधीन कर दोने के खुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। बीप/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यो उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कों, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कोंक्सिन्। दिस्की जीवत व्यक्तियों, अर्थात 1. श्रीमती रज्जी उपनाम काजू कुमारी पत्नी श्री रामप्रताप अग्रवाल दुर्गानगर, फिरोजाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश अग्रवाल एवं ग्रन्य निवासी चौवान फिरोजावाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भकान नं 47 दुर्गानगर, फिरोजाबाद।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 12-6-1985

मोहर

प्रकृप कार्यं .टी .पन .पत . -------

नायकर निर्मित्रमन, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के नभीम सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, क(नपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1985

सं० ए० 65/85-86:--अतः मुझे, एस० के० भटनागर,

आयकर शिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके प्रकात (उन्नत अधिनियम कहा गया है), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित का जार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या है तथा जो कटर। स्ट्रीट में में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबड़ अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याख्य अलीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम, तारीख 1-10-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे द्ध्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अजन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कां, किन्हूं भारतीय साम-कर निर्धानयभ, 1922 (1922 का 11) या उन्त निर्धानयभ, या धनकर विधानयभ, या धनकर विधानयभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वांच प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, डिमाने में सुविधा के सिए;

वतः तन्, उक्त वाधिनियन की पातः 269-म के अनुबद्ध के, केंद्र उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग्र (1) के वधीन, निस्तिनिक व्यक्तियों, वचीन क्रम्म श्री बिशन कुमार भारद्वाज, एम० जी०-34, सेक्टर सी अलीगंज लखनऊ।

Ä

अन्तरक)

 श्री बजरंगी लाल एवं श्रीमती सुशीला देवी, देवी वाली गसी, कनवरी गंज—अलीगढ़।

(अन्तरिती)

अन्तरिती

(बहु ब्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना वादी कारके पूर्ववित सम्पत्ति क अर्जन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के अर्थन 🔆 संबंध मा काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के अजापन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अर्थांध सा तत्संबंधी व्यक्तिमां पर मुखना की लागीज में 30 दिन की सविधा, जो भं अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस श्रीचन क राजनत मो प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर असे स्थावर सम्पत्ति मो हितबहुध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल निश्चित मो फिए आ महीने।

स्पाद्धांकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के स्थ्याय 20 के में परिभाषिष हैं, नहीं मधी होते, को उस अध्याप में विमा मना हैं।

अनुसूची

एक मकान कटरा स्ट्रीट अलीगढ़ स्थित।

्रएस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, क(नपुर

तारीख: 12-6-1985

प्रकार बार्ष है हो । एउ । एक ।

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीय क्वमा

तारच सुरुक्त

कार्याजय, तहायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जून 1985

सं० ए० 66/85-86:—अतः मुझे, एस० के० भटनागर, शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उजित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 3/100 ए है तथा जो कील में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में, रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-10-1984

की पृथ्विक्त तन्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अधापृत्रिक सम्प्रति का उचित आजार मृत्य अनते करवमान प्रतिकाल से, एसे क्यमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकाल दिम्लीक सिंह स्वास्थ से स्वत्य कन्तरण कि लिए तम

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के खिबल में कमी अद्भाग उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंदी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्सियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियस 1922 (1922 का 11) वा अवत अधिनियस 1922 का 4न-कर अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा वा वा विका आना वाहिए था, जियाने वे स्ट्रिंग के सिए;

अतः अवः, उनतं अभिनियमः, कौ भारा 269-न कै अनुसरण भौ, भौ, प्रकतं अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, मिन्नीलिखित व्यक्तियों, तथीत्ः— श्री प्रेम नाथ गर्मा नई बस्ती कोल अलीगढ़।

(ग्रन्तरक)

 श्री धर्मवीर शर्मा पुत्र श्री घूरे राम शर्मा ग्राम-सुखरा रावली, अलीगढ़।

(अन्सरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

का बहु सुचना चारी करके प्वींक्त संपृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्बद्धि को असंभ को सम्बद्ध को कोई भी बासोप्त--

- (क) इत् श्वाम के ग्रामपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन को जनिश्या तत्स्वत्रेषी का निस्त्यों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की सर्वीय को भीत्रे स्वाम के समाय क्षेत्री हो, के नीत्र प्रामित व्यक्तियों में से सिसी स्वीयत हुनारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 वन के भीतर उन्त स्थायर संपत्ति में हिन्नसूथ किसी जन्म स्थापत द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किस था सर्वार।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्या है।

अमुसुची

एक मकान नं० 3/101 ए बेगपुर कन्जौला तहसील कोल अलीगढ़।

> एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-6-1985

प्ररूप बार्ड . दी . एन . एस 🛒 नन्त्रवनवद्यननद्यन

कायकार व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) को अधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निडीक्सण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० ए० 103/85-86/--अतः मुझे, एम० के० भटनागर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस रसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो सत्घड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मथुरा में, जिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान
प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और एक यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
क्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के
क्याह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और
कारिती (अंतरितिया) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पामा
क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से अक्त अन्तरण निकित्
में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरण के बाबित्य में अभी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; औड़/बा
- (क) ऐसी किसी बाथ या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ड— श्री तुलसी राम नैमा

मुखतारेराम श्री गोपाल लाल जी ट्रस्ट्रोजबलपुर ।

(अन्तरक)

 श्री राम नाथ पुत्र लाल चन्व कोतवाली रोड, मभूरा।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तार्थीय स 30 िस की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीस से 45 पिन के भीता उक्त रक्षापर सम्पत्ति में हितसम्भ किनी अन्य वर्गका स्वास्त संभाष्ट्रसाक्षरी के पास मिस्ति में पिए जा सकेंगे।

स्पत्रकृतिकरणः — इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों मीट पवों का, जो अवत मधिनियम के अध्याय 20-क में परिआवित हैं वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

एक मकान मोहल्ला सरमङ्ग, मथुरा।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-6-1985

माहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एत.-----

मासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुगीन तुम्ला

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

क(नपुर, दिनांक 12 ज्न 1985

निवेश सं० ए० 96/85-86/--अतः मुझे, एस० के० भटनागर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बदबात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० है तथा जो हाथरस में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हाथरस, में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1984

का प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के कायमान प्रतिकले के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त अम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिकल सं, एसे व्यवमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के औव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिवित उक्षरेक से उक्त अन्तरण लिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं जिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूनिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

 श्री लक्ष्मी चन्द्र अग्रवाल एवं अन्य निवासी गली द्वारिका धोश हाथरस ।

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती ।

(वह व्यित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह तुकना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के जण्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की जबिश, जो कि जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक मकान स्थित सादाबाद द्वार, हाथरस ।

एस० के० भटमागर; सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-6-1985

मोहरः

अस्य आई.टी.एग. एस . -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (१) के मधीन मुचमा

भारत सरकार

नावस्य, सहायक अवकार आत्ञल (निरीक्षण) अर्जन रेंज, दानपुर

कानपुर, दिनांच 5 ज्न, 1985

· निदेश सं० के०16/85-86/---अत: मुझे, एस० के० भटनागर,

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'अनल अधिनियम' अझ गया ही), की भारा 269-- के मधीन बक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्वोस, जिसला उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 1399 है, तथा जो रतन लाल नगर, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क्रायुनिय कानपूर में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 **कें**: 16) के अधीन, तारीख 30--10--1984

को पूर्वीकल संपरित के अभित सामार मूल्य संकम के उदयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और अभी वह विक्यास करने का कारण है कि गभाप्यंत्रित नध्यरिश का उत्तिस बाबार भूक्य, उन्नके क्लामा अनिकल में एसे अध्यक्षान प्रक्रिक्स का पन्ताइ प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बरुरारिती (बन्तरितिकाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देष्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी साम की बाबत . उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा र लिए: और/या
- (वा) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बाधीन निवासितिसम् व्यक्तिमार्गे अधित :---

- 1 つい たい いちなが in した Apple 1 (Chi) - WASTO is Ell-Mark Main Control in 10 (DEC) 1 Jack in Lowing Control in Apple 1 7 (Apple 10 Apple 10 1. श्री गुरजीत पाल दुआ पूत्र श्री मोती राम 27/9, ब्लाक नं० 3, गोबिन्द नगर, कानपूर।

(अन्तरक)

2. श्री राधा किशन व देवराज व गिरधारी लाल पुत भी कुन्दन लाल उर्फ कुम्दू मल 104/189. पुराना सीसामड़, कानपुर।

(भन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. ऋसागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हिसबा है)

का यह स्वना पारी करके प्वोंक्स सम्पंतित के अर्जन के लिए नार्वपाष्ट्रियां करता हुए ।

जनत सन्नति के वर्षन के संबंध में कीए भी बासप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बबिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिश बाब में बचाचा होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इक क्षता के राज्यत में प्रकाशन की सारीक क्षे 45 विन को भीता, जक्त स्थानर सम्यक्ति में हितानवृथ किन्दी जन्म व्यक्ति वृत्रारा अभोहकताक्षरी के पास सिचित में निष्यु का सकेंगें।

स्वव्यक्तिरणः — इक्षमें प्रयुक्त गर्म्यां और पर्यो का, जो उक्ते जीजीजजन, के अध्वाव 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

मकान नं० 1399, स्थित रहान लाल नगर, कानपुर

एस० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्यक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपूर

त्र(प्रीख: 5-6-1985

प्रस्म भाई , टी., एतः एस., =====

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अभीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून 1985

निदेश सं० के~785-86:--अतः मुझे एस० के० भटनागर, शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ड के अधीन सक्षप्र आधिकारों को यह निश्चास करने का शारण है कि स्थावर अधीन, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी संख्या 318 है, तथा जो ग्राम विसायक पुर

आर जिसका संख्या 318 ह, तथा जा ग्राम विसायक पुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बंजिस है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रव्यमान प्रतिफल सं., एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुइ किसी शाय की बाबत, खबत मुणिनियम के संधीन कर दोने के जन्तरक के खियत्व में कनी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के गुण्य वार/वा
- (क) एसे किसी जाय था किसी थन या अन्य जास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय आयकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वार्थ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए !

मतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री लीला राम
पुत ज्ञान चन्द व
गंगा विमुन
पुत्र बलदेव आदि
निवासी ग्राम विसायकपुर पर अकवरपुर
जिला कानपुर।

(अन्स

 मैंसर्स सुदर्शन डोर्स प्रा० लि० डायरेक्टर गिरधारी लाल डालिमयां पुत्र बजरंग लाल निवासी म० न० 16/43 सिविल लाइन्स, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. केसागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्कि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवइथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे!

अनुसूची

खेत नं० 318 स्थित गाम विमायकपुर तहसील अकवरपुर जिला कानपुर।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, कानपूर

मारख : 5-6-1985

प्रक्य कार्त सी एक, एक, -----

जायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धार्यालयः, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 13 जून 1985

निवेश लं के न् 9/85 - 86: न् जातः मुझे, ए तं के व भट हागर, साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पंक्लात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिन्नी संख्या 127 डब्स्यू 1/793 है तथा जो तक्षेत नगर में व्यित है (और इन्नेजाधिक प्रतुस्त्रों में और पूर्ण का व त्यार है), रिक्ट्रों ती अधिकारी के पर्याख त्यानतुः में, रिच्ट्री त्या विकित्स, 1908 (1908 त न्यां क्षेत्री) के अधीत, तारीक अक्तूकर 12-10-1984

की पृष्णिकत सम्परित को उणित बाजार मृन्य सं कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विषवाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृन्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति कल, निम्निलिश्वत उष्वदेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण स हुद्दं किसी बाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे क्चने में सुविधा को क्षित्र; और/वा
- (क) एती किसी जाव का किसी धन या अन्य आस्तिक्षी की, किन्हीं भारतीय आय-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया से सिक्त के सिक्त;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थें, थें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कथीर नियमसिक्स स्वितियों, वर्षात :--- श्री तरेश कुमार सुपृत करतार नाथ, आदि निवासी 128/138 क्या है, किदंबई नगर कानपुर

(भ्रन्तरह)

 श्रीमत सरोज पत्नी मेघराज
 127 डब्ल्यू-1/793,, साकेत नगर जानपुर

(भ्रत्तिती)

3. क्रोतागण

(बह व्यक्ति, जिले अधिमोग में अम्पत्ति हैं)।

4. के आगण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षेष्ट्रसाक्षरी जानता (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

व्यं वह गुणना वर्षणी करक. रचेरिक्त मेश्र्योत्स कः वंश्रंत्र क विक्र र १ केराहरण अर्थनी हा

क्लत संस्थाति का अस्त । अध्यान्य ए काष्ट्र औ आक्रम -

- (क) सब बुजना के राजपण के प्रकाशन की तारीय क 45 दिन की जबधि के तरसंबंधी व्यक्तियों पर संजना को नामील स 30 दिन की संबंधि के में संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मा:
- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की शारीक क 45 किन को भीतर उक्त स्थातर सम्पन्ति मों हित बक्ष किसी कन्म भाकि शतः ' वाक जिक्कि मों किस् का सकोग

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त संब्वों और पवों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, बहुरी अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गरु हैं।

प्रमुखी

मकात नं ० 127/डक्स्यू०--1/793, सांकेत नगर, दानपुर।

> एत० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायक्त प्रायक्त (िरीक्षण) श्रजैत, रोंज, कानपुर

तारीख : ,1'3--6~19'85,⊺ मोहर :

8-156GI|85

प्ररूप बाईं. टी एन. एस. -----

नासकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-च (1) के अधीन संचना

भारत शरकार

कार्यानय सहायक नायकार वास्कृत (निरीक्षण)

म्रजेन रेंज, गानपूर

दानपुर, दिनांश 5 जून 1985

निदेश में० के--12/85 ⋅86:---श्रतः मुझे, जै० पी० हिलोरी, नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे रम रेपक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया **ह"),, की भारा** । । ख के अधीन सभाग प्राधिकारी को यह विक्वास करने का का ण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य ा, त0, ततत ∕- रह. से अधिक हैं। और जि की संख्ता 94/124 है, तथा जो फर्राण ख़ाना में स्थित है (और इति उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप मे प्रिति है), जिल्हों की अधि गरी के अधिकार राजपूर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 12-10-1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का जाचत बाजार मरने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपन्ति का उचिन प्रमान प्रशासन में राज्ये । रहग्रमान प्रतिकास 🛊

पन्दह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और

अन्तरिती (अन्तरितियाँ) **के शीच** एसे अन्तरण के लिए तथ

गया गया प्रतिफाल, जिस्सिलिखित उद्देष्ट्य में उत्कत अन्तरण ^{भव}िकट में कास्तिविक संग्र में ऋथित तहीं किया गया है ~-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधित्यम कं अधीर कर दान के अन्तरक क वायित्व में कमी करन वा उससे अधने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के निए;

अतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती खैरूनिशा।
पत्नी श्री मो० हसीन प्रादि
निवासी 94/124, फरीश खाना,
कानपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री इम्तभाज म्रहमद पुत्र श्री म्रकुल हक, पखेज श्रहमद, मादि निवासी 94/124 फरीश खाना, कानपुर।

(ग्रन्सरिती)

श्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिल्लके अधिमोग में सम्पत्ति है)।

4. केतागण

(वह व्यक्ति, जितके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वता जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

शक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाध्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सृक्षना क र जपत्र मा प्रशासन का तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेक्ष हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए जा सकीगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मन्स्ची

म० न० 94/124, फर्राशखाना कानपुर।

जे० पी० हिलीरी सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीखा: 5-6-1985

मोहर 🌶

प्रकृष कार्ष टी एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

नारत वरकाष

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज कानपुर कानपुर, दिनांक 13 जून, 1985

्राप्यांलय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बना वा किया बाना वाहिए था, फिनावे अधिवास के सिक्;

असः अकः, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण में में उद्धत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्री कृष्ण बिहारी लाल पुत्र स्व० श्री रतन लाल शर्मा श्रार/श्रो 130/559, बाकर गंज, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती राजेश्वरी देवी केडिया पत्नी विश्वेश्वर लाल केंडिया, 128/के ब्लाक बी, किदवई नगर, कानपुर

(भ्रन्तरितो)

3. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिनके श्रधिमोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षर जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 🖆

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक -45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूजना की तामील से 30 विन की अवधि, वो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाग ल इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश

अनुसूची

प्लाट नं० 7, स्कीम नं० 2, किंदवई नगर, कानपूर।

एस० के० भटतागर, सक्षम प्राघि हारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण सर्वो रेज, हासपुट

तारीख: 13-6-1985

मायर ३

प्रकृष कार्ष , शी , एव , एव , ------

मानकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के मधीन स्थाना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून, 1985

का प्रांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्वेष्य सं उक्त अंतरण निम्नलिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) कलरण से हाई किसी बाब की बानस, इक्ट सीचिनमंत्र के बचीन कर देने के बलरक के वासिस्य में कमी कर्क या उससे क्यमें में सूचिथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काम या किसी धन या कम्म बास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय बाय-कर बिधनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चारिहर था, कियाने में सुविधा सुविधा के सिए,

सतः सनः, जन्मत स्थितिसम् की धारा 269-ग से अनुसरक् मों, मीं, उनक निधितिसम की धारा 269-म की उपधारा (1) से वधीन, निम्नोसियत स्थितिसमें, समित् द्र--- श्री कृष्ण
पुत्त स्व० रघुनाथ प्रसाद,
श्रोम प्रकाश न श्री प्रकाश,
निवासी 32/18, पुरानी चावल मण्डी,
कानपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्री कृष्ण कनोडिया पुत्र मुरारी लाल कनोडिया 74/215, धनकुट्टी, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. केतामण

(वह व्यक्ति, जितके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋेसाग्रश

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्थान कारी कारखे प्रशेवतः सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां घुरु कारता हूं।

जबत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कांड़' भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिलाबंद्य किसी वन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताकरी के पास विविद्य में किए था सकने।

स्वक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का को उथल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

अमसकी

74/119, धनकुट्टो, कानपु**र**।

एस० के० भटनागरः सक्षम प्राधिकारि सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तरीख: 5-6-1985

मोहर ३

नस्य नाइ⁴.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, विनांक 13 जुन, 1985

निर्देश सं० के/-24,85-86-अतः मुझे, एस०के० भटनागर, णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६9-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूंस्य 1.00,000/- रह. से व्हिथक है

ष्मीर जिसकी संख्या 93/213 है तथा जो रजवी रोड, कानपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर भूमें राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन स.रीख 31-10-1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के क्षयमान प्रितिफ स के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफ ल से एसे दश्यमान प्रतिफ ल के पन्तह प्रतिकात से अधिक ही अर्थ अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिसी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण विकास में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाद की बावत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धने या अन्य जास्तियां को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री अञ्चल मन्नान, पुक्त श्री हाफिज जहीरूद्दीन, 93,71 रजवी रोड नई सड़क, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गाहिदा बेगम पत्मी कमालखद्दीन 88/35 प्रेम नगर कानपुर

(भन्तिरती)

3 केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)।

4. श्रेतागण

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्त.क्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबड़ हैं)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी मबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पास सिक्ति में किये जा सकी।

स्पष्तीकरणः --- इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदौं का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधाः गया है।

नन्स्ची

म० न० 93/213, रजवी रोड, नई सड़क, कानपुर।

एम० के० भटनागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

सारीख: 13-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ .टी. एन, एस : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० के -25/85-86-अतः मुझे, एस० के० भटनागर, शास्त्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा १६८-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 53/20 हैं तथा जो नया गंज, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिज्दिनिया अधिकारी के कार्यक्रय धानपुर में रिज्दिनियण अधिकिस, 1808 का 16) के अधीन तारीख 2~10~1984

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- 'क) अन्तरण संतुर्द "किसी जाय की बाबत, उक्त जीध-निवस के वधीन कर देने के जंतरक के दावित्व में कसी करने वा उनसे व्यने में सुविधा के स्मिन्, जीव/शा
- (क) एसी किसी जान या किसी धन ना कन्य आस्तियों को, किन्हें भारतीन नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्त जो धनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया भा या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के नियः

कतः स्व, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित क्रि श्री पुरूषोतम दास रस्तोगी
पुत श्री शिवचरन लाल,
निवासी 15 किशनो नगर लारेन्स रोड,
अमृतसऱ।

(अन्तरक)

श्री गोपाल दास चौरसिया
पुत्र श्री छेदी लाल एवं
श्री श्याम जी चौरसिया
निवासी डी-55/156, श्रीरंगाबाद
वाराणसी।

(अन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. ऋेस₁गण

(त्रह व्यक्त, जित्तके बारे में अधोहस्स क्षरी जानता है कि वह सम्पात्त में हतबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिल्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस व्ध्याय में दिवा गया है।

जन संची

म० न० 53/20, नया गंज, कानपूर।

एस० के० भटन गर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

तारीख: 5-5-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० के-26/85-86—यतः मुझे एस० के० भटनागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्ध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

र्गं र िसकी संख्या 108,149 हैं तथा जो सीसामऊ, कानपुर मैं रिश्हर है (ग्रं र इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विक्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 19-10-1984

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उछके द्रयमान प्रतिफल से, एसं स्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उन्न अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था मिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थातः— (1) श्रीमती सरस्वती देवी,
 बेवास्व० राम चन्द्र निगम,
 108,149, सीसामऊ ,
 कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार नन्दा पुत्र स्व० श्री राधेश्याम नन्दा, निवासी 108/149, सीसामऊ बाजार, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) केतागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है , कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः— इसमें प्रमुक्त कब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 108/149, सीसामऊ कानपूर

एस० के० भटनागर् सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5-6-1985

श्रुवा बार्ड . टी . एव . एव . ------

बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुच्या

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 जून 1985

निर्वेशं सं० के-28/85-86-यतः मृहो, एस० के० भटनागर, आयकर समिनयस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा हैं। के अधीर सम्प्रत प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी संख्या 117/एम/282 है तथा जो काकादेव, कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के क ग्रीक्य कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के तिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार पृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया च्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिषित के बास्तरिक रूप से कास्तर का कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भन वा बस्त आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित अधीनतमों, जभात ह—- (1) श्रीमशी करतार कौर बेवा श्री मूल सिंह, सा० 126/70, ब्लाक-जी, गोविन्द नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्त प्रसाद जैन, पुत श्री जगमोहन जैन, व सर्वश्री नरेण चन्द जैन व अरिवन्द कुमार जैन आदि, निवासी-174/10, शास्त्री नगर, कानपुर।

(अन्सरिती)

(3) केतानण

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) नेतागण

(वह ध्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पात में हिसबद्ध है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनते सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 4: दिन की जबीभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबीभ, जो भी जबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चिचित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पर्वो का, जो अनत नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

नगराच

म० नं० 117 मृंप्म 282, काकावेव, कानपुर।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, कानपुर

भारीख: 11-6-1985

मोहर 🤛

शक्य बाइ', टी. एस्. एस्. -----

बागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकात

कार्यात्तय, सहायक क्रायकर काय्क्त (निरीक्क) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 जून 1985

निर्देश सं० के-33/85-86---यतः मुझे, एस० के० भटनागर,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके परुषाक् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुम्ची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्री-करण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 31-10-1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्धित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उल्ल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

 (1) श्री गया सिंह114/3, विनायक पुर,कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रणजीत सिंह सचिव, 330, नानकारी श्राई०श्राई०टी०, कानपुर।

(मन्तरिती)

(3) त्रेतागण।

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रेतागण ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रकोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब के है)

का यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्बन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के श्राविष्य में प्रकाशन की ठारी के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बद्धि, को भी ब्राविष्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्यब्दीक द्वा :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ववा है।

वनुसूची

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्धेरेऽक्ष) ग्रर्जन रेंज, कानणी

तारीख: 5-6-198**5**

THE MILE AND SECTION ASSESSMENT AND ADDRESS OF THE PERSON ASSESSMENT ASSESSM

बाब्धह बीधिनयम 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के बंधीन क्यमा

STATE STATE

कार्यालय, तहायक जायकर जायुक्त (निरोक्तग)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० के-46/85-86—यतः मुझे, एस० के० भटनागर,

कलकर निर्मितन, 1961 (1961 का 43) (विश्वे दशको दशको प्रमात् जनत निर्मितन का नहा गया है), की बाल 269-क के अधीन सकल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कहरण हैं कि स्माव्य संपत्ति, विश्वका उचिता वाबार वृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 47-ए एंड बी है तथा जो रिनयां, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिंधकारी के कार्यालय, ग्रकवरपुर (कानपुर) में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908

(1908 का 16) के माधीन, तारीख 29-10-1984 को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रमान बतिका के निए जन्मरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपरित का अधित वाजार जून्य, उसके क्ल्यमान प्रतिकास से, एसे क्ल्यमान प्रतिकास का क्लाइ प्रतिकात के निषक, है और अन्तरक (अंतरका) और बंतनिरति (अन्तरित्वार्ते) के बीध ऐसे जन्तरण के निए तम पामा गमा प्रतिकास निम्नतिवात ज्वादाय से उसत जन्तरण निम्नतिवात में वास्तरिकास कम बिम्नतिवात ज्वादाय से उसत जन्तरण निम्नतिवात में वास्तरिक कम बे कीचत नहीं कि वा गया है :----

- (क) अन्तरक वंश्वाद भिक्की बाव क्षा वावल, अक्ष्य अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को वाक्रिक में कवी कश्म वा उपक्ष वचने के श्वादित के लिए; और/या
- (च) एसी किसी माय या किसी भन या अन्य आस्तियों ची, चिन्ही भारतीय भाग-कर अभिनिधम, 1922 वि. 11) का उक्त अभिनिधम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती, वृगारा प्रकट नश्ची किया का या किया काना चाहिए का कियाने जें विश्वा के विश्वा के विश्वा के विश्वा के विश्वा के विश्वा के विश्वा

मता व्या व्या विभिनियम की भारा 269-म की, अनुसरण भी, मी उनत अधिनियम की पास 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलियित व्यक्तियों अधीत ह— (1) श्री कुंग्रर बहापुर सिंह व रणजीत सिंह व श्रवण कुमार सिंह पुत्रगण महाराज सिंह, निवासी——ग्राम रिनया, पर० ग्रकबरपुर (कानपुर देहात)।

(ग्रन्तरक)

.(2) 1. श्री विश्वनाथ शर्मा व श्री काशीनाथ शर्मा, पुत्रगण श्री घनश्याम शर्मा, निवासी-113, सिविल लाइन्स, बरेली, 2. मुहम्मव जफर खान, मु० राशिद खान ग्रावि, निवासी-89/256, बांस मंडी, कानपुर।

(भ्रन्तिरती)

(3) केतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ही)

(4) क्रेतगण।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के निस् कार्यवाहियां करता हूं।

बन्द बन्दित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाज्येव 🥌

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

लाक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त गड़्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उत अध्याय में दिया गया है। अन्सर्वा

खेत नं० 47-ए एंड 47-की स्थित—ग्राम रनिया, पर०—ग्रमकबरपुर, जिला कानपुर।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-6-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.------

स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

- कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर दिनांक, 4 जून 1985

निदेश सं के-47/85-86— ग्रतः मुझे, एस० के० भटनागर

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

कौर जिसकी सं० है तथा जो कैलाग पुरी बाँधा में स्थित है (और ६ससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वाँगत है), राजस्ट्रीकर्ता प्राधकारी के नार्यालय कींबा में, राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908(1908 का 16) के आधीन, तारीक 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं कमा गया है ।—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्य के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भें,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन निम्नसिखित, स्योक्तियों, अर्थात् ध——

- (1) श्री गुलाब चन्द्र सन ओफ मोतीलाल सिन्धी, निवासी-कैलाशपुरी, फालपन गंज बांदा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भजन लाल सन ओफ फीतल दास सिन्धी, निवासी-कैलाशपुरी, फालवन गंज, बांदा। (भन्तरिती)
- (3) श्रेतागण

(4) श्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवक है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपस स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धरसर्वा

मकान स्थित कैसाशपुरी, फासवन गंज, बांदा।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपूर

तारीख: 4-6-1985

प्रकप् बार्ड, टी, एस. एस. +-=-

भागकार लिभिनियम, 1961 (1961 कां 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

शारत तस्कार

कार्यानव, सहावक बायकर आवृक्त (लिरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जून 1985

निर्देश सं० के-50/85-86—म्बतः मुझे, एस० के० भटनागर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- क. स आधक हैं

[और जिसकी सं० 194/की-9/को ब्लोक, है तथा जो किंदबई नगर में स्थित है (और इससे उपाबक प्रभुस्वी में और पूर्ण रूप से बाणत है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, राजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन, सारीख 2-11-1984। को पूर्णेक्त तम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है बार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का पत्त्रह प्रांत्रक से बापक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (कारितियाँ) के बीच एते अन्तरक (अन्तरकों) वार अन्तरिती (कारितियाँ) के बीच एते अन्तरक (अन्तरकों से उक्त अन्तरक जिल्ला का पत्त्रह में बास्तिवयाँ) के बीच एते अन्तरक (अन्तरकों से उक्त अन्तरक का मत्त्रह में बास्तिवयाँ) के बीच एते अन्तरक (अन्तरकों से उक्त अन्तरक का मत्त्रह में बास्तिवया कप से किथा नहीं किया गया हैं :---

- (क) बन्दहम् सं हुएं किती बाग की बाग्य, उनक बिचित्रक् के बचीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में क्वी कड़ने या क्वसे न्यने में स्विता के बिद्र; स्वेर/या
- (ण) पंची किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल क्षिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्रीमती उज्बल देवी पत्नी नन्हा सिह, 105/530, भ्रानन्दपाल, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मो० इसलाम, मो० श्रसपाक, मो० रईस श्रादि, 105/55, चमन गंज घोसियाना, कानपुर।

(म्रन्तरिती)

(3) श्रेतागण

(बह व्यक्ति, जिसके प्रदिक्षीय में सम्पत्ति है)

(4) त्रेसपाण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रक्षीहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबऊ है)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटकच्च किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए जा स्कोंगे।

स्थल किरण :---- इसमें प्रयुक्त काओं और पर्वो का, को सक्त किंपिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं सूर्य होगा को उस स्थाय में विया स्वा हैं।

प्रनुसूची

मफान मं० 194-की/9, ब्लाक 'डो़०, किदबई नगर, कानपुर।

> एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी व सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-6-1985

प्ररूप बाई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

►कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जून 1985

निरेश सं० ने-51/85-86---अतः मझे, एस० के० भटनागर

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिलकी सं 11/277-ए है तथा जो खाल टोली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्रित अधिकारी के कार्यालय कानपुर, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन, तारीख 22-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्ड है और मृद्यों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकन अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एक जन्म जन्म जन्म का का का मार्किय जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः वच, उसत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थान् :-- श्री तारा चन्द्र पुत्र श्री बद्री प्रसाद, 14/1, ऐलनगंज संरलभेट, काभपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रेखा साहू पत्नी श्री विष्ण प्रकाम साहू, 12/492, ए ग्वाल टोली, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) त्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बक्ति है)

(4) ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सके गै।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

अनुसूची

मकान नं०-11/277-ए, ग्वाल टोली, कानपुर।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 13-6-1985

प्रकृप नाई . टी. एन्. एक्----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सड़काड़

कार्थालम, सहामक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जून 1985

निवेश सं० एम-1621/84-85---अतः मैं, एस० के० भटनागर

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रार जिसकी सं० के-3 है तथा जो कविनगर, गाजियाबाद में स्थित है ? भ्रार इससे उपाबड अनसूणी में भ्रार पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908(1908 का 16में के आधीन, हारीख 11-10-1984।

का पूर्विक्त सम्भोत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यक्षात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ जातिरनी हवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

बतः बबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त करीधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्निशिषित व्यक्तियों, वर्षात् हु---

(1) श्री मन्ना लाल पुत्र श्री जिलोकी सरन गर्ग, 661, विजय नगर, गाजियाबाद ।

(अन्त'रक)

(2) श्री मोभाराम अग्रवाल पुत्न श्री राम स्वरूप अग्रवाल, केएच-57 कविनगर,यगाजियाबाद ।

(अन्तच्यि

(3) ऋतागण

(वह व्यक्तिं, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

. रायत सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कांद्र भी काक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन की अविधि हा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गक्षा है।

मन्स्पी

मकान के-3, कविनगर, गाजियाबाद।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नानपूर

तारीख: 13-6-1985

प्रकल बाह् . ही . एव . एव . लालावा

भागकर की पिनियम, 1961 (1964 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन मूचना

सारत सहकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० एम-7/85-86---अतः मुझे एस० के० भटनागर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० होटल लाइब्रेरी तथा जो घोड मसूरी में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप — र्र्स्सिनीं है, रिजिल्ट्री वर्ता अधि वारी के कार्यालय दिल्ली में, रिजिल्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 16—11—1984

को पर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यामाय उत्तिकाल के लिए कन्तरित की गई है और मुभ्रे यह विश्वास कारणे का कारण है कि मथाएग्विन सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य सम्बंध क्रयमान प्रतिफल में, एस दश्यमान प्रतिफल का अप्रकृष प्रतिवात से अधिक है और जन्मरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरिश्वात से अधिक हो और अन्तरित के स्वाप्त के लिए तम पाण गता कारण के लिए तम पाण गता कारण के सिंप तम पाण गता वार्योक के सिंप कारण के सिंप कार्योक कार्योक

- (क) अन्तरण में हुई किसी आव की बावत, उच्कत अभिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के वायस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/शा
- (अ) एसी किमी आव मा किसी वर्ष था वष्य वास्तियों कां, विन्हें भारतीय कांत-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवार प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

्यतः त्रजः सकतः अधिनियम कौ धारा 269-व कै विवृत्यप्य मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीनः निम्निलिकत व्यक्तियों वर्धात् इ— (1) श्रीमती शमीम अस्तर, 15, रिपन लेन, कलकत्ता।

(अस्तरक)

(2) 1. श्री इरकवॉर पाल सिंह लाम्बा, 18/45, पंजाबी बाग, मई दिल्ली। 2. सरदार जोगिन्दर सिंह, जे-१/154 राजोरी गार्बन, न्यू दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केलागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह स≠गति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना आरी करके पृशांक्त संपत्ति के बर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी स्थितयाँ पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में दिनवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवद्शीकरण:— इसमै प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

होटल स्थित लाइबेरी रोड, मसूरी जिला, देहरादून।

एस० के० भटन गर सक्षम प्राधिक री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 31-5-1985

मोहर ७

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्थना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कामपुर

कानपुर, विनांक 13 जून 1985

निवेश सं० एम-11/85-86---अतः मुझो, एस० के॰ भदनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 84, 86 91 है सथा जो फतेरपुर, देहरादून में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्र, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख 22-10-1984

द्धा विकास संदर्शित को उचित बाजार मृख्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपरित का उचित बाजार बच्च, उसके दृद्धमान प्रतिफल से एसे दृद्धमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिहात से अधिक ही और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण को लिए तय पाया भद्दा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित के अस्तिक कप से कियत नहीं किया गया है :---

अस्तरण में हाई किसी आय की बाबत खल्छ अधि जिसस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य से कार्ना करने या उससे सचने में मृतिया के जिये. बाह्र/या

(च) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में स्विधा के जिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-र के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के लगीन, शिनम्निसित व्यक्तियों, अधित :--

श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री
मखतयार सिंह,
फतेहपुर, पर० पछत्राइन, देहरादूम।
(अन्तरक)

2. श्री सचेन्द्र सिंह, पुत्र श्री लाल मवरतन सिंह, 19/1 सुभाषरोड, देहरादून।

(अन्तारती)

3. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋे∃ागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थान भारी करके प्वॉक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सात्रनभी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिजित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा है।

अनुसूची

खेत स्थित फतेहपुर, देहरादून।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकेटी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-6-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में समीन सूचवा

भारत सरकार

ं कार्याच्य , सङ्घानक जायकर या**न्यतः (पि<u>प्</u>रीय**ण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० एम-12/85-86---अतः मुझे, एस० के० भटनागर.

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया है'), की धारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, चितका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक हैं

और जिल्ही मं० है तथा जो तेगब्हादुर रोड में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), इस्जिट्संजती अधि ारी के कार्यालय 📤 🖟 रादून में, रजिस्ट्री रण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधींन, नारीख 9-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य संकम के अध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त संपत्ति का माजार भूल्य, उसके **स्व**यमान प्रतिफस त से द्वयमान प्रतिफल के पम्बद्ध प्रतिकार से अधिक है नौर मंतरक (मंतरकाँ) नौर मंतरिती (मंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरने के सिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नसिधित उब्दोर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्थ्य से कथित महीं किया पना है रू---

- (क) अभारण से इ.इ. किसी जाम की बाबस, एकत अभिनियम के वधीन कर दोने के बनाएक थे वानित्य में कनी करने वा छत्तसे बचने जे धुनिया के विष्टू भीष्र/का
- (ख) ए'सी। किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्त औपनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में श्रीवधा चे निष्;

नतः नव, उनत निभिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---10-156GI/85

(1) श्री दिवान चन्द्र पुत्र श्री नारायण दातः 55 ई०सी० रोड, देहरादून।

(धन्तरः)

- (2) श्री एच०के० शर्मा पुत्र श्री ग्राशाराम शर्मा, एफ व्यो०, एस व्यारव्याव, एन व मुजफ्फर नगर। (मन्तरिती)
- (3) केलागण

(चहु व्यक्ति, जितको धिष्रागेग में सम्पत्ति है) (बहु व मिन्न जिल्लो बारे में वह सम्पत्ति में हितवद है)

(4) क्रेतागण भधोहस्ताक्षरी जानता है कि

को बढ़ बुचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन क निरु व्यवंगाहियां करका हूं।

जक्त संबर्धि के वर्षन के बंधेंच में कोई भी बाओप :----

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकासन की तारीय के 45 विन की अवधि वा तत्सवधी व्यक्तियाँ पर बुपनाकी सामीक से 30 दिन की अवधि, वांभी बदिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उपर स्थावर संपृत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा बधोहस्ताकरी के पास शिवित में किए वा सकेंगे।

रवळीळरण:---द्रश्चे प्रवृक्त कर्यो और पदी का, वी स्वत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्भ होगा को उस मध्याय में दिया नया 💅 ।

वपृत्यी

मकान स्थित तेग बहादूर मार्ग, देहरादूत ।

एस० के० भटरागर जअन प्राधि ∷ारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रैंज, बानपूर

तारीज: 13-6-1985

पाल नाएं हो हो हुन्, एप ुरस्ता हुन्य

नायकत्र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह 269-व (1) के अभीन सूचना

बाइव बहुकाड

कार्याजन, सहारक जारकड बायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 13 जून 1985

िनिदेश सं० एम/13/85-86 --- प्रतः मुझे, एस० के० भटनागर

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 263-च के वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिएकी गं० 6/958 है तथा जो धकतारोड में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में आर पूर्ण रूप से धणित है), रिजस्ट्रीहर्ती अधि गरी के गर्याच्य प्राध्तपुर में, रिअस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 11 16) ी आधीत, तारीज 31-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह बिहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रनिक्षत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्पोरितियों) को बीच एसे अल्पारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नेलिचित उद्शेष्य से उक्त अन्तरण निचित में दास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किती शाव को बावत, उत्तर अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उसके मध्ये में भूषिका भे तिया। बीक/ना
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन वा अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार पिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषान में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग भी अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--

- (1) श्री इन्दू पुर श्री सह र्यः न, चशरोता रोड, सहारनपुर। (अस्तरक)
- (2) श्री भन्सूर श्रलीं, पुल श्री मो० इबाहिम, चकरोता रोड, सहारनपुर।

(म्रन्तरिती)

(3) केसागण

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण

(बह काक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितब्द है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति क ४०० वर्ष कार्यवाहियो करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी ठाक्षप ~

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की सपित या तत्सम्बन्धी स्पालसम्बन्धी स्पालसम्यासम्बन्धी स्पालसम्बन्धी स्पालसम्बन्धी स्पालसम्बन्धी स्पालसम्बन्य स्पालसम्बन्धी स्पालसम्य स्पालसम्बन्धी स्पालसम्य
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

मकान नं० 6/958, चक्ररीता रोड. सहा नपुर।
एस० के० भटनामः
स्थाम प्राधिशारी
सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-6-1985

मोहरः

बक्त बाहु है हो। प्रदान प्रवास

नागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) में वाणीय सूत्रका

HIST SERIE

कार्यालम् सद्यायक बायकर बायुक्त (विकेशक)

- अर्जन रेंज, कानपुर गण विकास १२ जन १

कानपुर, विनां ह 13 जून 1985

निदेश मं० एम-16/85-86--श्रतः मुझे, एस० के० भटनागर

नाव अर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (निसं इतावें इसके पश्चार (उन्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269 का ने नधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रहत से निधक है

और जिसकी सं० 132 है तथा जो मोइनपुरी में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण क्व से विणत है) रिजिस्ट्रों जी प्रिकिश्रों के नार्योत्य मेरठ में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आबीन, सारीख 18-10-84

हो प्वेंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह निक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नेवह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंवरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण निम्नलिखत में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत अवस विध-नियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या सबसे वचने में सुविधा के किए; और/सा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

जेत: अब, उक्त विधिनयम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269--म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्रीं कें एल श्रस्थाना पुत्र श्रीं के श्रार् श्रस्थाना, बीं-25 स्कींन I, , कुनुष इन्ध्लेव, नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीं प्रभात पुत्र श्रीं मखन मोहन, 132, मोहनपुरीं कालोनीं, मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) वही

(बह व्यक्ति, जिसके प्रथिभोग में सम्पत्ति है)

(4) बही

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रवीहरताझरीं जानता है कि (वह सम्पत्ति में हितबंड है)

स्त्री बहु बुचना चरदी अरखे पृथानत सम्माल के अपने के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं

बक्द बुम्पारह के वहाँन के बुम्पान भी कींद्र भी मार्बाद :----

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विम की जविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तानील से 30 विन की अविध, जो भी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजविकः स्पृतिस्थों में से किसी स्पृतिस्त दृतारा;

(क) इस सुमान के शायपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विण के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हिन्द-बच्च किसी जन्म स्थावत द्वारा सभाहस्साक्षरी के पास निर्देश में किए या सक्ष्मी।

स्पष्टीकरणः:--इसमें प्रमुक्त सब्बों और पवीं का, को सबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा क्या हैं।

अन्यक्ती

मकान नं 132 मोहनप्री कालोतीं, मैरठ।

एग० के० भटनानर स्थाम प्राधि गरी मेहायक ग्रायकर श्रायुक्त (विरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानग्रर

मारी**ख**: 13-6-1985

गोहर 🛭

प्रस्य बार्ड , टी. प्रम. एस.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के सभीत स्थान

मारब बरकार

कार्यांक्य, सहायक कार्यकर बादकर (विर्देशक)

अर्जन रेंज, ब्रानपुर

कानपुर विनांक 13 जून 1985

निदेश सं० एम-20/85-86---भतः मुझे, एस० के०

बायकर विभिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- एत. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/73 है तथा जो सूर्यनगर, गाजियाबाद में स्पित है (और इन्ते उनाबद्ध अनुभूवीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रनिर्द्री ती श्रधिनारी के बायन्तिय दावरी में, रजिस्द्रीकरण अधिनियम् -1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के कावजान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विस्तास कारने का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कायमान प्रतिफल से ए'से कायभान प्रतिफल का बन्दह प्रतिसत से अधिक ही और अस्तरक (अन्तरकरें) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय का गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देवस्य से उक्त अन्तरण निचित्र में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उनत गाँध-वाधिनियम के बधीन कर दोने के ननारक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियाँ को जिल्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनयम, मा धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तरिली बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यापाने में सुविधा ने विष्

अत: मब, उक्त मीधीनयम की धारा 269-ग की, जनुसरण में, मी, उक्त निधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्मसिवित व्यक्तियों हु संयुद्धि हुन्न

(1) श्रीमतीं भमत कोर परिन श्री भमरजीत सिंह, 745, वर्ष मिशन रोड, देहली--6।

(भ्रन्सरकः)

(2) श्री डी० सीं० अधियारी पुत्र श्री के०सीं० म्रधिः ।री, प्रभा अधि ारी पति श्री डा० सीं० अधि गरी 7/14 क्षणानगर, देहलीं-51 ।

(भ्रन्तरिसीं)ज

(3) वही

(बहु व्यक्ति, जिल्हें

श्रिधमाग में सम्पत्ति है)

(4) वही

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहिकां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षर 🚐

- (क) इ.स. सूचना के राजपण जे प्रकाशन की दारीस से 45 विष की संबंधि या तत्कान्त्रत्थी व्यक्तियों पर सुचना की वामीस से 30 दिन की जनिष, जो भी जनिष बाब में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सुकना के राजपक में प्रकाशन की तारी कस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पक्तकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहाँ वर्ष होगा जो उस मध्याय में विया नक हैं।

बन्स्की

मनान नं ए/13, सूर्यनगर, वादरीं, गाजियाबाद।

एम० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायम श्रायक्र आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 13 -6--1985

मोहर ह

भटनागर

प्रचन बाई . टी . एन . एत . ------

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिभांक 13 जून 1985 निर्देश सं० एम-26/85-86—अतः मझे, एस० के०

भाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं 117 है तथा जो प्रेमपुरी, रेलवे रोड में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेर्ट में, क्रिक्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्ट अधिजियम के अधीत कर धने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचाने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आग्र या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
 - अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण ज्ञान अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) किन्नित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री जनेण्वर दास जैन पुत्र श्री, शम्भूद्याल जैन, प्रेमपुरी, रेलवे रोड, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय गोयल पुत्न श्री, सुरेन्द्र कुमार गोयल, 229 दातनपाडा; मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) वही

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) वही

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिवीं में से किसी व्यक्ति (कार);
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 किस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्लास अधोहस्ताक्षरी के शक्त सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः — इक्तमें प्रवृक्त सक्यों और पंचीं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁸, तक्की अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है ।

प्रपत्त

मकान नं० 117 प्रेमपुरी, रेलवे रोड़, मेरठ।

एस० के**० भटनागर** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

ता**रीख** : 13-6-1985

प्रकृत् भार्यत् द्रोत् **एत् इ एक** इ क्लान

आयकत् अभिनियम्, 1961 (1961 वा 43) हो। भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कावीलय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज, कामपुर

कानपुर, दिशांक 13 जून 1985

निदेश सं० एम-28/85-86---अतः मझे, एस० के०

भष्टनागर

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबस अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित वाचार मृज्य

1,00,000/- रु. सं **शांधक हैं** और जिल्लकी सं० 11 है तथा जो जैनन्यपुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित भाषार मूल्य से कम के क्षममाम प्रतिकास के लिए अंतरित की नहाँ हैं और मुक्के यह मिश्यास करने करूने का कारण हैं कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकात का बेबह प्रतिकात से अधिक हैं और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिक्ति उद्योग्य से उध्य अन्तरण निकित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी नाय की बायस उक्से अधिक पित्रय के अधीन शार दों के अन्तरक के बागित्य सो कती अपने वा अश्व कवने में स्विधा के निए; शीप्र/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन मा जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्य कर अधिनंधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुनिधा के जिल्हा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, धक्त मिश्रियम की धारा 269 व की अपधारा (1) के बर्धान, निम्मिसिय मिश्रियों के अधित भ्रष्ट (1) श्री आर० सी० गोयल पुत्र श्री, रामसरमदास,13 लाजपत कुन्ज, आगरा-2।

(अन्तरक)

(2) श्री कान्ता प्रसाद गोयल पुन्न श्री, दीप चन्द्र गप्ता, 287-ए नया बाजार, सदर, मेरठ कैन्टा।

(अन्तरिती)

. (3) वहीं

(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) वही

(धह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्लाहरताक्षरी जानता है कि षह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकोप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविध या तत्सम्मण्धी स्पित्यां पर बूचना की तामील से 30 दिन की नवींथ, जो भी शहिष बाब में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्स अभित्यों में से किसी अविस स्वादा;
- (व) इस स्थाना के राजनत्र में अष्ट्रासान की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-वसूथ किसी अस्य व्यक्ति द्वास नभोहस्ताकारी के एक विकास में किए वा सकोंगे।

प्रवादीकरण्:— इसकें प्रयंक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त श्रीधिक्यम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, कहीं कर्भ होगा, को उस अध्याय में दिया शक्ष हैं।

ace with

मकान नं० 11, चैतन्यपुरम, मेरठ।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

सारी**खं** : 13-6-1985

गोहर 🖫

प्रकथ बार्च, टी , एस , एस 🛒 🚉 🚉

आयभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर स्पर हिनांक 13 जन 19

कानपुर, दिनांक 13 जून 1985

निवेश सं० एम-31/85-86—-अतः मझे, एस० के० भष्टनागर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो मालरोड़, मसूरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में व्रिगत है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्याच्य देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के आधीन, तारीख 10-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाषार मृत्य से क्य के स्थमान प्रतिफाश के लिए अन्सरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से ऐसे स्थमान प्रतिफाल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्योदय से उच्य अन्तरण किश्वित मं वास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) बन्तरण में हुए किसी बाय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर विजे के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और∕वा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अभ्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायक र अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए।

अक्त: अक्त अभिनियम की भारा 269-ग **से अनुबरण** ब्रॉ, में, जक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निम्नसिखित व्यक्तितृहों, अर्थात् ह— (1) श्री आर० के० जैन, पी० के० जैन, बी-498 न्यू फेन्डस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलशन राय, ई-36/12 राजोरी गार्डन, न्यू देहली ।

(अन्तरिती)

(3) वही

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) वही

(वह व्यक्ति जिसके **जारे में** अक्षोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, के अर्जन के लिए कार्यनाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रेंच क्रिक्ट

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वासर;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये पा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्वा इं!।

2777

मकान स्थित दि माल, मैसूरी, देहरादून।

एस०के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क**ा) अर्जन रेंज, कानप

तारीख : 13-6-1985

प्ररूप सार्च, टी. एन्. एस्. ------

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन सुम्ता

सारत बरकार

ं कार्यालय, सहायक नायकर शायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जम रेंज, कामपुर कीनपुर, दिनौक 31 मई 1985

निर्देश सं० एम-32/85-86—अत: मझे. एस० के० भक्ष्मागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

मौर जिनकी सं मान है तथा जो लाइबेरी रोड, मसूरी में स्थित है (और इनसे उपाबद अनुसूची में मौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-10-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते थह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षात से अधिक है और प्रंतरक (अंतरकों) और अन्तर्शित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निल् तय पाना गया प्रतिक्रल, निल्निसित उद्देशन से उन्त जन्तरण सिंबा में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया ही

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबस उक्त बिधिनवन में बचीन खुड़ दोने से बन्सपुर में दावित्य में कमी करने वा उसके वसने में बृडिधा से लिए; स्टि/बा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

बत: तथ, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, अकत अधिनियम की भारा 269-गे की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिंस व्यक्तियों, अभूति :--

(1) श्री हिनगरन पुल स्व० श्री विष्नूदयाल किशोरी निवास–िषरहाना रोड, कामपुर।

(अन्तरक)
(2) श्री केशवलाल एवं श्री रामकुमार पुत्र श्री
स्याम लाल 12,भाइत बाजार,

देहरादूभ।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके

अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि बह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क<u>र</u>ता हु ं.⊎

बनव ब्रंपित के नर्जन के संबंध में कोई भी नामीप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस असे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (वा) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर तंगरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी को पाड़ लिखित में किए खासकों।

स्वच्छीकरण: इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उनत कायकर जिमियन के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वहीं हैं॥

अनुसूची

मकान स्थित लाइब्रेरी, माल ्रंड, मसूरी, जिला देहरादूम ॥

> एस० के० भटनाके सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 31—5—1985

महेक 🛊

प्रकप आहें, देंहें . एनं , एसं , ***** *****

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिना 31 सई 1985

निदेश सं० एम-38/85 86 --अतः मुझे एम० के० भटनागर

कायकर विश्वितमम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त विश्वितमम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिल्ह बाबार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

तथा जो सखननाथ नगर

में स्थित है (और इसने उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप पूर्म बिलत है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिगारी के सर्यालय हरिद्वार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के अधीन, तारीख 1-10-1984

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से काम के एवयमान श्रीतफन के लिए अन्तरित की नई है और नूबे यह विश्वास करने का कारण है कि बयापुर्वेक्त सम्पत्ति का जीवत बाकर वृक्ष, उसके क्रयमान प्रतिफन हे, एसे अववान प्रतिफन का वृक्ष, उसके क्रयमान प्रतिफन हे, एसे अववान प्रतिफन का वृक्ष, प्रतिकत से विधिक है और जंतरक (अंदरकाँ) की प्रतिकति (अन्तरित्याँ) के ,बीच एसे अंतरण के लिए तब पावा चया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्योध्य से उक्त जंतरण लिखित में वास्तरिक क्ये से क्रिक्त महा किया गया है है——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बावस, कक्स विधीनसम के अधीन कार दोने के बन्तदक के धामिल में कमी फारने या जन्त विचने में सूधिया के लिए; बीर/भा
- (ख) एसी किसी भाग या किसी भन या कन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय भागकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिन्ति एसारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना पाहिए था, जिल्लाने थें स्विभा के सिए:

ं आत: शक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण श्रे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) से आरी जिम्मिलिकित व्यक्तियों, अर्थात:——
11—15oGI/s5

- (1) श्री अगदीज लाग भूटागी पुत्र श्री
 हरवेण लाग भूटागी,
 जपोल्ट प्रांफिय सेखर नाथ नगर, हरिद्वार पर,
 ज्वालापुर तहसील रुड़की,
 जिला सहारनपुर।
 (अन्तरक)
- (2) श्री साईदास अरोड़ा पुत श्री, बक्शी किन, चन्द्रजी अरोड़ा, अजय कुमार अरोड़ा पुत श्री साईदास अरोड़ा, पता भिनोडा रोड हरिद्वार पद ज्वानापुर तहसील-कड़की, जिला सहारनपुर ।

(ग्रन्नरिती

(3) केतागण बह ब्यक्ति है जिसके अधिभोग में ाम्पत्ति है।

(४) ऋतामण

(वह व्यक्षित, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को बहु सूचमा बारी कारके पृत्रोंकन सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं!

जयत बंधित में अर्धन के संबंध में कोई भी नाहोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन सक्की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबीध बाद में स्थानत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्ति यो में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ब) इस स्थला के राषपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-बब्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा सभोहरताक्षरी कें पास निवित्त में किए जा सकोगे।

स्यक्तकिथल :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा हैं

जनसर्थे।

म तान स्थित : सखन नाथ नगरः शिरिद्वारः, जिला सहारनपुर

एत० वेश भटनागर सक्षम प्राधिकारो सहायत सामकर आयुद्दा (गिक्षिण) सर्वेत रेंत्र, बानपुर

दिशांक : 31-5,85

मोद्वर अ

प्रकम् आहे ही एव एक ,-----

भायभर मिथिमियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण)

यर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 तून 1985

निर्देश मं० एम०-57/85-86 --जाः मुझे, एस० के० इटनागर

जायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह बिह्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 16 है तथा जो देवाफोल एक्पचेज मेरट में स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्टिंगिली अभिना रीके नायित्य मेरट में रिन्होकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-10-1984

करे पूर्वोक्क संपरित के उच्चित वाजार मुख्य से काम के दश्यनान प्रीक्षण के लिए अन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण ही कि वशामुजीक्त सम्मित्त की उपित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रीक्षण से एसे दश्यकाम प्रीक्षण के पन्ध्र क्षितकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तरण के जिए सम पामा प्रतिकान, निम्मिनिसित उद्देश से उक्त अन्तरण सिश्चत में वास्तिक रूप में किश्वा अधिक में वास्तिक रूप में किश्वा अधिक में वास्तिक रूप में किश्वा अधिक मी वास्तिक रूप में किश्वा अधिक अधिक साम गया हैं :----

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा भे जिए? और/सा
- (च) एसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरितो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै निए।

लत: अब., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (१) के अभीन, निम्निसिक्ति काफित्यमें, अभीत हु— (1) श्री ्रणनाल काहली,
 16, टेलीफीन एक (घेन,
 मेरठ। (अन्तरक)
 (2) श्रीमता वसर्ता देवी.

(2) श्रीमता वस्त्री देवी.10-ए, श्रादर्ण नगर,मेरठ।

(अन्तरिती)

(3) ऋेतागण

ऋवह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण

(तर्काकाः, जिनके बारे में अबोह्म्साक्षरी जानता है कि बह गणात्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन की दिसक् कार्यवाहिमां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन को संबंध में कीड़ भी मार्काप :----

- (क) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अनीं का तत्संबंधी व्यक्तियों पर कूचना की तानीं का 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस बूबमा के एरजनक से प्रकालन का तारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में द्वितन्द्रथ किसी कम्ब व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पत्त चित्रित में किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः इसमें श्रुप्त शब्दों और पदों का, को उंदर जिथितिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख पी

म ान नं० 16, टेलीफोन एक्सचेंन, मेरठ ।

एन० के० भटनार स्वम प्राधिकारी महायत श्रायसर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रेंज, सानपुर

ता**रीख** ा 13-46-1**985** मोहर: प्रका नार्षं,दी. एत. एस. अन्यस्कारमा

शायकार शीधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के श्रधीन सुवना

MILE TYPE

कार्यालय, सहायक मायकार गामुखत (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० म्राई० ए० M=76-85=86 म्रतः मुझे, एस० के० भटनागर

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस द्वापें दक्षकें प्रचात 'उक्त अभिनियम' कहा गण हैं), की वास 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारों की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका स्वित्त बाजार जुल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

भीर जिनकीं मं० है तथा जो जैसा राम रोड़ हरिद्वार में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्सी अधिकारी के कार्यालय ' श्रीद्वार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधींत, तारीख 30~10-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को स्वीकत बाजार मुख्य से क्रम की दिवसाम तिएस को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दिवसाम प्रतिफल से, एसे द्वसमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निसिखत स्व्यूचिय से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवद रूप से कि बत नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्यारण से हुए फिसी नाम की बासता समर सिंपिनयम के अभीन कहा दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी सरने या उससे मुखने में सुविद्धा के सिए; सींप्रिया
- (क) एसी किसी नाम वा किसी धन या नम्य नास्तियों को, विन्हें प्राप्तीन नाम-कर के पिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्त नियमित्यम, वा धन-कर निवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिया के सिन्ह;

बतः अव, डाक्त विभिनियम की भारा 269-ण भी अनुतरम में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निप्तित व्यक्तियों, अथित् :--

- (1) श्री ह्रोगचन्द्र पुत्र श्रीरैमल दास, निवामी पीपलान नगर, परगना ज्वालापुर, तह्मील ह्रिडार, जिला सहारनपुर।
- (3) क्रेतागण (श्रन्तरक)
- (2) श्री यणपाल श्रप्रवाल, सुभाष श्रप्रवाल, ओमप्रकाण श्रप्रवाल, निवासी बड़ा बाजार हरिद्वार, जिला सहारनपूर।

(भ्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

(4) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

की बहु सुष्पा जारी करके पृथोंक्त सुम्पृत्ति के वर्णन में लिए कार्यपादियां करता हूं।

क्रमक प्रेयोहर के अर्थन के बेबेच में कोई भी बाबेच :----

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ मा तृत्संबंधी व्यक्तियों पर क्षणा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर करित्यों में से किसी कारित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के बीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वाचीक्ष्ण:-- वृत्तमे प्रमुक्त कर्यां जीड पर्यो का, वी अनव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवस क्या है।

अमृस्ची

मकान स्थित जैमा राम रोड, मायापुर, हरिद्वार, जिला सहारनपुर।

एस० के० भटनागर स्थम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीं**ख**: 13--6--1985

कोहर छ

मुक्त नार्'्टी, पुतः, पुत्रुः,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सुरुवानु

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

ं कानपुर, दिनां । 13 जून 1985

निदेश नं ० एम-110/85-86---श्रतः भुझे, एस० के० भटनागर

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसमें प्रशास जिस्ते अपिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थासि, जिसका जीन्त बाजाए मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं 30 है तथा जो कनवली रोड, देहरादूत में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनम्ट्रीकर्ता अधिकारी के धार्यालय देहरादूत को पूर्वीकत रिजम्ट्रीधरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक 22-10-1984

की पूर्वोक्त सम्बत्ति के अविश बाजार मून्य से कम को स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके ज्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अविक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्योद्य से उन्त अंतरण किस्टित में नास्तिक कम से किया गर्दी किया गया हैं.—

(कि) अन्तडण संहृदं स्थिती नाम की शायतः, उक्त विभिनियम् को अभीत कर धीने को अंतरक के वादित्व में कानी कारने या उसके व्यूणे में सुनिया की निय; बहि√वा

एंचें किसी भाग वा किसी भन या बन्य शास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंधिरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया चला चाहिए था, छिपाने में स्विधा की नियः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री बीर सिंह पुत्र श्री बदन सिंह, ग्राम कनवली परगना सेन्ट्रल दून, जिला बेहरादून।

(भून्तर्भ)

(2) श्रीमती सुनीता भभीत पितन श्री खीम शुमार, श्रीमती गरना रानी अन्हण पितन श्री मुरारी 124, धूमरवाला, देहरादुन।

(भ्रन्तरिती)

(3) ऋतागण

(यह ब्यक्ति, जिसके

ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रवीहरताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह शूचना कारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्पन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की ज़दीश या तत्स्वकाशी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविश्व जो भी अविश्व बाद में स्वास्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त क्षित्वों में से किसी व्यक्ति श्वादा;
- (व) इस सूचना के सामण्य में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्का स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किसी अन्य क्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किसे का सकोंगे।

रम्ब्यक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त मुख्यें नृद्धि पृद्धें का, जो उक्त कृतिश्विक्ष के कृष्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहाँ क्षे होंगा को उस अध्याय में दिया गुवा हैं ॥

नगुसूची

मनान नं० 30, कनवली रोड, देहरादुन ।

एस० के० भटनागर् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13~6~1985

मोहर 🖫

प्रकृत कार्य की प्रकृतिक स्थान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-र (1) के कमीन सूर्या

बार्व धरकार

कार्यामय, बश्चायक मारकार मार्क्य (विद्रारिक्य)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जून 1985

निदेश सं० एम-III, 85-86—अतः मुझे एस० के० भटनागर

कायकर किशिनयम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार नृश्व 1,00,000/- क. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 1485 है तथा जो चौक, दौलतराम में ब्रिन्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) अधीन, तारीख 13−10−1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षायान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये वह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का कवित बाबार मृत्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एति व्यवमान प्रतिफल का प्राप्त का प्रवास का प्रवास प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) नीड़ कच्छीरती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रति-फल निम्मितिका उद्वेदम से उक्त अन्तरण किहिबत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं विश्वा मना है है—

- (क) अन्तरण पं हुई रिक्ती सामु की बाब्त । उपक अधिनिज्ञ के अधीन कर देने के अन्तरक की दावित्व में कनी कारने ना जबसे बचने में क्रिन्या की जिल्हा मौर/शा
- (क) एसी किसी भाग या किसी थन वा सन्य शास्तियी को, चिन्हों भारतीय आश्रकर सुधिनवस्तः 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनिवस्तः का धन-कट स्थिनिवस्तः 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थः सन्तरिती स्वार प्रकट नहीं किया स्वा था या किसा जाना शाहिए था, कियाने वे सुविधा से सिक्दाः

धतक अब उपत वॉर्थानयम की बारा 269-म भी वन्तकथ वोह में, उसत वॉर्थानयम की भारा 269-म की उपभाद्ध (1) कें/बंधीन, निस्मृतिसित स्मित्यों, वर्धात :--- (1) श्री गिनिया देशी, मीना वाधवा एवं अन्य, 345 सेक्टर नं० 9-डी चंडीगड़!

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधाबाई पत्नि श्री मोहन लाल एवं सोहन लाल व अन्य गली मासिन, हाथरस, अलीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(वह व्यक्ति जिसके

अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

सनत सम्पर्देत के नर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तरशीय से 45 दिन की जनिध या तत्त्वं वर्धी व्यक्तियाँ पद स्वता की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी जनिध वाब में समाप्त होती हो, के भीतर होति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियों हो.
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवष्ट्रभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गांच विविद्य में किए जा सकरें।

स्थलकरणः इसमें प्रमुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा औं उत्त कथाय में विका पैता हैं।

अगुलुकी

मकान स्थित चौक दौलत राम, हाथरस, अलीगड़।

एस० कै० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

मारी**ज** : 13⊸6--19**8**5

प्ररूप वार्षं,टी,एन.एस्.: ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 जन 1985

निदेश मं० एम०116/85-86——अतः मुझे, एस० के० भटनागर

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12 से 14 है तथा जो नवलपुरा, खुर्जी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख 31-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित जाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए सय पाया गया प्रतिकात, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है प्रस्त

- (क) अन्तरण से हुई कि दी भाग की वाबत, उपल अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा की निष्कु और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ((1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कैलाश चन्द्र णर्मा पुत्र श्री, राधेश्याम शर्मा, नवलपुरा, खुर्जा। :

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भाय।वेन्ती पत्नि श्री छत्तर सिंह, घास मण्डी, खुर्जा, बुलन्दशहर।

(अन्तीच्द्रा)

(3) वही

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) वही

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध हैं)

का यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पर्तित के अर्जभ के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अदिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अर्थिन अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीलर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकाँगे।

स्यक्ष्मीकारण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गवा हैं।)

वर्षकृत्

मकान स्थित नवलपुरा, खुर्जा, बुलन्दशहर।

एस० के० भटनागर सक्षम प्राधिकारी सहायकं आयकर आयुक्स (निरीक्षण) 85 अर्जन रेंज कानपूर

सारीख: 1,3--6--1985

प्रकृष आहु^र, टी. एन. एस.-----

. **बायकर** अधिक्षित्रम, 1061 (1961 का 43) की भाग 269-**ब् (1) के अधीन स्वना**

भारत संश्कार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 मई 1985

निदेण सं० एम-1/97,85-86---अत: मुझे, एस० के० भटनागर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उनत अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्याम करने कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2341 है तथा जो शिकोरपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं के जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्लन्दशहर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 क। 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्टे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और गंतरिक अंतरकों) और गंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक स्प से अधित नहीं किया गया है :---

- (सर्ग अन्तरण संह्रां किसी आय को बावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या शस्य शिस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारण प्रकार नहीं किया गया था विकास जाना साहिए था, हिसाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उवर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्री पवन कुमार पुेत्र श्री ण्याम सुन्दर भिहारपुर पो आफिस मक्तीकाला जिला बुलन्दणहर (अन्तरक)
- (2) श्री मुशील कुमार सुबोध कुमार आदि, 'पुत श्री श्रोमशकाश, गांव शिकारपुर, पोएट आफिस मुक्तीबाला, जिला ब्लन्द शहर।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(बड़ व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति हैं)

(4) केनागण

(बह क्यांक्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह स्थान आरी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता **ह**ै।

उयस सम्पत्ति को सर्जन को सम्बन्ध में कोड् भी आक्षेप है-

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तासीन से 30 दिन की स्थिध, को भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन को भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोत्नताक्षरी के पाम लिखित में किए का एक गें।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

बन्स्पी

खेन नं 2341, शिकोरपुर, जिला बुलन्दशहर ।

एस० के० भंटनागर सक्षम प्राधिकारी महागन अध्यकर अध्युद्ध (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कासपुर

न(रीख : 31—5—1985

मोहर 🕉

प्रकृष जाद². क्षेत्र एन . **एव**ं, ******

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-म (1) के मधीन सूचना

नारत सरकार

. कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन वंगल्र

बंगलूर, दिनाक 13 दिसम्बर 1985

निवेश सं० 947,85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 686 है, तथा जो सीमोगा में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीम, तारीख 11-10-1984, सीमोगा

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपृत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपरित का अधिक बाजार कृष्य. उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से बाधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाचा गया प्रतिफल, निम्निसित्तित उद्देश्य से जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से कृषं किसी नाम की शायत, अकत विभिन्निक के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्व में कमी कारने मा तसमें क्यने मा सुनेक्या के लिए; वॉर सा/
- (ण) एसी किसी धाव या किसी धन वा बन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः वब, उक्त जिथिनियम की धारा 269 ग को अनुसरण में, जैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, वर्धात :---

- (1) श्रीमती के टी शक्याम्या पत्नि नागपा हेगड़े, अत्रुव अत्रुव के मारगो सीमोगा। (अन्तर्क)
 - (2) श्री यू०के० समाना पुत्र श्री कालण्या गोंडा ताल्लुक कोप्पा, ग्राम समावली, चीकमगलूर, डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरिती)

क्रों वह सूचना चाड़ी कारकें भूवोंक्त संगीरत के वर्जन कें निम्न कार्वशाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आश्रेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेश व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सुमान के एकपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकति।

स्वव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमसर्वी

(दस्ताविज सं० 1674, तारीख 11-10-1984) आर्जसी०मी० मकान रवीन्द्रनगर, शिमोगः, सिटी $46'~\mathrm{X}~52'~\mathrm{X}~60'$ है।

आर० भारकेंद्रेत सन्न प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तरीख: 13-6-85

मोहर 👂

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

कानकर सधिनियह, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

च्चर्यालय. सहायक वायकर वाय्वत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० 948/1985-86—यतः मुझे धार०भारद्वाज नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयाः हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 68 से 69/43 सीट श्रीर 69 श्र है, तथा जो सिसवाडी गोवा में स्थित है (और इससे उपावब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-10-84

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्दलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त्रिक रूप में किया गया है:---

- (क) जन्तरण शंहुई किसी आय की वाबत, उपत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कन्य जारितयों की जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा है लिए।

बतः क्रव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किंपिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन निम्निचित व्यक्तियों सर्थातः

- (1) श्री भिक विनायक सिनाय मात्मरे ग्रीर श्रीमती रोशन मिकु मात्मी गेवा मिक सी मात्यो (इत्यास) सिसवाडी गोवा (ग्रन्तरक)
- (2) मैससंए०वी० सी० इनवेस्टमेंट और ट्रेडिंग प्रा० लि० 201/203 कामाक्षी निवास, आत्माराम् बोरकर मार्गं पणजी,गोवा (अन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई

चक्त सम्पत्ति को अर्चन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----12---156GI/85

- (क) इस स्पना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्र्यम्यत्थी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30-दिन की अवधि, औं भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याप में विधा गया है।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 906/203/84-85 ला० 28-11-85) जमीन का माप 492 चौरस मिटर इमारत के लाथ जो पणजी मुनीसीपल लिमिट के अंदर है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, बंगलुर ।

तारीख: 12-6-85

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मत्रास, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० 156/ग्रन्त्वर-84/ग्रार-2- ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका जीवन बाहार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० लेख सं० 1503/84 की शेडयूल में दी हुई सम्पत्ति है, जो में स्थित है (श्रीर इनसे उपात्रत में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यात्रय, कूलूर लेख सं० 1503/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधितियग, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रक्तूबर 84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित त्राजात मृहत रो कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल रो, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, ज़क्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या ज़ससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्। उत्पाम, मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीए०वी०भार०एम०वी० मंकरनारायणन 125, तिलकपुरम, श्रम्बानमुद्रम 627401 तिस्तेत्वेली
- (2) श्रीमती सावित्री शंकरनारायणन् 125, तिलकपुरम, श्रम्बासमुद्रम, 627401 तिरुनेलवेली
- (3) श्रीवीम एस० वेलायुधन, (नं० (1 का पुत्र) 125, तिलक्पुण्म, श्रम्बासमुद्रम, 627401 तिरुनेत्वेली।
- (4) श्रीमती बीठ मुब्ब्लथमी, देलायुदम 125. तिल्वपुरम, श्रम्बासमूहम 627401 तिरमेरदेली।
- (5) श्रीः एस० कुन्धरभासन, (नं० (1) बाहुन) 125, तिलब पुष्म, श्रम्बासमृद्रम 627401 तिल्नेरवेली ।
- (6) श्रीभती वीषा स्वयंग्यामम् 125, तिकलपुरम, श्रम्बासमुद्रम् 627401 तिरुनेलवेली
- (7) श्रीवी० एस० मुरुगन्नं० (1) कापुत्र 125, तिलकपुरम्, श्रम्बासम्द्रम् 627401 तिरुनेलवेली
- (8) श्रीमती एम० राजलक्ष्मी मुहगन् 125, तिलकपुरम्, श्रम्बासमुद्रम, 627401 तिरुलनेवेली
- (9) श्री बी० एस० राजगौपाल (नं० (1) का पुक्त 125, तिलकपुरम्, श्रम्बासमुद्रम् 627401 तिष्मेलवेली।
- (10) श्री श्रार० वेलायुदम (श्री रामस्वामि मुद्दलियार के पुत्र) नं० 6, श्रगस्तियर, पूरब स्ट्रीट, श्रबाममुद्रम् (627401) तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट
- (11) श्री भ्रार० श्राक्मुगम्, श्री वी० रामस्वामि मुद्यलियारके पुत नं० 6, भ्रगस्तियर, पूरव स्ट्रीट, श्रवासमुद्रम् 627401 तिरुनेलवेली डिस्ट्रिक्ट
- (12) श्री ग्रार० शंकर सुब्बैया, श्री वी० रामस्वामि मुद्दलियार के पुत नं० 6, श्रगस्तियर, पूरब स्ट्रीट, अंबासमुद्रम 627401 तिष्लनेवेली डिस्ट्रिक्ट
- (13) श्री एल० वेलायुतम , श्री वी० लक्ष्मीनारायणम् के पुत्र 14, श्रगस्तियर ईस्टस्ट्रीटश्रवासमुब्रम तिरूनेलवेली

- (14) श्री एल० शेतुन्यमन, श्री बी० लक्ष्मीनारायम् के पुत्त 14, श्रगरतयर देन्ट स्ट्रीट, श्रंबासमूद्रम, तिरनेलबली
- (15) श्री एल ० शंकरनारायणन् श्री वी ० लक्ष्मीनारायणम् के पुत्न , 14, श्रगस्त्मर ईस्ट स्ट्रीट, श्रंबासमुद्रम्, तिरुनेलवेली

(16) श्री एम०सी० मेतन्, श्री टी०सी० ग्रार० मेनन के पुत्र, प्रकास,पालगाठ, 6780/3

(17) श्रीमती रेमा जी नायर, श्री श्रार० जी० नायर की पत्नी, प्रकाश, पालगाठ, 678013

(18) श्री पी० विनीद कुमार श्री एम० सी० मेनन के पुत प्रकाश, पालगाठ, 678013

(19) श्री पी० त्यागराजन, श्री पी० पोत्रुमामि का पुत्न, 35, संबंध मूर्ति, स्ट्रीट, मदुरै—625001

(20) श्रीमती मुलोघना त्यागराजन, 35, संबंध मूर्ति स्ट्रीट, मद्रै 625001

(21) श्री एस० रविकुमार, श्री वी० ए० सुन्दरम 51ए/एल, वर्कशाप रोड, मदुरै—625001

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० वी० श्रार० एम० वी० शंकर नारायणन ग्रीर श्रन्यों (श्रन्तरिता)

करो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज्ञत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीशर स्थावर सम्पत्ति मों हितक्ष्ण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्वाच्योकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

लेख सं० 1503/84 की शेंडयूल में दी हुई संपत्ति , कन्नूर एम० डॉ्म्बुल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 2, मद्रास

तारी**ख**: 3--6-85

महिर 🤋

प्ररूप मार्थं हो. एन. एव. ------

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के मेपीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक जायकर जायुक्त (निर्शक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जून; 1985

निर्वेश सं० 136/अन्तूबर 84/रेंज 2--अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० लेख सं० 1818 से 1837 तक की भौडयूल में दी हुई है, जो सम्पत्ति में स्थित है (ग्रींग इससे उपावज्ञ में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के मार्यालय सिंगानल्लूर लेख सं० 1818 से 1837 में, भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिशियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर

-4084

को पूर्वाक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के करवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे वह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि बित में वारतिक कप से कि वत नहीं किया गया है %—

- (क) बुक्ताइण से सूर्य किसी बाब . की बाबत , उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक को दामित्य में कमी कारन मा उससे बचने में सुविधा अंक्षितः करेंद्र/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्

अंदः अंब, उत्कर अभिनियम की धारा 269-म के अनुसरभ् को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--

- (1) पेरुमाल कोनार कृष्णास्थामि,
 मदुरेवीरन कोइल स्ट्रीट,
 कोणवायकालपालयम , कोयबम्तूर
- (2) श्री धर्मराजन् एण्ड बालचन्द्रन्, 36ए, रेलवे क्यार्टर्स, भारत भवन रोड, मेटुपालयम्
- (3) श्री करुपन गौंडर, 10, रामशामि गौंडर, वेल्सनूर कायम्बतूर
- (4) श्री पार्वतिअम्माल ग्रीर अन्यों, 37, मुदलियार स्ट्रीट, के० बी० पालयम्, कुरिच्ची गांव, कोयम्बतूर।
- (5) धर्मीलगम् एण्ड बालचद्रन, 36ए, रेलवे क्वार्टर्स, भारत भवन रोड' मेटुपालयम्

- (6) श्री पेरुवाल कोतार श्रीर कुण्णास्वामी, मदुरैवोरन कोइल स्ट्रीट कीपाबायकाल पालयम, कोयस्बतुर
- (7) श्री रायक्काल ग्रौर अत्यो—भूमिनाथन पिल्लै वीधी, बेल्लनूर्।
- (8) श्री कृष्पाना गौंडर श्रौर अन्यो/4/14, मूरेगौडर वीधी, बेल्लनूर कोयम्बट्र ।
- (9) वेंकटाचला गौंडर 13/28, पुरैसामि वीधी, वेल्लनूर कोयम्बतुर
- (10) श्री कुप्पक्काल, कांचीकूनम् भालयम् वेल्लनूर, कोयम्बतू
- (11) श्री ए० नटराजन्, मीरपालयम् गांव कोयम्बतूर।
- (12) श्री वी० ए० तांडविपल्लै श्रीर अन्यों,
 12, करुधण रायन कोईल स्ट्रीट, वेल्लनूर, कोयस्बतूर
- (13) आरुमुगकोनार, 12/38, पेरुमाल कोइल बीधी के० बी० पाल्यम्, तिरुच्ची, कोयम्बतूर
- (14) श्री चिरुष्पाकोनार, 71, मदुरैवीरन कोइल स्ट्रीट के० बी० पालयम्, तिरुच्ची, कोयम्बतूर
- (15) श्री मारप्पा कोनार, 63ए, चित्तन्न पुरुम, वेल्लनूर रोड, कोयम्बनूर
- (16) श्री तिरुमवकल श्रार अन्यों 80, मरुदैवीरन कोइल स्ट्रीट, के० बी० पायलम्, कुरिच्या कोयम्बतूर।
- (17) श्री एन० मारिमुत्तु, 8/72, आंडवन कोइल वीधी, के० वां० पालयम्, फुरिच्ची गांव, कोयम्बतूर
- (18) श्री एन० करुप्पनंण गाँडर घ्रौर अन्यौ, सुब्बैय गाँडर वीधी, वेल्लूर, कोयम्बत्तूर
- (19) श्री के० अरणन श्रीर अन्यी, नातभेडु, तोठ्ठम्, वेल्लनूर गांव
- (20) श्री केर्ण मारिमुत्ते ग्रौर अन्यों, वेल्लनूर गांव, कीयम्बतूर (अन्तरक)
- (2) दी भावित कोआपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाईटी लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्घव के लिए कार्यवाहियां अरता हुन्।

उक्त कन्मिता के भवीन के सम्बन्ध में कोई भी भाकोप हन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीक ते .45 दिन की जनिम या तत्सवंभी व्यक्तियों पड़ स्थान की तात्रील से 30 दिन की अविभ, को भी जनिम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ड्रभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरें।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पवाँ का, को उनक विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया प्रया हाँ।

जन्तुकी

भूमि—वेल्लनूर गांव, कोयम्बतूर सिगनल्लूर /लेख सं० 1818 से 1837 तक।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**कण**) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 6-6-85

प्रकृष मार्च. टी. एन. एवं ...-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-य (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

काक्षा न्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रारः, दिनांक 6 जून, 1985

निदेश सं० 137/अन्तूबर 84/रेंज-2--अत:, मुझे, श्रीमती एम० सामुकेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हु'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीण जिसकी सं० भूमि—जेल्लनूर गांव है, जो कोयम्बत्र में रिथत है (खोर इससे उपाबंद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधियारी के जार्यालय, सिंगासल्लूर लेख सं० 1871 से 1886 में भारतीय एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कार योगे के अन्तरक के आधिराज में अधीन करने या तससी शचने में मुविष्ण की ज्यार और जिल्ला
- (स) ए सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उपाजनीय अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में श्रीवर्ण के लिए;

अतः अत्र, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उप्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिपनिलिस्त, व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) शेंगालिकोनार ग्रौर अन्तों, 79, मदुरैंबीरम कोइल स्ट्रीट, कें० बी० पालयम, कुरिच्ची, कोयम्बतूर
- (2) श्री कृष्ण गौंडर, वेल्लनूर, वेल्लपालयम, केन्नडी रोड, कोयम्बतूर
- (3). श्री नंजप्पउडयार ग्रीर अन्यों, वेल्लनूर, उडयार वीची, कोयम्बसूर
- (4) श्री पर्वातियामि --- येः ० के सडी रोड, बेल्लनूर, बेल्लपालयम

- (5) श्री रामक्काल ग्रीर अन्यों— केन्नडी रोड, बेल्लालपालयम, बेल्लनूर
- (6) श्री रंगप्प गौंडर श्रौर अन्यो केन्नडी रोड, वेल्लालपालयम, वेल्लनूर
- (8) श्री कें ० एस० बालसुक्रमणियम के०वी० पालयम, वेल्लनूर गांव, कोयम्बतूर
- (9) श्री गो्विधस्वामि, के०वी० पालयम, वेल्लनूर गांव, कोयम्बतूर
- (10) रामसामिकोनार, कें वी० पालयम, वेल्लनूर गांव, कोयम्बतूर
- (11) श्री विश्रय्य गौंडर ग्रीर अन्यो, चेट्टियार तोष्ठहम, वेल्लनूर गांच, कोयम्बतूर
- (12) श्रीमती पार्वति 4/21, पट्टाकार लेन, वेल्लनूर, कोयम्बतूर
- (13) श्री वी० एम० वेंकटाचलम श्रीर अन्यों पट्टाकार लेन, वेल्लनूर, कोयम्बतूर
- (14) श्री राजम्माल 6/28, विवेकानन्दा विधी, बेल्लन्र
- (15) श्री तिरुच्धेगोड गाँडर, इन्द्रा वीधी, रामसामि गाँडर वीधी, कोयम्बतूर
- (16) श्री पलनियम्माल ग्रीर अन्यों, के० के० ग्रींडर वीधी, वेल्लनूर, कोयम्बलूर। (अन्तरक)
- (2) मैं ० दी शक्ति को आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सो साईटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना चढ़री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कों अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाधन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के ट्राअपन में प्रकाशन की तारीव है 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

घनुसूची

भूमि—वेल्लनूर गांव, कोयम्बत्र तालुक सिगानल्लूर एस०आ०र०ग्रो०लिख से० 1871 से 1886

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास ।

सारीख: 6-6-85 मोहर: प्रक्षां बाह्यः टी., प्रमात् प्रसात कार्याः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई .. बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निवेश सं० अई≘4/37 ईई/12588/84÷85---अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उर्जित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संबद्धान नं 9. जो, ग्राउण्ड फ्लोर, साईबाबा धाम, रामनगर, बोरिवली (प०), बम्बई-92

में स्थित है (म्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की 1961 की धारा 269 क, ख के अबीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-10-84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान क्षितिक के सिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के मन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबसे, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; बार/बा
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सृविधा को किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री हीरानन्द एच० गंगवानी ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्प यूनिफार्म स्टाईल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बाक्त सम्मत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये वा सकरें।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा ह⁶।

वनसर्वी

दुकान नं० 9, जो, ग्राउण्ड पलोर, साईबाबा धाम, रामनगर, बोरिवलीं (प०), बम्बई 92 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि सं० अई 4/37 ईई/12588/84-85 भीर जो संज्ञम प्राधिकारी बम्बई ब्रोरा विनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद संसम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-4, बम्बई

बिनोक: 31-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स भगवती बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अवानिश जी० वालवालकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालक, सहायक जामकर कामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून, 1985

निर्देश सं० अर्ध 2/37 ईई/ 22473/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अॉफिस नं 5, जो पहली मंजिल, श्री बाला जी दर्गन तिलक रोड, सांताकूज (प०) बम्बई-400054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 22-10-84

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाक्किक क्य से क्षीयत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या अभ्य वास्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः बब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरक में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधास (1) के अधीन, निस्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात् हरू को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अनीधि या तत्संबंधी स्थितत्यों पर सूचना सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष, किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों अरि पदों का, जी उन्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुस्ची

"आफिस नं० 5, जो पहली मंजिल श्री बालाजी दर्शन तिलक रोड, सांताऋज (प०), बम्बई 400054 में स्थित

अनुसूची जैसा कि फ़ सं अई 2/37 ईई/22473/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-84 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास्य सक्षम प्राधिकारी सिंहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ंदिनौक : 4~6-198[°]5

मोद्दर:

प्रका बाहें. टी. एन. एवं. -----

क्षायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई 2/37-ईई/13198/84-85—-अत: मुझे, लक्षमण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संरुपलैट नं 11, ए सी आई किया किरत को आपरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सांताक्ष्ण सब-वे-रोष्ठ साताक्षुण, बग्बई-400054 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मृत्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दने के अंतरक औ बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नित्र: खीर∕वा
- (क) एँसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा ध्या आद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अधिनियम, १५५७ (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अधिनियम, विभाग प्रकार नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं निष्

बतः सब, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ज की उपभारा (1) के बधीन, निम्नस्थित व्यक्तियाँ, अर्थात ह— (1) श्री सतीम भिरजलाल मापारा।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक बी० दादरकर श्रीर श्रीमती जै० डी० दादरकर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिस् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आंधीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी स्थनित इनारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवदृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

न्यक्टीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 11, जो एस० सी० आई० ऊषा किरन को-आफ्रेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, सांताकुत सब-वं-रोड, सांताकृज, बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37-ईई/13198/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई आरा विनांक 5-10-84 को रजिस्टई थिया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक¦: 3-6-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निर्धाण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13930/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० आफिस नं० 4, पहली मंजिल, सिलक रोड, सांताश्रुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है (भौर इससे उपाधान अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा, 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29-10-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिर्त की गद्दै और मुक्ते यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से एकत अन्तरम लिखित में यास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की सन्सरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री भगवती बिरुडर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री बोमी एम० पावरी श्रीमती युल बी० पावरी।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ं(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेक्टॉकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऑफिस नं० 4, जो गहली मंजिल, श्री बालाजी दर्शन तिलक रोड, सांताश्रुज (प), बम्बई-400054, में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋश सं० अई 2/37 ईई/13930/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिका<u>री</u> सक्षायक आकर आयुक्त (निरोक्षण))--अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोक: 3-6-1985

मोहर प्र

प्रकप आई . टो . एन . एस . ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निवेश सं० नुसर्च-2/37ईई/13108/84-85--अतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० फ्लैट सं० 003, 11वां रोड, सांताकुज (पूर्व) वम्बई-400 055 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयुक्तर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम ग्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 3-10-1984.

को प्येक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिशितयों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए कॉर/या
- (क्क) एं सी किया आय या किसी धन या अन्य आस्ति ।
 को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, यो अयकर अधिनियम, यो अयकर अधिनियम, यो अयकर शिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ छन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाया बाहिए था, छिपाने में स्विधा से लिए;

कतः जैव, उक्त अधिनियम, भी भारा 269-म के अनुसरणी में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिकित स्यक्तिमों, अर्थात :----13—156GI/85

- (1) मेसर्स लिखर्टी इन्बेस्टमेंटम (प) लिभिटेंड । (अन्तरक)
- (2) म्णूमिक देंआंगिल रजिस्टर्ड (पब्लिक ट्रस्ट) (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्रेंक्ति सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही पर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

"पलैट सं० 003, जो 11वां रोड, सांताकुज (पूर्व), अम्बर्ध 400 055 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि मं शई - 2/37ईई/13108/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुगर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

महिष्:

प्रस्य वाद्री, टी. एत. एस.-----

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत तरकार

कार्बास्य, सहायक बायकर बायका (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जूम 1985

निदेश सं० अर्ध-2/37र्धर्ध/13203/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी ना यह विश्वास करने का सारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 505 नाडिया अपार्टमेंटस प्लाट सं० 3/30. टी० पी० एम० 111, एस० सं० 383, सांतायुज (पूरब), बम्बई—400 054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर चिसका करारनामा आयकर अधित्यम की धारा 269 क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5—10—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सर्यमान प्रतिफल सं, एसे सर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के सीच एमें अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के सीच एमें अन्तरक किए तब पाया गवा मितिफल, निम्निनिसित उद्वेषय से उकत सन्तरण लिनिस में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है ;——

- (क) बलारक से हुई किसी बाब की बाबत, सक्त मीपिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धारित्य में कमी करने या जमसे बजने में सुक्रिश के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी बाद का किसी धन या अन्य अनिस्तरी

 का, जिन्ही भारकीय जायकर जायालाकतः । १०० हिन्दी हार । १०० हा किसी हार हा हिन्दी हा । १०० हा जाति किसी हा । १०० हा जाति किसी हा । १०० हा ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के तथीत, निम्निविधिन व्यक्तियमों, अर्थात :---

- (1) में सर्स लिबर्टी इन्बेस्टमेंटस (प) लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद नुरुखा सिमेंटवाला श्रीमती असमा मोहम्मद सिमेंटवाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहरू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोज्यकारण कर लिखित में किये जा सकरें।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ... २०, २०, २० ००० अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषिक हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

मभुग्नु औ

"फ्लैंट सं० 505, जो नाडिया अगार्टमेंटस, प्लाट सं० 3/30, टी॰ पी॰ एस॰ 111, एस॰ सं० 383, माताकुज (पूर्व), बम्बई-400 054, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13203/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5~10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी, . सहायक आयक्तर अऽपुकः (निरीक्षण), अजैभ रोज−2, बम्ब**ई**र्रं*

दिनांक : 3-6-1985

मोहर 🥲

प्रस्य काइ. टी. एन्, एस्, क्लान्यान्यक

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुम 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13421/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दारा,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श्व क अधीन सन्नाग प्राधिकारी तो, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- राज से अधिक है

मूर् जितको सं० फ्लैट सं० ए-7(38), दूबरी मंजिल, अरवासू सोआपरेटिव सोसायटी, टी० पी० एग० सं० 4, रोड सं० 1, सांताकुज (प), बम्बई में स्थित हैं (ब्रॉर इसते उपाबद्ध अनु-सूची में ब्रौर पूर्ण कर से वर्णित हैं), ब्रौर जिसका करारतामा आयकर अधियम की धारा 269 अब के अधीन सक्षम प्राधि-कारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करमें का काला है कि यह पूर्वोक्त सम्मित को उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का मक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अवरण के जिए सब पाना गया प्रति-कल निम्मिनिक्त उद्देशन से उच्छ बन्तरन विधिक्ष ने वास्कृतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाव की वायत, उपध अन्तरमध्य के अधीन कर वाने के नन्तरक की वायतन में कमी कहने वा उससे नचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एकी किसी काथ विकिती पन वो सस्य बास्तिकी की विन्ह मारतीय काथ-कर बिभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उन्ह विभिनियम, वा अनकर बिभिनियम, वा अनकर बहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की भार। 2€९ र के श्रास्त्रण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के विभिन्न निम्नानिखित व्यक्तियों, अधित्:——

(1) श्री श्रीरन बासुदेव सोहोबी ।

(अन्तरक)

(2) कैप्टन वी० करणाकरन ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

पार्ट क्या क्या आहर्त करको पूर्वोक्त कम्म्ट्रित के ग्रांव मे जिल् कार्यगाहिको करका क्ष्रों !

सन्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा स्थितियों में से किसी व्यक्तिय कुनाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के शीतर उजत स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी मृन्य भ्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए का सकति।

स्थलकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यों का, जो उनके जिसी वित्ता के जन्माय 20-क में परिभावित किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधिहस्ताक्षरी के पास ग्या तै।

मन्स्ची

"प्लैट सं० ए -- 7 (38), जो दूसरी मंजिल, अरवासू को०-आपरेटिव सोमायटी टी० पी० एस सं० 4, रोड सं० 1, सांताकुज (प), बम्बई-में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई,13421, 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया. है/1

> लक्ष्मण दाम ग्रक्षम प्राधिकारी महायज आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन्.एस. -----

भायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थान

कार्यालयः, संहायक आयकार आयुक्त (निरामण) अर्जल रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिशांक 3 जून 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/13264/84-85---अतः मुझे,

लक्ष्मण दास, भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा

269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

भीर जिल्ली सें० फ्लैट सं० 15, तीसरी मंजिल जुहू कोआपरेटिव हाउलिंग सोपायटी जिलिटेड लिकिंग रोड बम्बई-400 054, में स्थित है (श्रीर इतने उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिल्ला जिलारमामा आयज्ञर अधिनियम की धारा 269 द्रवा के अधीन अक्षम श्रीधिकारी के कार्यीलय, बम्बई में एजिस्ही है, दिनांग 5-10-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण किसत में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अभ्तरण के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीतः निम्नलिहित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री एम० पी० पांडा।

(अस्तरकः)

(2) श्रीमती बनजा कृष्णस्वामी ।

(अन्ध्रिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत स्मिति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन्दुः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गम।

मन्स् 🗐

फ्लैंट सं० 15, जो तीसरी मंजिल, जुहू कोआपरेटिव हाउसिंग सोप्तायटी लिमटेड, लिंकिंग रोड, बम्बई-400 054, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰ अई-2/37ईई/13264/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाम 5-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है

> लक्ष्मण दा**में** दक्षम प्राधिनारी सञ्जायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, **बस्ब**ई

दिनांक : 3-6-1985

मोहर 🖫

प्रस्प आहे. दी. एत. एस.

णायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा २००५ व (1) इ तथान सुवना

शास्त्र चरकार

कार्यसन्, सहाम्क भागकर नागुनत (निरीक्ल)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांच 3 जून 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/13922/984-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ये अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबाह मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट सं० बी-23, केंसर बन कीआपरेटिश हार्जीसन सोसायटी निमिटेड, तीसरा रोड, सांताकुज (पूर्व), बस्बई-400 055, में रियत हैं (श्रीर इससे उपाबद किनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),श्रीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजरेट्री है, विनांक 29-10-1984,

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोदि सर्पात्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्नितियों उद्देश से उन्तर अन्तरण में जिन्ति वास्तावक कम से कथित नहीं किया गया है हैं—

- हुँका) वस्तद्रभ से हुइं निक्की साम की नावत स्थल विधिनियम के वधीन कड़ दोने के अन्तर्क के स्वित्य में ऋमी कड़ने या उससे वचने में बुविधा के लिए; सोद√या
- (क) ऐसी किसी वायु वा किसी धन या बन्ध वासिसवां स्व. १४ की भारतीय उध्य-१४ को धीनसम्, १९०२ (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ बाला शर्म क्यारा अकट मही किया गया पर या किया जाना पाहिए था, कियान में सुनिया बैनिसर;

नतः अव, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुवर्ण वै, मै, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१)। के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमी सबीरा एम० साहिब।

(अन्तरक) 🐇

(2) श्री रमेश पी० वीरा श्रीमती राजुल आर० वीरा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाडिया करता हो।

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ध 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धार:
- (क) इस त्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ह 45 दिन के मीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति के हित्बव्य किसी बन्ध व्यक्ति वृवारा अथोहस्ताक्षरी के शक् जिसा में किए का सकेंगे।

स्वाकरणः -- इत्तमं प्रयुक्त सम्यो और पर्यो का, को उन्तर विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को नस अध्याय में विका नवाहै।

जनसूची

"फ्लैंट सं० बी-3, जो केसर बन कोआपरेटिव/सोस्यटी लिमिटेड, तीसरा रोड, सात्रकुज (पूर्व), बम्बई-400 055, में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13922/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विना है 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण कास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर: मो**हर** ॥ प्ररूप शाई .टी .एन .एस . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13828/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 3/बी, पहली मंजिल, वसंत कुंज कोअपरेटिव हारुसिंग सीसायटी लिमिटेड, नोर्त एवेन्यू, संत्मकुज (प), बम्बई—400054 में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, विनांक 26—10—1984.

को पूर्नोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंसरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की वाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुरिन्द्र कुमार जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्री शंजित शंकरताल भगत श्रीर श्रीमती विभेता रंजित भगत ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रों केत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंगा है।

जन्स्ची

"फ्लैंट सं० 3/बी, जो पहली मंजिल, वसंत कुंज कोग्रा-परेटिव हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, नोर्थ एवेन्यू, सांताकुज (प), बम्बई-54, में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि के भई-2/37ईई/13828/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 26-10-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम भाधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रॉज-2, बम्बई

विमांक : 3-6-1985

प्रकृप आर्च . ही . एन . एस . -----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निवेश सं० प्रई-2/37ईई/13832/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

कीर जिसकी सं शाप सं 2, श्रनु श्रपार्ट मेंटस, प्लाट सं 33, सबवे रोड, सान्ता १ (प), बम्बई – 400 054 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण ६प से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीक्षानयम की धारा 269 कछ के श्रधीन कि मार्थिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 26–10–1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे रहयमान प्रतिकल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के रायित्व में कभी करने या उनसे रूपने में स्विधा के निए: और/या.
- (क) एंनी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अन, डक्ट श्रीधिनयम की धारा २६९-ग के अनसरण में, में पुत्रत अधिनियम की धारा २६९-म की उपभारा (1) को भाषीन निम्ननिविषय श्राम्बिकों, अर्थास :--

- (1) 1 श्री श्राय्थीन कुमार शांतिलाल शाह, और
 - 2. श्री हेमन्त कुमार शांतिलाल शाह । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्भ कोसला मोटर्स ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के लंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबद्तर किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकींगे।

रपष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

बन्स्ची

"शाप सं० 2, जो अनु अपार्टमेंटस, प्लाट सं० 33, सबवे रोड़, सान्ताकूस (पश्चिम), बम्बई-400 054 में स्थित

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13832/84-85 भौर जो सञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वाराविनांक 26-10-1984 को राजस्टाई किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्राधुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-2, बम्बई

दिनोक : 3-6-1985

प्ररूप काईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

क्षायांस्त्य, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रज्न रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/13694/84-85-- प्रत: मुक्ते, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी सं० आलोक अपार्टमेंटरा, प्लैट सं० 25, दूसरी मंजिल, प्लाट सं० 104, 105 सीठ एस० सं० सांताअुस (प), अम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण- रूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर आधिनयम की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में राजस्ट्री है, दिनांक 26-10-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहरयमान अन्तरित की प्रतिफल के लिए गङ् विश्वास करने का यह कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बा**जार मृ**ल्य प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमधी नंदिता दमानी

(भन्तरक)

(2) श्रीमती शिवावेन श्राविकाम चेवली और श्रीमती रेखा रमेश चन्द्र डोशी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ।लए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

जनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस स्थना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

"भ्रालोक भ्रपार्धमेंटस, फ्लैट सं० 25, ओ दूसरी मंजिल, प्लाट सं० 104, 105 सी० एस० सं० सांताभुज (प), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि २० सं० श्रई-2/37ईई/13694/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 26-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहाक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षके) ग्रर्भन रेंज~2, बम्बर्ध

दिनांक: 3-6-1985

प्रकार आहे. डी श्रुन, एस , नवरननगर-नवनवर

भागकर जिथितियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 3 जून 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13791/84-85---- अत मुझे, लक्ष्मण वास,

आमकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी शाप नं० 7, जमीन मंजिल, मंगेश अपार्टमेंटस मी० टी० एस० मं० एच/138, एप० मं० 142, सांताऋस (प), बम्बई में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुभूची में मौर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 23-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लियत वाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की महा है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंड दश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाश बया प्रतिकत लियतियां। के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाश वया प्रतिकत लियतियां। के बीच एसे अंतरण कि लिए तय पाश

- (क) अन्तरण भं हुप् किसी आग की बागत, उथल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यारित्य मों कमी करने या उपसं अनने मों मृजिया के तिए: अप्/या
- (ण) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रयट नहीं दिक्या गया था या किया जमा चाहिए था किया में स्थिया के लिए.

जतः अष उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--14--156GI/85

(1) श्री दयालाल वी० परमार और श्री शिवलाल वी० परमार ।

(जन्तरक)

(2) श्री लखामसी बच्चुभाय शाह ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप उ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति मा कियान बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शरदों आँर पर्यो एत, का उतन अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया क्षेत्र

अनुसूची

"शाप सं० 7, जो जमीन मंजिल, महेश अपार्टमेंटन, मी० टी० एस० सं० एच०/138, एस० सं० 142, साताकुस (प), बम्बई में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-32/37ईई/13791/84-85 प्रारे जो सक्स प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिारी सहायक आयकर ायुका (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 3-6-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.======

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
. अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13606/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैट सं डी/33. तीसरी मंजिल, सांताकुज रामेश्वर प्रियेस को आपरेटिव इाउसिंग सोमाघटी लिमिटेड, खिरा नगर के सामने, सांताकुज (प), वस्वई—400053 में स्थित है अरेर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से बिणत है), ग्रीर जिसका कराणनामा आयक्षर अधिनियम की धारा 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्री है, दिनांक 19—10—1964,

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत लददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (य) अन्तरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व यों कमी अरने या उससे बचने में स्विधा के लए; और/बा
- (स) ऐसी किंा आय या किसी ६० या अस्य आस्तियों .त., जिन्ह आस्तिय आध्कर अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व कि प्रयोजनार्थ अन्ति रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अवः अवतः सधिनियम की धारा १६०-गः के अन्सरण भं, भं, स्थान अधिनियम की धारा १६०-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीन :—— (1) श्रीदीपक पी० अहजा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीणा डी० नांदवानी ।

(अन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए... कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितददूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पासुर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फ्लैट सं० डी/33, जो तीयरीं मंजिल, सांताऋुस रामेश्वर प्रिमैंसेस कोआपरेटिव हार्जींसग सोसायटी लिमिटेड, एस० वी० रोड, खिरा नगर के सामने; सांताऋुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13606/84-85 श्रार जो सक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांछ <math>19-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज-2, अन्पर्द

दिनांक : 29-5-1985

त्रकप बार्ड. टी. एन. एस. नन्नन्तन्तन्तन

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुभाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाधकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं अई-2/37ईई/21986/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा रया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० शिक्स सं० 24, दूसरी मंजिल, अंजू शाधिम निजटर, सांताकुज (प), बम्बई-400 054 में स्थित है (ग्रीर उपाबद्ध जनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप न विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा जायहर विधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सन्नम प्राधिकारी के ार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 12-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त विधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया या किया जाना चाहिए था, डिपाने वें स्विधा के सिष्;

नतः, नव, उन्त वीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उन्त विधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् रू— (1) श्री इंदरजीत बरूका ।

(अतरक)

(2) मेसर्स प्रेम इण्टरप्रैस ।

(अन्तरिती)

का बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्थी देव में समान्त होती हों, के भीतर पूर्वोद्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्युक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकी।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स् व

"आफिस सं० 24, जो दूतरी मंजिल, ग्रंजू शार्षिग सेण्डर स्रांतात्रुस (प), बम्बई 400 054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० $\sqrt{\xi}-2/37\xi\xi/21986$, 84-85 स्रोर जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सभन त्राधिनहारी सहायक त्रायकर नायुका (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-6-1985

प्रस्य बार्ड. टी. एस. एवा.-----

नायकर निभृतिवृत्त, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वृ (1) में नभीत सुचना

तारत वरकार

कार्यातम, सहारक मानकर मान्का (निद्रांशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० अई~2/37ईई/13702/84~85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परकात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के मुभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वति करने का कारण है कि स्थावत सम्मित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 10 , पहली मंजिल, नाडिया अपार्ट-मेंस, प्लाट सं० 3, टीं० पी० एस० III, 10वां रोड, सांताऋस (पूरब), बम्बई—400 055 में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा जाय-गर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 20-10-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के ध्ययमान प्रतिकल के लिए अन्तरित् की गई और मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे ध्ययमान प्रक्रिक्त का पंदृह प्रतिशत से अभिक है और जंतरक (अंतरकों) और प्रत्योरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए सय पाया गया प्रतिकल निम्यौलिखत उद्देषस्य से उन्हां अन्तरण लिख्य में वास्तिकक एप से किथिस नहीं किया गया है है——

- (क) अम्बरण से हुई किसी नाम की बाम्स, उक्स अभितियम के अभीन कार वाने के अन्तरक को शामिश्य में कभी करने वा उक्स वक्त में बृधिया में स्मिन, सीरम्याः
- [अ] एसी किसी नाय या किसी भन या नस्य नास्तियों की चिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ मन्तिरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा से लिए;

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ले जधीत, पिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री शांभियुल्ला बेचूखाँन ।

(अन्तरक)

(2) श्री नयन कुमार हीरालाल गाह, श्री किरीत कुमारी हीरालाल गाह, श्री मनुभाय हीरालाल भाह ।

(अन्तरि**धी**)

का यह सूचना चाड़ी करके वृत्रोंकत सम्परित के वृत्रांन के हिन्द कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उन्द सम्बुल्हि के नर्बन के दंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पा सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ ब्रुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क पास निक्ति में किए का सकोंगे।

्षक्तिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस बध्याय में विभ गमा है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 101. जो पहली मंजिल, नाडिया अपार्टमेंटस, फ्लाट सं० 3, टी० पी० एम० III, 10वां रोड, सांताकुस (पूरव'), बम्बई-400 055, में स्थित हैं।

. अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37ईई/13702/84~ 85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20~10~ 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक शायकर ऋायुक्त (निरीक्षण)[♣] अर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनांक: 1-6-1985

प्रकर बार्' ,दी ,एन , एस ,------

बायकर विधिवियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के विदीन सूत्रवा

भारत बरकाह

कार्यातय, सहावक बावकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 जून 1985

मिर्देश सं० अई-2/37-ईई/13501/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आप्रकर श्रीभारत्यन, 1961 (1961 का 43) (विसं हरणः इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निस्तास करने की जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० v/7, जो, 3री मंजिल, माणिक-मौती, सरला को-आप० हार्जिंग सोसायटी लि०, यारी रोड, बेसींबा, श्रंधेरी (प०) बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है),

ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-10-1984

की प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्जॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में एमें क्यमान प्रतिकल का पन्उह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के दीच एसे अन्तरण के लिए तथ तथा बवा प्रतिकल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि चित्र के बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अंसरण से हुई जिसी बाय की बाबत., खन्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को वाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-पर अधिनियम. 1957 (1937 का 07) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खें विषय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री सुशील कुमार अन्नोल।

(अन्तरक)

2. श्री शिशिर रमाकांत पुसालकर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवर्गहकों करता हो।

. उस्त सम्पन्ति के वर्जन के यम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस सूचना है राज्येत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर विशिष्ट के लिसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा स्कोंने।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्त्वी

पलैंट नं० $\sqrt{7}$, जो, 3री मंजिल, माणिक-मोती सरला को आप० हाउसिंग सोक्षाइटी लिं०, यारी रोड वर्सीवा संघेरी (प०) बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37—ईई/13501/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 क. रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 19-6-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . टी. एन . एस------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3. बम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

मिर्दोण सं० अई-3/37—ईई/20586/84—85—अतः सुझे, ए० प्रसाद

नायकर नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा बेअरिंग सब ण्लाट नं० 4 न० (अंश) पर्वे 250 (श्रंण) सी० टी० एन० नं० 18 (अंण) मृलुंड (प) बम्बई में स्थित है और इससे उनाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विभिन्न है। श्रीर जिसका धारारनामा आयाचर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांच 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अस के इष्यमान प्रतिफल के लिए बन्त्रित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कर से का कारण हैं कि यथाएं बोंचर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके इप्यमान प्रतिफल से, एमें इष्ट्यमान प्रतिफल का पन्सइ प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिवत उद्वोष्य से उक्त सन्तरण कि विष्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री संतीवसिंह उपात्।

(अन्तरक)

2. मेथर्म अनुन बेंट्य एण्ड िमिजलन कंपनि। (अन्तरिती)

को बहु कुष्णा आदी करके पृत्रांजन सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहिया शुरु करता हो।

उन्स सम्परित के बर्धन के सम्बन्ध मां कोड़ा भी बाक्सेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यात्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से वा कि को के की तर बन्दत स्थान र सम्मित्स में हिसक्ष्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्ट्रीकरण -- - इसमें प्रयूक्त सक्या और नदाँ का, को उथस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थः

जमीट का हिस्सा, बेर्गिय २व प्लॉट सं० 4 (अंग्रा) सर्वे सं० 250 (अंग्रा), सी० टॅर० ,२० सं० 18 (अग्रा) मुलुड (१०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंश कि कुछ संद ाई-3/57—ईई/2586/84-85 श्रांर जो नज़म प्राधिकारी एखई हारा दिहांक 1-10-1984 को रिक्टिंड किया गया है।

ए० जैसात लक्षम प्राधिकारी सहायकाशयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

विनांक: 31-5-1985

मोहर :

प्रकप बाहं.टी.एन.एस.-----

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-४ (1) के अभीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बरवई

बम्बई, निनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13093/84--85—अत: मुझे. लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित प्राजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिस्की सं० फ्लैट नं० 504, जो 5वीं मजित, सिम्फोनी बी०, फ्लॉट नं० 344, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 वंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), वय्वई—58 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध पनुसूचों में ग्रीर पूर्ण का से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनायम की धारा 269 क, ख के अधीभ, सजम प्राधिकारी के कायोलय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1—10—1984

का पूर्विकत संपत्ति के जिपत नाकार मूल्य में कम के द्रश्यमान शितकल के लिए जन्तीरत की नई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृजींकत सम्मित्त का उपित वाजार धूम्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल सं एसे द्रश्यमान प्रतिफाल के धम्बद्ध प्रतिक्षत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षण, निम्निचित उद्देश्य में शक्त नतरण कि खित में प्रस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) शक्ती किसी बास या किसी यत था जल्य त्यांतित्यां 2761 फोफाफाफ प्रकाश काष्ट्रभार के कि 119 कि विकास स्थानिक स्थानिक

बतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, ज्वन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विमनिजियित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मेजर्स लोखंडबाला प्रिमायनेस प्रायवेट लिमिटे। (अन्तरक)
- 2. श्री किशोर एम० विद्यानी ग्रौर रिमा के० विद्यानी . (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहरण प्रशासना

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिमक्षक के लध्याक 20-क में दिशाधित हैं, वहीं कर्ष होना को उस सध्याय में दिका सवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 504, जो, 56ों मंजिल, सिम्फोनी—बी०, फ्लॉट नं० 344. एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, ग्रोशिन वरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (५०), वम्बई—58 में स्थित है। . अनुसूची जैसा जि क० सं० अई—2/37—ईई/13093/84—85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1—10—1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बह बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदश सं० अई-2/37-ईई/13271/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 705, जो, 7 वी मंजिल रेसीडेंसी-ए०, प्लॉट नं० 38 एम०नं० 41 (ग्रंश) 4 बंगला वर्सीवा ग्रंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गद्द है और विश्वास करने कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे धचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनिस्सम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपासे में सिराधा को लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग हो बन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा १६९-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निक्नलिखिल प्रवित्तर्यो अर्थात :---

- मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायग्रंस प्रायवेष्ट लि०। '(अन्तरक)
- 2. श्री आर० एस० साईनी ग्रांर श्रीमती कमलेश साईनी ।

(अन्तरित्री)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क्र 🛨 से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिरळ वैभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीधनरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैंट नं० 705 जो 7वी मंजिल, रेसिडेंसी-ए०, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (ग्रंण), 4 बंगला, बर्सीबा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु संर अई-2/37-ईई/13271/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रिजरटर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण -रास सक्षम प्राधिकरेरी सहायक आयक आयुष्ट (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-1985

मोहर्:

प्रकृष् सार्वे हो . युन् . युध् . नामानावाना

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन स्वना

भारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज--2, वम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश मं० अई--2/37-ईई/1326/84--85 --- अतः मुझे, लक्ष्मण दास

आस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और निश्की मं० फ्लैंट नं० जी-3, जें ग्राउण्ड फ्लोर, रेनिडेंसी-बी॰; फ्लाट नं० 38, एमं० नं० 41 (अंक), क्रंबंगला, ओशिवरा, क्रमींचा, अंधेरी (५०), श्राश्चई-58 में स्थित हैं (और इ.से उपाबह अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिस्ता कराएनामा श्रायकर अधि-नियम, 1961 के अधीन 269क, ख के श्रश्चीन, सक्षम प्राधिवारी के तार्यावयों में जिस्ती हैं, दिनांक 5-10-84 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं। श्रीर मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्ल्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का, निम्मनिवित सब्देश से स्वत अन्तरण निवित में वास्त्विक का से कियत नहीं किया गया है दन्न

- (क) मन्तरण से हुद्दं किसी जाय की वावत, उक्त विभिन्नियम के जभीन कर योगे के अन्तरक को वर्षवरूष में कमी करने वा उसते वचने में श्रुविधा के लिए; आंद्र/वा
- (का) एंशी किसी आय या किसी अन या अन्य आगंख्याते का बिन्हें भारतीय अग्यनकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृतिका के सिए;

अकः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अधीत् :---15—156GI/85

- में तर्भ लोखंडका । भ्रिमायस / प्राथबेट लि०।
 (प्रस्तरक)
- 2. श्री बीं० के० नोरायणन

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के . अर्जन के लिए कार्यमाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों के से 'केसी स्थित द्वारा;
- (म) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्पित्त में हिसबबध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स लिखित में किए जा सकोगें।

स्पच्छीकारण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

अनुसूची

प्लैट नं० जी--3, जो, ग्राउण्ड प्रलोख:, रेसिडेंमी-बी०, प्रलाट नं० 38, ए५० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, ओशिवरा बर्मीबा, अंग्रेरी (पुर्व) बम्बई 58 में स्थित हैं।

श्रमुम् वी जै ॥ ि ऋ० सं० श्राई-2/37-ईई/13269/ 84-85 और जो अक्षम प्राधि गरी, बम्बई हारा दिनो । 5-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दा : ाक्षम प्राधि गरी सहायक आयात्र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, बम्बई

नारीख: 27-5-1985

मोहर

प्ररूप आहे. दी. एत. एस.: -----

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-न (1) में नपीन स्पन्त

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिल्ट अम्बर्ड

बग्वई, दिना 27 मई 1985

निदेश सं० श्रई ~ 2/37-ईई/13268/84/85---श्रतः मृझे, लक्ष्मण दाः,

श्रायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

और जिल्ली संव पर्यंट नंव जी-ना, जो, ग्राइण्ड प्लोग्नर, रेसीडोंसी-बी, प्लाट नंव 38, एसव नंव 41 (अंग), 4 बंगला, ऑगिक्स, दर्सोंखा, अंधेरी (प्व), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), और जिसला रागानामा आयार प्राधि-नियत, 1961 की धारा 269ए, ख के श्रधींत, लक्षम प्राधिकारी के वार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास से प्रतिकास प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिक्षण, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण धं हुई किसी श्राय की बाबत उक्त बीधिनियम के जधीन कार दोने के बन्तरक औं दायित्व मों कभी करने वा उससे बचने में सुविधा क किए, आर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, कियाने से स्विधा के सिए;

अतः अवः उत्तरं अभिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरणं में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभिन् हे—— 6. मेनर्स लोखंडवाला विमायसेन प्रायमेट लि०।

(अन्तःक)

कुमारी मनिया एन० वेलेम्बय।

(श्रन्तरिती)

भी नह बुजना बाही कड़के पृथानिक बन्दरित के वर्षन के देवक कार्यगाहियां करता हूं।

क्ष्य सुन्दृतित् के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई श्री वार्धार्यः

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की समिष, वो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के शित्र प्रवेशिश व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति सुवाराष्ट्र
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संस्मित्त में हिते हैं किसी अन्य व्यक्ति वृद्धारा नभोहस्ताकरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

स्वकातिकरणः -- इसमें प्रमूचन शन्दों में ए पर्वो का, जा उपक शिक्षियम्, के भध्याय 20-क में प्रिशाणित् हैं, बहु वर्ष होगा को उस श्रथाय में दिया नया हैं!

वपृत्वी

पर्लॉट नं० जी-1, जो, ग्राउण्ड पर्नाअर, रेसिडेंसी-बी, प्लॉट नं० 38, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, ओशिवरा, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बस्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैना कि कि सं अई--2/37-ईई/13268/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिशासी, अक्बई हाला दिला : 5-10-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाप सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बेम्बई

तारील:: 27--5 -1985 ्

मोहर 🛢

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० श्रई-- 2/37-ईई/13267/84--85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 105, जो, 1ली मंजिल, रेसि-डेंसी-बी०, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, ओशिषरा, घसोंबा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाध्रद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप इसे घणित है), और जिसका व रारनामा ध्रायकर ध्रधिनियम, 1961 को धारा 269, ख के ध्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 5-10-1984

को पूर्नोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से झुड़ किसी आग की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अत्र अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)। के अधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- मेलर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लिए। (प्रन्तरक)
- 2. कुमारी शीतल एन० वेलेम्बथ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशिह्यां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 'परे सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मची

पलैट नं० 105, जो, 1ली मंजिल, रेसिडेंसी~बी०, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, ओशिषरा, वर्सीवा, अंधेरी (प०), धम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37-ईई/13267/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास चजन प्राधिकारी सहाय रु श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 27~5~1985

मोहर 🖫

प्रस्त बार्ड, टी. एन. एस.

वार्षकर क्षिपियम, 1961 (1961 का 43) की वाहा 269-म (1) के विभीन सुवना

शार्य ब्रह्मा

कार्याचन्, सहायक नायकर मानुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाङ 27 मई 1985

निदेग सं० अई--2/37-ईई/13092/84-85---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें काल एक्सान् 'उन्त अधिनियम' कहा ग्वा हैं), की आज़ 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का का का कारण हैं कि स्थायह संपरित चिसका जीवत बाजार शृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 503, जो, 5वी मंस्ति, हर-मनी-ए०, प्लांट नं० 343, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, ओशियरा, वसींचा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (अंग्रिइनसे उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिल्ला उराएनामा श्राय उर अधिन्यम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, सक्षम श्राधिनारी के सार्यालय बम्बई में राजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

भन्ने पृथा मत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यन पृथे के संपत्ति का जाजत बाजार ब्रुष्ट , उसके स्थमान प्रतिफल से, इसे स्थमान प्रतिकास का बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अल्डिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्योग्य से उच्च अन्तरण निम्निल में जास्त-निम्न क्ष्य में श्रीयत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आग फ्री नावत उदत अपि-नियम के जभीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कृती कड़ने का उससे अजने में सुविधा के । अप्। और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बंदः वय, उक्त विभिनियम, की भारा 269-न औं बन्हरण में, मैं उक्त विभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीतीबत व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- 1. मसर्स लोखंडचाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि०। (प्रन्तरक)
- 2. श्री हरी उपणा चांधरी और श्रीमती मिरा एच० चौधरी।

(भ्रन्तरितीं 🔏

को यह सूचना जारी करके पृथालत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति के किसी में से किसी व्यक्ति के विदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-ब्यूप किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अक्षेह्स्ताक्षरी के पात निर्देश में किए जा सकोंगे।

स्यखीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

धनुसूची

पर्लंड नं० 503, जो, 5वी मंजिल, हरमनी-ए०, प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, ओणिवरा वर्सीवा, अंधेरो (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-22/37-85/13092/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी विष्यई द्वारा नि<u>न्</u>राक 1-10-1984 को रिजिस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृप नार्षे 🗷 हो .. पुरु : पुरु

भागकर मिथियण, 1961 (1961 कर 43) स्थि भारा 269-म् (1) में मुर्थीय सुम्ला

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्योक्षण) धार्जन रेंज-2, सम्बर्द

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देण सं∘ ग्रई-2/37-ईई/13996/84-85--मतः मुझे, लक्ष्मण धास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अप्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 506, को, 5वीं मंजिल, रेसि-डेंसी—बी०, प्लॉट नं० 38, एस० नं० 41 (प्रांग), 4 बंगला, वर्सोवा, प्रांधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (प्रींर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रींर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्मृत्त का उचित वाचार मून्य उन्नवे क्ष्यमान प्रतिकल से, देवे बस्त्यमान प्रतिकल से पंच्छ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के कीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल का, निकाशिया उन्नवेश से उच्छ निचत में वास्तृतिक रूप से वास्

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शादित्य के अभी कहने वा उन्नेचे वजने में त्रिका के लिए। की /का
- (स) होती किसी नाय या दिवसी थन या सम्य सारितवी को, किसू धारकीय सायकर स्थितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर स्थितियम, वा भवकड स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरियो धुनारा प्रकट नहीं देखना यहा था या किमा बाना जाहिए था, किमाने में

अतः अव, उक्त वीधीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त मीधीनयम की भारा 269-म की व्यक्ताय (1) के वर्षान्य निकासिका व्यक्तिका। नेप्यूस कर-

- 1. मैसर्स लोबंडबाला प्रिमायसेस प्राईबेट खि॰। (बन्सरक)
- 2. मास्टर महेश नारायण पंजाबी। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इंड क्षता के राज्यक मी अक्षता की उत्तरीय अर्थ 45 दिन की नवति का तरसम्बद्धी कड़िस्ता अर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- :(वा) प्रयासना के प्रवासना में प्रकारना की तारीय के 45 दिन के नीवर क्ष्या स्वास्त क्ष्मित में प्रकारना के प्रवासन क्ष्मित में प्रकारना क्ष्मित के प्रवास किया में किए जा सकोंगे।

त्वव्यक्तिरणः—इतमे प्रयुक्त सव्यो नीर पर्यो काः, या स्वयक् श्रीभीयमः, से संख्यात 20-क वॉ नीरक्तिवर्य हीं, यही मूर्व होता श्रोश्यक्त स्वयायः में अविवस नुवा हीं।

पनुसूची

पलौट नं 506, को, 5वीं मंजिल, रेसिडेंसी-बी॰, प्लॉट नं 38, एस॰ नं 41 (श्रंश), 4 बंगला, यसींबा, श्रंधेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कि के सं ग्रई-2/37–ईई/13996/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी भागकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

मारीख: 27-5-1985

मोहर 🗈

प्रकृष कार्यु दी . एम , एस 👙 नवववननननननन

नायकर निधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) से नधीन सुधना

भारतं बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज। 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13995/84-85—श्रतः मुझे, लक्षमण दास.

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त निधिनयन' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्त्र 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो 2री मंजिल, रेसिडेंसी-ए, फ्लॉट नं० 38, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में मोर पूर्ण क्प से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 30-10-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास . अस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ज्लूब, उनके क्यमान श्रीतफल से, एसे क्यमान श्रीतफल का चन्द्रह प्रतिवात से बिधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) औड बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब वाचा गया श्रीतफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्स अन्तरक कि विषत में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की अपत, जम्म अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रधाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया वामा आहिए था, जिपाने में सूविधा में विषय।

कतः अव, उनतं अभिनियमं की भारा 269-गं से अनुसरण को, मी, उनतं अभिनियमं की भारा 269-घं की उपधारा (1) कि सभान, निक्तिसिंद्दं स्पन्तियों, नुपात् 2—

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नंद मंघामल पंजाबी।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के निष्ध कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेब ह--

- (=) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच बें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिनों में किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरीं के शास सिश्चित में किए जर सकीं।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रथ्यतः शब्दों और पदों का, जो हुन्स निधिनयम, के अध्याय 20-कंग परिभार् के है, वहीं नर्भ होगा को उस नध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो 2री मंजिल, रेजिडेंसी-ए, प्लॉट नं० 38, एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोंबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13995/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षेण) श्रजन रेंज-2, बर्म्बई

दिनोक : 27-5-85

मोहर:

प्ररूप आहें. डी. एम : पुरात नाम्प्रकात

बायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्वना

शास्त्र सरस्या

कार्याक्षयः, सहायक जायकः जायकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-२, बम्बर्डे

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इत्तर्में इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सूं० फ्लैट नं० 607, को, 6 वी मंजिल, मोन्टाना-ए, फ्लॉट नं० 4, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी क्रिं), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीप इसमें उपाबद्ध ग्रेनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 के खे के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारी खे 5-10-84 को पूर्वे कि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितक के लिए मंतरित की गई हैं और मुक्ते बहु विकास करने का कारण है कि यथापूर्वो कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह शितवात से अधिक हैं और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया पितफल, निम्निसित उच्चे स्य से उक्त अन्तरण निकित के वास्तिक हैं वास्तिवत से उक्त अन्तरण निकित के वास्तिक हैं वास्तिक हैं वास्तिक हैं वास्तिक हैं किया वस हैं :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-जिसस के अधीन कर दोने के सन्तरक के दासित्व में क्ष्मी करणे का समझे अबले में सक्तिमा के किया: बीर/बा
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, १५०७ (1937 का 27) के ध्योजनार्थ कन्तरिती बुजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैंसर्स लोखंडबाला प्रिमायसेस प्राइबेट सि॰। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलादेवी परसरामका ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रि कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🏗---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीख से 30 विन की व्यक्ति सो में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किसी स्विक्त हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बात सिस्तित में किए का सकोंगे।

स्वचिकरण ६—६समें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, वा उन्हरू विश्वित्वम् के वध्याय 20-क में परिभाषिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा हाँ 🍱

जनसंबी

फ्लैंट नं० 607, जो, 6 वी मंजिल, मोन्टाना-ए, प्लाट नं० 4, ए.स० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगला वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/13157 /84-85 श्रौर को सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 27-5 81985

मोहर:

प्रकल नार्वं .टी . एन . एस .. - १---- १४८०

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/13211/84-85---मतः मुझे। लक्षमण वास,

कासकार क्रीधिविका, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसको परचात् 'उन्तः अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-चा के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ना काल हैं कि दशायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिस की सं० फ्लैट नं० 394, को, 3री मंजिल, होम कोर्ट, प्लॉट नं० 336, एस० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, भ्रोशिवरा, वसॉवा अंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मे विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

कते. प्रवेषिक सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पत्त्व प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रेती (अंतरितियाँ) को बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नितिबत्त उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुइ किसी बाक } भावत, उक्त विध-तियम के अंधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बरि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्कियों को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) मैसर्स लोखंडबाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नासिर वादरकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क रिप्तप्र कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उपरा सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षंप :---

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपनित ब्यारा;
- (क) इस सूचता के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास_ निश्चित्त में किए था सकेंगी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का, यो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समसर्ची

प्लीट नं० 304, जो, 3री मंजिल, होम कोर्ट, प्लॉट नं० 336 एस० नं० 41 (ग्रंग) 4 बंगला, ग्रोणियरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/13211/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया हु। ैं ∮

> ्लिक्ष्मण द्राम् सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

भतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के समुसरण की दिनांक: 27-5-1985 के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— मोहर:

प्रकृष कार्य , की ् एन ् पुरु , क्ष्म्यानकारकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--व (1) के अधीन सूचना

गारत सहस्तर

कामीसन, सहायक भावकार आयुक्त (मिरीक्रका) श्राजीन रेंज-2. अम्बर्ट

बम्बई, दिनांक 27 मई 1.985

निर्देश मं० श्रर्ट-2 37ईई/13997/84-85—श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

वासकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसवें इसवें दरकों परवात 'उक्त मधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 402, जो, 4थी मंक्तिल, रेजिडेंसी-बी, फ्लॉट नं ० 38, एस० नं ० 41 (श्रंग), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 30-10-1884

का पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित ताजार मृत्य से कम के शरमान प्रतिका के लिए बन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का काइज है कि संवापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके क्यमान प्रतिका का प्रतिका की अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) कीर जन्तरिती (अन्तरितिना) के बीच एसे बन्तरण भी किए एक वावा गया प्रतिका कर से अधिक स्वाद्य मुद्दी किया वया है:---

- [क] अन्दरम संहुई किसी बाय की गावस उक्त अनि-निव्य के अभीन कर दोने के जन्दरक के दायिला में जमी करने या उससे अवने में स्विधा के सिए; क्या-का
- की पंथी किसी नान या किसी भन वा बच्य अहित्ययां की, चिन्हों भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजा≐ मार्च स्न्ताहिती बुक्त प्रकट नहीं किया भया था वा किया जाना चाहिए था किसाने में समिधा के विकास

- (1) मैमर्स लोखंडवाला प्रिमायसंस प्राइवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गितू नारायण पंजाबी। (अन्तर्स्ती)

को वह बुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्षन को लिए कार्वपाहियां करता हों:

उन्दे सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय हु---

- (क) इस सूचना ने राजवश में प्रकाशन की सारीय से 45 दिए की अवधि का तत्त्वस्थाणी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, जे भीचड पूजेंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृश्यः
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितंबकृष किती जन्म स्थावर वास व्याहस्ताक्षरी के बाब सिवित मों किए या तकीने।

रनव्यक्तिपारः — इसमें प्रमुक्त कव्यों मीप्तः नवां का, जो अवतः व्यक्तिवयं के वध्यायं 20-क में परिश्लाचितः हाँ, वहीं सभी होगा, जो उस मध्यायं में दिवाः गया हाँ।

वनस्थी

फ्लैट नं० 402, को, 4थी मंजिल, रेजिडेंसी -बी, प्लॉट नं० 38, एस० नं० 41 (प्रंग), 4 बंगला, बसेंबा, ब्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुभूजी जैमा कि कु० स० अई-2/37ईई/13997/84-85 स्पीरको मक्षम प्राधिकारी, वैम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी अहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 27-5-1985

मोहर:

त्ररूप काइ .टी.एन.एस. -----

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत शंक्याउ

कार्यात्रय, सञ्चाचक पायक्षर धानुनत (विरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश मं० अई-2/37ईई/13998/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दाम.

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसर्जे इसके परधात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निरवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित पाचार भूज्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रार जिसकी गं प्रतिष्ट गं 203 जो 2 री मंजिल, रेजिडेंमी-ए, प्लॉट गं 38, एस ज्ञां 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी (पं), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रोप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार जो पूर्ण रूप से विणत है) (श्रीप जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 30-10-1984

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उरिवत वावार मृस्य से कम के स्वयान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और बुको यह विकास करने का कारण है कि यभादवर्गिक संपरित का उर्वित वावार मृत्य, उसके दर्ममान प्रतिकत से, एसे स्वयान प्रतिकत का बंदह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के बिंद्य तब पावा गया प्रकृत का निक्निसित्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण विशिष्त में वास्त- विकास का पे अधिक कर में अधिक नहीं विकास का है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत सकत अधि-रिक्षण को वधीन कर बने के बन्तरक के दारिस्त में कनी शहरे वा अवचे क्वने में ब्रिया के जिए; वर्ष्ट्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन या नत्य जास्तिवीं की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उपत अधिनियम, वा भन कर विधिनियम, वा भन कर विधिनियम, 1957 (1957, का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के किस्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अनुसरण की, मी, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवित व्यक्तियम् अधित ानम्निवित व्यक्तियम् अधित विकास

- 1. मेंसर्स लोखंडलवाला प्रिमायसेस प्रायंबेट लि॰ । (अन्तरक)
- श्रीमती हर्णा नन्द पंजाबी। (अन्तरिती).

को बहु सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिल्ले कर्यमाहियां बुक्त करता हो।

स्चनाकी तानीब से 30 दिन की मंगींग, को भी

जनिय नार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवासः

(क) इस स्वता को राजपन में प्रकाशन की शादींक से 45 दिन के भीतत उक्त स्थावत संपत्ति में दिल-बहुध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा वभोहस्साक्षरी के गांध सिधित में किए वा क्केंगे।

काकाकिएम:--इसमें प्रमुक्त सन्धों और पर्यों का, जो उनक्ष किंगिनम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही नर्थ होगा, जो सस कथ्याय में दि । गया है।

यमस्री

फ्लैंट नं० 203, जो 2 री मंजिल, रेजिडेंसी-ए, प्लॉट नं० 38, एम० नं० 41(प्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा (प्रंधेरी (प०), बम्बई- 58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13998/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिसांक 30-10-1984 को राजस्टिं किया गया है.।

> लक्ष्मण दान् । सक्षम प्राधिकारी) सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक : 27-5-1985

महिर 🗈

प्रकृत सार्व के हो_न हुन_न हुन_कननननमञ्ज

প্ৰাৰক্ত ৰখিনিবন, 1961 (1961 কা 43) কাঁ খাত্ত -269-ৰ (1) কা ৰখীন ব্যৱসা

BILLY SERVE

जनाजन, बद्दानक जामकार नागुनल (निद्रांक्रिक) अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनाक 30 मई 1985

निदेश सं ० / आई-2/37ईई/13017/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायक इ निधिन्यम्, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उन्त मृधिनियत' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से निधक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1303, जो 13 वी मंजिल, इमारत प्रिमियम, टावर्स प्लॉट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 यंगला, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं ऑगर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बिजित हैं। भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खके अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनाक 1-10-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विसंख के अनुसार अंतरित की गई है और गुझे मह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षिय से उक्त अंतर्ज निहीं किया गया है :----

- (क) अन्तर्भ वे हुई किसी शांव की गांवत, उत्तर अभिनियम के अभीन कड़ योगे हो अन्तर्क के दावित्य में कभी करने वा खससे वचने में सुनिया के लिए; जीड़/या
- (थ) एसी किसी बाप वा किसी थन या अन्य शास्तिकों की, जिन्हें आरतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाबा बाहिए था, जिनाने के सुविधा वी किस्

नतः सन, उत्तत विभिनियम की भाग 269-ग के अन्तरण को, मी, उत्तत विभिनियम की भाग 269-न की उरभाग (1) में डभीन, जिल्लानिवास स्वनित्याँ अर्थात् क्रिक्त 1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपमेन्ट, कंपनी (प्रायवेट) लि० ।

(अन्तरक)

श्री , जगजीत सिंह नागपाल श्रौर
 श्रीमती सुदर्शन नागपाल ।

(अन्सरिती) '

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उनत जम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थापत हुवारा;
- (थ) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य स्थित इवाय जभाहस्ताकरी के नात सिवित में किए जा सकेंगे ।

स्वचीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो अवस जिथितियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1303, जो 13 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम, टावर्स, प्लॉट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला श्रोशिवरा, वर्लीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/13017/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किथा गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 30-5-1985

भोहर 🖫

प्रकृष् आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13687/84 85—अत: मुझे लक्ष्मण दांस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लैंट नं 303, जो 3 री मंजिल, इमारत सिम्फोनी, ए, फ्लाट नं 344, एस० नं 41 (श्रंण), वसंवित, श्रंबेरी (प), वस्बई में स्थित है (श्रंगर हम्मे उपावड अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस हा उसुस्तामा आयार अर्थात्यम, 1961 की खारा 269 कथ के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान्
प्रतिपक्ष के लिए अन्तिरत की गई है और
मुभ यह विद्यास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान
प्रतिपक्ष से, एसे द्रियमान प्रतिपक्ष के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्निलिखित
उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में भ्युविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 1. मैसर्म लाखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लिमिटेड'

(अन्तरक)

ं 2. श्री रहमुतुल्ला, ह्बीव तेजानी

(अन्त रिती)

को यह स्थना धारी कड़के प्रोंकत सम्परितः से अप्रीन के लिएँ कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पर्टें सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हत्रेगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

जनसर्वी

पलैंट नं० 303, जो 3 री मंजिल, इसारत, सिम्फोनी-ए, 'लाट नं० 344, एस० नं० 41 (ग्रंग), वर्शवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि कि० सं० अई 2/37ईई/13687/84/85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 20-10-1984 को राजस्टर्ड विका गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकणको सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-5-1985

मोहर ४ 🔧

प्रकप् नाइ े डी. एन. एत. -----

शासक्र अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ज (1) के नधीन स्वना

भारत स्रकाह

कार्यास्य, सहायक शायकार नामुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13405/84-85--अतः मुझे, लक्षमण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचाह 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1702, जो 17 वीं मंजिल, इमारत मैंग्नम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्म्बई में स्थित है (श्रौर अससे उपावक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिमका करारनामा श्राय हर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 11-10-84

को प्रॉक्त संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से अधिक रूप से अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से अधिक नहीं पाया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय का किसी अन या जन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ((1922 का 11) या उच्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था, कियाने से ब्रीयमा की किया

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त म्युक्तियों, नवति ह—

1 मैसर्स लोखंडवाला इस्टेटस, एण्ड डिवलपमेंठ **क्रं**पनी (प्रायवेट) लि०।

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी संतोष उपाध्याय।

(ग्रन्तरिती)

को सह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुन्

उनत संस्पत्ति को अर्थन् की संबंध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की नविथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पक्क सूचना की तारीं से 30 दिन की नविभ, को भी श्रविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रमेंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के हार्यपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में द्वितक्ष हैं केसी कन्य स्थावत द्वार, अभोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए का सकेंगे।

स्युष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, भी उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं क्षे होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1702, जो 17 वीं मंजिल, इमारत मैश्नम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला वर्सोवा, श्रंधेली (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अरु सं श्रई-2/37ईई/13405/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-84 की रजिस्ट इं कियों गया है।

लक्ष्मण **दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)् श्रर्जन रेंज-2, **बस्बर्ध**

दिनांक 30-5-1985 मांक्षर: प्ररूप आहें .टी .एन. एस .,-::-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुजना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13308/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1410, जो 14 वीं मंजिल, इमारत मैंगनम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंग), वर्सोवा अधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कखा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान मितफल के सिए अन्तरित की गई है और वृष्णे यह विकास करने का कारण है कि कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान इतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जीए अंतरिका (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित अक्षेत्रक से उदत क्रवरण सिवित में बास्तिक इस से अधिक अधिक की पन्तर से अधिक की का प्रतिकार में बास्तिक इस से अधिक अधिक की स्वाप्त से अधिक अधिक से स्वाप्त से अधिक अधिक से से अधिक अधिक से से अधिक अधिक से से अधिक अधिक से से सामित अधिक से से अधिक अधिक से से सामित से स्वाप्त से सामित सामित से सामित से सामित से सामित से सामित से सामित से सामित सामित से सामित सामित से सामित से सामित सामित

- हैंक) बन्तरण से हुइँ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में बृविधा दाबित्य के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जल्ब नास्तिनों को जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

सतः। सब, उक्त सधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण कौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) वौ सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित :--- मैसर्स लोखंडबाला इस्टेंट, एण्ड डिवलपमेन्ट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ।

(श्रन्तरक)

2. श्री रामवीव सखरानी।

(भ्रन्तरिली)

काँ यह स्वना जारी करके दुवाँक्त सम्पत्ति में नर्जन के निष् कार्यवाहियां कुरू करता हुई ।

बक्त, बम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्रिप अ--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन की जबिंभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताणील से 30 दिन की श्वधि, जो भी जबिंभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (व) इस स्थाना के राजपत्र में मकाशन की तारींच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुंच किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताकरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्त्रकार्काः — दूबमाँ प्रवृक्त शब्दा गौर पदी का, जो उक्त गामिनियम्, को अध्याय 20-क माँ परिभाषित ही, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय माँ दिया गवा है को

अनुसुद्धी

फ्लैट नं० 1410, जो 14 वी मंजिल, इसारत मैन्नम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंश), वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13308/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण न्यस नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनिक : 30-5-1985

मोहर 🛪

वस्त हारू . जी. इन् . हरू . क व्यववन्त्राव

ज्ञायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-व (1) के वधीन सूत्रमा

भारत संस्कात

कार्यस्य, सहायक बायकर बायुक्त (विरोधक) . अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37ईई/13390/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाप,

भायकर मिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत मिर्मियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आएए हैं कि स्थावर संपरित, निसका उधित नावार मूक्त 1,00,000/- क से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 204, जो 2 री मंजिल, इमारत सिम्फोनी-भी, प्लॉट नंव 344, एमव नंव 41, (श्रंश), 4 बंगुला, श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी (पव), बम्बई में स्थित है क्यें इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है, दिनांक 8-10-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुख, उसके इस्ट्रियन प्रतिफल है एसे ज्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेट्य से उक्त अन्तरण निचित में गस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गमा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उप त बिधिनियस के बधीन कर दोने के अस्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे स्थान में सुविधा से सिष्ट; और/वा
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में हिया के बिद्धः

अतः अन्, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— मैं सर्स लोखंडवाला इस्टेट एंड डिवलपमेन्ट कंपनी (प्राइवेट) लिगिटेड।

(ग्रन्तरक)

श्री राज डी० त्रिवेदी ग्रीर
 श्रीमती नयना ग्रार० त्रिवेदी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रशिष्ठ ग्रन्थित के बर्जन में जिल्ला कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

बक्त बुक्तरित के बर्धन के सम्बन्ध में आहे भी वासरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकींगे।

श्यक्तीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय माजिया गया है।

ग्रन्**स्**ची

प्लैंट नं० 204, 2 री मंजिल, इमारत सिम्फोनी -बी प्लॉंट नं० 344, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूर्या जैसा कि कि के सई-2/37ईई/13390/84-85 ब्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30-5-1985

मोहर 🤫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, ब्रुम्बई
वम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निदेश मं० आई-2/37ईई/13476/84-85--प्रशः मुत्रे, **लक्ष्मण** दास

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें - इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट ग्राफ लैण्ड बेग्ररिंग नं० 16, सर्वे नं० 30, एत० ए० नं० 7, सी० टी० एस० नं० 1125/10, भंगी याल और गंगा भवन के पास, वर्मोत्रा, ग्रंधेरी (प०),

बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 12-10-1984

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई ही और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति 'का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिपत्त से, ऐसे प्रथमान प्रतिपत्त का प्रत्य प्रतिपत्त का प्रत्य प्रतिपत्त से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकों (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पत्ता गया प्रतिपत्त, निम्मिलिखित उद्ववेष से उसत अन्तरण विश्वित में अस्तरिक रूप से अभित महीं किया गया है हि—

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों जां जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा केलिए;

अतः अवं, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अन्सरग में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, गिम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमनी कैलाश ए० दास ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रवी पुरवनकारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यगाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त . व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिला में किए जा सकर्गे।

्रमध्वीकरण ह इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है अ

यमस्य

प्लाट आफ लैंपूड बेम्रिंश नं 16, सर्वे नं 30, एन० ए० नं 7, मी० टी० एम० नं 1125/10, भंगी वाल भीर गंगा भवन के पास वसींवा, श्रंधेरी, वस्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्राई-2/37ईई/13476/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग है। सक्षम प्राधिकाँगी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्वर्ष्ट

दिनांक 30-5-1985 **मोहर ब**

प्रारुप नार्<u>द्धः द्वा पुर</u>्व पुर्व । पुर्व ।

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निवेश सं० आई-2/37ईई/13016/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 1304, 13वीं मंजिल, क्यारत प्रिनियम, टावर्स, ग्लाट नं० 351, एस० नं० 141 क्यारत), 4 वंगला, भ्रोशिवरा, वसींवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में और जी पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिस ता करारनामा आय अर अधिनियम 1961 की धारा 269 वाख के अधीन सलम प्राधिकारी के वार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनाक 1-10-1984

कां पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार शृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से स्कत अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, स्थल अभिनियस के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाबिन्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के सिए; बॉए/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अभ्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायभर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन भार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अभ्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा औं सिए;

1. मैससं लोखंडवाला इस्टेट एण्ड क्षेत्रलपमेन्ट कंपनी (प्रायवेट) लि(मटेड ।

(अन्तरक)

2. श्री हरमोहन सिंह।

(अन्तरिती)

्यों नह् प्यता जारी करके पूर्वों का सम्पृतित के वर्षन के विष्य कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ही 45 दिन की सबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर श्वा की ताशीन के 30 दिन की सबिध, को भी सबिध बाद में समान्त होती हो, के शीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य स्थावित व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त करवाँ और पर्वो का, को उपत अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिश्राधित है, वहीं वर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1301, 13वों मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, 'लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, ग्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (५०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० आई 2/37ईई/13016/84-85 भौर जो सक्षम प्राधि हारी वश्वर्ड हारा, दिनंक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 30-5-1985

भोहर:

प्रकम बार्च. टी. एव. एव. ----

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निवेश स० ग्रई-2/37ईई/13018/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 769-च छे अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने 'त्र कारण हैं कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित नाजार भूक्य /,00.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1903, जो 19वीं मंजिल, इमारत, मश्नम, टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (भ्रंश) 4 बंगला, श्रोशीवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप ने वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं विनोक 1-10-1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित याजार मन्य से वस के स्थाम बितकस के लिए अंतरित की गई है और म्भी यह विकास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पश्कह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्योग्य से उक्त अंतरण निधित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है दे—

- (कः) बल्तरण सं हुई किती बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीय कर दोने के अन्तरंक के दायित्य में कमी करने वा बचने बचने में सुविधा के फिए; वर्षित्वा

सतः सम उपत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक स्थितस्यों, स्थाति :— मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट एग्ड डेब्लपमेन्ट कंपनी (प्रायवेट) लि॰

(अन्तरक)

2. मेसर्स मैक्स इंटरनेशनल ।

(अन्तरिती)

को वह स्थान वाणी करने पुन्निय सन्परित के न्यान के । ज्यान के । ज्

उच्च बस्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीज के 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पद सूचना की तात्रीज से 30 दिन की वविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 वित्र के भीतर उच्क स्थावर सम्पत्ति में हितवच्य-किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के .u.क लिखित में किए वा सक्ति।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयूक्त सक्यों और पवां का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बप्युकी

प्लाट नं 1903, जो 19वीं मंजिल, इमारत मेंग्ल टावर्स, प्लाट नं 357, एस० नं 41 (अंश), 4 बंगला ओशीवरा, वसोंवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है। अनुसूबी जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/13018/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-10-1984 को रिजस्टक किया गया है।

> लक्ष्मण क्ष्मप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 30-5-1985 मोहर ह प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, स्वर्ड

बम्बई, दिन'क 27 मई, 1985

निवेश सं०) अई-2/37ईई/13711/84-85 अतः मुझे, जिक्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 601, मर्कुरी, अपार्टमेन्ट, अपना धर के पीछे, श्रोशीवरा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसरे उपावड अनुभूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 20-10-1984

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार सूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया द्रतिफल, निम्मलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपानें में सुविधा के लिए;

जतः ज्ञां, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण के जनुसरण जों, मीं, शक्त जिथिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, फिम्निसिसत, व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मैसर्स हीरा नन्दानी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री सतपाल, आर० कपूर।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक[ा]

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्पनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कि कें अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के से किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभावित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ° 601, जो मर्जुरी, अपार्टमेन्ट, अपना घर के पीछे, ग्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जंसा कि ऋ०स० अई 2/37ईई/13711/84-85 और जो संज्ञम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 20-10-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास सञ्जम 'प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 27-5-1985 मोहर :: प्रक्य भार्री, दी, एत, एस, 🕒 - - --

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं(1) में सुधीन सुधना

नारतं बरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं ० अई-2/37ईई/13903/84-85—अत., मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाचार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 601, हरिशिवम अपार्टमेन्टस, जे० पी० रोड, भंधेरी, बम्बई-58 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारतामा आयवार अधिनियम 261 की घारा 269 करू के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रुष्टिस्ट्रं है दिनांद 27-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल से वृश्य प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ज्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाव की बाबत, उक्त विभिन्निय के व्योग कर दोने क्षे बंतरक को बायित्व के कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर∕या
- (या) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. या या किया आता आहिए या, किया में सुविधा से तिए;

कतः वयः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं: अक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) वीं वर्षीयः, निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्जात् हि— 1. मैससं हरिशिवम बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. डा॰ बी॰ आर॰ साह, श्रीमती निर्मला बी॰ शाह।

(अन्तरित्री)

3. ---

4. श्रीमती विद्यावती कपूर द्रस्ट, (ओणसं)। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी कारके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में द्वित से बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरनाक्षरी के पास सिहिस्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अभै होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

601, जो हिरिशियम अपार्टमेन्टस, जे॰ पी॰ रोड, शंधेरी, बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जेसा कि कं सं अई-2/37ईई/13903/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, विनाव 27-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि<u>क</u>्री सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षणू) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 27-5- 985

मोहुदु 🖪

प्रस्थ नाइ 👵 की .. युवान पृष्ठ 🗷 🗷 🗷 🗷 🕾

भाषकर विजिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाख 269-म (1) के नभीन स्त्रामा

धारुत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बन्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985 निदेश सं० अई-2/37ईई/13847/84-85--अतः मुसे, भण द।स

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

षौर जिसकी सं० पलैट नं० 61-सी, दूसरी मंजिल, रोहित अन्तरंमेन्टस, वर्सोबा, अधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिल्ला कर रातामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कि के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजस्ट्री है दिनांक 26-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उस्त बन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुइ फिसी बाय की बाबत, उक्ख अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कवी करने वा अजब बचने में सुविधा के किए और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. एकपाने में सुविधा को सिए;

अतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ने, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की अपभाग (†) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ु— 1 हीरालाल ललित कुमार एण्ड कम्पनी।

(अंतरक)

2. श्री खुश्रु आव्शीर खींगार

(मन्तरिती)

3. अंतरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को सह तृथना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की धंबंध में कोई भी काक्षेप 💵

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की कामील से 30 दिन की अविधि, को भी कविध नाम के समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रीक्ष व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंदरण;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रम्भ किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के सस निक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्वध्योकर्ष — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक हाँ, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका शक्षा हाँ।

वन्स्ची

पलैंट नं० 61-सी, जो दूसरी मंजिल रोहित अनार्टमेंट्स् फ्लैंट नं० 52, एस० नं० 41 (पार्ट), वर्सीवा भ्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अर्ड-2/37ईई/13847/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनोक 27-5-1985

मोहर ः

प्रक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नामकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निवेश (सं० बई-2/37ईई/13098/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० पलैट नं ्र एम/507 मकुरी, म्रपाट्मेंट स अपना घर के पीछे, मोशिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (मीर इससे उपावत अनुसूची में मीर जो पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिमांक 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल को सिए बन्तिरत की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग का वाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एती किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत्:— 1. मैसर्स हीरा नंदानी बिल्डर्स ।

(अंतरक)

2. श्री मोहम्मद सुलेमान हरीफ।

(अंतरिती)

3. अंसरक ।

(वह न्यन्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृकारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन सची

प्लैट] नं । एम, 507, जो मर्जुरी, अपार्टमेंट्स, अपना घर के पीछेओशिवारा, श्रधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13098/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा ु दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राम्बिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्टि।) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 27-5-1985

मोहर :

प्रकृप बाइ. टी. एन. एसं. अ - - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 31 मई 1985
निदेश सं अर्ड-2/37ईई/13747/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-सं के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का किया है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं फ्लैट नं० 1211 जो 12वीं मंजिल, इमारत, मंग्नम टावर्स प्लाट नं० 357,-एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी, (प०), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका कर रनामा आयकर अधिनियम, की घारा 269, कब के अधीन सज़म प्राधिकारी के कर्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है विनाक 22-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विवयस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पावा गंदा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय 'की बाबरः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सृविधा अदे किए; आदि/धा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ

ा: शब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 मैसर्स लोखंडवाला इस्टेंटस, एण्ड क्षेत्रलपमेंट, कंपनी (प्रायवेट) लि०।

(भग्जरक)

2. श्री ए० आए० मोट्टी।

(अंतरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 4.5 दिन की नविभ या शर्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निकास में किए का सकते।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पलैट नं 1211 जो 12 वीं मंजिल, इमाप्त मंग्नम टावसे प्लाट नं 357 एस० मं 41 (प्रंश) 4 बंगला वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13747/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984 को जिस्टर्ड दिया गया है।

> लक्मण दास सभम प्रा⊦धिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्कृति रेंज-2, बम्बई

विनांक : 31-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाद्दै.टी.एन.एस.∹----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्णालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निवेश सं० अई-2,37ईई,13707,84-85—अतः मुझे, सक्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 705, जो 7 वीं मंजिल, इमारत विभियम, टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (प्रांश), 4 बंगला, वर्सोवा, प्रंघेरी (प०), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उप बढ़ अनुपूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिपका करारामा आपकर अधिनयम की धारा 269 कल के अधीन सञ्जम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्देरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ट विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अत्र, उकतः अधिनियमं की धारा 269-मं की अन्सरण में, मैं, उकतं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैंसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेन्ट, कंपनी [(प्रायवेट) लि०।

(प्रन्तरक)

2. श्री हरेश मूलचंद आयदासानी।

(अंतिरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्भित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्संबंधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 705 जो 7 वी मंजिल इमारत प्रिमियम टॉवर्स प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (ग्रंश) 4 बंगला, वर्सोवा श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं. अई-2,37ईई,13707,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्मण दास्मि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज-3, वम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985

निर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/13750/8/1-85--ग्रत : मझे. लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मत्य 1,00,000/- रु. से अधिक **है**

और जिसकी संव फ्लैट नंव-103, जो 1ली मंजिल, ६मारत सिम्फोनी-ए, प्लाट नं० ३४४, एस० नं० ४1 (अंग), 4 बंगला, वर्मीबा, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपात्रद्ध ग्रन्मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 😎 के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्थालय, बम्बई में र्गेत्रम्दी है, नागेख 22-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके चर्यमान प्रतिफल से, एसे चर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की, बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- ं(स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :------156 GT/85

- (1) पैसर्छ लोखडवाला प्रिमायमेस (प्राइवेट) लिङ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शरद एच० भाटिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनव सम्पत्ति के राजन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ए--

- (क) इस सम्पनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारींक 🛒 45 दिन की ज्यभि का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकरी तामील से 30 दिन करी अवधि, आ े शी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिमों में किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए का सकागे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

जनसूची

पर्लंट नं० 103, जो 1ली मंजिल, धुमारत सिम्फोनी-ए, प्लाट ने० 344, एस० ने० 41 (अंग), 4 बंगला, बर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुमुकी जैसा कि फं० सं अई-2/37ईई/13750/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बर्ड

नारीख: 31-5-1985

प्ररूप **आह**ें, दीं . एत . एस . --------

वापकार व्यक्तित्वम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

%र्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं पर्द-2/37ह है/13751/84-85-स्प्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारी 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैट संव 701, जो 7वीं संजिल, इमारतं होमस्टेड, प्लाट संव 337, एसव संव 41 (अंग), 4 बंगला वसीता, अधिरी (एव), बम्बई में स्थित है (और इसस उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्व इव में विणत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क खं के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार फल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविकं रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के भिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असर अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) विक्तित विकास अधिनियम अभिनयों अधित ह

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्राक्ष्वेट) लि० (प्रान्तरक)
- (2) राधेण्याम रिधकरन फाउल्ड और, श्रीमती संजय राधेण्याम फाउल्ड

(ग्रन्तरिनी).

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त स्थाति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप हन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किट्टें बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरि के पास निवित में किए जा सकींगे।

अनुसू वी

फ्लैंट नं० 701, जो 7वीं मंजिल, इमारत होमस्टेड, क्लाट नं० 337, एस० नं० 41(अंग), 4 अंगला, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रमुस्त्री जैसाकि श्रं० श्रई-2/37ईई/13751/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई हारा दिनांक 22-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण स्थान सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 31-5-1985 मोहर: **शक्र**प जार्द_छ दी_ं पून_ं पूत्_यच-≭-----

नायकारः गीपिन्वस् 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के स्भीन बुद्धना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चादक आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, बम्बर्ड, बम्बर्ड, दिनांक 31 मर्द्र, 1985 निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37ईई/13391/84-85—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त महिंपीन्तर' नहा गया हैं) कही भाइत 269-स के अधीन संश्वन प्राधिकारी को, यह दिश्यास करने का स्थारण है कि स्थायद सम्भत्ति, शियास उपित बाजाद मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1409, जो 14वीं मंजिल, मैंनिम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41(अंग), 4 बंगला, वसींवा, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड़ क्रिक्ट्री में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिण के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एते दश्यमान प्रतिकल का पत्मह प्रतिकत से मुधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरितीं (अंहसितियाँ) के बीच एवं अंतरण के सिए सय पापा गया प्रवि-कत विस्तिविद्या क्यूंचेक्य वे उक्त बंहदुन निर्मुवत में वास्तिविद्य कर्म से किंग्स नहीं दिक्या बना है है

- (क) मन्तरम् वे हृद्दं किकी भाग की नामकः, उत्तर अधिनियम के अधीन कृद्ध वेने में मन्त्रकः भी कारिका से कमी कृद्धने आ उन्नवे कलने में अधिन्या में शिक्षः अदि/ना
- (क) एती किसी जाम या किसी धन या अन्त जास्तिक्यें को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को वृष्ट्रियाची अस्तिहरीं हवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में इतिथा के लिए;

जतः जब, जनत जभिनियम की भारा 269-ग में जन्दरण ज, मैं.. जनत अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ः— (1) भैसर्स लोखंडबाला ६स्टेटस एण्ड डिवेलपमेंट कंपनी प्राक्ष्त्रेट लिउ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुटा ग्रार० सखरानी ।

(ग्रन्तरिती)

(4) मैसर्स ओणिवरा लैन्ड डिवेलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि० (यह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु सूचना ज़ाड़ी करने पूर्वोक्स सम्परित को अर्थन के सिक्ष कार्यनाक्षिमी करता है।

क्रमा क्रम्परिय से अर्थन में सम्बन्ध में कोश भी साम्रोक्त--

- विन्द्रें हुन बुक्ता भी प्राचनक में स्कादन की तार्रीक दें 45 विष् की बनिश्व का तरकन्त्रनी स्वितिकों कर सूचना की तानीब से 30 विश्व की बनिष, वो भी स्वितिकों में से किसी स्वितिक सुनार ।
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विज् की भीकर उक्त स्थावर सम्मित्त में दितवबुध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा सभोहस्ताक्षरी को पास सिक्ति में किस पा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिकृषिकात् के क्षाय 20 के में परिभाषिक हैं वहीं क्षे होगा यो उस सभाय में किया प्राह⁸ं।

अनुसूर्यी

प्लैट नं० 1409, जो 14थीं मंजिल, मैग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-2/37ईई/13391/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बंई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बुम्बई

तारीख: 31-5-1985

बाहर ६

HERE MITE AT LET HE SERVICE

जानकर अभिद्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८० म (1) को अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई, 1985 . निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13015/84-85—ग्रत : मुझे, लक्ष्मण दास

वानकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के वधीन, तकाम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थान्द संपरित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी गं० पर्लेट गं० 1904, जो 19वीं मंजिल, मैंग्नम टावर्स, प्लाट गं० 357, एस० गं० था (अंग), 4 बंगला, ओणिवरा, वसीवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपापत अनुसूची में और पूर्णक्य से बणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षिनियम की धारा 269 कछ के श्रद्धीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के दस्यमाम मितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार कृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल कि निम्नसिखिल उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिव्यक कृप से कि धित महीं किया क्या है:—

- (क) मन्त्रस्य संकृषं किशी बाग की भावतः, उनकः वृष्टिन्यम् के मन्तरः, उनकः वर्षे के मन्तरः, उनकः वर्षे किशी कर्तरः वर्षे के मन्तरः वर्षे कार्यकः वर्षे कार्यकः वर्षे कार्यकः वर्षे कर्ति क्रिस्ति कर्ति कर्ति
- (ब) एंसी किसी नाथ वा किसी भन या सन्त्य जीस्तियों का, जिल्हें भारतीय आय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिन्यम या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथ जन्तीरती दशारा प्रकट नहीं किया गया बा श किया जाना चाहिए था, बिधाने में सुज्जिश की निए;

जतः जय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तिया, अर्थातः :---

(1) मैरार्स लोखंडवाला ६स्टेटरा एण्ड डिबेलपमेंट कंपली लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स मैक्स इंटरनेशनल

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भें का ध्रां भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को धी सबीध बाद में सताब्त झोती हो, के जीतन पूर्वोक्ष प्रक्रिश्तकों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना को राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वितन्त्रथ किसी अन्य स्थान्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास्ट निविद्यत में किए वा सर्कोंगे।

पन संची

पर्वेट नं० 1904, जो 19वीं मंजिल, मैग्तम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंग), 4 वंगला, ओशिवरा, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० ग्रई-2/37ईई/1.3015/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्रोक्तिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 31-5-1985

माहर:

प्ररुप् आहे. टी. एन. एस. -----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (नि<u>र</u>िक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985 निर्देश सं० अई -2/37-ईई/13685/84-85---अतः मुझे. लक्ष्मण वास,

जानकर भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थापर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 706, को 7वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंण) 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रेनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनयम की धारा 269 कख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वानन समात्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक अर्थर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्ष्रदेश्य से उदत अन्तरण लिखित में शास्तिवक्ष कप से किथल नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/मा
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपान में सुविधा के लिए;

अंतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-च को, जनुसरण में, में उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधास (1) के अधीन निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थात् ं---

- (1) मैसर्स लोखंडवाला इस्टेंटस एण्ड डिबलपमेंट कंपनी (प्राइवेट) লিক, ।
 - (भ्रन्तरक्)
- (2) श्रीमती निशा हरेश मायवासानी। (भन्तरिती)

को सह सूचना आरी कड़के पूर्वोक्त संपृत्ति को अर्चन के लिए कार्यवाहियां चुक् करता हुं।

उपता संपृत्ति के अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम सिकिया में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में प्रीरभाषित इं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स् ची

पलैट नं० 706, को 7वीं मंजिल, इसारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं० 351, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला; वर्सीवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कर संरु श्रई-2/37ईई/13685/84-85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, वस्बई

विनांक: 31-5-1985

मोहर 🏻

್ರಾಯಾಗ ಸಮಾವಿಗಳಿ**ಸ್**. ಹಾ

इत्य बाइ ् टी. एन. <u>एत्र------------</u>

नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के नभीन सूचना

जारत चुडुकार

कार्यालय, सहायक आवकतु नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/13247/84-85--- ग्रतः मुझें, लक्ष्मग्र दास,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' वित्ता गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्नीर जिमकी सं० पर्लंट नं० 202/बी०, श्रटलेम ग्रपार्टमेंटम, ग्रपना घर के पीछे ग्रोशिवारा, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रार इसमें उनाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कल के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारील 5-10-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उपित वाजार मूल्य में कम के द्रायमान अतिफल को लिए नंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उपित वाजार मूल्य उपके द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाम वा प्रतिकात, जिम्नीविद्यत उद्योग्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्त्रिक कम से कर्मित मुझी किया गया है उन्न

- हुँक) अन्तरण से हुई फिसी नाय की बाबस स्वत वीध-रिव्यम के वधीन कह दीने के बसरक के दावित्य में अनी करने वा उचाचे बचने में ब्रुविधा के नियो; बीहर/बा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भाइतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 1;) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) वी प्रवोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या चा वा किया जाना जाहिए था, किपाने में सुविधा वी विद्या

मुद्धः मुक्तः जनत निर्धातममः की भारा 269-ल वै मनुबद्धन्य भी, भी, उसत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) मैं मुक्तान, निस्तिवित व्यक्तियों, सभित ॥—— (1) मैसर्स श्रपेश्स ऋंस्ट्रवशन्स

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी मधुबन कुमार।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक

(बह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना वा<u>र्</u>षी क<u>रके पूर्वोक्त सम्परित्र</u> के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपहित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी नाक्षेप क्र-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिश या उत्सबंधी व्यक्तियाँ पड़ स्थान की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यक्ति हो;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुँ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा जधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याम 20 क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

क्सूची

फ्लैट नं० 202/बी०, को अटलेस अपार्टमेंटस, अपना घर के पीछे, ओशिवारा, अधेरी (प), वस्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-2/37ईई/13247/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दासः सक्षम प्रीधिकारीः सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), शर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर 🗷

बरूप् साहै . थी , एस , एस , """

काय अर्थानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, गहायक जायकर ऋत्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-2. बस्वर्ध

बम्बई, दिनांः ३ जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/13077/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मग्र दास,

नायकर निधित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त जीवित्यम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को, यह विश्यास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं शाप नं 11, नेबूला श्रपार्टमेंट्स, श्रोशिवारा भिर्मेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्-सूची में श्रीर पूर्णेरूप से बर्णित है), श्रोर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10~1984

को प्वेंबित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि मथाप्वेंबित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अल्टरण के लिए तब याया गणा प्रतिफल का, मिम्मिसिबत रुष्ट्रम से अवत ब्लुड्ड विश्वित में वाक्सून किक रूप से किमा नवा है कि

- एक मुख्याल वे हुई स्थिती नाव की बावत कपत विचित्त किया की स्थाप की स्थाप की स्थाप की वास्तिक की स्थाप की स्थ
- (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या भारती की द्वारा अपने किया विश्वा विश्वा विश्वा कार्य कार्यिक था, खिल्डाने की स्विधा की सिए;

कतः कवा, उक्त अभितियम को धारा 269-ग को, अन्सरण में, भी, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए और अपारा (।) के अभीन, निस्तिरिक्त स्वस्तियों, अर्थात् :→ (1) मैसर्स प्रयेषम कंस्ट्रक्शन्स

(भ्रन्थरक)

(2) मैसर्स इडो साइगान एजेन्सी

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पृत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इस स्पना के राजधन में प्रकाशन की तारी कर्त 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की बनिंध, को बी जनिंध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- क्यूप किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, जभोहस्ताक्षदी चौ पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण्श—-इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्तर्या

णाप नं० 11, जो नेंबूला स्रपार्टमेंटस, हीरानंदानी इस्टेट, श्रोशित्रारा, स्रपना घर के पीछे, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि कि० सं० भ्रई-2/37ईई/13077/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-6-1985

महिर 🛊

भक्ष भारते. ही. धुन्. पुत्र

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्त्राना

भारक तरकार

कार्यांगय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, बस्बई
वस्बई, दिनांक उजून 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13244/84-85--- मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इनमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्क प्राधिकारी को यह विक्यान करने का कारन हैं कि स्थानर संपक्षि, जिसका उचित बाज़ार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं जाप नं 12, नेबूला श्रपार्टमेंट्स, श्रपना घर के पीछे, स्रोशिवारा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्णक्प से विणित है) स्रोर जिसका करारनामा आयकर श्रंधिनियम की धारा 269 कुछ के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है। दिनांक 5-10-1984

को पूर्वोक्स सम्बद्धित के उचित बाजार मूल्य से कन के स्वयमान प्रतिकत्त के लिए बन्तरित की गई हैं-बीर मूझे वह विश्वात करने का कारण है कि यथल्डोंक्त सम्बद्धित का उचित बाजार मृख्य, उत्तरी स्वयमान प्रतिकत्त से, ऐसे स्वयमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से भीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नीलियल उद्योध्य से उन्तर जन्तरण विशित में नास्तिक्स स्थं से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की बावस, उनक मधिमियबं के सभीप कहा बाने की जनसरक के सांधरण मो कानी कहते वा उन्तर वश्या में मृतिका के लिए; बीट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभिरित्ती व्यारा प्रकट नहीं किया गया जा का किया जामा शाहिए जा, किया में सुविधा के लिए:

सतः अज, उसत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्राणिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

(1) मैरार्स प्रापेयस ऋंस्ट्रवशन्स

(म्रन्तर्क)

- (2) श्री वील जीव भेहता (एचव यूव एफव) (अल्बरिती)
- (3) श्रन्तरक

(बह इपिक्त, जिसके प्रधिभोग में सम्पति के

को यह कृतना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के क्लंन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्हां संपत्ति को धर्षन को सर्वाध को बढ़ोड़ों भी काक्षीर :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 विन की अमिश जा तत्यवेथी व्यक्तियों पर सूचना की ताणीज से 30 दिन की अमिश, जो भी अविध बाद में समाया होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिर व्यक्तियां में
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संगीत में हित्रकार किसी अन्य ध्यनित स्वार्य अधाहस्ताक्षरी के उन्ह सिमिस में किए जा सकारी।

स्पच्छीक रण:--- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पहीं का, को शब्द अधिनियम के अध्याय 20-क ग परिशाधित हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं (!!

शाप नं० 12, जो नेब्ला श्रपार्टमेंटस, श्रपना घर के पीछे, हिरानंदानी इस्टेट, श्रोणिवारा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\frac{5}{2}-2/37$ ईई/13244/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ट द्वारा दिनाक 5-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गरा है।

लक्ष्मण्याम् सन्नयं प्राधिकारीते, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), स्रजीन रैंज-2, अम्बर्द

मारीख: 3-6-1985

मोहर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एास.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायज आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

ं बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13904/84-85---मत: मुझे लक्ष्मण वास,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 202, हरिशिवम श्रपार्टमेंट्स, जे० पी० रोड, श्रंधेरी बम्बई में स्थित है (श्रीर इन्से उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा किन्तर प्रधितियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27 अस्तुबर, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इज्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहुंस्हेय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तियक रूप से किथक बहुंदि किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धिम के लिए:

(1) मैसर्स हरिशिषम विल्डर्स

(मन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार शिवराज कोयारी श्रीमती सारीबाग कनकराज कोयारी

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती विद्यवती कपूर ट्रस्ट (ग्रोनर्स) (चह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रघोहस्साँकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी कन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हार्येगा जो उस कथ्याम में दिया गया है।

वन्स्वी

202, जो कपूर बिल्डिंग, हरिशिवम ग्रागर्टेमेंट्स, जे॰ पी॰ रोड, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13904/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिन 6ो :3-क-1985

मोहर 🥲

त्रक्य मार्च. टी. एन. एच.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1984

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13078/84-85--- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अभिनियम' कहां गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० णाप नं० 9, नेबूला ध्रपार्टमेंट्स, घोशिवारा धंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णेरूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कला के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपैचत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई आहेर अभ्येषह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में इंड्रॉ किसी नाव की जावत, उपसे विभिन्नय के अभीन कर दोने के बन्तरक वर्ष शामित्य में कमी करने या असने वचने में सुविधा के लिए; बॉर/शा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य ज्ञान्सियों की जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधवार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा या विका वाना चाहिए जा, द्विपाने के स्थित के लिए;

बंदाः क्या, उसर विधिनयम की भारा 269-न के अनुसरण में, में उसर अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स ग्रपेक्स कंस्ट्रक्शन्स

(प्रन्तरक)

(2) मैसर्स इंडो साइगान इजेन्सी

(म्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

क्षवत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माओप ह---

- (क) इस त्यान के राज्यप्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, को भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ति विकास का किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीक रण: -- इसमें प्रपृक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भाप नं० 9, जो नेबूला अपार्टमेंट्म, हिरानंदानी इस्टेट, अपना घर के पोछे ग्रेशियारा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित

धनुसूची जैसा कि कि सं धर्म-2/37ईई/13078/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण द्यास सक्षम प्राधिकारी सद्दायम भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर:

randa 🕶 a subballa 🕶 and var

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नापकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीप स्वाना

भारत सरकार

कार्यन्त्, सहायक गायकत्र भाष्यकः (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्वेश सं॰ मई-2/37ईई/13076/84-85-म्ब्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त् निधिनयम' कहा गया ही, की धारः 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्रांचार मृल्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० शाप नं० 8, नेबूला भ्रपार्टमेंट्स, भ्रोशिवारा भ्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा भ्राय-कर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधि-िरी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1 भ्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अंतर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या या वा किया जाना चाहिए था, छिचाने जे स्पैतियां के सिक्षः

कतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को सभीन, निम्मलिखित स्पितवाँ, अर्थात् :--- (1) मैसर्स श्रपेषस कंस्ट्रक्शन्स

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स इंडो साइगान एजेन्सी

(धन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रचन के सिक् कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्द सम्पत्ति के नुपनि के संबंध में कोई भी आक्षेष् १---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति वृवारा, बभोहस्ताक्षरी के पाछ . ति वित में किये का सकें ने।

ल्क्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, को जकर विभिन्नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा ग्या है।

मन्स्ची

शाप नं 8, जो नेबूला श्रापार्टमेंटस, हिरानंदानी श्रापना घर के पीछे, झोशिवारा, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-2/37ईई/13076/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास^क सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोक: 3-6-1985

मोहर 😢

प्ररूप आहं, टी. एत. एस. -----

. शासकर श्रीधीनसम, 1961 (1961 का 43) कहीं 269-भ(1) के श्रुपीन सूचना

भारत सरकार

अध्वित्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रार्थन रेंज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

ं निदेश सं॰ श्रई-2/37ईई/13781/84-85--श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वत्त (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 005, जो ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं० ए-3, अपना घर यूनिट नं० 13 को-ग्राप० हाउनिंग सोसाइटी लि०, श्रीशिवरा, श्रो स्थामो समर्थ नगर, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्राय हर मिश्चनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 22 शक्तूबर, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के क्लाम क्रिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार कृष्य, उसके क्ष्म्यमान प्रतिफल सं, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का क्ष्म्यमान प्रतिफल का क्ष्म्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंचरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्ष्मा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्होंय से उक्त अन्तरण लिखित के इस्तिकल क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की सायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुावभा के किए; और/या
- (क) होसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिकी व्याग्र प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के सिक्;
- क्याः वय, उक्त विधिनियम की पार्च 269-ग के अनुसरण
 क्री, क्री, उक्त औषिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
 क्री अधीन, निभनलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

- (1) मैसर्स समर्थ डेवलपर्मेंट कार्पोरेशन। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती यासंथी गोपालकृष्णन श्रीर श्रो पी० जी० गोपालकृष्णन ।

(मन्तरिसी)

का वह बुधना जारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

इन्द सन्तरित के भवन के संबंध में कोई भी वाक्षेप रे---

- (क) इत सूचना को राजपत्र को प्रकाशन की तारीका त 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद् सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ह) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

, स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो हुन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

क्षनसची

फ्लैट नं० 005, जो ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं० ए-3, ग्रपना घर यूनिट नं० 13 को-ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्रोशिवरा, श्री स्वाप्ती समर्थ नगर, 4 बंगला के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13781/ 84-85 श्रीर जो सलम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984 की रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास संज्ञम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षक) प्रजन रेंज-2, बस्बर्ध

दिनांक : 💴 🤊 💴 💆

मोहरू 🏿

प्ररूप आह्र .टी. एन. एस. -----

, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के स्थीन सुभना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13254/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने किया कारफ है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 105, जो 1ली मंजिल जिं० पी० रोड, इमारत नं० सी०-14, अपनाघर के यूनिट नं० 13 को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्रोशिवरा, बंगला के सामने, श्रंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीं, है, तारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त संपरित को जीवत बाबार मृस्य से कम के स्वयमाव विश्वक को सिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार अक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितीं (अन्तरितीं कियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्व पाया गया प्रतिकात कि निम्नितिस्त उद्धार्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तर कि सिक स्प से कि पित नहीं किया गया हैं:—

- (क) करतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उपके अधिनियम के अधीन कार दोने के अस्तरक औं दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; बौर/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उपत बीधीनवम की धारा 269-ग के बन्तरंभ में, में, उक्त किंधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—- (1) मैसर्स समर्थ डिवेट-मेंट कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उस्त्रास भालचंद्र राउत ।

(भ्रन्तिर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की बर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिस्थों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाक चिक्ति में किए था सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वनसर्वी

पलैट नं० 105, जो 1ली मंजिल, आप० जे०पी० रोड, इमारत नं० सी-14, अपना घर यूनिट नं० 13-को आप० हाउसिंग सोसायटी लिगिटेड, श्रींशिवरा, स्वामी समर्थ नगर, 4 बंगला के सामने, शंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13254/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिशारी सहायक प्रायुक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) अंजंन रेंज-2, अन्तर्ध

तारीख: 29-5-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीजन)

अर्जंम रेंज-2, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13303/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण वास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० फलैट नं० 405, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० ए-22, अपना धर यूनिट नं० 4 को-आप० हाउसिंग सोमाइटी लिमिटड, ग्रोशिवरा आप० जे० पी० रोड, 4 बंगला के सामने, ग्रंधेरी (प) में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, सारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित अव्वष्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जलरण ये हुई किसी भाव की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, 1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये था छिपाने में के बिए;

कतः अब, उक्त अधिरित्यम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनिय की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैसर्स समर्थं डिवेल्पमेंट कार्पोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

् 2 श्री हिरालाल भगवानदास पंजाबी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (प्र) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब १ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध सिन्धी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पार्श निवित में किए वा सकती।

स्यख्डीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभार्षि हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया नथ हैं।

वन्स्वी

फलैंट नं० 405, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० ए-22, अपना घर युनिट नं० 4 को-आप० हार्जीसग सोसाइटी लि०, भोशिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आप० जे० पां० रोड, 4 बंगला के सामने, श्रीधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूकी जैसा कि कि सै० अई-2/37ईई/13303/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रेंज्र–2, भ्रम्बर्ध

सारीख: 29-5-198**5**

मोहर 😘

प्रकप कार्ड टी एन . एस . ------

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

, दिमांक 29 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13044/84-85--अतं: मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृल्य 1, 190,000/-रः. से अधिक हैं

जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० बी०-12, अपना घर युनिट नं० 11, को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, श्रीशवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आप० जे० पी० रोड, श्रंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति से उच्चित बाजार मृल्य से कम कै बद्धमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाणुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्निलियत से बास्तिबक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की सामत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी अप्रय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना वाहिए था, ष्टिपान में सुविधा के निएह

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के करसरण में, मैं उक्त किधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अंधीत्:—

- 1. मैसर्स समर्थ धिवेल्पर्भेट कार्पोरेशन । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री भगवान रामचंद गांधी।

(मन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाही अरता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वामा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ट अमित्या में से किसी अविदित द्वारा;
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र-में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-क्यूथ किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त इं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलैट नं० 402 जो 4थी मंजिल इमारत नं० बी-12 अपना घर युनिट नं० 11 को-आप० हाउसिंग सोबाइटी जिनिटड झोशिवरा श्री स्थामी समर्थ नगर आप० जे० पी० रोड़ 4 बंगला के सामने श्रंधरी (प), धम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13044/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 29-5-1985

मोहर:

'प्ररूप कार्द. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ूअर्थन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

नियेश सं० अई-2/37ईई/13821/84-85-अत: मुझे, नण धास,

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, संदर पार्क, ए-इमारस, अप० विरा देसाई रोड, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इस्से पर्जाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधितियम की धारा 269 कख के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 26 अक्तूबर,

को प्वींक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूक्ष्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके टश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्तियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंत्रिक स्प से कथित नहीं किया गया है :——

- तिकार अभारत से हुई किसी काय की अधार एउँड अधिन निकास की अधीन कर बोने को जनगरक की वारित्य से कामी कारने या उससे अधाने में सुविधा की किसे; सीर/या
- एसी किसी आय या किसी धन बन्द आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिसी उवारा प्रकट नहीं किया यदा वा या किया जाना जाहिए था क्रिपान में सुविचा के सिए;

- (1) मैं उसी सुंदर कन्त्डुक्यान कंपनी। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स जयंती लाल नेमचंद एण्ड मर्देस । (अन्तरिती),

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति वृद्धारा अधोहस्ताक्षरी के किस के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, चो उक्त अधिनियम, के अध्यायं 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुचीं

बुकाम नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, सृंदर पार्क, ए-इमारत, आप० विरा देशाई रोड, ग्रावरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फल सं अई-2/37ईई/13821/-84-85 म्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी, घम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास भक्षम प्राविद्युरी सहाय ३ भाष ३२ भाषमु (निरीकीन) अर्जन रेंज-2. बम्बई

अतः बन, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्निनिक्कत व्यक्तियों. चर्थात :---

तारीख: 29-5-1985

मोहर:

प्रकृष भाव . टी. एन. ऐस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक भागकार आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोंक 29 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/13282/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,06,000/- रु. ते अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट सं० 32-ए, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण इप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-10-1984

की पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान
गतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुर्फे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथावृबेंकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रवजान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और
अंतरिती (अंतरितयार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ बाबा
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा की लिए; और/श
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया थाशा चाहिए था, खिपाने में त्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्मिक्तयों, सर्थात् ह—— 20—156 GI/85 1. मेपर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट।

(यन्तरका)

 श्रीमती कु । बन्त कीर विद्रा, सुरीदर सिंग पी० विद्रा।

(अन्तरिती)

को वह कृषका चारी करके पूर्वोक्त कन्दरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की नवीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर स्वान की तामील से 30 दिन की जविध, को भी नविध वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर प्रान्त अधिकारों में से किसी स्पृत्ति क्वारा;
- (क) इ.स. स्वना के राज्य में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकेंथे।

स्पष्डिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ज़र्मिन्यमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होया को उस अध्याय में दिवा पदा है।

अन्त्ची

यूनिट सं० 32-ए, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंगन, ग्रंधरी (प), अम्बई में रियत है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37 हैई/13282/84-85 और जो सक्षम प्राधि धरी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्ट ई किया गया है।

लक्ष्मण वास स्थाम प्राधिकारी सहाय ः श्राम ः श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 29-5-1985

मोहर 🥹

मक्त कार्ष और प्रकृत प्रकृतकारकारक

बावकड व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 29 मई 1985

मिरेश सं० अई-2/37ईई/13037/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा क्रि. क के अधीन सदास प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट सं 32/एल, जो, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंक रोड एक्प्पटेंग्रम, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कला के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कायोलय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-10-1984,

को पूर्वोच्स संपरित के उपित बाजार भूस्य से कम के स्थवान प्रतिकान के निए जन्सरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोच्स संपरित का उपित बाजार नृत्या, उसके स्थ्यमान प्रतिकाल से एसे स्थ्यमान प्रतिकाल का वन्तह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरिक (जन्मरकों) और जन्सरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नतिवित उद्दोष्य में उक्ते अन्तरण शिवित में अस्त-दिक रूप में किया नहीं किया गया है :--

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंडी किसी साथ मा फिली धन मा अन्य मानियां को, खिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या जंबस अधिनियम, मा धन प्रत्य अधिनियम, मा धन प्रत्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना चाहिए था, खिनाने में स्वैवधा के लिए

1. मेसर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट ।

(म्रन्तरक)

2. मेमर्स रेमन ग्लूजस एण्ड केमिकल्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कार्यता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद ब--

- (क) इस स्वा के राजभन्न में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किती व्यक्ति प्रवार:
- (क) इस तृष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस् वृष्य किसी जन्म व्यक्ति वृतारा, शृशोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए या सकेंगे।

स्थलाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त कस्या और पर्यो का, को खास्त्र विधिनियम, के बध्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ डोगा जो उस अध्याय में दिया गया तुं।

ननुसूची

यूनिट सं० 32/एल, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड एक्पटेंगन, श्रंधेरी (प), अम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई-2/37ईई/13037/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

सहाय

अर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपभारा (1) के अधीन, निम्निविद्यत अमृदित्तवाँ, सर्वात् ह——

दिनांक: 29-5-1985

मोहर ः

अरूप वार्च, टी. एन. एस. ≥ - • शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/13691/84-85-अत:, मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रस्थात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हो, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यास कर्ने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक हो

श्रौर जिसकी सं० पग्नैट नं० 210, जो, दूसरी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जे० पी० रोड, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीहै, दिनांक 20-10-1984,

को पृत्रों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उसते अन्तरण सिसित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियत्र कं अधीन कर दाने क अन्तरक को दायित्व मो कमी करने या उससे अचन मो सुविधा के सिए; जोड़/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में ग्रिया के निया;

अत अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण हों, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (१) के को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

- 1. मेसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी आसोसिएट्स। (अन्तरक)
- 2. श्री पी० एन० कृष्णमूर्थी।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वित्रत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता है।

उंदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र अ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ताडीं व 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्परित में हिटाबक्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा मधोहस्ताक्षरी के यास रियमित में किए का सकोग ।

रपव्यक्तिकरणः --- ३६ मं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्यूची

पलैंट नं० 210, जो, दूनरी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जे० पी० रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प,) बम्बई-61 में स्थित है। अनुसूची जैमा कि क्र० मं० अई-2/37ईई/13691/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्ब**ई**

दिनांक : 29-5-1985

मोहर 🖁

प्रकृप भाष्ट्रिटी पुन पुरा ह नकार वान-वारता

नायकर मिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आगृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13841/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसकें इसकें परचार जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह गिश्वास करने का काइण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका अचित बाबाह मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रीद्योगिक यूनिट सं 15, जो, ग्राउण्ड पनार सक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट आप० वीर देसाई रोड कर्मीवा श्रंधरी (प) अम्बई – 58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायोलय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 26-10-1984.

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाबाद मून्य से कम के क्यमान श्रीतकाल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृष्टित संपरित का उपित आजार मून्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्तद प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरक के किए तम पाना गया प्रतिकाल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उसत अन्तरण निवित्त में शास्तिकार हुए में किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त बिचिनयम के अभीत कर दोने के अन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उबसे क्वनं मा शुनिधा के लिए; प्रौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिम्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्यरिती श्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाड़िए था, छियाने में सुविधा से जिए।

जतः जब, उत्तत विधिनियम की भारा 269-त की, अनुकरक को, को उत्तत विधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) को अभीन, निध्नतिविधत व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. मेसर्स लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट।

(अन्तरक)

2. मैं० ज्वाला इण्डस्द्रीज ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथीक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हों।

उक्त संपत्ति के वर्षेने के संबंध में कोई भी बाक्षप:--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजें कर स्थानितयों में से किसी स्थानित ब्वारा:
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभात्त्ताक्षरी के गास ... सिवित में किए जा सक्ति।

स्वाधीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा गमा ही।

मग्राम्

श्रौद्योगिक यूनिट सं० 15, फेस सं० तसी", जो, आप० वीरा रेसाई रोड, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्राउण्ड फ्लोर, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० अई-2-37ईई/13841/84-85 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास सक्षम प्राधिकाँरी सहायक आयंकर आयंक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

दिनांक : 29-5-1985

मोहर 🐠

प्रकष बाह् . दी. एत्. एव.

नायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीत् सूचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहावक कायकार कायकत् (निर्माणक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 29 मई 1985

निदेश सं० ऋ**६**→2/37**६६**/13693/8 4--85 -- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट सं ० 1203, जो, 12वी मंजिल, एवरेस्ट इमारत, जय प्रकाण रोड, वसोंबा, अंधेरी (प), बम्बई-०61 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में आंर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका उरारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 ंख के श्रधीन रक्षम प्राधिकारी के निर्मालय बम्बई में रजिल्द्री हैं, दिनों । 20-10-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिपफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण ने हुई फिसी जाय की वानत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रेस्ट्रिक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क किए; और/सः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीर, विस्वविधित व्यक्तियों, अधीर ह

- (1) मेसर्स नहार शेठ एण्ड जोगानी आसोसिएटस । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भाषना रणजीत कपासी और श्री रणजीत चंदूनाल कपासी।

(ग्रन्तरितीं)

को यह त्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी व्यक्ति इवारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास गया है।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा उम्ब अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय के दिया गया है

अनुसूची

प्लैट सं ० 1 2 0 3, जो, 1 2 वी मंजिल, एवरेस्ट इंगारत, जय प्रकाण रोड, वर्सोवा, अंधेरीं (प), श्रम्बई- 61 में स्थित है।

श्रसूतुची जैना कि कि मं श्रई-2/37हह/13693/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांका 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज--2, बम्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर:

प्ररूप बार्ड टी. एन. हस.

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्कालम, सहायक मामकर माम्बद (निरीक्षण)

श्राजन रेंज-- , बस्बई

धम्बर्र, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० अई--2/37/ईई/13648/84-85 - अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कारें इसकोपश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाका 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उज्जित बावार जुल्ब 100,009/- रु. से जिथक हैं

और जिसकी सं० पलैट सं० 703. जो, बी-विग, 7 वी मजिल, अभिषेः अपार्टमेंटस, ई० एस० आईसी नगर के पीछे, 4 बंगला वसींवा, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 एख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्या पर बम्बई में रजिस्ही है, दिनांक 20-10-1984.

को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के करपमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पुन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए सब पावा गया प्रतिकाल, मिन्नसिविक उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते इर्क किसी आग की नवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (क) एसी किसी भाय मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

थर अब, उक्क अधिनियम की धारा 26% म के अनुसरण में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, फिक्सिसिक, व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) में तर्स ओमश्र तथा एण्ड तस्पनी।

(भ्रन्तरक)

[भाग III--खण्ड 1

(2) श्रींमतीं सुपमा भाटनागर ।

(श्रन्तरितीं)

को अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के ट्रिए कार्यनाहियां अरता हुं।

उन्त सन्दर्शित को अर्थन को संबंध में कोई बाक्षेप :----

- (क) इस बूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीस के 45 बिन की जविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तानीस से 30 बिन की जविश, को भी जबिश अब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूवारा;
- (च) इच स्थान के राष्यत्र के प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कृत्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में से किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शन्द्रों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

"फ्लैट सं० 703. जो. बीं-विंग, 7वी मंजिल. श्रिभिषेक अपार्टमेंटम, ईंश्मित श्राईमीं नगर के पीछे, 4 बंगला, वसींबा, अंधेरी, बस्बाई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई- $\cdot 2/37$ ईई/13648/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टई किया गया है \rightarrow ।

लक्ष्मण दाय सक्षम ¶प्राद्धिसरी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांच: 29-5-198**5**

मोहर 🖽

प्रकार वार्षः दो. एव. वर्षः -----

नावकार श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

शारत तर्माह

कार्वालय, सहायक आयकर जायभरा (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~2. धम्बई धम्बई, दिनांद 29 मई 1985 विदेश रं० अई-2/37/ईई/1 3844/84−85---श्रतः मुझे, वक्ष्मण दान्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये है अधिक है

और जिस्की मं० फ्लैट मं० 006, जो, 3 ग्राउण्ड फ्लोर, ग्रपमा घर यूनिट सं० 1 क्रो० ग्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, ग्राप० जो०पीं० रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में अंदर पूर्ण रूप से विणित हैं), आंद जिल्हा करारनामा श्राय द श्रिधिनयम की धारा 269 द ख से अधीन सक्षम प्राधिदारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है, दिनांक 26-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उकत अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे लिए।

अत. उस. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) मेनर्न नमार्ग डेवलपमेंट ारपोरेशन ।

(됐何기)

(2) श्रींमती क्रीचन एस० चौश्ररी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को जर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाश्रीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्षर स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज्ञाबन स्थापर संपन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गशा हो।

ग्रन्सूची

प्लैट सं० 006, जो, इमारत मं० ए-- 4ए, ग्राउण्ड फ्लोभर, भ्रपना घर, यूनिट सं० 1 को०-श्राप० हार्जीसग मोमायटी लि०, भ्राप० जे० पी० रोड, बंगला के सामने, अंधेरीं (प), बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा ि क० सं० प्रई--2/37/ईई/138 84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारादिनां र 26--10--1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सञ्जय प्राधिशारीज राहायन आयार प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, वस्वक्ष

दनाक : 29-**5-1985**

मोहरु 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्सक) फ्रर्जने रेंज-2, बम्बंई

बम्बई, दिनां ₹ 29 मई 1985

निदेश सं े ग्रई-2/37-ईई/13153/84-85—ग्रतः मुझे, लक्षमण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, 3री संजिल फ्लैट नं० 159, 4 बंगला रोड, बर्सोचा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इनसे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका बर्शरनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, दिनांस 5-10-1984,

को पूर्वोकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्वेष्य से उत्तर जन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बरि/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य शस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सृविधा के सिए;

अत अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् हि—

(1) मेन्सं एवरणाईन एसोसिएटस ।

(श्रन्तर्क)

- (2) में ० दि कोचीन मलबार इस्टेट एण्ड इण्डस्ट्रीज। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ड सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हुनं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म;
- (क) इस स्चिना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बहुध किसी अन्य स्थिति द्वारा अधोहस्ताक्षरी स्थास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षां अर्थ । चन्द्रसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

ननसची

प्लैट सं० 304, जो, तींसरी मंजिल; प्लौट सं० 159¶ समुन्दर दर्शन को०-च्याप० हाउतिंग मोत्तायटी लि०, 4 बंगला रोड, वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/13153/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां रू 5--10-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ्लक्स्मृश वास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंग-2, बस्बई

दिनांक: 29~5~1985

नोक्ट 🛚

प्रकृत वाह . टी. एवं. एवं.

बाय्कर धांभिन्यत्र, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के सधीन सुवता

भारत करकार

कार्यालय, सहाय ह श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, वस्त्रई बम्बई, विनाक 29 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13723/84-85--ग्रतः मुझे लक्सम दास,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित तहार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० पलैट नं० 202 है जो, ६मारत कन्वेरा, सी० टी० एस० नं० 1085, 1085/1 और 1985/2, जय प्रकाश विद्या धर्मोवा, अंदेरी, कम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा मायकर प्रदित्तयम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्रादिक्तारी के कार्यालय, बम्बई में रिजरट्टी है, दिनांक 20-10-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान तिफल के लिए प्रकारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपति बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द प्रतिकृत से प्रधित है और अन्तर्भ (प्रकारित में प्रधीत के बीच ऐसे प्रकारण के लिए तम पाया गया पिफल; निम्लिखित उद्देश्य से उन्तर धारतरण लिखित में सक्तिक कप म किला करने किमा प्रारी है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी साज या जिल्ही जिला मा अस्य वर्त स्वाणा को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अस-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रवास नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में जिल्हा से जिल्हा से

(1) मेसर्स देव कारफोरेशन ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री श्रहवर्ट मैनन्सीस और श्रीमती श्राई० मेनन्सीस। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी नाकांप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अयिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ धर गुचना की नामील में 30 दिन की अयिथ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्रासाई
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

तनुपूची

पर्लंड नं० 202, जो, ६मारत कन्त्रेरा, सी० टी० एस० नं० 1085, 1085/1 और 1085/2, जब प्रकाण रोड, वर्सोवा अधेरी, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37-ईई/13723/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण), श्रद्भैन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर:

अस्य आई . टी . २४ . १७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269 व (1) के अभीन सुकना

भारत सरकात

कार्यात्तम, सहायक भाधकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~2, वम्बई वम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/13297/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

जायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम अधिकारों को बहु विश्वास करने का आरण हैं कि स्थायन पर्यांचा किएका प्रकार स्वाय 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी नं पलैट नं 403, जो, 4थी मंजिल, ६मारत सं ए ए-22, प्रपनाद र पूनिट नं 4 को - प्राप्त हाउसिंग सोसा- यटी लिं , अभीवरा, प्राप जे पी रोड, 4 बंगला के सामने, अंधेरी (प), बम्बई - 58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्राधिनयम की धारा 269 कछ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री हैं, दिनांक 8-10-1984,

को पूर्विका सारिक के अणित बाजार मान्य से कम के शायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं ही और मुके यह विश्वास करने का कारण ही कि प्रथापविकत संपत्ति का उपित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एन्से दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्तियों) के बीच एन्से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/आ
- (स) एंसी किसी अध्य या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स समर्थ डेवलपमेंट कार्पेरिशन । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री यणवन्त बाबूराव खराखे और श्री वसंत यणवन्त खराखे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन 🏂 लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी क्यक्तियां पर सुचना की लामील से (37) किन की क्विथि, को भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पन्ति में हित- बब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनस्थी

पलौट नं 403, जो, इमारत नं ए-22, 4थी मंजिल, अपना इर यूनिट सं 4 को -आपन हार्जिस सोसायटी लिं, ओशिवरा, आप अं पी रोड, 4 बंगला के सामने, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

प्रन्सूची जैसा कि ऋं क्सं प्रई-2/37-ईई/13297/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिर्देशि सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 29-5-1985

भावर:

284 Aft o d'a una valor

पारकार अधिकारक, १०७१ (1961 को 43) की भार 269-ए (1) के मधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालमः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश सं० मई--2/37ईई/13521/84-85---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात, 'जात अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अजीन सक्षम प्राणिताणी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पण्णि जिसका उचित शाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 404, जो, 4धी मंजिल, इमारत नं ० ए-25, अपना घर यूनिट नं ० 4 को ०-आप० हार्जिसग संदेखिटी लि०, आप० जे० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 12-10-1984,

भी भूवाँकित समपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयान प्रतिपत्न के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्भात को गई है और मुक्ते यह विषयास करने का नारण है कि अधापुर्वाक्त संपतित का निकल बाजार मृत्य स्वयं स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भित्यों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्लिकित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण कि विश्व से बास्तिक रूप से अभिय नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्स अधि-नियम जो अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्य में किसी कारने या उससे अधने में सुनिधा के निष्, नीर्या

बतः प्र4. उत्थत आर्थित्य की भारा 269-ए की अनुभारण मी. मी. उथत अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, शुर्थात् (1) मेसर्स समर्थ डेवेलोपमेंट कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय राजेन्दर सिंग और कुमारी बाक्षा सिंग। (श्रन्तरिती)

को बह स्चना कारी कारके पूर्वोक्छ तम्परित के वर्षन के दिस्य कार्यवाहियां कारता हुई।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तुचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की बनिथ या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की संबंधि, जो औं संबंधि साथ में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वार;
- (च) इस रूपना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीचा ते 4.5 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में द्वितवदाध किम्ह अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरण: - इसमें प्रमुक्त करूरों और पदों का, थो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट मं० 404, जो इमारत नं० ए-25, 4थी मंजिल, ग्रपना घर यूनिट नं० 4 को०-ग्राप० हार्जासग सोसायटी लि०, ओणिवरा, श्री स्मवासी समर्थ नगर, ग्राप जे०पी० रोड, 4 बंगला के सामने, अंधेरी (प), बस्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि अल संल अई-2/37ईई/13521/84-85 और जो मञ्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्श किया गया है।

> े लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 29-5-1985 :

मोहर :

प्रस्य नाइ, टी. एन. एस.-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत स्रस्थर

कार्यालय, सहायक कायानत जायानत (निर्दालक)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

बम्बह, दिनाक 29 मइ 1985

निवेश सं० प्रई-2/37ईई/13780/84-85--- मतः मुझे लक्ष्मण दास,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्ष इसमें इसमें परचात उपत सिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रुचित बाबाह मृन्य 1,00,000 का में मिक ही

और जिसकी सं ० पलैट सं ० 408, जो 4थी मंजिल, ६म.एत मं ० प-19, श्रपनाधर यूनिट सं ० 5 फो०-श्राप० हाउसिंग सामने, उधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्णस्य से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कक्ष के अधी सिक्षम श्राधिक कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 2 1-10-1984 को प्रांवत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कर्स के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत संपत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और हातरफ (अन्तर्यों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के देव एस बन्तरण की लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नरिक्षित स्व्यवेश्य से उक्त अन्तरण जिसत में वास्तविक रूप से किया गया है दन्त

- (क) सन्तरक से पूर्व किसी माय की जानत, जनक स्थितियम के संधीत कर की के अन्तरक के कादिका में कमी करने या जससे क्याने में श्रीविधा के लिए; सौर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य का जियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करतरिती द्वारा शुक्रत नहीं दिखा नकः था या किया काना नाहिए था, छिणाने में जुविभए के लिए;

ज्ञाः सव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मा. माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसियस क्यक्तियों, वधीन :---

(1) मेसर्भ समर्थ डेवेलपर्मेट कारपोरेशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) भूरगन धन्वर छान ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँक्ष नेपस्ति के वर्षन के विका कार्यमाहिमां करता हुए।

उन्त् बन्धरित के नर्यन के संबंध के कोई भी काक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के रायपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की सर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाभ, यो भी अविद् वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा वे - 45 दिन के भीतर अपन स्थावर सम्पत्ति में हिद्यबंध्ध किसी जन्य स्थितित ब्वारा अभोशस्त्राक्षणी के शह निर्धित में किए वा हकीये।

स्पध्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तों और पत्नों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में विश्वसिद ही, यही जर्थ होंगा, जो उस अध्याय विश्वसिद स्था है।

यमुसुची

पसँट सं० 408, जो, 4थी मंजिल, इमारत सं० ए-19, अपनादर यूनिट सं० 5 को०-आप० हार्जासन सोसायटी लि०, टोणिअरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आप जे० पी० रोड, 4 बंगर के समने, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि.० सं० प्रई-2/37ईई/13780/ 84-85 और ओ सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर भ्रायकत (तिरीक्षण), मर्जन रेज-2, ब म्बाई

विनोक : 29-5-1985

मोहर ए

वरूप आहें. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

मारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरक्षिण) कर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक: 29 मई 1985

निदेश सं० ई--2/37ईई/13645/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दासं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन्तके पत्रचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है भीर जितकी सं० पर्लंट सैं० 008, जो, ग्राउण्ड फ्लोक्सर, अनना-**घर** यूनिट सं० 3 को-अ,प० हार्डीसग सोसायटी लि० भोशिवरा, आफ जै० पी० रोड, 4 बंगला के सामने, भंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 20-10-19854, को पूर्वित संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के उपयक्षान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गृहं ही और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि संथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित आजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंक्षरकों) आरि बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण ीनों बत में बास्तियस रूप से किया नहीं निमा गया है हू----

- (क) करारण सं हुइ किसी भाग की वाबत, अक्ट जिमियम के जभीन कर दोने के अन्तरक की शियत्व में कमी करने या उससे सचने में सृतिभा के बिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की किसी आपकार निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनयम, वा धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, खक्त अधिनियम की धारा 269-म की संबंधारा (१) के अधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंससं समर्थ डेवल्पमेंट कारपोरेशन ।

(अन्सरक)

(2) श्री धरनजीत सुलसीराम रत्तम ।

(अन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के थिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (व) इत स्वना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है है 45 दिन के भीतर उचत स्थावर गंपरित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के बध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्ची

"फ्लैट सं० 008, जो, इमारत सं० गी-2,प्राउण्ड फ्लोअर, अननाघर यूनिट सें० 3 को०-अप० हाउसिंग सोतायटी लि०, घोशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर अफ जे० पी० रोड 4 बंगला के सामने धंधेरी (प), वस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जेसा कि कि० सं० ई-2/37ईई/13645/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), कर्जन रेंज-2, बम्बई

षिनौक : 29-5-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आहे . टी . युन् . कृष्ट् -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

हार्बालय, सहायक शायकर नायक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निवेश सं० ई-2/37ईई/13852/84-85—अतः मुझे सक्मण दास.

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वरवात् 'उक्त अधिनियभ' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाम करने का कारण है कि ल्यावर तप्यति, जिसका उचित बासर मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 108, जो इमाप्तर नं० ए-6, विभिन्न जिल, अगानाधर मुनिट नु० 1, को० श्रोप० हाउ० सोसायटी लि० श्रोणिवरा, आफ जे० पी० रोड, 4 वंगला के. सामने, श्रंधेरी (प), बम्बई-में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269का, ख के अवीन बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 26-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमें यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थानुनेंक्त संपत्ति का उचित वाबार क्रव, उसके स्वयमान प्रतिफल सं. एसे स्वयमान प्रतिफल का स्वयद्ध प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण में लिए तय मया गया अधिफल है निक्निलिस उद्वेष्य से उसत अन्तरण निक्ति में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरम् से हुइं विसी काय की बानतः, तनकः वृभिनियम् के अभीत कर दोने के बन्दरक के बाबितः में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के सिए; करि/या
- ्भं) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, रिश्वास्तियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयांजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के सिए;

बतः जब, उक्त अधिनिवम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिधित व्यक्तियों अर्थात ः— (1) 'मेसर्स समर्थं डेवलपमेंट कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री केणवणरन णिवणंकर अरोराश्रौर श्रीमती कुंतीदेवी के० अरोरा:

(अन्तिर्दिती)

को नह सूचमा चारी करके पूना कि सम्परित के नर्जन के जिस कार्यवाहियां भूफ करता हुं।

उन्तर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राष्यत्र में प्रकालन की तारीब सं 45 विनृक्षी अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की बविधि, को भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

पलैट नं∘ 108, जो इमारत नं∘ं ए~6, 1ली मंजिल, अपनाधर युनिट नं∘ 1, को॰ श्रॉप॰ हाउसिंग सोसायटी लि॰ भ्रोशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, ऑफ॰ जे॰ पी॰ रोड 4 बंगला के सामने, श्रंधेरी(प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम० सं० ई-2/36ईई/13852/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 26-10-1984 को रजस्टिड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

`दिनांक : 29-5-1985

मोहरः

प्रक्प बार्ड . ही . एन . एस . -----

आवकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की -भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० $$\frac{1}{8}-2$, 37 $$\frac{1}{3}$ 875-84-85 अतः मुद्दो लक्ष्मण दास

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो 7वीं मंजिल,-ए विंग, इमारत टूबीन टावर्स प्लाट नं० 8ए श्रीर 8बी श्रीशिवरा विलेज, 4 बंगला, आफ जे० पी० रोड़ वर्सीवा, अंधेरी (प), वम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बंगित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयणर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 27-10-1984

को एवेंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कसी करने या उससे बचने सें सूविधा के लिए; आरि/मा
- (क) एसी फिसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ कन्मरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाला चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः अकतः सधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मीं, अकत अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तितयों अधितः :---- (1) इन्दरजीत प्रोपटींज (प्रा) लि॰

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश वसंतलाल जवेरी श्रीर श्रीकांत वसंतलाल जावेरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीर र पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो 7वीं मंजिल, ए-विंग, इमारत ट्वीन टावर्स, प्लाट नं० 8ए भ्रौर 8बी, श्रोशिवरा विलेज, 4 एस नं 4 (अंश), 4 बंगला, ऑफ जे०,पी० रोड़, वर्सीवा श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० ई 3-2/37ईई/13875/84-85 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 29-5-1985

गोहर:

प्रकप कार्युं, टी., पृत्रुं, पृत्रुं, कार्यकार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक बायकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज~2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं अई-2/37ईई/13173/84-85--अतः मुझे, सक्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्य 1,00,000/- रह. से बधिक हैं

मीर जिसकी सं० युनिट नं० 4, जो लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यु लिंक रोड़, एक्सटेंशन अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत हैं) श्रीर जिसका वार स्नामा आधवार अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिरही हैं, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभाप्वोकत सम्परित का उचित सामाद सृल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसं असमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिज्ञत से अधिक है और अतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक कत निम्मिलिखित सद्देश्य से उन्त अंतरण निष्त में बास्तिक कप से कंश्य नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वासत, उथक प्रिपिन्यम के अधीन कार दोने को असरक क दायिस्व में कभी करने या उग्रसे अधने को सुविभा को निए; लौर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, स्थिनने में सुविधा की लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियम की भारा 269-न को अनुसर्भ को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हो अधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अधीर:——

(1) मेसर्स लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल इस्टेट ।

(अन्तरक)

(2) राम अभिलाश पांडे।

(ग्रन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्परित के वर्षत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् 🏻 🗕

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रः स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्रिधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध-किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के लिखित में किए वा सकतेंगे।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्रम्यों और पत्नों का, को शक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नया है।

अनसर्व

यूनिट मं० 4 जो, लक्ष्मी इन्डस्ट्रियल इस्टेंट, न्यू लिक रोड़ एक्सटेंशन अंधेरी, (प) बम्नई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37ईई/13173/

अनुसूचा जसा । क कम स० अ६०-2/37६६/13173/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई छारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, यम्बई

दिनांक : 29-5-1985

मोहर 💈

प्रस्ति **वार्ड** . दी. एन्. . **एड** ्ट न व जननत

बायकाः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हरी धारा 269-म (1) के ब्योग सुव्या

भारत बहुकाल

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निद्धीक्षक)

प्रजन रेंज−2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/13532/84—ग्रनः मुझें, लक्ष्मण दाम,

जायकार अधिनियम, 1964 (1961 का 43) (विश्वे इत्रमें इसके प्रधात् 'जन्म अधिनियम' कहा गना ही, की भारा 269-य के संधीन ग्रंथम प्राधिकाड़ी को यह विश्वाद करने कर कारण ही कि स्थाप सन्धीत , जिसका उचित बाबार अस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं ब्लाक नं रे 101, जो, सी-पर्ल, भी० टी० एम० नं रे 1318/1, 90-स्नाफ बसींबा रोड़, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इनसे उपायह अनुसूची में श्रीर लिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोच्या सम्परित को उपित बाजार मूल्य से कम को दरधमान प्रतिकास को सिए अम्हरित की गई है बार मुन्ने यह दिवसास कारने का कारण है कि यथापूर्वोच्छ संपरित का जिल्ला बाजार मूल्य, उसके क्षत्रमान प्रतिकास से, एसे दरयमान प्रतिकास का चाजिल बाजार मूल्य, उसके क्षत्रमान प्रतिकास से, एसे दरयमान प्रतिकास का चाजिल बाजार मूल्य, उसके क्षत्रमान प्रतिकास की बीर अन्तरक (अन्तरका) मीर जन्तरिती (अन्तरितिकों) में बीच एसे मन्तरण के लिए एस गामा गया प्रतिकास, निम्मकितिक उद्योदन से अन्तर अन्वरक सिवात में वास्तरिक कम से क्षित मही किस्त वच्या है है---

- (क्क) अन्तरभ से हुई किसी नाम की बाबज, अवस श्रीपतियम के अधीन कर योगे की अन्तरक की श्रीमस्त्र में कभी करने या उससे दलने में सुविचा के सिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्त आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-अद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ा उनका आंतिनयम, ना धरका अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्य अन्तिरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया प्रमा या या परिता काता करिए था कियाने में सुविधा के सित्;

अक्रम क्या, अवत अधिमयम की भारा 289-न की स्वक्रारण औ, भी. उन्न अधिनियम की धारा 269-म को उपभाव (1) अक्रमांक विकासिक व्यक्तिक अधिक अधिक का 22—166G91/6 (1) मेन्सं श्रतूल बिल्डर्स एंड एसोसिए टम ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री प्रफुल्ल द्वारकानाथ रेगे।

(ग्रन्तरिती)

को युद्ध सुधाना भारी अहसी पर्योक्त कल्पील को सुधीन के सिहर कार्यनाहिस्सं कररता होते।

उक्स मुम्बति को वृष्यं के बच्चरण वो कोई भी बाबोद हुन्न

- (क) इत बुनता नै सम्बद्ध में ब्रक्ताधन की साहीचा से 45 दिन की बुनिय या तत्स्यम्बद्धी व्यक्तियों पद बुनमा की साधीन के 30 दिन की बंदीध, को और अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ क्यूक्तियों में से निक्ती व्यक्तिय दृश्हा;
- (ण) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन करें दार्रीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्थ फिकी अन्य व्यक्ति इवारा मधोहस्ताकरी के पाक किस्ति में किस जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उपत मंत्रित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ध होणा की देश मध्यान में दिक्त नवा ही।

anwahi

व्लाह नं र 101,जो,मी-नार्ल,मी०टी०एम० नं र 1318/1, 90-आफ वर्मोवा रोड, प्रताप मोमाइटी के सामने, प्रधेरी (प०), यम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं श्राई०-2/37 ई० ई०/13532/84-85 ग्रीर जे। सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 15-10-1984 को। रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर स्राणुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेज--2, बम्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर:

ए**सन् नार्ष**ः कीः **एष् एष्**्र== ज

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-कु (1) के अभीन मुख्या

TIME TERMS

कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निड्रोक्सण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

्बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

जारिकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभाल 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका संज्यनेट नं 77, जो, 7 वी मंजिल, सी-विंग, प्लाट नं 12, श्रिभिषेक इमारन, व्हिलेज श्रीशिवरा, श्रंधेरी, वम्बई में श्यित है (श्रार इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ये विंपत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रंधितियम की धारा 269 के ख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 16 श्रंबतूबर 1984। को पूर्वोक्स बन्ति वे जीवत बाबार मृज्य से कम के स्वयान प्रितिक की तर् अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कर्रण है कि यथापूबाँकत संपत्ति का उचित वाचार मृज्य उसके रूपमान प्रतिफल को पिन्न् प्रतिफल को पिन्न् प्रतिफल को विष्य गाँवरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्वेशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है।

- (क) जनसङ्घ्य हो हुए किसी बाय की बावत उपस्य अभिनियम के अभीन कर वाने के जनसङ्ख्य के बायित्य में कनी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; गोर/धा
- (क) एसी किसी जाव ना किसी भन था जन्द भारितयों की, जिन्हों भारतीय जायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या धन- अर अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रवोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा का या किया जाना नाहिए भा, दिश्यने में समिता औं जिन्हा

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उपल अधिनियम की जारा 20 न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ह--- (1) प्राशिवाद इंटग्प्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी रीहिनी दीन कर मल्हट।

(भ्रन्तरिती)

(3) -श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके बार में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांबत सम्पर्टित के अर्थन के लिए कार्ववाहियां गुरू करता हुं।

वनक बन्दरिय के वर्षन के वस्तुरथ में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस बुक्ता है राज्यम् वे प्रकारण की ताडील से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इत् अपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्भ्रीत में हित-बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण हु---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

प्लैंट नं० 77, जो, 7 वी मंजिल, सी-लंबग, प्लाट नं० 12, ग्रिभिषेठ इमारत, ग्रोशिवरा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/13566/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण हार्हेः - नश्मम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 29-5-1985

मोहर ᠄

ाक्ष्य भाषीः स्त्रीः पुनः, पुष्युः स्थानसम्ब

भायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीत सुक्ता

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक सायकार नायुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्वेश मं ० स्नई०-2/37 ई० ई०/13817/84---स्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के नभीन कक्षम प्राधिकारी को यह निष्यात करने का कारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका अजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूठ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 003, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं० बी-11, ग्रपनाघर यूनिट नं० 11 को-ग्राप० हाउमिंग सोसाइटी लि०, ग्रोणिवरा, बंगला के पास, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 26 ग्रक्तुबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के उचित बाजार मूल्य ते कम के बचयमान प्रतिकत के लिए म्स्विरित की नहीं हैं और मून्ने यह विश्वाध कारने का कारण है कि मुधापूर्वोक्त संवित्त कम जानित बाजार मून्य उसके बच्यमान प्रतिकत्त है, एवे बच्यमान प्रतिकत्त कम प्रमुख प्रतिवत से विश्वक हैं वीर बन्तरक (मन्तरकों) और वृन्तरितीं (जन्तरितियों) के बीच एवे बन्तरण के लिए तम वावा ग्वा प्रतिकत् निम्नित्रित्त उद्वेष्य से स्वत्त बन्तरण निवित्त में बहुत्तिक रूप से क्रियंत नहीं किया ग्वा है है—

- (क) अन्तरण वे हुए फिकी बाद की वान्त, धनक विश्वविद्या के बधीन कह दोने के अन्तरक के वाहित्य में कती कुड़ने वा उन्नचे बहुने में बृदिधा के जिद्दा चौर/वा
- (व) एति किसी जाव वा किसी भन या जन्य गास्तियों को, भिन्हें भारतीय नाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रवोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनुविधा के सिए;

अवः भाग, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की, जनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ∰ अधीन, निम्नलिकित क्यक्तित्मों, अधीतह— (1) समर्थ डेव्हलेपमेंट कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रंशोक रघुनाथ पाटील ।

(भ्रन्तरिती)

नीं यह सूचना चारी करके पूर्विक्त सम्मृत्ति के वर्षात के लिए कार्यवाहिमां करता हुई।

डक्ड बुर्चित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की जबिंध या सत्सम्बन्धी क्यिक्सयों पर स्कार की सामीस से 30 दिन की स्विध, जो भी सबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्र व्यक्तियों में से किसी क्वित्र हुनाया;
- (ण) इक त्यना भी द्वाजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 विव में भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस्- बहुभ किसी अन्य स्थावन वृत्तारा अभोहस्ताक्षरी से पास निवित में किस था सकेंगे।

स्पक्किरण:---इसमें प्रयुक्त सन्ती और पर्वो का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अधि होगा, को उस अध्याय में विया नवा है है।

ग्रनु सूची

फ्लैंट नं० 003, जो, इमारत नं० बी-11, ग्राउंड फ्लोर अपनाधर यूनिट नं० 11 को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि० श्रोणिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, बंगला केपास, ग्रंधेरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल संब्राई०-2/37 ईव्हि०/13817/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास; मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर 🏽

प्रकल् नार्वे डॉ. एन. एक

भाषक विधितियम, 1961 (1961 का 43) को भाग्र भारा 269-म (1) में बधीम सुम्मा

भाइत सरकार

कार्यान्य, सहायक कार्यकार अञ्चल (निर्याक्षण) श्रजीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० श्रई०-2/37 ई० ई०/13811/84-85-ं-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्बन्ति, जिसका उक्ति बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 207, जी, 2री मंजिल, इमारत नं० बी-6, अपना घर यूनिट नं० 7 को-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारतामा आयक्र श्रिधिनयम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 23 श्रक्तुबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के उचित बाबार मूख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के बिए अन्तरित की वहाँ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संस्पति का उचित बाबार मूख्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे अयमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिचल से अधिक हाँ और अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल किनित के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल किनित के दुक्किय से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से क्रिकत नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण नं शूर्य शिक्षणीं अस्य करी बस्वत, बक्त जीवित्रण को जातीन कार दोने को बंतरक के गायित्य को कारी कारने का उसके बच्च में सुविधा के सिहर; और/या
- (क) एंगी किसी नाय वा किसी धन मा बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मचा था वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं किए;

सत्तर करून, ज्वात वशिष्टिकत जरी थरा 259-म श्री सन्पारण मों, मीं, उत्रत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, सर्वात :— (1) भेषर्स समर्थ डेब्लपमेंट कार्नीरेणन ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती दिप्ती दिलीप पंडित ।

(भ्रन्तरिती)

कार अब सुच्या जारी कड़के पूर्वीक्त सम्पत्ति के सूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्मत्ति के गर्यंग के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के द्राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 के दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दिवक्य किसी जन्म व्यक्ति इंगारा, अभोहस्ताकरी के ५... जिल्ली के किसे था तकों गे।

स्थ्वाकरण: --- इसमें प्रयूषत शब्दों और पदों का, को सकत विश्विषय के वश्वाय 20-कः में परिभाषित हैं, बहु वृक्ष होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

मन्द्रपी

पर्लंट नं० 207, जो, 2 री मंजिल, इमारत नं० बी-6, श्रपना घर यूनिट नं० 7 को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, श्रोशिवरा, श्राफ जे० पी० रोड़, 4 बंगला के सामने श्रंधेरी (प०), वस्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि संश्र अई०~2/37 ई० ई०/13811/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेज-2, वस्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर ध

प्ररूप आर्थ . टी . एन . पास . ------

आयकर जीधनियम ह 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के जधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (तिरीक्षण)

ग्रजन रंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 29 मध् 1985

निर्देश सं० श्रई०--2/37 ई० ई०/13801/84--85---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दाः:

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजाब मूंल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, जो, इमारत न० ए-3, 4 थीं मंजिल, अपनाघर को-आप० हाउनिम मोसाइटी लि०, ओजियरा, आफ जे० पी० रोड़, 4 बंगला के सामने, अंधेरी 📆 😦), बमबर्ड में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में जोर पूर्ण रूप से चर्णित है), और जिसका करोर्नामा प्रायकर भ्राधिनियम की धारा 269% ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिल्ड़ी है, दिनांज 25 श्रक्तूबर 1984 को पुर्वन्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान की गक् है लिए अन्तिरत निश्वास **म्भे यह** करने का कारण कि यथा पूर्विक्त सम्मत्ति का उन्तित वाकार मूख्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से मधिक ही और अंतरक (अंतरकाॅ) और अंतरिती (अंतरितियाॅ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायन गया प्रतिफल, निम्निकिक उनुषोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से काश्रित नहीं किया गया है े---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आग की गावड़, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के लिए;

जतः कवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुवरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् ह— (1) मेनर्भ नमर्थ डेव्नपमेंट कार्पेरिशन।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश नयंतींलाल इंजींनियर और श्रीमतीं प्रज्ञा नरेश इंजींनियर

(भ्रन्तरितीं)

को बहु सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पर्नति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्क्ति के वर्षक को संबंध में कोई भी जाश्रेप :---

- (क) इस स्क्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किए की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, को भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकालन की तारींच ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दितवक्ष कियी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोक्स्ताकरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को अकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिकाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस भी

पलैट नं०4 इमारत नं० ए~3, 4थीं मंजिल, अपनाघर को०-आप० हाउभिंग सोमाइटी लि०, ओणिखरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे०पी० रोड़, 4 बंगला के सामने अंधेरी (1०), बम्बई में स्थित हैं।

भनुसूची जैसा कि कार्ज संश्रिष्ट ०-2/37 है । हिंगी 3801 84-85 और जो अक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 251-0-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज--2, बम्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर 🖫

प्रकृप भाष्ट्री, दर्गी, एस. एस. प्रस्तुत जान अनगत

भागभद्र मध्यित्रयम्, 1961 (1961 मा 43) मी भाग 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सर्कार

कार्यां कर, सहायक आयंकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाव, 29 मई 1985

निर्देश मं० श्रई०--2/37 ई० ई०/13337/84--85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण थान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भिसे इसमें इसके परभात जिन्त अधिनियम कहा गया है), की भाग 269 के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उचित् बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 504, प्लाट नं० 68, जो, हमारत कमल अपार्टमेंटल, 4 बंगला, वसींबा, अंग्रेरी (प०), बस्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ल खंब अशीन तलम आधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 8 अक्तूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिकल् के लिए अन्तरित की गर्व है और मूक्ते यह जिल्लास करन का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित् बाजार मून्द्र, उसके क्यबान प्रतिकल् से, एसे क्यमान प्रतिकल् का बल्लाह्र प्रतिकत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल् निम्न्तिचित् उद्देश्य से उन्त अन्तरण निचित् में बास्तिक रूप से कथिक नृहीं किया नृषा है —

- (वा) समाहत वं हुद् किथी जात की वावस्ता स्थय क्षितियम् के अभीत कह दोने के कृत्रक के स्वित्य में कमी करने वा दबसे तजने में स्विधा के लिए; वाड/वा
- (क्ष) एसे किसी नाय था किसी धन या मन्त्र आस्त्रियाँ करें, जिन्हें आरतीय आयमर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या धनु-कर्ष विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) कें प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वाश्र प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा कें निष्

अता ज्ञान, उनके जीधीनियम की भारा 269-व की जनसरक और, भी, उनके जिथिनियम की धारा 269-व की उपभाख (1) को जधीन, निकालियिक व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- (1) मेसर्स भगत एंड "पूर हाउसिंग डेंचलेपमेंट (प्रा०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती यू० बी० व्हम्यूझ

(ग्रन्तरितीः)

(3) স্পল্লখন।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कृति यह सूचन। आर्ति करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के सूर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुते।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राज्यम में भकाशन, की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्सक्वनधी व्यक्तिस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताड़ीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताक्षरी के कुछ निवास में किए का सकारों।

स्पष्टीकरण : ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अभिनिसम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

वार्यस

फ्लैट नं० 504, प्लाट नं० 68, जो, इमारत कमल भ्रपार्टमेंटस, 4 बंगला, वसींवा, अंधेरीं (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं क्षिष्टिं -2/37 ई० ई०/13337/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मते दाम. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रेज-2, बम्बई

दिना ए: 29--5-1985

मोहर 🤫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-म (1) के समीन सुस्रना

भारत सरकार

कार्यालय, महाबक बावकर आयुक्त (निद्वीकण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिना: 29 मई 1985

निर्देश सं० ग्राई०--2/37 ई० ई०/13839/84--85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास'

बायकर बाधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारम हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० हम नं० 55, पहलीं मंजिल, अंधेरीं (प०), कम्बई में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और क्रिक्ट हम से विज्ञ है), और जितका रागरनामा आयार अधिनियम की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनार 26 अक्तूबर 1984। को पूर्वों कर संगत्ति के उचित बाबार मृत्य है कर लै स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि बचापुक्तित सम्मित का उचित बाबार मृत्य का कारण है कि बचापुक्तित सम्मित का उचित बाबार मृत्य अपना प्रतिफल का कारण है कि बचापुक्तित सम्मित का उचित बाबार मृत्य प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के प्रतिफल को एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितिषक उच्चरेयों से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तिक हैं भीर विवा एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकत, निम्नितिषक उच्चरेयों से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तिक रूप से कि स्वत नहीं कि सा गया है है

- (क) बन्ताद्रण से हुई किसी बाय की बावत उत्तर बधि। नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाबिस्त में कभी करने या उत्तर अपने में सुविधा के निए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या धम्य वास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, बा धन-केर क्षिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधाबनार्थ अन्तरिता स्वारा प्रकट नहीं किया यश था वा किया जाना चाहिए था, फियाने में स्विधा की लिए;

हर हत, उन्हें अधिनयम की धारा 269-व के अनुसरण के को, उन्ते अधिनियम की बाग 289-व की उपधार (1) हो तथीय, जिल्लीकरियन करिन्त्यों, स्वर्णत् (1) मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स

(भ्रन्मेर्ग)ज

(2) श्रीनती के० उमादेशे और श्री जगन्नाय राव (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकाहियां करता हुं।

्चवत सम्पति वह वर्षात ही सम्बन्ध में क्षेत्रई भी वाशेष 🚈

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध ना तत्त्रवेधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की वनिध, सो भी जनिय बाद में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकति।

स्पक्ष किरण: -- इसमें प्रवृक्त खब्दों और पदों का, जो स्वत्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में दिशा यहां हैं।

अनुसूची

"रूम नं० 55, रोजनलान शापिग आर्केड, जी पहली संजिल, जोरीं (प०), बर्म्ड, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं अई०-2/37 ई० ई०/13839/ 84-85 ओर जो उक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन्। 26 (10-1984 की रिवस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास, ज्याम प्राधिकारी, सटाय ः श्राय ःर स्मयुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज--2, बम्ब**र्ड**

दिनोह: 29-5-1985

भक्ष जाद¹.डर्र. एम . युवा_{र भवन सन्धन}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के अधीन कृषना

भारत प्रस्कार

कार्यांसय, सहायक आयकर आवृत्रस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० श्रई०-2/37 है० दै० $/13680/84 \cdot 85 - श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,$

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंते इतमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित वाशार मृत्य 1,00,000/-रु. से विधिक है

और जिसकी मं० कम नं० 57, पहली मंजिल, आफ जे० पी० रोड़, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से चर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयगर श्रधिनियम की धारा 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के आयिलिय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, दिनांक 20 प्रक्तुबर 1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पल्कह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफ स्नीम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर द्वान के अल्डिक का दानिस्क में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; ब्रॉर/मा
- (क) एची किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियत, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यस्ति ब्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, डिजान में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण क्रं, में अन्त मधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) में अभीतः निकारियक व्यक्तियों, अर्थात् रे----

(1) মানৰ্পাৰ্থ দ্বত দ্ব জিল্ডব্

(भ्रन्तरक)

(2) मनतं मलनमातं द्वारकादास (एच० यू० एफ०) (स्टारिका)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के अर्जन के जीलए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं ।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख के 45 विन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हिएवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्मष्टिक्तरणः --- इसमें प्रयुक्त कृत्यों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

जन्म प

"रूम नं 57, जो रोगनवान अप्रवाद णातिम आर्फेड, पहली मंजिल, प्राफ ने ० पी० राइ, अंधेरी (प०), अम्बर्ड, में स्थित है।

यतुभूवीं जैना कि कल्मल श्रईल-2/37 ईलईल/13680/ 84-85 और जो नजन प्राधिकारी श्रम्बई द्वारा ितंक 20-10-1984 को रजिल्ड किया गया है।

> লাধন : এ**ংক,** বেলার এটি**নিয়েবী,** ভারোগ : আজ্ফার সাম্ভান (বি জিলি**ল);** অমুদ্রি কীল-2, ল**ংভারি**

दिनोंक : 29-5-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई सम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13666/84-85--अतः - मझे, लक्ष्मण दास,

भायकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं रूम नं 48, रोशन लाल अग्रवाल गोपिंग आरकेड, आफ जें पीं रोड, भंधरी (५०) बम्बई में स्थित है (श्रौर अप्रमें उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, दिनांक 20 अक्तूबर 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उरभारा (1) के अधीन जिल्हानिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :—— 23—156 GI|85

1. मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. मेसर्स मिडटाउन हाउसिंग एजेंसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र के किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूत्री

रूम नं० 48, रोशनलाल अग्रवाल शोपिंग आरकेड, आफ जे० पी० रोड, श्रंधेरी (प०) ।

अनुसूणी जैसा कि क० सं० अई०-2/37 ई० ई०/13666/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण **वा**स, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक: 29-5-1985

मोहर इ

इक्य नहरं. डॉ. इन. एतं.------

भाषकार व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) वर्षे भाषा 269-म (1) के नमीन स्थाना

प्राच्य बहुकार्च

कार्काश्य, बहाबक जायकर आवृक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13252/84-85--अत: .मुझे, लक्ष्मण दास,

आवंकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें, इतके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के अधीन बक्तम प्राधिकारी की, यह विद्यात करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० रूम नं० 63, पहली मंजिल, आफ जें० पी० रोड, अपना घर के पास, श्रंधेरी (प०), वसींवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त संस्थित के उचित बाजार मुख्य से काल के दरशजान प्रतिकाम के जिल् अन्तरित की नहीं है और मुखे यह विश्वास कारने का कारण ही कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुक्य, उधको दल्यकाम प्रतिकास से, एंडे दरबमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अधिक ही और संतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंकरण के सिल् तय पाया गया प्रति-का, निकाणिकत उद्देश्य से उक्त मन्तरण निवित्त में बास्तविक हम में कवित्र नहीं किया गया हैं:---

- (क) बुलारण से हुई फिली बाव मही बाबस, उपक बाँधिनियम से सधीन कर दोने के बेलाएक के धानिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; बाँद/बा
- (च) एसी कियी नाय या कियी भन या वस्य वास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर नीचनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता निभीनवस, या धन-कर निभीनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना चाहिए था, छियाने से स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 1. मेसर्स आर० एम० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री राहियाबाय दाऊद रंगुणवाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्जे पूर्वोक्त संपत्ति के शर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति ने नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाकीप :----

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीन से 30 दिन की अविध , जो भी ।विध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृद्याय;
- (ज) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धुं किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रकर्भ सिंहित में किए जा सकींगे।

श्यक्तीकरण :----इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्दों का, जो उपत अधिनियम के जध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्यास में विद्या नवा हैं।

अनुसूची

ंरूम नं० 63, जो रोशनलाल अग्रवाल काम्प्लक्स, पहली मंजिल, आफ जे० पी० रोड, अपना घर के पास, धंधरी (प०), वर्सोवा, बम्बर्ड, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई०-2/37 ई० ई०/13252/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्ट हैं किया गया है।

लक्ष्मण दा**तः** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक: 29-5-1985

मोहर:

प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13253/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० शाप नं० 65, आफ जे० पी० रोड, एस० मं० 41, श्रंधरी (प०), बम्बई में स्थित है। (भीर इससे उपाबद्ध में स्थित है, श्रोर) जिसका करार-माम आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

को पूर्वास्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के बच्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं आर मुक्ते यह विक्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से ऐसे बच्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिचात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चित्र से उचत अन्तरण निचित्त के बास्तिक कप से कृत्यत नहीं किया नवा है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नानता, उनके अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक की श्रीयत्व में कमी करने या उत्तर्श बच्चने में सुनिधा के सिए; बीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी अन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम मी धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत अधीकतयों, अर्थात् ध--- 1. मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्त रक)

2. श्री एस० डी० नावीनी ग्रीर एस० पी० घनशानी (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, अ भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारी कर्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

स्वय्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त प्रक्षों और पत्रों का, जो उक्रत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ववा है।

प्रनुसूची

शाप नं० 65, जो आफ जे० पी० रोड़, एस० मं० 41, शंधेंरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई०-2/37 ई०ई०/13253/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर 🕃

प्रकप् शाह्ं, दी. एत्. एस्.-----

श्रायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

माउत प्रकाह

, कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई०ई०/13668/84-85---अतः, मुक्को, लक्ष्मण दास,

जारकर जिम्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 73, सातवीं मंजिल, ऑफ जे० पीं० रोड अपना घर के पास अंघरी (प०) बम्बई 400968 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कर्ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिमांक 20 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान इतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सस्पित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- ((क्ट) वन्तरुण से हुए किसी नाम की नावत उपत वाजि-ृतियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या इससे यचने में सुविधा हो निए, कांद्र/वा
- (क) एसी किसी नाम गर्निस्ती भन ना नाम नास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में शिष्ट;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण विक्र मिं, चिं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीना निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात् क्र---

1. मेसर्स आर० एन० ए० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती माया लालचन्द भांबानी ।

(अन्हरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के स्थित कार्यवाहियां करता हूं।

जबत स्मृतित् के ब्रावंन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित स्मित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपोक्त में हितबव्ध के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रकृति निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

वत्स्ची

रोशनलाल अग्रवाल शार्पिंग काम्प्लेक्स, फ्लैट नं० 73, जो सातवीं मंजिल, ऑफ जे० पी० रोड, अपना घर के पास, भंघरी (प०), वर्सीवा, बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई०-2/37 ई० ई०/13668/ 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण स्मिन् सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2,बम्बर्ष

दिनांक: 29-5-1985

मोहरः

प्रकप नाइ . टी . एप . एस . -----

वारकर विभिनियल 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुवना

शारुत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन जेज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंग 29 मई 1985

निदेश सं० अर्ह 2/37 ईई/13669/84-85---अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी संव फ्तेट नंव 64, लारंगा टावर, ऑफ जेंव पीठ रोड, एसवर्नंव 41, श्रंबरी (पव), बम्बई-400 058 में कियत है (प्रोर इसने उपाबद्ध अनुस्वी में और पूर्ण रू, वॉजन है), ग्रोर जिसका कराएनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 का,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीरही है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्नलिखित उद्विश्य से उच्त अन्तरुण निवित्त में वास्त- सिक स्प से क्षित नहीं किया गया है.....

- [क) अन्तरक से हुइ किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक औं धायित्व में कमी कूरने या उससे वचने में सुविधा के सिष्ट, और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

क्रक, ज्व, उक्त अभिनियम, की भारा 269-न की जनुसरक् की, में र उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधाय (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों। अर्थात् ध— (1) मेसर्स आए०एन०ए० बिल्डसी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राहुल जैन ग्रौर श्रीमती निधी जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां क्र<u>दता हु</u>ै।

स्वयु संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हां सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रा
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया नया है।

नन्स्ची

रोगनलाल अग्रवाल कामःलैंक्स, पलेट नं० 64, जो सारंगा टावर, ऑफ जेंग्पी० रोड, एस० 41, ग्रंधेरी (प०), बम्बई 400 058, में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई 2/37 ईई/13 श्रीर जो उन्नम प्राधिहारी, बन्बई द्वारा दिनोक 20-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहर 🗈

श्रक्ष बार्च . ही . एवं . एवं .;नवहत्ववववववव

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अभीन सुमना

भारत बुरका

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अम्बर्ह

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० अर्र-2/37-र्र्ड/13670/84-85—अत. युझे, लक्ष्मण दःस,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रामें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 84, आठवी मंजिल, सारंगा टाक्कर, अभ्रुफ जे॰पी॰ रोड, भ्रांधेरी (प॰), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वो कत संपरित को जीवत बाजार मृत्य भे कम के दरमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का जीवत बाजार जून्स, उसके दरमान प्रतिफल के, एसे दरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम क्या प्रतिफल, निम्निखिखत उद्देश से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिमक रूप से किथत महीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितिया, के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निएं

क्तः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए से बगुकरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्मिशिक व्यक्तियों, कर्यात्:— (1) मेसर्स आर०एन०ए० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक लालचन्द भौदानी।

(अन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त प्रस्पत्ति के बर्वन के जैब्द कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

धक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीए भी बाक्षेत ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की संबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिभ, वो भी संबंधि नार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (व) इब् भ्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय है
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब्ध किसी बन्न क्यक्ति इंगरा वभाहस्ताकरी के पाठ सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और मवों का, जो उन्हों विश्वित्रका, के बध्यास् 20-क में परिशाषिक हैं, मही वर्ष होगा, को छस् अध्याय में स्विता प्या हैं।

अगस्यी

रोगननाल अगरवाल काम्प्लैंक्स, फ्लैट न० 84, जो आठवीं मंजिल, सारंगा टावर, आफ जे०पी० रोड, म्रंघेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कञ्सं० अई-2/37 ईई/13670/8८-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण **यानु** सक्षम प्राधिकाँसी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेजक्2, सम्बर्ध

तारी**ख**: 29-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/13255/84-85—अतः युस्रे, लक्ष्मण, दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सब्य प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पनेट नं 21, दूसरी मंजिल, आफ जे पी रोड, वर्षीता, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिनहा जरार तमा आयहर अधिनयम की धारा 269 त.ख के अधीत अत प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविध के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैससं आर०एन०ए० विल्डासं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वरोनिका मोली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबित मों समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

वन्स्यो

पलेट नं० 21, जो रोशनलाल अगरवाल काम्प्लैक्स, दूसरी मंजित, आफ जे०पी० रोड, वर्सोवा, फ्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कं०सं० अई-2/37-ईई/13255/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5-10-1984 को रजोस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

तारीख: 29-5-1985

योद्गर 🖫

प्रकथ आहु . टी . एन् . एक् . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रारत बरका

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 29 मर्ष 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/13671/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ब्र्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फलेट नं० 64, छठी मंजिल, मंजु टावर, आफ जे०पी० रोड, एस०नं० 41, अधेरी (प०), वसीवा, बम्बई-400058 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणा है), और जिसका करारकामा अकार अधिनाम की धारा क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यात्व, बम्बई में रजीस्त्री है, तारीख 20-10-1984 को प्रश्नेका सम्पत्ति के जिनत बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्त का निम्नलिखत उद्धिय से सक्त मन्तरण निचित में बास्तिच्छ रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण तंहुई किसी बाम की बावस, स्वयस्त अधिनियस की जधीन कर दोने के जनसरक की दासित्य में कमी करने वास्तवसे वचने में सुविचा और जिस्: आर/सा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय भाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में द्विभा की जिए।

क्त: अब, अक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुकरण के, मे, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की सपभारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, सर्थात ध--- (1) मेतर्स आरः एन ०ए० विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीनती जनगर अमीर।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हु∸।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह हैं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पाल लिसित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 64, जो रोशनताल अगरवाल काम्प्लैक्स, छटी मंजित, मंजु टावर, आफ जे०पी० रोड, एस०नं० 41, छंत्रेरी (प०), वर्सीवा, बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूवी जैसा की क॰सं॰ अई-2/37-ईई/13671/84-85 ग्रीर जी समम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांब 20-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण र्षास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-2, बम्बर्ष

तारीव : 29-5-1985

प्रकृष बाह् । द्वा , एवं , एवं , क्वल्ल्ल

भावकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीन स्थान

प्रारक परकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आवृत्रसः (निरीजन)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश सं० श्रई-2/37-ईई/13840/84-85—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबाद मृस्य 1,00,000/- क से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० रूम नं० 42, बी-स्कंध, स्नार्केड, श्रोणिवारा, अधिरी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध निर्मूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क.ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 26-10-1984

को पुनिका सम्पति के उत्ति आजार मुख्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तिरित की गर्ड है और मुझ यह निर्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सो, ऐसे द्श्यमान प्रतिफल का नेवह प्रतिफल का निर्वात से निषक है भीर नंतरक (नंतरकों) भीर नंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्मिशिबित उद्देश्य से उपत मन्तरण मिचित ने गरितिक प्रस् भी किया गया है एक्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय शयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

बतः वयः, हक्त विधिनियमः, की भाग 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) असीत किस्सी पेक्ति व्यक्तियाँ वर्षात् क्ष्मा

24---156G1/85

- (1) मेसर्स ग्रार०एन०ए० बिल्डर्स।
 - (भ्रन्तर्भ)
- (2) श्रीमती नीलु एम० बचानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज कत संपरित के कर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की जबिध या तल्स वंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क)। इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीत के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अभोहन्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकी।

स्थानिकरण:---इसमें प्रयुक्त भव्यों जरि भवों का, जो उक्त अर्थिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नेता हैं।

वन्स्ची

रूम नं० 42, की रोणनलाल ग्रगरवाल शापिग आर्केड, बी० स्कंध, आर्केड, श्रोशिवारा, श्रंधेरी (प०), बम्बर्ड में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० स्रई-2/37-ईई/13840/84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारः दिनांक 26-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी भहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज-2, बस्वई

तारीखः : 29-5-1985

मोहर 🖫

प्रकल बाह्य हो . एव . एक_ --------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, संहायक नायकर आयुक्त (निर्दीक्षण) प्रज़ीन रेंज-2, वस्नई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/13675/84-85—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'स्वत जीभीनमा' कहा गया हैं), की बादा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्मस्ति जिसका उर्जित नाजार मृत्य 1,00,000 क. से निभन्न हैं

श्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 101, दसवीं मंजिल, श्राफ जी०पी० रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400 052, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2-10-1984

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्तें यह विश्वास अरने का कारण हैं कि व्यापूर्वेदत सम्पत्ति का अनित बाजार बूक्य, खबसे स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बुक्य, बिल्के स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बुक्य प्रतिस्वत से सीम हैं और संसरक (संतरका) और संसरिती (संतरितियाँ) से बीम एसे अन्तरम से तिए तम पाना भया प्रतिक क्य दिल्लेकिक स्वयंक्त से स्वयं संतरम दिल्कि में शास्त्रीयक स्प से किथत नहीं किया गया है है——

- (क्क) सम्बद्ध में हुई कियी अपन को बावस बन्ध विच-नियम के अधीन कर दोने के अदारक के दायित्य में कामी करने या सममे बचने में सुन्तिभा के निमा अध्या/वा
- (व) इंकी फिली बार वा किकी पर वा कर्य जारित्वों को, विकृष्ट शारतीय वादकर निर्मायक, 1922 (1922 का 11) या उनते निर्मायक, वा सर्वकर विभिन्नक, वा सर्वकर विभिन्नक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षणार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया का विकास स्थान स्थान

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 26०-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन, निम्तिचिक्त व्यक्तियों, स्थिति ध--- (1) मेसर्स भ्रार०एन०ए० बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

(2) श्री सुरेण कोडुमाल रामचन्दानी श्रीर श्रीमती भगवती रामचन्दानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षक के किय

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोड़' भी बाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की मदिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की बदिभ, जो भी श्वीभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी स्मीवत इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के क्यों सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त नहेंभूनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषिक है, यही क्षे होना को उस सभ्याय में दिया क्या है।

सरसंबी

रोशनलाल अगरवाल काम्प्लैक्स, जो फ्लेट नं० 101, दसवीं मंजिल, श्राफ जै०पी० रोड, श्रंधेरी (प०), बम्बई 400 052, में स्थित है।

र अनुसूची जैसा क॰सं० अर्द्ध-2/37ईई/13675/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

नारीख: 29-5-1985

प्रकृत सार्व सी प्रमृत्य अन्यवस्थान

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के ब्रुभीन सुचना

शाहत बरकार

कार्यांसय, सहायक सायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई ... बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13254/84-85----ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करूने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से मिनिक हैं

्रश्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 51, पांचवी मंजिल, वर्सोवा, श्रीर जिसकी ए०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूख्य से कम के क्रथमान ब्रिटिफ स को लिए अन्तिद्वित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूख्य, असके क्रयमात प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के मुद्ध प्रतिशत स बाधक ही और जतरक (अंतरका) और जत-रिती (अंतरितिया) के बाब एते जंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफुल निक्निस्कित जहुद्धारेय से उचेत अंतरण मिहिका के बास्तिवक रूप से कृषित महीं किया गया है है—

- (♥) ब्रुच्हल भी हुई ब्रिस्टी आप की बावक्त उपल ब्रुचितिवम के अभीन कर बोने के बन्तरक के खावित्व में कभी करने या उससे बचने में ब्रुविधा के निष्ठ; ब्रॉचिट/या
- (च) एसे किसी आय या किसी भन या जन्म जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूज-कूद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ जन्तिरती ब्वास प्रकार नहीं किया व्या भा या किया जाना जाहिए था, जियाने में तृतिया के लिख ।

अतः अव, उक्त अधिनिवस की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, कक्त सिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वै सक्ति किनितिक्त व्यक्तिकर्ते छ अर्थात् कें— (1) मेसर्स ग्रार०एन०ए० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रगनेस कार्मिलैन डीसुआ ।

(भन्तरिती)

को वह बुधवा बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिवस कार्यवाहियां बुध्क करता हां।

उपन मुक्तिया के बुर्वन के सम्बन्ध मी काई भी नाक्षेत्र

- (क), इस बुच्या के रावपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की शविध या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति स्थाय अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए का सकोंगे।

स्वक्यकरण :---इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्य विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया विवाद !

बन्सूची

प्लेट नं० 51, मंजु टावर जो रोशनलाल ग्रगरवाल काम्प्लैक्स, पांचवी मंजिल, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई, में स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसा अ०सं० श्रई-2/37-ईई/13254/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लेक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

प्र**च्या नार**्ड<u>ी, ए</u>न्, पुर ,

नायकर मोधनियम 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) से नधीन स्थना

HITCH STATE

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

🕟 बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/13674/84-85—श्रतः मुसे, लक्ष्मण दास,

नाथकर मिनियम 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित थाजार मृज्य 1,00,000/-रा से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० पलेट नं० 83, श्राठवीं मंजिल, संतोष टाव्र, श्राफ जे०पी० रोड, एस० नं० 41, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रिक्षितयम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजास्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित भाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकान के निए जन्मीरत की गर्व है जीर मून्से वह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्मरिती (अन्तरितिकों) के बीच एवे अन्वरण के निए तम गाना गया इतिकास, विश्वासिंध ज्यूबोन से उन्त सम्बर्ग विश्विकें में बास्तिक रूप से स्वीवस नहीं किया नवा है रे---

- (क) अध्यक्षण वे हुई विक्ती थान की यानक, कर्यक्ष अधिनियंत्र के नथीन स्टब्स वर्ष में बन्दरक के विदिश्य में क्यी करने वा बद्दवे चुनने में बुनिया के लिए; मीर/या
- (ख) होती किसी बाब वा किसी वृत्त वा कृष्य वास्तियको को, विक्र वारतीय बाब-कर वीवित्रवय, 1922 (१922 का 11) वा उच्छ वीवित्रवय, वा धनकए विवित्रयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहियेथा. छिपान में तृत्रिया के जिल्हा

ं जतः अयः, उथ्यः अधिनियमं की भारा 269-गं की अनुसरण कों, मों, अवस अधिनियमं की भारा 269-भं की उपभाग्र (1) कों क्रभीत_न निम्नकिश्वित व्यक्तिकों अर्थात् कार (1) मेसर्स भार०एन०ए० बिल्डसं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्द डी० पंजनानी ग्रौर श्रीमसी कमला जी० पंजनानी।

(भ्रन्तरिती)

बाँ बहु सूचना जारी करके पृत्रोंकर सम्परिष्ठ औं अर्चन के बिए कार्यवाहियां करता हुए ति

बब्द बन्दित के बर्चन के बुम्बन्य में कोई भी मानेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बद्दिय ना तत्स्वन्ति में क्यूनित्वों पर क्यूचना की तामीस से 30 दिन की नविष, को जी अवस्थि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर क्यूचिता में से किसी स्पन्ति व्यापत.
- (ज) इस सूच्या के राष्य्यत्र में त्रकासन, की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्य किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पूर्ण निवास में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्क वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवर क्या हैं।

reed!

फ्लेट नं० 83, को रोशनलाल श्रगरवाल कार्स्पलैक्स, ग्राठवीं मंजिल, संतोष टावर, श्राफ जे०पी० रोड, एस०नं० 41, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी अ०सं० श्रई-2/37-ईई/13674/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दोस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 29-5-1985

नोइट 🗷

प्रकल नार्द्र द ु हुन्, एस , - - ---

शरवकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुकना

. भारत श्रूप्याप्ट

कार्याचय , सहायक नायकर थाय्यस (निर्धाण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश, मं० अर्ड 2/37 ईई/13673/84-85——अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास कर्म का कारण है कि स्थावर सम्प्रित, जिसका जीनत बायर मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ुर्यौर जिसकी संव फ्लेट नंव 53, पाचवीं माजल, मंजू टावर, क्योंका, प्रत्येरी (पव), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसके ्डपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिनका हरानामां कारकर कारान्यम को धारा क्विटिश के,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उणित वाजार मृत्य से क्षम के स्वमान श्रीत्रकृत को कारण है कि मुभापूर्वोक्त सम्मत्ति को उण्डि वाजार करने का कारण है कि मुभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उण्डि वाजार मृत्य, उसके स्वमान प्रतिकत है, एसे स्वमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत से शिक है और अन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से निए तथ बाग गया प्रतिकत, निम्नतिकत उज्ज्वदेश से उक्त अन्तरण निकत में वास्तिक क्य है सिक्त महीं किया क्या है :---

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी बाय की बाबस उपक समितियम को संधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी कट्टने या उससे बचने में सुनिधा को लिए आर/वा
- (क) श्रीती किसी बाय या किसी वन या जन्य आस्तियों की हिन्दू जारतीय जायकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनिवस, या धन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) जे अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) जे अधिनिवस, विस्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना वाहिए था, जिनाने में सुनिवस के सिए;

वतः वतः, उत्तर स्थिनियमं कौ थातः 269-त कौ वनुसर्थ कौ, कौ, उत्तर अधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) कुं अधीतः, निर्मामिषित व्यक्तिकों, नृष्यात् क्रिक् (1) मेसर्स आर०एन०ए० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुमित्रा जी० रावा।

(अन्तरिती)ः

को यह सूचना आदी करके पूर्वोचक सम्बद्धित के वर्णन के निव् कार्यनाहियां भूक करता हो।

उन्त क्रमांत के कर्मन के बंजान में कोई भी बार्सन ह---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की जमीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की दामीन से 30 दिन की नवीभ, जो से मुक्तीय बाद में सबान्य होती हो, से भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजकन में प्रकासन की बारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बद्भ किसी मन्त्र म्यक्ति द्वारा अधात्स्ताक्षरी न्ते पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विचा वदा है।

over1

फ्लेट नं० 53, जो रोशनलाल अगरवाल कामःलैकः,, पांचवीं मंजिल, मंज् टावर, वर्सोवा, ग्रन्धेरी (प०), बम्बई, में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क॰सं॰ अई 2/37 ईई/13673/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राटा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गर्या है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, **बम्बई**

तारीखं: 29-5-1985

९क्ष **अ**हाँ टी.**२**५.**एस**.-------

भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, वहायक भागकर नागुक्त (निर्देक्तिक) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिलांक 29 मई 1985

निदेश सं० अर्ध 2/37 **१६**/13256/84-55—अत: मृ**हो**, लक्ष्मण दास,

भावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके देवने प्रवाद 'उक्त वृधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी मं० रूम नं० 61, पहली मंजिल, अधेरी (प०), वर्सोवा, बम्बई, में स्थित हैं (ग्रांर इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 का ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 5-10-1984

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफण के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अविक प्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच प्रेसे अंतरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निसिस्त उद्ववस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की नावता, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य हों कमी करने वा उससे वचने में अधिका के सिक्; बौट/वा
- (ण) एसी किसी नाम या किसी भन या नम्य नारितयों को, जिन्हों भारतीय नामकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 1) या एवत किसीनयम, या वक-कर कृष्णिनयम, या वक-कर कृष्णिनयम, 1957 श्री 1957 के प्रवोचना नार्थित हुनाहा प्रकट नहीं किया गया था वा किया पाना पाहिए था, क्रियान में गृहिशा के सिए;

श्रतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण का, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की सभीन, निस्नितियत व्यक्तियाँ, अभीत्ः—

(1) मेसर्स आर०एन०ए० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री आगनेली श्लांसिस फर्नाडिस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरी।

स्पक्षिकरण: --इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्यों का, जो उक्त व्यापिक्ष, के क्ष्याय 20-क में प्रिभाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में विका क्या है।

नुसूची

रूम नं० 61, रोशनलाल अगरवाल शोषिंग आरकेड जो पहली मंज्ञिल, ग्रंधेरी (प०), वसोंबा, बम्बई में स्थित है। अनु त्वी जैसा की क्र०सं० अई 2/37-ईई/13256/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रावकर ग्रायुक्त (निरीक्ष्णी) ग्रार्जन रेंज-4, बर्मबर्ड

तारोख : 29-5-1985

प्रक्प बार्ड, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-व (1) अने मधीन स्वना

भारत वरकाच '

कार्यालय, बहायक जायकर नायुक्त (निहाक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/13612/84-85--- प्रत: मुक्षे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 709, जो, 7वीं मंजिल, ध्मारत मंग्नम टॉवर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वसोंबा, अंधेरी (प०), वम्बई में स्थित है (और चिम्ने उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के काममान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई और मुभें यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है 🖫 🖛

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाब्त, उक्त भाष-विधिनियम के अधीन कर बोग के असरक व दायित्व में कमी करते या एक्समें अवने में। नाविधा के तिए; जीद्व∕या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता समिनियमः सा अन-कर बार्जानयम, 1557 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, कियाने में स्ंत्रधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नशिष्टिक स्वनित्तवों क्र अर्थात् च—

'(1) मेसर्स लोखंडवाला ६स्टेटस एण्ड डेव्हकोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी विद्रशी ए० ग्प्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके वृंबेक्सि सम्पणि के अपन के निग कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की शारीख हो 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर · सूचनाकी तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी जनिक बाद में समाप्त होतीं हो, के मीलंट पृथींक्स व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति दुवारा;
- इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्वेद की 45 दिन की भीतार उचित स्थावर संस्थित में हितबहुन किसी अन्यं व्यक्ति दुवारां अभोहस्ताक्षरी के पास लिहित में किए जा सम्बन्धः

ल्ब्ब्बीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो · जिभिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित 🌉 , वहीं अर्थ होगा को उस्त अध्याय में दिया वबा 😵 ।

मगुष्यी

फ्लंट नं० 709, जो, 7वीं मंजिल, इमारत मंग्नम टॉबर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (अंश), 4 अंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37-ईई/13612/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बर्ड बारा दिनांक 19-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 31-5-1985

मोहर ध

प्रारूप आहें . दी . एन . एस . ------

आयकार व्यक्तिसम् । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन संचना

मारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आवकर बायक्स (विरीक्स)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13610/84-85--- प्रत: मझे, लक्ष्मण दास

नायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपत वर्षिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के लभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000 ∕- रऽ. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 710, जो, 7वीं मंजिल, इमारत मंग्नम टॉवर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (अंग), 4 अंगला, घर्सोवा, अंधेरी (प०), ब म्बई में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा, ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क. क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पर्वेक्ति सम्परित के उर्वित बाजार मृत्य से कब के कायमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मफ्तेयह विश्वास **कारने का फारण हैं कि संभापनीक्त संपत्ति का उन्हित** जागाइ मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण सं शुर्व किसी साथ करें नातन, ३ ५५५ अभिनियम को अभीन कार दोने भी अस्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में के विष्: करि∕वा
- (च) एसी किसी नाम मा किसी भन मा कला क्लोलको को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त. विधिनियम, या धंन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोषनार्थं अन्तरिसी बुवारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सिपाने में मिशा के निए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1). के प्राप्तीन नियमितिकारियत कावितयों, अभावाध-

- (1) मेसर्स लोखंडवाला इस्टेटस एण्ड डेब्हलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) कि०। (श्रन्तर्क)
- (2) श्री श्रनील कुमार एन० गुप्ता। (अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के निर् कार्यवाहियां शुरू करता 🕰।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकातन की तारीच 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बंबीय बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पर्वोचत न्यनित्यों में से किमी न्यन्ति दवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम के भौतर जक्त स्थावर संपंति में हितववध किसी गन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पा= लिकित में किए आ सकारी।

स्वकाकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदी का, वा अवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, बहु कर्य होना को उस बध्याय में किना ंगमा 🗗

फ्लैंट नं० 710, जो, 7 वीं मंजिल, इमारत मंग्नम, प्लॉट नं० 357, म० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, - अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ५० सं० अई-2/37-ईई/13610/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बमबई ब्रापा दिनांक 19-10-1984 को रजीस्टर्ध किया गया है।

> लक्ष्मण दास ं सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

नारीष : 31-5-1985

प्ररूप आह्^र. टी. एन. एख.-----

नायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मुधीद सुचा

भारत प्रस्कार

कार्यानम्, सहायक नायकर आवृक्त (पिट्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/13609/84-85—-श्रत: मुझे, लक्षमण दाग

कावकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिक परवास् जिक्स अधिनयम कहा गया है), भी भारा 269-क के नधीन सभाग प्रधिकारी को, यह विदया करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उधित नावार मूक्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 712, जो 7वीं मंजिल, प्लाट नं० 357, मग्नम टावर्स, एस०नं० 41(श्रंश), 4 बंगला, बर्मोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इनसे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क. प्रारं श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, सारीख 19-10-1984

को पृथिकत सम्पर्शित के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि वभापूर्वों कत समपित का उपित बाजार बुख्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एपे आमान प्रतिफल का प्रमुख्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एपे आमान प्रतिफल का प्रमुख्य मितास से जिभक है और अन्तरक (जनारकों) और अंतरिती (अन्ति तिकों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तथ पाना गया प्रतिकाध कि विश्वामितिकों उद्योध के अन्तर अन्तरक कि विश्वास के अन्तरित कर विश्वास के अन्तरित कि विश्वास के अन्तरित के बीच एसे अन्तरित अन्तरित कि विश्वास के अन्तरित कि विश्वास के अन्तरित कि विश्वास के विश्वा

- (क) जन्तप्रस्थं चे चूर्यं किशी मान की वान्त्र उन्नत्त विधितिश्व के स्थीन कर बोने के सन्तरक क वायित्व में अभी करने या उसके वभने में स्विभा के लिए; बीर्/बा
- (क) एती किसी आय या किसी धन या कत्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजभार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भवा वा का फिना बाना वाहिए था, दिनावें हो सुनिधा के सिए;

करूप वय उचल विधिनयम की भार 269-न के अनुसर्थ थें, भें, उपत विधिनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— 25—15661/85

(1) मेसर्स लोखंडवाला इस्टेट्न एण्ड डॅव्ह्लापमेंट कंपनो (प्रा०) लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी विष्या ए० गुप्ता।

(अन्तरिती)

श्रद्ध श्रुप्ता वारी अरले प्यांच्य तन्त्रीत्व के पूर्वत से विह कार्यवाहिमां कपुता हु

क्ष्यत सम्मति के अर्थन के सम्मन्य में कोई भी बार्सप्ट-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिय की ब्यांच्या वा ब्रह्मुम्बस्थी व्यक्तियों पूड स्वाम की तानीब से 30 दित को जनिष्, जो भी ब्रह्मी वानी में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्या क्यांच्या क्यांच्या में से किसी व्यक्ति ब्रह्मारा;
- (स) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारींच वे 45 विश्व के भीतर अक्त स्थावर स्थानित में हिन्दबूध विजयी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोइस्ताश्रा के पान तिचित में किए या क्योंने !

स्वक्रीकरणः -- इत्रक्षं प्रयुक्त वृक्षां नीह वृक्षं स्वाध क्षेत्र वृक्षं स्वाध क्षेत्र वृक्षं स्वाध या या वृक्षं स्वाध या या वृक्षं स्वाध क्षेत्र स्वाध या वृक्षं स्वाध क्षेत्र स्वाध या वृक्षं स्वाध क्षेत्र स्वाध

ग्रनुमुची

फ्तेट नं 712, जो 7वीं मंजिल, प्लाट नं 357, इमारत मन्त्रम टावर्म, एस०नं 41(ब्रंश), 4 बेगला, वर्मोता ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुपूर्वी जैसा कि करु मंठ अई-2/37-ईई/13609/84-85 श्रीर जो सज़स प्राविकारी, यम्बई द्वारा दिनांक 19-10-1984 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सञ्जम प्राधिकारी गहाया आयजर श्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रजीत रीज-2, बम्बई

हारीख : 31-5-1985

क्षेत्रर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस..-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश मं० श्रर्ड-2/37-ईई/13611/84-85---अत: मुझे, लक्ष्मण बाय.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 4सके परणाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 169-स है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- जिस्से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फोट गं० 711, जो 7वीं मंजिल, इमारत में तम टॉवर्म, फ्लॉट गं० 357, एस० गं० 41(श्रंश), 4 बंगला, बर्मोवा, श्रंधेरी (प०), व्यवई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास एरने का कारण है

क यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृद्ध रूप से कथित पृष्टी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के धायित्व मी कमी कमने या उससे बच्हों सो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंगी कियो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उवन अधिनियम की धारा 269-म के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 200 प की उपधारा (1) हे अधीर, निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेनर्स लोखंडवाला प्रिमायनेस (प्राईवेट) लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रलका ए० गुप्ता। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरे भी अविध साव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विद्ध-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 711, जो, 7वीं मंजिल, इमारत मॅग्नम टॉवर्स, प्लॉट नं० 357, एस०नं० 41(श्रंश), 4 बंगला, वर्सोबा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ०मं० श्रई-2/37-ईई/13611/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनां त 19-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 29--5-19**8**5

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.------

भावकार व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के व्योग स्वाना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक वायकर वायक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० म्रई-2/37-ईई/13613/84-85---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संवीत्त, चित्रका उचित वाचारु मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, प्लॉट नं० 344, एस०नं० 41 (श्रंश), सिम्फोनी-बी इमारत, 4 बंगला, वर्मोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर स्मेस उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रंधेर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 19-10-1984

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मृतित का अर्थित बाजार अरूप, उसके क्यानाच प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रति-क्या निम्नसिवित उच्चेष्य से उच्च अंतरण सिवित में बास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सम्प्राप्त में हुई फिली बाव की वाचव क्षयक शीधनियन के स्थीप कड़ दोने में सम्बद्धक की दारिक्क में कमी शहने वा छत्र के नजने में सुडिधा के लिए; शीद/या
- (क) क्रेसी किसी बाव या किसी धन वा बुन्य वाक्तिकों कर, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने कें सुविधा कें सिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-च के, अनुसरण कें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन मिम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस, (प्रायवेट) लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री छेडा बी० केणवजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अन् सूची

फ्लेट नं० 604, जो, 6 वीं मंजिल, प्लॉट नं० 344. ए.स०नं० 41(ग्रंश), सिम्फोनी-बी०, 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की क॰सं॰ ग्रई-2/37-ईई/13613/84-85 ग्रीर जो सक्षमपुप्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहर ः

प्रस्य नामी ती. एस. एवं, -----

जायकर भीभिनियम: 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सहकाड

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्जाक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/13607/84-85--श्रतः मृक्षे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूप से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 604, जो, 6थी मंजिल, प्लॉट नं० 338, एस०नं० 41(श्रंश), हमारन श्ररेता-बी, 4 बंगला, वसॉवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रौर जिसका करार्नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्दी हैं, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किश्ति नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बानत उक्त अधि-शियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायिक में कमी करने या उससे अधारे में सुनिभा के लिए और/का
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया स्था था सा किया जाना चाहिए था., कियाने में स्विधा से सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखितः ध्यकिन्तो, अर्थात् :—

(1) मेयर्स लोखंडवाला प्रमायसेस (आयवेट) लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बीव वसंथ और श्रीमती शालिनी वसंथ। (श्रन्तरिती)

को यह स्वाग शारी करके पृथालित सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू अरता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप अ-

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी कु हैं 45 विन की अविभ का सत्त्रस्थान की स्पृतितयों कुर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविभ, का भी अमिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानत्यों में से कि की व्यक्ति होता;
- (क) इस सुक्रमा के राजपन्त में प्रकाशन की दादीस संवी 45 विच के बीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी सम्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांचे मिथित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, जा अक्स अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

मनुसूची

पलेट नं० 604. जो, 6वी मंजिल, प्लॉट नं० 338, एस०नं० 41 (ग्रंश), इमारत श्ररेना-बी, 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०सं० श्रई-2/37-ईई/13607/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहर 🖫

प्रसम् आद्र्रे,टी.एव.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भूषीन सुपना

भारत संस्कार

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बण्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश मं० ग्रई-2/37 ईई/13985/84-85--श्रतः, मझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य,, 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 402 जो 4थी मंजिल इमारत रे किस्की -ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (श्रंभ) 4 केंगला क्सोंबा, श्रंधेरी (प), बम्बई -58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशितयम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन राक्षम श्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 29 श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, एसे खरयमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त बिक कम से क्रिकत नहीं किया गया है :---

- (क) अम्पर्थ सं हुए किसी बाब की बाबस, सबस अभितियम् के अभीत् कर दिने के अन्तुरक की समित्यु में कती करने या उससे बचने में सुनिया के लिए; बॉड/या
- (क) एके किकी बाव वा किथी अनु सा विष्युं कारिएकों का जिल्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवद अधिनियम, वा वृष्युं कह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ बन्दिरती व्याप्य प्रकट वृहीं विष्या व्याया या किया बाना वाहिए था, कियाने में सृत्या के किए।

जता जन, जनत जभिनितम को धारा 269-न के अनुसरण भो, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलितिक व्यक्तिमीं, अथिति ह—

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रमायसेस (प्रायवेट) लि॰। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रकाश पिताम्बर पंजाबी । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीच्यु स्थ्यूसि के बर्चन के विष्

बक्त कम्पत्ति के व्यक्ति के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप् 💝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूद सूचना की सामीस से 30 दिन की जब्धि, खो और जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ क्योंक्तयों में से फिसी व्यक्ति द्यारा;
- (व) इत स्वना के राजपण में प्रकासन की तार्दीय के 45 बिन के भीतर जन्म स्थानर सम्पत्ति में हितककृष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास त्रिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाकित्य :--इसमें प्रमुक्त सम्बों और पवों का, को उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गुया है।

मन्म् जी

फ्लैंट नं० 402 जो 4थी मंजिल, इमारत रेसिडेंसी-ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41(श्रंग), 4 बंगला, वर्मोवा; अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कर मंश्र ग्रई-2/ 37 ईई/13985 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 29 ग्रक्तूबर 1984 को रिजिस्ट्रड किया गया है।

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 29-5-1985

मोहरू 🛭

निदेश

र प्र**क्षम् आह**ै, टर्डि. **एव**ं . एकः -----------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यां नय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

. ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985 सं० ग्रई-2/37ईई/13986/84-85--अतः,

मुझे, लक्षमण दास जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 404 जो 4थी मंजिल इमारत रेसिडेंसी— ए० प्लाट नं० 38, एस नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला बर्सीवा श्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है श्रीर इस रा उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 29 श्रक्तुबर 1984

करें पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्दरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त व्यिधिन्यम, वा धय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकालनार्थ न्यांडिकी इवारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना नाहिए था, जियाने में सुनिधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कुं अधीन्, िरामनिश्चित व्यक्तियों, प्रभात् —

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्रायवेट) लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्री पितांबर एम० पंजाबी श्रौर श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

कार्रे यह स्थाना जार्री कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के ाक्ष्य कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षु किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पार्क लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिल्लियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र प्र

'फ्लैट नं० 404 जो 4थी मंजिल इमारत हैरेसिडेंसी ए, प्लाट नं० 38, एसं० नं० 41(श्रंष), 4 बंगला, वर्सीबा, श्रंधेरी (प०), बम्बर्ध में स्थित है।

सनुसूची जैसा कि कि सं सई-2/37-ईई/13986 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29 स्रक्तूबर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण द्भूम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज - 2, बम्बई

िदनांक '- 29-5-1985 **मोहर** ध प्ररूप , आर्ड्, टी. एन् , एस् : = = = =

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीद स्चना

भारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13987/84-85---**ग्र**तः

मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, जो 4थी मंजिल, इमारत रेसिडेंसी— बी, फ्लॉट नं० 38 एस० नं० 41 4 बंगला क्योंवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 29 श्रक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्र इस्प के किथत नहीं किया गया है इ—

- [क], बन्तरण सं हुए किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या प्रत्ये प्रचन में मृदिधा के विष्यु; ब्रोड/बा
- (ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 25) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिनाते के प्रयोजनार्थ विद्या

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्रायवेट) लि॰ (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चंद्रा जी० पंजाबी । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं.

जनत तस्पीत के वर्षन् ते संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र तें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी बन्य व्यक्ति व्यास, अभोहस्ताक्षद्री के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ्—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्थी

पलैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत रेसिडेंसी-बी, प्लॉट नं० 38, एम० नं० 41 (पार्ट) 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०) वस्वई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी करु मं $3 \frac{1}{2} - 2/37 - \frac{1}{2} \frac{1}{2}/13987$ 1984-85 और जे। अक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 29 अक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

दिनोंक : 29-5-1985

ग्रोहर 🦸

प्रकप् जाद^क, ट**ि.एन** .एस .,-------

जायकर जि.भीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 29 मई 1985 निदेश सं० मई-2/37-ईई/ 13988 /84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, जो 4 थी मंजिल, प्लॉट नं० 38, इमारत रेसिडेंसी-बी एस० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला बसोंबा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 29 ग्रक्ट्बर 1984

को पूर्वेक्स संपत्त के जिन्हा बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन अपर दोने के अन्तरण के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

करः: कव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, कर्षात् हु---

- (1) मेथर्म लोखंडवाला जिलायसेय (प्रायवेट) ित्र (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोगिरधारो मंत्रतमल पंजार्वत

(श्रन्तरित≀)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिस-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाष्टित ही, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मगस पी

फ्लैट नं० 403, जो 4थी मंजिल, प्लॉट नं० 38, इमारत रेसिडेंसी-बी, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

यनुसूची जैंसा की कर संर ग्रई-2/37ईई/13988/84-85 ग्रींर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29 सक्टूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गरा है।

लक्ष्मणे दास सक्षम प्राधिकारोः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 29-5-1985

प्रकर कार्य हो । एत : एक :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत चहुकाडु

कार्यालयः, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

भिवेंश सं० म्रई-2/37-ईई/13989/84-85---मतः मुझे, लक्षमण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पत्रैट नं० 505, 5वीं मंजिल, इमारत रे.ज-हेंसी-की, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (श्रंग) 4 बंगला, सर्मोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20-10-84

की पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान दितिकाल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल को पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वोने के अन्तरक की याप्रित्य में कभी करने या उससे नचने में स्विधा के मिए; और/का
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बस्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के जिए;

बत: बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में. इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
26—156GI/85

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्राइवेट) लि०। (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती धनीबाई एम० पंजाबी (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियाँ में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्री कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जनत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् चे

फ्लैट नं० 505, जो, 5वीं मंजिल, इमार्रत रेजीडेंसी-बी, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41(श्रंश), 4 बंगला, वसींवा, बांधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37-ईई/1 3989/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, सम्बर्ध

धिनांक: 29-5-1985

मोहरः

प्रक्रम बाइं. टी. एन एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीय नुचना

मारत चरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायक्त (विरोधन)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/13994/84-85---- श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

शायकार अभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पत्रवात 'उथत अधिनियम' कहा नया हैं), की वास 269-इसमें कथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रोर ज़िसको सं० पलैट नं० 506, जो, इमारत रेजोडेंसी-ए०, 5वीं मंजिल, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (श्रंश) 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वींगत है), श्रीर जियका करारनामा आयकर श्रंधिनियम, की धारा 269क, ख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार बृत्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उषित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ले हुई फिली बाब की बाबस, उक्स अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; करि/था
- (क) ऐसी किसी भाव वा किसी भन या अन्यं जास्तियों की, जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्वा भा या किया काना चाहिए था, किया की सिए।

नियं स्था, उस्त सिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, में, उस्त सिथिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैससे लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्राइवेट) लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर भरत पिताम्बर पंजाबी । (ग्रन्तारती)

को बहु सूचना जारी करकी पूर्वेक्ट संपरित के अर्थन के उत्तर कार्यवाहियां सूक करता हुई।

बन्ध बन्दीता के बर्बन के बन्दन्य में कोई भी वासीप्:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक विश्वित में विक्र का सकेंगे

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रणूक्त करूरों माँद पद्धों का, की कन्द नियम के मध्याम 20-क में परिभाविष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यी

पलैट नं० 506, जो, इमारत रेजीडेंसी-ए०, 5वीं मंजिल प्लाट न० 38, एस० नं० 41(अंश) 4 वंगला, बसोवा, अंधेरी (प), बस्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि० क० सं० प्रई-2/37-ईई/13994/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दांस . सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) ⁻ श्रुजैन रेंज⊶े2, बस्**बई**

थिनांक: 29-5-198**5**

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. ------

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वता

माउक चरकाड

काविषय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बस्बई, दिनांक 29 मई 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/ 13990/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर मांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव परौट नंव 305 जो तीसरी मंझिल, इमारत रेसिडेंसी ए प्लाट नंव 38, एसवर्गव 41 (ग्रंश(, प्लाट नंव 38, एसवर्गव 41 (ग्रंश(, प्लाट संगला, सर्सोवा, ग्रंधेरी (प), वम्बई में स्थित है (ग्रीर) इस से उपावक श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 29 श्रक्ट्वर 1984

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मूक्य से कम के द्रश्यमान् अतिकाल के लिए अल्लीरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकाल का बन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पासा नवा अतिकाल, निम्निचित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि चित्र में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अल्डरण वं हुइ किसी बाव की वावत क्यल जीव-नियम के अधीन कर बोने के अंचरक के दावित्य में क्यी करते या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाद या किसी भन या जन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) वा उनत् विभिन्नम, वा चन्-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ब्या था वा किया खाना आहिए था, कियाने में हिन्सों की जाई।

अस्त अव, उक्त निधिनियम की भारा 269-गृको ननुसरण कों, गों, सक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को क्शीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अभित् क्रि—क

- (1) मैसर्स लोखंडवाला श्रिमायसेस (प्रायवेट लि०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मंघनमल श्चार० पंजाबी (श्चन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ग्रम्परित के वर्षन के किस कार्यवाहियां करता हुए।

उसत सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

ल्क्टीकर्णः - इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम, के लक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कक्ष्याय में दिना गया हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 305, जो तीसरी मंझिल, इमारत रेसिडेंसी ए, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (ग्रंग) 4 बंगला, वर्सीवा ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० प्रई-2/37-ईई/ 13990/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 29 ग्रक्टूबर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज- 2, बस्कर्त

विनांक 29-5-1985 मोहर:--- प्रस्य नाइं,, टी., युन्, युन्,-------

श्रायकः प्रविभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269=व (1) के अभीत सुजना

नारक करकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरिक्षण) अर्जन रेंज -2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं॰ मई-2/37ईई/ 13827/84-85- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंबर्क पंश्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 201, दूसरी मिसल, टी० पी० एस० देसाय रोड़, जंक्शन बम्बई में स्थित है भौर इस उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप है वर्णित है भौर जिसका करारनामा भायकर मिधिनियम की धारा 269 क ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 26 मक्टूबर 1984 की

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल, से एसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्द प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियार) के बीच एसे अंतरण के लिए तय प्रया मवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य हैं उक्त अंतरण लिखित के बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है ध्र—

- (क) वंदारण से हुइ किसी बाद की वादर , उक्क विधिनियम के नभीन कर दोने के जतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (थ) एरेशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय हो जिन्हें भारतीय नायकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना जाहिए था, जिपान में सुनिधा में जिए।

अराह अवः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-न औं, अनुतरण कों, भीं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन निम्नतिक्तित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स टैस्टार बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कमलाकर दामोधर ग्रत्सरहे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हर्—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रुथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पल्शीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख्यी

प्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंझिल, निलन ध्रपार्टमेंट टी० पी० एस० नं० 11, जो पी० रोड़, बीरा देसाय रोड़, जंनशन बम्बई में स्थत है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/ 13827 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धनांक 26 अक्टूबर 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण स्वस सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

विनोक 1 28-5-1985 मोहर 🖰 प्ररूप. माइ. टी. एन. एस. -----

श्रायकर मुधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-च (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

案 कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 मई 1985

निर्वेश सं ॰ अई-2/37ईई/13456/84-85-- अत: मुझें, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजाह मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 503, 5 वी मंजिल, िंक अपार्ट-मेंट्स, 7 बंगलोस, वर्सोवा रोड, गार्डा के पास, बम्बई-400061 में स्थित है (भीर इससे उभाबद्ध अनुसुची में और पूर्णरूप से विणत भीर भीर जिसका करारभामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, सम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-10-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थवान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पेत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रथमान प्रतिफल से, ऐसे श्रथमान प्रतिफल का अन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया चवा प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उचत अन्तर्ण लिखित के बास्तविक स्थ के स्थित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक औं दायित्व में कभी करने या उत्ते क्ष्में में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय था किसी भन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, बा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) औ प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औ खिए;

बतः अव. उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुतरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) में अभीन, निम्नलिबित स्योक्तयों, अभीत् 2-- (1) मेसर्स वर्जान इस्टेट (प), लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति आशा एस० सारस्वत भौर श्री एस० सारस्वतः।

(अन्तरिती)

को वह ज्यान जारी करके पूर्वीक्त सुम्पृत्ति के वर्जन के निष् कार्वशिक्ष्य करता हुई ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस हैं
 45 दिन की अविध या सत्त्रवंधी अधीनतयों पृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, थी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिका अधीनतवों में ते किसी अधीनत दुवाना;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीवर उन्हें स्थानर सम्पत्ति में हित-व्यूध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्वाक्षरी के वास निवास में किए जा सन्हेंगे।

स्वक्रिक्कम ह---इवर्गे प्रयुक्त स्था और वर्षे का, जो उक्छ अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में विका स्था है।

मनुसूची

पलेट नं० 503, 5 वीं मंजिल, पिक अपार्टमेंट्स, 7 बंगलोस, वर्सीवा रोड, गाईन के पास, बम्बई-400 061, में स्थित है। अनुसुची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13456/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रिजस्टई किया गया है।

सक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रें ज-2, बम्बद्

तारीख: 28-5-1985

मोह्य 🛚

ं ध्रम्य आहे . यो . ध्रम . एक /////

नायकः विभिन्नियमः, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-व (1) में नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज~2, बम्बई

व्यक्तई, विनांक 28 मई 1985 📑

निवेश सं० अई-2/37ईई/13580/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भार जिसकी सं 122, 12 वीं मंजिल, अमील अपार्ट मेंट्स, लोखंडवाला काम्प्लेक्स के पास, बम्बई-61 में स्थित है, (भार इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्तम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 16-10-1984

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वयेय से उक्त अन्तरण कि बिख में वास्तिक रूप से किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई विश्वी वाव की धावत, उपत अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक को धामित्व में कमी करने वा उच्च व्यन में सुविधा के किय; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी वंग वा अन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यदा था वा किया बाता वाहिए वा किया के जिल्हा के जिल्हा

(1) मेसर्स अरबम डिवलपर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति उमामी सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वीक्त सभ्यहित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त बस्पत्ति के वर्षन की बन्नस्थ की कोई भी बाखेंच हन्त

- (क) इस स्ववा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की जबिंध या तुल्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, में भी जबिंध नार्व में समाप्त होती हो, के भीत ह पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के सूब्र सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पलेट नं 122, जो 12 वीं मंजिल, अमीत अपार्टमेंट्स, लोखंडवाला काम्पलेक्स के पास, बम्बई-400061 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि का सं अई-2/37ईई/13580/84-85 भौर जो सक्षम प्रधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 16-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> सक्ष्मण् दास सक्षम प्राधिकृतरी सहायक् आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज 2, वस्ब€

भतः जव, जिल्ला निर्मित्यमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ज की उपधारा (1) के बभीन निम्नसिधित व्यक्तियों अर्थात् ह—

मोहुदु 🖫

सारीख: 28-5-1985

प्रकम बाह^र. दी. एन. **एस**. ******

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बभीन ब्वना

भारत सरकात

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . ^ अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० अई(2/37ईई/13579/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसवें इसकें परचात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 121, 12वीं मंजिल, अमीत अपार्ट-मेंट्स, 4 अगलोज, लोखण्डवाला काम्प्लेक्स के पास, मंधेरी (प), अम्बई-400061, में स्थित है (म्रौर इससे हुँउपाबक्ष अनुसुची में स्थेर पूर्ण रूप से वर्णित है), म्रौर जिसका करारमामा आयकर मोंधनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984,

को प्वोंक्स संपर्तित के उचित बाजार अस्य से कम के स्थमाव वितक्त के किए बन्तरित की गर्ह हैं और मुक्के यह विकास करने का कारण हैं कि संभापवोंक्त सम्पर्तित का उचित बाजार बूच्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिकृत से विभिक्ष हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-कस निश्तुनिचित उद्योक्त में उन्त बन्तरण विचित्त में बास्कीम्ब रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की शावत, उक्त वीधनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दासित्व में कमी करने का उससे वचये में सुविधा के जिस्ह और/वा
- (थ) ऐसी किसी आब मा किसी भन या जस्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्रिभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिमाने भें वृत्विभा के विद्;

बत वस अकत व्यविनियम की भारा 269-न के अनुसरक के में, 'इक्त व्यधितियम की. भारा 269-च की उपभारा (1)' के बधीन जिल्लासित व्यक्तियाँ, वर्धात :——

- (1) मैंसर्स अरवन डेबलपर्स।
- (अन्तरक)
- (2) श्रीपी०पी० सिंहा

(अन्तरिवी)

करें यह स्चना जारी करके पृवॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्मातः के मर्जन के तम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्रः—.

- (क) इस ब्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समित, को और समित्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्ववित्यों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति इदाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए वा सकेंगे।

स्पाक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त गर्वे और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्यास में किया गवा है।

नगृस्थी

पलैट नं ० 121, 12 वी मंजिल, अमीत अपार्टमेंट्स, 4 बंगलोज, लोखंडवाला काम्पलेक्स के पास, अंधेरी (प), बम्बई-400061, में स्वित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/13579/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विश्वीच 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज≁2, बस्कई

तारीख: 28-5-1985

प्रकल् वार्ड . टी. एवं .; एवं .: --------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

प्रारत सर्कार

कार्याख्य, बहायक गायकार गायका (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, जम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं॰ अई-2/37ईई/13490/84-85- अतः मुझे, लक्मण वास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं पलैट नं 1310, जो 13 वी मंजिल, इमारत मेग्नम टावर्स, प्लाट नं 357, एस० नं 41 (भ्रंभ), 4 बंगला, ववर्सी वा, श्रंधेरी, (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाधिक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 कका के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-10-1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के कौमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रति-कल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से अक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

कतः जब, जक्त अधिनियम की भारा 269-व के जनसरण मं, में, जक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के उधीर, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) मैं सर्से लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डिवलपमेंट कम्पनी, प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री राम बी० सखारानी।

(अन्तरिती १

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुई (8)

उक्त सम्पत्ति के सूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ६---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिहसब्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे ॥

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है ॥

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1310, जो, 13 वी मंजिल, इमारत मेग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सीवा, षंधेरी (प), वस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क्ष० सं० अई-2/37ईई/13490/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण **ध्रास** सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, **बम्बई**

सारीख: 29-5-1985

मोह्र :

प्रका नाइ टी. एन एस. -----

जाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-म (1) के अभीन क्षमा

भारत संस्कार

आयोजयः तहायक बायकर बायकर (निर्याक्त) अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निवेश सं० अई-2₁37ईई₁13288/84-85--- अतः मुझे, ^{*} सक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० शाप नं० 3, जो जमीन मंजिल नन्द कृपा अनेक्स, शापिंग सेन्टर श्रंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (ग्रीर क्रिंक्स उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बिणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख, 5-10-1984

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिसत बाजार मृष्य से कम के दश्यमन शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्नोंक्त संगीति का अजित बाधार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाइ प्रतिकृत से विभन्न है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितिमों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया अधि-क्ष्म निम्निक्ति उद्देश्य से उन्त बन्तरण कि विश्व में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुवा किसी जाय को यावत उकत काँच-नियम के जबीन कर योगे के बन्तरक के बायित्व में कनी करने या नवसे बचने में सृतिका के लिए; -बाँद/या
- (ख) एंसी किसी बार या किसी पत्र मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, स्थिपन में स्तिथा

जतः वस, उक्त विभिन्नयम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मं³, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :लार 27—156GI/85 (1) मैसर्स विमल कंस्ट्रक्गत।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र परमेश्वर अर्घा।

(अस्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यसि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बासोप:---

- (क) इस स्वान के राजधन में प्रकाशन की शारीय से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताशील से 30 दिन की जनभि, जो भी अवधि बाद में समस्त होती हों, के भीतर प्रतिप्य व्यक्तियों में से सिसी स्वक्ति हुएं।
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसा-क्लभ किसी अन्य व्यक्ति वृताय अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चत मा निश्च का सकता।

स्पथ्यीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जां उत्यक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

बन्स्ची

शांप नं 3, जो जमीन मंजिल, नन्द कृपा अनेक्स शार्पिग-सेन्टर श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2, 37ईई/13288/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास पक्षम प्राधिकारी सह(यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-5-1985

मोहर 🦞

प्ररूप नाइ े ही. एन ् एस ्नानानन्यान

बायकर अभिनिक्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन क्यान

पाइत बहुकाड

कार्यालय, स**हायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० अई-2₁ 37ईई₁ 13222₁ 84-85— अतः मुझे लक्ष्मणदास,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961: का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त क्रीधिनियम' कहा यमा हैं), की धारा 269-च के बचीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वात कड़ने का कारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं पलैट नं 109 की जो पहली मंजिल डी-बिल्डिंग यारी गली, वर्सोवा बम्बई, ग्रंधेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णेरूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कथा के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-10-1984,

को प्रोंधत सम्पत्ति के उचित बाजनर मृत्य से कम के दश्यमान इतिफल के सिए जन्तरिस की नद्दें हैं बीर अफ़ो मह विद्याल करने का कारण है कि सभार्गोंकत सम्बद्धि का उचित बाजार क्रूच, इसके क्ष्ममान प्रीतकां के, हो क्ष्ममान प्रतिकास का पन्छ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के बिए तय पाना गया प्रति-क्य, विस्विवित उद्देश्य से उन्त संकरण विवित में वाक-विक रूम से क्षित कहीं किया गया है :---

- (फ्) बन्दाहम वे सुद्धं किसी बाब की वाबत, त्रक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: व्यव्यान
- (क) एसी किसी आय या किसी भन का अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरितीं दुवारा प्रकट गहुरी किया क्या चा या किया बाना करीहर भा दिव्याने में सुनियम के हिन्दा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखत व्यक्तित्यों, वर्षात् ध्र— (1) मैंसर्स वेस्टन कंस्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) सिंह तेजिन्द्र जीत गुरदियाणसिंह श्रीर कौर जोगिन्द्र तेजिन्द्र जीत सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के खर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत् सम्पृतित् के नृर्णम के सम्बृत्ध् में कोई मी नामांच् म⊷

- (क) इस सूलना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवृत्य का बरवण्याची व्यक्तियां प्र कृत्या की वानील से 30 दिन की ववस्थि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति हवादा:
- (क) इस त्या के प्रवपन में अकाशन की तारीक के 45 दिन के शीवर अक्त त्यावर सम्बद्धि में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा नथोहस्ताशाडी के बाद जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अध्यिनिकत के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 109-डी, जो 1 ली मंजिल डी-बिस्डिंग यारी गली वर्सीवा ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37ईई/13222/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-2, बस्बई

तारीख: 28-5-1985

र्क्ष वर्ष_ः श्री_य १९_० दुव्_व्यान्तरस्था

नामकर विश्वनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के वर्धन सूचना भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० अई-2,37**६ई**,13581,84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 10, जमीन मंजिल, बिल्डिंग नं० 1 अमील नगर, यारी रोड, वर्सीवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984,

को पूर्विक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरच के निष्ठत्व पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उक्षदेय से उचत बन्तरच निकित में वास्तविक क्षा से कृतित वहाँ जिल्ला वना है 2—

- (क) जन्तरण ते शुर्द किसी जान की नावत, जनत जिथानिया के जभीन कर योगे के अन्तरण के वास्तिक को कती करने वा उत्तते वचने वे श्विभा ने तिए; नीड/ना
- (वा) श्री कि बी बाव या किसी वन या बन्य बाहिस्तरों को जिन्हों भारतीय काय-करं विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना था, कियाने में सविधा के निए,

लस: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-व के अब्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० प्रकाश कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार चिरंजीलाल खन्ना, श्री किशीर कुमार चिरंजीलाल खन्ना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपम में प्रकाबन की टारीचा सै 45 दिन की सर्वीध या तत्संकंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हिलबक्क किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे:

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित् हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्या है।

वनसंची

शाप नं 10, जो, जमीन, मंजिल, बिल्डिंग नं 1, अमीत नगर, यारी रोड, वर्सोवा बम्बई-400061 में स्थित है। अवस्वी जैसा कि ऋ० सं० अई-2,37ईई 13581 84-

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई, 13581, 84-85, धीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-5-1985

्मोहुरुः ३

प्रकल कार्युः ठीः, एतः एकः,------

भायकर अस्प्रिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में अभीन सुवना

नस्रत नरुन्द्र

कार्याक्य, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्धाण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० ध्रई-2, 37ईई, 13481, 84-85— अतः मुझी लक्ष्मण दासः,

काथकर निधिनियम, 1961 (19%) का 43) (विश्व इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन समान शामिकाड़ी को वह निरमास करने का कारण है कि स्थापर सम्भित, विश्वका उणित् बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. ते अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 2, जो, 3 री मंजिल, ए-बिल्डिंग, पिंक अगर्टमेंट्रस 7 बंगलोस के पास, जे०पी० रोड, वर्सोवा, बम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुभूची में श्रीर पूर्णकप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पर्यमान बित्रल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उश्व देवस्थान प्रतिफल से एसे प्रमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (श्रंतरितयों) के बीच एसे बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (श्रंतरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया पना प्रतिफल निम्नलिकत उद्योग्य से उन्त बंतरण कि जित में बास्त्रिक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वानत, उन्त अधिनियम के वधीन कर दोने के अंतरक की वासित्व में कमी कहने वा उससे वचने में सुनिधा क लिए; और/मा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपान में सुविधा खें डिच्छ;

शतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित शांक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स वर्धान इस्टेट्स कम्पनी लि ०।

(अंतरक)

(2) श्री विजय के बावसालकर, श्री सुह।स कें , घोसासकर, श्री रवी के बोसासकर।

(अन्तरिती)

की वह दूषना बारी करके पूर्वोक्त सम्मात कं अवन के जिए कार्यवाहिमा शुरू करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी भारतेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर. सूमना की तामील से 30 दिन की अवीध, को भी जयीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपन मा प्रकाशन को ताराख स 45 दिन के भीतर उन्ते स्थावर सम्पोल मा हिल्बव्य किसी बन्न क्यां से द्वारा अपाहस्यादस्य के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पर्धिकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दा और प्रवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्यय 20-के मा विश्वितिष्ठ हैं, वहीं सर्थ हाना का इस अव्यक्ष के किस निवाहाँ।

बरसर्ची

फ्लेट नं० 2, जो, 3 री मंजिल, ए-बिल्डिंग, पिक अपार्टमेंट्स, 7 बंगलोस के पास, जे० पी० रोड, वर्सीवा, बम्बई-400061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं धर्द-2,37ईई,13481,84-हुई ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 28-5-1985

मोहर 🕑

श्ररूपः बार्इं.टी.एन.एस. ------

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्कृता

भारत तरकार

कार्यातम , सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, सिनांक 28 मई 1985

निदेश सं. ग्रई-2/37ईई/13964/84-85--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव धुनिट नंव 121, पहली मंजिल अंधेरी मुर्खोना रोष्ट्र, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मिनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम धारा 269क ख के प्रधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है तारीख 29-10-1984

का पूर्विकत सम्बक्ति के उभित्त काजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्विकत सम्पत्ति का उभित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अभारितियों) के दश्य ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गय प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्बद्धिक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तहरू वे हुन् किसी बाय को बावस , अवस विधिवन के बनीन कर को के बन्तरक के बाहित्व वे क्सी करने का बसने बनाने में बुविधा के जिए। और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किए हो में निकास के लिए;

अतः सव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग ले अनुसरण में. में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) के अधीन, निम्नेटिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) मेसर्स एम 0 ग्रार 0 डेवल पलेंट

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स पूर्तिका एन्स्पोर्ट

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पृशीक्त सम्पत्ति के नर्थन के जिल्ला कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्मतित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:----

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकारन की ताड़ीय है 45 दिन की जनभि या शुरसंगंभी व्यक्तियों पर सूचना की शामीस से 30 दिन की जनभि, वो भी अवभि बाद में चनान्य होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में में किसी काश्ति इसाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे वा सर्वोगे:

स्पन्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहरी।

अनुसूची

युनिट नं ० 121, जो पहली मंजिल अंधेरी इन्डस्ट्रियल इस्टेट अंधेरी वसोंबा रोड़ अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2/37ईई/13964/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 29-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक, प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

भांहर ३

प्रकप बाइ . बी. एम्. एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

कार्यालय, तहायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश २० प्रई-2/37ईई/13877/84-85—प्रतः मुक्के; लक्ष्मण दास,

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह भिष्याख करणे का कारण हैं कि स्थावर संगरित जिसका स्रजित वाधार मृत्य

1,00 000/- राः से अधिक है

और जिसकी सं० 9, जमीन मंजिल, टवीन टावर्स प्लाट नं० 8ए-वी एस० नं० 41, विक्षेज ओशिया वर्सीवारा अंधेरी(प), अम्बई में स्थित है (और ६ससे उपाबढ़ श्रत्सूची में और पूर्ण ऋप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269क, छ के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 27-10-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई म्भ्ये ब्रह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पर्तिका उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिका 🗗 और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित महर्षिकया गया है:---

- (क) नलारण के हुन्दं किसी काम की शावक, कक्क मृत्रित्यत्र के क्लीन कर वाने के जंतरक के वाजित्य में क्ली करने वा क्लूबे न्यने में सृत्रिश के जिए; मीप/वा
- (थ) क्यो किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वावक र निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए;

वृतः अव, उक्त अधिनिवसः की भाष 269-ग के अनुसरण कें, में,, उक्त सीधिनियस की भारा 269-मृक्षी उच्चारः (1) वे स्थीतः, निम्तिशिक्षतः स्वीक्तसी स्थादि ॥——

- (1) मेसर्स ६न्द्रजीत श्रोपर्टीज (प) लि०।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दामजीबट नारायण भाय पटेल, श्री दामजीबाय लक्ष्मणाय पटेल,
 - श्री महावेवबाय नांजीबाय पटेल,

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी काउन्हें पूर्वोक्ट सम्मत्ति के नर्जन के किए, कार्यमाहियां करता है।

सक्त सम्पृत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में क्योर्ज भी आदिष --

- (क) इस ब्रामा के संकर्त में प्रकारण की तारीस से 45 दिन की सर्वीत या तत्संबंधी करितता पर स्वापा की सातीय से 30 दिन की सर्वीध को भी, अविध वास में सवाप्त होती हो के भीतर प्रवर्गिक स्थानता में से किसी व्यक्ति देना।
- (व) इच वृष्णा के राष्ट्र में प्रकाशन की दारीश ह 45 विषु के शीलर उक्त स्थावर वृत्यत्ति में द्वितवृष् किसी मन्य स्थावत वृत्यारा, सभाइस्ताक्षरी के पाद विष्यु में किए का सकेंगे।

स्मध्योकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, दो अथत वृष्टिनयुक के बुक्ताय 20-क में परिभाषिट हैं, वहीं वर्ष होंगा औं उस वश्याय में दिया देश हैं।

अग्राची

शाप नं० 9, जो जमीन मंजिल, टवीन टावर्स, प्लाट नं० 8 —बी, एस० नं० 41, विलेज ओशिवरा, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-2/37ईई/13877/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारी दिनांक 27-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

४क्प आहे..सी..प्रा<u>र्थः</u>======

बाव्याह विश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के वर्षीन बुक्ता

WEST STATE

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० छई- 1/37ईई/12876/84-85--- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कों इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से नधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, सांतवीं मंजिल, बिल्डिंग टिबीन टासर्स, बिलेज ओशिबारा, 4 बंगलोस, बर्सोबा, अंधेरी (प) बम्बक्टिं58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में धौर पूर्ण क्यें से बिजित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम की धारा 269क, ख के ग्रधीन प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में द्रजिस्ट्री है तारीख 27-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयजान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार बूल्य, उसके ध्यजान प्रतिफल से एसे ध्रथजान प्रतिफल का पम्छह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्योग से उच्च बच्चरक जिल्हित में पास्त्रविक क्ष है कालत नहीं किया क्या है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बायत, अचल नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शामित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; बीड़/बा
- (व) एंसी किसी शाव या किसी थन था अन्य वास्तियों को, जिन्हें आरतीय आवकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के किसोजवार अन्तियों स्वारित्यम, 1957 (1957 का 27) के किसोजवार अन्तियों सन्तियों स्वारा अन्ति नहीं किसो गया था सा किसा भागा चाहिए वा, किसोज में स्विधा में स्विधः

अतः अव अक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण थे, जैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधन्स (1) अके अधीन किस्वालिखित व्यक्तियों, अमित् ---- (1) मैसर्स इन्द्रजीत प्रोपर्टीज, (प) लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) कमलेश वसंतलाल जादेरी और श्रीकांत वसंतलाल जादेरी ।

(भ्रन्तरिती)

की बहु बुचना जारी करके प्वांचित संवत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त बभ्गरित के ब्रुबन् के बम्बम्प में कोई भी बाबोप् ह---

- (क) इस सूत्रना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूत्रना की ताबीन से 30 दिन की अविध, यो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब्द किसित में विश् वा सकींने।

स्वय्यक्षिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों हीर पदी का, को उक्क वीभीनयम् के सभाय 20-क में प्रिभाविक ही, वहीं वर्ष होगा को उस सभाव में दिवा गया है।

म्प्रुची

प्लैट नं० 3, जो सांतवीं मंजिल, जो बिल्डिंग टबीन टावर्स, विलेज ओशिवारा 4, बंगलोस, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/13876/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 27-10-1984 को र्राजस्टर्श किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

प्ररूप आह". टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्षातयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणः) श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13836/84-85--अंतः मुझे सक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 1,00,000/~ रा. से जिधका हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 401, घोषी मंजिल, पाम अपार्टमेंटस यारी रोड़, श्राफ जे० पी० रोड़, क्सोंबा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क,ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 26-10-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उजित बाजार मृत्य से कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण ही

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यानाम प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल के पन्क्ह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नतिधित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नस्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किली शय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्णिय के बानी उस्ते का उसमें उचने के सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धनकर जिथिनयम, वा धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स पाम बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चारू पी० मेहता (सी० थी० शाह)

(म्रन्सर्द्ध)

को यह सूजना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में तमान्त होती हो, को भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना को राचपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतत उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-ब्लंभ किसी व्यक्ति ब्लंगा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रमुक्त कब्बों जरि पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस जध्याय में दिया गवा है।

अम्सूची

प्लांट नं० 401, जो चौथी मंजिल, पाम मपार्टमेंटस, यारी रोड़, झाफ जे० पी० रोड़, वर्सीवा, अंधेरी (प्), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० भई-2/37ईई/13836/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को राजस्ट ई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेण सं० अई-2/37ईई/13804/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दाम

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनक अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निरवास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 201, जो दूसरी मंजिल, पाम ग्रापार्टमेंटस.
एस० सं० 25, एच० नं० 1, एस० नं० 26, एच० नं०
2, ग्रांशिवरा विलेच, बसंबा, ग्रधेरी (च), बम्बई-58 में

श्रित है (ग्रांर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है) ग्राँर जिसका करारनामा आयदार अधिनियम की
धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 25-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस इश्यमान प्रतिफल से, एस इश्यमान प्रतिफल से, एस इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिका से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और जंतिहती (अंतरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधीरा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 28--- 156GI/85 (1) मेनर्स पाम बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० इंड्णन।

् (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करको पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति को अर्जन को संबंध में को हूं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध याद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस तुक्रना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षंड्य के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृस्यी

पलैट नं० 201 जो दूसरी मंजिल, पाम अपार्टमेंट एस० नं० 25, एच० नं० 1, एस० नं० 26 एच० नं० 2, विलेज ओणिहारा, वर्सोवा अधेरी (प), वस्बई—58 स्थित में हैं 1 अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई—2/37ईई/13804/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 25-10-1984 की रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ध

दिनों ह : 28-5-1985

५७५ , बाई , टी. पुन , एस् , - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 289 म (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आग्यत (निरीधण) अर्जन रेंज—2, बस्बई वस्बई, दिलांक 28 मई 1985

निदेण मं० अई-2/37ईई/13803/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उन्ह अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 501, पांचवी मंजिल, अपार्टमेंट, प्लाट नं० 25, एच० नं० 1, प्लाट नं० 26, एच नं० 2 प्लाट नं० 27, एच नं० 2 विलेज ग्रोणिवारा, ग्रंधेरी (५), बम्बई में स्थिन है (ग्रीए इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीए पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर ग्रंधिनियम की स्थार। 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिजारी के प्रिक्षियांचय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-10-1984

पहिंची पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के क्ष्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रूपमान प्रतिकास के, एसे द्रूपमान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अंतरित। (अंतरितिका) के योच एसे अन्तरम के लिए तय पाम गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निष्क्ति में बाक्य करने का से किए ते से कारण विद्यास में कारण्या करा से किए ते से कारण्या करा से कारण्या कारण्या से कारण्या करा सिंक करा से कारण्या करा से कारण्या कारण्या कारण्या से कारण्या करा से कारण्या से कारण्या से कारण्या से कारण्या करा से कारण्या से कार

्ष्) अम्तरण से हुई किसी आम की आबद, अक्ट रण्ड 500 अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के चिक्रि 2 शामिल्य में क्सी करने शा उससे अचने में सुविधा । के में की लिए; श्रोहर्स्सा

(म) एंसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 कर के किसा कर अधिनियम, या उन्त अधिनियम, विश्व भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की (1957 के) अस्तिनभ्ध अन्तिरिती द्यारा पकट नहीं किया कुछा था या किया जाना छ हिन्दु था, छिपान के सुविधा के लिए;

श्रात श्राव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अर्नेसिरण मो, मी, नक्त आधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेनर्म पाम बिल्डर्स ।

(अन्तरक्त)

(2) श्री नटवरलाल उमेदबाय पटेल ।

(अस्तिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के र्वेलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवस्थिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, जो भी अवस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अधोहस्ताकरी के पास सिहित में किए वा सकृते।

स्वध्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों शौरु पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैट नं० 501, जो पांचवीं मंजिल, पाम अपार्टमेंटन फ्लाट नं० 25 एच० नं० 1 प्लाट नं० 26, एच० नं० 2, प्लाट नं० 27, एच० नं० 2 विलोज वसींया, प्रिधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/13803/ 84-85 आंर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई ब्राना दिनाक 25-10-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

विशोग: 28-5-1985

मोहरू 🖫

प्रकल् बार्ड टी.एन.एक∑ प > 😕

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुपना

नाइस बहरूर्ड

कार्यांचय ह सहायक नायकर नाम्युक्त (नियुक्तिक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश मं० अई-2/37ईई/13415/84-85--अतः मुझें; लक्ष्मण दास,

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० १०२, 9वीं मंजिल, बी-स् एय० आई० नगर के पीछे, 4 बंगशोज, वर्सीवा, बम्बई हैं में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-10-84 ...

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार बृज्य से कन के अवधान
प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
पृष्य, उसके दृष्यमान प्रतिकान से एसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्तस्
प्रतिकात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए एम पामा क्या
प्रतिकात, निम्नतिविद्या उद्देश्य से उक्त अन्तरण किविस
में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) न्यारण वे हार किसी नाम की बाक्छ, उन्ध्र मुश्लिमम् के न्यीप कड़ वर्ष के मुख्यरक में समित्त में क्यों कड़ने वा वसने में मुर्दिका के विष्: नीर/वा
- (क) ऐसे किसी बाद मा िसी धन या अन्य अस्तिकों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था जिनाने में ब्रिशा के निए;

जतः अतः, उनतः जिथिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उनतं अधिनियमं की भारा 269-मृक्ती उपभारा (1) को अधीन, निम्मति कि समितायों हु अधीत् हु—

- (1) मेसर्स ओमप्रकाण एंड कम्पनी (अन्तरक)
- (2) श्रीमती यास्मीन लाल ददलानी श्रौर श्री सी० एस० नगरपूरवाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्तः सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुनं।

क्या अभ्यत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप क्षान

- (क) इस त्थनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीलर पूर्वोक्स व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति ब्यास्त;
- (च) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीं स से 45 चिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कम्य व्यक्ति ब्वाय सभोहस्ताक्षरी के पाड़ निचित्त में किए का सकींगे।

क्वक्ट किर्मु: — इसमें प्रमुक्त सक्दों और पर्यो का, जो उपक्ष जिमितियम, को अधीन अध्याय 20 क में परिक शायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियो नवा हैं।

भन<u>्</u> सूची

प्लैंट नं० 902, 9वीं मंजिल, बी—स्कंध, ई० एस० आई० सी० नगर के पीछें, 4, बंगणोज, वसोंवा, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कम सं० अई-2/37ईई/13415/84-85/11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण तास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनांकः : 27-5-1985

मोहर 🗄

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षिण) अर्जन रंज-2, बम्बई बम्बइ, विसांक 27 गई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13646/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- 75. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 401, बिल्डिंग, नं 17, चौथीं मंजिल, बिलेंज ग्रोलिवारा, बेहराम बाग के पीछे प्रवेशी (पश्चिम), बस्बई—58 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबंड अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिलिंत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टर्ड है तारीख 20-10—1984

को पृशेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रत् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने भी सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उकत अधिनियम की पारा 269-ग की अनुसरण में में, उकत अधिनियम की पारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री जियाउदीन बुखारी।

(अन्तरक)

(2) श्री नवाब अली पैक दाउध मुकादम।

(अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्फान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित -बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

· सन्स्ची

प्लैंट नं० 401, बिल्डिंग नं० 17, चौथी मंजिल, विलेंज श्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/16436/--84-85 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज−2, बम्ब**र्ड**

विनांक : 27-5-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आ**र्ध**ाटी, एन., एस_{्टर्स्टरस्ट}

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्त्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कागकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, बम्बर्ड

यम्बई, दिनांक 27 मई, 1985

निदेश सं अई-2/37 ईई/13647/84-85:--अत: मुर्से, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"),, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 303, बिल्डिंग नं० 17, तीरारी मंजिल, विलेज अोशिवारा, बेहराम भाग के पीछे, अन्धेरी (प०); धम्बई-400058 में स्थित है (ग्रांप इससे ुउपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिस का करारनामा आयकर आधनियम की धारा 269 क, ख के अधीन राक्षम प्राधिवारी के वार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते यह विख्यास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उबुद्धेष्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वामिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ((व) पुँसी किसी बाव या किसी भग या अन्य बास्सिकों को, जिन्हें भारतीय बाब-कर बिधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियभ या भन क<u>र, वृ</u>धिनिय्म, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थं अतरिली द्वारा प्रकट नहां किया गया भामा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क मिए:

 बतः बन्, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक् में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कै अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, वर्णत ुन्न

1. श्री जियाउदीन शुक्रारी।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दल गानी एकब्हीन मुकादम। (अन्तरिती)

को यह सुचना जार्री करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिद्ध कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 **्रिय की अवधि या स्त्यम्यन्थी व्यक्तियाँ पर स्वका** की तामीन से 30 दिन की नविभ, यो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वकारिकरण:---इएमें प्रयुक्त सब्दों और पढ़ों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० 303, जो ब्रिल्डिंग नं० 17, तीसरी मंजिल; सर्वे, नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोशिवरा, बेहराम भाग के पीर्छे अन्धेरी (पश्चिम), बम्बई—4,00058 में स्थित ी है

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-2/37ईई/13647/84; 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-1985

मोहरः

प्ररूप नार्'े टी. एव. एस. ----

भायकर जिम्मिनवर्ग, 1961 (1961 मा 43) की भारत 269-न (1) के जभीन सूचना

भारत बरकार

आयसिव मधायक भावकर नायुक्त (विद्योक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 मई, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13403/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंस्में इसकी परवास् 'उक्त निधीनवर्ज कहा नया हैं), की भारा 269-च की नधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने की कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिनका जीवत नावाह मूक्व 1,05,000/- रु. से निधक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 501; ब्लाफ नं० ए 42, गुरू कृपा अपार्टमेंट, एस० नं० 19, एच० नं० 2, सी० एस नं० 80 अधिरी (प०) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 11-10-1984

नो प्रांचित सम्पत्ति के उचित काजार मृस्य से कम को अन्यकान हितास को लिए रिजस्ट्रीकृत विजेश के अनुसार अंदरित की गई है और मुओ यह विकास करने का कारण है कि यथाप्यों कह सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके श्रूष्यमान प्रक्षिक्त से, इसे श्रूष्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) भीर अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निम्निसितित उद्वेश्य से उचक अंतरिण लिखित में अस्तिकिक रूप से किथब नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से शुर्व किसी जाय की बाबत, उक्त अधि व नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वादिक्य में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; जाँद्र∕वा
- (क) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों धारतीय नामकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, वा धन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था जिपाने में सुविधा ने जिए।

जतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1).
के अधीन, शिम्मिलिखित व्यक्तियों वर्षात् किस्स

1. मैसर्स वैभव

बिरुड

(अन्तरका)

2. श्री एम० गोबिन्दन कुट्टी ।

(अन्तरिती)

3. मैसर्स वैभव बिहडर्स ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभे से में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्वनाहिकां करका हुई ।

उन्त सम्बद्धि के नर्जन के सम्बन्ध में कोई थी वाक्षेत्र है--

- (क) इत स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वत्म की तामीश से 30 दिन की अविध, जो और व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितं के बहुभ किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभाहस्ताक्षरी में पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

जनुसूची

फ्लैट नं० 501; ब्लाक नं० ए 42; गुरू कृपा अपार्ट-मेंट, जो एस० नं० 19, एच० नं० 2, सी० एस० नं० 80, अन्धेरी (प०), बम्बई -400059 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अई-2/37ईई/13403/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2, बम्बई

तारी**ज**: 28-5-1985

प्ररूप भार्षे दर्गे । एस , प्रमानगण्डसम्बन्दन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 3 जून, 1985

निदेश सं० अई—2/37ईई/13550/84—85:——अन: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

्यों। जिसकी मंख्या फ्लैट नं० 701, अटलाक्ष अपार्टमेंट, हिरानन्दानी इस्टेट, अपना घर के पीछे, क्रोफिवरा अन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसम उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर में विणत है), ग्रीर जिसका' करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख ने अधीन, सक्षम प्राधिकारी, के प्रांलिय बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्थममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबट, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिसिक स्थानितयों, अर्थात् ६1. मैसर्स अफैक्स करस्ट्रकान ।

(अन्त्रक)

2. जगताप राज लोधा।

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराव से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण:---- इतमें प्रयूक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त आधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्थी

फ्लैट नं० 701, अटनाम अनार्टमेंट, हिरामन्दानी इस्टेट जो अनाम घर के पीछ, स्रोणितरा, अन्धेरी (५०), बमबई में स्थिन हैं।

े ानुसूनी जैंा कि क सं० अई-2/27ईई/13550/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक <math>15-10-1984 को रिजम्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास, गक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख 3--6--1985 **मोहर** :

प्रकृष बार्षः, दी, एन., एस., ----

बासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निदेश सं० अई-2/37र्हर्र/13551/84--85:—-अतः मुझ, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 201. हरी शिवम अपार्टमेंट, कपूर बिल्डिंग्स, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई— 400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में बूं श्रीर पूर्ण रूप ने विभिन्न है), श्रीर जिसका करारागमा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 16—10—1984

को पूर्शीवत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान अतिकस के लिए अंतरित की गई है मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वीकत सक्पत्ति का धिचत बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल हो, एसे प्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयाँ) के बीच अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उसत अंतरण लिखित में वासियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बास्तरण से हुई किसी जाध की बाबत, उन्धं वृधिनियम के अभीम कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे नचने में नृषिधा के लिए; और /मा
- (क) ऐसी किसी बाव मा किसी भन वा कर्ल कास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृजिया वी जिन्हा

अतः अतः, उक्तः अधिनियम की भारा 269 म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यंक्तियों, अर्थातः :—— मैसर्स हरीकिशत बिल्ड्सं।

(अन्तरक)

श्रीमती नारदा वैन हममुखलाल णाह।)

(अस्तरिती)

3

(बह व्यक्ति, जिसके अधिकाँकि सम्पत्ति है।)

4. मैंसर्स विद्यावनी कपूर ट्रस्ट।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में , अधोह्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है।)

कर्त वह श्रुप्तना जारी करके पूर्विक्त स्म्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

हाबस सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सर्वींगे।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 301, जो, हरीकिशत, अपार्टमेंट, कपूर बिल्डीग्स, जे० पी० रोड अन्धेरी (प०), बम्बर्ड-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क मं० अई-2/37ईई/13551/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 16-10-1983ं को एंजिस्टई किया गया है।

> तक्ष्मण चेत्म, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, भिरीक्षण अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

भोहर:

प्रकप आहें.टी.एन.एस.,-=-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, धिनांक 3 जून, 1985 निर्वेश सं० अई-2/37ईई/13552/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण धास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिएकी सं० पलैट नं० 604, हरीशिवम अपार्टमेंट, कपूर विल्डिंग्स, जे० पी० रोड, अन्धेरी (प०), बम्बई-5% में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रोर पूर्ण इस्प से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयग्रर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 16-10-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

जरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्त-रण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव मा किसी भण मा अन्य बास्तियों नहें भारतीय बाव-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए अर, छिपाने में स्विधा के जिए।

उक्त विभिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) लिखित व्यक्तियों, अधार हम्— 1. मैसर्स हरी। पावम अपार्टमेंट ।

(अन्तरक)

अल्लासम्म गौलम मार्लाः

(अन्तरिती)

3. मैसर्स विदायती कपूर ट्रस्ट।

(बहु ब्यक्ति, जिसके बारे में अबोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पृषेधित सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होमा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पजैट नं॰ 604, हरी शिधम जपाटमेंट, कपूर बिल्डिंग्स, जो॰ जै॰ पी॰ रोड, अन्धेरी (पं॰), बम्बई—5१ में स्थित है।

अनुसूची जैला कि क सं० अई-2/37ईई/13552/84-85 फ्रीर जो सक्षम प्रशिकारी, बम्बई क्वारा त्यनां है 16-10-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सदाम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त, निरीक्षण कर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख 3-6-1985 **मोहर** # प्रस्प नाहै.टी.एन.एत.-----

आयकर निधिनियम, 1981 (1961 का 43) का भार 269-च (1) के नधीन सुचना

WITER STORMS

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निदेश सं० अर्ड-2/37र्हर्ङ/13140/84-85--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, बी स्कन्ध, मंजिल, रोहित जपार्टमेंटस, वसींबा, अल्धेरी (प०), बम्बर्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में ग्रीर रूप से वर्णित है), भ्रीर जिनका करारनामा अधकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिका के कार्याजय, बम्बर्ड में र्राजस्द्री है, तारीख़ 3 -10-1984 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई **ह**ै और मुक्ते य**ह विख्**वास करने का कारण है कि सभाप्तेनित सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिक्षिक से अधिक ही कौर अन्तरका (अन्तरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिणित उद्योष्ट्य में उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं फिया नया है :---

- (क) अधारण से हुई किनी नाम की बावत, सबस्य बीपिनियम के अभीत कार दोने के अस्परक के दाविश्व में कभी, करने या उससे बचने में मृतिशा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के दशीन जिल्लालिक व्यक्तियों, अर्थात् थूल्ल

- 1. श्री हीरा नाल लिंत भुमार एण्ड कम्पनी (अन्तरक)
- 2. श्री प्रेम मगन लाल निराू

(अन्सिरती)

3. अ**तर्**क

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. अन्तरक

(वह क्यांकेत, जिनके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृरू करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए ज सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गया है।

बर भ जी

फ्लैंट नं० 34, जो कि बी स्कन्ध, धूसरी मंजिल, रोहित अपार्टमेंटस, प्लाट नं० 52, एस० नं० 4 (पार्ट) वर्सोबा, अन्धेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि के सं० अई-2/37ईई/13130/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनीक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण धार्मी, सक्षम प्राधिकारीं, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख . 29∽5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

जासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज. 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13492/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मंदि जिसकी संव पजैट नंव 1312, जो, 13 वी मंजिल, इमारत मेंक्स टावर्स, प्लाट नंव 357, एसव नंव 41, (म्रंग्र), 4 बंगला, बर्सीमा, जन्मेरी (पव), बम्बई में स्थित है (म्रोर इससे उपाबक जनुसूची में म्रीट पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा जायकर अधिनयम की धारा 269 के ख के प्रधोत समय श्रीधकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिस्त्री है, तारीय 12-19-1984।

को पृत्रों पत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ते कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पृत्रों कत संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहाद से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उत्विश्य से उन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित यिक्तयों, अधीत :--- 1. मैसर्स लोखण्डवाला इस्टेटस एण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (प्राइवेट) लि०।

(जन्तरक)

2. श्रीमती इंदिरा रानी हरोली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के वर्णन के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप है--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं० 1312 जो, 13 वीं मंजिल; इनारत मग्नम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (धंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (५०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-2/37ईई/13492/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1954 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सम्राम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख 29-5-1985 मो**हर** ु

मुख्य वार्ष<u>ः टी. एव . एव श</u>ुन्द-स्टर-स्टरन्स

बावकर वृश्यिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वृश्यीन बुबना

TIZO SIZONO

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, धिनांक 29 मई, 1985

निदेश स्० अई-2/37ईई/13132/84-85-अतः **मुस्ते**, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसको इसको पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गमा है')., की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पर्नेट नं 35, वी रक्त हा, बूसरी मंजिल रेटिन स्टिनेंट, जाट नं 52, वर्मावा, अन्धेरी, (प०), बम्बई में रिवत हैं (ग्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणत हैं) श्रोर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के खं के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजरहीं हैं, तारीख 3-10-1984 हो पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम में स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई वें और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य से कम में स्वयमान प्रतिफल के, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त प्रतिफल को पह जी स्वयमान प्रतिफल को पन्तर प्रतिकार प्रतिफल को प्रतिकार प्रतिकार में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिकार) के बीट्य परि कन्तरण के निम्म तय पामा गना प्रतिफल निम्मलिखित उद्यार्थ के उच्च अन्तरण सिधित में बास्तिक रूप से स्विपत नहीं किया गया है:—

- (का) बन्तरण सं हुई किसी काब की बाबस उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अथ उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कै अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. हीरा लाल लिलत कुमार एण्ड कम्पनी

(अन्तरक)

2. श्री विजय गगन लाल निग्

(अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारि में सम्पत्ति है)

4. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन की विष् कार्यवाहियां करता हूं।

धक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वना की तामील से 30 दिन की नविध, को क्रिकेश नविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान सिखित में किए था सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्क अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित् ही, वहीं अर्थ मृोगा, वो उस अध्याय में दिवा चुया ही।

यनुसूची

फ्लेट नं० 35, जो थी स्कन्ध, दूसरी मंजिल, रोहित अपार्टमेंट प्लाट नं० 52, एस० नं० 41 (पार्ट), अर्सोवा, अन्धेरी (बम्बई) में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क से० ग्रई-2/ग्रईई/13132/84 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रिजिस्ट के किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 29-5-1985

मोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाराक 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश सं श्रई-2/37-ईई/13131/84-85---भनः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 59, सी-स्कंब, पहली मंजिल, राहित भ्रपार्टमेंट, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है, (ग्रीर इतके उताबब श्रनुसूबो में श्रीर पूर्ग रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बय्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-1984 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के परयमान प्रतिएंज के जिए अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विश्वास करने का क्यरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का माजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल ध्ययमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं क्रैर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरिप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (गा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर किमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रीन निम्नतिबित व्यक्तियों, वर्धात् ह्—

- श्री हीरालाल लिलतकुमार एण्ड कम्पनी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रमेश मगनलाल निग्।

(धन्तरिती)

3. धन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रन्सरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

चक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्याक्ष्यीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 59, जो सी-स्कंघ्र, पहली मंजिल, रोहित भपार्टमेंट, फ्लैट नं० 52, एस० नं० 41 (पार्ट), भोशिवरा, मंबेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कंश श्रई-2/37–ईई/13131/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अस्थई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मुक्युः मार्चः डीः, एनः, एवः -----

--- 1 मेल्स हरिला कार्परिशन

(भ्रन्तरहः)

2. श्रीमती प्रोमिला महीन्द्रु

(भ्रन्तरितीं)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

शारत ब्रकान

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० अर्ध--2/37-ईई/13495/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण धास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उनत अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्भात, जिसका उचित भाजार मृस्य 1.00.000/- रु. से अधिक हो

1,00,000/- रु. से अधिक ही
श्रीर जिलकी सं० फ्लैट नं० 1, पांचवीं मंजिल, "निसल"
प्लाट नं० 78, जे० पो० रोड़, श्रंधेरों, बस्बई में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपाबख अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), श्रीर जिलका करारतामा श्रायकर श्रधितियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिधारीं के शार्यालय, में शिजस्ट्री हैं, तारीख 12-10-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान श्रीतफल से, ऐसे स्थ्यमान शितफल का मन्द्रह प्रतिश्व से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अधिकार निम्नलिवित उद्घरेष्य हे उक्त अंतरण के लिए तय पाया ग्या श्रीतफल निम्नलिवित उद्घरेष्य हे उक्त अंतरण मिवित में बास्विक रूप से कथिस नहीं किया गया है ३---

- (क) वंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उपस् किसिनियम के अभीन कर दोने के जन्मरक के दार्थत्य में कमी करने के उससे बचने में सुनिधा के किए; भार/या
- (क) एंशी किसी अाय या किसी भन या नन्य नास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने भें स्थित के विष्ट;

अतः अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण वं, में, शक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के क्धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

बनत् सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में काई भी आक्षेप् उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादः;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सि (खित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणं:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनके अध्याय 20-क में पहिस्क्षिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

पलैट नं 1, जी पांचवी मंजिल, "नेसल" प्लाट नं 78, जें पीं रोड़, अंधेरीं, धम्बई में स्थित है।

भ्रमुसुची जैता हि क० सं० भ्रष्ट-2/37 ईई/13495/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई हारा विनोंस 12-10-1984 की रस्जिटई किया गया है।

> लक्ष्मण्यस् सक्षमः प्राधिजारी सहायकः द्वायकर श्रायुक्तः (तिरीक्षणः) श्रर्जन रेज--2, बम्बई

सारीख: 29-5 1985

प्रकल बार्च , द्री. एन , ध्रुत्या, नाना नाम क

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, विनांक 29 मई 1985

निदेश सं० श्रर्ह-2/37-**ई**ई/13846/84-85--श्रतः मुझे.

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मूल 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिनकी संव पलैष्ट नंव 69, सी-स्कन्ध, चौथी मंजिल, रोबेहित ग्रपार्टमेंट, ऑशिवरा, अंधेरी (प०), असींवा, बम्बई में स्थित है (और इपसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में निर्णित है,) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269 हा, ख़ के प्रधीन बम्बई पक्षम प्राधिहारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारींब 26-10-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसकी बहरमान प्रतिफल से, एसे बहरमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरन ते हुई किसी बाय की नावत्त, उनत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; बौर/बा
- (ख) ऐसे किमी आय या किसी भन या **मन्य मास्तियाँ** को, जिन्हें भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ्र प्रयोजनार्थ अंतरिती इंगरा प्रकट नर्ही किया गया ्रथायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अस. लक्त अधिनियम की भारा 260-ग के अनगरण में में उक्त रुधिनियम की भारा 360-ए की जवभारा (1) के अधीन जिम्मिलिलिल भ्यक्तियाँ, अर्थात :---

1 हीं रालाल लिखतक्मार एण्ड कम्पनी

(भन्तरकः)

2 श्री कमलाकान्त युधिष्टा पंडिट।

(अन्तरिती)

3. मन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

4. प्रन्तरक

(यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता ह कि वह स्म्पत्ति में हिसबाइध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से ं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकी।

ल्पछीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सची

पलैट नं० 69, जो सी-स्कध, चौथी मंजिल, ओशिवना, रोहित ऋपार्टमेंट, अन्धेरीं (५०), बम्बई, बर्सोका में स्थित

ग्रनुसूर्वा जैसा. कि कि सं∘ भई- 2/37-ईई/13846/ 84-88 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनाक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिवारी सहायवः श्रायक्र श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-2, वस्कई

तारीख: 29-5-1985

प्ररूप आहे. टी. एग. एस. -----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्षायांलय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई अम्बई, विनांक 29 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/13245/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दाय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह चिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और भिनिको मं० पलैट नं० एत०/407, तेप्टून श्रपार्टमेंट्स, बोशियारा, अन्त्रेरीं (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इतसे उपाबद्ध अनुभूवी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिलका क्राएनामा आयहर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अवीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याय में रिकर्टी हैं, तारींक 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतर दिली (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्त उद्वेद्य से उक्त अंतरण जिलात में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; खर/या
- (का) इसी किसी आम या किसी धन वा जन्स आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या निवा जाना जाहिए था, छिपान से सूबिशा के लिए:

अंतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारी (1) को अपिन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अवीत् : (1) 1. मेसर्स हिरानन्यानी बिल्डर्स ।

(भन्तरकः)

2. श्री गुरु शरन एस० कौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन ्**्रियए** कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त के ब-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

फ्लैट नं एन | 407, जो नेष्ट्र प्रवार्टमेंट्य, हिरानन्दानी इस्टेंट, अपना घर के पीछे ओणियारा, अंधेरीं (प०) धम्बद्धी में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ि क० सं० श्रई-2/37-ईई/13245/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्म्ण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रोज-2, **सम्बर्ध**

सारीख: 29-5-1985

प्रस्य बाह" टॉ. एव: एव:

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं अई-2/37-ईई/13249/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 39 व के अर्थात सक्षम प्राथिकारों को यह विक्यात करने का कारण है कि स्थावर संप्रतित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० बी/703, सातवीं मंजिल, स्काय ब्राकर, अपना घर के पीछे, ओशिवारा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), (और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984 को दुर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन बाजार मृल्य से कम के ख्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का गईह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचत उद्देश्य से उक्त अंतरण निविच में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, जमत अधिनियद के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया. जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

1. मेसर्स ग्रपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स्।

(अन्तरक)

- भीना एस० गुरनानी और श्री सुरेश एस० गुरनानी। (अन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनीथ, जो भी जनीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराष्ट्
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस निधित में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और वदों का, यो उक्छ अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा दवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी/703, जो सातवीं मंजिल, "स्काय वाकर", ग्रपना घर के पीछे, ओशिवारा, अधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि का सं श्रई-2/37–ईई/13249/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बार्च टी. एन. एस. ---- ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सहकाड

कार्यासय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रजंन रेज-2, बम्बर्ड

धम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देण सं० अर्ध-2/37-ईई/13189/84<math>-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह पिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पिछे, ओशिवारा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थल है (और इससे उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान अतिकल से, एसे प्रथमान अतिकल का प्राप्त का कारण है कि यथापुर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान अतिकल से, एसे प्रथमान अतिकल का प्राप्त का स्थाप वार्त की पर अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्राप्त किता, निस्तिविधन उन्देव से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तिकल, निस्तिविधन उन्देव से उस्त अन्तरण लिखत में वास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुइं िकसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दास्तिय में कमी करने गा उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) है क्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मेसर्भ प्रापेक्स कर्स्ट्रकशन्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती स्मिता हेमंतवुःमार बोतारे।

ं(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग् <u>मः</u> सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन को संबंध में कीई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की गविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तिवाँ में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमा प्रयावत शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्नेट नं० बी/402, को नेक्ला श्रपार्टमेंट्स, हिरा नंदानी ६स्टेट, श्रपना घर के पीछे, आणिवारा, अंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ७० सं० श्रई-2/37-ईई/13189/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 5-10-1934 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रारुक्त (निरीक्षणी) श्रर्जन रॅज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मोझर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मार्थकर माधिनम्भ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-के (1) के मधीन कुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37—ईई/13183/84-85—-प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित आबार मूल्ब 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पर्लंट दं 201/ए मरकुरी अपार्टमैट्स ग्रीमिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाँब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर आधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10~1984

करे प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के कामनानु भूतिकम के बिए बन्तारित की गई हैं और भूओं वह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिश्व से सिथक हैं और अंशरक (बंधरकों) और बंधरियों (बंधरितियों) के बीच श्री जतरण के लिए तय वाना पना प्रदिष्क फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-जिक रूप से क्थित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्मरण ते हुई किसी आव की बावस, उपक अधिनियत्र के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाहित्रथ में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविभा के हैंसए; बार/थ।
- (क) एची कियी बाव वा किनी थन वा अल्य जास्तिनी का, किन्दू अपूरतीय आस्का अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उनेत किनी किना वा धनकर जीवनियम, 1957 (1957 के 27) है प्रयोजनार्थ करोड़िती द्वारा प्रकट मुद्दी किया शया था या किया बाना बाहिए वा, किनाने में वृत्यिंग है सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्था में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिस अधिकत्यों, अर्थात् :— 1. मेसर्स हिरानंदानी बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सावता श्रार० भोजवानी।

(अन्तरिती)

3. ग्रन्सरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग[े] में सम्पत्ति है)।

ही। यह तुमाना वारी करके पूर्वीक्त संपत्ति से वर्षन के जिए सार्वपादिकों करता होंगू।

जक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विच की अविधि मा तत्स्यवन्ती स्वित्तरों पर सूचतः की हात्रीक के 30 दिन की ववींभ, सांभी ववींभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींका व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीवर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दिख- वस्थ किसी जन्य व्यक्ति व्यारा, अथोहस्तासरी के लग्ध किसी कर्य क्यों स्थित व्यारा, अथोहस्तासरी के

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त र ब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को कन्याय 20 के हैं परिभाधित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्यी

फ्लैट नं० 201/ए, मरकुरी अपार्टमेंट्स हीरा नन्धानी इस्टेट, 4 बंगला, ओशियरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37–ईई/13183/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहरः

प्रकथ बाह् दी पुर पुरस प्रवतन्त्रकार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालंग, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13182/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी स० फलैट नं० जै/208, जूपिटर ग्रपार्टमेंट्स, ओशिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम **के दश्यमान** प्रतिंफल को लिए भन्तरित की गइ भौर यष्ठ विष्वास करने का सम्पत्ति का उच्ति बाजार मूल्यः, उसके द्वयमान प्रतिफल सं., एेसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्वरिय से जनत अतरण लिखित में वास्तविक रूप सेृकश्यि**त नहीं गया E*** i.—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक य दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी था या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर धिनियम, 1922 (1927 का 11) या उनते अधिकाम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति की द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

शतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, गैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (३) के अधिन, जिन्नजिक्ति आकितमों, अर्थात् क्र— 1. मेसर्स हिरानंदानी बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० एच० मर्चेंट और श्रीमती जेडे० ए० मर्चेंट।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोर्ग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :- ~

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावित स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

भन्स् भी

पसैट नं० जे/208, जो जूपिटर श्रपार्टमेंट्स, ओशिवरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० अई-2/37-ईई/13182/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 5-10-1984 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण औ्रास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बर्

तारीख: 29-5-1985

प्रकृष बाह्र .टी एवं एस . ------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-श (1) के सभीन सुचना

- Carriel De Monte de la Colonia de la Colo

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985 .

निदेश स० ग्रई-2/37—ईई/13242/84—85——ग्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (196 1का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202/ए०, ग्रटलास ग्रपार्टमेंट्स ग्रोशिवारा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम त्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप संकाथन नहीं किया गया है:—

- (क) शक्तरण में हुइ किसी नाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्बने में सुविधा हो निका करें/ म
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, 1987 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्ष अधिनियभ की धारा 269-म की उपस्पत्र (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. मेसर्स श्रपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रंजली कुमार

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रम्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उन्नर

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन करों अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों, यह सूचना की तामील से 30 दिन करी बचिभ, वो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति हुनारा,
- (क्) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी की धास विकित में किए जा सकोंगं।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का. जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया स्पर्य हैं।

समस्य

प्लैंट नं० 202/ए०, जो श्रटलास श्रपार्टमेंटस, हिरा-नंदानी इस्टेंट, श्रपना घर के पीछे, श्रोशिवारा, श्रंधेरी (प०), अम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कं सं प्राधिन-2/37-88/13242/84-85 धरीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बाई।

दिनांक: 29-5-1985

मांहर :

मुक्त नार्षे . स्री .पुन् , पुन् _{अस्तरमञ्जयसम्बद्धाः}

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सुचना

हाउव ब्राकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रकंन रेंज-2, अम्बई अम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निवेश सं श्रई-2/37-ईई/13235/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'उसत अधिनियम' महा गया हैं), की भाग 269-स के अभीप सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सिटीजन शाप नं० 1, जमीन मंजिल, प्लाट नं० 27, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिक्षितियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है), तारीख 5-10-1984

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्त- जिस कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्। किसी आय की वाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वावित्व में कमी करने वा उससे बचने में स्टिक्शा से जिए; सौर/वा
- (क) पेसी किसी नाथ या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कृष्ट्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरित ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा से लिए;

शतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधान, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अधित्:—— ा. मेसर्स रविराज कार्पोरेशन

(भ्रन्तरक)

2. श्री नरेश एन० संतानी

(भ्रन्तरिती)

सी वृद्द सूचना चारी कड़के पूर्वोक्य सम्मृतित के सर्भग के हिन्छ कार्यवादियों करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के ट्राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिम की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस इम्बा के उपस्पत के प्रकारत की तार्रीय के 45 दिल के भीतुर उनक स्थान्य सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य स्थानत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित क्षी, बही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिस पदा है।

अनुसूची

सिटीजन शाप नं० 1, जो जमीन मंजिल, प्लाट नं० 27, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/13235/84-85 ग्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रॅज-2, बस्बर्ध

तारीख: 31~5-1985

बोद 8

इक्य बाद'ं टी., पुरः, पुरः,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

कार्रास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ट बम्बर्स, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13234/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की वारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपवत्त बलार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० णाप नं० 6, जमीन मंजिल, बेनक्सेर, एस० नं० 41, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400 058

ॣ स्थित है (श्रौर इसमे उपाधद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिन्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी लाग की जायत , उनत अधिनियम के अधीन बाह की के बस्तरक और वावित्य में अधी कहा ने ना नवर्ष करने में सुविधा के शिव्या और/वा
- (था) एंखी फिसी नाम या फिसी भन या अन्य जास्तियों
 तो जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिन्नियम, 1922
 (1922 का 11) या अन्त विभिन्नियम, या
 भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 नया था या किया जाना आहिए था, जिपाने में
 स्विभा को सिन्ह्

जतः क्या, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, वर्धात क्र— 1 मेसर्स रविराज कंस्ट्रक्शन्स

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुकेण रामस्वरूप गुप्ता/श्रीमती भगगान देवी ग्रार० गुप्ता/श्रीमती श्राणा राजेन्द्र कुमार गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के नर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्बन्धि के क्यांव के संबन्ध में काहि भी बाक्षेप ः---

- (क) बुख बुख्ना के हुज्यून में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बुख्ना की तासीन ते 30 दिन की अवधि, को भी बच्ची वास में संयोक्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (प) इन्नड स्पना के राज्यका में प्रकारत की तारीन से 45 विष के श्रीकर उन्दर स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वृष् किसी बच्च स्थावित द्वारा, जुओहस्ताक्षरी के वास सिमित् में किए जा स्कॉर्च।

स्वयं जिस्म : - इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्यों का, को उकत अधिनियमं, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बेदया गया है।

अनुसूची

शाप नं 6 जो जमीन मंजिल, बेनझेर, एस० नं 0 41, वर्सीया, श्रीधेरी (प०), बम्बई-400 058, में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि सं श्री 2/37-ईई/13234/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायबार आयुषत (निरीक्षण) क्रजैन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 31-5-1985

योहर 🛭

प्ररूप आई°.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक जायकर जायुक्त (निद्रीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985 🗀

निर्देश सं ॰ श्रई-2/37-ईई/13577/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं जीज प्लैंट नं 506, ए० विंग, पांचवीं मंजिल, 4 बंगलोस, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984

कायालय, वस्बद्द म राजस्ट्रा ह, ताराख 16-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सम् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दिक से उक्त यंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक ते हुई किसी आम की वाबत, उक्त अधि-पियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में समिधा के लिए: और/या
- (क) एति किसी आय या किसी धर्न या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण मों, मीं, उसत अधिनियम की धारा 260-ग को उपधारा (३) के न्यीन निम्निलिसित अधिकतयों, अधीत् :--- 1. मैसर्स रविराज बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मास्टर बिमलेण कुंमार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पर्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क्) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पुस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसर्वी

क्रीज, फ्लैट नं० 506, जो, ए० विंग, पांचकी मंजिल, 4 बंगलोस, वर्सीवा, ब्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कै० सं० श्रई-2/37-ईई/13577/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी, सहागक आधकर आयुवत (तिर्दक्षण), प्रजैन रेंज-2, बरबई

दिनांक: 31-5-1985

मोहर 😸

प्रकृप बाड .टॉ.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन सुचार

भारत सरकार

कार्यात्रय, बहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2. बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० प्राई-2/37-ईई/13104/84-85--प्रतः मुझे, सक्मण वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. सं आधिक हैं

शीर जिसकी सं० कीज, पर्लंट नं० 402, चौथी मंजिल,
प्लाट नं० 25, वसींवा, शंधेरी (प०), बम्बई में स्थित
है (शीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शीर पूर्ण रूप से विणित
है), शीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961
की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984
को.पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के पश्चमम श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्वींक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम वामा गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्स अन्तरण किवित में बास्तविक कम से किथत नहीं कमा गया है ;—-

- (क) जनतरण से हुई किसी गाय की वागत, उक्त जिथितियम के जधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्ज में कमी करने या उत्तसे बचाने में कृषिशः दायित्ज के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निक्नितिकत् व्यक्तियाँ, अभीत् :--- 31--156GI/85

1. मेसर्प रविराज बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2 श्री उत्तम सिंह के॰ गुरनानी।

(भ्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस तृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- स्थावर किसी अन्य स्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

वन्स्यी

बीज, फ्लैट नं० 402, जो, चौथी मंजिल, प्लाट नं० 25, वर्सोना, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/13104/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंत-2, बम्बई

सारीख: 31-5-198**5**

मोहरः

प्रकृत बार्व्द**ी . इन . एवं** ,,----------

जावनार श्रीपनिकत्त, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुधना

भारत संस्कार

कार्यामयः, ततुरवक जायकर बाव्यतः (निरीक्रण)

भ्रजीन र्रेज-2, बन्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1985 हारां- सर्वे श्रीय क्रिंगिया वर्षा

निवेश सं० ऋ**ई-2/37-ईई/13578/84-85--- प्र**तः मुझे, लक्ष्मण दास.

कासकर मिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-क में अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारभ हैं कि स्थावर तज्यस्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/-छ. तें अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ब्रीज फ्लैट नं० 505, ए, पांचवी मंजिल, प्लाट नं० 25, 4 बंगशोस, वर्सोवा, ब्रधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मरित के उचित बाबार बृह्य हे का के कावाम कितालक के लिए अम्मरित की गई है और मुक्ते यह विकास करण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बर्गित का उचित बाबार बृह्य, उसके दृदयमान प्रतिकल है, ऐसे दृद्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए सब वाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य ते उच्त अन्तरण किकित में वास्तरण कर कार्या के सित्रह के सम्मरित्र के स्वीवत में वास्तरण कर कार्या कार्या के सम्मरित्र के स्वीवत में वास्तरिक क्ष्म के कीचत नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरच से हुई किसी जाय की, शावता, उक्त किंधिनियन के अभीत कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे श्वने में सुविधा के बिक्; और/का
- (ख) एसी किसी अान वा किसी अन वा अन्य जास्तियों का निन्हें भारतीय जायकर वीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरकी बुवारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में जुविधा के लिए;

लतः अब. उक्त समिनियम की भारा 269-न के अनुसरम में, मा, उक्त सधितियम की धारा 269-म की उपधारा (६) के अभीत स्थिनिमिल स्थमितमाँ, अर्थातः :---- 1. मेससं रविराज बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुन्दरलाल शरदा।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुबना भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्वान के किए कार्यवाहियां सुक करता हो।

क्यत तक्ष्मीत को अर्थन के सम्बन्ध में कोई की नाक्षीप :---

- (क) इस त्यान के राज्यम तो प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की बनीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्यान की ताशील से 30 दिन की समित, को बी समीय बाद में तजापत होती हो, के भीतर प्रविकत कानिताओं में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) क्लस्पना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में विजयहर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाराः अभोहस्ताक्षरी के भीव लिखिल में फिए जा सकरेंगे।

धन्स् परि

श्रीज, फ्लैट नं० 505, ग्र० जो,/पांचनीं मंजिल, प्लाट नं० 25, 4 बंगलीस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई, में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि से ग्रई-2/37-ईई/13578/ 84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई द्वारा दिनाक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारीक् सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्मई

तारीख: 31-5-1985

प्रकृष नार्षं . दी . एन . एस------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरोद्धक)

भ्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1985 निदेश सं० भ्रई-2/37-ईई/13910/84-85--भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर किथिनियम, 196! (196! का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्द अधिनियम' महा गया हैं), की भाव 269- के अभीन सवाम प्राधिकारी को मह निक्यास करने आ कारण हैं कि स्थानर सम्भति, जिसका तीवत वाधार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 705, बी, सातवीं मंजिल, डेन्फोल, प्लाट नं० 31 श्रोशिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी, बस्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृश्य से सम के स्वयाध्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे अयमान प्रतिफल स्व पम्हह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिकती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम बाधा गवा प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उपस बंतरण जिलिक में आस्तिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उपस बंतरण जिलिक में आस्तिफल स्व से अधिक नहीं सिम्मा गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसा बाय की बावता, बाबकर विधिनियम को वधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में केशी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; सौर/या
- (ब) एंसी किसी जाय या किसी भून या बन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के निए;

नतः अन, उक्त नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त निधिन्यम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नधीन, निज्नीलेखित व्यक्तियों, नधीत :— 1. मेसर्स रविराज डेवलपर्स।

(मन्तरक)

2. श्री राम तीर्थंदास श्रीमती जानकी श्रार० खती। (श्रन्तरिती)

का वह त्याना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कम्बेगिहिकों करता हूं।

क्यत सन्दक्ति के नर्भन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दालीम से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (वा) इस क्ष्मभा को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य क्षित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित में किए जा सकोंगे।

रनच्छीकरण:--- इस में अभूमत सब्दों और पदों का, जो उनत सीभीनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

तम संची

फ्लैट नं० 705, बी, जो सातवीं मंजिल, डेन्सील, प्लाट नं० 31, श्रोशिवरा, यस्ति, अंग्रेरी बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० मई-2/37—ईई/13910/84–85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27–10–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

ता शिखा: 31-5-1985

त्रक्ष बाद . दी , पूर् , एव . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-आ (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-2, बन्बई वम्बई, दिनांक 31 मई 1985

ि निवेश सं० अई-2/37-ईई/13575/84-85--श्रतः **मुझे,** लक्षमण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण-हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अंद जिनको सं बी , फ्लैंट नं 201, बीं , दूनरी मंजिल फ्लाट नं 25, जो, एतं नं 41, (पार्ट), वसींवा, अंदेरी, वस्वदी में स्थित हैं (जींद इससे उपावद धनुसूची में और पूर्ण रूप से धींगतही), और जिन्ना करारनामा श्राय र अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के श्रधीन सकम आधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्र, भेगितस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक स्व से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी बाय की बायक, उबस बाधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दाभित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 १ 1 १००३ का ११३ १० इस्ता सिह्मियम, के धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) र स्थाजनाथ अधिनियम, दिश्या प्रश्रुट नहीं किया गया या ६ किया जाना चाहिएचा, क्रियाने में पूर्विका के लिए।

अतः अव, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण्मां, मी, उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1)। के अभीतः जिल्लालिका व्यक्तियों, वर्षात् ■—

में उर्व रिवराज बिल्डर्स।

(ग्रन्सरकः)

2. श्री श्रनिल कुमार ह्वाभी, श्रीमती सीताबाय ह्वामी (ग्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक् कार्यमाहियां करता हूं।

उनक संपति के अपन के तंत्रभारों कोई भी आ सोग:---

- (क) ६८ सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीच से 48 हम की समित या तस्त्रीमंत्री व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की समित्रि, जो भी समित्रि साथ में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी स्थक्ति सारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बद किसी धन्य व्यक्ति दारा, प्रश्लोहस्तासारी के पास विवित में किये का सकेंगे

स्वक्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त कच्छा प्रोर पथा का, जा उक्त धाक्ष-ात्रवम ं अध्याय ामक मे परिभाषित है, बड़ी सर्थ होबा, को उस घम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बीज, फ्लैट नं० 201, बी०, जो दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 25, एन० नं० 41 (आर्ट), धर्सीया, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि से पर पर-2/37-हेरी 13575/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिमांक 16-10-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास स्थाम प्राधिकारी स्रहायक पायकर पायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**ं: 31-5-1985

मोहर ६

प्रकृप कार्डे . ही . एन . एस .------

क्रायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मधीन क्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/13574/84-85—अतः मुझे लक्षमण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

प्री जिसकी संव डेंजिन, पलैंट नंव 202, बी, दूसरी मंजिम, प्लाट नंव 34, वसींवा, प्रेमेरी, (पव), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) भीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्वयं मान प्रितकत को लिए अन्तरित को गई है और मृत्र यह विश्वात करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयं मान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिवात से बाधक है और बंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण चे हुई सिक्षी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जरि/बा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 सा 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा था या किया जाना पाक्षिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उकर अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में सकत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मैसर्स रविराज स्वलेपर्स ।

(अभ्तरक)

2. श्री बापिटस्ट १रेरा ।

(अम्बरिती)

चाँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शक्ष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्थ किसी कन्य व्यक्ति ह्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

रक्किरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो सकत सधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा' जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

बेंजिल फ्लैट नं० 202-बी, जो दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 34, वर्सोवा, मंधेरी (५०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/13574/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा, दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर भागु त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बिर्माक 31-5-1985 नोहर ध

् प्रकृत बार्ड्,दी, ह्या, युस , ज्याननार व

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के जभीन स्थान

न्त्रकान् संबंधीर

कार्यावद, ब्रह्मायक शायकर मायुक्त (निरक्तिण)

क्षर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/13236/84-85— अतः मुझे सक्ष्मण दास

परिष्य किशासित । 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथित विकास किशासित का अहा गया हैं), की आख 289-व के क्षीन क्यान प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्बक्ति, जिसका जीवत बाकार सूच्य 1,00,000/- क. हे सिधक हैं

मोर जिसकी सं प्रलैट नं 101 अ, पहली मंजिल द्वीश प्लाट नं 25 वसींवा यंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ग रूप से विणित है भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीब 5-10-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के अभित बाजार मृस्य से काम के रवसमान प्रितफल के लिए रीजस्ट्रीकृत विशेष के अनुवार अस्त-रित की गई है और मुख्ये वह विश्वास करने करने का कारण है कि संधापुनावत संपत्ति का उपित बाजार पृत्य, असके अपनात अस्तिक से, एंसे रवसमान प्रतिकत का पत्त्रह प्रतिसंत से वर्षिक है और असरिक (जनतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा बमा प्रतिकत्त निम्नलिखिए उद्वेषम से असत अंतरण कि लिए तम पामा वमा प्रतिकत्त निम्नलिखिए उद्वेषम से असत अंतरण कि लिए तम पामा वमा प्रतिकत्त निम्नलिखिए उद्वेषम से असत अंतरण विश्वित में अस्तिक सम से कीचत नहीं कि सा बना है :----

- (क) अंतरण से क्ष्में सिकी बाय को बायस, अवस् अभिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक का बामिस्त में कामी कारण का उपक्षे अपने में सुप्रधा के १०ए: और/धा
- (क) एंसी निसी बाय वा किसी भय वा बन्ध वास्तिको भय, जिन्हें भारतीय जाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त विभिन्नियम, वा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्धरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा भाना जाहिए था, किया में सुद्धिना के निका

नस्त अब धनस् निर्माणयम् को पास १६९-म को समुद्धरण हो, हो, बाक्त निर्माणयम् को नास २६९-म की सम्बद्धाः (1) हो नपीन, निरमधिषिक स्मित्यों, नपीस् :--- 1. मैसर्स रविराज बिल्डर्स

(अंतरक)

श्री चतुर्भुज धमनलाल कंदारी।
 श्री जम्नु चतुर्भुज माटिया।

(मर्सरिती)

चा यह तुचना जारी कम्पने पूर्वोक्त संपर्ति के अर्चन के सिए कार्वपाहिनों करता हुँ:

उबत राम्परि के मर्भन के बंबंध में सादि भी भाषी ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की जनिम ना सस्त्रंनंधी स्थानिसमी पर सूचना की सालीख से 30 विन को सामिष, को भी सर्वाध नात्र में समस्त्र हांसी हों, के भीतर प्रवेक्त गर्वाक्टकों से स्वित्ति। क्येंक्ति सुकारा.
- (क) इस सूचमा के राज्यम में प्रकासन की तारीक से की दिन के जीतर उक्त रमावर सम्मित में हितन्य व किसी कम्म व्यक्ति द्वारा, वभोहस्तावारी के गास विविध में किए वा समापै।

स्थवाकरकः -- इसमें प्रमुक्त कन्यों जौर पद्यों का, को उक्त जीननियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस्त अध्याम में विया प्रमा ही।

वप्त्र वर्ग

फ्लैट नं० 101 जो पहली मंजिल, प्लाट नं० 25 वर्सोदा ग्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०सं० वर्ड-2/37ईई/13236/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण बास सन्नम प्राधिकारी सञ्चामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 31-5-1985 मोहर ॥ प्रसार करती, जी, एन पेर्ट्स कार्या

नावकर श्रीपीनकन, 1961 (1961 व्य 43) वर्धे भारा 269-म (1) के वर्षीन सूचना

भारत सरकार

🦈 हार्यातम, बहुनक मानकर मानुका (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, शम्बई

बन्बई, विनांक 31 मई, 1985

निवेश सं अई०-2/37ईई/13233/84-85---- अतः मुझे लक्ष्मण वास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवास 'उनत जीनीनयन' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन नक्षम प्राणिकारी को वह विश्वति करने का कारक हैं कि स्थावंद कमाति, जिसका करिया करना मुख्य 1,00,000/- सा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बेनजर पर्लंट नं० 201-अ, दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 9, 9 अ वर्सोवा बम्बई में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका क्षिल्यामा आयकर अधिनियम की घारा 269 क ख के अधीन सक्तम प्रा धिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5-10-85 को पर्योक्त सम्बन्धित के श्रील राजार मूल्य से कम की ध्रप्रणात श्रीतफत के लिए बंतरित की गई है बौर नृत्ते यह विकास करने का कारण है कि यथावृत्तेक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल से पंत्रह विवास है और अंतरण के लिए तय पामा यहा प्रतिफल, निम्मिशिश उद्वांच्य से उसत बंतरण कि लिए तय पामा यहा प्रतिफल, निम्मिशिश उद्वांच्य से उसत बंतरण कि लिए तय पामा यहा प्रतिफल, निम्मिशिश उद्वांच्य से उसत बंतरण कि लिए तय पामा महा प्रतिफल,

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त जिला कि बारियम के क्यीन कर दोने के बन्तरक के दायर में कमी करने या उसते वचाले में बुविधा के सिए; और/मा
- (क) एंनी निश्वी नाम वा निल्ही धन वा अग्र नारिसनों कों, अिन्हें भारतीय नारिसने शिवित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उपता जीधीनवमा, दा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनाथ जन्तरियो वृश्या अभ्रष्ट नहीं किया गया वा या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुनिशा के निए;

जत: जब, उन्त अभिनियम की धारा 269-म्थ के अनुसस्य जो, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन. निभ्योत्तिकत् व्यक्तिकों, अर्वात् :--- 1. मैसस रवि राज कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्सरक)

2. श्रीमती तारा गोपाल कामत।

(भन्तिरती)

को नह मुखना धारी करको पुर्वोक्त सन्त्रति के वर्षण को जिल् कार्यपाहियां करता हुएं।

क्यां संगील के नर्भन के बंबंध में कोई भी असार :---

- (क) इस सूचमा है राजपण में त्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की सुर्वीच वा तत्वाच्याणी व्यक्तियों पर
 कूचवा की धार्यक्त से 30 दिन की सर्वीच, को भी
 कर्मण क्षाव में चनाण्ड होती हों, के भीतर पूर्वोच्छ
 व्यक्तियाँ में से रिश्ली माण्डि द्वारा;
- (क) श्राप्त स्थान के राजपण में प्रकाशन की शारीश से 45 दिन कें औदर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध विक्री कन क्यांक क्यांच स्थाहरताक्षरी के शास विज्ञीत में जिल्ह जो सकोने।

स्वक्रीकरण:—द्वामें प्रमुक्त कव्यों और वर्गों का, वो उक्त अभिनियम, के अञ्चल 20-क में परिभाषित ही, वही कर्य श्लोमा जो उन सञ्चाय में दिया वया ही।

मग्राची

बेमजर, प्रलैट नं० 201-अ, जो दूसरी मंजिल प्लाट नं० 9, 9 अ, वर्सोवा ग्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13233/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दःस सक्षम प्राधिकारी सहामक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

बहिए ३

71

न्यकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-न (1) के क्योंन सुबना

बारव कहरूला कार्यालय, सहायक वायकर भागूकर (निर्धालक)

अर्जन रेंज-2, सम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई, 1985

निदेश सं० आई-2,37ईई,135494,84-85--अतः, मुझे, सक्षमण दास

बक्रकर अधिनियम, 1961 हैं 1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें प्रान्त 'उन्त विविधिनान' कहा प्रधा हो, की बाद्धा 269-च की वाजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्यास करने का कारण हो कि स्थापर संस्थित, जिसका अधिक वाजार नृत्य 1,00,000/- रा. से संधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1311, जो 13वीं मंजिल इमारत मॅननम टावर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंश) 4, बंगला, वर्सोबा शंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से घणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 कखा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विनोक 12-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कारवाय शिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वाध कार्य का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिकी (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पस प्रतिकात, निम्नतिसित सब्देश्य से उस्त सम्बर्ग किस्तित में भारतीयक क्य से कथित नहीं किया बना है :---

- (क) असरण से हुन्दें शिक्ती अस्य की वावस, अवस्य वीधिनियम के अधीन कार दोने के वांकरक के दायित्य में कामी करने या उत्तचे वचने में कृष्टिका के सिए, क्रीश/दा
- में प्रेसी निस्ती आव वा किसी थन वा अन्य वास्तिक की, जिन्ही प्रारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवते जिथितियम, या थन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वास्ति था, कियाने में सविधा के लिए;

श्रुत: कव. उनत अधिमियम की धारा 269-म के अनुवारन को, भी, उनत अधिमियम की धारा 269-म की सपभारा (1) को अधीन निस्तिशिक स्थायकतों, अधीत : मैसर्स लोखडवाला इस्टेट एण्ड क्षेत्रलपमेन्ट कंपनी ्रे(प्राईवेट) लिं ।

(पन्तरक)

2. श्रीमती इंदीरा रामी हरोली।

(मन्तर्दिती)

की वह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के दिह्य कार्यकाहियां कारता हुं।

बस्य संस्परित से वर्षण की सम्भाग में काई भी वासंप् :----

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच वे 45 विज की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वात की तामीन से 30 दिन की अविध, को भी विधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्णका कि किया में से किसी व्यक्ति इवास;
- (प) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में विस्वकृष्ट किसी सम्ब व्यक्ति वृक्षारा, अभोइस्ताकरी के शास विश्वकृष्ट किसी सम्ब व्यक्ति वृक्षारा, अभोइस्ताकरी के शास

स्पव्यक्तिकान :---इसमें प्रयुक्त घटवाँ और पताँ का, जा उकर अधिनियम के अध्याय 20-का में पहिन्दाचित हैं, बही वर्ष होगा मा उच्च अध्याम में दिव भवा है।

धपुसुची

पर्णैट मं॰ 1311 जो 13वीं मंजिल, इमारत मॅग्नम टावर्स प्लाट मं 357 एस० नं॰ 41 (अंग) 4 बंगला, वर्सीबा, प्रमेरी (प॰) वस्त्रह में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अहि-2,37ईई,13495,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी नम्पई द्वारा विनाम 12-10-198 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> अक्षक्षण वास स्वाम प्राधिकारी सहामक मायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोक : 27-5-1985

जल्क साह^र्टी एस् एम. ----

आएकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जल रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्वेण सं० अई-2/37ईई/13953/84-85—अत:, मुझे, लक्षमण दास

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वसम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उधित राजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 103, जो 1ली मंजिल, इमारत सनी साईड-बी, फ्लॉट नं० 355, एस० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (५०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रो विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विभाक 29-10-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास नार्वे का कारण है कि यथाप्योंका सम्पत्ति का उचित बाजार तृत्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गन्द्र प्रतिकार से अधिक है जरि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्ति) के पीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अध्य अधिक नार्वे अन्तरण कि सित में बास्त्यिक स्थ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वें होई भिक्की बाय की बालेस उपकर व्यक्ति । नियम से अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्व में काने) कारने या असरी बचने में गृथिल। का लिए: आग्र/या
- (न) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य कास्तियों को, खिला कारतीय शासका विधिनयंत्र, 1922 (1922 कर 11) या उत्तत विधिनयंत्र, या ध्य-कार लिशिनयंग्या, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्याना प्रकट नहीं किया गया या अ किया नाम नाक्रिए का, क्रियान से स्थिभा

रंत का, उन्सा शिक्षियम की बारा २८६ का की बन्धरण मो, मो, उन्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 32 ——156GI/85 मैसर्स लोखंडवाता इस्टेट एण्ड डेबलगमेन्ट कंपनी (प्राइवेट) लि० ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रेशमा द्रस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारों करके प्रक्रित उच्चीरत के रुकी के लिए कार्यवाहिया बारता हो।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, यो भीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित- बब्ध किसी बन्य स्थित बवारा, नभोहस्ताकारी के राख निकास में किए का सकता।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम के अध्याय 20-के में यथा पारभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्पी

फ्लैंट नं 0 103, जो 1ली मंजित, इमारत सनी साईड-बी, प्लॉंट नं 0 355, एस० नं 0 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13953/84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ं अर्जुभ र्जेज-2, अस्वर्द

दिनांक : 27-5-1985

मोहर ह

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्कना

भारत बरकाब

कार्यांलय, सहायक जामकर जाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/13406/84-85—अनः, मुझे, लक्षमण दास

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (पिन्ने ध्राके इसके प्रवाद 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० पलैष्ट नं० 1701, जो 17 वीं मंजिल, इमारत मौनम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बस्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाधार बूत से काम के स्थानन बितिफल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मन्य स्तक क्यान प्रतिकृत का बन्द्र प्रतिकृत के बाजार मन्य स्तक क्यान प्रतिकृत का बन्द्र प्रतिकृत के बाजा के बन्दर प्रतिकृत के बाजा के बन्दर (अत्तरित्वों) को बाजा के बाजा के बन्दर के बिद्य के बाजा के प्रतिकृत के बाजा के बाजा के प्रतिकृत के बन्दर के बन्द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सकने मं स्विधा के सिए; और/धा
- (क) एसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्रिभा के जिए

अतः जकः, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के जमसरण ी. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीनः निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेंट एण्ड डेवलपमेन्ट कंपनी (प्राइवेट) लि॰ ।

(अन्तरक)

2. कुमारी अलका पसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए: कार्यवाहिना करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना कें राजपण में अकाशन की तारीच कें
 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस तुष्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्यास अधीहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकों ने।

नवृत्त्वीः

फ्लैट नं० 1701, जो 17वीं मंजिल, इमारत मॅग्नम टावर्स, प्लॉट नं० 357, एस० नं० 41 (ध्रेश), 4 बंगला, वर्सीवा, श्रेधेरी (प०), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं संब्अई-2/37ईई/13406/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाञ्च सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-5-1985

प्रकल नाइ.डी.एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की संबीत स्वना

भारत संह्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13158/84-85—अतः, मुझे, लक्षमण दास

सक्त्यकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) (त्यसे इसमें इसमें प्रवाद 'उन्त स्थितियम' कहा गया है), की धारा 269-स के स्थीत, स्थाम प्राविकारी को वह विकास सक्त्रों का कारण है कि स्थायर सम्भित्त, विस्था उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

शौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 106, जो 1 ली मंजिल, इमारत सनी साईड-बी, प्लाट नं० 355, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, बसोंवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रांर इससे उपाबद अनुसूची में श्रांर पूर्ण, रूप से विणत हैं) श्रांर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5-10-84 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कन के दरमान प्रतिकत के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास अन्त का कारम है कि यथम्पूर्वेक्त सम्मत्ति का जीवत बाजार मृत्य, जबके दरमान प्रतिकत समित के निष्ण के क्यां का कारम है कि यथम्पूर्वेक्त सम्मत्ति का जीवत बाजार मृत्य, जबके दरमान प्रतिकत से अविष्ठ है बीड क्यारक (क्याइकों) और सम्बद्धि (अन्तरितियों) के बीच एक ब्याइक से लिए एक गमा प्रसारित के स्थादित करण से किए एक गमा प्रसारित के स्थादित करण से किए। का निष्ण से वास्तिव करण से किए। एक गमा प्रसारित के से से किए। से सिंप निष्ण से किए। से से किए। से से क्या में वास्तिव करण से किए। किया गया है :---

- (थ) जन्सरण तं हुएं किती जान को बावता, उनका समितियम क सभीन कर योगे के अन्तरक के सामित्य में कृती करने वा दबने अपने में तृतिका के लिए; और/या
- (क) ध्रा किसी भाग या किसी धन या बन्य वाकिस्वा को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवोध-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था किया में सुविधा के लिए;

वज्ञ: क्यं, उन्त बर्धिनियम क्छै भारा 200-च के संबुद्धरण जो, जो उन्तर बर्धिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविद्यं किन्तीं, सर्वास्त्र क्र— 1. मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट एण्ड डेवलपमेन्ट कंपनी (प्राइवेट) लि॰।

(अन्तरक)

2. श्री निर्मल कुमार देख बर्मन् ।

(अन्तरिती)

को महस्पया जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्थ कार्यवाहिष्यं करता हुं।

उपत सच्यक्ति के नर्जन के सम्बन्त में कोई भी जानोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिम या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तानील से 30 दिन की नवदि, जो की अनिम बाद में अनाव होती हो, के जीवर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बुधना के बचपन में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्बक्ति में हितथपृथ किसी अन्य स्थानत द्यारा अशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः :---इसमें प्रयुक्त वृक्ते और पत्ने का, को छक्त अभिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उन्न अध्याय में विया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, जो 1ली मंजिल, इमारत सनीसाईड-बी, फ्लॉट नं० 355, एस० नं 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि सं० अई-2/37ईई/13158/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; बम्बर्ग

विभांक: 27-5-1985

मोहर 🏻

प्ररूप बार्ष: दी. एन. एस. -----

भागभर अधिविधम, 1961 (1961 আ 43) কী भारा 269-ম (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर जामुक्त (निर्योक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/13309/84-85—अत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मूज्य

1,00,000 / - रुत्त. से अवधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1309, जो 13 वीं मंजिल, इमारत मंग्नम, टॉवर्स, एस० नं० 41 (श्रंग), 4 बंगला, दर्सोवा, श्रंधेरी (५०) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण क्यांने विभिन्न हैं) श्रीर जितका करायनामा जाय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 8-10-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृख्य संकम के अध्यमान प्रसिफल के लिए अन्टरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास सरने का कारण है कि यथा पूर्वीवत संपत्ति का भाजार मृल्यं, उसके स्वयमान प्रसिप्धल ΨŢ प्रतिशत से **श्रम्भान प्रति**फल के पन्**रह** मार अंतरक (अंतरकाँ) और मंतरिती (अंतरितिया) को बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नुलिसिल उबुब देय से उक्त अन्तरण सिवित में नास्कविक रूप से कार्यित नहीं विक्रवागया 🧗 :----

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी आब की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्हें बचने में सुविधा के जि़द; और/बा
- (च) होसी किसी आज या किसी भन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय जाज-अन्ह अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से जिख;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- म सर्स लोखंडबाला इस्डेप्ट, एण्ड डेबलपमेन्ट कंपनी (प्रायवेट) लि० ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता आर० सखरानी।

(अन्नरिती)

3. मेसर्स श्रीजिवरा लेण्ड डेवलपमेन्ट कंपनी (प्रायवेट)

(बह व्यक्ति, जिसकेअभिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख र्स 45 दिन की जनकिया तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिधि, जो भी अत्रिध बाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति ब्यासा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में 1000 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1309, जो 13 वी मंजिल, प्लाट नं० 357, इमाप्त मंग्नम, टावर्स, एस० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्मोवा, (श्रंधरी (५०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०स० अई-2/37ईई/13309/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दासं स**ज्ञम प्रा**धिकारी**∭** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक 27-5-1985

मोहर 🖫

रुक्ष **कार्द . टी . ऍन . एक** हा अन्ध्यन्यम्यान्य

कायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के जभीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/13408/84-85---प्रतः मुझे लक्ष्मण दास

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का सारण हैं कि सभाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1112, जी 11वीं मंजिल, इसार।
मैंकी इन्हें टॉवर्स फ्लाट नं० 357, एन० नं० 41, (श्रंग), 4 वंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपावद श्रनुसूची में श्रीर जी पूर्ण कर में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के शबीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजर्झा है दिनांक 11-10-1984

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के एडी एक में कदी अपने या अवसे शबने में सूचिक के लिए; शर्र/भा
- (स) एती किसी आध या किसी भन या बन्त जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर विश्वित्वनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-कर कौंधीनयम, 1957 (1957 का 27) के एक्केज्ज व्यन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गश्द ा सा निया भाग वाहिए ना, जिनाने में स्तिका स्रोतिए;

रक ७० राज अधिनियम की भारा 269-न की अन्वरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निम्मतिकित व्यक्तियों, अभीत् ६ मैसर्स, लोखंडवाला इस्टेट, एण्ड डेबलगमेन्ट कम्पनी (प्रायवेट) लि० ।

(अन्तरक)

2. श्री परिमन्दर ग्रेवाल ग्रौर ग्रन्य ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार हैं अं 45 दिन की सबीध या तत्सा बन्धी ज्यक्तित हो। पर ख्वना की मानील से 30 दिन की जबिथ, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमं प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, का उपस वृधिनिषय के अध्याय 20-के से परिसाधिक है, वहीं अर्थ होंगा, आ उस अध्याय में दिशा पद्मा है।

अनुसूची

पलैट ॄैं नं ं 1112, जो 11 वी मंजिल, इमारत में नम टॉवर्स प्लाट नं 357, एस० नं 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13408/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनांक 27-5-1985 मो**ह**ु ध

प्रकर मार्द्र <u>, श्री , एव , एक, क र क</u>रकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन न्यमा

हारत बहुकार

कार्याजन, बहायक आयकर आवृत्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/13830/84-85—ऋतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-ख के अधीन सदाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृज्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं प्रलैंट नं 1212, जो 12 वो मंजिल, इमारत मॅग्नम टावर्स, प्लाट नं 357, एस० नं , 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिएका करारनामा श्रायकर श्रंधिनियम की धारा 269 कख के श्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 26-10-1984

कां पूर्वोक्स संपरित के उषित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान शितफण के लिए बन्तरित को गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पात का उजित बाजार ब्रुप, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह ब्रितिस्त से अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया बातफल, निस्नतिचित उद्वरेष से उक्त बन्तरण जिखिल भें बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुद्धं किसी आप्ने को अप्तर, उज्ज्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने वा उससे बचने में सुविधा के निष्; और/वा
- (क) एसी किसी जांच वा किसी थन या जन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय जानकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धनकर जिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा चकर नहीं किया गया जो की किया जांगा जाहिए था, छिपाने में स्विधा हो किया।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की भार 269-ए की अनुसंदर्भ में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1-) को अभीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों , अर्थाब्ध ध— 1. मैं सर्स लोखंडवाला इस्टेट, एण्ड डेवलपमेन्ट कंपनी लिं० ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री लूसिश्रो प्रकाश शेट्टीं।

(अब्तेरिती)

को यह सूचना जारी कब्के प्रबोंक्ठ संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

एकत सम्मतित को नर्जन के संबंध में कोई भी नाखेंच ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वृत्ती बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में त्रकालन की तार्तृत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कित्ववृध किसी अन्य स्थितत व्वारा, अभोहस्ताकारी को पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः ----इसमें प्रयुक्त खब्दों जीर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष कृतित को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1212, जो 12 वी मंजिल, इमारत मॅग्नम टॉवर्स, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13830/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्माण्य दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-2, बम्बर्ष

धिनांक: 27-5-1985

मोहर ः

प्ररूप आहें.दी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृक्ना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बभ्बई
बम्बई, विनांक 27 मई 1985

निदेण सं० अई०-2/37ईई/13407/84-85—म्प्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1111, जो 11 वि(मंजिल, इमारत मॅग्नम, टावर्स, फ्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (श्रंग), बंगला, वर्सोवा, श्रधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (भीर इससे उप्रकृत भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विनोक 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उल्पित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उल्पित बाजार मूक्य, उत्तक क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और एसे क्षेतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे जन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उज्जास से उक्त अन्तरक जिल्लिस में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (ऋ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-"नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ में अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त भिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- मैं मं लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेवलपंभेन्ट कंपनी (प्रायवेट) लि० ।
 - (अन्तरक)
- श्री विमलजीत सिंह ग्रेबाल ग्रौर श्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नवस ची

फ्लैट नं० 3 1111, जो 11 वी मंजिल, इमारत मेंग्नम टावर्स. प्लाट नं० 357 एस० नं० 41 (ग्रंश) 4 बंगला वर्सीवा श्रंधेरी (प०) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13407/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेज-2; बरबई

दिनांक 27-5-1985 मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत करकार

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 27 मई, 1985

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/13307/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर किंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् (उत्तर अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पिर, जिनका जिलत हाजार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक है और जिसकी संव फ्लैंट नंव 603, जो 6 वीं मंजिल, इमारत रेसिडेंसी,-बी, प्लाट नंव 38, एसव नंव 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अधेरी (पव), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कल के अधीन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 8-10-1984

- प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 8-10-1984 की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमाद व दितकन के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्मित का उचित माबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिकृत से वृधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय गाया गया प्रतिक्र फल निम्मिलिखत उद्वेद्य से उन्तर बंतरण सिखित में वास्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है :--
 - (का) बंगरण स हुई किसी श्राम को बावत, उपत सिनियम के बधीन कर दोने के बंगरक के बाबित्य में कभी करने का उग्रम सका में म्हिना के सिए; स्टिशा
 - (क) एसी किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तायों का, जिन्हों भारतीय अध्यक्त अधिने का १८० (1922 का 11) या उदत अधिकार्य, अ धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 17) रे प्रयोजनार्थ योगिरती प्रधारा का कार्य का या किया जाना काहिए था। जिल्हा के अधिकार के अधिकार की कार्य के विषय:

बत: बब, उक्त बधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैनर्स लोखंडवाला प्रिमायसेन (प्रायवेट) लि० । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुशीला वि० पप्रीवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्डन के तिए कार्याक्तियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की टावधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों उर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, दे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवस बीधनियम के बध्याय 20-क में प्रिकृतित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 603, जो 6 वीं मंजिल, इमारत रेसिडेंसी-बी, फ्लाट नं० 38, एस० नं० 41(अंश), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि के सं० स्राई-2/37ईई/13307/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग दास सञ्ज**म**्ताधि गरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक 27-5-1985 मोहर: प्र**रूप आह**े सी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भूतिक सञ्जाति

कायनिय , महायक अपाध्य कामुक्त (निर्देशका)

महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2,

बम्बई, दिनांक 27 मई, 1985

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/13306/84-85--- श्रन: मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १ सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का करण हो कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उचित बायतर सुल्य 1,00,000/- रुत्तः से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 705, को 7 वीं मंजिल, इमारत, रेक्ट्रियी-बी, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वसीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबह मनुमूची में भ्रौर को पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करार-नामा भ्राय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 भी धारा 269 कख सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक

कर्ने पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इक्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इच्य्यमान प्रतिफल से, ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिरात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में **बास्तिविक रू**प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के असारक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने के सविधा के लिए; और/या
- (स) एसा किसी अय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आशकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यंदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

असः अबः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---33-156G1/85

- ा. मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्रायवेट) लि०। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री विजय पाप्रीवाल ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्थन के ट्रिस्ट्र कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप रू---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पक्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा नवा है.३.

अनुमूची

पलैट नर्ल 705, को 7 वीं मंजिल, इमारत, रेसिडेंसी-बी, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41(ग्रंग), 4 बंगला, वर्सीवा ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

ग्रन्**स्ची जैसा कि ऋ० सं० ग्रा**ई-2/37ईई/13306/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्धः किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-5-1985

मोहर 🌣

बस्य मार्ड<u>.</u> टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 27 मई, 1985

निर्देश म० अई-2/37ईई/13305/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, को 6 वीं मंजिल, इमारत, रेसिडेंसी-बी, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, श्रंधेरी (प०), वम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में-श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम को धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का ज्वाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बारा नाशा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में में अस्तिक रूप से केंश्रित नहीं किया गया है :—

- हुँकी अध्यरक सं हुई किसी बाय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को शाधित्व में कभी करने वा जनसे बचने में सुविधा दें सिए; हरि/श
- (क) एसी किसी काम या किसी धन या क्य बास्तियों की, जिल्ही भारतीय लेंग-कर अधिनियम, 1932 (1622 का 11) या उक्त वृधिनियम, या असल्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ क्लिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा धा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा से किए;

जतः अव, जक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्धरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के बधीन, िम्हिलिखित व्यक्तियां, अधितः :—

- 1. मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्रायवेट) लि॰। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विजय पाप्रीवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन हिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गी।

स्पर्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, प्रदे हैं क्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

सनमधी

प्लैंट नं० 601, जो 6जीं मंजिल, इमारत रेसिडेंसी-बी, प्लाट नं० 38, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क०सं० श्रई-2/37ईई/13305/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा, दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास समक्ष पुष्ठिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त पेनिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-5-1985

मक्त मार्ड : हो. एम्. हस् अल्डासन्तर

भाषका मृश्वित्वन, 1961 (1961 का 43) वर्षी भाषा 269-च (1) के मधीन सूचना

BISS REPORT

कार्याज्य , ब्रह्मम्क सामकर बान्यद (पिक्रीक्षाप)

भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13250/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके शहके परवाद 'उनत विधिवनमं नका यस हैं), की भारत 269-व के वधीन, बक्रम प्राधिकारी को, नह विकास करने का कारण हैं कि रचान्द्र स्थादि, जिल्ला उपिया सामाद्र मुख्य 1,00,000/- का से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं शाप नं 17, नेबूना, ग्रपार्टमेन्ट्स, ग्रोशिवरा, ग्रधेकी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विनाक 5-10-1984 का पूर्विक्व सम्मरित के जिबब बाजार मूल्य से कम के व्यथमान शिवक्व के निय वस्तुद्धि की पहाँ है बार मुझे यह विवयक करने का कार्य है कि यथापूर्विक ते संपर्धित का ग्राह्म करने का कार्य है कि यथापूर्विक ते संपर्धित का ग्राह्म का वस्तु का कार्य करने का कार्य है जोर बस्तु क्या का प्राप्त का प्राप्त करने का कार्य करने वा वस्तु कार्य कराइक (अन्तुर्का) बार बन्तुरिती (बन्तुरितिका) के बीच एसे कन्तुर्क (अन्तुर्का) वार बन्तुरिती (बन्तुरितिका) के बीच एसे कन्तुर्क (जन्तुर्का) के वार्य वस्तुरक (बन्तुर्का) के बीच एसे कन्तुरक (बन्तुरक्त क्या वस्तुरक्त का कार्य कराइक वस्तुरक्त का कार्य का कार्य कराइक वस्तुरक का कार्य कराइक वस्तुरक (बन्तुरक्त का कार्य कराइक वस्तुरक (बन्तुरक्त का कार्य कराइक वस्तुरक का कार्य कराइक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक का कार्य कराइक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक का कार्य कराइक वस्तुरक का कार्य कराइक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक का कार्य कराइक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक वस्तुरक कार्य का कार्य कराइक वस्तुरक वस्तु

- (क्रा) क्षा कर के कार्य के कार्य कर कर के कार्य कर के कार्य के कार्य कर कार्य कर कार्य कर कार्य कर कार्य कार्य कार्य कार्य कर कार्य कार्य
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य वास्तियों को, विक्तुं भारतीय वाय-बार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरियों स्वारा प्रकट महीं हैं बारा अध्या भा वा किया जाना लाहिए था कियाने में सुविधा

क्काः स्थ, उन्त विधिनियम की भारा 269-न के वनुसरण की, भी उन्त विधिनियन की भारा 269-म की उपभाहा (1) को वधीन, निस्तीसीवर्त काविद्यार्थी, अभीव 8-का 1. मैसर्स प्रपेक्स कंस्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

2. श्री सैय्यद शकील हैंदर ।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक ।

(वह न्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह स्वता वारी कारक पृथींक्त सम्बन्ति के नर्जन के सिष् कार्यसाहितां शुक्त करवा हुई।

उक्त बन्दरित के बर्जन के ब्रुक्वण्य में कोई भी नाशेष :---

- (क) हुए सूच्या के अनुष्य में प्रकाशन का नारोन से 45 किये की ब्रांचित में तर्मान में व्याप्त की व्याप्त में प्रकाशन की व्याप्त में भी क्वाच में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्य व्याप्त से किसी व्याप्त स्वाप्त स्वा
- (क) इन्ह स्वाम के स्वयम में प्रकाशन की तारांश से 4'5 किन के बीधर उक्त स्थानर स्थातित में हितबहुध किनी कम्म क्यांकित दुवास स्थाहस्तास्तरी के बास सिचित में किस था सकते।

स्वक्षीकर्णः - इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्यों का, को उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मम्स्यी

हीरा नन्दानी इस्टेट, श्रपना घर के पीछे, शाप नं 17, जो नेबुला, श्रापार्टमेन्द्स, श्रोशिवरा, श्रंधेरी (प०), बम्बई ; स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/13250/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां**क: 29-5-198**5

४६म आइ⁸.टी.एत.इस.:-----

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जासकर काय्यत (निरीवाण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई, विनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/13161/84-85—अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिननम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधास् 'जनस अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम आधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 105, जो, 1ली मंजिल, हमारत, सनी साईड-बी, प्लाट नं० 355, एम० नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वसोंवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर हमने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 5-10-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की मर्झ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकल के जिल्ह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्सरक (अन्सरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्सरण कि कि से वास्त अन्सरण कि कि से वास्त कि कर से कि सित में वास्तिक रूप से कि सित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी अध्य को बाबत, उक्त आधिनियम के अधीम, कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उत्तदे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) श्रेकी किसी काम मा किसी धन या जन्म आस्तियां कां, फिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवासनामं अस्तिरती ब्रुक्त प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जातीहर था, कियान में सूर्विका से निर्हा

क्क अन्, उनत अधिनियन की भाष 269-म के अनुप्रदन 47, यो, उनत अधिनियम की धार्य 269-भ की उपधार (1) के अधीन,, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स लोखंडवाला इस्टेट्म एण्ड खेंबलपमेन्ट कंपनी
 (प्रायवेट) लि० ।

(अन्तरक)

श्री हिमान्शी निर्मल कुमार देव बर्मन।

(अन्तर्युती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूच्य करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कूत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद्राकृद्ध किसी जन्य क्यक्ति व्याग मधोहस्ताक्षरी के पोध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

फ्लैट नं० 105, जो 1ली मंजिल, इसारत सनी साईड-बी, प्लाट नं० 355, एस० नं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं० र्सं० अई-2/37ईई/13161/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जम रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-5-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आह², टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>र</u>। 269-व (1) के अभीन स्वना

. माउक इंटकांड

कार्यालय, सहायक मायकर माय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देश मं० म्रई 2/37ईई/13480/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (शिसे इसर्वे इसके परचात् 'जनत अभिनियम' कहा गवा है')., की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उपित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी संवक्तेंट नंव 118-ई, ग्रंजली, प्लाट नंव 2, वसीवा विलेज, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें . उपावद्ध ग्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर . जिसकी करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उजित बाजार मूल्य से कम के स्थमनान व्रतिकल केलिए अन्तरित की गई है और मुक्तें **यह विश्वास** करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्परित का उपित बाजनर मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लि**खि**त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्द<u>र</u>म सं **शुर्द रिक्**डी बाद की बादब_ि कानु निविद्युत् में न्यीन कर देने में व्याह्म है वाधित्त में कभी कुरने या उपसे बजुने में सुविधा न्ने मिए; नहिर्मा
- (क) ए'सी किसी नाय या किसी भन या नम्य नहींस्त्यों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर वृधिनिवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या भनकर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिहाती व्याहा प्रकट वहीं किया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुद्धिया चे सिए:

अतः अवः उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में हो में , उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 📲 अधीन, निष्निल्चित व्यक्तिमें वर्धात् 🏗---

1. बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशम ।

(भन्तरक)

2. श्री युमुफ खॉन नेमात खॉन।

(भन्तरिती)

को यह स्वाना कारी करको प्राप्तित सवित्त को क्वीन को लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुए ।

उक्त सम्बक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाह्य ह---

- (क) इस स्थान के ग्रावित्र में प्रकाशन की तारुशि से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तानीत से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिना के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरावस्थ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्नुष्टिभेकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त बायकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैंट नं० 118-ई०, जो भ्रंजली, प्लाट नं० 2, वसींबा विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा की कं० सं० श्रई-2/37ईई/13480/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्र भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 30-5-1985

uite i

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुक्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रकीत रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13557/84-85—-ग्रतः मुझे सक्स्मण दास

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'इक्त समितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के जभीन तक्षक प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका स्रोजत वाजार मृत्य 4,00,000/- रा. ते अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 228, गीतांजली, प्लाट नं० 2. एस० नं० 121, 7 बंगेलोस, वर्सीवा विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकः री के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 10 श्रक्तूबर 1984

को पूर्णक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान विकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मृन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक उद्देश्य से उसत अन्तरण निर्मिक सं वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त जिंध-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते अचने में सुनिधा के तिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

असः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

वाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री डाटे ग्रबदुल रशोद हसन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्कन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को, अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

प्लाट नं० 228, को गीतांजली, प्लाट नं० 2, एस० नं० 121, 7 बंगलोस, वर्मोवा विलेज, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची कैसा की कं० स० श्रर्ड-2/37 ईई/13557/84-85 श्रांट की सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास-सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 30-5-1985

प्रस्प आहें.टी.एन.एस. -------आयकद अधिनियह, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण)

महायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेंज-2, तम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश मं० श्रर्घ-2/37ईई/13919/84-85----श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकार 'उल्ल अधिनियम' यहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धि, जिल्का उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. ते अधिक है

श्रौर जिसकी संब्द्याट नंव 122, श्रंजली, प्लाट नंव 2, वर्सीवा विलेज, ग्रंबेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हे, तारीख 29-10-1984

को पूर्वीकत संपरित के उचित वाजार मूल्य में कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोकत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तरण निस्त में वास्तिनिक रूप से किशत नहें किया गया है:—

- (था) जनसम्ब से हुई (कासी जाग की जावत, संकक्ष जिल्लीनयम के जभीन कर गाँ के प्रस्तरक के दासित्स में कमी करने या उसक जाने को म्हिथा के लिए: और/शा
- (स) लेखी किसी बाम वा किसी भग या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उसत अधिनियम, एस भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से बसोबनार्थ बन्दरियों इसरा प्रकट नहीं किया विभाग को किस के लिए।

क्षाः ६४, उक्त धारिकिएक की वारा 269-य के विस्तरिक मों, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, विस्तिकितिक व्यक्तियों. अथित् :—— 1. बाम्बे हार्जामग कार्पोरेशन।

(श्रन्तरक)

र्शामती फोडा राड्क्सि।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिएमां करता हूं।

जनत सम्बक्ति को अर्थन को सम्बन्ध मों काई भी बाक्षीय हु--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीब हैं, 45 दिन की अपिय या सल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिथ, जो भी अपिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशित की शारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पत्र सिकिस में किए सा सकी गे।

स्यक्रिकरणहर---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा संसाहकै।

والمستغنده

प्लाट नं० 122, जो ग्रंधेरी, प्लाट नं० 2, वर्सीबा विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

यनुसूची जैसा की कं० सं० क्रई -2/37ईई/13919/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख: 30-5-1985

मोहर 🛊

प्रकृष नार्षं . टो. एन- एष . ----

शायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बचीन स्थान

STEEL STREET

कार्यालय, सञ्चयक जायकर वायुक्त (निरुक्तिक)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13752/84-85—-अत: मुझे लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्तम प्राध्यकारी को यह विश्वास कार्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 313, श्रंजली, प्लाट नं० 2, वर्सीवा विलेज श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रूधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22 श्रक्तूबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह फिल्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पति का जीवत आवार बूक्य, उपके स्थमान प्रतिकल को पंत्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित व बारतिक स्थ से सम्बद्ध महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्दिरियो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपान में स्विधा की लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 1. बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चन्दर हीशुमाल खिलनानी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्धन के निष् कार्यगाहिक करता हुं।,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीता पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में अकाशन की तारी कु रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कृष्य व्यक्ति स्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्दित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिजाबित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 313, को प्रांजली, प्लाट नं० 2, बर्सोवा विलेज भ्रंधेरी (प), बम्बर्ड में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा की ऋं० सं० श्रई-2/37ईई/13752/84-85 श्रौर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10= 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्रौन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजीन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**ं: 30ब5-19**85** मोहर: शक्य आ**इं**.टी.एन.एस. ------

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मृजना

भारत संरकार

_ कार्यालय, सहायक वायकार वाय<mark>ुक्त (नि.रीक्रक</mark>)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 30 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13918/84-85---- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धित्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

भौर जिसकी सं०पलेट नं० 114, प्लाटनं० 3,एस० नं० 121, वर्सोवा विलेज, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन स्थम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29 ग्रक्तुबर 1984

को प्वाँकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य ने कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्वाँक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्दाह प्रतिकृत से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया भ्या प्रतिफल, निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण चिकित में शस्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण बंहुई किसी नाय की वाबत, उच्छ निधीनयम के जभीन कर दोने की जन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; सरि/या
- (स) एसी किसी नाथ या किसी धन या कत्य शास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सविधा के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 34--156GI/85

ा. बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

· 2. श्री रमेल जे॰ मिरानी, श्रीमती सपना ग्रार॰ मिरानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतां हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पर्धिकरणः -- "समो प्रयुक्त शब्दो और पर्दों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में विका नवा है।

बन्त्वी

फ्लेट नं रा 114, गीतांजली को प्लाट नं 3, एस वन वन्तु 121, वर्सोवा विलेज, ग्रंधेरी (प), अम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋं सं ग्रई-2/37ईई/13918/84-85 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 30-5-1985

4**(₹**)

प्रथम बार्च. डी. एम एस.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . रहें के (1) के क्योंने भूषमा

ब्राइट ब्रुव्हास

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षण)

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रार्जन रेंज-22, बम्बई
बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देण सं० म्रई-2/37ईई/13107/84-85—म्प्रतः मुझे लक्ष्मण वास -

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट ने० 117-ई, ग्रंजली, प्लाट नं० 2, वसींवा, ग्रंघेरी (प), जम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ∦प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 3 श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के श्रथमान शिवाल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रमाप्ति का उचित वाकार मूल्य, उसके दर्यमान शिल्कत से, एते दर्यमान प्रतिकाल का प्रमाप्ति के देखमान शिल्कत से, एते दर्यमान प्रतिकाल का प्रमाप्ति प्रतिकात से अधिक हो और अन्तर्य (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितिमों) के बीच एति अन्तरित के विष् तय पाया नया प्रतिक्ष्म अवस्थित अध्याप्ति के विष् तय वाका मिन्न के प्रमाप्ति के विष् त्य कर्षण अध्याप्ति के विष् त्य कर्षण अध्याप्ति के विष् त्य क्षण अध्याप्ति के विष् तय क्षण अध्याप्ति के विष् तय क्षण अध्याप्ति के विष् तय क्षण अध्याप्ति के विष्

- (का) अध्यापन में हुए दिस्सी नाम भी नामक क्यम माधिन नियम को अभीन छन दोने के अन्तरक नी श्रीयत्व में क्यमी कड़के मा क्यमी नमने में मुनिया के स्थित नीस/मा
- (क) वृत्ती किसी बाद ना किसी धन ना अन्य वास्तिनी की, जिन्ही भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें अविधानियम, 1957 (1957 का 27) खें अविधानियम, वाहिए था, स्थिपाने में सुविधा खें विद्या।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मों, भी, उक्ते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मलिखित व्यक्तियों, अभारतः— 1. बाम्बे हाउसिंग कार्पोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सतीम चन्दर ग्रोवर।

(भ्रन्तरिती)

बरें सह सुभवा जाती करकी प्राधित सम्पत्ति के सर्भन के निकः कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पृतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् ---

- (क) इस स्मृता के राजपण में प्रकायन की तारीय है 45. दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यविदायों पर सूचना की तालीय से 30 दिए की वर्षीय, थो भी व्यविद बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर्स व्यविद्यों में से किसी व्यक्ति हुवाहरण
- (क) इस सूचभा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सन्मत्ति में हिट विकास की किसी बन्ध व्यक्ति हवारा अभोइस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

ज्याकरणः ----इसमें प्रमुक्त सन्तों भीड़ पूर्वों का, भी उपद जिम्मीनयम के जञ्माय 20-का में परिभाषिष्ठ हो, वहीं वर्ष होगा जो उस अञ्चाय में दिया पूर्वा ही।

मन्**ष्यी**

पर्लेट नं० 117 ई, जो श्रंजली, प्लाट नं० 2, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13107/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणे दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तपरीखा: 30-5-1985

त्रक्य बार्ड . टी . एन . एस . ------

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यां नय, संहायक बायकर आधुक्त (मिरीक्षक) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13665/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इतनें इसनें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के नभीन तक्षत्र प्राधिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थावर बस्तरित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेटनं० 43, चौथी मंजिल, श्राफ के०पी० रोड़, एस ० नं० 42, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20 श्रक्तूबर, 1984

को प्वंदित सपित के उभित बाजार मूल्य से कम के द्वामान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोंक्त सपिता का उधित वाजार मूल्य, उसके क्वमान प्रतिफल से, ऐसे द्वामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अम्बर्ग के लिए तब धाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेय से उन्त अन्तरण लिखित में शुस्तियक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुन्दें किशी बाव की वाबतः, उनस अभिनियत्र के अभीत कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुक्तिभा से लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अन्य बास्तिये।
 को जिन्हों भारतीय साय-कर निभिनयम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था वा किया पाना पाहिए था, कियाने में सुनिभा
 के सिद;

ं अदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनितम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्निकिति व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. मैंसर्स ग्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रजनी मधु जवाहरानी, कुमारी ग्ररूणा सोनपार।

(धन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कर्थी पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिह्य कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्ते सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कार्ड भी बालांडू :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोज के 45 दिन की जनभि वा तत्वंतंभी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि नाप में समाप्त होती हो, को मीतर पृष्टिंग्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस सुनाराः
- (व) इब स्वता के हार्यपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय से 4.5 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में द्वितक्क्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोड्स्ताक्षरी के गांत सिचित में किस वा सकेंगे।

स्वक्षिरण: --इसमें प्रबुक्त सन्दों बीर पर्दों का, जो उक्क अधिनिजम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस सध्याम में किया मना हैं।

अनुसूची

पलेट नं० 43, जो रोशनलाल श्रगरवाल काम्प्लक्स, चौथी मंजिल, श्राफ जे० पी० रोड़, एस० नं० 41, वर्सोबा, श्रंधेरी (प), बस्बई, में स्थित है।

धनुसूची जैसा की क० सं० धर्ड-2/37ईई/3665/84-85 धौर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अस्बई

तारीख: 29-5-1985

प्र**क्य वार्ध**्य द<u>ी.</u> एतः, एव_{ं स}्र

बायकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) के सभीन स्पना

भारत ब्राइमाइ

कार्यांसय, तहायक नायक इ नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

सिवश सं ० मई- 2/37ईई/13672/84-85----म्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्हे इसमें हरूके परवात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्यं 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

म्नीर जिसकी सं० पलेट तं० 113, 11वीं मंजिल, श्राफ जे० पी० रोड, मंधेरी (प), वसोंबा, बम्बई में स्थित है (म्नीर इस अर उपावद्ध मनुसूची में म्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है) म्नीर जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम की धारा 269क, ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20 मक्तूबर 1984

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल को नंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:----

- (क) ब्रुग्यरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के ब्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे मुचने में सुविधा के टिए; कॉर/बा
- (क) एरेसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तिया को, जिन्हाँ भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्टिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मनिया के लि

अतः अव, उक्त आधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण माँ, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैसर्स प्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विविन वर्मा।

(श्रन्तरिती)

की यह स्वता बारी करके पूर्वीक्त सन्पत्ति के वर्षन के विद्या कार्यवाहिया शुरुः करता हुं।

उक्त सम्पर्तिः के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचिका के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर वृष्या की तामील से 30 विन की श्वीध, जो भी विनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृष्या;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्यक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, को अवत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यात में विद्या वया है।

वन्स्ची

पलेट नं 113, को रोशनलाल भग्ने बाल काम्प्लक्स, ग्यारहवी मंजिल, श्राफ के पी रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०स० श्राई-2/37ईई/13672/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण न्द्रीस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहर ४

प्रथम् आर्च्युटी. एतः एकः ------

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के वधीन सुचना

STATE STATE

कार्याचय, तहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेंश सं० म्रई-2/37ईर्ड/13591/84-85---म्रतः मुझे, सक्ष्मण दास

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके परेणात 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित थानार जून्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 404, चौथी मंजिल, मंजू टावर, ग्रंधेरी (प) वर्सोवा, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा प्रियेकर ग्रिधिनियम की धारा, 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 16 ग्रक्तूवर 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उपित शाजार मृत्य से कम के इण्यमान श्रीतफात के लिए बंतिय की गर्य हैं वर्ष वर्ष वर्ष विश्वाल करने का कारण हो कि यथापून। का स्पारत का उपित बाजार बृद्ध, उसके दृष्यमान प्रतिकास से, एमें कश्यमान प्रतिकास का पन्तर, प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिय तय पाया वर्षा प्रतिकास निकासित उप्योध्य से एक्स बनारण कि खिर हों वास्तिक क्य से कांबर के कांबर के सिया तथा से वास्तिक क्य से कांबर के सिया तथा की सामारण कि खिर हों वास्तिक क्य से कांबर की कांबर हैं: **

- (क) बन्तरण वं हुई किसी नाम की नामछ, उपस् निर्मायन के नधीन कर की के नन्तरण के स्वीतस्य में क्सी करने का जबने वसमें में न्विधा की किस; मीस्ट्रिंग;
- (त) ऐसी किसी जाब या बिसी धन या अन्य कास्तिक की, जिन्ही भारतीय आया वाल कांश्रित्तिक 1922 का 11) या अक्त अभिनिवन, वा धन-कड विभिनिवन, 1957 (1957 का 21) के प्रवोधनार्थ कर्योद्धियों ब्वास अक्ट नहीं किया वाल था वा किया की क्या का वालिए वा, कियान भी

जतः जय, अक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण के, मी, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपधारा (। के जभीन, निम्नीतिकत व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैसर्स श्रार० एन० ए० बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती माट्टिना डिमेल्लो श्रीर श्री स्टीफेन डीमेल्लो । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करने पूर्वोंक्स सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहिना करता हूं।

तकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास िसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया महा है।

वयक्षी

फ्लेट नं० 404, जो चौथी मंजिल, मंजू टावर, श्रंधेरी (प०), बम्बई, वर्सीवा, ; स्थित है।

प्रतुमूची जैसा की कि० सं० प्रर्ड-2/37ईई/13591/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षमः प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायु<mark>रूप (जिल्लीकार</mark>) श्रर्जन

तारीख : 29-5-1985

मोद्धर :

प्ररूप बार्च. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारतं सरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यकर जावनस (निरीक्षणः)

ग्रजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13678/84-85--- श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**ष्पित्वाजार सृत्यः 1,00,000/- रतः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 83, श्राठवी मंजिल, मंज टावर, भ्राफ ज०पी० रोडु, एस० नं० 41, ग्रंधरी (प०), वर्सीवा बम्बर्ड, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन मक्षम आधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20 अक्तूबर 1984

कां पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिक्षित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय **नावा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण** र्मिन्दित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गुमा हैं:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की शासत, व्याधिनियम के वधीन कर वने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (श) श्रेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्त्यां को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अपिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज*-*त्रयोजनार्थ वंत्ररिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष् 例图

वतः वय, जनत गीर्थानयम की वारा 269-म के वनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 🕏 सभीन, निम्नसिचित स्पवितयाँ, अर्थात् 🖫 🥌

TO THE STORY OF THE PROPERTY O ा. मैसर्सं भ्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती शिल्पिका गिलानी।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन हो लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के ग्रंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन की ध्विष या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच डे 45 विन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वाकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त मधिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सभी

प्लेट नं० 83, जो रोशनलाल भ्रम्नवाल काम्प्लैक्स, भ्राठवीं मंजिल, मंजू टावर म्राफ जै० पी० रोड़, एस० नं० 41, म्रंधेरी (प०), वसोंबा, बम्बई में स्थित है।

यनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/13678/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है। 🕝

> लक्ष्मणे दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज#2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

आवकर मीर्थानवन, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) वे मुचीन सुवृत्ता

धारत सुद्धार

भावीसय, बहाबक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निर्देण सं० ग्रई-2/37ईई/13679/84-85—-ग्रनः मुझे लक्ष्मण दास

बानकर निर्मातनम्, 1961 (1961 का 43) प्रैंचचे इस्क्री इस्क्री एक्स प्रश्नित का निर्मातनम् नक्स गमा हो, की भाषा 269-च को नभीन तक्षन प्राधिकारी को यह विश्वनक करने का फारण हो कि स्थायर सस्यित, धित्तका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/-क से निर्मक ही

द्वीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 81, प्राठवीं मंजिल, सारंगा टावर, श्राफ जे०पी० रोड़, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), ग्रपना घर के पास बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रीर इससे उग्नबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20 श्रक्तूबर 1984

को नुवासिक नज्यित को अधिक बाबार मुख्य को कम को प्रतिफल को सिए अंतरित को गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि संभापनोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उवके स्वकान प्रतिकत्त्व को, एके स्वकान प्रतिकत का पंदाइ बृतिवा के समिक है और बन्तरक (बन्तरकों) बौर बन्तरिती (बन्तरितियों) के बौच एसे अस्तरण के लिए तय पाया ग्वा प्रतिकत, मिननिवास उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवात में रस्तिवास कम से क्षिया नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण ते हुन्द्रं किसी जाय की बाबत, उन्तर जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाधित में कमी करने या उक्तरं प्रकृत में मृतित्वा के लिए: १०१४/१०
- (क) देवी किसी नाम या किसी भन या अन्य आरितायों की, विक्रू भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 ्र1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की जिल्हा

• अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— मैसर्स ग्राग्ठ एन० ए० बिल्डर्स।

(श्रनंतरङ)

2. श्री नरेश लालचन्द भांबानी।

(भ्रन्तरिती)

की यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के सितु कार्यमाहिमा करता हुन्।

कर विशित है अर्जन के संबंध में काई भी बाधांप :----

- (क) इस ध्रुवना में उज्यान में प्रकाशन की तारीक से 45 जिन की अवधिया तत्सा-जन्मी व्यक्तियों पर बृचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृज्येंक्त अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अधित इवारा क्षोइत्साकरी के पास चिक्ति में किस वा सर्केंगे।

स्यक्ष फिरणः ---- इसमें प्रयुक्त कृष्यों की, पर्यों का, वा उनक् विधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष क्षेत्रा; वो उस अध्यास में दिया गया हैं।

न्यपूर्वी.

पलेट नं ० 81, जो रोभनलाल, ग्रग्रवाल, काम्पलक्स, ग्राटबीं मंजिल, पारंगा टावर, श्राफ जे ० पी० रोड़, श्रंधेरीं (प), वर्मीवा श्रपना घर के पान, बम्बई-400058 में स्थिन है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं० श्रई-2/37ईई/13679/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 की रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त (निरीक्षण) स्त्रर्गन रोज-2, बम्बई

नारीख:29-5-1985

नोहर ॥

प्राप्तम भाषा , ई: गर्न , एन , ----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43₇) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

नारव ब्राट्संड

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37 ईई/13681/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचितः सम्बद्ध मृस्य 1,00,000 ∕- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 24, धूमरी मंजिल, मंजू टावर, श्राफ जे० पी० रोड़ वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20 श्रक्तूबर, 1984

 शृंबोंक्त सुम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को ध्यसमान. अन्तरित की प्रतिभल के लिए गर् सौर करने म्भी विश्वास 8 यह कि मधापुर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके खबमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित .उद्बदेय से उक्त, जन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कींधत न्ही किया गया है हिन्स

- (क) अन्यद्रम से हुए सिकी आन की नायक, समय अधिनियन में वर्षीय ऋदु पोने में मन्तदूर में बार्रियत्व में कनी करने या उससे बचने से स्विधा वे सिए; व्हीर∕ना
- (स) ए'सी किसी बाव या किसी पन या बन्य जास्तिको का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल वृष्टिन्यम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श वन्त्रिती बुवाडा प्रकट वहीं किया मभादायः किया वानावाहिएया छिपाने सें त्विभाक्षेतिह

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्व अर्र, गॅं, धक्त गौभनियम की भग्रय 2.69-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्स भ्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(म्रन्सरक)

2 श्री वेणुगोपाल मुर्लीधर।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्वना बारी कारके प्यॉक्त संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाष्ट्रियां करता 🚮।

उभक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पुर स्थाना की तामील से 30 दिन की बयभि, यो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्चानाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्ही 📉 किसी अन्य व्यक्ति दुवारा वधोहस्ताक्षरी के पाँच मिक्ति में किए वा शकेंगे।

लाक्यीकरण:-इसमें प्रयुक्त सम्बाधिर पृद्यों का, जो सक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गर्गा

फ्लेट नं० 24, जो रोशनलाल श्रग्रचाल काम्प्लक्स, दूसरी मंजिल, मंजू टावर श्रीफ जे० पो० रोड, श्रंधेरी (प), वर्सीवा, बम्बई, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क**० सं० श्रई-2/37ईई/13681/84-8**5 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षप प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहरः

प्रस्य अवर्षे ही. एन , एस , क्वानुनम्बर्धान्य ।

1. श्री चंदूलाल बी० कटारीया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वसंतराव बलवंस काणिकर।

(ग्रन्तरिती)

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 क्यू 43) कर्ष भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

मार्त सरकार

कार्यालय, सहायक आएकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-2, धस्बर्ध बस्बर्द, दिसांज 29 मई, 1985 ्

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/13061/84-85--- मुझे, लक्ष्मण दास .

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके परवास् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि रथावर सम्प्रीत विश्वका उचित नाजा गुल्य 1,00,000/- राज से विभिक्त हैं

श्रौर जिनकी सं० फ्लैट नं० 709, जो 7वी मंजिल, "एवरेस्ट", जे० पं१० रोड़, वर्मावा, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावढ़ श्रनुभूची में श्रोर पूर्ण क्या से वर्णित है) श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1 श्रक्तूबर, 1984

को प्रांक्षित सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से काम से स्थवनाय नितास को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात कारने का कारण है कि स्वाप्योंका सम्पत्ति का उपित आजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिपत्त ले, एक स्थमान प्रतिपत्त का निवास प्रतिपत्ती (वंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पागा गया प्रतिक एक निम्मतिथित उद्विपत से सम्पत्तिक क्ष्म निम्मतिथित उद्विपत से सम्पत्तिक क्ष्म से सीवत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वानता, उकर अविनिधम के ब्योन कर दोने को अंतरक की दाविता में कामी आपने या उसने वजने में भृतिया की निष्का और/का
- (क) प्रेची किसी बाब वा किसी थन या अन्य वास्तियों आहे, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कार श्रीधीनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ सिद्द;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण कें, में छक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिक व्यक्तियों, अर्थान की उपधारा (1) के अधीन किता व्यक्तियों, अर्थान की उपधारा (1)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुई।

बक्क सम्मारित के नर्भन के सम्बन्ध में काई भी बाबीय छन्न

- (क) इस स्थान को राजपंत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिश की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामींच से 30 दिश की व्यक्ति सो और विधि वाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थाप्त;
- (अ) इस स्वना के राजपन में जनावन की तार्रीय से 45 विन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित्तबहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकेंगे।

प्रमाणिकरण: ----इसमें प्रमुक्त कच्छों जीह पूर्वों का, जो उन्तर्ध वीधीनवस, जो नध्याय 20-क में परिशादित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्त्वा

पतेट नं० 709, जो 7बीं मंजिल, "एवरेस्ट" जे० पी० रोड़, वर्मावा अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है। अनुसूची जैपाकि का० सं० अई-2/37ईई/13061/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टड किया गया है।

लक्ष्मण त्यास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

यारीख: 29-5-1985

मोहरः

सायकड सहिंद्यानवन्तः 1961 (1961 का 43) की शहा 269-स (1) में संधीन स्थान

STORY WITH

कार्यायम, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13676/84-अतः मुझे, लक्ष्मण दासः श्रीयकर बिधिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्टेंड प्रकाद अवति अपिनिसमं कहा गया है), की धारा 269 ख के बधीन क्षम श्रीधकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर र्शनिस जिसका सच्छा गाउँ मृत्य

1,90,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं रूम नं 64, पहली मंजिल, रोशनलाल ग्रंग्रवाल शापिंग ग्राकेंड, ग्राफ जे पी रोड, ग्रंधेरी, (प), बम्बई, वर्भोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 के, खंके ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयग्र बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20 ग्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शिवफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएड़ों देत सपित् का अचित बाजार बूल्ब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितीं (अंतोंरितियों) के बीच एसे बंतरण के निष्कृत्य बाया पया प्रीष्ट-कल, निम्निलिखित उद्देश में उन्तर अंतरण लिखित में वास्तर-दिक हम से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बावत, उक्त अधि-निगम के अधीन कर होने के अन्तरक के दायित्व काही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियस, या धन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के किया जाता चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, की, जन्म अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिसित व्यक्तिकारों, अर्थात् :--

1: मैसर्स आर० एन० ए० जिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री रवीन्द्र सिंह ग्रौर श्री गुर्वान सिंह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की श्रवधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवायः;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्धोहस्ताक्षरी के,
 पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्ष देखें हुए :--- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पक्ष का, वो उक्त विधिनवस के अध्याद 29-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना की उस अध्याद में दिया सबा हैं।

अग्राची

रूम नं 64, रोशनलाल अग्रवाल शापिंग आर्केंड जो पहली मंजिल आफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प), वम्बई, वर्सोवा, में स्थित है।

त्रनुमूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/13676/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 29-5-1985

मुक्क , बाक्कें की न हुक न प्रस्ता अवस्था

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) को आडा 269-म (1) के मधीन सुजना

MISH WEIGHT

कार्यास्त्र मार्थक अध्यक्त आवृक्त (निर्देशक)

श्रर्ज न रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13677/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण थास,

नायकर निभिनियभं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके परचात् 'उक्त निभीनयन' कहा पता हैं), की भारत 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्वात करने का कारण है कि स्थापर सम्परित, जिसका उचित नाभार जून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० रूम नं० 65, पहली मंजिल, श्राफ जे०पी० रोड, वर्सोवा, श्रधेरी (प) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायक्षर ग्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृश्व से कम के स्ववजाब प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहें हैं और मुक्ते यह विश्वाब करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम वाया गया प्रतिकल, प्रसन्तिश्वित उद्वादेश से उक्त अन्तरक जिलात में वास्तिक कम से कांचित नहीं दिवा गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाम की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दामित्य में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाडिए था. कियाने में सविधा को जिए।

नतः जन उक्त निर्मागम की भारा 269-ग के सनुबरण मों, मीं, उक्त अभिनेतम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सुभीन, [मन्निक्किक क्यूनिक्यों], सभात :--- 1. मैसर्स भ्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार पी० गुप्ता श्रीर श्री प्रेमनाथ डी० गुप्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के वर्षन के सिध् कार्यनाहियां करता हुए ।

अवस ब्रोदिश को सर्वाप की संबंध में कोई' भी नाशेष :---

- (क) इस सूचना के खबपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड़ कृषना की तामीन से 30 दिन की नवधि, जो भी समीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड)) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकालन की तारील से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताक्षरी को पास सिवित में किए जा सकती।

स्पर्का करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वहाँ का, भी उक्त वीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं.

咽喉喉咙

रूम नं० 65, जो पहली मंजिल, रोशनलाल श्रग्रवाल शापिंग स्नार्केड श्राफ जे० पी०रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प),बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सिंग्स्य है-2/37ईई/13677/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी प्रहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 29-5-1985

मोहरः

प्रस्प नाइं.टी.पुन.एस. ------

ज्ञायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अभीन सूचना

BEST ESPEE

कार्यालयः, सहायक जानकः, आधुक्तः (निर्धाका)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई, 1985

निर्देश मं० अई-2/37ईईई/13667/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् उपक मिनियम' शहा एया है), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाधि, जिसका उचित्र कायार कृता 1,00,000/- रहा से अधिक ही

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैटनं० 301, बी-स्कंध, वर्सोवा, श्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के जीमत काकार मूल्य से कम को सम्मान प्रितिपन के जिए अन्तरित की नहीं है और मूझे वह विपनान करने का कारण है कि क्थापूर्वोक्त सम्मित का जीमत नाजार मूख्य, इसके स्थयक प्रतिपत्त से, एसे स्वयमन प्रतिपत्त का चेत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण वे धूर् किली नाम की नामतः, क्या अधिपिक्य की अधिक कर दोने के लेतरक की नामित्व को काफी कारने या सतने जननं को स्विधा के जिला की रोजिया
- (क) ऐसी किसी नाम ना किसी धन कर करने नारितयों को, जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें निधिनयम, या धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्नाय प्रकट नहीं किया या या या या का का बावा जाना निहर का खियाने में इतिथा के बिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-त के जनसङ्ग के में, से, सेक्ष अधिनियम की धारा 269 व को उपनास (1) के अधीर, शिम्मीसिक्त व्यक्तियों, स्थित्

1. मैसर्स फ्रार० एन० ए० बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री जी० स्वरूप और कराड नारायण।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना आरी करके पूजाँकत सम्पत्ति को अर्थन के जिद्रेक कार्यनाहिको करता हुं।

उन्त संपरित के नक्षर के सम्बन्ध में कोई भी नार्शक:---

- (क) इस पूचना के राजपण के प्रकाशण की ताड़ी हैं 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 4.5 दिन को भीतर उपस स्थावर सम्पत्ति में हित- अकृष स्थावर सम्पत्ति के सास बन्य स्थावर में किए जा सकोग।

भक्तची

फ्लैट नं० 301, जो रोशनलाल अग्रवाल णापिंग श्राकेंड, बी०-स्कंध, वसींवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13667/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण चौरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर, श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 29-5-1985

प्रख्य आहे.टी.एन.एस .-----

कायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

फार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 सई 1985

निर्देण सं० भ्रई-2/37ईई/13454/84-85---- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

ष्ठायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 114, 11की मंजिल, प्राप्त जे० पी० रोड, एस० नं० 41, प्रपना घर के पास, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं) और इससे प्रपाबद्ध ग्रानुसूची में और पूर्ण कप से ब्राह्मित हैं (और जिसका करारनामा आयकर प्रधियम की अर्थि 369 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, नारीख 12-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिकित उक्देश से उन्त अन्तरण विश्वित के वास्तिक क्य से कथित वहीं किया गया है है—

- (क) नन्तर्ज से हुई किसी आय की बाबत, अकत अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिमने में स्विधा के निकह;

अतः अव, उवत अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मी, मी, धवत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अध्योत् ड्रा (1) मैंसर्स प्रार० एन० ए० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री जमनादास नाहिलराम कुरनानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उपत सम्मत्ति के अर्जन के संबंध के काई भी जाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताकारी के वाक जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगसर्वी

फ्लैट नं० 114, जो रोशनलाल अग्रवाल काम्पलक्स, 11वां मंजिल, आफ जे० पी० रोड, एस० नं० 41, अपना धर के पास, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13454/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, 2, बस्बई

विनांक : 29-5-1985

अंतर :

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43); क्यू भाषा 269-म (1) वे नचीन सुचना

REST TRAIN

कार्यालय , बहार्क जायकर जार्क्स (निर्दाक्क)

मर्जन रेज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30-5-1985 निर्देश संब्द्र प्रई-2/37ईई/13954/84-85—मतः भुझ, लक्ष्मण दासः

बायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्काल् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. सं निधक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, बौथी मंजिल, प्लाट नं० 4, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबक मनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड हैं, तारीख 29-10-1984।

का पृथानत सम्परित के उपित बाबार बृस्य ने कव कं समयान प्रतिकल के लिए अन्तरित की मर्थ है और मृत्ये यह विस्तास करने का कारण है कि बणाप्यों कत संपरित का उपित बाबार ब्रुच, उसके सम्बन्धाम प्रतिकास से, एसे अववान प्रतिकास सन पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और बंचरक (बंतरको) जार अंतरिता (अन्तिक्षित) के बीच एसे बल्क्सम से किए तब पाना क्या प्रतिक फल निम्निविषित उद्वेषय से उसत अंतरण लिजित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया नगा हैं:---

- (क) जलारण से हुई किसी साम की वावक, वक्क अर्डिभिनयम की सभीन कर दोने के जलारण की शरिमाल में कर्नी करने था उसते बज़ने में सुविधा के सिद्ध शर्डि/या
- भूष) एसी रिक्सी भाग था क्रिकी पण ना बन्य वास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्योजकार्य करवी हुना क्रिकेट मही रिक्सा भूग पा था जिसा क्रिकेट पर, क्रिकेट में स्थित क्रिकेट क्रिकेट पर, क्रिकेट में स्थित क्रिकेट क्र

अत: अब, उक्त अधिनिमम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, कक्त अधिनिमम की धारा 269-व की क्रमधारा (1) के अभीग, निम्नितिकत व्यक्तिकों क्रअर्थित् के-े--

- (1) मैसर्भ लोखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्रीमती तल्लूरी विजयश्री रामादेवी (भ्रन्तरिती)

स्त्री बहु सूचना चारी करके पूना कर सम्पत्ति से अपनि से जिस कार्यनाहियां करता हूं।

इक्द इन्हरित के बर्बन के शुक्रान्य में कोई भी जासेपा=

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अनुधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनुधि, जो भी समित वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्थीवत बुवारा;
- (क) बुद्ध सूचना के राज्यप में प्रकारन की सारीड है 45 दिन के शीस र उनस स्थायर सम्परित में हितवबृद्ध किसी बच्च अभिन्न द्वारा नथोहस्ताक्ष्री के शास विकास में किए या सकेंगे।

रम्बार्किप्रणार-इसने प्रमुक्त सम्बद्ध स्थाप एको आहा है। स्थाप प्रतिप्रमुक्त को सम्बद्ध 20-य को प्रतिप्राधित हैं, पही सभी होगा को उस अध्यास के दिया समा हो।

बमुख्यी

फ्लैट नं० 405, जो चौथी मंजिल, प्लाट नं० 4, एस० नं० 41(पार्ट), क्सोबा, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित हैं

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13954/84-85 अंर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2 बम्बई

दिनांक : 30-5-1985

महर अ

प्रस्य बाह्", टी. पुन. एस -----

आयकर की धनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यक, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रार्जन रेज, 2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश ६० % ई-2/37ईई/13166/84-85 म्झे, लक्ष्मण दास,

क्रमकर महिषानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकास 'उक्त अर्थितियम' महा गया हैं), की धारा 268-स के व्यक्ति समन शिषकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं

और जिस की सं० फ्लैंट नं० 103, पहली मंजिल, प्लाट नं० 341, वर्सोवा अधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध स्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करार-निर्मा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 5-10-1984

को बुदोक्त संवति का **उचित बाचार मृत्य से कम के अवसात** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

यथापूर्वीक्त सम्मित का उजित बाजार मृन्य, उत्तको स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; बोरं/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य अस्तियाँ की जिन्हों भारतीय जाएकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए।

कतः अवः, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थान, निम्निलिक्ति व्यक्तिकाँ अर्थात् क्रिक

- (1) मेसर्भ लोखंडवाला विमेसेस (प) लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) वर्श सुरेश जालन,

(ग्रन्तरिती)

को यह तुषना बार्टी करके पृत्रीकत सम्मित के अर्थन के निष्

उक्त सम्बद्धित के कर्जन के संबंध के कोई भी कांक्रेय हुन्न

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की जबीच वा तत्संत्री व्यक्तियों पर सूचना की वानील से 30 दिन की जबीच, जो भी जबीच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाय;
- (ब) इस जुमना के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पात निश्चित्त में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का को उसस विधितिस्ता, को सम्बाद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सम्बाध में दिया गया है।

प्रमुख्ची ः

फ्लैट नं० 103, जो पहली मंजिल होमलैण्ड बिल्डिंग प्लाट नं० 341, एस० नं० 41 (पार्ट), वर्सोवा, अंधेरी (प), वम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13160/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 30-5-1985

प्रख्य बार्ड.टी.एन.एस.-----

भागभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

भार्यातव, तहायक भागकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बर्ष वम्बर्ष, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० ग्रर्ट-2/37ईई/13051/84-85—श्रत: मुझे; लक्ष्मण दास,

आवकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाद 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स को अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जिस की सं० पसैट नं० 503, पांचवीं मंजिल, प्लाट नं० 344, ओशिवारा, वसींवा, अंधेरी (प), वम्बई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख, के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 1-10-1984

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से काम के देश्यमान प्रतिफल के लिए रिनस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार जन्म-रित की गई है और मुको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उभित बाजार ब्रूस्य, उसके स्यमान प्रतिफल से ऐसे खबमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिस्ता से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति- जल निम्नलिखित उद्योध्य से उनत अन्तरण निस्ति से वास्तिविक् कप में किया गया है :---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जान की सामत, उसत जिमित्रम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे समन्ने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सृविधा के लिए;

अतः प्रश्न खबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को नोन, निस्नितिखित व्यक्तित्यमें, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स लोखंडबाना प्रिमैसेस (प) लिमिटेड (श्रन्तर्क)
- (2) श्री एम० एस० घोस्वामी

(अन्तरिती)

को वह सुचना बारी करनी पूर्वोक्त सम्परित को वर्धन को सिए कार्यवाहियां : करता हुं ।

उक्त सम्बन्धि के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जबभि, जो भी नवभि नाद में तमान्त होती हो, के भीतर प्रोजन्त व्यक्तिराजों में दे किसी व्यक्ति द्याराः
- (व) क्षा बुधका के उपयुक्त के प्रकाशन की ठार्रीक है 45 विषे के कींदर क्षम स्थापर क्यारित के हितबहुम किसी क्षम व्यक्ति ह्याच अभोहरवाकरी के शक्त विस्ति के विषय वा क्योंने ;

क्यां करणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पश्चें का, या उपस निमास के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहाँ वर्ष होता थो उस नध्याय में दिवर गवा है।

प्रनुसूची

फ्लैटनं० 503, जो पांचवी मंजिल, प्लाट नं० 344, एस० नं० 41 (पार्ट), ओशिबारा, वसेंघा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि श्रं० सं० ग्रई-2/37ईई/13051/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

दिनांक : 30 मई 1985

प्रकृष् आहे, टी. एत. एस् ,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रधीन सूचना

मारत तुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/13050/84-85---श्रेतः, मृक्षे, लक्ष्मण दास,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसमें इसके उपात जिंदा अधिनियम कहा गया है), की भारा 269 में के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की संव फ्लैट नंव 702, सातवीं मंजिल, प्साट नंव 89, ओणिवारा, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर प्रक्षिनियम की धारा 269 के खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री हैं, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कारण कर कर के लिए तथा प्रयास का स्वास्तर का कारण कर कर का स्वास्तर का अंतरण सिक्ति में कारण कर कर के अधिक स्वास्तर स्वास्तर का स्वास्तर हो स्वास हो स्वा

- हुँक) नंतर्क से हुई किसी नाम की नागत, उक्त जिल्लियम के जनीन कर दोने के बंतरक के प्रिक्तिक में काफी काफने या उससे क्याने में स्विधा के 1777, जीर/या
- (ष) एंसी किसी आप यः किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया प्राना चाहिए था, किया से सिष्ट;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) के अभीता निकासीयाँ अधिया का 36—156GI/85

- (1) मैंसर्स लोखंडवाला शिमैंसस (प) लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रब्दुल हमीद एम० ग्रैक

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय. 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

फ्लैंट नं० 702, जो सातवीं मंजिस, स्कै लार्क-ए, प्लाट नं० 89, एस० नं० 41 (पार्ट), 4 बंग्लोस, ओणिवारा, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/13050/ 84-85-और जो सक्षम श्राधिकारी वस्बई ग्रारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 30-5-1985

मोहर 🛚

प्ररूप काई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

वम्बई- दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13960/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० फ्लैंट नं० 202, दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 338, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विषत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 29-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरभगान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल हे एसे दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल, विश्विधिक उद्देश्य से उच्या अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आधिनियस के अधीन कर देने के अध्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आव या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (प) लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गेरसन फनींडीस

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिंदे कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोह सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य त्यिति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास . विक्ता से कि जा सकीयों।

स्पष्टोकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना के उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुची

फ्लैट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 338, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13960/84-85और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण ट्यंस सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 30 मई 1985

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण)

प्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13894/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की मं० क्लैट नं० 307, तीसरी मंजिल, ज्लाट नं० 4 वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई मं स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रमुद्धी में और पूर्ण रूपसे वर्णित हैं), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 27-10-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषतित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निन्तित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयफ कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के सिष्;

जतः अज, उक्तः जिभिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) मैसर्स लोखंडवाला भिमैसेस (प) लिमिटेड (भ्रन्तरक)
- (2) सबेरा कलीम और श्री कलीम श्रासर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सच्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्पी

फ्लैंट नं० 307, मोन्टेना-ए जो तीसरी मंजिल प्लाट नं० 4, वर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि ॐ० सं० ग्रई2/37ईई/13894/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1984 को राजस्टर्ङ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 30 मई 1985

प्रक्य बाइ ुटी । एक , एस ...-------

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

गारव सर्वार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (जिल्लीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1984

निर्धेश सं० ग्रई-2/37ईई/13829/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, पहली मंजिल, प्लाट नं० 334 वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26-10-1984

कों पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मिलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (व) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाका चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिएं॥

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- (1) मैसर्स लोखंडबाला प्रिमासेस (प०) लिमटिंड (ग्रन्तरक)
- (2) शुभारी सुरैया सुलमान और अन्य (अन्तरिती)

का वह स्वना जादी करके प्रवेषित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

उन्ह सम्मृति से मर्थन से सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏣 🗸

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट्र लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा मया है।

मन्स्ची

फ्लेट नं० 101, क्रोसगेटस बि० जो पहली मंजिल, प्लाट नं० 334, वसीवा, अम्बई, अंधेरी (प०) में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि कि के सं प्रई-2/37ईई/13829/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई वारा दिनांक 26-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

विनांक : 31-5-1985

मोहर ः

शरूप बाइं. टी. एन. एस.-----

वासकार विभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

बारक देशकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांबा 31 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37~ईई/13156/84-85--अत मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/-उ. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं प्रलेट नं 606, छटी मंजिल, मोंटाना-ए०, वर्सीवा प्रयेरी(१०), बम्बई में स्थित हैं (और इसने इपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोत्रस सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए जंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उजित बाजार बुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकत से अधिक है जीर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- पेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिद्य;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, तै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् क्रं—ः

- 1. मेसर्स लोखंडवाला त्रिमायसेस (प्रा॰) लिभिटेंड। (अन्तरक)
- 3. श्रीमती कमनादेवी परसरामका (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त बन्नरित् के बर्जन के बन्नरूप में कोई ही बाबोद्ध-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिवत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सक्ये।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याम अर्थ दिया गया है।

रेन संचा

फ्लैट नं० 606, जो, छठी मंजिल, मोंटाना-ए०, वर्सीवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37–ईई/13156/84–85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को राजिपटई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 31-5-1985

मोहर 🛭

प्रकप बाह् . टी . एन . एस . -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकाडु

कार्यासय, सहायक सायकर नायुक्त (निर्धालक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/13274/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पतित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जो छठी मंजिल, प्लाट नं० 38, वसींवा, श्रंधेरी, (प०). बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रार पूर्ण रूप में बिंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961, की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्री है, नारीख 5-10-1984 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अंतरित्वा) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिक्स उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गमा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शिवित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धन-कर जिमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

नतः जन, उनत निधितियम की भारा 269-ग नै नन्तरण में, मैं, उक्त विधितियम की भारा 269-गे की उपभारा (1) के नभीत्, निम्मसिवित स्थितयों, ज्यौत् ३

- 1. मैं सर्स लोखंडवाला प्रिमीयनेस (प०) लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2. श्री एसः सैनी ग्राँर अन्य।

(अन्तरिती)

4. मैंसर्स श्रोशिवारा लैण्ड डेवलपमेंट कम्पनी (पूर्व) लिमिटेड।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह प्रमर्गान में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों]।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 बिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीच से 30 दिन की अमिश, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वयपनी

फ्लैट नं॰ 601, रेसाइडिंग, जो छठी मंजिल, प्लाट नं॰ 38, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प॰), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/13274/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री बम्बई, द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास स्क्षम प्राधिनैतरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख: 31-5-1985

मोहरु 🛭

प्रक्ष्म बाह्री.टी.एन.एस. -----

ल्लाकर निधनियम, 1961 (1961 का 43**) की** 269-व (1) के अधीन सवना

ब्राइक ब्रह्मकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, बम्बई बम्बर्ड, धिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई 2/37 ईई/13273/84-85 अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निस्थाल करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक **है**

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 603, जो, छठी मंजिल, प्लाट न्🁺 38, वर्सोबा, श्रंधेरी (प०), बम्बर्ड में स्थित है (श्रं(र इससे उपाबट अनुसूची में फ्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खंके अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में र्गजस्ट्री है, तारीख 5-10÷1984

के पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रिक्तिफल को लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एोगे जन्तरण के शिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण निवित में भास्तविक रूप से कश्चित नहीं किया नया है :---

- (अ) अस्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम औ अधीन क्षण दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरो नपने में स्विधा के सिए; नौरु/वा
- (ख) एंस क्रिमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 ((1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अंतरिती वृवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) . के अभीत, निक्निलिक्त व्यक्तिकों, अर्थात् ए--

- া मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (प्रा॰) लिमिटेड। (अन्तरक)
 - 2. श्री आर० एम० मैनी ग्रीर अन्य।

(अन्तरिक्षी)

ব, मैंभर्स प्रोधिवरा लैंड डिवलपमेंट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड ।

> (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हश्ताक्षरी जानना है कि मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थान जारी करके प्यक्ति सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोडों भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रविकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमा प्रमुक्त **शब्दों और पदों** का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिन गया है।

फ्लेट नं 603, रेसीडेसी-II, जो छटी मंजिल, प्लाट नं० 33, बर्सीवा, प्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है। अनु**सूची जैसा** कि ऋ० सं० अई-2/3*7-***ईई**/132.73/ 84~85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 की रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन 'रेंज-2, बम्बई

तारीख: 31-5-1985

मोहर 🛭

श्रम्भ बार्चः, दी. एम्. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

नारव चुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांदः 31 मई 1985 निदेण सं० अई-2/37-ईई/13640/84-85--अतः मुझे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी यं० णाप तं० 13, सुन्दर पार्क, जमीन मंजिल, श्रंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, जम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

की पृथेकित सम्पत्ति के उभित्त काषार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तर्क के सिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण तिस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एति किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के में, उक्त अधिनियम की धारा-269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्ति व्यक्तियों, अर्थात् के

श्री भद्रासेन वासंजी टक्कर

(अन्तरक)

2. श्रीमती इंदिरा के० शाह

(जन्मं स्ती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके शिधभोय में सम्पत्ति है)

4. अन्तरिती

(बह, व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)

की यह स्वना जारी करके क्वोंक्त सम्बक्ति के रार्थन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध हो काई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क्षेत्र के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों रहे सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का स्मान्तियों में से किसी स्मान्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हरोगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

अनुसूची

शाप नं 13, जो सुन्दर पार्क, जमीन मंजल, संधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कर सं अई-2/37-ईई/13640/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण[्]रीयस सङ्गम प्राप्तिकारी महायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 31--5-1985

मोहर 🛭

प्रकप बार्ड. टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आय्क्स (निर्देशण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

जियेश सं० अई-2/37-ईई/13493/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य का 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104, पहली मंजिल, प्लाट नं० 341, वर्मोवा, ग्रंबरी (प०), वस्बई में स्थित है (ग्रीर इसो जिपाबद्ध अन्ध्वी में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), ग्रोर जिपाबद्ध अन्ध्वी में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), ग्रोर जिपाबद्ध अन्ध्वी में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), ग्रोर जिपाबद्ध अन्ध्वी में ग्रीविक्त अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के भ्रवीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रिजस्ट्री है, तारीख 12-10-1984

क कायालय म राज्यमा है, ताराख 12-10-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निटिंगित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है दुन्न

- (क) अंतरण से हाड किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के बलारक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) एमी किसी आग का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया और या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अधीत:——
37.—156GI/85

- 1. मेसर्से लोखंडदाला हिमाश्रीस (५०) लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती कुस्मलता डागी।

(अन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्थन के सिष् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

अक्त सम्परित के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप हुन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (या) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं 104, हारमोनी-धी, जो, पहली मंजिल प्लाट नं 341, एस० नं 41, 4 बंगलोज, वर्सोवा मंघेरी (१०), बम्बई, में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37-ईई/13493/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **सम्बई**

तारीख: 31-5-1985

प्रकम जाद[ा]. **ठ**ौ. एव. **एव**.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यास्य , सहायक बायकर बायकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

ि पिर्देश सं० अई-2/37ईई/13831/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की मारा 269-स के अभीन सक्तम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का करने करने का करने करने का करने का

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, जमीन मंजिल, प्लाट नं० 89, वर्सों वा अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण कुल से विजित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ज, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के क्रार्यालय, बम्बई में रुजिस्ट्री है, तारीख 26-10-1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान बितिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने की अग्राप्त है। १ वर्षाय कित सम्पत्ति की उचित बाजार अग्राप्त उसके दृश्यमान प्रतिकल से. एसे दृश्यमान प्रतिकल का विन्त्र का उचित बाजार बन्धह प्रतिकात अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वादेय से उचित अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुक्कि किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धार्थिक से कमी करने या उसने बचने में सुविधा के दिशा करने या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन-मार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1 मैसर्स लोखंडवाला प्रिमैसेस (५) लिमिटेड

(अन्तरक)

2 श्रीमती धर्शन कौर केवल सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारौं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किस आ सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो खब्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो सम अध्याय औं दिया गया हैं।

नन्स्यौ

गराज नं० 10, जो जमीन मंजिल, स्कैं० लार्क-ए, प्लाट नं० 89, एस० नं० 41, 4 बंगशोस, वर्सोवा, अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2/37ईई/13831/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम ऋकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 31-5-19**8**5

मोहर 🤢

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

्थर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13159/84-85-अत: मुझें लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्याक परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ध क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्स 1,00,000/- रहा से अधिक हु"

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 703, सातवी मंजिल, प्लाट नं० 343, वर्सोवा, अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सङ्ग् प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से क्षिक है और अन्तरक (अन्तरकार) जार अन्तरिती (अन्तरितिमार) के बीच एसे अन्तरण के निष् तम बाया गया प्रतिफल, निय्नतिश्वित उच्चवेष्य से उक्त अन्तर्ज विश्वास को सम्बद्धिक क्या से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय को बावस सकत बहुँच⇒ नियम के जभीन कर दोने के बतरक के दायित्व में कनी करने या उन्नयं नचने में प्रविधा के बिहु; सीक्ष/का
- (व) द्रेश किसी नाव या किसी धन या नत्य वास्तिवी की, जिन्ही भारतीय नामकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्हें अधिनिवम, या चन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा की सिष्ट:

्ष्रकाः विव , जनत मीधिनियम की धारा 269-म की बन्बर्स में, में, उभत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अधीत्:— 1 मैसर्स लोखडवाला प्रिमेंस्स (प), लिमिटेड (अन्तरक)

2 श्रीमती स्नेहलता विद्याधर गोडबोले और अन्य (अन्तरिती)

की यह तुषना कारी करकी प्रविक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यनाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की शारोब से 4.5 विन की अवधि या तस्त्रम्बन्धी अधितायों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अगित, शा भी अवधि वाद में बनाप्त होती हो, के भीतर प्रभिन्त व्यक्तियों में ब किसी व्यक्ति कुनारा,
- (ध) इस स्वता के राज्यपत्र में प्रकासन की सारीच के 45 दिन के भौतर जनत स्थानर संगीतर जी किस में क्रिके के विकास स्थानित इतारा सभोहरताक्षरी के वास विवास में क्रिक मा सकत्।

रक्का किरण:--- इसमें प्रमुक्त कका और प्रश्नाका. वारे अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया क्या हैं।

बनुसुची

फ्लैट नं० 703, सतावीं मंजिल, जो प्लाट नं० 343, बिल्डिंग हारमणी-जी, सर्वे नं० 41, 4 बंगलोस, धर्सोवा, अन्धेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13159/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-2, बम्बई।

ता**रीखा**: 31—5—85

प्रकप थाइ" . ह्यो . इस . एक . ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत दरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई.

बम्बई, विमांक 30 मई 1985

मिर्देश सं॰ अई-2/37ईई/13339/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं ० पर्लैट नं ० 103, निरमान कोट्टेज, यारी रोड, बम्बई-400 061, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में मौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 3-10-84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, विम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) बन्तरम से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अधिनिक्य के बंधीन कर देने के अन्तरक को वास्तिक के कमी करने या अवने व्यक्ते में सुविधा की जिस्ह न्येद/का
- (ज) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिल्ही आहरीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था का किया जाना आहिए था, क्रिपाने में स्विचा के किया

चित्र वंग, उक्त विधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण कों, वें, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिचिद्य व्यक्तियों, अर्थात् ह—— 1 कुमारी शैलाजा बी० रायकर

(अन्तरक)

माग III-- खण्ड 1

2 श्री कनायालाल गोबिन्द्राम इसराणी, श्रीमती शुशीला के० इसराणी

(अन्तरिती)

को यह त्यमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूर्वम् के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त बश्मीत्त के वर्षन में बस्तन्य में कोई भी बाबीए म⇔

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारींब ते 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों प स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की ता से से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकारिक दुन्-इसमी प्रयुक्त सम्बों और वदों का, वी उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं 103, जो निरमान कोट्टेज, सी टी एस नं 1036 यारी रोड, बम्बई-400 061 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13339/-84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा विनाक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

तारीख: 30--5-8**5**

मोहर 🛭

प्ररूप नार्दा ु दी ु एम ु एस् ु=====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० अर्ध-2/37ई $\delta/1.3472/84-85$ —अतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धाते 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से बिधक है

श्रीर जिल्लो सं० फ्लंट तं० 2, जो, हिता काटेज, श्वकारीया अवाडी नगर, यारी रोड वसींया, बम्बई-61 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायोलय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-10-1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पृष्ट्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिद में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की इसिट्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी अन या अन्य आरितयों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूर्विभा वो निए।

भतः भवः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)। के अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों आधारत ह— (1) श्री अनिल खूगचन्द केसवानी

(अन्तरक)

(2) श्री रोशनअल्ली वाऊद नास्तेर श्रीर रोशनअली हसनअली लाखानी

(अन्तरिती)

को यह)सूचना जारी करके पृथींक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

बक्त सम्पत्ति को वर्षन् को संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अगुस्**ची**

फ्लैट नं 2, जो हिना काटेज, झकारीया अघाडी, नगर, यारी रोड, बर्सीवा, बस्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-2/37ईई/13472/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 12-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ड

तारीख : 30-5-1985

ं प्ररूप जाई. टी: एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्स (निरीक्षण) सर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13441/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण धास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

भौर जिन्ती सं प्रलीट नं 801, जो, ''गम्बस टावर्स'' प्लाट नं 15, 4 बंगला रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, कारीख 12-10-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण निवित्त वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस करत जिथ-अभिनियम के अभीन कर बने के अन्तरक के बाह्यरव में कमी करने या उससे क्लने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी बाय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः अव, उक्त सिधिनियम, कौ धारा 269-ग कै वनुसरक माँ, माँ, उवत अधिनियम की धारा 269-ग की ज्रम्भारा (1) के सधीन, निम्मलिखित स्पक्तियों छ जर्मात् के—— (1) श्रीमती कांता के श्रीटिया

(अन्त रक)

(2) श्री बी० जनार्दन शेट्टी मौर श्रीमती विजयापी० शेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोंक्त सम्पत्ति को कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं को पास-लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपूर्

पर्लंट नं 801, जो, "गम्बस टावर्स" प्लाट मं 15, 4 बंगला रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13441/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 12-10-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बस्बई** ।

तारीख: 27-5-1985

नोडड 🛚

प्रकृष बाह्र¹, टी. एवं. एवं. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

शास्त्र सुरकाड

कार्यान्य, सङ्ग्यक भायक र वाय्यस (निरीक्षण)

प्रार्थन रेज-2, बम्बई

ं बम्बई , दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० मई-2/37-ईई/13615/84-85--- म्रतः मुसे, सक्षमण दास,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें इसके पश्चास जिन्त विभिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के वभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी सं० पलैट नं० 2, जो, 1 की मिलिल, नेंसील, प्लॉट नं० 78, पुनिट नं० 638, श्री स्वामी समर्थप्रसक्त को-प्राप, हाउ-सिंग कोसाइटी लि० ग्राफ जे० पी० रोई, अदेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपावक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विपत है, और जिसका करारनामा श्रायकर श्रदिनियम बी दारा 269 क, ख के ग्रदीन सक्षम प्राहिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिल्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृला से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रपिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उन्ते अन्तरण मिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) हरा सिद्ध कार्पोरेशन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कविता बी० पंटेल ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त संपरित के वर्णन के जिए कार्यवाहियां कारता होता.

वनत सम्पत्ति के वर्षन के संग्रांभ में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इब त्यमा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की वयशि वा तत्यान्त्रभी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की संवधि,, को भी वयभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पेतित दुवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनकुथ किसी जन्म' व्यक्ति द्वारा नथों हस्ताक्षरी को पाद निवाद में किए वा सकोगे।

स्पर्वेकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्म ची

पर्लंट नं० 2, जो, 1 सी मंदिल, "नेसील" प्लाट नं० 78, युनिट नं० 638, श्री स्त्रामी समर्थ प्रसन्त को-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, ग्राफ जे० पी० रोड, अंदेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि सं० ० श्रई-2/37-ईई/13615/ 84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 19-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भजीन रेंज-2, बम्बई

विनोक : 30-5-1985

मोहर 🚁

त्रक्य बाह्" ही. एव. एतु .------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के नभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० ग्रर्ड-2/37हैर्ड/13614/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कौर जिस की सं० फ्लैट नं० 1, जो 1की संजिल, "नेसील", प्लाट नं० 78, यूनिट नं० 638, श्री स्वामी समये असक को-म्राप हाउसिंग कोसाइटी लि०, श्राफ जे० भी० रोड़, अंदेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद्ध प्रभुसूची में और पूर्ण रूप से विण्त हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर प्राधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीत सक्षम प्राधिकारी कार्यलय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 19-10-1984 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यभान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई

है और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रति-फल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसा किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर विभिन्नय , 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भनकाद अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थापार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा विका वाना वाहिए ना, किया में स्विमा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की अनुसरण काँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟--- (1) हरसिद्ध कार्परिशन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भोगीलाल एच० पटेल ।

(भन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सक्ष्मित के अर्थन के जिड़ कार्यनाहिया करता

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ए--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की रामीस से 30 दिन की जतिथ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थावत ह्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर सकत स्थाधर संपत्ति में डिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को धास सिक्षित में बिस्तु जा सकोंगे।

स्पत्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अपन विभिन्नम के कथ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्यत्म में विका गया है।

मन्स्ची

पर्लंट नं० 1, जो, 1 ली मंचिल, "नेसील", प्लाट नं० 78, युनिट नं० 638, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्राफ जे० पी० रोड, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई 2/37ई ई/13614/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकार् सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज,-2 बम्बई

विनांक : 30-5-1985

मोहर 👙

प्ररूप भार्च . दी . एन . एस . ------

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्वर सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बट्ट, दिनांक 30 मई 1985

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/13617/8-485---श्रतः मुझे, लक्ष्मग्र दास

आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिलका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलैट नंव 5, को ाली मंदिल, "लेंकी" प्लाट नंव 90, युनिट नंव 647, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-प्रापव हाउसिंग सोसाइटी लिव श्राप, जेव पीव रोड, अंदेरी (प), मुम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीवित्यम की धारा 269 के खे के श्रीवित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारी 1-10-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपावत संज्ञार मूल्य से कम के क्रवमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुके यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपात बाबार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए:

भतः अब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीतः रिक्लिसिक व्यक्तियों, अर्थातः :—— 38—156GI/85

(1) हरसिङ कार्पेरिशन ।

(श्रन्तरक्)

(2) श्री प्रवीणचन्द्र रबीकांत उदानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्चन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत्तस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच जिल्लि में किए जा सकर्य।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त कर्वों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है:

बन सची

प्लैट नं० 5, जो 1ली मिजिल, "लेंकी", प्लाट नं० 90, यूनिट नं० 647, श्री स्वाभी समर्थ प्रमन्न को-प्राप० हाउसिंग मोसाइटी लि०, ग्राप० के० पी० रोड, अंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि० सं० प्र-2/37ईई/13617/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-10-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास गद्धन प्राधिकारी सहायह स्रायहर ग्राप्युक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेजि-2 वस्बई

नारी**ल** : 30-5-1985

प्ररूप बाइं. टी, एग. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन मुखना

भारत बहुकार

कार्यासम, सहायक बायकर वायकत (निर्विक्रक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका जितन बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 3, जो 1ली मंजिल, "नेसील", प्लाट नंव 78, यूनिट नंव 638, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-श्रापव हाउसिंग सोसायटी लिव ग्राप जेव पीव रोड, अंधेरी (पव), बम्बई—58 में स्थित है (और इससे उपाबक प्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से विजित है), और जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खे ग्रिधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 19—10—1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाण प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल को पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्तिलिखित उद्देश्य से इवत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किय गया है:—

- (क्क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत अक्त जिथ-नियम की जधीन कर वोने की अन्तरक को दायित्व में कभी अन्ते या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; जरिंग्या
- (थ) ऐसी किसी काव वा किसी थन वा बन्च बास्तिवां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 11322 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, डिगाने में सुविधा औ सिए:

 अतः धन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरक मां, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित स्पिक्तमाँ, अर्थात ---- 1. श्री हरसिद्ध कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भोगीलाल पटेल (एच० यू० एफ०)

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन की जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षण ॥--

- (क) इस स्थान के एपपपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इव स्का के शवपन में प्रकासन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के कह मिक्ति में किए था ककेंगे।

नन्त्री

पलैट नं० 3, जो 1ली मंजिल, "मेसील", प्लाट नं० 78, यूनिट नं० 638, श्री स्वामी समर्थ प्रमन्न को-प्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, ग्राफ जे० पी० रोड, अंधेरी (प०) वस्वई—58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि %० सं० श्र\$-2/37\$\$/13616/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्ब\$/13616/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण टाम्स सक्षम प्राधिः महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीः श्रजन रेज-2, ः

नारीख: 30-5-1985

मोहरु 🖫

प्रकपः, नाहाँ , दौ , एन् , एक् , ह न न न न

नामकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

बार्व बरकार

कार्यासव,, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्वर्ह

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37 ईई/13385/84-85—अनः मझ, लक्षमण दास,

कायकर किंपियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारक हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, पहली मंजिल, रुक्मणी बिल्डिंग, श्रधेंरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुक्ते, यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिस्ति वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उन्नव विधितियम के अधीन कर दोने औं जन्तरक से वासित्य में कमी करने या उपसे वचने में सुविधा के निए; नौड़/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या कम्य कास्तिकों की, जिन्हें भारतीय सायकार किभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकन के अध्यापति वास किया वास कि

(1) मैससं जेयसी कस्ट्रमशन कम्पनी।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री जयंतिलाल कें सोनी।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करक पूर्वोक्त सम्पक्ति के अअन क ं तए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारोस में 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निकत में किए का सकेंगे।

स्वय्देशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भे दिया गया हैं।

अन्सची

पलैट नं० 103, जो पहली मंजिल, रुकमणी बिल्डिंग, 21, जें० पी० रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37 ईई/13385/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया नया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः जब, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उपरा अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :---

तारीख: 30-5-1985

महिर :

बरूप बाहे. टी. एन. एस्.-----

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई, 1985

निर्देण सं० अई-2/37 ईई/13197/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4, दूसरी मंजिल, मीनू मिनार, बीरा देगाई रोड, श्रंधेरी (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (श्रंप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), श्रीर जिसका कराज्यामा आयद अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खंक अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीखं 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य जनके बृद्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्यमान प्रतिक ल का पन्त्रहुभितिग से प्रधिक है और बन्तरक (प्रश्नकों) और जन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच पेसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिकतः निकासिकत उद्येष से जन्त मन्तरण निकार में नास्त्रविक क्ष्य से स्वित नक्षां किया गया है।——

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी साथ की बाबत, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक खें दायित्व में कभी करने या प्रससे वसने में सुधिधा के निए; बार्/या
- (भ) एसे किसी आय या िम्मी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने के सविधा के किए; और/मा

भतः सव, उनत सिथीनयम की धारा 269-ग के अभूसरण भें, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उरधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं मर्म मीनू बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी॰ के॰ णिवरामकृष्णन ग्राँर श्रीमती अम्बुजम एस० अय्यर ।

(अन्तरिती

को यह स्वना बारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की शारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया कवा हैं।

नन्त्रची

पर्लंड नं० 4, जो दूतरी मजित्र, मीतू मितार, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (पिण्चम), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि सं० सं०अ०ई०-2/37 ईई/13197/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षप्रण दाम सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 30-5-1985

प्रकप बाहें. टी. एन. एवं.-----

बाध्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन नुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/14000/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकान्दी को यह विश्वास करने का लग्छ हैं। कि स्थान राज्यों से जिल्ला उच्चित बाजार मृज्य 1,00,000/-क. से बिधक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-503, गुरुक्नुपा अपार्टमेंट्स,एस०नं०

के, एच० नं० 2, सी० एस० नं० 80, बीरा बेहाय रोड, अंधेरी
(पिष्चम), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यांक्य, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख
29-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का जानित बाजार मून्य, उसके दिश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्स अन्तरण निकित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उन्नत अधिनियम के मुधीन कर दोने के अंतरक के शायरच मा कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/भा
- (व) ऐसी किसी बाय वा िकसी धन या बल्य वास्तिवां को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वन, उक्त वाँधरियम की धारा 269-ग के वनुनरण कों, कों, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वीं वधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वचीत् :— (1) मैसर्स वैभव विलड्सं ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीलादेवी शिवलाल सिंह,

(अन्तरती)

का यह स्थना बारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी क्यिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बचीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहरताक्षरी के पास सिवित में दिसे वा सकती।

स्थानिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याय में विका वहां हैं।

अमुसूची

पलैट नं बी-503, जो गुरुकृषा अपार्टमेंट्स, एसकनं 19 एचक नं 2, सीव एसकनं 80 बीरा देसाय रोड़, अंधेरी (पश्चिम) बम्बई, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/14000/ 84-85 ध्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 30-5-1985

प्रक्य बाहें. टी. एत. एस. - - -

नावकः निपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

HIST WATER

कार्यांकव, सहायक भागकर नायुक्त (निद्धीयान)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निर्देश सं० अर्ह-2/37ईई/13119/84-85—अतः, मुझे, सक्ष्मण दास,

नायकर किंपिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैंट नं० 301, तीसरी मंजिल, अमित इस्टेंट, ऑफजे० पी० रे रोड, 4 बंगलोस, वसींबा, श्रंधेरी (पिच्चम), बम्बई-400061 में स्थित है (श्रीर इसन उपा- बक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कराण्नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्दी है, नारीख 3-10-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि वथा प्वेंक्त सम्पंति का उचित बाजार मून्य, उसके द्रवमान प्रतिफल से, एसे द्रवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्रात से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिफल, निम्न-सिचित उद्योध्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से काधित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम् ते हुए किसी बाव की वाव्यः, उनस् वृषितियम् वै वृषीपंकर योगे के बन्तरक के कृषित्व में कनी करने वा उससे वचने में कृषिय। के सिए; वर्षः/वा
- (क) एंबी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया चाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा को विद्या;

बतः अब, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त जिभिनियम की भारा 269-थ की उपभास (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) मेसर्स अर्बन डेयलपर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुंदर्ती रेखा शर्मां

(अन्तां रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन केंक्कि सिए कार्यलाहियाँ करता हूं

उन्त सम्पत्ति को क्षर्यन को सम्बन्ध में कोई काक्षेत्र हु---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की जविधि या सत्सम्बन्धी स्विक्तमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्विक्तमों में से किसी स्विक्त व्याप;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितसबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वार कथोहस्ताक्षदी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उनत विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में विका भना हैं।

वनसर्वी

फ्लैंट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, अमित इस्टेट, आफ जे० पी० रोड, 4 बंगलोस, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-400061, में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-2/37ईई/13119/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नूश्र्व,ण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼2, बम्बई

तारीख: 30~5-1985

प्ररूप बाद . टी . एन . एस . -----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के नभीन सुमना

(1) मैसर्स मनिश कन्सद्बशन कार्पोरेशन

(भन्तरक)

(2) श्रीमती आणा राजस्त ।

(अन्तरिती)

STATE STATE

कार्यालय सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं ० ग्रई-2/37ईई/13275/84-85--ग्रत: मधी लक्ष्मण वास्,

नायकर निधिनयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्टे इसके परवात 'सक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की पास 269-क के अभीन सक्षात्र प्राधिकारी को यह विवतास करने का कारण है कि स्वावर सम्परित, विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैट नं०६, चौथी मंजिल, यदावन रोड, एस-2, बीरा देसाय रोड्, श्रंधेरी, (प), बम्बई-58 में स्थित 🎉 (ब्रौर इसमे उपाबद्ध धनुसुची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा प्राधिकारी के कार्यालय 269क, ख के श्रधीन सक्षम बम्बई रजिस्टी है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वीवत संपत्ति के उपित वाजार मृस्य में कम के कस्वजाद शितफल को सिए जंगरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापतीक्त सम्बन्धि का उचित बाबार मृत्य उसके रूपमान प्रतिकल सं, एसे स्वयमान प्रतिपन्त का पन्तह इतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिए तद पावा नवा शाहकस, निम्नानिधित उद्देश्मी से उक्त अन्तरण निवित्त में माध्याचिक क्ष्य में कथिया नहीं किया भया है :---

- (क) अस्तरण से हुई फिसी साव की बाबत, उसत श्रीविनियम के वधीन कर पाने के जनसरक के दार्वित्व में कभी करने या उन्तरे वचने में सुविधा के लिए; कौर/शा
- (स) एसे जिसी अध या किसी भन या मन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नायकार जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नल अधिनियम, या धन-कर गणिनियम, 1957 (1957 का 27) के ट्योबनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता साहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

का मह स्वाम बारी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष कार्यवाही शुक्र कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन की संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकासन की तारींच से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ वर स्वना की तामीन से 30 दिन की वविष्, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर वर्गोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक व 45 दिन के भीतर उक्त क्थावर सम्पत्ति में क्रिय-बब्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकते।

श्यक्तीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो जक्त, बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका मया हु।

प्रनुस्ची

पलैट नं 6, को, चौथी मंजिल, बन्दाबन एस-2, बीरा देसाय रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। ग्रतम्बी जैंसा कि क० मं० ग्रई-2/37ईई/13275/ 84-85-और जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दा सक्षम प्राधिकाः महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षर श्रर्जन रेज-2, बर-

अत: अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियाँ, वर्षाद् के

दनांक : 30-5-1985

मोहर 🖁

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस.-----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक जायकर आवृक्त (निरीक्तण)

भ्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई ,दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13758/84-85--भत: मुझे लक्ष्मण वास,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने. का अप्रक है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार बृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 2, कोहिनूर श्रपार्ट मेंटस, दूसरी मंजिल ब्लाट नं० 5, यारी रोड वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम श्री धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते बह विक्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वेकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उतके दश्य-मान प्रीक्षफल ते, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत् से मधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्न-लिकित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय को वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में भृतिका जो सिए?

कः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) नि.।नम्बीमिसित व्यक्तिकों, अर्थात् :---- (1) मेसर्स सुपारी वाला मेहता और जोग्लेक्स, असोशियेट्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रंजित सिंह पाल

(अन्तरिती)



को यह स्थाना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्वना की ताजील से 30 दिन की जबिंध, प्रदे भी नविंध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वासः
- (क) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर तक्त स्भावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के धास तिस्ति में किए जा सकीं ने ।

स्थव्यक्तिस्थ :--- इसमें प्रगुक्त संख्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के उभ्याय 20-क में परिभाषित है वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

ave all

फ्लैट नं० 2, कोहिन्र श्रपार्टमेंटस, दूसरी मंजिल, प्लाट नं० 5, यारी रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं श्र श्र $\pm -2/37$ ईं $\pm 13758/84$ 84-85 श्रीर की सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 29-5-1985

प्ररूप वार्द, टी. एन. एस. ⊭ ⊭ ∉

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के अभीन स्वना

भारत तरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 29 मई 1985

निवेश सं ० प्रई-2/37ईई/13263/84-85-प्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'तकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 1,00,000/- रः. से अधिक है

मोर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 503, पर्लंट, हरिशिवम प्रपार्ट मेंटस, 📲 • पीं • रोड, श्रंधेरी (प •), बम्बई-400058 में स्थित है (झीर ईसिसें प्रज्ञे ग्रन्हची में ग्रीर पूर्ण रूप से धणित है). ग्रीर फिरका करा खिला ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 के, ख के शंधीन

प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-10-1984

को पूर्वीकरा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उपको राष्ट्रयमान प्रतिफल से एसे राष्ट्रयमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिपास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और (अत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप

क्य में कथित नहीं किया बना है ए---

(क) अन्सरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व बों कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: सरि/या

एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आल्पियाँ को जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया थाया किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा 🖷 सिए।

अत : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कथीन निस्तिज्ञिक्त व्यक्तियों, वर्धात:---

1. मेसर्स हरिशिवम बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. श्री बाबुलाल घीसूलाल राठोड

(भन्तरिती)

3

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

4. श्रीमती विद्यावती कपूर ट्रस्ट (श्रोनर्स)

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब 🔻 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियों 🥏 संचना की नामील से २० दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में में किसी अप्रक्रित दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रतक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विशा गया है।

नग्त्यी

फ्लैट नं ० 503, जो हरिशिवम भ्रपार्टमेंटस,जे० पी ० रोह, अधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-2/37ईई/13263/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुत (निरीक्षण) ग्रर्कन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर 🖇

39-156GI/85

प्रकृष बार्ड : टी , एव , एव , ------

बावकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वता

MITTO TENT

कायसिय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13030/84-85--भ्रतः मुझे, लक्षमण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त यिक्तियम' कहा गया है), की भाष 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निस्तास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मून्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० बी-54, पांचवीं मजिल, गंगा भवन, सी०टी०एस०, नं० 1053/1052/1~22, जे० पी० रोड, भ्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजर्ट्री है, दिनांक 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम से कम एरयमान प्रतिकल के निए अन्तिरित की गई है और एक यह विश्वास करने कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सम्प्रण स क्ष्मा कि सी भाष की गरमक, उपन अधिनियम के अभीत आद धीने के सम्लक्ष्य के वाशिष्य में कमी कतने था उसके असने मा श्रास्था ओ स्त्रण, ग्रीष्ट/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-केंद्र अभिनियम, 1922 1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, बा अन-केंद्र अधिनियम, बा अन-केंद्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निकया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा चे सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनम्बर्ग में, मैं अपन अधिनियम की धारा 269-य की उपकरित (1) में अधीन, निस्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स क्वीन्स कंस्ट्रक्शनन्स (प०) लिमिटेड

(ब्रन्तरक)

2 श्री शूलमंगलम राजन गोविन्दराजन

(भ्रन्तरितीः)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संत्री व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए वा सकेंचे।

रुपक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्योका, चौं तबक विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

जन्**स्**ची

पलैट नं० बी-54, जो पांचवीं मंजिल, गंगा भवन, सी० टी० एस० नं० 1053-1052/1-22, जे० पी० रोड, ग्रंधेरी बम्बई में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसा कि क० सं० प्रर्ह-2/37ईई/13030/84-85 प्रौर को सक्षम प्राधिकारी, जम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सर्देमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भक्त रेंज-2, बम्बई

दिन**ंक**: 29-5-1985

माहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 29-5-1985

निर्देश सं० मई-2/37ईई/13261/84-85--- भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से मिधक हैं

भौर जिसकी संख्या पलैट नं ० 103, हरिणियम भ्रापार्टमेंटस, कपूर बिल्डिंग, के ० पी० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका कुरारनमा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पृत्यह प्रविद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिता में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिक्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्त बाधिनयम के बधीन कर धन के अन्तरक क दावित्य में कनी करने या उत्तत वचने में सुविधा ने सिद्द; बांद्र/वा
- (क) एका किसी नाम या किसी भन नम्य नास्तियों भी शिनहीं आरसीय नायकड़ अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निभानयम, या भनकड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम निस्ति प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था कियाने में सुनिधा के सिए;

जतः शव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त वाधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) की वधीन, निस्नालाखित व्यक्तियों, क्रभृति क्ष— 1. मेसर्स हरिशियम बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री रमेश कुमार कनक लाल गाधी
- 4. विद्यावती कपूर ट्रस्ट (भ्रोनर्स),

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियों करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास सिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अधे होता जा उस मध्याय में दिना नमा है।

बन्स्ची

फ्लैट 103, जो हरिणियम स्न्यार्टमेंटस, क्यूर बिल्डिंग, के० पी० रोड, श्रंधेरी बम्बर्ड में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० मई--2/37ईई/13261/84--85--श्रौर को सक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 5-10--1984 को रजिस्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 29-5-1985

मोहर 🖫

प्रकप बार्च , टी , एन , एस , ५----

भागकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारतः सरकारु

कार्यालयः, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29-5-1985

निर्देश सं॰ मई-2/37ईई/13262/84-85--मतः मुझे, लक्ष्मण वास,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 504, हरिशिवम भ्रपार्टमेंट्स, कपूर बिल्डिंग, जे० पी० रोड, भ्रंधेरी, बम्बई-400058, में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 5-10-1984

क्षां पूर्वोक्त सम्मतित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास भरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजाड़ भूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ें से बारतिण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नीनिकत उप्रं है उक्त अन्तरण निवित में बास्तिवक्क भूष से कथित नहीं किया गया है क्ष--

- कि) नंधरण से हुई किसी नाय की वावस, कनस बिधिनयम के नधीन कर दोने के अन्तरक की बामित्य में कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के सिए; बार/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १००० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा वै सिदः

ब्तुत क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-गृ की जनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीम, निम्नसिक्ट व्यक्तियों, जर्मा अधीम, निम्नसिक्ट व्यक्तियों, जर्मा अधीम,

1. मैसर्स हरिशिवम बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दलपतराज धनराज कोठारी।

(मन्तरिती)

4. श्रीमतो विद्यावती कपूर ट्रस्ट (ग्रोनर्स)।

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह स्मित्ति में हितबबुध

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थानन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लैट मं० 504, जो हरिशिवम, प्रपार्टमेंट्स, कपूर बिल्डिंग, जे. पी० रोड, बंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। बनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-2/37ईई/13262/84-85

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्राई-2/37ईई/13262/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक्त 5-10-1984 को रजिस्टर्ब किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्देश्कण) ग्रजैन रेंज-2, अम्बर्द

दिनोक: 29--5-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985 निर्देश सं० अई--2/37ईई/13135/84--85:----मतः, मुझे सक्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- . से विधिक हैं
भौर जिनकी संख्या पर्नंट नं० 21, दूसरी मंजिल, ए-स्कंध, प्लाट
नं० 24, वर्सोना, ग्रंथे री, बम्बई में रिथत हैं (ग्रंगर इससे उपाबद्ध
प्रमुस्तों में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा
ग्रुप्तायकर श्रिवितयम 1961 की धारा 269, क, ख के ग्रधीन सक्षम
श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिर ट्रा है दिनांक 3-10-84
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास
करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्ध प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्निलिखत उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिविक कम से कथित नहीं किया गया हैं है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाधित्य में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तियों, अधीन ६—

(1) द्रोयका कन्सद्रकान कंपनी।

(म्रन्तरक)

(2) श्री कियोर चन्द खन्ना श्रीधरम चन्द्र खन्नाका पुत्र।

(अन्तिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वासा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिया में किए जा सकींगे।

सिष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

अनुस्ची

पर्लंट नं० 21, जो दूसरी मंजिल, ए-स्कंध श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को० घाँप० हा० सोसायटो लि० (नियोजित), प्लाट नं० 24, वर्सोवा, शंधरी (प), बम्बई में स्थित है। धनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/13133/ 84-85 घोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> सक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मजेन रेज-2, बस्बई

विनोकः : 29-5-1985

प्रकप बाइ . हरे. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-ण (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/13135/84-85--- मतः, मुझे सक्षमण दास,

नायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जितमो सं० पतैट नं० 52,पांचवीं मंजिल, ए-स्कंध, ट्रॉगता अगार्डनेंड, प्लॉड नं० 24, एत० नं० 41 (पार्ट), वर्तोंगा, अंग्रेरो, बन्नई में न्यित है (प्रोर इतने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्राय हर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269, वश्व के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है, सारीख 3-10-1984

को प्यांक्त सपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उद्ध से बचने में सुविधा के लिए; और या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्न कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ज़त: जब, उन्नत अधिनियम की भारा 269-ण के जनुसरण भें, भें, उन्नत अधिनियम की आरा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) ट्रोयका कन्सट्कशन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शशी मेहरा, श्रीमती सुनीता मेहरा, श्री रिव मेहरा, श्रीमती नोना मेहरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाव निवास में किए जा सकने।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रमुक्त काव्यों और पूर्वों का, को उक्त आयक्ष्यः अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषिकें हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में विया नया हैं।

जन्स्ची

फ्लैंट नं 52, जो पांचवीं मंजिल, ए-स्कंध, ट्रायका अपार्टमेंट प्लॉट नं 24 एस० न 41 (पार्ट) वसीवा संघेरी, बम्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कम सं० श्चई-2/37ईई/13135/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण वास] सन्नम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बार्जन रेज-2, व्यक्ति

दिनांक: 29-5-1985

प्रकप बार्च. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निवेश सं० प्रई-2/37ईई/13837/84-85-प्रतः मुझे सक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजितको सं जिन्नात हिस्ता, जो सर्वे नं ० 41, श्रंधेरी, विलेज, एस० वी ० रोड, सो ० टी ० एप० नं ० 41, श्रंधेरी (प), वस्त्रई में स्थित हैं (प्रोर इनते उगात्रद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण विषय से विजित है) श्रीर जिन्हा करारनामा श्राय हर श्रिधितयम 1961 की धारा 2695, ख के श्रधीन बस्वर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्वर्ड में रजिस्ट्री हैं, नारीख 26-10-1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइं किसी अग्य की यायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरकं के दासिस्त में कमी करने या उसमे नचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की: जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या अहर कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ निए।

सत' अस् , उस्त अधिनियम की धारा 269-ण के सन्सरण में, मैं, अस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)४ अर्थ सधीन निजनीलिसत व्यक्तियों, अर्थात् ४——

- (1) 1. श्री नूर मोहम्मद श्रादम हलाई,
 - 2. श्री फरक ग्रादम हलाई
 - 3. श्री प्रबूबकर हाजी घहमद सोराथिया। (घन्सरक)
- (2) श्रीमती हलीम।बाई ए० गनी।

(मन्तरिती)

(3) हलीमाबाई ग्रब्दल गनी श्रौर चुनावाला टिम्बसं।

> (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क संवाहियां करता हो।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) एस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां एर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मां समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया मा साम्भित हो अधित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथा हस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

ष्यन<u>ु</u>सूची

जमीन का हिस्सा , जो सर्वे नं० 41, ग्रंधेरी विलेज, एस० बी० रोड, सी० टी० एस० नं० 41, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37ईई/13837/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण[े]दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बस्बई**

विनांक : 29-5-198**5**

प्ररूप माइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन स्चना

भारत नरकार कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, बस्बई

· बम्बई, धिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13134/84-85--ग्रतः मुझे, लक्षमण व।स.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचारा 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० फ्लैंट 31, तीमरी मंजिल, ए-स्कंघ प्लाट नं० 24, वर्सोवा, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम 1961 की धारा 269क . ख के ग्रंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-10-1984

कर पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अचनिर्देशों के बीच एसे बन्तरच के लिए तब बाया चल प्रतिफल, निम्निलिसित उद्विषय से उच्त बन्तरण लिखिड अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जास की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए: बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अवः, उत्रत बाधनियमं की धारा 269-गं के बन्सरणं में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) टोयटा कन्सद्रक्शन कंपनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश वन्य डी० खन्ना।

(भन्तरिती्)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अपिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चान की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में विया समा है।

अन्युवो

पत्तैट नं ० 31, जो ती प्ररी मंजिल, ए-स्कंघ, श्री स्वामी समर्थे प्रसन्न को ब्योग हा ० सो तायटो लि० (नियोजित), प्लाट मं ० 24, वर्सोना, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

भनुसूनी जैसा कि कम सं० भई-2/37ईई/13134/ 84-85 भीर जी सक्षम प्राजिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण वास सक्षम प्राधि **क्षरी** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंजें → 2, बस्ब**र्ड**

दिनांक : 29-5-1984

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13636/84-85--अतः मर्बे ण दास

बायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (जन्म अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षद्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जितिनी सं० परीं ां० 1 1, 1ली मं जिल, श्रीम निकेतन श्रोम मार्ग, 314 प(ली राम रोड़, श्रंघेरी (प), बम्बई में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रो वर्णित है श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 19−10−1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल, का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दावित्व में कभी करने गा उससे व्यवे में सुविधा के जिए; अर्थ/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

बतः वब, उत्तरं अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उथतं अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन जिस्तिवित का क्लियां, वर्धातं ६——40—156GI/85

(1) ग्रोम् बिल्डर्स प्रा० लि०।

(अन्तरक)

(2) डा ६ तेलंग नरसिंग होम (प्रा०) लि॰। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किंध कार्यजाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कीड़ी भी वास्तेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी वविध वाद में बनापत होती हो, के भीतर पूर्वां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (त) इस स्वर्ग के राजपत्र में प्रकाशन की हारीत से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर संगरित में दिन के बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिबित में किए जा सकोगे।

स्यव्हीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उन्हां अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस् अध्यास में दिसा वृद्ध हैं।

ग्रनुसुषी

फ्लेट नं० 11, जो 1ली मंजिल, श्रोम निकेतन, कोम मार्ग 314 पाली राम रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई०/2/37ईई/13636/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम माधिकारी सहायक आयकर आक्युत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, अम्बई अम्बई, दिनांक 31 मंदी 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13336/84-85--अतः मुझे, लक्षमण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 43, जो, 4थी मंजिल, श्रोम निकेतम, 314 पार्टी राम रोड़, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गद्द हैं और भूके यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में पास्तीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जलः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, वर्धात् :—

(1) ग्रोम बिल्डर्स (प्रा०) लि०।

(अन्तरक्र)

(2) श्री मोहम्मद इसाक गौसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांमील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांतर;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 43, जो 4थी मंजिल, श्रोम निकेतन, 314, पाली राम रोड़, ब्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुवी जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/13336/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ल्**रा**तण दास सक्षम**्रश्**धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्ब**ई**

दिनांक : 31-5-1985

प्रकप आई. बी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13058/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1101, ओ 11वीं मंजिल, बी जी-विंग, अभिवेक अपार्टमेंट, इ एस आयसी नगर के पीछे, 4 बंगला, वसींवा बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है

अतैर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरिक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित भूति किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन, निम्मिलिकिक व्यक्तियों, अधीन, निम्मिलिकिक व्यक्तियों, अधीन, (1) मेसर्स स्रोमप्रकाश एन्ड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) फवाल जाय मच्छीवाला ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

(4) डा० बोमसी वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुद्धरे

पलेट नं 0 1101, जो 11वीं मंजिल, बी डी-विंग, अभिषेंक अपार्टमेंटस , ए एस आयसी नगर के पीछे, 4 बंगला, वर्सीबा, बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/13058/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज-2, बम्बई

बिनांक : 31-5-1985

मोहर 🖫

जक्य नाइं.टी.एन.एस.------

शायकर शांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत धरकाव

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13057/84-85-अतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 1001, जो, 10वीं मंजिल, 'बी'' डी०, विंग अहिनषे के अन्तर्दमें इस, इएस० आई० सीं० नगर के पीछे, 4 बंगना, वर्सावा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से विंगत है) भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथाप्बोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्छर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ असिरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्रोम प्रकाश एण्ड कंपनी।

(अन्तरक)

(2) फयाल आय मच्छीवाला ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

ं (4) 🗷 🌣 बोमसी वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इन्द सम्परित के नुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धनिध या सत्सम्बन्धी अ्यक्तियों प्रकृति
 सूचना की तामील से 30 दिन की धनिष्ठ, जो भी
 भविष्ठ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर
 स्वित्यों में ते किसी व्यक्ति द्वारा !
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वीं का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

नप्स्यो

पर्लंट नं० 1001, जो 10वीं मंजिल, "बी डी० विग अभिषेक अपार्टमेंटस, इ० एस० आई० सी० नगर के पीछे, 4 बंगला, वर्सीवा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-2/37ईई/13057/ 84-85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 31-5-1985

भोहर छ

प्रकथ बार्च . टी . एन् . एस् . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क) यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13059/84-85--अत: मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ठीर जितकी सं० फ्लैंट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, बी-विंग, अभिषेत्र अपर्टमेंटस, इ० एस० आई० सी० नगर के पीछे, 4 में बंगता, बसींवा, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उनाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण कासे बाँगा है) श्रीर जित्र हा करारतामा आयकर अबिधियम 1961 की धारा 269 ह, खंके सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-10-1984

को पर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मध्य से कम के रूप्यमान लिए अन्तरिप्त की गइ करने कारण है विश्वास का यह यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक 💰 अरि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫 —

- (क) श्रन्थडम वे हुइ किसी शाय को बायपुत बक्क अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को बायरम में कमी करने मा उससे ब्यूने में सुनिधा कालए; आद/मा
- (थ) एसी किसी आय वा किसी अन या अस्य जास्तिकाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुन्धिम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीग, निम्न्सिखित व्यक्तियों, अर्थात् कि (1) मैसर्स ओम प्रकाश एण्ड कम्पनी

(अन्तरक)

- (2) श्री एच० जे० मितयाज ग्रौर जे० ए० मित्याज (अन्तःरिती)
- (3) अन्तरक (वह व्यति जिसके अधिमाग में सम्पति है)
- (4) डा० बोमसी वाडिया।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन् के तंबंध में कोई भी बाओए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिस में किए का सकती।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502 जो 5वी मंजिल बी विग अभिषेक अपार्टमेंटस ई एस अवसी नगर के पींछे, 4 बंगला बर्सों दा, वम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कमण् सं० अई-2/37ईई/13059/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विभांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 31-5-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

प्तारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13774/84-85---अत: मुझे बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जक्त बिधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो सर्वे नं० 6, एच० नं०3, यारी रोड़, वर्सोवा बम्बई में स्थित है और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई में स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 22-10-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल किन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण तं हुई किसी गांव की बाबत उक्त विध-नियम के वधीन कर देने के बस्तरक के दादित्य में कमी करने वा उद्देश देवने में वृतिभा के किए; वॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयन, 1922 (1922 का 1!) वा उत्तर विधिनयन, या धन-कर निधिनयन, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्दरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के जनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, तिम्नजिकित स्थितयों, अधीत् ३००० (1) श्री यशवंस हरीशचन्द्र हिंगशे श्रीर लेय।

(अन्तरक)

(2) बेमिसाल बिल्डर्स प्रायवेट लि॰।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को बह ब्रावा आपी करके पृशांक्त सम्मात्ति से वृजन के बिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में के हैं भी बाधोप्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबत्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा , जो सर्वे नं० 6, एच० नं० 3, यारी रोड, वर्सोवा बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ड-2 37ईई, 13774, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बभ्बई दिनांक 22-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिक ्र्यू सहायक आयकर आयुष्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

षिनांक : 27-5-1985

मोहर 🕆

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

शायक्तर अधिनियदा, 1981 (138, का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13394/84-85--अतः मुझे

लक्ष्मण दास, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चातुं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं भीर जिन्नको यं अपीट तं > 501, जो 5शीं मंजिल, सागर तरंग को० प्रॉन० हाउसिंग सोन पड़ी ले०, ते० री० रोड्, वर्डोंका, .श्रंधेरी बम्बई-61 में स्थित है (ग्रोर इससे उप बद अनुभूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका कर रनाम, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 11-10-84 को पर्को अस सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्त्रीयत सम्पत्ति का उचित जाजार म्ल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उषदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ बन्सरण मों,, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मतिष पी० काछ ।

(अन्तरक)

- (2) वेसी जय वकील भीर फिरडास वेसी वकील । (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सपम्ति है)।

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

्रेडक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा है ।

अनुसूची

पलेट नं० 501, जो 5वीं मंजिल, सागर तरंग को० श्रोति हाउसिंग सो । ायटी वर्सीवा, लि०, जे० पी० रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० प्रई-2,37ईई,13394/84-85 भीर जो सभाम प्राधिक री, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सञ्जाम प्राधि हः री सहः यक अः यकर अः युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां ह : 27-5-1985

प्ररूप बाह्", टी. एन., एस.,----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, महासक क्रांमकर वायुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं अई-2/37ईई, 13968/84-85--अतः सुरी; लक्ष्मण दास,

अग्रुयकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अर्थ धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संव्पर्लंट नंव बी-22, जो इला-दर्शन, कोव स्रापव हार्जीसम सोसायटी गलबर्ट हिल भवन्स कालेज के पास स्रधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) स्रीर जिसका करारनामा अयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सन्नम प्राधिक री के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख,

29-10-1984

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- भा एसी किसी आय सा किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 भारतीय आयकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;
- अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) रू वधीन जिस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३——

(1) श्रीमती वनीता वसंत नाईक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषांबेन बच्चुभाई झा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कस्कै पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त मम्पीतन के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🚗

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच की 45 दिन के भीतर उन्तं स्थावर सम्बद्धि में हिलबेल्ड किया कि प्रकार के प्रकार के प्रकार विकास किया कि प्रकार के प्रकार विकास की प्रकार की प्रकार विकास की प्रकार की प

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्चीं

फ्लैंट नं बी-22, जो, इला दर्शन, को आप हाउसिंग सोसायटी, गिल्बर्ट हिल भवन्स, कालेज के पास, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2,37,ईई,13968,84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकासी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 27-5-1985

मोहर 🖁

प्रकर बाई. टी. एन. एस. ***** ***

बायकार **माधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-म (1) के अधीर सम्बना

बाह्य बरकाह

कार्याजन, बहायक जायकर अध्वक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनोक 27 मई 1985

निवेश सं • **वर्ध-**2/37ईई/13908/84--85---अतः मृक्षे, लक्ष्मण **वास**

आधकार अभिविजया, 1961 (1961 की 45) (जिसे इत्या इसके परवात् 'उच्च विभिनयम' कहा गया है), की धारा १६५-त के विभीन सम्भा प्राधिकारी की, यह यिश्वास कारन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित शाजार मृल्य 1,00,000/- सा. वे विभिक्त ही

की पर्वाकत सम्पंति के उचित बाजार मृत्यं से कम के ध्यमान विकास के किए जन्मिति की गई हैं और मृत्रं यह रवकास करने का कारण है कि बधापुर्वोकत संपरित की उचित बाजार गृह्म, उसके दश्वमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का मन्तर प्रतिकास की स्थिक हैं और मन्तरक (जन्तरकों) और जन्ति (जन्मितिकों) से बीच एसे जन्तरण के लिए स्थ गया गया प्रतिकास के संभित्र उद्योदय से उन्त मन्तरण निर्धित में जन्तरिक के संभित्र की स्थाप निर्धित मन्तरण के लिए स्थ गया गया प्रतिकास के संभित्र की स्थाप निर्धित मन्तरण की स्थाप मन्तरण निर्धित मन्तरण निर्धित मन्तरण निर्धित मन्तरण निर्धित मन्तरण मन्तरण निर्धित मन्तरण निर्धित

- (क) वन्तरण वे हुई किसी बाय की बावश अक्त अधि-रियुद्ध में वधीय कर बेने के बालरक के शांधिएवं में कमी करने वा उत्तर्स वचने में मुविधा के लिए; बीद/वा
- (क) एंडी किसी बाब या किसी भन या जन्म जास्तियों की, विवह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया बाना चाहिए था, कियाने में स्पृत्तिया से किया विवह

(1) श्री भ्रोम प्रकाश व्यास ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० बी० डिप्रोजा।

(धन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के क्यांत्र के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध को कोक्ष भी बाक्षोप :---

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकारन की तारीस सं 45 दिन की सर्वास सा तरहाना की कारीस पर गृजना की तामील सं 30 दिन की मंत्रीस जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाए;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की शारीक भें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य स्थानित व्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का वर्षीके।

बन्त्वी

फ्लेट नं. 504, जो 5वीं मंजिल, **लव अपार्टमेंट**, सी० एस० नं० पी० 3, वीरा देसाई रोड, **श्रंधेरी (प), बम्बई**—58, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० **अई-2/3/ईई13908** 84-85 धीर जो सक्षम प्राधिका**री, बम्बई द्वारा** दिलांक 27--10-1984 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्त्रई

विनांक : 27-5-1985

मोहर 🕹

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में अभीत सूचना

भारत संस्कार

कार्यासक, सहायक गायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० अर्ह-2/37ईई/13865/84-85—अतः मुद्ये, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इएके प्रावाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थारण ही कि व्यावर सम्मिन, जिसका उचित धाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 607, जो 6वीं मंजिल, "बी" इमारत, गुलगन विला प्रिमायसेस को० श्रोप० सोसायटी लि०, जी० टी० बर्फीवाला रोड़, श्रधेरी (प) बर्ग्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्यत अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है. तारीख 26-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि श्रामिक के लिए अंतरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि श्रामिक से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पण्डम् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधि-निधितियम के नधीन कर दोने के त्राजरक के सविद्या में कनी करने या उससे वचने में सुनिधा के निष्: सौर/सा
- (व) एती किन्से आय या किसी भव या बन्ध आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या परा-व्यत्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वै विषय ॥

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधान (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) 1. श्री परसो एम० भ्रडवानी,
 - श्रीमती प:रवती एम० अडवानी,
 - 3. श्री वी० एम० श्रष्टवानी।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्विन आर० गांधी।

(अन्तरिती) भे

(3) प्रन्तरिती परिवार के साथ

(वह व्यक्ति जिसके अधि<mark>भोग</mark> में सम्पति है)

का यह स्वमा जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

सबस सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की गाधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वापता की नामील से 30 दिन की अवधि, जा और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवादकी व्यक्तियों में से किमी क्यंबित इवांक:
- (क) इक स्वान के एकपण में प्रकाशन की तारीक से 45 फिन के भीतर उनत स्थानर सस्पत्ति में हितनक्ष किसी नन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० 607 जो 6वी मंजिल, "बी" इमारत गुलसन विला प्रिमायसेस को भ्रो० सीसायटी लि० जी० डी० बर्फीवाला रोड़, अंग्रेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई-2/37 ईई/13865/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणे दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-2, धम्बर्ष

दिनांदा : 27-5-1985

मोहर 🛭

प्रकप् काइ .टी.एन. एत

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) को अभीन स्वना

भारत सरकार कार्यांसम, सहायक भायकर भायुक्त (निर्देशिण)

धर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई दिलां: 27 मई 1985 निदेश सं० घई-2/37-ईई/13572/84-85----प्रतः मुझे, सक्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति।, जिसका उचित बाजार बुल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

और जिल्ला सं० फ्लंट नं० 2, जो, 1 ली मंजिल यूनिट हैनं० 10, ब्राईटन टांबर, प्लांट नं० 356, एस०नं० 41 (अंश), 4 बंगला, धर्माबा, प्रश्वेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (ओए इलसे उपाबड प्रमुखीं में और पूर्ण रूप घणित है), और जिसका जरादनामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269 ा,ख के अधीन सक्षम प्राधि तरी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984।

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर वेते खे जन्तरक के बायित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (य) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या विद्या आना चाहिए था, जिपाने में सुविधा से निए;

जरा: जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबर्ग में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के नधान, निम्नीशिवत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मास्टर जयदीप ग्रार० व्हाबी।

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर राजेश एस० लाल।

(अन्तरिती)

का वह स्थमा कारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के वर्षन की लिह कार्यवाहियां सूक करता है।

जनतः संपत्ति को कर्नन को संबंध में काई भी सामीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की शविभ का तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की शविभ, को भी जनिभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्थ होगा जो जस अध्याय में दिशा गवा है।

अव्स्वी

फ्लैट नं० 2. जो, 1 लीं पंजिल, यूनिट नं० 10. बाईटन टोनर, प्लोट नं० 356, एस०नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोखा, अंग्रेरीं (प०), बम्बई-58 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा की क्र०सं० छई-2/37 ईई/13572/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई क्वारा दिनोक 16-10-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण वात सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, **बस्बई**

सारीख: 27-5-1985

ब्रक्टन सार्च , टी , एन , एस , ------

आयकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

बाइक चंडका इ

कार्याबच, बहाबक बायकर आमुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मध् 1985

शायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसमें प्रमात् 'उक्स बिधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-म में अधीन समय प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थायद सम्बत्ति, जिसका उचित बाजाद मृत्य 1,00,000/- रु. के विधिक हैं

जीर जिसकी सं० पलेट नं० 603, जी, चंत्रप्रभा, प्राट्ट नं० 84, एस०वी० रीड, इली बिन, अंधेरी (प०), अस्वई-58 में स्थित है (और इतसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनाया आयाद अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीर अवने प्राधिवारी के शार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-10-1984 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के बिनत बाजार मूस्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करम का कारण है कि सभाव्योंकत सम्पत्ति का उपित बाजार एक्य, उसके स्थमान प्रतिकार सं, एर स्वयमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिकार से विषक है बार बंतरक (संतरकों) और अंतरित (अन्तरितिकार से विषक है बार बंतरक (संतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकार में विकार का स्थान की ए स्थान प्रतिकार की

- (क) बन्तरम बं हुई मिन्नी बाद की बावत बन्तर अधिक्या के बभीन कर वर्त के अन्तरक अ वाक्तिक के क्यों करने या उसले वर्ष में सुविधा के मिन्नु क्यां/वा
- (क) ऐसी किसी भाग मा किसी भन ना कला जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशवार्थ कर्यारती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया जाना भाहिए था, स्थितार्थ क वृत्रिया में किया क्षेत्रस्थ में क्षिया में किया

तः जब, उपन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) भी धभीन, निज्ञितिक्य व्यक्तियों, अवृति क्रिकः (1) श्री नंदय लाख रामशंतर जोगी।

(**ध**न्तर -)

(2) 1. श्री फतेहचंध गोगालजी मेहता, 2. श्री नितीन फतेहचंव मेहता, 3. श्री भरत फतेहचंव मेहता. 4. श्री रमेश फतेहचंद मेहता, और श्रीमती चंपाबेन फतेहचंद मेहता।

(ग्रन्सरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

.को यह सुचता जारी कारके पूर्वोक्त सम्बद्धित को अर्थन को जिल्ला कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्छ जम्मरित के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इव कुषणा के प्रथम में प्रकारण की वारीय से 45 दिन की अविध मा वर्षानानी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्षा, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, वे बीसर पूर्वोक्ट किसी व्यक्ति में से किसी व्यक्ति श्वास;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाश की तारीस सं 45 दिन के भीतत स्वत स्वासत स्थान में दित-बर्ध किसी अन्य स्थित द्वारा स्थाहस्साक्षरी के गास सिक्षित में किए का स्वीचे।

स्वाक्षीकरण:----वस्यों प्रयुक्त शब्दों बरि वर्श का, को उक्त विभिन्निया, को वश्याय 20-क को परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा को उक्त वश्याव में विशा कथा है।

मन्त्रकी

पतेट नं० 603, जो, चंद्रभभा, प्लाट नं० 84, एस० बी० रीड, इर्ली क्रिज, अंधेरी (प०), वस्वई-58 में स्थित -है।

अनुसुची जैना कि कि सं काई-2/37ईई/13440/84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी, धम्धई द्वारा विना : 15/10-1984 को रेजिस्टई किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रॅज-2, वस्वर्ड

तारीअ: 27-- 6-- 1985

नोहर व

प्रकृष् बाई .टी .एन .एस . ------

क्षायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अं (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, घमबई

बम्बई दिनांह 27 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13509/84-85---- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिल्ली मं० डुप्लेक वंगता, 7-बी, इंदू पार्क, 4 बंगला, रोड, अंबेरी (पं०), वृष्वई-5 में स्थित है (और इतसे रीवड अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिन्ता रास्ताना आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अबीर अम प्राधि गरी के वार्यालय, बस्बई में रजिस्टी है. तारीष्ट 12-10-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया यया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्छ लीभिनियम को अभीन कर दोने के अंतरक को दामित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, शा किस अधिनियम, १९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विभा को लिए;

नतः नव, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती इवराज चाय श्रारोहा।

(अन्तरःः)

(2) श्री प्रेम तागर पी० मयरानी और श्रीमती जयश्री पी० मथरानी।

(अन्तरिती)

क्ष्मी शृह सूच्या प्रारी करवी पृश्नोंक्स सम्मास से वर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त संपर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिड़ा बद्ध किसी जन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के शव चिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पानीकरण है— इसमें प्रयुक्त सब्बों और पंतों का, जो उन्हें प्रिभाषित के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा स्वा हैं।

बस सची

बुप्लेक्स बंगला, 7-बी, इंदू पार्क, 4 बंगला रोड, अंधेरी (१०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/13509/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांस 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ंक्षम प्राधि .ारी.ं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, वस्वई

तारीख: 27-5-1985

बोहर 🛚

प्ररूप भार्षं , टी. एन. एस.,,-------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) कें अधीन स्चना

माद्रव सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/13325/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण धार

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, जो 1 ली मजिल, एवरटांप अपार्टमेंटस की-आंप० हाउसिंग सोनाइटी लि०, सहकार नगर, मंबेरी, वसींचा रोड अंधेरी (प०), बम्बई-इंड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसरा र जरनामा आयार अधिनियम की धार। 269 इ.ख के अधीन उक्षम पांधिरारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य स कम के स्वयमान प्रतिफत को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कार्य का कारण है कि यथापृथीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पावा गया शतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्म से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से किचत में वास्तिक रूप से किचत में वास्तिक रूप से किचत में

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी जान की नावत, उत्तर जीवीनसम के अधीन कर दोने से अन्तरक को बायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क्रो अधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) 1. श्री जवाहरलाल माबेन और 2. श्रीमती मेरी एल० माबेन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मेरी वि० सोम्रन्त और कुमारी सी० एम० सोम्रन्त ।

(भ्रन्तरिकी)

(3) अन्तरितियों और उनके परिवार सदस्य। (वह न्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अन्नन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोहाँ भी आक्षेप "----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिंग व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्श निश्चित में किए जा सकींगी।

स्पद्धिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

बनसची

पलेट नं० 3, जो, 1 लीं मंजिल, एवरटांप अपार्टमेंटन को-आंप० हार्जीन्म सोसाइटी नि०, सहग्रार नगर, अंग्रेरी धर्मीना रोड, अंग्रेरी (प०), वस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० भ्रई-2/37-ईई/13325/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास भक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27--5--1985

मोहर:

मध्य बार्च , हो. ६व. एस्. ००००००

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत तरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बस्वर्ष

बन्बई, दिनांच 27 मई 1985

निदेश सं॰ अई-2/37-ईई/13503/84-85—अतः मुझे,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 22, जो, विरल् अपार्टमेंटस विरल शापिंग सेंटर, अंबर आस्कर सिनेमा के सामने एए वी० रोड, ग्रंधेरी (५०), अम्बई-58 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं भूँदे जिनका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 259 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 12-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उख्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ने द्वार्श किली आप की सायल जम्म अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक वं शियल में कभी कारने या जससे उत्तर में सृथिक के निष्; और/या
- (क) इसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तिकों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किए। गया अन्य जिल्ला जाना चाहिए का, किया में मुक्तिभा औ जिल्ला

अतः अवः, अवतः अभिनियमं की भारा 269-गं कं असमरणः में, में, उस्म अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीतः (रू--

(1) श्रीमती गुलशन जी० मोरानी।

(अन्तरक)

(2) डा॰ बलबीर सिंग सुरी।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्मति के वर्जन के सिंए कार्यनाहियां करता हुई।

उन्त बंपरित के वर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्सन्त्रन्थी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ तोगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

श्युची

दुकान नं० 22, जो, विरल अपार्टमेंटस, विरल गापिंग सेंटर, ग्रंबर आंस्कर सिनेमा के सामने, एस०वी० रोड, ग्रंबेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ॰सं॰ अई-2/37-ईई/13503/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण बास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्राजीन रेज-2, सम्बद्धी

तारीख: 27-5-1985

मोहर:

प्ररूप माइ.टी.एन.एस.-----

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ अध्य 269-व (1) को अधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक वारकर भायकत (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-2, बस्बई बस्बई, दिनांक 27 मई 1985

निवेण सं० अई-2/37-ईई/13152/84-85--अस: मुझे, सक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रहं. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 103, जो, पहली मंजिल, इमारत नं० 40, ए-विंग, श्री गोपीनाथ कृपा को-आप० हाउकिंग सोसाइटी लिं० मितिष नगर जे०पी० रोड श्रांधेरी (प०) यम्बई-58 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड अनुसूषी में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम श्रीधिकारी के कायोलय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-10-1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्दमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्वोध्य से उच्त अन्तरण बिकित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) शन्तरण से हुव किसी आय की वावत, सक्त अधिनियुक्त के स्थीन कड़ दोने के बुन्बरक की दावित्य में कानी करने वा उदक्ष क्यमें में स्वीयप्त के जिए; स्वीर/या
- (क) एंथी किजी जाब वा जिल्ली पत वा अन्य आस्तित्रों करं, जिल्ही भारतीय अध्य-कार सिंपिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिल्ला निविनयम, या :-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) शे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था वा जिल्ला भागा परिद्वार कर हिस्स में नृतिधा के विक्य,

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्धात एक्त- (1) श्री नारायण शंकर गायकवाड ।

(अन्सरक)

(2) श्री एम०सी० पिटर,।

(अन्सरिती)

को नह स्वना बारी करके प्रावित संगोध के अर्थन के जिल कार्यशाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के कर्णन के संबंध में कोई भी बास्रेप हान्स

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति दशरा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहरताक्षरी के पास किस्ति में किए वा सक्षे

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और वदों का, था उत्थव अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में सिन्ति एक होने

वन्सची

पशेष्ट नं० 103 जो पहली मंजिल इमारत नं० 40 ए-विंग श्री गोपीनाथ कृपा को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि० मनिष नगर जे०पी०रोड स्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०रां० अई-2/37-ईई/13152/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजीस्थर्ड किया गया है।

> शक्ष्मण दास संभव विश्वितारी सहायक आयकर जायुक्त (दिज्ञीजा) अर्जी रेज-2 बन्बई

तारीख 27-5-1985 बोडिए + प्रकल् नार्षे । दी, यन्, व्यक्ति स्वास स्वत

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर कास्क्स (निरीकाण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13576/84-85—अत: मुर्झे, लक्ष्मण दास.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाचार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 305, जो 3 री मंजिल ''सिटीजन'', प्लाट नं० 27, एस०न० 41 (प्रांश), 4 बंगला, फ्रेंट्रिनियरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रांर इससे उपावड अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रांर जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीरही है तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बाक्किक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी आय की वावसा, स्वतर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्व माँ कमी करने या उत्तर्स क्यने माँ सुविधा के लिए; सर्दर्शन
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्कर अधिनियम, या धनक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी अयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना वाहिए वा, जियाने में सुविद्या के सिए (ह)

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुतरण बँ, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---42---156 GI|85

- (1) श्री पष्पू वर्मा और श्रीमती कविता वर्मा। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स अर्जनदास ग्रौर अन्य। (अन्सरिती)

का वह स्वता बारी करके पृत्रोंक्त सम्बक्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हुं।

उचत राज्यीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवाष 🖦

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा चै 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को खै अवधि शव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीववा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति त्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वज्ञीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उन्ह जभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिवा वहां हैं।

STREET

फ्लैट नं० 305 जो 3 री मंजिल "सिटीजन" प्लांड नं० 27 एस०न० 41(श्रंण) 4 बंगला ध्रीणिवरा वसींवा, ग्रधेरी (५०), बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र॰सं० अई-2/37-ईई/13576/84-85 भौर जो सक्षम प्राविकारी, बनाई प्रार दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया ह।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-1985

मोहर 🖫

इस्प बाइ'.टी.एन.एक.----

बायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना शारत सरकाह

कार्यालय, महायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिशांक 27 मई 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13709/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, जो, 5वी मंजिल, इमारत कामकार्ड-ए, प्लाट नं० 16, एस०नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंघरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उगाउद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जि.का जरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोलिसित उद्देश्य स उक्त अंतरण निस्ति में बासाबिक रूप से किया नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त ऑधान्यम के क्यान कर राने क अंतरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के भिन्त; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घरकर गिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ रेतिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने बें सिक्धा के लिए:

कतः वतः, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वन्सरक मों, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के व्यक्ति, निम्निलिखन व्यक्तियों, वर्धात :--- (1) मेसर्स स्पेसियल बल्टींग कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलयाल कौशल्या रामधन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप !!--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

फ्लैंट नं० 502, जो, 5वी मंजिल, इमारत कानक।डैं-ए, प्लाट नं० 16, एस०नं० 41(ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क०सं० अई-2/37-ईई/13709/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ं लिक्ष्मण्य दास सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-1985

मोहर अ

मुक्स बाह्र दी . एन . एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-व(1) के बधीन सुवना

सारत प्रकार

्र्रें कार्यांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण) प्रजेन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, जो, 5 वी मंजिल, इमारत होमस्टेड, प्लाट नं० 337, एस० नं० 41 (अंग), 4 बंगला, वर्सोघा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (स्प्रेर इससे उपावद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर मधिनयम की धारा 269 फ,ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29-10-1984

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाबार मूक्य से कम के क्षकमान प्रतिपास के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्कात कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपास से, एसे क्ष्यमान प्रतिपास का पंद्र प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितिया) के बीच एसे बंतरूम से किए तय पावा मया प्रतिपास निम्निसिचित उद्योग्य से अक्त कन्तरण निचित में बास्तविक एप से कथित सहीं किया गया है क्ष्म

- (क) नन्तरण वे हुइ निक्ती जाय की बावत, उपक निधानियन वे वधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कानी करने वा उत्तरों वचने में धृतिथा के सिद्धा कोंद्र/का
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को विन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधि-विवस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ धन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया किया बाहिये था, किया में बुविधा वी किए;

कतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-मं के जन्दरक में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) में वर्धान, निम्निधिक्त व्यक्तियमें ह सर्वात् ह—

- (1) श्री सुशिल कुमार भसीन और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हवाबिबी एम० मोटाला। (ग्रन्तिरती)

का वह सूचमा बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टिस के वर्षन के लियू कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप त-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त हाती हों; क भीचर प्रविक्त व्यक्तियों में में भिक्षी व्यक्ति हतारा:
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष्ट्र किसी बन्य व्यक्ति द्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त कम्यों और गर्श का, जो उत्तर कि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्स्थी

फ्लैट नं० 503, जो, 5बी मंजिल, इमारत होमस्टेड, प्लाट नं० 337, एस० नं० 41(अंग), 4 बंगला, वर्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की क्र०सं० ग्रई-2/37-ईई/13955/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बम्बई

्तारीख: 28-5-1985

मोहर 😢

प्रकव आहाँ .टी . एए . एस

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन मुखना

प्रारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण), प्रजीत रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/13199/84-85--- अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उन्त निर्धानयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 73, जों, 7 वीं मंजिल, अंधेरी वर्सीवा रोड, प्लाट नं० 5, स्किम नं० 121, अंधेरी (प०), धम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा मायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, सारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त मंपरित के उचित काजार मूल्य सं कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से एसे रस्यमान प्रतिफल के पन्तर अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उन्त अन्तरण कि जिए तम नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उन्त अन्तरण की जिल्लाम

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त मिन-नियम के जभीत कर देनेके बन्तरक के दादित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के किए; महि-
- (व) एसी किसी नाम या किसी भन या नम्य नास्तियी को भिन्हें भारतीय नामकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) ा उन्ति अधिनियम, या भन-कार निर्मित्रम, या भन-कार निर्मित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के शिष्ट;

बतः अब उबतः विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, जनत विधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. श्रीमती विजया देशमुख और 2. श्रीमती शैला श्रीपलानी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स कोमोटेक्स।

(भ्रन्तरिती)

(3) धन्तरकों।

y -

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लियू कार्यवाहियां करता हुं।

उकत कम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितुक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिकित में किए का सकती।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्योक्ता, को उनक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्य होगा को उसे क्ष्याय में विका गया है।

बन्स्ची

प्लैट नं० 73, जो, 7वीं मंजिल, "प्रविनाश" अंधेरी वर्सीवा रोड, प्लाट नं० 5, स्किम नं० 121, अंधेरी (प०), यम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की कि० सं० भई-2/37-ईई/13199/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म वास सक्षम प्रीधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-5-1985

मोहर:

प्ररूप आई'. टी. एन. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यथ 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर आयुक्त (नित्रीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ध बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/13230/84-85—श्रत: मुझे, लक्ष्मग दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो 2 री मंजिल, "गीतम निवास", वर्षणा को-आंप० हार्डीसण सोसाइटी लि०, 7 संगला के पास, वर्सीया रोड, अंधेरी (प०), यम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबस प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, सम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिक कस निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्तित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विका के लिए;

भतः सब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत्, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मिर्झा मोहमद जावद शहा बासीयम।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती मंश्री सोली कांन्ट्रकटर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तयों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है ॥

अनुसुची

पलैट मं० 22, जो, 2 री मंजिल, "गौतम निवास", वर्षना को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 7 बंगला के पास, वसींबा रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की कि सं० श्रई-2/37-ईई/13230/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 5-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, बस्वर्ध

सारीख: 28-5-1985

मोहर 🛭

प्रकृत सम्. हो. १४. वृष. -----

नायकर निभिनिवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

(1) श्री सुरेंद्र कुमार जैन।

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाश दास।

(भन्तरिती)

बारत बुद्रकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निहिशान) प्रार्जन रॅज-2, बम्बई वम्बई विनाक 28 मई 1985

निदेश सं॰ धई-2/37-ईई/13208/84-85—धतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, वित्का उचित् वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 606, जो, 6 वी मंजिल, इमारत सन स्वेष्ट, प्लाट नं० 353, एस० नं० 41 (अंश), 4 बाता, अभीतरा, वर्ताता, अंग्रेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 219 कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयं नाम मितियस के सिए ब्लिटित की गई है बार भूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्लिय, इसके स्वयं ना प्रतिकत से एसे स्वयं ना प्रतिकत का पंचह प्रतिक्षत से अधिक है और बल्तरक (अंतरका) और अल्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे ब्लिटिंग के निए तब पाना क्या वृतिकत, निक्तिसिवत उद्देश्य से उच्छ क्ताइन दिवाल के वास्तिवक स्पूत्रों के अधित वृद्धों किया ग्वा है बल्ल

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी जाब की बाबत उक्त अधिनियम से स्थीन कर दोने के सम्बद्धक से स्थितम् में कमी करने वा उससे स्थान में सुविधा से सिए; बाडि/बा
- (क) ऐसी किसी जान वा किसी भून वा कुम जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ नन्तरिती बुनाय प्रकट नहीं किया न्या या किया जाना जाडिए ना कियाने में सरिवा में किया

नतः त्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण वो, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधादा (1 दें वो अधीन, निम्निशित स्वितिवाँ, अर्थात् ह---- कार्य बहु बहुणका बारी करके पृशासित संपर्शित के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

बक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी नाशेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यधि, जो भी बद्धि बाद में स्मान्त होती हो, के भीत्र पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में कियु जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्द श्रीधिनयम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु वर्ष होगा, को उस अभ्याय में दिया वदा है।

वन्त्र्यी

प्लैट नं० 606, जो, 6 वी मंजिल, इमारत सन स्वेप्ट, प्लाट नं० 353, एस०नं० 41(अंग), 4 बंगला, ओशिवरा, विसीवा, अंधेरी(प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क॰सं॰ अई-2/37-ईई/13208/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

तारीख . 28-5-1985 मोहर . प्रकृष बाह्र .टी .एन .एस . ------

वायकाद मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

बार्त बर्काह

कार्यालय , सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ब्रम्बई

बम्बई दिनांक 28 मई 1985

निर्वोश सं॰ अई-3/37-ईई/13655/84-85---अतः मुझे, लक्षमण दास.

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिल्लकी सं० दुकान नं० 4, जो ज्युबीली अनार्टमेंट, यारी रोड, वर्सोना, बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है सारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान भितिफल के लिए अन्तारित को गई हैं और नृत्य यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे मंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फस निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) बनारण सं हुइ किसी बाध की बायत उक्त व्यागियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बावित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शरि/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भग या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के जिहा;

जतः छव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती हरबन्स कौर।

(अग्तरक)

(2) श्री के०के० न्यसुक्षू भौर 2. श्रीमती वेबी कृष्णा नायकु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाशेष ह-

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर स्पान की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस त 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित कवा है।

प्रमुख्यी

बुकान नं० 4, जो, जुबीली अपार्टमेंट, यारी रोड, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० है-2/37-ईई/13655/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बद्द द्वारा विनांक 20-10-1984 को रजीस्टर्क किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधि .गरी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख : 28-5-1985

मोहरः

प्रकप कार्ड, टी. एन. **एव**्-----

शायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के अभिन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13392/84-85——अत: मुझे, लक्ष्मण बास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव पर्लंट नंव 104, जो, 1 ली मंजिल, पुरुषोत्तम हाउसिंग सोमाइटी लिव, जय प्रकाश रोड ग्रंधेरी

बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसने उप बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका कर रनामा अ यक्र अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके इध्यमान प्रितिफल से, ऐसे स्थमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अर्तारितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निलिसित उन्देश्य से उचित अन्तरण किवित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया चवा है प्रन

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत, उपत अपिनियम के मधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने त्रें सुनिभा के सिप; बीड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा औ किए;

अतः तव, उक्त विधिनियम, कौ भारा 269-च कौ अनुसरण में थेंं. नक्त अधिनियम की धारा 269-च की जयभारा (1) चे प्रभीत निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् ३०--- (1) श्रीमती के॰एस॰ सजनःनी।

(अन्तरक)

(2) चंद्रकांत कानजी सोनानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

ं की यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कीर्ज भी बार्सण :~

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी के सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब दूध किसी जन्म स्मित्त व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाब जिसत में किए का सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः वया है।

जनस्यो

फ्लैट नं० 104 जो, 1 ली मंजिल, पुरूषोत्तम हाउसिंग सोसाइटी लि०, जय प्रकाश रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि० सं० भई-3/37-ईई/13392/ 84-85 श्रीरजी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-84 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण क्रूस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 28~5-1985

माहर ।

मार्च मार्च ही. एन. एव. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ल (६) के बधीन स्थान

भारत क्रांकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन् रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० म्र० ई०-3/37/ई० ई०/13570/84-85-म्नतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अगैधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाध् 'उक्त के धिनियम' कहा गवा ही, की धारा 269 स में कधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, कि प्रस्का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 जो, प्राउंड फ्लोअर, इमारत क्रूईटन टांवर प्लांट 356 एस नं० 41 (ग्रंग) 4 बंगला वर्सोवा अधेरी (प०) वम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर ग्रीर जिसका करारनाया आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वमान श्रीतफल के लिए बम्तरित की नई है और मृभे यह विकास करने का कारण है कि बभापबेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके स्वयान वित्रक है धेर स्वमान प्रतिफल का बन्बुह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उत्तत वन्तरण निकित में शास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जुन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक वी करियक के करने या बबसे दचने में द्विधा के निका और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विक्ष के जिल्ला

अतः ब्राब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्मालिखित व्यक्तियों, जिस्मालिखित व्यक्तियों, जिस्मालिखित व्यक्तियों,

(1) श्री रमेश ए० व्हाबी।

(अन्तरक)

(2) श्री शैलेश बी० लाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी ब्राध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति हुन, के भीतर प्रवेकित
- [क] वृद्ध कृतना के सम्भवन के म्कानन की वार्तिक के 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पर्ति में हित- वृद्ध किसी सन्य न्यांकित द्वारा, अभोहस्ताकरी के वास जिल्डि में किए या वक्ते हैं।

स्वत्नीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी शर्थ हांगा. जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

ग्रनसूची

फ्लेट नं 1 जो, ग्राउंड फलोअर इमारत ब्राईटन टांवर, प्लांट नं 356, एस नं 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कर्निंश अई-2/37-ईई/13570/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-1985

नोहर 🛢

प्ररूप गाई. हो. एत. रस. -----

जायंकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचनः

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/13741/84-85----ग्रतः म्झे; निर्देश सार,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त लिपिन्गां कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायन सम्पत्ति, जिल्लाका सचित वाजार ग्रास्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी, 8, जो 2 री मंजिल, जीवन सुधा को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सी० वी० बर्फीवाला मार्ग जुहू लेन अधिरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 22-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गर्द है की ब्रम्भे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिद्धत से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीज एसे बृत्तरण के लिए नय पाया वया प्रतिफल, र्रनम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित से वास्तिवक रूप ये कश्यत नहीं किया गरा है ——

- (क) जन्तरण से हाइ किशी आए की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन का कोंग के अन्तरक के इतियस को सामी कारत का लखके अधने के प्रियम के विषक्ष और/या
- (क) तार्षे करी ता सामित । वा अन्य आमित शो को. जिन्हों भारतीय काय-का अधिनियम 1920 (1922 का 11) ता उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चिंतामणी बिष्णू करंबेलकर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सम्माथ बी० चौधरी ग्रीर 2. श्रीमती पुष्प एस० चौधरी।

(ग्रन्तिरती)

(3) अन्त्रितीयों ग्रौर उनके परिवार सदस्य । (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पन्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाया सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति दवाय अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्में का, जो उपल निधानम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नेवा हैं।

सन्गरी

पलैट नं बी, 8, जो 2री मंजिल जीवन सुधा को-आँप हःउसिंग योप्ताइटी लि॰ सी॰बी॰ बर्फीवाला मार्ग, जुहु लेन. ग्रंधेरी (प॰), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क० सं० ई-2/37ईई/13741/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बर्ड द्वारा दिनांक 22-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सन्नम प्राधि ारी महायुक्त ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 27-5-19**8**5

मोहर :

श्रुक्त साथ का तम हो। है ।

बायकार ब्रॉपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बधीन राजमा

बाइत सरकार

भागतिय, सहायक जायकर जायकर (रैनरॉक्सज) शर्जन रज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

7-42) (4((5) 20 (12 130)

निर्वेश सं श्राई - 3/37-ईई/13110/84-85---अत: ममे लक्ष्मग्र वास,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, को पाम स्थिंग, प्लांट नं० 26, श्रोशियरा लेन्ड, श्रॉफ 4 बंगला, श्रंधेरी(प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से यणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 3-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाकार मूल्य है कम की क्षवमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मूझ यह विकास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके क्ष्मभान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल के के प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फत, निम्नतिवित उद्देष्यं से उक्त अन्तरण निवत में बास्त-विक रूप से किथान नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरण सं हुइर्ष किसी बाध को बादत . बक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ बायरण में कामी कारण या उसमें स्वाने के मृण्यका के निया; बार/का
- (स) ऐसी निसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों सी, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा में सिक्षः

नवः नवः, वनतः निधीनयम की धारा 269-भ की अन्तर्यः में, में, बनत विधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नुधीनः निम्नीनिधव व्यक्तिवायों, वधीत् ब्र---- (1) लकी फ्रीमिंग वक्सी।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्रवची गणेश पटेल।

(श्रन्तरिती)

(4) मेमर्स श्रोशिवरा लैण्ड डेव्हलोपमेंट ऋंपनी, (प्रायवेट) लि०।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह स्थान जारिकरने पृत्रों कर सम्पतिल के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के एकपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविभि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तासीन से 30 दिन की अविभि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (ण) इ.स. सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्ष विधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा वो उस अध्याम में विदा गया है।

मन्स्ची

दुकान नं० 2, को, पाम स्प्रिंग, प्लांट नं० 26, स्रोणिवरा लैंन्ड, स्रॉफ 4 बंगला, श्रधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की जि०सं० ग्राई-2/37ईई/13110/84-85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक्र स्रायक्तर (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2, कम्बई

दिनांक: 28-5-1985

मोहर 🛚

प्रकार कार्यः दीः एत्. एव , प्रतानन्तरस्था

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के भूभीन सुवार

ALLE AZERE

कार्याकष्, रहायक नायकर नायुक्त (निर्द्राक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 मई 1985

निर्देश सं॰ श्रई-2/37-ईई/13090/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास.

नायकत कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन समन प्राधिकारों की, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार भूवा 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 06, को. ग्राउंड फलो इमारत ग्रीन फिल्डम, प्लांट नं० 333, एस०नं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला; श्रोशिवरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), वम्बई-58 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), ग्रीर जिमका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनिय की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्या लय, बम्बई में रजीस्टी है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उधित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मूफी यह निस्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिफल का उन्तर प्रतिफल के निर्मा कि प्रतिक्त के निर्मा कि निर्मा क

- (फ) बन्दरक से धूर्य किया जान की नान्छ, उस्क जीपीनमन के जभीन कर दोने के बन्दरक के शक्तिस्थ में कानी आर्ल ना सक्क न्याने में स्ट्रेंटना के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तिन नो की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्ता अधिनयम या धन-कर निधिन्यम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था खिपाने जें हाजभा ने सिए;

भतः जब, उन्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जभित् :---

(1) श्री अशोक व्हावी।

(श्रन्तरक)

(2) किरन प्रभुवास मंडाविय ग्रीर श्री रजनी प्रभवास मंडविय।

(ग्रन्तरिती)

की वृद्ध कृष्णना बारी करको पृथीशस सम्बोरत कं अर्थन के किए कार्यगाहिना' सुक करता हो।

दक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बद्ध भी कार्य भी वार्यप

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्स्य जन्भी व्यक्तियों पर स्थान की सायील से 30 दिन की जबिध, को भी सबहित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्योंकत द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राज्यन मं प्रकाशन की तारील सू 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हितक्कि किसी अन्य व्यक्ति इनाय अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगें।

स्मक्कींकरणः -- इसके प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उक्त जीजीनयम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मण्लूची

दुकान नं० 6, को, ग्राउंड फ्योर, इमारत ग्रीन फिल्डस, प्लाट नं० 333, एस०नं० 41(शंग), 4 बंगला, श्रोशि-बरा, वर्सोवा, ग्रंधेरी(प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा की ऋ०सं० अई-2/37-ईई/13090/84-85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 28-5-1985

मोहर:

रक्ष कहा है है, एक एक गण्यान

नायश्य किप्तियम, 1961 (1961 का 43) की राज्य 289-व (1) वे अभीन सुभा

भारत सरकाल

कार्यांस्य, सहायक भायकर मायुक्त (निरक्तिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ट, दिनांक 28 मर्ट 1985

निवेश सं० अई-2/37-ईई/13537/84-85---अतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनेत्रमा. 196 : (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिस बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 222, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 2, झकेरीया श्रघाडी नगर को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी निं० नं० 1, गुलमोहर गार्डन के सामने, यार्रा रोड, वसींवा, ग्रंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत में श्रनुसूची श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रमिस्ट्री है, तारीख 15-10-1984 की बृधीफ्त सम्पत्ति के अचित माजार मृज्य से कम में क्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तर्वर का गई हो जीर मके एक विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्रथमान पिक्तल से, एके व्हयसान प्रतिकाल का प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिकाल, निम्निसिंस छब्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित्त में वास्तिकार स्प में कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्धरण संहुई किसी नाथ को नायस, उत्तर नीध-नियम के नभीन कर दने के नन्धरक के दारिस्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के सिए; नौड़/वा
- (क) एसा किया अध्य या किसी अन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, कियाने से सुविधा को सिए;

बतः वयं, सम्य विधिनियमं की धारा 269-व के बनुबर्ध में, में उक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) मेहमूद भ्रब्दुला पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) खलिलू हीन शराफुंददीन शेखा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वै वर्जन के तिथ कायवाहियां करता

बन्द सम्परित के बर्जुंग के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप्:---

- (क) इस सूचना को राजपण भी प्रकाशन की तारील को 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद मी समान्त हाती हो, को भीतर पूर्वीक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना क . रावधन में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह-ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकींगे।

स्पव्हीक रणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और न्दों का, को सन्द अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका रुदा हैं।

errdi

फ्लेट नं० 222, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 2, मिकेरीया श्रघाडी नगर को-श्रॉप० हार्जीसग सोसाइटी लि० नं० 1, गुलमोहर गार्डन के सामने, यारी रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/13537/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दासं भक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 28-5-1985

मोहर 🛭

त्रक्त वार्ष्यं देते युव्य पुरुष्यः व्यवस्थानस्य

भाग्कर मिर्गियन, 1961 (1961 का 42) की भारा 269-म (1) में नमीन स्थाना

THE THEFT

शासीलय, सहायक नायकर भावतक (भिडीहाक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/13848/84-85—अत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात् 'उनत निधीनयम' कहा नवा हु"), को धारा 269-व के निधीन समान प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण हु कि स्वाधर संघीता विकास उन्तित वाकार सूर्य

1,00,000/- रहे. से मिन 🕏

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 604, किं को, 6वीं मंजिल, मेनका, नालंदा मेनका को-ग्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, जे० पी० रोड, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई से रजीस्ट्री है, तारीख 26 श्रक्तूबर 1985

- (क) अन्तरण में हुए जिली नाम की नामक जनत अधिक्रियन में स्थीन कर मेंने में सन्तरफ दासित्य में सबी कर्ण ना क्वले प्रक्रते में सुनिया में जिल्हा स्टि/मा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म आखियाँ को, जिन्हें आउसीय नामकार वीशीनवन्, 1922 (1922 का 11) या उनक वीजीनवन्, या पृष् क्षम जीवीनवन्, 1957 (1957 का 27) के बनोबनार्थ नन्तरियों इत्तरता प्रका पृष्टी किया प्रवा था या रिकास आना जाहिए था, कियाने में बुद्धिया की विकास

स्तरः अथः, स्वयं नीयविषयं की नारा 269-न से जनुबरण में, मीं, उस्त सीयीमक्त्र की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीत्र शिल्मितिस व्यक्तिकार्ों, अर्थाय क्र--- (1) श्री दिलीप बाबूलाल वखारीया।

(प्रन्तरक)

(2) 1, श्री सैयद खलिवहाब, 2. श्री सैयद मोहम्मद वहाब, 3. श्री सैयद गयास बहाब, 4. श्री सैयद फरीद वहाब और 5. श्री सैयद नासीर वहाब।

(भ्रन्तरिती)

F

(3) श्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को नह सुमना चारी। सरके पुत्रीकतः संगरि ने वर्धन के किय कार्यगाहियां करता हुं।

वनत बन्धरित से सर्वत से सम्बन्ध में सोर्ब भी साम्रोप र---

- (क) इव ब्रुचमा के राजपन में प्रकाबन की तादीब के 45 दिन की क्यांच वा तत्त्रम्थानी व्यक्तियों पर बृक्षया की सम्बद्धि से 30 दिन की क्यांच, को औ नवींच को समान्त होती हो, के भीतर प्योक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यांका;
- (थ) इस त्यना के सकरण में प्रकासन की तारींस स 45 दिन के भीतर उनत स्थापर स्थापित में दितबह्य किसी नम्ब व्यक्ति कुबारा नभोहरताक्षरी के पास विविक्त में किस का बक्तेंगे।

न्यक्टीकर्ण: ---इसमें प्रयुक्त सम्बा और पर्वो का, जो उक्त जिपिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका यथा है।

बप्यची

फ्लेट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, 'मेनका', नासंदा मेनका को-भ्रॉप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, जे०पी० रोड, वर्सीवा, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-2/37-ईई/13848/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 26-10-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 28-5-1985

क्षेट्र ∴

प्ररूप आए. टी. एन एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अभीन सुनगा

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ार्जन रेंज-2, बम्ब**र्ध**

बस्बई, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/13553/84-85---ग्रतः, मुझे, लक्षमण दास

भागकड़ अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार उपक अंतरियस अहा गण हैं), की धारा 269-इस के अभीन समाप गिलकारों को, यह दिश्वार करने का कारल हैं कि स्थानर सम्मति, जिसका उपनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/~ रा. स आधक हैं
श्रीर जिसकी सं पलैट नं 205, जो 2री मंजिल, पास
किन श्रपार्टमेंट्स, जे०पी० रोड, मछलीमार, वर्मोवा, वस्वई-61
में स्थित है (श्रीर इणमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984 को पूर्वोंक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर रिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुन्द जिल्ली आय की बाबत, उनक अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक में शासित्व में कभी करने का उससे नचने में सुनिधा जे लिए: और/मा
- (मा) ब्लिस है के अप बा किसी जन या अन्य आस्तियाँ कर्ता है क्लि सारतीय रूप-कर शिंधितरण, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रधोचनार्थ कर्तियों व्यास प्रथट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

भाग शत, उनत जीभीनयन का भाग 269-ग के जनसरण कें, हों, तलत किंपिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के संधीन विकास किंत कार्जिसकों, कर्जात रू--- (1) श्री प्रवीण शर्मा।

(प्रन्तरक)

(2) श्री जॉर्ज यॉमस।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हूं।

उनत सम्मत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीज है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में है किसी स्थित ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पंति में हितवह्थ किसी जन्म स्थानित ह्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त काट्यों और वर्षों का, जो उसत जीभनियम, को अध्याय 20-क में यथा पाँच-भावित हीं, वही सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नग्त्या

पलैंट नं० 205, जो 2 री मंजिल, पाम बीच ध्रपार्टमेंट्स, जे०पी० रोड, छलीमार, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/13553/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्गन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-5-1985

को रजीस्टर्ड किया गया है।

महिर :

प्रस्य बार्ड . टी. एवं. एवं -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्कारुष, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13911/84-85—-श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात 'उक्त विधिवयम' कहा क्या हैं), की धाख 269-ख के वधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 703, जो 7वीं मंजिल, लेन्डस् एन्ड-बी, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स, ग्रोशिवरा व्हिलेज, 4 बंगला, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क,ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1984

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, असके दरयमान प्रतिफल से एसे दरवमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकृत से विश्वास करने का वन्त्रह प्रतिकृत से विश्व के व

- (क) बन्तरक ते हुई किशी बाय की बाबत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, उर धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 चा 27) के त्योजनार्थ बन्निरती द्वारा प्रजट नहीं किया गया था वा किया जाना धारी था किया काना धारीय था किया काना धारीय था किया के सिंध के सिंध।

अतः जब, उक्त स्प्रिंगिनमं की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त स्पिंगियमं की धारा 269-च की उपधारा (१) के जभीत, निम्निसियन व्यक्तियों. अशित क्रिंग (1) कैंप्टन हरमिंदरीं मह ग्रीर श्रीमती रिमंदर कोर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स भारत लैबोरेटरीज।

(अन्तरिकी)

को बहु बुचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्वशिक्षां करता हुं।

जुबदा सम्बद्धित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी कार्बाप ह

- (क) इस सूत्रम के युक्तपत्र में प्रकाबन की तारीच वें 45 दिन की नवींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर् सूत्रमा की हाजील से 30 दिन की नवींच, जो भी नवींच नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति नविस्ता में से निस्ती व्यक्ति स्वातः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्रिं 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्धे किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सर्वींगे!

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसे नवा हैं।

वनस्थी

फ्लैंट नं० 703, जो 7वीं मंजिल, लैंन्डस् एन्ड-बी० लोखंडवाला ऑस्प्लेक्स, ग्रोशिवरा व्हिलेज, 4 बंगला, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैया कि कञ्सं० श्रई-2/37-ईई/13911/84-85 श्रीर जो मक्षम अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण् दास सक्षम प्रान्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-5-1985

मोहर "

प्रकार कार्योः दी, पुरुष पुरुष १ १०० १ ५०००

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-स (1) को बधीन सुचना

SILE VEGE

कोर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985 - निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/13340/84-85---ग्रतः, मुझे,

नियंग सं० श्रई-2/37-ईड/13340/84-85----श्रतः, मुझं, लक्ष्मण द्यम्

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (चिर्स इसमें इसमें इसके परचात् 'उसत निधानियम' कहा गया ही, की भारा 269 का ने निधानियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उज्जित नामार कृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 64-ए, जो 6वीं मंजिल, साई भ्रपार्टमेंट्स, श्रॉफ जे०पी० रोड, प्रताप मोसाइटी के सामने, 4 बंगला, श्रंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर स्समें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सक्पत्ति के विश्वत बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कार्य है कि स्थाप्त्रों कता कार्य है कि स्थाप्त्रों कता संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहर से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित्र नहीं विद्या गया है क्ष-

- (क) जन्मरण संबुध किसी बाज की बाबस, उपत बाधानयम के अधीन कर योगे के बल्तरक ने ब्राविस्व ब्रीकमी करण या उससे बचने में सुविधा के निए बर्डिया
- श्रिती किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, शिवह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्मीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था वा किया जाना चाहिए था सिपाने में स्विधा औ जिल्ह;

(1) श्री नवीन कुमार बाटला।

(ग्रन्तरक)

(2) सरवजीत सिंह छडडाह।

(ग्रन्तरिती)

को वह त्थना बारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के सिए कार्वमहिमां बुरू करता हूं।

उक्त बन्पृतित् के वर्षन् के संबंध वे कोव् भी बाक्षेप ह---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्युंच किसी बन्ध व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति क्यांच क्यांहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकते थे।

स्पन्दिक्षित्व --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्तर अधिनियस के अध्याय 20-के में पहिशासित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 64-ए, जो 6वीं मंजिल, साई प्रवार्टमेंत्स, श्रांफ जे०पी० रोड, प्रताप मोताइटी के सामने, 4 बंगला, श्रंधेरो (५०), बस्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/13340/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 29-5-1985

मोहृद अ

प्रकृप बाइ टी. एउ प्रसः का व्यवस्थान

भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

बारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1985 निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/13086/84-85--श्रतः, भुम्ने, लक्ष्मण दास

शायकर शिंधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की नारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसी सं० फ्लैंट नं० 404, जो 4 थी मंजिल, "बी" इसारस, सुंबर पार्क, विरा देसाई रोड, श्रंबीवली, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है). श्रीर जिसशा करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

कारे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूला स कम छ इज्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निस्तित में अस्तिक रूप से जिला कप से लिए तथ पाया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/श
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की. जिन्ही भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पराजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया. या पिन्या जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के थिए;

भतः अंब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) भी अधीन दिस्तिविद्या व्यक्तिया, अधार .---

(1) श्रीमती कुसूमदेवी डालमिया।

(भन्तरक)

(2) श्री कपाष्टिया उत्ल चंद्रासेन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत संपरित के अर्जन के लिय

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोंड़ भी माक्षेप र---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हों, के भीतर प्वींक्त कार्मिता में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास्कृष्ट लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गुक्त और पर्यों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लैंट नं० 404, जो 4 यी मंजिल, "बी" इमारत, सुंदर पार्क, विरा देशाई रोड, ग्रंबीवली, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-2/37ईई/13086/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-10-1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दुस् सक्षम प्राधिकिणी महायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रैंज-2,बम्बई

सारीख: 29-5-1985

म।हर : .

प्रस्त वार्षे , टी , एन , एस ,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुधना

TIME STATE

कार्यासय,, सहायक सामकर सायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13177/84-85—अत:, मुझे, लक्षमण दास

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उंजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं बी/401, जो, नेबूला अपार्टमेंटस, हिरानंदानी इस्टेट, श्रीशिवरा, श्रंधेरी(प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के विणा है), श्रीर जिसका करारनामा आयंकर अधिन नियम की धारा 269 कं, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए कर्तिति की गई हैं जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि गयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके व्ययमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नितिचित्र उद्विश्य से उक्त कर्त्यरण सिचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) जन्तरूप से हुन्दें किसी बाव की बाबत, उन्हें वर्षि-निष्ध के बचीन कर दोने के बन्तरूक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; बार्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम, या पनकार अधिनियम, 1957 (, 357 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना चाहिए था, जियाने के स्विधा के सिए;

मतः भव, उस्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरम को, जो, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिनियत म्युनियमों, अधीत् हि—— (1) श्रीमती भावना प्रकाश असराने ।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगलानी मोहन सर० श्रोर श्रीमती मंगलानी पूनम पुम०।

(अन्तरिर्ता)

(3) मेसर्स अनेनस कनस्ट्रमणन्स ।

(बह व्यक्ति, 'जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

एकत संपरित के क्षान के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्संसभी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में किए जा सकरेंगे।

स्पाकिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसुची

फ्लेट न्० बी/401, जो, नेबुला अपार्टमेंट्स, हिरानंदानी इस्टेट, शिवराग्रो, ग्रंधेरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई~2/37ईई/13177/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ग्रारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

दिनांक : 29-5-1985

बोहर 🛮

प्ररूप बाह् टी.एन.एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक. 27 मई 1985

निदेश सं० अई 2/37-ईई/1377 7/84-85---अत., मुझ, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन का हिएता, जो सर्वे० नं० 6, एच० नं० 3, धारा रोड, बसोंवा, बप्तई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुमुची में ऑर पूर्ण रूप ने विणित हैं), भीर जिसका करारनामा जाय पर अधिनियम को धारा 269 का, के अधीन अक्षम श्रीजाती के वार्यालग, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारोक 22 10-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री यण्डा एक हिमने धीर अस्य

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम असमग्राय लालवानी

(तना रही)

(3) अन्तरको

_#*-

(वह व्यक्ति जिसके अधि-

भोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी कै
 पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्यूकी

जारीन का हिस्मा, जो सर्वे नंव 6, ए**च**ंग्रं 3, यारी रोष, वर्शीया, बस्बई में स्थिन है।

अनसूचा जैसा कि कि सं वर्ध-2/37-ईई/13773/8 -85 और जो सक्षम प्राधिकारी अग्बर्ट द्वारा दिनांक 22-14-1984 को रिजाटर्ड विद्या गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंन १८ **बम्ब**ी

त[ा]रोख: 27~ 5**~** 19**8**5

मोहर:

प्रकृप आई. बी. एव. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 29 मई 1985 तिर्देश मंः अई-2/37-ईई/13292/84-85---अतः, मुझे, लक्ष्मण रास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 207, जो, अपनाधर को-आंपव दुवसिंग सोगाइटी यूनिट नंव २, इमान्न नंव एं 29, अंधेरी (पैठ), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अपून्ची में श्रीर पूर्ण रूप ने बणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम गी भाग 269 कुछ के अधीन सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय, बम्पई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वेक्स संमंदित के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ग्रेसे अन्तर्भ के निए तम पामा गया प्रतिक कम, निम्निलिश्तित उद्योग्य से उच्त अन्तरण मिन्निल में वास्ति किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अाम मा किसी भन ना अन्य आरितयों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूभनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण कैं मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री बो०ए० रेडकर।

(अन्तरक)

(2) श्री स्रालिम के० दाउदानी ग्रीर श्री अन्वर के० दाउदानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सग्व^रत है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो खस अध्याय में दिसा गमा हैं।

नन्त्री

फ्लैंट नं० 207, जो अपनाघर नो-आँप० हाउसिंग सोसाइटी सूनिट नं० 3, इमारत नं० v/29, ग्रंधेरी (५०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/13292/84-85 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29~5~1985

मोहर :

प्ररूप आई दी. एन. एस. -----

ब्रायकार मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म र्री) के अभीत कुश्चा

भारत सरकार

कार्यासम, सहाथक आयकार बाग्यत (विक्रीकाण)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 29 मई 1985 िदेश सं० अई-2/37-ईई/13637/84-85—अत:, गुझै, लक्ष्मण दास.

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 209 म के अति उद्धा प्रतिकार का, बद्ध जिस्साद कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाकार मृस्व 1,00,000/- क. से अधिक है

.. और जिसकी मं० जिलेट नं० 102, जो ए-विंग, श्री गोपीनाथ कृषा की-ऑप० हाउमिंग कीमाइटी लि०, ण्योंट नं० 40, मिल्य नगर, जे०पी० रोड, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इपसे उपानक अनुपूत्री में और पूर्ण रूप से विंगत है), और जिमका करारनामा आग्रकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिकिस्ट्री हैं, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रव्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफल से, एसे द्रव्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कस निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिबक में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उनक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के याजित्य में कमी करने मा उससे अजने में सुविधा के लिए; बॉर्/मा
- (क) एसं किसी आय या किसी भन या अन्य आस्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर विजिन्मक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गद्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निवह;

शतः स्वरं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को, सन्तरण सो, डो, सक्त अधिनियस की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सधीन, निकासिक्स व्यक्तित्यों, समृति उल्ल (1) श्री आर० इंसकाचारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी॰ एस॰ गुलराजानी भीर श्रीमती ए॰ जी॰ एलराजानी।

(अभ्तर्भिती)

ची। यह जुमना चाड़ी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति चे वर्षन चे निष् कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्षण के संबंध में कीड़ भी बाक्षेप हा---

- (क) इस स्थता के राजपण में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 बिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 स्वक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस े बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबबुभ् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकीर।

लब्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उन्दे जीध-नियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं सूर्य होता, को उस अध्याय में विया गमा है।

भ्रन<u>ु</u>सूची

पर्लंट नं 102, जो, ए-विंग, श्री गोपीनाथ छूपा को आँप हालसिंग सोसाइटी, ग्लाट नं 40, मनिष नगर, जेंग्पी रोड, ग्रंबंरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०म० अई-2/37-ईई/126°7/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई उत्तरा क्लिं- 19-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीँ सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2% सम्बद्ध

तारोब : 29-5-1985

मोहर 🛎

क्रम नार्ड ्टी.एन.एस. -----

बामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वनः

भारत तरकार

कार्यात्रथः सहायक त्रायकार नायुक्त (विश्रीकाण)

अर्जन रेंज-2, बंम्बई बम्बई धिनांक 29 मई 1985

निदेश सं० अई--2/37ईई/13120/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्काल 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह निष्नास करने की कारण है कि स्थानर संयक्ति, जिसका जेकित बाजार मुन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी जं पर्लंट नं 34, जो, तीसरी मंजिल, ज्यूबीची उर्मेंन, लांट नं 2, सी वटी एम वं 1108/10, यारी रोड, वर्मोबा, बम्बई में स्थित हूं (ग्रीर इसके उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में विणत हैं), और िसका करारनामा आग्रहर प्रधिन्यम की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्ज़ी हैं, (ब्रांक 3-10-1984,

को पूर्वोक्स संपरित के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पारा गया प्रतिकल. निम्ति जिस्ते जन्तरित में असरिक कर से की सिंग जन्तरित में असरिक कर से की सिंग जन्तरित में असरिक कर से की सिंग जन्तरिक कर से की सिंग नहीं किया प्राा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्ट विभिन्नियम के जभीन कर दोने के अभारक के सीयाल म कभी करन या उत्तर यकने में सुविधा के जिए, और/या
- (ह) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय शाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नियम विश्वा अन्तिरती ध्वाच प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या छिपाने में ध्विभा के लिए।

बत: बब, उक्त अधिनियस की धारा 269-ग के अनुसरण हो। से, अपन के विक्या की गारा 239-व कर उपधारा (1) के अधीन, निक्निनिधित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती धून होमी लकाडिया।

(चन्त्रस्यः)

(2) श्री दारायास पेसी दस्तूर ।

(अन्यरिती)

(3) अन्तरिती श्रीर परिवार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध नाम में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीता उक्त स्थातर सभारत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकार में किसा का उक्तेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त िंकियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

फ्लैट सं ~ 34 , जो, तीनरी संजिल, ज्युबीसी दर्शन प्लाट नं ~ 2 , सी ~ 61 एस $\sim 1108/10$, यारी रोड, वर्सीवा, बस्वर्श ~ 61 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कि० स० अई-2/37ईई/13120/84-85 फ्रीर जो सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दान सदाम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेज-2, बम्बर्ड

रि।`हा | 29~5−1985 |मोहर : प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 मई 1985

निदेश से० अई-2/37ईई/13386/84-85-अतः मुझे[।] लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्मति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 401, जो, 4थी मंजिल, "सुमन"
इमारत, सी० टी० एस० सं० 1206, यारी रोड, वर्सोवा,
श्रंधेरी (प), वम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 8-101984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के रक्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किशन नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त मुधिनियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा से लिए; मार/बा
- (ह) एसं किमी आय या किसी क्षन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्षन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भग उन्हें के अधिनियम, विदार एकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की सिक्:

कतः कन, उक्त नीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण को, मी, उक्त नीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित न्यवित्यों, अधीतः :---

(1) मेसर्स हितेश कन्स्ट्रवशन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम राजपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वर्ष्ट्रविश्ाकै लिए कार्यवाहियां कुरू करता हो।

उकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सें 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकांगे।

स्यक्ष्मिकरणः -- इसमें प्रवृक्त कव्यों और पदों का, को उक्त विभागियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

STORES.

पनैट सं० 401, जो, 4थी मंजिल, सुमन' इमारत, सी० टी० एस० सं० 1206, यारी रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी, (प), बम्बई-61 में थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं जई-2/37ईई/13386/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (बिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 29-5-1985

मोहर :

प्रकल बाही, दी , हुन् , हुन् , हुन् ,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश यं । अई-2/37ईई/13893/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अधिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करवात् 'उत्तत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 262-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने कारण ह' कि स्थानर सम्यन्ति, जिसका अधिम बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैंट मं० ए/9, जो, तीसरी मंजिल, एवरमन
की०-आप० हाउसिंग सोलाइटी, जे० पी० रोष, श्रंधेरी (प),
बम्बई-58 में न्थित है (श्रीय इस्मे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर
पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन नजम प्राधिकारी के कार्यलय,
बम्बई में रिजर्सी है, दिनाक 27-10-1984,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्पमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथावृष्टिक सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इस्वमान प्रतिकल से, एसे इस्पमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकल से अभिन हो और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) अर्थ बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिकल निम्मिक्ति उद्योवय से उक्त अंतरण सिकित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गमा है:---

- (क) सन्तरम में तुनि किसी माग की बाबत, उनत बीमीनयम के अभीन कर-वाने के बन्तरक के वाक्ति में कनी करने या अनुने उनने में सूर्विया के जिल; बोर्/ना
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आकर अभिनियम, 1922 (1922 का 13) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया शाम चाहियेथा, छिपान में रिका है जिए।

लतः वय, उसत अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, जनत अभिनियम की भारा 269-ग को उपभारा (1) के बढ़ीन: ंानीजिन व्यक्तियों, अभान् :---45---156 GII85 ं (1) पृथा माधव माने ।

(इन्तरक)

(2) तानाजी एकनाथ माने ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हूं।

दक्त करणितः के भवन के सम्बन्ध में फोर्ड भी आक्षेप १

- (क) इस सूच्ना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की संबंधि वा सरकारनभी व्यक्तियों पर सूच्या की बाजींच से 30 दिन की संबंधि, की धीं नव्या वाद में कमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (थ) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनत्य किशी कुम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाय सिवित में किए या सकरें।

स्वक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त विभिन्नियम की अध्याय 20-क में परिभावित क्षेत्र, दक्षी वर्ष होगा, को उस अध्याय में विका नवा है।

सरपी

"क्लैट सं० ए/9, जो तीमरी मंजिल, एवरसन को०-आप० हाउसिंग मोमायटी, जो० पी० रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है ।

अनुसूची जैला कि कि संत अई-2/37ईई/13893/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रें**ण**-2, बम्ब**र्**

दिनांक : 28-5-1985

नोहर ॥

प्ररूप आहें. दी एन. एस. -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रश्त 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

काथिलय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जान रेंज-- बम्बर्ध

बम्बई, धिनांक 28, मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13417/84-85-3नः मुझे, लक्ष्मण दास,

भावकर निधित्तमन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्याद्ध 'उक्त अधिनियम' सहस गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकीं सं० फ्लैट सं० 101, जी, पहली मंजिल, "हिमानचल इमारत, जुहू लेन, सर्वे सं० 208, एच० सं० 3, शिटी सब सं० 510, 511, श्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है); श्रीर जिस एा करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 वस्त्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-10-1984.

को पूर्णीक्त सम्बद्धि के जिनत माजार कृत्य ते कन के स्वयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई हैं और भूभे यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थापूर्णीक्त सम्बद्धि को जीवत अल्यार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल ते, एते क्व्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पास गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आफ्तियों का, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्नाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260 म की आधारा (1) के अधीन, निम्निजिसन व्यक्तियों, प्रथति :— (1) श्री भरत ं जैतनी कुरवा।

(ःन्तरक)

(१) श्री विरेंद्र कुमार जैन ।

(अन्तरिती)

(2) श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोजल सम्पत्ति को जर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हैं:

उक्त सम्बक्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के एजवन में नकाशन की तारीं से 45 विन की अविध सा तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा:
- (स) इस सुपान को राजधन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन को भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी व्यक्ति क्वारा नभोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दाें और पक्षे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभावित है, वहने अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

फ्लैट मं० 10: जो, पहली मीजित "हिमाचल", इमारत, जुहू लेन, ग्रंधेरी (प), सर्वे सं० 208, एच० सं० 3, सिटी सर्वे सं० 510. 511, बम्बई—58 में स्थित है।

अनुसूची जीला ि कि से सं० अर्ड-2/37ईई/13417/84-85 स्रोर जो सक्षम पाधि हारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है 1-

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिक्रिकी, सक्ष्मक आयक्षण आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेजि-2, बस्बई

दर्नांक 28-5-1985

साहर -

244 418 . Cl. 44 . 50 . serve

आयकः विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269 (व) (1) की अभीत सूचना

ब्राध्य बरकार

कार्बालक, बहाबक बावकार शामका (निर्दीकाण) अर्जन रेज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँ उ 28 मधे 1985

निवेण सं० "प्रई-२2/37ईई/13880/84-85---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतर्स इनके क्लान् जिस्त निर्मानको काह्य नवा है), की भारा 269-क का अभान सकाम आवकार। का, यह े काच अपने अर्थ का कारण है कि स्थावर बस्पति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिनकी सं प्रलैट नं 24, जो, दूनरी मंजिल, राधेष्याम अपार्टसेंट, जूह लेन' अंधेरी (प), अम्बई--58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारजामा आयार अधिनियम की बाज 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिशारी के वार्यालय, बम्बई में रिअस्ट्री है, दिनांक 27--10--1984

की पूर्जोक्स सम्पत्ति के उचित गाणार मृत्य से कम के करवमान शितक स के लिए मंतरित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि वनापूर्जेनच कम्मित का उचित वाचाड़ भूल्य, उसके कर्यमान प्रतिकाल से, एसं क्ष्यमान प्रतिकाल का नन्द्र प्रतिचत से जिनक है और जंबरक (वंतरकों) और वंत-एसी (जंतरितियां) या शैन गासे असरम के लिए स्य पाय-ग्या प्रतिकाल जम से कृषित महीं किया गया है है——

- ्री जासक्य से हुए किसी साथ की सामस, सक्स सरिशीनमा के क्षीन कार बीटे की जातक की वहिंदल में किया कारने या हमसे कसते मां गुनिका कु जिला, और/नः
- (भ) पत्री जिसा नाम या किसी भन या जन्म आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्रीमतो भारती अनिल राणे जनरल पॉवर ग्र**टर्नी** पेड श्री विजय आनस्द गणे। (अन्नरक)
- (2) श्रीमर्ती हंसाबेन रतीलाल गहा । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)

का यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मित्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिक कहता है।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई मी बाबीप इ---

- (क) इस वृष्या के ग्रायपंत्र में प्रकाशन की तारीक कें 45 दिन की नवींच वा सत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रश् सूष्या की दावीस वे 30 दिन की जनिया, जो भी नवींच बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राज्यक या एकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्यक्ति में हितनव्ध किसी जन्मे स्थापित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसा या दिना जा सकीर।

स्तेष्य निवास के प्रमुख्य प्रकार कीर पर्यों का, जो अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होंगा जो उस अध्याय में किस गया है।

अनुसूची

'फ्लैट नं० 24. जो, दूसरी मंजिल, राधे स्थाम श्र<mark>पार्टमेंटस्,</mark> जूह लेख, अंधेरी**, क्रिकेंड्र**-58 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/13880/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27- 10- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सर्क्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर त्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बम्बर्स**

दिनांकः : 28-5-1985

मोहर 🖫

THE THE RES RELEGIOUS

नायकार मीधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धार 269-प (1) में अधीन त्याना

सायह सरकार

कार्गलब, स्धायक आयक्षर जाय्क्त (निरीक्षण)

यजीत रेज-2, बम्बर

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निवेश सं० श्रई- 2/37**ईई**/13**05**6/**84--85-श**तः **मुझे,** लक्ष्मण दास,

्कर धीपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अपन्त (जिसे इसमें इसके अपन्त (जिसे इसमें इसके अपन्त (जिसे इसमें अस्त का इति का स्वाप्त का कार्य के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, वह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बत्ति, जिसका उन्हित वाकार मृज्य 1,00,000/- छ. ते जीभक हैं

और जिनकी संव फ्लैंट संव 508. जो, निर्माण काटेज, यारी रोड, क्सींबा, धम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या संवर्णित है), और जिसान करारनामा आसार अधिनिधम की धारा 269 त्या के अधीन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बरवई में निरुट्टी है, दिनांक 1-10-1984,

को पुर्वेक्स तम्प्रीस के उपिता शाकार शुरूब से बड़न को उपयक्तन प्रतिफल के तिए अन्त**रि**त गद् मभ्हे यह विश्वास करर्ने का कारण है कि सभापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके **६ ह**यभान प्रतिफल से., एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात ले अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अंत-रितिवा) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुक्ष किसी आय की बाबत, उक्त आधिविश्व के अधीन कार दोने के नन्तरक वे दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औं सिक्ष, आद/श्व
- (स) एसी किसी आय या किस्तुनीधन या अन्य आस्तियों को, बिन्ही भारतीय नायंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा संबद्ध अधिनियम, या अनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेष्नार्थ बन्तरिती द्वारा पंकट नहीं किया गया था किया इस्ता चाहिए भा स्थितने के बुविधा के सिए;

- (1) श्रीमती निरूबेन नारानदास भगत । (अन्तरक)
- (2) श्रीमतीं हॉपता ए॰ त्यागी । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरितीं । (वह व्यक्ति, जिसके श्राधिभोग स सम्पत्ति है)

को यह बुजुना बारी करके पूर्वांक्य सन्नित्त् में वृक्षंत्र को हैं बुजु कार्यवाहियां करता हो।

उनक् सुन्यति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई ती वासीप त---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पद स्थान की सामीन से 30 दिन की अवधि, अर्थी नवधि नोद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (व). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पृक्त सिवित में किए जा सकरें

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रश्नुक्त कथां और पदों का, को जक्त व्यक्तित्वम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होंगा लो सम अध्याय में दिया गराहर

अनुसूची

पल्ट सं० 508, जी. निर्माण काटेज, यारी रोड, वर्सीवा, सी० टी० एस० नं० 1036, बम्बई-61 में स्थित है। अनसूनी जैना कि कम ले० अई-2/37ईई/13056/84-85 और जी नक्षम प्राधिशारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास पंजाग प्राधिकारी, गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (किरोक्षण) अर्जन रेंज 2-, **बम्बई**

उत: अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक : 28~5-∙1985

मोहर 🖫

प्ररूप शार्ष. टी. एन. एस.-----

कामकार विभिन्तियस, 1961 (1961 का 43) कर्री भारा 269-म (1) के जभीन स्चना

भारत सहस्रार

कार्याल्य, सहायक आयकर नायुक्त (निर्देक्षण)

अजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश मं० अई-- 2/37ईई/13046/84--85 -- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्य प्रधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- राज्य से अधिक हैं

और जिनकी नं पर्लंट मं सीं ०--402, जो बेनहर, 4थी मंजिल, 15/8, आंफ एप० नं ० 41. 4 वंगता, ओषिचरा, वर्सीचा, अंधेरी (प) बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाद्ध श्रनुसूची अंधेरी (प) बम्बई में स्थित हैं), और जिसका क्यारनामा प्रायकर केंद्रिविनयन की धारा 269 जब के श्रधीन सक्षम प्राधिलारी केंद्रिविनयन की धारा 269 जब के श्रधीन सक्षम प्राधिलारी केंद्रिविनयन की स्थार में रिनिस्ट्री हैं, दिनोंस 1--10-1984,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिक्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एस अयमान प्रविफ्त का पन्तरह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और संतरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अंतरण के निए तब पान पना बानफस, निम्मनिवित उम्हेंच्य से उच्त जंगरक सिवित में बासिवित के स्थ से किए नहीं किया गया है...

- (क) बंधकल से हुई किसी बाय की बाबहा, उनस् जिप्तिन्त्रम के जभीत कर दाने के जन्तरफ के वासित्व म कनी करने या उपयो ब्लानं में स्थापा के चित्र; जाव/बः
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय नायकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योचनार्थ बंदिस्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया बंदा मा वा किया आना शाहिए वा कियाने में स्विधा वी विद्या,

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उदत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ः— (1) श्रींमती नेता मोहन देवघर।

(भ्रन्तरह)

(2) श्रीमतीं सुमन माहन दिखे।

(ग्रन्तरितीं)

(4) मैंसर्स आणिवरा लैण्ड डेब्पलभेंट कम्पनी (प्राइवेट) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन को निष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्मरित के नर्जन के धम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबािप या उत्सब्ध-भी व्यक्तियाँ पद्ध अचना की दानीज के 30 दिन की जबिप, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (व) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्तर ग्याजर सम्मत्ति में हिब-वहभ किसी जन्म व्यक्तित ब्वारा, मभोहस्ताक्षरी वे वास विविद्य में किस्स जा सकी ने ।

स्पक्षिकरण: ---इसमें प्रमुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

पलैंट नं सीं ० - 402, जो, बेनहूर, 4थी मंजिल, 15/8 आफ एस० नं 41, 4 बंगजा, अंजियरा, वसींवा, अंधेरी (प), अम्बर्ध में स्थित हैं।

अनुसूची जैमा ि क० मं० श्रई--2/37ईई/13046/84-85 और जो भक्तम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास नक्षम प्राधिनारी, महायः ग्रायक्षण श्रायमा (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्ब**६**

नारीख: 28-5-1985

मोह्यु 🛭

अक्ष बार्षे . टी. एनं . एवं . सम्बन्धन

नायकर निधनियस, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-व (1) के वधीन सचना

गारत सर्वार

कार्यासन, शहानक बायकर नान्त्रत (विद्वाबाज)

अर्जन रेंज-2, बम्बई 'सम्बर्ध, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० भई- 2/37ईई/13641/84-85---श्रतः मझे; **वक्षमण वार्तः**

भाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रसात (जनत शिक्तिमाम कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संब दुकात संव 14, जी, ग्राउण्ड फलोग्नर, "मुन्दर पार्क", इमारत "ए", यउना देशाई राड, आफ लास्ट वार्नर, टिच्च लिजिय रोड, अंधेरी (प), यम्बई-58 में स्थित है (और इपसे उपायद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है), और जिलान कारानामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सम्बद्ध में रजिएट्डी है, दिनी है 20-10-1984,

को पूर्वनित सम्परित के सनित बाजार मृस्य से कम के क्यमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुभी मह विस्वास कर्म का कारण है कि प्रधापनीयत सम्बक्ति का स्वीपत बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिकत को, एवे क्यमान मितिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तर्क के लिए क्य पामा गया प्रतिकत किम्निनिवास स्वाप्त से उसक कन्तर्क किए क्या गया प्रतिकत करण से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों और जिन्हें भारतीन शासकड़ विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वर्ष धन-कूर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोधनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा वा किया जाना आहिए वा कियाने के सुनिया के सिए।

वतः अथः, तनत निर्धानयम कौ भारा 269-ग कै ननुसरक भौ, भौ, उक्त निर्धानयम की भारा 269-थ उपभारा (1) हे नभीन, निर्धालिक व्यक्तियों, नभीत् हे— (1) भेवर्स वालिया इन्वेस्टमेंट कारपोरेणन ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती इंदीरा के ० शहा।

(अन्तरितीं)

- (3) श्रीमती इंदिरा के० शहा (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती इंदीरा के० शहा । (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्साक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह स्थान जारी करके पूर्वनित सम्पत्ति के अर्थन के तिर् कार्यवाहिमां करता हु।

उनक ब्रंपरित के नर्जन के तत्र्यान्थ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस बूचना के उपचयन के प्रकाशन की तासीय के 45 दिन की अविधि ने तासीय के उठ दिन की जनिए में तो भी अविधि ने के बनिए में का की जनिए में मी अविधि नोद में बनाएत होती हो, के भीतर पूर्वी का माजियानों में से किसी स्पनित इनारा;
- (च) इत सूचता के राजपण में प्रकाशन की ताड़ीच है 45 दिन के औतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्दुभ फिली जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिचित में किए था सकरेंगे।

रचकीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधिनियम, के अध्याय 20-क में पारभाषित ही, कही अर्थ क्षणा जो उस अध्यास में दिया। यवा ही।

वस्यसी

दुशान नं 14, जो, "सुन्दर पार्क", ईपारत नं "ए", जो ग्राउण्ड फ्लोग्नर, वीरा देशई रोड, ग्राफ गास्ट कार्नर, ट्रांचग लिकींग रोड, अंघेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

श्रमसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13641/84-85 और जो तक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ाक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर <mark>आयुक्त (निरीक्षण),</mark> ग्रर्जन रेंज--2, **बस्बर्ष**

दिनांकः : 28-5-1985

प्रोहर 🚁

प्रास्तप नाइं, दी. एन. एस .-----

लाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्याक्रय, धक्तयक माययर आयुध्ध (निरक्षिक) श्रर्जन रेज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश मं० श्रई-2/37ईई/13151/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण बाम

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें सके परवात 'उक्त जैधिनियम' कहा गथा हैं), की धारा १६9-च के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्तिम बाजार मृल्य ,00,000/- रु. से जैधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट मं० 2, जो, पहली मंजिल, ठक्कर श्रपार्ट-मेंटू, "ए", प्लाट सं० 203-ए, जुड़ लेन, श्रंधेरी (प); बम्बई में स्थित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की की धारा 269 कल के श्रधीन मक्षम श्राधिकारी के कार्यालय; बम्बई में रजिस्ट्री है, बिनांक 5-10-1984,

कां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे दयने में सूबिधा के खिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी काम या किसी भन या जन्म बास्सियाँ की जिन्ही भारतीय शायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाकिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निमालिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती भारती श्रार० मिखाजा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश पी० जियांदानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए अर्थभाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप र--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया शबा है।

ममून्त्री

पर्लीट नं० 2, जो, पहली मंजिल, ठक्कर ग्रपार्टमेंट "ए", प्लाट 203-ए, जुहू लेन, ग्रंधेरी (प), अम्बई-57 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/13151/84-85 और जो सज़न प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास ाझम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्राजीन र्रेज-2, बस्बाई

विनोक :: 28-5-1985

मोहर:

प्रकप आहें.टी.एन.एस. -----

पावकर विधितिवस्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के वधीन सुवना

प्राप्ति करकात्र

कार्याच्य , सहायक मायकार आय्क्स (पिरीक्षक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/13654/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

स्रोर जिमकी सं० यूनिट नं० 115—बी, जो, पहली मंजिल, धंघेरी इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को०-श्राप० सोसायटी लि०, श्रांबीवली विलेज, बीरा देमाई, रोड, धंघेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (और इपसे उगावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,

बम्बई में रिजिस्ट्री है, विनांक 20-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तियक रूप से कथित नहीं

किया गया है :--

- (क) नमारण में हुई जिली बाव की बावत, बक्क भारतीय के नमीन कर दोने के बन्तरक के दाशिक में अभी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के तिल्हा मोड/बा
- (ब) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 कर प्राप्तियम, 1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्म राज्यात्र प्राप्तियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ जन्मरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिया।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सधीर, निम्नीलिसित व्यक्तियों, सर्थातः :—

- (1) श्री शांताराम पुण्डलिक करंगुटकर । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री जनक कुमार पास्सी । '(ग्रन्नरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच कै 45 दिन की जबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकी ।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में विका प्याहरी।

जन्स्ची

यूनिट नं ० 115-बी, जो,पहली मंजिल, ग्रंधेरी इण्डस्ट्रियल प्रिमायसेस को ०-पाप० सोसायटी, श्रांबीवली विलेज, वीरा देसाई रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई--58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० प्रई-2/37ईई/13654/84-85 और जो संक्षम प्राधिकारो, वस्त्रई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मके दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज−2, बस्बई

दिनांक : 28-5-1985

मोहर 🛭

प्रकष् आहें .टी .एम .एस .------

काथकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्त्र , सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985 निर्देश सं० प्रई-2/367ईई/13205/84-85—प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचास 'उस्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षातर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संज पलैट नंज 605, जो, 6वीं मंजिल, इमारत सन स्वेष्ट, प्लाट नंज 353, एसज नंज 41 (श्रंश), 4 बंगला, त्युर्भेद्धा,श्रंघेरी (प), वस्बई-54 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रंघिनियम की धारा 269 कख के श्रंघीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, श्रम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 5-10-1984

को गुर्जास्त सक्ष्मित के उपित बाजार मूल्य से कम के छ्रवमान प्रतिफल को लिए अंगरित को गई है और मूक्ते यह विश्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्योध्य से उक्त अंतरण लिखित मों भास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिक में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजरार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा

अत: अब उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीम जिल्लिकिक व्यक्तियों, अधित —— 46—156 GI/85 (1) मेसर्स चन्दरलाल जैन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अर्जुनदाय कालरा ।

(अम्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सुन्मित के जुर्बन के सन्बन्ध में कुद्दें भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , धो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदृष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थळकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त करिश्मियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुई होगा जो उस अध्याय में विवा प्या हैं।

अनुसुधी

फ्लैंट नं 0.05, जो, 0.00 मंजिल, इमारत सन स्वेष्ट प्लाट नं 0.00, एस० मं 0.00 (ग्रंश), 0.00 बंगला, बसौंबा ग्रंधेरी (प), बम्बई-54 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० म्रई-2/37ईई/13205/84-85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 हो रस्जिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

प्रकपः बाहै, टी. एम. एस. ----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन सूचना

HYRE BREIT

कार्यास्य, सहायक जानकर जान्कर (निर्योजन) श्रजांन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निर्देश सं॰ श्रई-2/37ईई/13838/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायकर लिभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 43, जो, रोशनीलाल श्रग्नवाल श्राप्तवाल है। स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिअस्ट्री है, दिनांक 26-10-1984

को पूर्कों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अल्लरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्ष्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निश्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी जान की काम्सा, उपर वीभिन्दम के बयीन कर दोने को सम्सर्क की वाजित्व में कभी करने या जगरे क्ष्में में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था फिपाने में स्विभा चे सिए;

भरः अत्र उत्तर अभिनियम की भारा 269-व की अव्यक्तरक तों, मीं, उत्तर अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीम, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अवित् क्ष्मा (1) मेसर्स राजकुमार एजेंसीज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश खातसी गोडे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींच से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों यो ये विभी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्थि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

मन्स्यी

दुकान नं० 43, जो, रोणनीलाल श्रग्नयाल शार्पिग श्राकेंड, ग्रोशिवरा,एन० नं० 41 (श्रंश), ग्रपनाघर के पास, वर्सोबा, ग्रंधेरी (प), बम्बई--58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13838/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> . लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्देशिण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 28-5-1985

मोहर 😗

प्रकर बार्ड,, दी., रच., रु,, -----

भागकर वीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाख 269-स (1) के अधीन स्वना

अपूर्व संविद्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निवेश सं० श्रई-2/37ईई/1336/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण **धा**स,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ुऔर जिसकी संख्या दुकान नं० 6 जो, ग्राउंड फलोअर इमारत र्भिनी जेवेल," जे० पी० रोड वर्सोना बम्बई—61 में स्थित है), (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कला के श्रधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-10-1984,

को पूर्वों कर संपत्ति को उचित बाबार मुख्य से कम को स्थाना करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृस्य का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मृस्य , उसके स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से बाधिक है बार मन्तरक (ब्रन्यस्का) बार बन्दरिशी (अन्तरितियों) को बीच एते अन्तरण को निष्ण तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नुविधिक उद्योक्षों से स्वयं बन्दर्य कि विद्या में बास्तरिक रूप के कियत हैं किया गया है हिन्स

- (क) मन्यद्रम् वं हुःषं किली अस्य क्षां नाल्यः, स्थळ महित्युग्यं में मुपीय कद वंगे के सन्यद्रक के स्थित्यः में कमी कद्रमें मा वसले न्यमें में मुद्दिमा के सिद्धः मरि/मा
- (च) ऐसी किसी काम वा किसी पन ना अन्य नारितकों को जिन्हों भारतीय साथ-कर निधिनवम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त जिनितमम, वा वन-कर निधिनवम, वा वन-कर निधिनवम, वा वन-कर निधिनवम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति दिवा प्रकट नहीं किसा स्था वा वा किया जाना जाहिए जा, किया में सुविवा से किसा

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, स्थाब कि

- (1) श्री मुस्तान मुल्ला कमरुद्दीन इंदोरी। (धन्तरक)
- (2) 1 श्री ग्रमरलाल एच० मखिजा ग्रौर
 - 2. श्रीमती विद्या एन० गोगीया
 - 3. श्री सुरेश टी० परसानी ।

(अन्तरिती)

का यह त्यका बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षकृ के दिव्ध कार्यवाहियां करता हूं।

बबत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप हु---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर कम्पत्ति में हितनक्ष् किसी जन्म स्थानत द्वारा सभोइस्ताक्षरी के गस निवास में किस का सकतें ।

मनुसूची

दुकान सं० 6, जो ग्राउण्ड फ्लोग्रर, इमारत, "मिनी जेवेल", जे० पी० रोड, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/13364/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासः; सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ृंश्यर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

दिनांक : 28-5-1985

मोहरु 🛭

प्रस्य बाइ्ट्रैं, टी. एम्., एस्., ------

जायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के व्यक्षित सूचना

RING MARK

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० म्राई-2/37ईई/13843/84-85--म्रातः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 223, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 2, झकारोया अघाडी नगर नं० 1 को आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वर्सोवा, अधेरी, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई रिजस्ट्री है, दिनांक 26-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिकल से एसे द्रायमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया इतिकत, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे स्वने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर श्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीय, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्रीमती सलमा ए० रोकाडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री काबली परवेश सुलेमान ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना बारी अध्यक्षे प्वानित सम्परित के वर्षम् के तिए कार्यग्रहिमां करता हुई।

क्यतः संपृत्तिः के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी खुनिश बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाय वधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंत्रे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित इ. बही अर्थ होगा जो अस अध्याय में विका वस है।

• श्रनुसूची

क्लॅंट सं० 223, जो, 3 तीसरी मंजिल, इमारत नं० 2, झकाराया श्राघाडी नगर सं० 1 को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

र्यनुमूची जैसा कि कि सं प्रई-2/37ईई/13843/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मः दास गक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

प्रस्य बार्ड . ट्री. एन . एस ., -----

भावकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वमा

भारत प्रस्कार

कार्याजय, तहायक भायकर आयुक्त (निरीक्क)

स्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13805/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दासः

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की बादा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट मं० 2/ए/303, जो, तीसरी मंजिल, "ए" ब्लाक, इमारत सं० 2, रतन नगर अपार्टमेंटस, 4 बंगला रिंड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण एप न विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रापकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सूक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रा है, दिनांग 25-10-1984, को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (शंतरकों) और अंतरित (शंतरितमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिवित उद्घरिय से उक्त अंतरण निम्तिवित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) बन्तरण से हुन्दी किसी नाथ की शासत, शंका विधिनयस के नधीन कर दोने के सम्तरक के शामिल्य में कमी करने था सससे नचने में शृणिधा के जिए; निर्देश
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार लिधनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर लिधनियम, या धन-कर लिधनियम, या धन-कर लिधनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया वाला पहिए था, खिपाने में त्रीवधा खें तिए;

(1) श्री सुभाप मनोहर बांदीवडेकर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिमासी० माईन कर।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हो।

अवत बन्दरित के अर्थन के संबंध में कोई बार्श्य है---

- (क) इत ब्रूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस जूजन को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस जै 45 दिन को भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति इतारा नभोहस्ताक्षरी के पात लिकित में निए जा सकती।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित हैं नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० $2/\sqrt{303}$, जो, तीसरी मंजिल, "ए" ब्लाक, इमारत सं० 2, रतन नगर ग्रपार्ट मेंटस, 4 बंगला रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13805/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास् सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

वतः वय उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण वो, जो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) वो सभीन, निम्नजिक्ति व्यक्तिकों, जभदि ह

दिनांक: 28-5-1985

प्रकृत नाइ^र्टी, एन , एस तु -----

भागकर नृषित्यम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के नृषीय सुमा

बार्ट स्टब्स्ड

कार्यांसय, सहायक भायकर मायुक्त (निरुक्तिण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13719-बी/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थायर बस्परित. विकका अधित् बाबार मून्य् 1,00,000/- रा. से स्थिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 501, जो 5वीं मंजिल, विजय श्रपार्टमेंट' सी० डी० बर्फीवाला मार्ग, जुहू लेन, श्रंघेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-10-1984,

को पूर्वीक्स संप्रित के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार मून्य, उतके क्रममान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिसत्त से बधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (ब्लाडितियों) के बीच एसे अन्तरक के बिए द्व पाया प्रा प्रदिल्ख्य विकासित उन्ने के बच्च क्रम्याय विकास में बाल्यिक क्या विकासित उन्ने स्व के उनक क्रम्याय विवास में बाल्यिक क्या वे काष्ट्र मुखा दिकास क्या है क्रम्य

- (क) जन्मरण ते हुई किसी बाव का वावत, उक्त इतिकृष्य के वृतीन कर देने के नृत्युरक के वतिकृष्य में झाबी कहने वा कवने कुन में द्विषा भी सिक्; श्रीक/पा
- (क) एरेरी किसी बाय वा किसी पन या वन्य, जास्तियों की, विक्षे प्राप्तिये वाय-कर विधिन्यम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम्, या वय-कर विधिन्यम्, या वय-कर विधिन्यम्, या वय-कर विधिन्यम्, 1957 (1957 का 27) व अधिवनार्थ वंदरियी इवाद्य प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वे हिन्दु

बवः नवं, उन्नर विभिन्निक कौ धारा 269-न कै. संबुद्धक कें, में, सकत विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बचीन, निकासिक्त व्यक्तियों, सर्वात् हम्म

- (1) श्रीमती शारदा गोपालदास शहा, श्री गोपालदास जमनादास शहा और श्री दिलीप गोपालदास शहा। (श्रन्तरिक)
- (2) श्री रमेश श्रार० इन्नानी श्रीर श्रीमती श्रंज श्रार० इन्नानी ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों । (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चार् करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिथ् कार्यवाहियां करता हूं!

उक्त सक्वित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविभ, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुदाराः
- (क) इब सूचना के राज्यन में प्रकायन की तारीय वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितवबृथ
 किसी अन्य स्थावत ब्वारा वधोहस्ताकरी के शब
 स्थिति में किए वा सकते ।

स्वक्षीकरणः - इतमे प्रमुक्त बन्दों बॉर वर्षों का, को कक्ष मृषिनिष्य, के ब्याब 20-क में परिशावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उब अध्याद में दिवा पवा है।

नन्स्ची

प्लैट सं० 501, जो 5वीं मंजिल, "विजय प्रपार्टमेंट", सी॰ डी॰ बर्फीवाला मार्ग, जुहू लेन, ग्रंधेरी (प), अम्बर्ध-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13719-बी/ 84-85 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

हुँ लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

महिए 🛭

श्रूष बाहुं हो हुन हुन हुन ----

कार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

RIFT PARTY

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1958

निदेश सं० अई--2/37ईई/13209/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रां. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 503 जो, 5वीं मंजिल, इमारत रेजन्सी-बी, प्लाट सं० बी-3 एस० सं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, ब्रोशिवरा, वर्षोवा, श्रंधेरी (प) बम्बई-58में स्थित हैं (श्रौर इसेंसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 5-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिक्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त किमिनियस के अधीन कर दोने के सन्तरक के शिक्त को किसी किसी का बाससे वसने के सुधिका के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणंजनार्थ जन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ह— (1) श्री जिम्मी दौरान दौराबजी।

(अम्तरक)

(2) श्रीमती रेखा किणन मेहता।

(अन्तरिती)

की यह सूचना ब्राह्मी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं ।

उनता सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र हरू

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की समिश या तत्सम्मन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तानील से 30 दिन की नवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहत्ताकारी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पक्षीकर्षः :---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पद्यों का को स्वत्य वीपनियम के अध्याव 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याव में दिया गया है।

नग्लको

फ्लैट सं० 503, जो, 5वीं मजिल, इमारत रेजन्सी-बी, प्लाट सं० बी-3, एस० सं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, श्रोणिवरा, वर्सोवा, श्रंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13209/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास् सक्षम प्राधिकाः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, बम्ब

दिनांक : 28-5-1985

माह्य प्र

प्ररूप आइ.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भाषांतय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, वम्बई बम्बई, दिमांक 28 मई 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13927/84-85---अतः मुझ , लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 2'69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिष्ट सं० पी श्रीर एफ श्रीर पी० सं० 15, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, ज्लाक "ई", जिलेज श्रोशिवरा, तालुका श्रंधेरी, बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिमांक 29—10—1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एएस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

ातः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को जनसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धान, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्ग बोनान्झा एक्सपोर्टस ।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स नेणनल प्लास्टिक एण्ड एसोसिएटस । (अन्तरिती)
- (3) अन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) में।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संवत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संगंधी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पोने लिखित में किए जा सकोंगे।

अमसची

यूनिट सं० पी० और एफ०, और पी० सं० 15, जो. लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट. ब्लाफ " ई", जिलेज भ्रोणियरा, तालुका श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के अई-2/37ईई/13927/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास नजम पाधिकारी, महायक आधकर आयुक्त (निरीक्ष्म), अजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 28-5-1985

प्रकृप कार्यं. टॉ. एन्. एक. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

हारत चलकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (त्रिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, विनांक 28 मई 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/13979/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके क्ष्मात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 32, जो, इमारत सं० सी०, अवर होग को०-गाप० हार्डासग सोसायटी, सहकार नगर, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, श्रम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओं यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्यों से उच्त अन्तरण के बिचित के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुद किसी नाम की बान्छ, उनक जिथिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मों कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के तिए; बौद्ध/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य बाहिसवाँ का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयक्षेत्रनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

कतः क्षत्र, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, में. उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) में अभीन, निम्तिसित स्वित्यमें, वयात हिन्स 47---156 GI/85

(1) श्री ए० एच० मचेंट, श्रीर 2. श्रीमती जैंड० ए० मर्चेंग्ट।

(अन्सरक)

(2) 1. अब्बुल्लाअहमद श्रौर 2. हवबी अब्बुल्ला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिम की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ प्रस् सूचना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति औ भी व्यक्तियाँ में संप्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में संकिती व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाई सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पकों का, वा अवद विभिनयम के जभ्याय 20-क में परिभाविद हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस व्याय में दिया वृक्ष हाँ।

प्रमुख्यी

फ्लैट सं० 32, जो, इमारत सं० सी० अवर होम को०-आप० हार्जीसम सोसायटी, सहकार नगर, ग्रंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० 'अई-2/37ईई/13979/ 84-85 फ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984, को रजिस्टकं किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक : 28-5-1985

महिए 🛎

बक्षण काद' टी एक तक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरका

कार्थासय, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

मिदेश सं० अई-237/ईई/13383/84-85---अतः मझे, सक्ष्मण दास,

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिन समा कहा गया हैं). की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 104, जो, पहली मंजिल, पुरुषोत्तम इमारत, जें० पी० रोड, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर अनुसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269 कख के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 8-10-1984,

कहें. पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान हिल्फल के लिए अन्द्रीरत की गई है और मुफ्ते यह बिख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार कुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से मिक्क है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कस निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिबक क्या में किथन नहीं किया गया है हु---

- (क) नंतरण ते हुई किती अप की वाबत, उक्त . अर्थितियश के अधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्य में कभी करने वा जबवे वचने में सुविधा के निद्; - और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाग वा किसी धन वा अन्य बास्तिनों को जिन्हों भारतीय नायकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उनत व्यिधिनयम, वा धन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के व्योधनान नन्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा था वा किया बाना वाहिए ना, कियाने में नृविधा के जिए;

बत: अब, उक्त सिथिनियम की धारा 269-ग के बनसरण जों, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिवित स्थितियाँ, अर्थात् :1 - (1) श्रीमती के० एस० सजनानी ।

(अन्तरक)

(2) जन्द्रकांत कामजी सोनानी।

(अन्तरिती)

को बह त्यता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्वत के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त रम्परित के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी मासेष्:---

- (क) इस न्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की दामील से 30 दिन की व्यक्ति, को बी अविंध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति इवारा नथे। हस्ताक्षरी के बाव निश्चत में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षत्र्यों बीर पर्यों का, वो उक्त विभिन्नियम, के बभ्याय 20-क में परिभावित है वही पर्य होगा जो उस मध्याय में दिवा गया है।

अनसूची

प्लैष्ट नं 104, जो, पहली मंजिल, पुरुषोत्तम इमारत, जे पी े रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13383/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी' सहायक आयकर आयुक्त (किंक्शिण) अर्जन रेंज-2, बस्बई,

दिनोक: 28-5-1985

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

नायकर बंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर वायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, यम्बई

बम्बई, दिनांक 28 मई 1985

निदेश सं० मई-2/37ईई/13921/84-85-मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है 'के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, सर्वे नं० 46, एच० नं० 4 सी० टी० एस० नं० 515, विलेज कोंडिविटटा, ग्रंधेरी क्षेत्र), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, विनांक 29-10-1984, को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे इश्यमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विश्वक मिन्निवत उद्वदेश से उक्त बंतरण कि लिए तय पाया गया विश्वक मिन्निवत उद्वदेश से उक्त बंतरण कि लिए तय पाया गया विश्वक मिन्निवत उद्वदेश से उक्त बंतरण के लिए तय पाया गया

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 📞 —

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उच्च बीधिनयत के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिएं; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी वर्ग या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अन्तिरिती बूगाय प्रकट नहीं किया गया वा मा किया बाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिए;

नतः जब, उन्त निमित्यम की भारा 269-ग के अनुसरन में, में, उन्त निमित्रम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निविच स्पन्तियों, अर्थात् हु----

- (1) 1. रामिकशोरवास 2. हरदेवदास
 3. सत्यदेवदास भ्रौर 4. रामपतीवास।
 (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स हेमली इण्टरप्राइसेस । (अन्सरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए या सकेंचे।

स्थळाकरण:----इसमें प्रयुक्त संब्यों और पदों का, जो शक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गंथा है।

बन्स्ची

जमीन का हिस्सा, जो, सर्वे नं० 46, एच० नं० 4, सी॰ टी॰ एस० नं० 515, विलेज कोडिविटटा, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० घर्ध-2/37ईई/13921/84-85 भौर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, सम्बद्ध

दिनांक: 28-5-1985

भोदर 🖪

प्ररूप. आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन समान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13777/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (वित्रे इसमें इसके पश्चात 'उन्त विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 61-62, एस० नं० 19ए-95ए, 7 बंगला, वर्सोवा, स्प्रिग-लिक को०-भाप० हाउसिंग सोसाटी लि०, श्रंघेरी (पः), बम्बई-61, में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, विनांक 22-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मुख्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार बृज्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तम पाना ग्वा प्रति-फल विम्नितिवित उद्देश्य से उन्त बन्तरण निश्चित में बास्त-

- (क) अन्तर्भ के हुई किसी बाव की बायत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के बन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए; करि-/वा
- (च) एवी किसी नाय वा किसी थग वा नम्ब आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय नाय-कर निधिनयक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वव-कर विधिनयक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

्रतः सव, उक्त निधनियम की धारा 269-ग कीं, अनुसूरण कीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) जे अधीन, निस्तिलिखित स्युक्तियों, संशति ६── (1) श्री किशनलाल कनोडिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्र भाई सी० मेहता ।

(भन्तरिती)

(3) अन्तरिती । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग नें सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधि व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पन्ति में हितवदृष्ट्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के के विकास विवास में किए या सकों से।

स्पद्धिकरणः -- इससे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्या हो।

अनुसूची

प्लाट नं ० 61-62, एस० नं ० 19-ए, 95-ए, 7 बंगला, वर्सोवा स्प्रिग-लिक को०-माप० हार्डीसग सोसायटी नि०, श्रंधेरी, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०नं० आई०-2/37-ईई/13767-84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 22-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण्रीहास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रैंज-2, ग्रावहीं

दिनांक : 27-5-1985

प्रस्य बाह्री, टी. एत. एव. -----

भाषकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13473/84-85--- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, जो, हिना काटेज झकारीया भ्रघाड़ी नगर, यारी रोड, वसंवा, बम्बई-61 में स्थित हैं भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बूई में रिजस्ट्री है, विनांक 12-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमाण शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह व्यवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीन एसे अंतरण के बीन तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिक्त उद्दोश्य से उक्त अंतरण खिकित में बास्त= विक क्य से कश्वित नहीं किया गया है .—

- (क) बन्तरम से हुइ किसी नाम की नामस्य । उपस वीधीनयम के नधीन कर दोने के नन्तरक कें रामित्य में कभी करने या उद्ध्ये वचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया थाना लाडिए था कियाने में सुविधा के निए?

वतः वन, उनतः विभिनियमं की भारा 269-ग के वनुकरण में, में, उनते विभिनियमं की भारा 269-व की उपभाग (1) के वभीन, निक्तिविक्त स्पितियमों अथाति ह—

- (1) श्रीमती पुष्पा खूबचन्द केसवानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रोशनम्बली वाऊव नास्तेर भौर रोशनम्बली हसनभली शाखानी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्यें कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्मक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया नया हैं।

अनुसूची

पर्लंट सं० 1, को, हिना काटेज, झकारीया घघाडी गनर, यारी रोड, वर्सोना, बम्बई-61 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13473/84-85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 व् ऋी रजिस्ट किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक 27-5-1985 मोहर अ

प्रकृष कार्ड् . टी . एन . एड् _{-,}------------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, विनांक 27 मई 1985

निर्देश सं॰ भई-2/37ईई/13959/84-85 मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलैट सं० 301, जो, तीसरी मंजिल, इमारत हरमनी—ए, प्लाट सं० 343, एस०० सं० 41 (श्रंग), 4 बंगला, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, की भारा 269 केख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, विनांक 29-10-1984,

को पूर्वोश्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यभाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक अन्तरकों सीर जन्तरित प्रतिफल, निम्निलिंग्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित से बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाव कर्ड बाबस, उक्छ अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा से सिए; बीर/बा
- (क) एसी किसी माय या किसी धन या कन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त निधिन्यम या धन-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दौरती बुनाय प्रकट नहीं किया गया था या किया साम जाहिए था, क्रियाचे के सुविधा में जिए;

बतः नवः, उन्त निर्मितयमं काँ भारा 269-य को ननुसरक मो, मी उक्त निर्मित्यमं की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीतः, निर्मितिबत व्यक्तियों,, नर्थात् हिन्स (1) श्री किरन प्रकाश।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योती मार्कन

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अवंत्र अर्थेतीलय कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्स्त्रीं व्यक्तियों वह स्वना की तामील से 30 किन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्ध व्यक्तियों से से किसी स्पविद्य ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विमा गमा है।

नन्स्ची

पलैंट सं० 301, जो, तीसरी मंजिल, मारत हरमनी--ए, प्लाट सं० 343, एस० सं० 41 (अंश), 4 बंगला, वर्सों वा, ग्रंधरी (प), बस्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि जिं सं भई-2/37ईई/13959/84-85 भौर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-184 को रजिस्ट के किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 27-5-1985

मोडर 🗈

प्रकप बाइ .टी एक एस .-----

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकार जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मर्ड 1985 निदेश सं० अई-2,37ईई,13772,84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायक ए निभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इशके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं जिमीन का हिस्सा, जो, वर्सोवा, एस० सं 105, सी टी॰ एस० सं 1258 थीर 1258 (1 से 6), धीर प्स० सं 10, एच० सं 3, सी० टी॰ एस० सं 1259, प्रमुख में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, की घारा 269 कख के अधीन उसक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, मम्बहे में रिजस्ट्री है, दिनांक 22-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मृख्य से कम के रूथमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार सृख्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के आयित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए: और/बा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्त्यों कारे, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या अनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना चाहिए था क्रियान में जीवां के लिए;

अतः त्रव, उक्त अधिनियमं की भारः 269-ग के अनुसरण त्री, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपधारा (1) अ अभीक, निम्निक्षित स्वीक्तयों. अर्थातः— (1) श्री किसन रामवन्त्र केशे ग्रौर अन्य ।

(अन्तरक)

(2) बेमिसाल बिल्डर्स प्राइवेट लि॰ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुबना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा नथांहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

धनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो, वर्सोवा, एस० सं० 105, सी० टी० एस० सं० 2558 झीर 1258 (1 से 6), एस० सं० 10, ए च० सं० 3, सी० टी० एस० सं० 1259, बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि क०सं० अई-2,37ईई,137.72/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निशीक्षण) प्रजैन रेंग-8, बम्बई

दिनांक : 27-5-1985

अक्ष बाह् ु टी. एन ् एस ्-----

कामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निवेश सं० अई--2/37ईई, 13957, 84-85--अतः मुझे, सक्मण दास,

शायकर शिधानयम, 1961 (1961 का 43). (शिस इसमें इसके परशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च भें सभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शायार मून्य 1,00,000/- रं. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 502, जो 5वीं मंजिल, इमारत होमस्टेंड, प्लाट सं० 337, एस० सं० 41 (अंग), 4 बंगला, वसॉवा, अंघेरी (प), बम्बई—58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा अववार अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, धिनांक 29—10—1984,

को पूर्विशत सस्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गहरै और विष्यास करने का कारण पूर्वोक्त शम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिपत्न से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और वन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण थे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कश्चित वहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (था) एसी किसी भाष या किसी भन या जन्य जास्तिज्ञों को, जिन्हों भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती वृत्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को क्यां

वतः अन् , उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के बर्धान, जिस्स्तिवित व्यक्तिसें, अर्थात् क्र--

- (1) श्रीमती झर,फखान एस० भसीन श्रीर अन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) मरीअन बीबी इब्रहीम मामूरी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी अक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका विका

अनु**स्**ची

पलैट सं० 502, जो 5वीं मंजिल, इमारत होमस्टेड, प्लाट सं० 337 एस० सं० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2,37ईई,13957,84-85 झौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज~3, बम्बई

दिनांक: 31-5-1985

मोहरः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याधय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज-2, बस्वर्द्द बस्बर्द, दिनांक 27 मई 1985

िनवेश सं० अई-2/37ईई/13097/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दःम्

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

अंगर्टमेंटस, 4 बंगला, श्रंधेरी (प) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका दारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-10-1984,

को पूर्वीक्त शम्पीस के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय वामा गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य में उच्त दृन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकती आय की बागत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व पे कभी करने या उससं बचन में सुविधा के लिए; प्रार/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए:

बत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में. में. उण्ला अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर ^{५३} नितिश्वित, व्यक्तियों. अर्थात् :—
48—156G1/85

- (1) श्रीमती कंवल अस्मेरग्रीरश्री राकेण सिलाईचिया (अन्तरक)
- (2) श्री अर्योक एल० व्हावी । (अन्तरिती)
- (2) मेसस अनेक्स कन्स्ट्रक्णन्त । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ब) इस सूचमा को राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

दुमान मं० 5, जो, प्राउण्ड पत्रीअर, नेबुला अवःर्टमेंट, 4 बंगला अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ अई-2/37ईई/13097,84.-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--10-1984 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> ल अग दाम सञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 27-5-1985

प्ररूप नार्ष्,दी एव एस्.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-ध (t) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० शई-2, 37ईई, 13502, 84-85--अतः म्झे, लक्ष्मण दास,

कायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका दिवत बाबार मुख्य 1,00,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 502, जो, 5वीं मंजिल, एवरेस्ट इमारत, गंगा भवन, जे० पी० रोड, बर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रोर जिपका करारनामा आकयर अधिनियम की धारा 269 कवा के अधीन सक्षम प्राधिारी के कार्यालय, बम्बई में रिज्स्टी है, दिनांक 12-10-1984,

को पूर्वोक्त यंपिता के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफस का पेक्ट प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिष्यत, निकासिखित जब्बेश्य से अक्त बन्तरण निविशी में त्तम्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के संभीन कर दोने के अलारक के राजित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए: और/या
- एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, **19**57 (1957 का 27) के श्रमोषनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिका ਲੇ ਗਿਆ

अत अत, उपत अधिरियम, की धारा 269-म के अनसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अभीतः, निम्नलिखितः व्यक्तियाँ, अर्थातुः —

(1) बी० पी० दुस्ट ।

(अन्तर्

(2) श्रीमती स्रैयः खान श्रीर श्री आसिफ खान । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा ते . 4.5 दिन की नवींभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जनकी , जो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस शुक्रना के राजपण में प्रकाशन की शारीक है 45 विन के भौतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितवष्ट्रध किसी बन्य स्पत्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लि चित में किए जासकोंगे≀

स्वक्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया है।

नन्त्र्यो

''फ्लैंट सं० 502, जो, 5वीं मंजिल, एवरेस्ट इम।रत, गंगा भवन, जे० पी० रोड, बर्सोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई--61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2,37हैई,13502, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा, दिनांक 12-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> सक्षम प्राधिकारी सहाय में श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. बम्बई

दिनांक : 27-5-1985

महिर :

प्रकृष बाह्", टी. एन. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानव, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

मं ० अई-2/37ईई/13656/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि क्षियार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या अल का अगर्हमेंट्य, 27 जोगेश्वरी, कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लि.सिटेड, रोड नं० 4, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण कुष्प में विणत है), और जिल्ला करारनामा आयकर अधि नियम की धारा 269 का ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्टी है, 20-10-1984

कां पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार बृक्य से काम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उत्तक ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्कह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय वाया गवा धितफ से, निम्निसित उद्देशिय से उत्तर अन्तरण विचित के बास्त अक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुए किसी बाय की बावत, कक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे क्यने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (७) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, शिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अभिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविभा को सिए;

जतः जब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण में, में उक्त मीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्मिणियस व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. मैसर्स अलमता इन्टरप्राइस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रिक्तिरत यी० मर्मा।

(ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हु।

उक्त सम्मलि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यव में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी जन्म स्थितित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीक,रण:---इसमें प्रमुक्त सन्धों और पदों का, जो उन्ध जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं मंधी होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है है

वरप्रकी

अलका अपर्टसेंटस, जो 27 जोगेण्यरी कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेडे, रोड नं० 4, जोगेश्वरी (पूर्व), बम्बई मेंगरियत है।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-2/27ईई/1365F/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण इ.स मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीय: 1-6-1985

मोहर 🖫

१क्ट्र बार्च. टी. एन्. **एड**़- - प्र धनका

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) ही भारा 269-म (1) के व्यमिन सूचना

बार्व ब्रक्तः

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जन 1985

निर्देश सं अई-2/37ईई/13642/84-85 --अतः मसे, लक्ष्मणदास,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च को मधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शिः, विसका उपित वाजार मन्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीप जिल्ला संख्या गाला नंत 17, यन्यम इण्डास्ट्रयल इस्टेट, पहली मंजिल, सुनाप रीड, क्रोण: शान के पीठे, जोगोश्वरी, (पुरव), बम्बई-400060, में स्थित है। (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), द्वीर जिनका करायनामा अध्यक्षर अधिनियम की धारा 269 क. ख के प्रजीत सक्षम अधिकारी के कार्यालय बम्बर्ध में राजिस्टी है। नारीख 19-10-1984

को पर्वोक्त सभ्पत्ति को उचित बाजार मृत्य संकाम के परयवान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्थ, उसके दरयमान प्रतिफाल से, एसे दरयमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितौ (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकास निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति भी बास्त्रीयक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- 🕼) मुच्युद्रक 🛒 🚉 किसी नान की नानत, उक्त थां घानसम्बर्धे **अधी**य कर दोने के जन्तरक के श्रीयस्य में कमी करने या उससे बचने के सुविचा में सिए: मीर/या
- (म) एमें किसी आय या किसी धन या मन्य ने। स्तियों को जिन्ह[ा] भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उभत मिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवाध प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुनिधा के सिए:

कतः अब उन्नतः अधिनियाण की भाग १६० ग की अनगणा मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को कथीन, निस्तिनिष्**रित व्यक्तियों,** वर्थातु:——

1. सत्यम बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री मुरेश भाव वापा लाल शाह।

(अन्तर्रती)

को यह सुचना चारी करके पुर्वोक्त अन्युत्ति के अर्थन 🥸 जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़े भी बाध्येप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकशन की सारीच से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ' भी अनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दबारा,
- (स) इ.स.स्वनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी लीलिखत में किए जा सकी ये

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में निया

अनुसूची

माला नं ० 17, जो सत्त्रम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, पहली मंजिल, सुमाय रोड, करोणा णाप के पीछे, जोगेश्वरी (पूरब), बम्बई-400060, में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि कर मंर अई-2/37ईई/13642/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 19-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम, सक्षम प्राध्निकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रें ज-2, बम्बई

तारोख: 1-6-1985

मोहर

प्रकृष् नाइं. टी., एन., एतं., इन-इ----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 1 जन 1985

सं ७ अई-2/37ईई/13103/84-85 —अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी पंख्या फ्लैट नं 1, पहली मंजिल, जीक बिहिंडग, पार्मतगर को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी किमेटेड, जोगेक्बरी, (पूरब), बस्बई-400060 में स्थित हैं किमेटेड, जोगेक्बरी, (पूरब), बस्बई-400060 में स्थित हैं किमेटेड, जोगेक्बरी, (पूरब), बस्बई-400060 में स्थित हैं किमेटेड अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं। श्रीर जिसका बरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में राजस्कृत है, तरिस्त 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तिवक रूप से अधिक तम किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में ज़्बिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाजा चाहिये था, डिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री पृखराज प्रेम चन्द शाह।

(अन्तरक)

2 श्रीमती इन्द्राबीनजी, शाहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियों सूरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विम की जनीं मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की जनीं मा भी जनीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव तिखित में किए वा सकोगे।

श्रनुद्धभी

फ्लॅंट नं० 1, जो पहली मंजिल, जी-बिल्डिन,, पारसनगर कोआपरेटिव हाउसिन सोसायटी लिमिटेड, जोगेशवरी (पूरब), बम्बई-400060, में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि कि नं ० अई-2/37ईई/13103/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशक 1-10-1984 रजिस्टर्ड किया गया है '

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई

क्तः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में इक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीर, नम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

नारोख: 1-6-1985

माहर .

प्रस्प नाइ : टी. एप. एस. ------

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

11.12 W. W. W. J.

कार्याक्षय, सहायक नायकर भायकत (निर्देशिक)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 जन 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13806/84-85 —अत मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,00/- रहे से अधिक है

माँग (जसकी संख्या प्लॉट नं । 14, 31, विरमो-विले का अपन प्री० शिर्मी राज्य रोड, बान्हा, बम्बई— 400050 में स्थित हैं (म्रांट इसमे उपाबद्ध अनुनूची में क्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), क्रोर जिसका करारनामा आयक्षर अधिनिथम की धारा 269 व ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, वम्बई में प्रजिम्ट्री हैं, तारीख 25-10-1964

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्वोमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निचित्त उद्वीध्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को शिन्हों भारतीय बायकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया या विकास जाना चाहिए था, कियाने वें सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण के, भें उभत अधिनियमं की भारा 269-च की स्थभारा (1) के अधीन, निकासिक व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमतो एन्जला डिसुजा।

(अन्तरक)

 कुमारी खोणिय होमी इंजीनियर, श्रीमती नाजू होमी इंजिनियर।

(अन्तुरिती)

3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है):

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी की की 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकारुण : इसमें प्रयास्त सन्धां मार पदां का, वो उसके मिलियम, के अध्याय 20-क में परिजाबित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसन्ती

फ्लैंट नं० 14, जो 31, विरगोर्नवले को० आप० सा० शिरली राजन रोड, बान्ध्रा, बम्ब ξ -400050 में स्थित हैं

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13806/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ल्ध्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः, (निरीक्षण); अर्जन रॅज-2, बम्बई

नारोख: 1−6−19**8**5

मोहरु 🛭

प्रस्य बार्षं .दी .हर .इस ...----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीच स्चना

बारंत सरकार

कार्यालय, सहावक बायकर बाव्यत (निरीक्षण)

अर्जन मेंज-2, वम्बई वम्बई, दिनांक 1 जून, 1985 सं॰ अई-2/37ईई/13524/84-85—अतः मु $\stackrel{?}{*}$,

काराप्तर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे हथ्यों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित गांधार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 101, पहली मंजिल फ्लाट नं 288, बाद्या, बम्बई-400052, ने स्थित क्रिंत्र इसने उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विज्ञात है), श्रीर जिसका करारनामा जायवार अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी के के कार्यालय, बम्बई में रिजम्ही है, तारील 15-10-

को प्वेंक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उत्तके इस्पमान प्रतिफल के एमें सामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से विधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम प्राथा मजा प्रतिफल, निम्नोनितित उद्वोदम से उचन एनएण दिशैक्य में बास्तवित् पर से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, इच्या क्षिध-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतियधा के लिए; बरि/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की विन्हें आरसीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 की 11) वा उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1057 (1057 का 27) के पयोजनार्थ अंतरिती बनारा प्रकट नहीं किया ग्रज्ञा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिवधा की लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. नैसर्स वीनम इन्टरप्रैस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेरी बैनर्जी

(अन्तरती)

3 अनिरिती

(वह व्यक्तित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यकर्षहरी करता हो।

उक्त राम्पदित क अर्जन के नम्बन्ध मा बोर्ड भी आक्षेप :--

- (का) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितिया शंभा करी क्यों पत द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए बा सकेंगे।

स्वष्टोकरणः---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, वो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

क्लैट नं० 101, जो पहली मंजिल, प्लाट नं० 288, पात्रा (\circ), बम्बई-400052 में स्थित है. अन्सूची जेसा कि २० स० अई-2/37/13523' 84-75 स्रोर नो सभम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 15-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है:

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख ा--0--1985 **मोहर**ः प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, बग्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 1 जून, 1985

सं० अई-2/37ईई/13196/84-85 -- अतः मुझे, लक्ष्मण दासः

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या 8/ए, ड्रीमशैंड विख्लिंग, 13 ए, राजन रोड, राजन विलेज, अप कार्टर रोड बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (स्रोर इसमें उपख्य अनुम्ची में और पण का ते विणित है), कोर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 का, खान अधीन सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजम्बी है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार गुल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तिरत कौ गद्द है विश्वास करन मभ्रे यह का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है आर अंतरक (संतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिब नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकिक धारितयों, अर्थात :---

र श्री नामीकई(न शाह)

(अन्तरक)

2 श्री नारेश एवं सोबानी।

(अन्तरिती)

अन्तरिती

(वह ट्यक्टि जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सू 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धि किसी उन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

 $8^{\frac{1}{12}}$, जो द्वीमलंड 'बिडिंग, 13ए, राजन रोड, राजन विलेज, आफ क^{ार्ड}र **रोड**, बान्द्रा धम्ब $\frac{1}{2}$ – $\frac{100050}{12}$, में िथल है।

अनुसूची जैंसा कि अ० तं० अई-2/37ईई/13196/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन'क 5-10-1984 को रजिस्टई दिया गया है •

> लक्ष्मण दास रक्षम प्राघि ती महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ता**ीख**: 1-6-1985

प्रकृप आई . टी . एन . एस . -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जुन 1985

बम्बर, दिनाक 1 जून 1985

सं० अई-2/37ईई/13175/84-85-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- के से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लंट नं 0 005, जमीन मंजिल, ''ग्रीन फील्डस'', शिरली राजन रोड, बान्द्रा, वम्बई—400050 क्षेट्र यु भवन बिहार को आप सो ले'' में स्थित हैं विशेष इससे उपाबइ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हर से विणित है), ग्रीर जिसकी करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सभम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री है, तारीख 5ड10—1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार एसे इस्त्रमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त जन्तरफ लिखत में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया ग्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी अञ्च अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) विक्रितिसत व्यक्तिकों, अर्थात् :— 49—156GI/85 1. श्री मार्टिन फोर्न्सेका

(भ्रन्तरक)

कुमारी एलिझबेत, लोबो,
 श्री अरूण ए० रोडीव्स,
 श्रीमती जिस्सका श्री० लोबो,

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत संपत्ति के बुर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों प्रक्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि के बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्देश किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाष सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसम् प्रयुक्त झब्दों अदि पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-के में परिभाषित के हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and di

पलैंट नं 005, जो जमीन र्र्माजल, "ग्रीन फील्डस", दन्य पवन बिहार को आठ सोठ श्रिरत्नी राजन रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050, में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कि गं अई-2/37ईई/13175/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रिजस्टेंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 1-6-1⁹85

: इहांप

मक्य नाही : टी : एन : एस : ------

भाषकर भौभनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) में अभीन सुमना

भारत बदुकार

कार्यातय, सङ्घायक आयंकर जाय्क्स (विरोक्षण) श्राचीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून, 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/13770/84-85:--प्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नावकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'स्वतः अधिरैनयम' बह्या गया हैं), को अल्ला 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्हा उतिहा तहार मृत्य 1,00,000/- रु. से विध्य हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं सी. 4, 15 वी मंजिल, कान्ति अपार्टमेंटस, मींट मेरी रोड़, बान्धा बय्बई—400050 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यलय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-10-1984

को पूर्विति तस्पत्ति के उचित बाजार भूत्व से कम के क्रदमान अतिकल के लिए अस्तरित को गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्विकत सम्बन्धि का उचित बाजार मूल्य, उतके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान अतिकल का नम्बंह प्रतिचात से बाधिक है और मन्तरक (अस्तरका) और अस्तिरित्ती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अस्तरण के लिए स्य पांचा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्त अस्तरण किवित्त में नास्तविक रूप से काथित वहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से सुद्ध सिक्षी जाय की बाबत खकत अधि-अधिनियम को जभीन कर देते की अन्तरक को बेक्टिय में कभी करने या उपमे क्याने तो मेविका के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिस्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 11957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकाट नहीं किया गया का या किया आता काबिए था, छिपाने में मृतिका है जिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जधीत :--

1. मैसर्स कमाल एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

श्री उत्तम चृन्द एस० ग्रालचन्दानी,
 श्रीमती राछेरार यू० ग्रलीमचन्दानी
 श्री हीरालाल यू० ग्रलीमचन्दानी,
 श्रीमती निशा एच० ग्रलीमचन्दानी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्पम के जिस् कार्यमित्वों करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संजंध में काही भी आक्ष्म :--- ,

- (क) इन्ह क्ष्मना के राज्यम में प्रकाशन की वार्यक से 45 किया की क्ष्मित या बरडकानी कानिएकों पर क्षमा की वार्यक से 30 दिन की नगीं , को भी तर पूर्वित का नगीं की सीतर पूर्वित का किया होती हो, के भीतर पूर्वित का कालिकों में से किया क्षांत्र हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पृद्धः, लिखित में किए जा सकीर।

नगुज्ञी

फ्लैंट नं० सी 4, जो 15कीं मंजिल, कान्ति श्रपार्ट मेंटस, मौंट मेरी भेट, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कै० सं० श्रई-2/37ईई/13770/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाराहिनांक 22-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राक्तिारी सहायक प्रायका ज्ञायुक्त (निर्देशण) प्रजन रेज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्रकृत वार्ष . स्त्री . हम . हुन : अस्तरास्त्रस्थ

मलकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत बरकार

कार्यालय , तहायक जायकर बायुक्त (निरक्तिण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/13857/84-85:--- अत: मुझे, लक्ष्मण दास.

भाक्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इन्तर्ने इसके परचात् 'अक्त मधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-व के बधीन संकाम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार नुस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 14, चौथी मंजिल, स्कैलाक म्रपार्टमेंटस 27 युनियन पार्क के सामने, बान्द्रा, बम्बई ..400052 में स्थित है (और ६मने उपावज अनुसूची में अौर चूैर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रांधानियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्दी है, तारीख 26-10-1984 को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उत्पित बासार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण सं हुई किसी आय को बाधता, उच्चत अधिनियम के सुधीन कर दांग के जन्तरक क बाबित्व में कभी फरने या उससे अचान में स्विधा ने लिए; और/गा
- (क) एती किती नाम मा किती धन या जन्म जात्तिमों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकाइ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, नर्धात्:-

1. श्री दीपक रोय।

(प्रन्तरक)

2. श्री दीपक छोपड़ा।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग

में सम्पत्ति है

4 ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोष्ट्रस्ताक्षरी जानता है कि वष्ट सम्पत्ति में हितबद्ध है।

का यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति को वर्णन को संबंध में कोड भी बाधोब १---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों . पर तुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को औ अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काकिसयों में से किसी व्यक्ति ३४७या;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किंत के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हिराबद्दाव किसी बन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षरी के बाद सिसित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धितरण:---इक्से प्रयुक्त सम्बद्धे और वर्षों का, को सम्बद्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिशा गवा 📽 ।

नन्द्रभी

पलैट नं 14, जो चौथी मंजिल, स्कैलार्क प्रपार्टमेंटस, 6 जी 27 मृतियन पार्क के सामने, बान्ध्रा, बम्बई-400052 में स्थित है।

भ्रन्सुची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/13857/84-85 औं जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 26-10-1984 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> लक्ष्मग्र दास. सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायकत, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मक्य कार्^ड्र दी . पुन_् पुर्व_ा-वरण्डल

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) को नुभीन सुमना

माउँच इंडन्सड

कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्वीक्षण)

ग्रर्जन रेंज∼2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० ग्राई-2/37ईई/13510/84-85:- ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उडिवत बाजार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 2, पहली मंजिल, मैल रॉक, सोमनाथ लेन, बान्ता, बम्बई—400050 में स्थित है और इससे उपाबक श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षितियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम श्रीक्षकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12-10-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारल है कि यमापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के भिस्ए त्य पासा नया प्रतिकान, निम्नीतियात उद्वोच से उदत अन्तरण किस्ति में शस्तिक रूप से कीवत नहीं किया नया है

- हुँक) अन्तरहण से हुई किसी आव की बाबत उक्स विधिनियम के वर्षान कड़ थेने के बन्तडक में वारियल में कृती करने या उच्छो बचने में सुक्रिया के लिए; अटि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कष, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास्त ः— 1. मैसर्स डिलेट ६ण्टरप्रेजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रर्जुन लच्चमन दामनारंग।

(भ्रन्तरिती)

4. मैसर्स जी० एस० विल्डर्स।

(वह व्यक्ति, जिसके के बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ा है

को यह सुचना आणी करके पर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के सिए कार्यनिष्ठिया करता हुं।

छन्त तंपत्ति को अर्थन को संबंध में कर्दि भी आसीप छ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यन्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (बा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संगतित में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत स्वारा अभोहस्ताअरी के पार विविधा में किए था सकैंगे।

स्याचिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त आयकर जिल्लामिया के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

फ्लैंट नं 2, जो पहली मंजिल, सोमनाथ लेन, आन्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। केल रॉक।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13510/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रा<u>ति</u>कारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) श्र**ां**न रेंज-2, बस्बर्ध

तारीख: 1-6-1985

मोडड ह

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) से समील सुम्हा

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर बाय्यत (गिरुक्तिण)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/13715/84-85:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राप्तात् 'उस्ता अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नभीत सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित वाचार नृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 203 पर दूसरी मंजिल, माधवा, प्लाट गं० सी०-4, ई ब्लाक, बान्द्रा, कुर्ली काम्पलैक्स, बान्द्रा, (पूर्व), बम्बई-400051 में स्थित है (और इससे केंद्रेबाबक प्रमुच्ची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा घायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुभ्ने यह निवधास करने
का कारण हैं कि सभा पूर्वोक्स संपत्ति का उचित्र
वाजार मृत्य, उसकें स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे
क्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं
वार अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरित्याँ) की
वीच एसे अन्तरण के सिए सम पाना गया प्रतिफल, निम्नीलिकत
उच्चेरम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित
नहीं किया नवा है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की वास्त, समझ अभिनियंत्र के जभीन कर की के अन्तरक थे वास्तिय में क्षेत्री करने मा उत्तर क्ष्म में सुनिया के लिए। जीड़/या
- (ख) एसी। किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय बायकर गरिपियं , 1922 (1922 का 11) या उक्त जिपिपयं , या धनकर विधियं , या धनकर विधियं , 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तीरति क्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया जाना जाहिए था, कियाने के सुनिधा के किया?

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को अनुभरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की गारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- 1 . मैंसर्स माधवायूनेटेड होटेल्स इण्टरनेशनल लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्री तिलक राज गंगाराम भारी।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूच्या अरपी कारके पूर्वीवस सम्मास के अवन के जिस् कार्यगाहिनी स्वका हो।

दक्त देवींच के क्वान के संबंध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस श्वभा के रावपण में प्रकाशन की तारीस वे 45 विम की नविण या तस्तंत्री व्यक्तियों पर श्वभा की तानीस से 30 दिन की अविष, जो भी अविभ वाद में सवापत होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (क) इस पूजना के राजपण में प्रकाशन की सारीत से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्टि में हिसबब्ध फिली जन्म व्यक्तिया दुवारा सभोहस्ताकरी के पास जिलाक में किए जा सकीने।

रचक्कीकरून: - इतने प्रयुक्त करूवों और पनी की, जो कन्त अधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया है।

ألوجون

यूनिट नं० 203, प्रभ जो दूसरी मंजिल, माधवा, प्लाट नं० सी०-4, ई ब्लाक, बान्ध्रा कुर्लो काम्पलैनस बान्ध्रा (पूर्व), बम्बई-400051 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि असं० ग्रई-2/37ई/13715/84-85 और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को राजस्टिखं किया गिया है।

लक्ष्मण बास,
ाक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर भायकत (निरीक्षण)
ग्रजन रेज-2, बस्बई

तारी**ख**: 3-6-1985

मोहर 🕄

प्रकृष अस्ति है है एनं , प्रवं -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन ब्यमा

भारत तरकार

कार्यानय, तहानक नामकर नामुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985 सं श्रई--2/37ईई/13374/84-85:---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इत्तर्गे इत्तर्थे प्रकात् 'उच्छ अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राम्कारी को यह निष्कांच करने का कारण हैं कि स्थापर सम्बद्धा, जिसका उचित नाजार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या शाप नं० 35, (पहले 1 श्रीर 2) सी बैर्ड के मैन इन्टरन्स के पास 114, बीठ जें० रोड, बान्द्रा, बम्बई—400050 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख 8-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार भूस्य के कम के दश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वात करने का कारण है कि सभाव्योंकत सम्मित का उपित बाजार मूच्य, असके श्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से विध्य है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिक्त उन्वेदन से उपत अन्तरण कि कि विद्या में वास्त्रिक हम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अल्बाइण कें हुइं किसी आव की वावए जनत मृद्धियुन को स्पीत कर देने के स्टेंहिक के वावित्व में क्यी करने या उससे क्यन में सुविधा में किए; बार/वा
- (ण) ऐसे किसी आह का किसी धन या जन्म आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें. प्रयोजनार्थ जन्तरियों स्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने ही स्विधा के लिए;

शत् भ्व, अवस विभागियम की धारा 260-ग की, अमृतरक्ष् वी, ती, जनत विभागियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के क्यीन, निस्त्रीक्षचित् व्यक्तियों, वर्धात् हु—

- श्री मोहम्मदली केस्सामाली पोरबन्दर वाला,
 श्रीमती नूरसुल्तान मोहम्मदग्रली पोरबन्दरवाला (ग्रन्तरक)
- श्रीमतीं फोतिमां अन्दर जेठा,
 मुराद अन्वर जेठा (मैनर),
 कुमारी प्रलीना अन्दर जेठा (मनर)।
 (अन्तरिती)

3. भ्रन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को सह त्यवा वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहूक किसी मन्य व्यक्तित द्वारा मभोहरताकरों के शाम लिखित में किये का ककीने।

स्यक्कीकरण ह- इसमें प्रमुक्त कटाँ और पदौं का, को उक्टे अधिनियम, को अध्यास 20-क में परिशाणिक हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया एमा हैं।

अम्सूची

णाप नं० 35, जो पहले 1 एवं 2, सी बैर्ड के मैनइंटन्स के पास, 114 बी० जे० रोड, बान्बा, बम्बई-400050 श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13374/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी; सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🛮

प्रकप बाहै. टी. एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वाता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्स (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० 2/37ईई/13929/84-85:--श्रत मुझे, लक्ष्मण बास,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंद इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाग 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या शाप नं० 2, फिश्रोना, जुहु तारा रोड, सातांकुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका कुरारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के हैंचीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29-10-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाक की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (च) एसे किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभ-अनार्थ लेनिर्ती द्वारा प्रकार करीं जिल्ला गया वा वा किया जाना चाहिए चा, ज्याने में सुविधा के लिए:

ज़ता क्षाव, उपत अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की को अधीन, निम्नलिमित व्यक्तिता, अधीन :--- 1. श्री मुभाष वी० करानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सी० एन० राजदेव

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अम्पि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि माव में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रदिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्मूची

शाप नं० 2, जो फिन्नोना, जुहू तारा रोड, सांताकुज (प०), अम्बई-400054 में स्थित है।

अनुसूची कैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13929/84→85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) श्रर्कन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर∹

प्रकृत नाहरे, की एक, एस, रन्तर

आयकर लिशनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सधीर सुवाना

भारत संस्कार

कार्यासक, प्रहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्रण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13147/84-85:--- ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं ० 601 भौर 602, छठी मंजिल, सेनजारी भ्रापार्टमेंटस 274 स्वामी विवेकानन्द रोड बम्बई 400050 में स्थित है (और इससे उपाद भ्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारन्यमा भ्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्विकत सक्ष्यींत के उधित जाजार जूनज से कम के कावजान प्रितिक स के निष् अंतरित की नहें हैं और नृमें यह विक्वास करने का कारण हैं कि वथापूर्विकत सम्मित्य का उधित वाजार जूनज, तसको ब्रुपमान प्रतिकत सं, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का पन्छ प्रतिकत सं सीधक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरम के जिल्ल स्यूपाया भवा प्रहिएक , निम्निविचित समुद्देष्यों से क्ष्य अन्तरम विचित्त में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सलहरू से हुए किसी साम की नामक, उपक अधिनेत्रक में स्पीन कड़ योगे के मलाह्य में स्पित्न में कभी सराने या उत्तर्थ वचन में स्मिमा में सिए; भीर/दा
- (क) एती किनी बाय या किसी थन या अन्य बारिता सं की, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्थिनियम, या धन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ सम्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया नया भा वा किसा जाना था, स्थिपने में सर्विधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री श्रजीश इन्नाहीम,
 श्रो हरूण इन्नाहीम,
 श्री इक्षबाल इन्नाहीम,
 श्रीमती फातिमाबाय इन्नाहीम.

(সক্তৰ্ক)

2. श्री गुलाम माहस्मद तूर मोहम्मद राजानी, श्री श्रब्दुल रहीम, तूर मोहम्मद राजानी, श्रीमती सारूबाय तूर मोहम्मद राजानी, कुमारी रजिया तूर मोहम्मद राजानी।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह ब्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह सुचना जारी करके प्रबंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संबुक्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (ह) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्(क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 विन् के गीतर उक्त स्थायर सम्पृति में हितबबुध
 किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 किशिस में किए या सकेंगे।

स्वक्रीकरणक्र—इसमें प्रयुक्त कटको और वर्षों स्था, औ उपक अधिनयम के प्रश्माम २०-क में वरिशायित ही, बढ़ी क्ष्में होगा को उस् अध्याय में दिया क्या है

अनुसूची

पलैट नं० 601 श्रीर 602, को छठी मंजिल, सेनजारी श्रपार्टमेंटस, 274 स्वामी विवेकानन्द रोड, बान्द्रा, बम्बई— 400050 में स्थित है।

श्रमुम् जैसा कि कि के सं श्रई-2/37ईई/123147/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग्र दास, मक्षमे प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2,यस्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🖫

प्रकृत जारे. ही. एस. एस.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धार 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सर्भार

कारोलय, सहासक जायकर काप्कत (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-2, वस्वर्ड

वम्बई, दिनांक 3 जूर. 1985

सं० ग्रई-2/37ईई/13414/54-35:—-ग्रत: मझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उत्ति वाजार मन्य 1,00,000/- रक. से अधिक है

श्रौंर जिसकी संख्या टेरेस स्पेम और पाकिंग स्पेस नं० 9, एवं 10, विल्डिंग नताणा, 52, हिल रोड, वान्द्रा, (प) वस्त्रई—400050 में स्थित है (शौर इसमे अपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). होर जिस्का करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 2(9%, 60%) श्रीर जिस्ही है, तारीख 11-10-1984

को प्रबंक्त संपत्ति के उपित बाकार क्या में कम हो राज्यान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि राज्यायों का सामित का उचित बाजार मून्य उसके राज्यान प्रतिफल से, एस बश्यमार प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत में किथा हो गोर बन्दर के लिए जा राज्या राज्या किना का राज्या राज्या जिल्ला किया निम्नानिक उद्योध से एक्त सन्दर्भ विश्वास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण में हुई किसी काय की बाबत,, उप्क्त अधिनियम के अधीर कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या समें बचने में सृविधा के बिए; बारू/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिल्हाँ भारतीय शाय-पर बांशितियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर बांशिनियम, 1947 (1957 का २०) ﴿के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दशरा प्रतर नशीं किया वे गया था या किया जाना चाहिए था शिपाने में सुविभा के लिए;

कतः व्या उपल किथिनियम की भारा 269-य की अमुखरभ मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 239-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिस्नत व्यक्तियों अर्थात :---- 1. मैसर्स नताशा ऋंस्ट्रक्णन।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्म पटेल रोडवेम (प०) लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह स्थना जारी करके पृथाँक संपरित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की अविधिण तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिर्फी व्यक्ति हवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

टैरेस स्पेस श्रौर पार्किंग स्पेस नं० 9 एवं 10, जो बिल्डिंग नताः । , 52 हिल रोड, बान्द्रा, (प०), बम्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/13414/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम पाधिकारी, महायक ग्रायक ग्रायुक्त, निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहरु ध

50—156GI|85

त्रक्म बाह्, टी. एव. एस.,-------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्यीन स्वा

कार्याजय, सहायक नायक र नायुक्त (गिरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निदेश सं० ई-2/3ईई/13276/84-85:--अतः मुझे लक्ष्मण, दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख कें अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 61, छठीम जिला, विजय रिज 229, एस० वी० रोड, बान्द्रा, (प०), बम्बई-400050 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका प्करारनामा आयकर अधिनियम की प्थारा 269क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बम्बई में रिजिस्टी है, तारीख 5-10-1984

क्ष्यं पृथिषित संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विदयम के को का कारण है कि यथापृष्टिकत संपत्ति का उचित बाबार बृद्ध, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच अन्तरण के मिए तय पाया प्रमा प्रतिफल निम्नतिस्ति उस्देश्य से उकत अन्तरण निम्नत

- (फ) बन्धरण ये हुई किसी बाग की गामस उपरा अधि-शिवस से अधीन कर दोने को जन्मरका को सामित्र्य यो भागी करने मा इससे गचने यो स्वित्या को किली. भीक/स
- (थ) ऐसी किसी आव वा किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ जन्दियों स्वारा प्रकट नहीं किया जवा भा या किया जाना साहिए था, कियाने में महिला भी विद्या

अतः जन, उत्तर जीधिनियम की भारा 269-प वॉ जनुतरण वॉ, मैं, उत्तर जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) क अधीन, [नम्नलिखित स्वनित्यों, अधित हे—ः 1. मैससं विजय राज एण्ड एसो सियेटस

(अन्त रक्ष)

2. श्रीमती कमल गुल जेस्सानी।

(अन्तरित्रीः)

को यह स्वशा बारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

वक्स सम्बक्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी दाखेंप ए----

- (क) इस सूचना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की जनकि वा तत्त्वस्त्रमी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ननिष, वो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रोंकर विस्ता में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच हूं 45 दिन के भीतर उन्हां स्थानर संपत्ति में हितं के यहंथ निसी जन्म व्यक्ति ह्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निल्वास में किए जा नकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनमुची

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13276/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास, सक्षम प्रार्थिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🖈

अक्ष अहा, टी. एन , इच उन्हरून अन्यस्ट

नापकर निधानियम, 1961 (1961 का 43**)** की भारा 269-व (1) ने वधीन ब्यना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्माणक)

अर्जन रेंज-2, वम्बई बम्बई दिनांक 4 जुन, 1985

सं० अर्ध-2/37र्द्ध/13138/84-35-- अतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसके इसके परवाध 'जनत मीधीनवम' कहा गया है"), की बाद्य 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रमान करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मुख्य 100,000/- रतः से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या लैण्ड जो 24 रोड के बीच हैं, फाईनल । प्लाट र्न० 37, टाउन प्यानिंग स्कीम 111, बान्द्रा डिबीजन, , जम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची है ग्रीर । पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका कर।रतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई मे र्राजस्ट्री है, तारीख 3-10-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित दाबार मूल्य से कम के बस्दमान प्रतिफल को लिए अन्तरिस की गई और मुझे यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके अपयान प्रतिकास से एरी अपयान प्रतिकास आ पत्रक्षं प्रतिकृत से अभिक हैं और बन्तरक (बन्तरका) कार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिक् सच नाया नया प्रतिकश्चन, निम्मितिहित ज्युवदेव से अस्त वस्त्रदय जियत में नास्तविक रूप हे कज़ित नहीं किया दवा है :---

- (क) कन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, क्ष्मक **अर्ट्र**धिनियम के सभीन कर दोने **के अस्त**रण **धे** वाधित्व में कमी करने वा उचने मचने में बृधिया के बिए; कौर/का
- (च) ऐसी किसी अगय वा किसी अग वा कम्य आस्तिकों को, चिन्हें भारतीय बान-कर वीभीनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त व्यक्तियम, का भव-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजगार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट सही हिंदा नवा था का किका काना चाहिए था, कियाने के वनिधा के शिए;

बत: श्रव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिन्नियम की भाषा 269-व की उपभाषा (1) के अधीन, निम्मजिवित व्यक्तियाँ, वर्भात् ३---

1. श्रीमती शिरीन बाच फरामरोज सिमनपोरिया श्रीर श्री फराम रोज जहांगीर सिमनपोरिका।

अन्तर्क)

2. मैंससं देवेन्द्र कंस्टबणन कम्पनी।

(अन्त(रती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के क्रिय कार्यवाद्यियां करता हूं।

वक्त क्यारित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की शारीक वे 45 दिन की बनिध ना तत्त्रान्तरणी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 बिन की जनवि, यो औ नवरिप बाद में तमान्य होती हो, ने शीखर पूर्वीका न्यभिशयों में से किसी व्यक्ति बुवाश;
- (क) इस स्वता के रावधव में प्रकाशन की वारीय से 45 विन को भीतर सकत स्थावर कम्परित में क्रिय-वकुभ किसी जन्य न्वक्ति बुनारा, अभोहस्ताक्षरी से पास निवित में किए वा सकेंने।

स्पव्यक्तिरण:---इसमे प्रयक्त कन्दों और पर्वों का, जो उक्त अभि-नियम के अभ्यास 20-क में परिभाषित 🗗 🔑 वहीं वर्थ होगा, को उस कथ्याव में दिवा गया K* 1

अनुस्ची

लैण्ड जो 24 वारोड, बान्द्रा, फाईनल फ्लाट नं० 37, टाउन बरलानिंग स्कीम III, बान्द्रा डिवीजन, बम्बई में स्थित

अनुमूची जेंसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/13138,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण धास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां म : 4~6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कर्ष्यालय सहायक बायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

जर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बर्र, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश गं० अई-2/37ईई/13231/84-85--यनः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे शसमें शसके परचास् 'उनत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के विधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. में अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लीट नं 302, लारिएसा, प्लाट गं० 396 बी, ग्राफ सीनलादेवी, टेरिल रोड, माहीम, बम्बई-400058 में स्थित है, (श्रीर इसके उल्लाब्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप गे विणत है), ग्रीर जिसका काररनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन गजम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

का पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी वाय की वावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्हरण के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुनेशभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त जिधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (१) के बधीन, निम्मतिवित व्यक्तियों, अधितः :--- 1. मैसर्स गैलवसी, कारपोरशन ।

(अन्तरक)

नन्दा अनिल शकरनेत,
अल्मान अनिल शकरसेत,
शुनल अनिल शंकरसेत,
प्रभाकर राउनी शंकरसेत,
सुमति पी० शंकरसेत

(अन्तरिती)

अन्तरिती

(बहब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जा के संबंध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अवधि, जो भी अविश्व बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भी र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन व्यक्ति द्वारा, अर्थ हस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—हममे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त कपि-नियम के सक्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होना. को उस अध्याय में दिया गया है।

असस्य 🚮

फ्लैंट नं ० 302, जंः, लारिस्सा, प्लाट न ० 396 **बी,** आफ गीतलादेवी टेपिल रोड माहीम, वस्वई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कि० गे० अई-2/37 ईई/13231/84-85 और जो अक्षम प्राधिक री. बम्बई ढारा दिनांक 5-10-84 को र्राजस्टर्ड किया गरा है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (दिशिक्षण) अर्जन रोज –2, बस्बई

विशोक : 1−6−1985

महेर 🛨

प्रकल कार्य तथा एक्ट एक्ट - न प - स-बायकार कीर्धानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के क्षीन सुम्ला

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून, 1985

: निर्देश संजर्ड-2/37ईई/13232/84-85:--अत मुझे, लक्ष्मण दास. .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2,69-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मख्या पलैंट नं 301, लारिस्सा, प्लाट न 396 आफ सीत ते देव.,, टेंपिल रोड, माहीम, बम्बई— 400016 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपान्न अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनिवम की धारा 269 क, खके अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रात्मत सं सिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती । अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्षिनियम के अभीन कर दन के अन्तरक क शांकिश म कमी करन या उसस अभन म सुनिया के चिए; आर/सा
- (ण) श्वी किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननाथ अन्दीरसी द्वार प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना आहिए था, जियान में सुविभा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--

मैसर्स होस्योस्टैब इस्टेस एण्ड प्रोपरटीज (प्राइवेट) — लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्री प्रभाकर राउजी शंकरमेत।

(अन्तर्रती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में म जिस्सी व्यक्ति स्वारा:
- (क) इस प्रजान को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीका है, 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध् किसी सम्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास निकित्त में किए जा सकेंगे।

स्थण्डीकरण :---क्रममें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में धृरिभाषिट है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया कका है।

थन्सूना

पलैंट नं० 301, जो, लारिस्सा, प्लाट नं० 296 ब, आफ मीतलादेवी टेपिल रोत, प्माईाम, वम् ई-400016 म स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र स० $\xi-2,37\xi\xi,1323.2,84-85$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया अया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आरकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहर 🛭

THE ST. S. ST. ST. ----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन स्थान

बारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनांक 20 जून, 1985

निर्देश सं० ई -2_i 3.7ई $_i$ ई $_i$ $1.3589<math>_i$ 8.4-85: —अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्यां इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन नंजिल, राजगीर अपार्टमेंटस 8वां रोड, खार, वम्बई-400062 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण इप ते विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की बारा 269 का ख के अत्रीन सजा गाधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16-10-1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखि में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है हु---

- (क) अन्तरण स हाई। किसी बाद की बादत, उक्ष अस्तिग्राम को बधीन कार दने के बन्तरक के दक्षित्रक में क्सी शहने वा उत्तर वधने में सुविधा संस्कृत की की का
- ्छ, एंसी जिसी आय या किसी भन या क्रम्य आस्तियों की किसी भारतीय आय-कर श्रीधनियम, 1922 ११७२२ का ११६ या उस्त अधिनियम, १९२२ अन-कार ऑधिएयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं शिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में श्रीविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीतः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. चारू ट्रस्ट।

(अन्तरक)

2. मैसर्स लिंकन नर्सिग्र होम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृष्टीक्त सम्परित के वर्षन के तिर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्क सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरां के पास निशंखत में किए दा सकेंगे।

श्वब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उपते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिशा थवा ही।

वन्स्ची

जमीन मजिल, जो राजगीर अपाट्रमेंटस, 8वां रोड, खार, वम्बई-400062 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2, 37ईई, 13589, 84–85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सञम प्राधिकारी, सङ्ग्यक अप्यकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

· तारांख: 3-6-1985

प्ररूप बाइ". टी. एव. एव.

बायकर बिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

मारत सरकाड

कार्यालय, सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड वम्बर्ड, दिनांक 1 जून 1985 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13813/84-85--ग्रत : मुझे,

लक्ष्मण दास,

सायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (सिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पान, जिसका उचिन वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अर्तुर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, दूसरी मंजिल, खार, बम्बई-400052 में स्थित है (और इमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रिजस्ट्री है, नारीख 25-10-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह दिश्सार करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की बाबत, उत्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ए तसके नमने भी गुजिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम का भाकर अधिनियम का भाकर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें स्विधा के लिए;

बतः, बब, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के बनुसरण है, मै, उक्त बिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीर निमनतिष्ठित व्यक्तियों, बधीत है—

- (1) श्रीमती ज्योति नंदलाल अच्चिपलिया (अन्तरक)
- (2) श्री रामकृष्णन हाटचंद लालवानी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के क्रबंग को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख ई 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में भवान्त होती हो, के शीनर प्रवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर रूप्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा कथाहम्ताक्षरों के पास तिखित में किए जा सकर्षा।

स्पस्योकरणः - असमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गमा है।

वनसभी

पलैट नं० 12, जो दूसरी मंजिल, पूरकोत्तम भगवान को० हार्जासग सोसायटी खार तम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/13813/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई ढारा दिनांक 25-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) यार्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 1 जून, 1985 निर्देण सं० ग्रर्ड-2/37ईं5/13176/84-85-ग्रत: मुझे, लक्ष्मग्र दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पलैट नंव 15, किसेंट कोन्नापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, पाली हिल रोड़, खार, बम्बई-400052 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण-रूप में विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-र्नियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित टाजार पहरी का सम्बद्ध के संबद्ध करने का कारण है कि यथा पूर्णेक्त सम्बत्ति का उचित टाजार

- करने का कारण है कि यथा पूर्वोकन सम्मति का उचित त्यागर मूल्य, असके असमान एति कर से, एने इक्कमान पति कर के पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिनियों) के बीए एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्निति उद्देष्ण से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (कः) अन्तरण से हुई िकसीं जाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
 - (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कः, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्बिधा सी लिए;

नत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उसते अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) धे कथे निम्लिनिसित व्यक्तियों, वर्षात क्र--- (1) श्री मुरिदर मिह्मावरवाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महींदरपाल सिंह भासीन श्रीमती जसवाल कौर भासीन

(श्रन्तस्ति)

(4) प्रस्तिक्ती
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयछ है)
को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त क्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलट नं० 15,ओ किपेंट कीप्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, पाली हिल रोड, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रानुस्की जैसा कि क्राठ मं० श्रर्ह-2/37हें $\xi/13176/84$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को राजस्टर्श किया गया है।

लक्ष्मण_{्रं}द्वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-2, बस्बई

नारीख: 1-6-1985

भोहर:

प्रस्य बाइ टी.एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

माउत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 बम्बई

बम्बई दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० घई——2/37ईई/13071/84-85——अतः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या () में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा भाग पर अधिनियम की घारा 269 क ख के अधीन समक्षा अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास इन्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के जन्द्र प्रतिक्त से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया बागा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांश्यत महीं किया गया है —

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीपनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में अभी करने या उससे बचने में सुनिधा के किए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री रसिकलाल जे० ववे

(भन्तरक)

2. श्री धीपक सी० हिन्द्रजा

(भ्रन्तोरती)

3. श्रन्तरित (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिकभीग में सम्पृत्ति है) ।

का यह मुचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या लत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की लामील में 30 दिन की नविष, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उठा स्थायर सम्मतित में हितबहुध किही अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधाहरणकारी के शस रिविधा में त्रिए का सकेंग्रेन

स्परतीकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नम्स् 🖏

प्लाट नं० 5, जो कलप ह बिल्डिंग, खार (प०) प्लाट नं० 464, 15 रोड बम्बर्ड-40 0052 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि २० सं० ई-2/37/ईई/13071—

श्रनुसूची जैसा कि कि के ई-2/37/ईई/13071— 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयङर आयुक्त (रिरीक्षण) प्रजंत रेज 2, बम्बई

दिनांक 3-6-1985

महार :

प्ररूप बाई. टी. एन. एस ।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, महायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13861/84-85—ग्रत : मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 26ए-च के प्रधीत मध्यम प्रधिकारों को यह विश्वास कारने का बारा हैं। कि प्रधार नार्यात, जिसका जीवत नाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 505, ग्रमर टावर, पाचवीं मंजिल, चंदन सिनेमा के पास, जुहू बम्बई-400049 में स्थित है (और इसस उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णस्प से विणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनयम की धारा 269 कछ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 26-10-1984

को प्रवीवत सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपता के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करन को कारण है कि यथापूर्वीवत सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण के जिला से जिला में वास्तरित के स्प से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ने हुइ किसी आम की बाबता, उक्त बिधानसम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविषया से किस्तु करिंग्या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्च बास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए !

आहः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैसर्स ग्रमर वंस्ट्रवशन्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पत्सलूर रेहमान पत्ररूल हसन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी त्रूरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गुर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थाना को राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकाल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--- इसमा प्रयुवत शब्दा और यदों का, जा उर्वेत अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा हो उस अध्याय पे दिया

अनुसूची

फ्लैंट नं० 505, जो श्रमर टावर, पांचवीं मंजिल, चंदन सिनेमा के पास, जुहु, वम्बई-400049 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि २० सं० श्रई-2/37ईई/13861/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रतिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

मायकर वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वना

वास्त सरकार

कायांत्र , यहायक जायकार आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, तस्बई

बन्बई, तिरांग 3 जूर 1985

निर्देश स० अई०-2/37 ई० ई०/13433/84-85--मतः मझे, लक्ष्मण दापः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

बौदिल की संव फ्लैट नंव 4, छटी मंजिल, सागर सगीत, हैंड एव बींव नागर रोड़, पुहू, बम्बई-400049 में स्थित हैं (और इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिन्हा स्वारामा आयहर अधिनियम की धारा 269 ए ख के अधीन अभा पाधि हारी के नार्यालय, बम्बई में रिक्ट्रिंटी है, दिहा है 12 अभ्वुबर 1984

का पूर्वाकः सम्पर्धः के जासा बाजाः मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि गम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्ययम तो हुई किन्स, गाहिक, गाहिक को के लिए। किस के अपात कार घर घर के अन्ययक को अग्रयत अं किसी करने वा उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- प्रती किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१७22 का 11) या उक्त अधिनियम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अतः, अत्यतः अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसंहर्ष् हो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीतः— (1) श्रों सिहताय डीं॰ टोवीवाला ।

(ग्रन्तरङ्)

(2) श्री एच० वी० त्रिदडी और साथियों (प्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती

- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 (4) अन्तरिती
- (4) अन्तारता (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है ति वह तस्ति में हिनवढ़ है)

को यह स्थना जारी करक पूर्वीक्त सम्पांत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनीध बाद में समाप्त होती.हां, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टींकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वीचा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

बन्म या

"फ्लैंट नं० 4, जो छटी मंजिन, तागर संगीत, डा० ए० बीं० नायर रोड़, जुह, बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि कं० संबंध प्रदेश- 2/37 ई० ई०/13433/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांत 12-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुष्टत (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तिथि: 3-6-1985

प्ररूप बाइ, टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्राजैन रेजें - 2, **अ**म्बई

बम्बई, दितां : 3 जून 1985

निर्देश सं० भ्रई०--2/37 ई० ई०/13842/84**--85---भ्र**तः

भूझे, लक्ष्मण धानः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जि की मंग ाहें। मंग 9, आदि सरंग कीमापरेटिन हार्जिन सी गहें। जितिटेड जुहू ताल रोड़, जुहू होटल के पाल, बस्बई 100 04 में स्थित हैं (और इनसे उपायड़ अनुसूची में और पूर्ण एवं से बणित हैं), और जिल्हा साराद्याना प्राप्त : प्रधितियन की छरा 269 एख के प्रधीत सक्षम प्राप्ति गरी के शार्यालय, बस्बई में एजिस्ट्री हैं, दिनां प्र 26 श्रमतुबद 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पड़े श्रीलक्षत से अधिक ही और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण हो लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निविद्या में सास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- िश् भेल्तरण ले हुई किसी मान की नावत, उसा लिशियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शिवित्व में कमी करने या उसमे जनने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हों भारतीय अगयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिकार अधिनियम, विद्यार प्रकट नहीं किया गा था गा किया जाना घाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्रीमती वस्रीत मोहम्मद हैदर और कुमारी सरीत कस्ती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एल्बीन डिसूना और श्रीमतीं सैंशिज डिसूना (ध्रन्तिर्द्धि)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के नजन के निग् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में कांई भी बाक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियाँ में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यवित व्यारा अधोहस्ताक्षरी केंद्रें
 पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होना, जो उस अध्याय में दिया यया है।

भनुसूचीं

चाटेश नं ० 9, को चिंध तरंग कोन्नापरेटिय हाउसिंग सो तब्दी विभिटेड, जुहू तारा रोड, जुहू होटन के पास, **यम्बई**→ 400 049, में स्थित है।

श्रनुसूची जैजा कि क० संग्रह्मई०--2/37 ई० ई०/13842/84--85 और जो पक्षत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ह 26--10-1984 को रिकस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि री, सहाय ह प्रायकर आयुक्त (निरक्षण), यर्जन रेंज-2, बस्बई

दिमांक: 3-6-1985

मोहरः

मुख्य सार्व ही दन् एक -----

भागकर मिपनियम, 1961 (1961 का 43) की ्राया **269-न (1) के वभीन बुल्या**

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजुन रेंज--2, बम्ब६ लर्ट विच्या २ जन्म ४०

बम्बई, दिनाक 3 जून 1985

निर्देश सं० श्रई०--2/37 ई० ई०/13683/84--85---मतः

मुझे, लक्ष्मण दान,

नार हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चित् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की थारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रूट. से अधिक हैं

और जिसकी, संव विरिड्य नंव अ पलैट नंव 22, उदारितरंग कोआपरेटिन होड़िंग मो गहरीं लिमिटेड, गृहूताचा रोड़, धम्बई में स्थित हैं (अं.२ इससे उताबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप ने पणित है), और जिल्ला राजरतामा आयकर अधितियम की धारा 269 ज हैं के अधीन स्थम प्राधिवारी के हार्यान्य, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, दिनों है 20 अस्तूबर 1984

को प्वें कित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इंध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निष्कृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बायत उपत अधि-निमम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्य ने कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तिबीं को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा किया

वर: वव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियाँ, अर्थात् क्ष-- (1) श्रीमती सुमीना के०, उस्केरा

(अन्तरक)

(2) 1 श्री रागलान प्रागनी सराया और

श्रीमती जयश्री भरत कुमार टक्रर

(भन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके प्यॉक्त सम्बस्ति के कर्जन के स्ति कार्यवाहियां कृष्ठ करता हूं।

क्रक्यू संस्थात्य के अर्थन के सम्बन्ध में की हैं भी बासेप हरू-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 चिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी स्मिक्त दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 फिल को भीतार उक्त स्थावर संपन्ति में हिन-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ग्रास किसीबत में किए जा सकागे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त पिर्धानया के अध्याय 20-क मा शिरभाषित हों, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हों।

अन्स्की

बिस्डिंग नं ० भ्र. पत्रैट न ० 22 जो उदाधितरंग को मापरेटिच हाउँ तिम सो ताइटीं लिमिटेड, जुहू तारा रोड़, अम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संरु अईरू--2/37 ईरु ईरु/13683/ 84-85 और जो अक्षम प्राधितारी, बन्वई द्वारा दिनांत 20-10--1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> सक्ष्मण दात्त, सक्षम प्राधिशादी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-2, बस्यक्ष

दिमां र: 3-6-1985

मोहर 🛊

प्रकल्प नादी, की, एन, इस्तु

मानकर अभिनियात, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) की नभीन शुक्रमा

भारतं सरकार

कार्याणव , गहायक जायकर वाध्वल (विद्रांक्क) -

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां : 3 जून 1985

निर्देश सं० %ई०--2/37 ई ई/13499/84-85---मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिन्हीं संज्यनैट नंज 241, जमीन मंत्रिल, ग्रीन एउसें, जुहू इमेंथोग को प्राप्टेटिय हार्डीणा मो ग्रहटी, विल्डिंग 15-प्र, नोर्त मीत रोड, नंज 5, विल्डिंग 400049 में स्थित हैं (और इज़ेसे टराबढ प्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणत है), अर जिन्हा हार्पायामा ग्राप्त में धीनित्म की धारा 269 वास के ज्ञिति एअम प्राविधारी के ार्याच्य, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीख 12-10-1984

को पृश्विक्य सम्पत्ति को जांचल बाधार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते पह विद्याच फरने कम कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्बत्ति का उचित वाजार मृत्य उसक अवनान प्रतिक्ति है, एसे स्थणमान प्रतिक्ति का प्रतिक्ति का प्रतिक्ति का प्रतिक्ति का प्रतिक्ति का प्रतिक्ति को प्रतिक्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के यौध एसे अन्तरण के तिस् सब पाया गया प्रतिकृत्य निम्निविष्ट स्वार्थिय वे उस्त अन्तरण किवित् में शास्त्रिक स्थ ते कथिस नहीं किया गया है दन्न

- (क) अन्तरक से हुन्दै किसी आय की बावस, उक्त विभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वामित्व में कभी करने वा उससे वचने में सूविका के लिए; आंप/धा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा एक्स विधिनवर्ग, वा धन-कटर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ववा वा वा विका वाना वाहिए वा, विधाने में सविधा के सिक्स

कतः अब, उक्त मिथिनियमं, कौ भारा 269-व कै जनुतरक में, में, नक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन, 'प्रमालिखित व्यक्तियों, नर्थात् :--- (1) श्री विठलदारा रामिकशर फ.५ट

(अस्तरकः)

(2) श्री विजय कुमार गोवर्दन किंह वैद

(अन्तरिती)

(3) भन्तरक

(बह व्यक्ति, सिजके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करकी प्रविक्त संपृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनक सम्मरित के अल्लेष के सम्बन्ध के कोई भी बार्बाध्य--

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन को अमीच्या तत्संबंधी क्यीनतमीं पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की ननींच मो
 सूप्रीय दल के सनाय होती हो, के भीतर पृथ्यों कर
 व्यास्थ्यों में से किसी व्यास्य दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की शारीश सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संगीत में हितवस्थ किसी बन्य स्थावतं व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शुक्र सिवित में किए या क्केंग।

स्याकोकरण :—इसमे प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के लध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में जिया गया है।

अमुसुची

"फ्लैंट नं० 241, जो जमीन मंजिल, ग्रीन एक्सें, जुहू क्मेंगोग कोन्नापरेटिव हार्जिंग संसाइटीं, विल्डिंग नं० 15-न्द्र, नोर्त सीत रोड, नं० 5, धम्बई--400 049 में स्थित है।

अनुसूची जैता ि क० रां० अई०-2/37 ई ई/13499/ 84-85 और जो प्रक्षम प्राधिकाणी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984को रजिस्टई िया गया है।

> लक्ष्मण दास सञ्जम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (चिरोक्षण) श्रर्जन रेमे- 2, बस्बर्ष

दिनोंक: 3-6-1985

मोहर.

प्ररूप आहं .टी. एन .एस . -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 259-व (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कोयांचय, सहत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, घम्बई

बम्बई, फिन्हें 3 जून 1985

निर्देण एं० इ.६०--2/37 ४० ६०/13860/84-85---म्रतः मझे, लक्ष्मण दारः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिलि सं प्रतिष्ट नं 506, और टावर, पांचनी मंजिल, चंदन शिनेमा के पान, जह, बग्नई-400 049 में स्थित हैं (और हासे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से जिलित हैं), और जिल्ला अशार तमा जाय गर अवितियम 1961 की धारा 269 अब के अवित जलम प्रति तरी के जायलिय, बम्बई में रिक्ट्री है, दिया 26 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बावत, उक्त अधिनियप के अधीन कर देते के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेतर्स अमर कंस्ट्रक्शन्व ।

(अन्धरक)

(2) श्रीमतीं हकींकुण निशा परून इसन

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना को राज्यक में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकारी।

स्पाचीकरण: इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बन्धाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

जन्स् ची

फ्लैट नं० 506, जो असर टाजर, पांचवी मंजिय, अन्यन सिनेमा के पास, जह, अन्वर्ध 400 049, में स्थित है।

भनुसूची जैसानि कर संर छई र-2/37 ईर ईर/13860/ 84-85 और ने सक्षम प्राधि गरी, बन्बई हारा दिनां : 20-10-1984 का रजिस्टर्ड निवा गर्स है।

> नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि तरी, सहाय ह भाय रूर श्रायुक्त (तिरीक्षण), श्रजैन रैज- 2, **यम्बई**

दिनां ∻: 3-6-1985

म्हेर् प्र

प्रक्ष बाइ . टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की খবে 269-খ (1) के वधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज~2, धम्बर्ष धम्बर्ष, विनों: 1 जून 1985

निर्देश सं० आई०--2/37 ई ई/13088/84**-85---म**तः

मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उयत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जियकी संव पलैट तंव 10, दूनरी मंतितः, मनीहर महल मोगल लेन, माहींम, बग्बई -400 016 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रतस्त्री में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिसता करास्त्रामा प्रायत्य प्रिवित्यम 1961 की धारा 209 के खे के प्रधीक सक्षम प्रतिवत्तरी के नार्यालय, बम्बई में रिवर्ट्स है, दिनांक 1 प्रयत्त्रर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उच्य अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उपक अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा श्री जिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ अधिन्यम अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया वामा बाहिए था. छिपाने में सूविभा के सिए।

जतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न कै जन्सरन में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधान किम्निजिब्द व्यक्तियों, अधीत :-- (1) श्रींमतीं फलेरिंडा कजेतन बगेंजः ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर बत्ताराम राष और श्रीमती इविता मनोहर राष ।

(श्रुत्तरिती)

(3) मन्तरक (वह व्यक्ति, जि.के अधिमोन में सम्मत्ति हैं)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

च कत संपति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के कि 45 दिन की अविधि या तत्सी वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क स्पिक्त में में किसी व्यक्ति बृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्सून भी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के लाह निचित में किए का सकीं।

स्पत्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है ।

अनुसूची

पत्रैष्ट नं ० 10, दूसरी मंतित, मनोहर महल, मोगान लेन, माहीम, बम्बई-400 016 में नियत है।

प्रनसूची जैशा हि कि० सं० अई०--2/37 ईई/13088/ 84-85 और जो सलम प्राधितारीं भम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रिजस्ट है हिया गया है।

> लक्ष्त्रम् दानः, सक्षम प्ररीध अरोः, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्गत रेंशे→2, धम्बई

保計事: 1-6-1965

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुबना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजनरें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 1 जून 1985

निर्देण सं० भ्रई०--2/37 ई० ई०/13787/84--**85---भ**तः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

अर्रेट निसकी सं पलीट नं 2, जमीन मंजिल ब्लाक सी गुलाटी कोआपरेटिय हाउति सीताइटी लिमिटेड, सीतलादेवी टेपिल रोड, माहीम, बभ्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूवी में और पूर्ण रूप से बणित हैं),और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 22 अक्तूबर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मफे एह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त हिखित में वास्तविक रूप से बास्तविक रूप से बास्तविक रूप से बास्तविक रूप से बास्तविक रूप से वास्तविक रूप से वास्तविक रूप से कार्या वास्तविक रूप से वास्

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचये में सुविधा के सिए; जोड/वा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिमाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में अविभा के सिद्;

सत: वाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के कथीन निम्नोलिखत व्यक्तिया स्थात ा— 52—156GI/85 (1) कुमारी सिपोरोझा डीं० डिसुजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मिमिकान्त दरतालेय राजे

(अन्तिरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

लाक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षयां और पदों का. को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, बही अर्थ होगा को उस सभ्याय में विया नवा ही।

धनुसुची

पलैट नं० 2, जो जमींन मंजिल, ब्लाक सी गुलाटी को-प्रापरेटिय हार्जीक्षण सोसाइटी निमिटेड,सीतलादेवी टेंपिल रोड़, माहीम, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैक्षा कि कर संरुश्यई०-2/37 ईर ईर्ल/13787/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984 को रिजम्टड िया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, अम्बर्फ

विनां क: 1-6 1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्". टा. एम एस.------

बायकर निर्भागयम, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-थ (1) के नधीन सूचना

भारत चर्चाह

कार्याक्षक, बहावक कायकार वायुक्त (विरोक्षण)

श्रजीन रेज-2, बम्बई

बन्बई, दिनां ह 1 जून 1985

निर्देश सं० श्र**ई**०-2/37 **ई० ई०/13909/84--85---श्र**तः मुझे, लक्ष्मण दाम,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उच्चित वाचार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० मदन स्मृति, टीं० पीं० एस० 4, माहींम, 1137 वींर सावरकर मार्ग, अम्बई-400 028 में स्थित हैं (और इसमें उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 स ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, दिनां ह 27 अक्सूबर 1984

भा पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार स्पन्य, उन्नके हरसमान प्रतिफल से, होसे द्वयमान प्रतिफल का नन्ता प्रतिकत का पन्ता प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष के निम्निलित उद्वेष्य से अक्तर अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है प्रस्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस उक्स बॉध-नियम के बधीन कर बंधे में जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए: बोर/बा
- (शे) एसी किसी अय या किसी भन या जन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः तथः, उक्त अधिनियमः, कौ धारा 269-ण सै जन्तरक माँ, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै सधीन, निमनलिखित स्थिक्तर्थाः, अधीत् ह— (1) श्री उथय वसंतराय दिवाने, श्री दिनेश वसंतराय दिवाने

(ग्रन्तर्क)

(2) डा॰ श्रीमतीं पुष्पा जोहारी, श्री पियुष जोहारीं, श्री संदीप जोहारी, डा॰ श्री भगवतीं एस॰ जोहारीं

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

ज़बत संम्यत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिरा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सथा हैं।

धनुसूची

भदन स्मृति, जो टी॰ पी॰ एस॰ 4, 1137, बीर सावरकर मार्ग, बम्बई 408 028 में स्थित हैं।

श्रमुसूची जैसा कि कि से श्रह्ण - 2/37 हैं। हैं। 13909/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनाक 27-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण्रीदास,, सलम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज-2, अम्बई

दिनांक: 1-6-1985

मोहर 🖫

प्रकार कार्यः, दी. एव. एस.,-----

काशकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के वभीन बुचना

साहत ब्रक्ता

कार्यावय, बहायक वायकर वाय्त्रत (पिर्याक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 142, वालियानदास उद्योग भवन, प्लाट नं० 1081/1082, टीं० पीं० एस० 4, माहीम, प्रेंच्यरी बाजार के पास, प्रभा देवी बस्बई-400 025 में स्थित । (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 19 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्थवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्पित्य पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण शिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाय की बावत, उनत विध-नियम के बधीन कर देने के बन्तरक थे दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किस्ती नाम या किसी भन या कम्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

चतः, जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-क के जनसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—— (1) श्री ग्रशाः नक्ष्मण लल्ला

(भ्रन्तर⊹्)

(2) श्री किशोर बाडीलाल सांगवी

(अन्ति√िती)

का नह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप हि—

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की जनिथ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीन से 30 दिन की अवधि, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे:

स्वकारण: --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्दों का, जो जकत जिमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया । वजा है।

बन्सची

यूनिट नं ० 142, जो कालियानदाय उद्योग भवन, प्लाट नं ० 1081/1082 टी० पी० एस० 4, सेंच्यूरी बाजार के पास, प्रभादेवी, बम्बई-400 025, में स्थित है।

श्रमुसूची जैसािक क० सं० श्रष्टै० - 2/37 ई० ई०/13620/ 84-85 और जो जक्षम प्राधितारी, बंब्बई द्वारा दिनांक 19-10--1984 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिशारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-2, बस्बई

दिनोंक: 1-6-1985

मोहरः

इक् प्रार्थः थी . युव् : एक् : -------

नाव्धर निर्मातयम 1961 (1961 का 43) की नाहा 269-न (1) के व्योग स्थान

नारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई अम्बई, विनांस 1 जून 1985

यस्यद्वः, ।यस्तरः । जूस 1965

निर्वेश सं० भई०- 2/37 ईई/13582/84-85--श्रतः मुक्षे, सक्षमण यास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उनत विधिनियम' नहां गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चात करने का कारण हैं कि स्थाप्य संपत्ति, विश्वका उपित बाबार मूक्य 1,00,000/- रहें से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 8, तीमरी मंजिल, स्वीट होम कोझापरेटिव हार्जीनंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं० 442, पीतांबर छेन, माहीम, बम्बई 16 में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ मनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञत हैं), और जिसका करार-नामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 16 प्रक्तूबर 1984।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान इतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास स्वरं का कारण है कि मधापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार स्वय, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का कल्द्ध प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंत्यरिती (अन्तरित्वाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-कल्क्स निम्निजित उद्देश्य से उच्य अन्तरण निवित में वास्त-विक स्व से किया नहीं किया गया है -

- (का) अन्तरक के शुर्व किसी बाव की बावछ, उनके अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावितक में कभी करने वा उनके वचने में क्षिमा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, चिन्ह भारतीय आय-कर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) था उत्तर निधिनयन, या धनकर निधिनयन, या धनकर निधिनयन, 1957 (1957 का 27) को प्रयोधनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया वाला शाहिए था कियाने में निवास के लिए;

कतः सव, तक्त लिभिनियभ की भारा 269-व के, कनुहरूप वी, मी उक्त लिभिनियम की भारा 269-च की उपभाय (1) विविधित व्यक्तियों लभीत (----

- (1) श्री नारियन दास करनाइया लाल मेहता (श्रन्तरक)
- (2) श्री अर्जन मामदास धर्नीसगादी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त कम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानेंप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास, सिकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उल्ले अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं 8, जो तीसरी मंजिल, स्वीट होम कोग्रापरेटिय हाउँदिग सोताइटो लिमिटेड, प्लाट नं 442, पीतांबर लेन, माहीम, बम्बई-400-016 में स्थित र।

सनसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई०- 2/37 ई० ई०/13582/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बन्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण् द्रास, सक्षम प्राष्ट्रिकारी, सहायक घायकर घायुषत (निराक्षण), घर्जन रेंज-2, धम्ब**र्**

षिनांक: 1-6-198**5**

मोह्य ७

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंश-2, वस्वई वस्बई, विनांत 1 जून 1985

निर्देश सं० अर्थ०--2/37 ई० ई०/13980/84--85--प्रतः मुझे, राक्ष्मण दासः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 8, ग्रीन फील्ड, बापड थाजार, माहीम, बम्बई-400 016 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूती में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जित्तका कराये
्वामा आव हर श्रिधिनियम की धारा 269 के खें के श्रिधीन संअम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिनस्ट्री हैं, दिनोंक 30 शक्तुवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचिए में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा वायित्व के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अबं, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, भैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्धात् हु— (1) मेसर्स इंडस्ट्रियल सेरफेस कोटिंग्स

(प्रनारक)

(2) श्री हीरालाल देवचन्व सांधवी

(ऋन्तरिती)

(3) मेसर्स ज्योति एजेंसीख (वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

शाप नं० 8, जो ग्रीन फील्ड, कापड बाजार, माहीम, .ब≭बई--400-016 में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा कि ऋ• सं० ऋ६०-2/37 ६० ६०/13980/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब६ द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज- 2, बम्बर्ड

विनोक: 1-6-1985

प्रकल कार्यं हो । प्रकृत प्रकृतकारण

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुमना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज- 2, बम्बई

भम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्वेश सं० श्रई०--2/37 ई० ई०/13204/84- 85---अत: मझे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक परवात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव एम यूनिट, प्याट नंव 408, मोगल लैन, माहोम, बम्बई-400016 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से चणित हैं), और जिसका करारनामा आयमर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रम्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत उक्त सिप-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य मास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

बत: बन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त व्योधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्षात् म— (1) श्री शरद सुखलाल शाह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रागजी नामजी परमार

(श्रन्तरिता)

(3) धन्तरक

(वह व्यक्ति, जैंगसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति को नर्जन को संम्बन्ध में कार्ड भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरिक्क पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्ची

्र एक यूनिट, जो प्लाट नं० 408, मोगल लैन, माहीम, अम्बर्ध-400016 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई० → 2/37 ६० ६०/13204/ 84-85 और जी सक्षम प्राधिवारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1384 को रजिस्टर्ड रिया गया है।

> लक्ष्महाँ दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-6-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस-----

ं बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रियितय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

भिर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13983/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 702, बिल्डिंग नं० 16, सातवीं मंजिल, विलेज ग्रीमिवारा, बहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध मिंगूज़ी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करार-मामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 30 अक्तूबर 1984

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित. की गई है और मुक्के यह विश्वान रिने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजान पूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल कर किन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अस्य कास्तिको को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कि अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गव। या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध। के लिए;

शत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री क्षियाउद्दीत बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री डा॰ मुनावर हुसैन पर्दाभ, ग्रौर श्री मोहम्मदअली एचं॰ ग्रैदा

(अम्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिथ् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

रुक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में काहि भी वाक्षेप रू-

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराब इ 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्याक्तया पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावंद सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्टीकरणः— इसेमाँ प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गळ. हैं।

प्रनुसूची

पलैष्ट नं० 702, जो बिल्डिंग नं० 16, साप्तवीं मंजिल, सर्वे नं० 41 (पार्ट) विलेज घोशिजारा, बहराम बाग के पीछे, जोगश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37 ई० ई०/13983/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जैभ रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4--6--1985

महेहर 🗈

प्रकप बाई टी एन एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 जूम 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13982/84-85-अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जितकी सं० पर्लंट नं० 702 बिल्डिंग नं० 15 सातवीं मंजिल विलेज म्रोशिवारा बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प०) बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रांर जिसका करार-भामा आयकर अधिनयम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, विमांक 30 अक्तुबर 1984।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिश व्यक्तियों अधीतः ः— (1) श्री क्षियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री अब्दुल रसूल जी० मेगजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—हसमं प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 702, जो बिल्डिंग नं० 15, सातवीं मंजिल, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोगिवारा, बेहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400 058 में रिथत है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37 ई० ई०/13982/84-85 श्रीर जो सक्षम श्राविशरी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिल्टई किया गया है।

नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बस्ब€

दिनांक: 4-6-1985

प्रकृष वार्षं हो . धन . एस . --- --- ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सबीय सुवधा

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 जुन 1985

निर्वेश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13981/84-85-अत: मझे, लक्ष्मण दास,

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे पश्चात 'उपन मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के बाबीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि रवाबर संपत्ति जिसका अचित बाजार मृहय

1,00,000/- रा. से अधिक **है** ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंध नं० 702, बिल्डिंग नं० 17, सातवीं मंजिल, विलेज श्रोक्षियास्य, बहुराम बाग के पीछे, जोगश्वरी (पश्चिम), बम्बई-400058 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रांट पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रांट जिसका करार-मामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 30 अक्तूबर 1984।

का पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घीर धन्तरिकी 🖁 (ब्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रम्तरण के लिए तय पावा गवा प्रांतिः क्रम्य निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तन श्रन्तरम लिखिन में बारनारेट म्प से कश्चित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबता, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; थोर/श
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हें भारतीय भागकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चिनियम, या धन **कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं विका गया या था निया जाता जाहिए। स्वर् कियाने में सुविद्यः के सिष्टः ।

मतः जव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार्स (1) - अधीत, जिस्ती**लांचत व्यक्तियाँ, अधाँत् छ—**-53-156GI/85

(1) श्री जियाउदीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री मजहर मेगजी.

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तलाबंदी व्यक्तिया भा सुचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अयि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेषित म्बिदितयों में से किसी स्विधत दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख लें 45 विन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त भिक्तिसम्, के अध्यात्र 20 क में प्रशापिक, धन नी, बहां कर्र हरणा को उस्त अध्याय की क्षिय यवा है।

अनु पृथी

फ्लैंट नं० 702, जो बिल्डिंग नं० 17, सासवीं मंजिब, सर्वे नं० 41 (नार्ट) विलेज श्रीमितारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेएवरी (परिचम) बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37 ई० ई०/13981/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्मग दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बस्बई

दिगांन : 4-6-1985

शक्य बार्', टी. एन. एस.-----

बाएकर व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन स्मना

ब्राह्म बहुकार

कार्यासयः सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13802/84-85--अत: मझे, लक्ष्मण दास,

ानकर दिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें,, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर संपत्ति जियका उचित वाजार मृत्य :

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, बिल्डिंग नं० 14, देसरी मंजिल, विलेज स्रोणितारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 25 अक्तूबर 1984।

की प्राचित सम्मिति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यक्षान प्रित्तकत के लिए अन्तरित की गई हैं, और मुक्के यह विक्वास करने का कारण हैं कि यथापर्योक्त संपर्तित का उचित् बाकार अन्त्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) औ बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया नमा अतिफल, निम्नितिचित्त जन्नदेशा से अक्त अन्तरण मिन्हित हैं वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बनारक से हुई किसी बाब की अवन उसत शी-विवस की बचीन कर पोने के सकरक से राजित्स हैं कभी करने या उसमें बचने में सुनिभा के तिया बीर/बा
- (वा) ऐसी किसी काय या किसी प्रत पा अन्य लाम्लिओं कां, विन्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या सतकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निए:

हात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को उप्कीत निम्निलिक क्यक्तियमें, अर्थात :-- (1) श्री झियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री सदागन्द डी० बापट

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्वाँक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उटत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को क्रेक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

क्रमा सी

पलैंट नं० 203, जो बिल्डिंग ं० 14, दूसरी मंजिन, सर्वे नं० 41 (पार्ट), स्रोशिवारा जिलेन, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई०-2/37 ई० ई०/13802/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 25-10-1984 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्यूण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-6-1985

प्रस्य नार्षः दी एनः प्रसः ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थं (३) के जनीन सचना

- भागम् गाममान्

अर्वालय, सहायक भायकार मागुनत (निर्देशक)

अर्जन रेंग्रं-2, बान्हर्ष

बम्बई, दिशांज 4 जून 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13718/84-85---अत: मुझे, लक्ष्मण दारा,

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंड नं० 40!, लिल्डिंग नं० 7, चांथी मंजिल, लिलिंग श्रोजिताला, बहुत्तम जाग के पीछे, जोगेश्वरी (५०), बम्बई-400 058 में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिजका जरारनामा आयकर अधितियम की धारा 259 वा ख के अधीत सक्षम प्राधितारी के कार्यालय, वस्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 20 अक्तूबर 1984

को पूर्णनित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवजान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और सूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विन्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल का भेचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) की बीच एसे अन्तरिय के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिवत उद्देश्य से उन्त बन्तरण निर्वित्त में वास्तिक रूप से क्रियन नहीं किया वया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन यार दोने के अन्तर्य के दाजिस्य के कम। करने या उससे बचने के सृष्धा के किए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 1) भा खन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोधनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) चै जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ७(1) श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद गरीफ मोहराली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संयंध में कोई भी जाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को ताशीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति कें हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कें शास सिवित में किए था सकोंगे ।

स्वत्वीकरण ३---इसमें प्रयुक्त बन्दा और पर्वो का, को सक्क विभिन्निम के विभाग 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिवा ग्या हैं।

जन्तु ची

फ्लैंट तं० 401. जो बिल्डिंग तं० 7, चौथी मंजिल, सर्वे 41 (पार्ट) तिलेज श्रीशित्ता, बेहराम बेत के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम) बम्बई-400.058. में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-2/37 ई० ई०/13718/ 84-85 ग्रीर: जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिशांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज→2, बम्बई

दिनांक: 4-6-1985

प्ररूप कार्यः, टी. एगः प्रसः, ------

· आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आय 269-म (1) के अभीन सूच्या

भारत सरकार

आयांलय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिशांक 4 जून 1985

भिर्वेर: सं० अई०-2/37 ई० ई०/13713/84-85---अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिनकी सं० फ्लैट नं० 602, बिल्डिंग नं० 17, छटी मंजिन, विलेज प्रोणिवारा, बेह्राम बाग के पीछे, जोनेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (प्रौर इसके उत्तबद्ध अनुपूची में प्रीर पूर्ण रूप से पणित हैं), प्रीर जिल्ला कराराजामा आयार अधिविधम की धारा 269 ज ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिसांक 23 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रशिक्षण से एमें रश्यमान प्रतिकार भा पेद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुक्ष किसी बाद की वाबत उपक अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे स्थाने में सुदिशा की किए: ऑफ़्र√सा
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (नर्जें) का 11) या उनत अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जिया सुविभा के सिए;

अक्ष: अब, उक्त अधितियम की भाग 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात् ६—— (1) श्री जिया उद्दीन बुखारी

(अन्सरक)

(2) श्री अमीना तालिय गजाली

(अन्तरिती)

भी यह सुभवा बाड़ी करुके पृत्रों कर बन्दित के वर्धन के हिन्द् कार्यवाहियां करता हुं।

वनम् वन्मीरत के नर्बन के बुम्बन्ध में सोही श्री शाखेदधन

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकासन की तारीय है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सब्दिश, को भी वर्षाय माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्मृतिस्ता में से किसी स्वनित् द्वारा;
- (त) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बात निवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्वीकरण: --- इतमे प्रयुक्त शस्त्रों भीर पदी का, वा उपने विभिन्नियम, के अभ्याय 20-क में प्रिशावित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका सवा है।

बर्श औ

फ्लैंट नं० 602, जो बिल्डिंग नं० 17, छटी मंजिल, सर्वे नं० 41 (पार्ट) विलेज श्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल संव अई०-2/37 ई० ई०/13713/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॅज-2, वस्बई

दिमां क : 4-6-1985

मोहर 🛭

प्रस्त नार्'्टो पुन् पुरु ु----व्यवस्यवस्य

अ। यकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

मारव सरक्रा

कार्वासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 4 जुन 1985

निर्देश सं० अर्६०--2/37 ई० ई०/13712/84--85---अस: मुसे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० पर्लंड नं० 402, बिल्डिंग नं० 16, जीयी मंजिल विकेश श्रीणियारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400053 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करार-नामा आयकर व्यविधियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिगारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, विमांक

20 अक्तूबर 1984

को पर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अक्षके उध्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के शिष एसे अवरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ति कल, निम्नेसिसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क), जन्तरण संहुद्ध किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्व में अभी करने ना उसने नचने में सुविधा के किए; बारू/वा
- (को एको किमी काप्रया किसी भर सा प्रत्य जान्तियों का जिन्हें भारतीय कास कार बिधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुनिथा के सिए;

बत बक, अबत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जिया उद्दीम कुखारी

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुसैन खालिफी

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप प्र-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिन्त में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उत्रत रथावर हम्पांक्ष में हितसम्ब किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्स लिखित में किए जा सकेगें।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

ं फ्लैंट नं॰ 402, जो बिल्डिंग 16, चौथी मंजिल, बिलेज भोशिबारा (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे, जोगेम्बरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई०-2/37 ई० ई०/13712/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20 अक्तूबर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर अध्युक्त (भिरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक: 4-6-1985

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० अई०-2/37 ई० ई०/13978/84-85---अत: मुझे, लक्ष्मण थास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, बिल्डिंग नं० 13, सातवीं मंजिल विलेज प्रोशियात्रा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में श्वित है) प्रांर इससे उपाबद अनुसूची में प्रांर पूर्ण रूप से विपति है), प्रांर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 17 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय । शावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कर्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, नथीत :—

(1) श्री जिया उद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री खुदेजाबी मदार खान ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध् किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुस्पी

पलैप्ट नं० 701, जो बिल्डिंग नं० 13, सातनी मंजिल, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प०) बम्बई-400 058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई०-2/37 ई० ई०/13978/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण द्वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिमांक: 4-6-1985

प्ररूप बार्ड को एन एस् ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड अम्बर्ड, दिनांक 4 जून 1985

निर्देण सं० म्रई०-2/37 ई०ई०/13127/84-85--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयहार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 401, बिल्डिंग नंव 5, चौथी मंजिल, बिलेज ओणिबारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्यरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है (और ६ससे उपाबक्ष प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है), और जिसका करार-नामा प्रायकर ग्राधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजरड़ी है, दिनांक 3 प्रक्तूवर 1984

द्यो प्थेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित गई। किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के द्रांस्यत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एोनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को सिए;

भक्त अथ, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरणी मी, मी, उक्त राधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, सर्थात् :--- (1) श्री जियाउदीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मव ६स्मेल अन्दुल कावर मुकी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोडे भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर प्रवेकिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उच्छा अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

जगस भी

फ्लैंट नं० 401, जो बिल्डिंग नं० 5, चौथी मंजिल, सर्थे नं० 41 (पार्ट) विलेज ओणिवारा, देहराम बाग के पीछे, ओगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित हैं।

भ्रनुसूची जैसा कि ५० सं० भ्रई०-2/37 ई० ई०/13127/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 4-6-1985

मंडिर 🕹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)
 प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० भ्रई-2/37 ई० ई०/13717/84-85---भ्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

स्रायकर शिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु, से अधिक है

और जिसकी संव पर्नेट नंव 103, बिल्डिंग नंव 8, पहली संजिल, विलेज ओफिवारा, देहराम भाग के पीछे, जोगेक्वरी (पव), बम्बई-400058 में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),और जिसका करार-नामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1984

करो पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुभे यह विश्वास करने का कारण

कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) की अंतरिक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिल उद्देश्य से उद्देश उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिल नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूर्टिया के लिए; अरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में श्रीविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित क्र-- (1) श्री जियास्त्रीन बुद्धारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीधयूब ६ आहिम।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वेंक्ति सम्पत्ति के कर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

छ बत संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भे 45 दिन की अवधि या तत्में बंधी व्यक्तियाँ एक स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम को अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वोगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पर्लंट मं० 103, जो बिल्डिंग नं० 8, पहली मंजिल, सर्घ मं० 41 (पार्ट), विलेज ओशिवारा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि २०० सं० भ्रई०-2/37 ई० ई०/13717/ 84-85 और जो सकम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 4--6--1985

प्ररूप बार्ड , टी , एन , एन . .

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की

मारत वरकाइ

कार्यां सम, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ई० ई०/13703/84-85—ग्रत: स्हो, लक्ष्मण दास,

कायकर किधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित. जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव पत्तैट नंव 604, बिल्डिंग नंव 7, छटी मंजिल, विलेज ओशिवारा, बेहराम बांग के पीछे, जोगेश्वरी (पव), बम्बई-400 058 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर ग्रिक्षितमा 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक-20 ग्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत् से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कत्ति निम्निसित उद्देश्य से अवस असर्ग में विश्वित करा निम्निसित उद्देश से अवस्त अस्त स्वाति स

- [क] बन्तरम से हुई विक्री बाम की शावत उपत अधिनियम से बधीन कर दोने से अन्तरक के धावित्व में क्यी करने वा उत्तरे अचने में क्विया के लिए और√या
- (क) एसी किसी अस वा किसी धन या अन्य अमेरतयों को, जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनस्य, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनस्य, 1922 का 11) या उत्तत अधिनस्य, या धन-कर अधिनस्य, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्थ अन्तर्गिती दुवार अक्ट नहीं किस अव्यावनार्थ अन्तर्गिती दुवार अक्ट नहीं किस अव्यावनार्थ अन्तर्गिती दुवार अव्यावनार्थ सन्तर्गित दुवार अव्यावनार्थ सन्तर्गित व्यावनार्थ सन्तर्गित सन्तर्गि

कतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग क अनुसरण वै, वै, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारः (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

54—156GI/85 (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अञ्जास रहीम मापारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पेरे सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीभ, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्था के राजपण में अकासन की तारीय से 45 विन के मौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति से हितेन्द्रभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकरी के पास लिक्ति में किए का सकेंगे

स्वच्छोब्दरचा:- -इटानें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उक्त बीधिनवम के अध्याय 20-क में धीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो तस अध्याय में विका ग्वा है।

द्धन स्थी

पलैट नं० 604, जो बिल्डिंग नं० 7, छटी मंजिल, सर्वे नं० 41, विलेज ओशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि ३० सं० ग्रई०-2/37 ई०ई०/13703/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 4-6-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहे. टी. एन . एस . -----

आयकर् अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा २69-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, बम्बर्ध

' बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 602, बिल्डिंग सं० 8, छटी मंजिल, बिलेज अशिवारा, देहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणात है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क के अधीन सक्षम आधिकारी के बायिलय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22 अक्तवर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरणं सें. भें उवत अधिनियम की धारा 269-प्रकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) श्री जियाउदीन बुखारी ।

(अन्स क)

(2) श्री नासिर ग्रहमद मोहम्मद साहेब ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के औत्तर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी अविकत्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाझ-तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

पर्लैट नं० 602, जो बिल्डिंग नं० 8, छटी मंजिल, सर्वे नं० 41, विलेज ओणिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेण्वरी (प०), बम्बई-400 058 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि के० सं० ग्रई०-2/37-ई०ई०/13756/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकाँगी, सहायक आयकर **श्रायुक्त (निरीक्षण),** श्राप्ति रेज-2, बम्बई

दिन्तानः : 4-6-1985

प्रकम् नाहर् टी पुन् पुरु ,-----

नामकर निर्धानन्त, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-म (1) में नभीन नुमन्ना

HITO TOWE

कार्याज्ञय, तहार्थक आयकार जानूक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/13605/84-85--ग्रत: मुझे लक्ष्मण दास.

भायकार निभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परभात् 'उनत अभिनिवम' अहा गया ही, की भारा 269-च के सभीन तथाम प्राधिकाड़ी की यह विश्वात करने का आरंग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 302, बिल्डिंग नं० 16, तीसरी मंजिल, विलेज श्रोकिवारा, बेहराम भाग के पीछे, जोगेहेवरी भूग), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रेनुसूची में (ग्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), ग्रौर जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

भी पूर्वीक्त संपरित के जीवत बाजार भूग्य से काम के अस्प्रांत प्रतिकत के 'स्य अन्तरिक की नहीं हैं और मुखे नहीं क्लियात करते का का का कि का बाजार क्ष्य , उसके अवसान प्रतिकत्त के पांचे करवाल प्रतिकत के प्रतिकत के अवसान प्रतिकत्त के पांचे करवाल प्रतिकत के प्रतिकत से विभक्त हैं और बंधरक (बंधरका) की विभक्त से विभक्त हैं और बंधरक (बंधरका) की से विभक्त से विकास के बिद्द तस पासा एवा प्रतिकत्त , निम्निक्षित उद्देश्य से उन्देश बंधरण के बिद्द तस पासा एवा प्रतिक्षय , निम्निक्षित उद्देश्य से उन्देश बंधरण के विभक्त में वास्त्विक क्ष्य से किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुन्दें किसी बाव की वावल, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी नाव मा किसी भन या कम्य जारितकों को, जिन्हों भारतीय नायकर विभिनियन 1922 (1922 का 11) वा स्वत विभिनियन, या भन-कर विभिनियन, या भन-कर विभिनियन, 1957 (1957 का 27) के ह्यांक्रशर्य क्नियों क्नियों हवारा प्रकट नहीं किया स्वा था वा किया आवा आहिए था, कियाने वे क्षिण के सिए;

अतः अभ, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी

(मन्तरक)

(2) श्री बाशीर शैंक श्रहमद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां सुरू करता कूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में दहाई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विषय में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (ब) इत सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 बिन के भीतर उसत स्थावर सम्मित्य में हिन-बबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहरताक्षरी के शक्ष सिचित में किए वा सकते।

अमुसूची

पलैट नं० 302, को बिलिंग्डग नं० 16, तीसरी मंजिल सर्वे 41 (पार्ट), विलेज श्रोणिवारा, बेहराम बाग के पीछे जोगेणवरी (पिष्वम), बम्बई-400058 में स्थित हैं। श्रनुसूची जैसािक सं० श्रई-2/37ईई/13605/6दिनांक 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकाी, बम्बई द्वारा 19-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बस्बई

तारीख: 4-6-1985

प्रकृत बाहु . टो . एर . एस . 😁

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 को 43) हो पास 269-ए (1) के मधीन सुचना

धारत बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

मिर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13742/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके पश्चात् जन्म अधिनियम कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उम्बत वाकार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लैट नं 604, बिल्डिंग नं 14, छठी मिजल, विलेज श्रोशिवारा, बेहराम भाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), में बम्बई-400058 से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध-अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवांक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एके व्यमान प्रतिफल का क्ल्यूड प्रतिकात से अधिक हैं और जंतरिक (अंतरकों) और अंतरिक (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरभ के लिए तब पाया नमा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त सन्तरण निश्चित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण ते हुई फिली बास की शबत, उपते अधिनिवृत्य से बधीन कर दोने के अन्तरक के वासित में कभी करने मा उससे बधने को स्वीत्रधा से सिक्; बीहर/का
- (ब) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम या अनुकर अधिनियम, १९५७ की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सकिशा औं लिए;

भतः नव, उक्त विधिनियम की धारा 260 र है उपस्ति । बै, वै उक्त विधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात (1) श्री जियाउदीन बुखारी

(ग्रन्तर

(2) श्री शेख ग्रहमद शेख उस्मान्

(ग्रन्तरिती))

को यह सूचना बारी करके पर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्व कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
 पास न्दिवित में किए जा सके ग

स्पटकिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उतिनी कि कि पिनियम के अध्योग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया

जन्स्ची

प्लैंट नं० 604, को बिल्डिंग नं० 15, छठी मंजिल सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज स्रोशिवरा, बेहराम भाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बस्ब $\frac{1}{2}-400058$ में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क सं $2\sqrt{37}$ $\sqrt{37}$ $\sqrt{37}$

लक्ष्मः दास सञ्जन प्राधिकारी सहायक अध्यकर अध्यक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 4-(-1985

ब्रह्म नाइं.टी.एन.एस. -----

भागकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन मुचना

भारत वरकार

कार्याज्य, सङ्ख्यक भाषकर आयुक्त (विरोधिका) श्यांत रिज-2. ब्यावर्ड

बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश गं० ग्रर्ट-2/37ई $\xi/13022/84-85$ —-भ्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

ायकर स्थिभियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पक्षात् 'उत्तः अभिनियम' काहा गमा श्री, की धारा 189-- धार्क मधीन स्थान प्राधियारी को यह विक्टास करने का प्ररुप हो कि गावर सकति, विकका उनित बाजार मूस्य 100,000/- क. से नीमक है

ग्रीर जिसकी मं० पतिट नं० 604, बिल्डिंग नं० 9, छठी मंजिल, बिलेज श्रोशिवारा, बेहराम भाग के पीछे, जांगेश्वर (प), तस्वई-500058 में स्थित है (श्रीर असे उपावद्ध स्तूसूची में श्रोर पूर्ण रूप में बिलत है), श्रीर विसका करार-नित्या ग्रायकर ग्रीधिनियम को धारा 269 कला के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यातर, बनाई में रजिन्हों है, तारील 1-10-1984

को पृष्टिक संविध्य के अधित काकार पृष्य से कम के दश्यभान प्रतिकाल के लिए अस्तिरिक की गढ़ हैं। और मुक्ते वह निकास करने का कारण हैं। कि अधार में कर निकास करने का कारण हैं। कि अधार में कर समार अधिक का कारण मुख्य, उद्यक्ते का अधिक हैं। को से क्ष्यमान प्रतिकाल का पण्या प्रतिकाल से अधिक हैं। को से अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिकी (अन्तरिकाँ) के बीध एसे अन्तरण के लिए तब पाया एया। अधिकाल, निकासिकाल उद्यक्ति से अस्त अन्तरण निकास के अधिक रूप से अस्तिकाल स्था से क्षिण तक की लिए तक सामा की स्था से अस्तिकाल स्था से क्ष्यित कहीं। किया गया हैं।....

- (क) शन्तरण ये हुई किसी ब्राय की बाबत, अवत बिधिनियम के अभीत कर दोने के अल्सरक की बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए, और/या
- (ण) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिष्ठम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पूर्व प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा डे लिए।

भत्तः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अधीन, निक्निसिखित व्यक्तिगाँ, अर्थात् ४—— (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी

هي - معه بندر د الأمد دانشناده کامت مساور معه چوري و مهاي مورد و ۱۹۹۹ و ۱۹۹۹ و ۱۹۹۹ و ۱۹۹۹ و ۱۹۹۱ و در در در در

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शैक श्रजीज शैक श्रब्दुल

(भन्तरिती)

को यह बुखका कारी करके पृशेषक सम्परित के अर्थन के लिए कार्यकाहिका करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के संबंध में कीई भी नासेय :---

- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकासन की सारीच से 45 बिन की अविधि या तत्त्र म्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की सामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि स्विच्या की सी सामित स्वामित स्वामित
- (व) इस बुक्ता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब क्ष 45 विश्व को भीता उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध स्थिती बन्ध व्यक्ति त्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास लिकित में किय जा सकोंगें।

बन्द्र सी

पलैट नं० 604, को बिल्डिंग नं० 9. छठी मंजिल, सर्वे नं० 41, विलेज ग्रोणिवारा, बेहराम भाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/13022/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण ग्रर्जने रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-6-1985

प्रकृष् अहिं ही एन पुत्त :

भायकार भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

- भारत सरकार

कार्यात्रव, सहावध नायकर नायुक्त (निर्दालक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जून 1985

निर्देश सं० ग्रर्द-2/37ईई/13073/-84-85—श्रतः मुझें, लक्ष्मण दास

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा थया हैं), अर्थ भारा 269-ल के अधीन सक्षम पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विसका उपित बाधार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

मंजिल, विलेज श्रोशियारा, बेहराम बाग के पीछ, जागेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (श्रौर इससे उपाब इ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपितित का जाजत बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय माबा जबा प्रतिफल, जिल्लाचिक स्थ्येक से उक्त बन्दरण मृश्वित में वास्त्विक स्थास किथात नहीं किया गया है;——

- (क) अंतरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक को दायित्व में कजी कर्डन वा उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में तुनिधा के लिए;

भतः भव, उक्त क्रीभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरक भी, मी, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिसित स्यक्तिरां, अर्थात् :-- (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रॉन क्रस्टाइन पांडियार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्रूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप उ-

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तार्थि थे 45 दिन की अनिध या तरसंबंधी व्यक्तियों ५२ सूचना की सामील से 30 दिन की अनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति के हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के श्रम्भ लिखिस में किए जा सकति।

स्वक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भे दिया। गवा हैं।

भगवाचे

पलैट नं० 502, को बिल्डिंग नं० 17, पांचवीं मंजिल, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोशिवारा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई-500058 में है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13073/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 4-6-1985

प्रकप बाइ .टी. एत , एस . ------

लांसकर क्षांपिनियस . 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के लिपीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिशांक 4 जून, 1985

निर्देण सं० ग्रई--2/37ईई/13604/84-85---ग्रतः मुझे, सक्ष्मण दास्र.

जासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्में इसके पश्चात 'उजत अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनको सं० एतेँट नं० 304, बिल्डिंग नं० 17, तीसरी मंजिल, विलेज श्रोजिवारा, बेहराम भाग के पीछे, जोभेश्वरी (२०), बम्बई—400058 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अर्नु को में श्रीर पूर्ण का म वेणित है), श्रीर जिनहा करार-नामा श्रायहर श्रीवित्यम का धारा 269 कव के श्रधांन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के सिए: शौर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्दू भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) ना उन्तर निधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ किया जिल्हें क्रिया प्रतिकार की किया के सिए;

 अत: वंक, उक्त वॉथींस्यम की भारा 260-ग के मनुव्यक्त मी, मी जयत - कीनियम की भारा 260-थ की नपभास (1) की अकीय - विकासिक किन क्यांक्रिकों अर्थात क्रमां (1) श्री जियाउद्दोन बुखारी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल रणीद ग्रब्दुल वाहिद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 विन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स स्थितयों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कर्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध क्षेत्रा, को इस अध्याम में विद्या गवा हैं।

अनुसूची

पर्लंड नं० 304, जो बिल्डिंग नं० 17, तीसरी मंजिल, सर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोणियारा, बेहराम भाग के पीछे, जोगेश्वरी (पश्चिम), बम्बई 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13604/84-85 श्रीर जो सक्षम पाधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 19-10-1984 को रिजिस्टर्श किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षमणाधिकःरी सहायक ग्नायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, बस्बई

नारी**ख**: 4--6-1985

प्ररूप बाह .टी.एन.एस .-----

आयेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरिक्षण) अर्जन रेज-2, वर्म्वैई

बम्बई, दिनांक 4 जून, 1985

निर्देश सं ० ग्रई-2/37ईई/13782/84-85---ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लैंट नं 202, विह्निंड नं 1 (एच० जेड), दूसरी मंजिल, विलेज ग्रोशिवारा, बेहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध ग्रमू मूर्चा में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुए किसी बाद की बाबत, उक्त बीधीनयस के अधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्य में कभी करने का सरसमे बचने में सुविधा के निए;

एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या किन्यर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियान में युविधा

भक्त: अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (भि के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरू (1) श्री जियाउद्दीन बुखारी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अब्दुल करीम शाह राजगुरू

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति , के अर्जन के लिए अर्थनाह्यां कारता हूं।

डक्त संपर्ति के बर्जन के संबंध में क्रोड्रें भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा रिकेर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पलैट नं० 202, जो बिल्डिंग नं० 1 (एव० जैड) दूसरी मंजिल, पर्वे नं० 41 (पार्ट), विलेज श्रोशिवारा, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरी (प), बस्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूर्चः जैसा ि क० सं० श्रई-2/37ईई/13782/384-85श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

ल आग दान ्ब क्रियाधिकारी सहार अस्यवार **आ**युक्त (दिरीक्षण) स्रवीतः रीज-2, बम्बद्दे

तारीख: 4-6-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

कायभर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/13019/84-85--म्ब्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 2, जमीन मंजिल, प्रक्षं श्रीटंमेंटस, लिलक रोड़, सांताक्र्ज (प), बम्बई—400054 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1 शक्तूबर, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एंसे दृश्यमान प्रतिफाल के लिए हैं और अंतरिकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफाल, मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखित में बास्तविक हुए से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए।

(1) श्री झरीन बेक्स्टर

(भन्तरक)

(2) मैसर्स नेशनल फेडरेशन आफ लेबर (एन० एफ० एल०)

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पतिः के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ज है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमम्ब

क्लाक नं० 2, ग्राउण्ड फ्लोर, जो श्रुक्ण श्रपार्टमेंटस, तिलक रोड़, सांताऋूज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/13019/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहत ॥

प्रकथ अर्घ टी एन एस

रायका को धानिया , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के क्यान स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
वम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13818/84-85--- अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन अध्यम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पनि, जिसका उचित बाजार सस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 9, रेशमा ग्रपार्टमेंटस, दूसरा हसनाबाद लेन, सांताकूज (प), वस्वई-400054 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 26-10-1984

की प्रवोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार ब्ल्य से कम के इस्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने करूने का उत्तरण है कि यथाण्यें का सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिक्षन से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के हीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत उक्त कि कि जिन्म की अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व के अभी करत दा उक्से बचने में सुविधा के निए: बीर/बा
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, शि धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुनिधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण : में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्कृतिस्थित व्यक्तियों, अधीस १---

- (1) श्री मोहम्मद अक्तर हाजी अहमद मोतिवाला, श्री हरुण रणीद हाजी अहमद मोतिवाला, श्री हाजी अली मोहम्मद एम० मूजावाला। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती झयबुन्निसा ए० एस० लखा, श्री मोहम्मद इकबाल ए० एस० लखा (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्राँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तस्रीक है 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वापन की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी सबक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी कृत्य व्यक्ति क्वारा बभोहस्ताकारी की पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थादिकरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को कथ्याय 20-क में परिशाधित हाँ, बहुत अर्थ होगा, जो उस कथ्याय मेरे दिस्स यदा हाँ।

वन्त्रभी

शाप नं० 9, जो रेशमा श्रवार्टमेंटस, दूसरा हसनाबाद लेन, सांत्राक्रूच (प), बम्बई 400054 में स्थित है।

बनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37ईई/13818/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

गोहर 🔞

प्ररूप . बार्ड . टी. इन , एँस . ---------------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

बारद बरकाइ

कार्याक्षय, सहायक नायकर नायक्तं (मिरोक्षिण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बेंम्बंड, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13048/85-85--ग्रतः मुझे, क्रमण इस

बायेकर विविधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसेंके प्रचात् 'डेंक्त अधिनियंक' केंहीं गयी हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

%ीर जिसकी सं० शाप नं० "बी०" जमीन मंजिल, कोशी निवास, मालवीया रोड़, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे र्वाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को उचित बांबार मूल्यं से कम के स्वयंभान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) औ<u>र</u> बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बबा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्द्र अंतरण सिद्धित् में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- .(क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, बीधनियम को बंधीन कर दोने के बन्तरक के खायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: बर्स या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या े किया बाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए:

अतः अषः उक्त अधिनियम की भारा 263-ने के अनुसर्का मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा र्≸ि 🗳 बधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, बर्थातु 🖫 🗕

(1) मैसर्स नीत्रा एसोसिएटस

(अन्तरक)

(2) डा० शिरीश प्रभाकर उरानकर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरः करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- ्र (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ट व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दवाराः
 - (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थाप्य प्रवर्गन को विकास बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदीकरण:--इसमें प्रयुक्त नानी बार पूर्वों का, जो सबेत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

शाप नं० 'बी०' को जमीन मंजिल, कोंशी निवास. मालविया रोड़, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13038/ 84-85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर :ै

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

गायकर गिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-2, बम्बई

ब्राम्बई, विनांक 1 जून, 1985

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेंट नं० 201, दूसरी मंजिल, माको भगार्टमेंटस, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20—10—1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दश्यें से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उक्से बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स शाको कंस्ट्रक्शन्स कम्पनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लारेन्स फांसिस वास, श्री जोसेफ कार्मिनो वास

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पिंदूर लिखित में किए जा स्केंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 201, को दूसरी मंजिल, शाको भ्रपार्टमेंटस, विले पार्ले (प०), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची कैसा कि ज॰ सं॰ ध्रई-2/37ईई/13682/84-85 धौर को सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहर 🎏

प्ररूप बाइरे, टी. एन. एस. चनन्य--====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 43 जून, 1985

निर्देश सं० प्राई-2/37ईई/13920/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मश्र दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लैंड जो विले पार्ले (पूर्व) एस० कं० 142 ए, हिस्सा नं० 7, सी० टी० एस० नं० 1695 क्लीर 1699, फैनल प्लाट नं० 272, टी० पी० एस० स्कीम 5, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 29—10—1984

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंश्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तम पामा गूमा प्रतिक का निम्निवित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विविद्ध में बाद्धिक स्प से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अक्टर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक हैं वायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सृति॥ के लिए; और/या
- (क्ट) एती किसी नाथ वा किसी धन वा बन्य बास्तिवां को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्तु ब्रिशिन्यम्, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

नतः नय, उक्त अधिनियम की भारा 269-न क अनुसर्थ मैं, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) मैं अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मैसर्स मजय एसोसिएटस

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स पूजा डेवलपर्स

(भ्रन्तरिती)

को नह पुजना धार्य करके पुत्रोंनस सम्मृतित से वर्षन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हो ।

व्यक्त ब्रम्पित् के वर्षन् के स्मन्त्र में कोई भी बाबोद:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्व व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकने।

स्पंकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पवाँ का, जो उनते जिसी प्रयुक्त शन्याय 20-क में परिभागित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास प्या है।

अनुसूची

लैंड जो बिले पार्ले (पूर्व), एस० नं० 142 ए०; 'ह्रस्सा नं०' 7, सी० टी०' एस० नं० 1695 एण्ड 1699, फैनल प्लाट नं० 272, टी० पी० एस० स्कीम 5, बिलेपार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि फ्रं॰ सं॰ भई-2/37ईई/13920/ 84-85 भीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राकृत रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर:

प्रक्ष थाइ . टी . एन . एस------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, धम्बई गम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं॰ अई-2/37ईई/14600/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायक र बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 117, पहली मंजिल, डी बिल्डिंग, भनसा इंग्रेस्ट्रियल इस्टेंढ, साकी विहार रोष्ट्र, की नाका, बम्बई-400072 में स्थित है (घार इससे उपाबद्ध भनुसूची में धौर पूर्णरूप से बिजित है), घौर जिसका करार-नामा भ्रायकर भिन्नियम की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के रहयमान व्रतिफ स के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृस्य असक रहयमान प्रतिफल से, एमे रहयमान प्रतिफल का पन्दह् प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया व्रतिफल, निम्नीन सित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि कि हा कि विश्व में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी जिसी नाय या जिसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूदिशा के लिए;

सतः अतः, उक्त सधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिचिक्त व्यक्तियों, सधीन क्ष्र— (1) मैसर्स भनसा बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विपिनचन्द्र हिस्मतलाल माह (धन्तरिती)

को यह सुक्ता आड़ी करको पुनीनत् सन्यत्ति में सूर्वा के हिस्स कार्यशिक्षमा सुरक्त कड़ता हो।

उन्त स्मारिक के अर्थन के सहनम्भ में कोई भी वासेन्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिवित मों किए जा सकोंगे ।

स्वस्तीकरणः इसमें प्रवृक्त कव्यों और नवाँ का, वा उमें अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनुषुकी

यूनिट नं० 117, को पहली मंजिल, डी बिल्डिंग, भ्रमता इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, बम्बई 400072 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋं० सं० भई-2/37ईई/13600/84-85 भीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राक्षिकीरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर ः

प्रकृप बाइ .टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वाम

बारव चडकार

कार्यास्त्र , सहायक सायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/13260/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 115; पहली मंजिल, एफ बिल्डिंग, अनसा इंडस्ट्रियल इस्टेंट, साकी बिहार रोड, साकी नाका बम्बई—400072 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका क्रिंग्सनमा अन्वकर अधिनियम की घारा 269 क ख के अधीन संजेम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, सारीख 5-10-1984

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की घड़े हैं और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापुर्वोचल संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उन्त अंतरण सिचित में गस्तिवक स्प से क्षित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत्त, सक्त बीधनियम की अधीन कर देने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा की विक्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तिओं की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसर्स अनसा बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मैड मेंन्युफैक्चरिंग कार्पोरेशन

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासंप :---

- (क) ध्रव स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट काक्टिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इंड ब्रुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीयं से 45 दिन के भीतर उक्त स्कानर सम्मस्ति में हितवक्ष्ण प्रेश्नती बन्य कावित क्यांस अभोहस्ताकारी के पास विश्वित में किए वा सर्वने।

स्परकीकरणः — इसमें प्रयुक्त पत्र्यों और पत्रों का, जो उक्त विभिन्नियम दें अध्याय 20-क में परिभावित ही, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गणा

अनसू**ची**

यूनिट नं० 115, जो पहली मंजिल, एफ बिल्डिंग, अनसा इंड स्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड, साकी माया, बम्बई—400072 में स्थित है।

अनुसूची जेसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13260/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को र्राजस्टर्श किया गया है।

> लक्ष्मण दास समा प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्ध

तारीख: 3-6-1985

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13259/84-85-कतः मुझ, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदसात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी संव यूदिट नंव 114, पहली मंजिल, एफ बिल्डिंग, अनसा इंड स्ट्रंग्ल इस्टेंट, साकी विहार रोड़, साकी नाजा, बम्बई-400072 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजात हैं), भीर जिसना करार-नामा आयनर अधिनियम की धारा 269 यख के अधीन समम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स अनसा बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रैड इंड स्ट्रोज

(अन्तिरसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कि लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45, दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट नं० 114, जो पहनी मंजिल, एफ बिहिडग, अनसा इंड देऱ्यन इस्टेट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूनी जैसा कि कि के सं० अई-2/37ईई/13259/84-85 श्रीर जो सज़म प्राधिनारी, बस्बई द्वारा दिलांक 5-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास संजम प्रा<u>र्</u>कितारी सहावक आयंकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन र्रेज-2, बम्ब**र्**

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🖫

प्ररूप् **वार्ड . टो . एप . एय**्युन-------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के वधीन सुचना

मारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिसांक 3 जुन 1985

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/13315/84-85-**य** : **मुझे,** लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थादर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 108, पहली मंजिल, बी बिल्डिंग, अनुना इंड ड्रेन्नन इस्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद अनुपूर्वों में श्रीर पूर्ण का में बॉणा हैं), श्रीर जिलका करार-रिमा अकाहर जोबोन्सम की धारा 269 वर्ष्य के अधीन समाम प्राविकारी के कार्यानय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 8-10-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अग्य है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबता, उत्तर प्रीपान्थम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवार, के सिए;

बत: अब, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--56—156GI/85

(1) श्री अस्तूरीनाल कुंदनलाल बासन

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मूनैक्स आटोमोटिव प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजा कर स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण :-- इसमी प्रयास्त शब्दों आर पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षोगा जो उस अध्यास में विसा गया हैं।

अनुसूची

युनिट नं० 108, जो पहली मंजिल, बी बिस्डिंग, अनुना इंड.स्ट्रेयल इस्टेंट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित हैं।

अनुमूची जैंसा कि क० सं० आई-2/37ईई/13315/ 84-85 छीर जी सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🏻

प्रकथ बाइ" टी एन एस . ----

बारफकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की बारफ 269 क (1) के बधीन स्वना

भारत सहस्रार

कार्यालम, सहामक आयक्तः आ**मृन्त (निरीक्षण)** ार्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बर्द्द, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं ० । । ३६-2/37ईई/13316/84-85-यतः, मृझे, लक्ष्मण धारा,

श्यक्षर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्यक पत्रवात जिल्ला व्यक्तियमं कहा गया है), की भारा 269-स के अधिन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का शिरण है कि स्थानर सम्पण्टि, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं युनिट नं 107, पहली मंजिल, बी० बिलिंडग, अनुसा इंड स्ट्रियन इस्ट्रेट, साकी विहार रोड, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित है (म्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से बणित है), म्रोर जिसका करार-नामा आपार अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 8-10-1984

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मला से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करत का कारण कि वाजापावन सम्प्रान्त का उचित बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के दीन एसे अन्तरण के निए तय पावा मया प्रतिफल विश्विक्षित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरिक्ष में पुष्टें कियों। नाम की बाबत उपल अधिक्रिक्ष में अधीन कर दोने के बन्तरक के द्वाधिका में कमी करने या नवसे अपने में सुविधा के लिए, केंप्रधा
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों गाण्डीय गास-सन व्यक्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा स्व व्यक्तियम, वा स्व प्रवास प्रवास विद्यास प्रवास प्रवास वा वा स्व व्यास प्रवास वा वा स्व व्यक्तियम के विद्य वा स्व व्यक्तियम के विद्य स्व व्यक्तियम के विद्य स्व व्यक्तियम के विद्य स्व व्यक्तियम के विद्य स्व व

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरक में प्रें, इक्षण अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री विजया भुंदनलाल वासन

(अन्तरक)

(2) मैसर्ध सूनैक्स आटोमोटिव प्लास्टिवस प्रोइदेट लिमिटेड

(अन्त्रिस्ती)

का नष्ट सूचना चारी कारके पुनानितः सञ्यक्ति के धर्मन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

उस्त बन्दरित के वर्षन के बन्दर्भ में खोदी ती बाधर्थः

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में बनाप्त होती हो, के शिवर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्वविद दुवारा;
- (च) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म स्थावित इवारा मधाहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए वा सकीय।

स्पच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभा⁹णक्ष हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया . पदा हैं।

नगस्त्री

"यूनिट नं० 107, जो पहली मंजिल, बी बिल्डिंग, अनसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड़, साकी नाका बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13316/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा धिनांक 8-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्रार्धिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारोख: 3-6-1985

मोहर:

बस्य बाह्र . टी . एन एस . ------

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-2, बम्बर्घ बम्बर्घ बम्बर्घ, दिनांक 3 जून, 1985 निदेश सं2 प्रर्दे-2/37र्हेर्दं/13660/84-85—प्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), भी धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं पूर्तिट सं 118, पहली मंजिल, की क्रिंगिल, प्रमास मंडिस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नेत्रका, बम्बई-400072 में स्थित हैं (और इससे उपावक अमृत्यूची में और पूर्ण रूप से वीणत है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कर के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्जिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृख्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिसित के बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :——

- (क्ष) अन्तरण के हुद्द किसी नाव की अन्तरत, उक्षत विधिनियम के अभीन कर को के जन्तरक के कायित्व में कजी करने या उक्स क्षण में सुविधा के गित्रशः बारि/वा
- (था) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 के (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: एव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, की उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स श्रनसा जिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भीकान इंडस्ट्रीज

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्प्रित के अपनि ही किया कार्यवाहियां शुरू करता हो।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्मध्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त कथ्यी और भवी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

यूनिट सं० 118, जो पहली मंजित, जी बिल्डिंग, श्रनसा इंडस्ट्रियल ६स्टेट, साकी बिहार रोज़, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि २० सं० श्रई-2/27ईई/13660/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (लक्ष्मण वास) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं अर्ध-2/37ईई/13882/84-85--- प्रत : मुझे,

लक्ष्मण दास.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० यूनिट नं० 215, दूसरी मंजिल, एच० विल्डिंग अनसा ६ंडस्ट्रियल ६स्टेट, साकी त्रिहार रोड़, साकी नाका, बम्बई-72 में स्थित है (और इससे उपाबक अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा ब्रायकर ब्राधिनियम की धारा 269 कछ के ब्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के रश्यभान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके रण्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पुन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण विवित्त में अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसम बचने मं सुविधा के ट्रिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की तिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चित्रक्रिक क्राहिकारों अर्थाक <u>ः</u>

(1) मैसर्स अनसा बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

(2) भैसर्भ भूनिवर्भल भिमेंसस और टेक्सटा ६ ल्स (प॰) लिमिटेड

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

धनुसूची

"धूनिट नं० 215, जो जमीन संजिल, एच बिल्डिंग, अनसा ६डस्ट्रियल ६स्टेट, साकी विहार रोड्, साकी नाका. बम्बई-400072 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि ३० सं० मई-2/37ईई/13772/ 84-85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1984 को राजस्टर्फ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) पर्णन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 3-6-1985

प्रकृष बार्ड . थी . एव . एवं

भाषकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्डी भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13661/84-85-मतः मुक्ते, स्वभण वास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं. कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रा. से अधिक हैं

अरेर जिसकी रं० यूनिट रं० 3, जमीन मंजिल, एप.० बिल्डिंग, अनसा इंडस्ट्रियल ६स्टेट, सावी विहार रोड़, साकी नाका, बुम्बई-400072 में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद्ध अनु-सूदी में और पूर्ण ६प से विणत हैं), और जिसका करार नामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कख के अधीन सिकाम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिति (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृहित के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में कृतिया के निए;

णतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधित डू---

(1) मैंसर्स धार्ग दूस्ट

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स चेनाब श्रायल रेडस्ट्रीज (प्राह्मेट) लिमिटेड

(भ्रन्त(रती)

का यह सूर्वना जारी करकी पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के निष कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य श्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

प्रनसूची

"यूनिट नंव 3, को अभीन मंजिल, ६५ विल्डिंग, धनसा इंडस्ट्रियल ६६८ट, साकी विहार रोक, साकी नाका, बम्बई— 400072 में स्थित है।

धनुसूची औसा कि का कि ग्राई-2/37ईई/13661/ 84-85 और जो सक्स प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर:

प्रकर्पः जार्दः टी. एनः एसः - - - -

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985 निर्देश सं० मई-2/37ईई/13662/84-85--मतः मुझे, लक्ष्मण वास.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- सः. से अधिक हैं।

और जिसकी संव धूनिट नंव 210, दूसरी संजिल, भीव बिल्डिंग, ६ंडस्ट्रियल ६स्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित है (और ६ससे उपाबक मन्-सुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्राधिनयम की धारा 269 कछ के ग्रधीन सकम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह बिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् वाबार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिकान निम्नलिबित उन्हें स्य के उन्त नन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आग्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट बहुी किया गया भारा किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा के लिए;

बत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर्ण . में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधित :--

(1) भैसर्भ श्रनसा बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री कालीचरन डी० मासीयानी

(भन्तु∤रती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सुचना की तामील मं 30 दिन की अविभि, जां भी मविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्धोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी' हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त सिंधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस वध्यान में दिया ग्या है।

ं यूनिट मं० 210, को दूसरी मंजिल, की बिल्डिंग, धनसा ६डस्ट्रियल ६स्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, बम्बई-400072 में स्थित है।

मन् सूची जैसा कि ऋ० सं० मई-2/37ईई/13662/ .84-85 और ओ सकम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण् जास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीकण) पर्णन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर:

प्रकृष बार्च, टी धूल सूब, -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नधीन सुमना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रार्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13881/84-85—श्रतः मुक्के, सक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी सं० 5, रायगड निकेतन, सहार रोड, उँदेरी (पूर्व), बम्बई-400099 में स्थित है (और इसा उपाबक स्मूर्जूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करार-नामा ब्रायमर श्रादिस्यम की द्वारा 269 वस के ब्रदीन सक्षम प्रादिवारी के वार्यास्य, बम्दई में रिपर्ट्री है, तारीस 27-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए एस पाया गया प्रतिक का निम्निसिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे अचने में सृविधा क्षेत्रलए; बीर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या कर्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण ही, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को लगील ुनिम्निकिक व्यक्तियों अधिक -- (1) श्री प्रपुल धी० रेथे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोसेप तराकन

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री पी० श्री० रेथे (वह व्यक्ति, जिसके म्राधिशोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वना वारी कारके प्रावित संपरित से अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः ----इसमी प्रयुक्त काव्यों और पदौं का, को जव्यक अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5, रायगः निकेतन, जो सहार रोड, अंदेरी (पूर्व) वम्बई-400099 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ५० सं० अई-2/37 ई $\hat{z}/13881/84-85$ और जो सक्षम प्राध्कारी, बम्बई क्षारा दिनांक 27-10-1984 को रिजस्टर्ज किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राप्टेन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोदर

प्ररूप सार्वं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाडु

कायीलय, सहायक आयकर भाग्यत (निरीक्षण)

भ्रज्न रेज-बम्बई बम्बई, विताक 3 पून, 1985 निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई/13796/84-85---भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

डीर जिसनी संव पर्लंड संव 103, पहली संजिल, डी-स्मंध, मीनाल प्रपार्टमेंटस, जूना नागरदास रोक, अंधेरी (पूरत) बम्बई-400069 में रिश्त हैं (और इससे उपाबक प्रमु-सूशी में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रीहित्यम की धारा 269 क्छ के श्रशीन सक्षम प्राहिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य अपने दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निर्मालखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में एस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

- (क) बन्तरच से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (का) एनी फिनी आय या किसी भन या अन्य बास्तिकों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए।

भतः सक, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) मैसर्स गोयल जिल्डर्स (प०) লিদিইड (ध्रन्तरक)
- (2) श्री अवसीन पी० सांगदी श्रीमती रीता पी० सांगदी श्री पी० एम० सांगदी

(भ्रन्त(रती)

का यह स्वना जारी करके प्रशेक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्हुइस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वय्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसुणी

पहाँट नं० 103, जो पहनी मंत्रित, धी~स्कंध, मीनाल श्रापार्टमेंटस, जूना नागरदास रोड, अंधेरी (पूरा), बम्बई--69 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि का संव भ्रई-2/37ईई/13796/ 84-85 और को सक्षम प्राध्याती, बम्बई हारा दिनांक 25-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्यः दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्ब**ई**

तारीख: 3-6-1985 `--

मोहर :

प्रकार आही. दी, एगा, एक । उन्हास सम्ब

नायकर विधिनयभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मंभीन सूचना

प्राह्म सम्बद्ध

कार्याक्षय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 3 जून 1985

निर्देश सं० घर-2/37ईई/13737/84-85-- घत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 1 ए०, जमीन मंजिल, बीलकीस मपार्टमेंट, एस० नं० 82, एच० नं० 12, और 16 सी० हैं। एस० नं० 576, महाकाली रोष अंधेरी (पूरव), बम्बई में स्थित हैं (और ६ससे उपावक मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्तम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिअस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

का पूर्विवित सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकार्वे) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिश्त उद्देशम से उक्त अन्तरण जिनिशत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्तर

- (क) नम्सरण सं कृषं भिक्षी नाम की नामता, उनका नियानसम्बद्धित कर कोनं के नस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए नियान।
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन वा नम्य जास्तिनी करें, जिन्हें भारतीय काय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के विषय

अतः जब उजत जिथिनियम की भारा 269-न की जनुसर्थ जै, मैं, अवत अधिनियम की परा 269-च की उपधारा (1) के अधीय जिप्तिसिक्त व्यवितयें अधीय .—— 57—156GI/85

- (1) श्री लाइक ग्रहमद मैसर्स ग्रदोडो बिल्डर्स (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मुमताज पिरजादा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शूरु करता हुं।

बर्बत सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पीत्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण ---इसमें प्रयूवत शब्दों और पड़ों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया वस कि

अनुसूची ।

पर्कट मं० 1 ए००, जो जमीन मंजिल, बीलकीस प्रपार्ट-मंट, एच० नं० 12 और 16, सी० टी० एस० नं० 5722 सी० टी० एस० नं० 576, महाकाली रोड़, अंधेरी (पूरव) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के हैं श्रई-2/37ईई/13737/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 20-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम आधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर 🥫

प्रकृप् आई. टी. एन. एस. ------

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० प्रई-2/37ईई/13892/84-85-प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित आजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव इंडस्ट्रियल शेंड नंव 29, जमीन मंजिल, तीसरा फेस, शिवशिवत इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एसव नंव 79 एचव नंव 15 एवं 80, एचव नंव 1, मरोल विलेज आफ अंधेरी कुर्ला रोड़, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्व रूप से विणत है), और जिसका करार-नामा आयकर प्रधिनयम की धारा 269 कह के अधीन सक्षम श्राधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-10-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विष्धास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अक्षः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री धोगेश श्री० इंजीनियर

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स के० थी० कार्पेरिशन

(भन्त(रती)

का यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्त सूच्य किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ऐकेडे लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत जी

इंडस्ट्रियल घेड नं० 29, जो जमीन मंजिल, तीसरा फेस, शिवशित इंडस्ट्रियल इस्टेट, एस० नं० 79, एच नं० 15 एवं 80, एच० नं० 1 मरोल विलेज, श्राफ अंधेरी कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13892/84-85 और जो सक्षम श्राधकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-10-1984 को रिजस्टिंश किया गया है।

लक्ष्मण वास . सक्षम नौधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोश्वर :

बङ्ग बाई .टी.एन.एस..-----

अभुम्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बभ्यई बम्बई, दिनांक 3 जुन 1985

निदेश सं० बम्बई-2/37-ईई/13928/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास,

आसकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर् जिसकी सं० प्लाट नं० 203, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नंतीय, बी० मनिश दर्शन, मारोल पाइप शाइन रोड, जे० बी० नगर, बम्बई-400059, में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है, प्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 29-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दश्यमान प्रतिफाब के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफाल, निम्नालिखित उद्दश्य से उचत अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की शावत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (थ) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-किर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुनिधा हो लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत् (1) श्री पी० आर० मायर

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सी० जैकच

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिथ कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति भें अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ध क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास निवित में किये जा सकर्ग।

स्पव्यक्तिस्यः — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

यनुसूची

पलट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 4, मानिश दर्शन, मारोल पाइप लाइनरोड, जे० बी० नगर, बम्बई-400059, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37-ईई/13928/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

दिमां स: 3-6-1985

मोहर 🗓

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत भरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जभ रेज-2, बम्बई बम्बई, दिशोक 3 जुन, 1985

निर्वेष सं० अई-2/37-ईई/13376/84-85—-प्रतः मुझे, लक्षमण वास

बावकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे हरमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हु कि स्थावर सञ्चित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हु

भीर जिलकी संव यूलिट नंव 22, पहली मजिल, भन्ददीप उद्योग जिमेसेल को जागरे दिव सोसायटी लिमिटेड, नंद दीव इंडस्ट्रिअल इस्टेट, कोडिवटा लैंग, भंधरी '(पूर्व) बम्बई-400059 में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ले अंगित है), और जिसका करारनामा आयकर अविनियम की धारा 269 ह, ख के अवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पृष्ट प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया प्रा है क्ष्री

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बानत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आग या किसी भन या कन्य आस्तिकों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयंत्र, या धन-कर अधिनायंत्र, या धन-कर अधिनायंत्र, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए का, क्रियाने में सुनिधा अधिना के लिय,

बतः अवः, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम् भौ, भौ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म (1) स्टैंप फारमास्युटिकह्स प्रोपराईटर श्री मधुसूवन बाई॰ लाधाटे

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अमर इंडस्ट्रीज।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारीं करके पूर्वोक्त सम्पृतित के क्वीन के सिए कार्यवाहियां कुफ करता हुं ।

जनत सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीप ३---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाणन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हिल्चुनुष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पूर्वि सिविश में किए जा सकत्री।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का वा उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा नया हैं।

अनुस्ची

यूनिट नं० 22, जो पहली मंजिल, नंददीप उद्योग प्रि-मैसस कोआपरिट सोसायटी लिमिटेड, भन्द दीप इंडस्ट्रिअल कोडिविटा रोड, मंद्वेरी (पूर्व, बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं॰ सई-2/37-ईई/13376/ 84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (क्रिरोक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिलांक: 3-6-1985

मासुर 🖫

HALL BUT THE PARTY THE WAY

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुन्नना

भारत संद्रकाष्ट्र

कार्यक्रम, बहायक भारकार बायुक्ट (जिरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांबा 3 जूम, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13419/84-85--अत: मुझे, लक्षमण थास

जायकार लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का आएए ही कि स्थानर संपरित, जिसका तिजत बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, पहली मंजिल निर्मेल विहार, "बी" स्कंध, पम्प हाउस म्रंघेरी (पूर्व), बम्बईक्00093 में स्थित है 'ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 12-10-1984

को पूर्वोवत सम्परित के उचित बाजार मस्य से कम के दश्यमान प्रित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्ब, उमके क्ष्मराम्य प्रिक्षक म, एमें श्रियमान प्रतिक्ष के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण चिक्त में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खाब के अधिक कर दोने के बस्तरक के उपित्त में करी कर दोने के बस्तरक के उपित्त में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीप/धा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूब्धा के लिए:

अतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अभीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) मैंसर्स निर्मेश कन्द्रकशन्स

(अन्तर्भ)

(2) श्री फ्रांसिस अरान्हा रोसरियो जरान्हा के पास (अन्तरिसी)

वा वह स्थान धारी करके पृत्रीक्त सम्पृतित् के न्त्रीम् के क्षिक् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

बनत बन्दरित के सर्वन के सम्बन्ध के कोई भी बाधार .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बचिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में संक्रिमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब सिसिस में किए जा सकोंगें।

स्पच्छीकरणः - इसम प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुमुची

पर्लंड नं 102, जो पहली मंजिल, भिर्मेल विहार, "बी" एकंध, पम्प हाउस, धंदेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13419/84-85 घाँर जो सक्षम प्राधिकारी, षम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-2, **बस्बई**।

दिनांक: 3-6-1985

मोहर ३

प्ररूप बाह्र'. टी. एन. एव. =====

बासकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के संधीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहावक गामकार गामुक्त (निर्दाक्तण) अर्थन रेंज-2, बस्थाई

बम्बई, दिमांक 3 जून, 1985

क्षिर्देश सं॰ अई-2/37-ईई/13396/84-85---- अतः भृते, लक्षमण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मार जिसकी सं पूनिट नं 13 ए, है जो न्यू एंपायर इंडस्ट्रिअल इस्टेट, कोंडिविटा रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है (ग्राँर इससे उपावज अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप विज्ञात है), ग्राँर जिन्नका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ह, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्स्य, बम्बई में रजिल्ड्री है, सारीख: 11-10-1984

- (क) वितरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभागसम के अभीन कर दोने के जन्मरक औं बाधित्व में कभी फरफेश उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की चिन्ही भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-र र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिए;

शतः सव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशत व्यक्तियों, अर्थात् र—

- (1) श्री अबू तालिब अञ्चुन रजाक खान (अन्तरक)
- (2) श्री अल्लन हे न्रिक्स श्रीर श्रीमती ईस्तर हे न्रिक्स। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षप :----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस न्यूं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिनबद्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकाये।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

"पूनिट नं० 13ए, जो न्यू एपायर इंडस्ट्रिअल इस्टेट, कोंडिविटा रोड, भंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059, में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क्रं० सं० अई-2/37-ईई/13396/ 84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लंसमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक: 3-0-1985

मोहर् 👂

प्रकृष कार्ष्, क्षी. एन. एक.--------

ब्रायक्ट व्योधीनयम्, 1961 (1961 का 43) भी भारत 269-म (1) के नभीन स्चना

भारव सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अर्ह | 2 | 37 | देही | 13418 | 84-85 भातः मृक्षे, लक्ष्मण दास

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ंयह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मरूप 1.00.000/- रत. से अधिक **है**

और जिपकी संब पलट नंब 301, तीवरी मंजिल, रिर्मल "बीं" स्कंद, पम्प हाउन, अंधेरीं (पूर्व), बन्बई-400093, में ियत है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), और जिल्हा अरायनभा भ्रायत्य प्रधिनियम की धारा 269 ा, खाके अधीत । क्षत्र प्रक्षि ारी के बार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्दी तारीख 12-10-84

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का र्पकृष्ठ प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्टेथ से उक्षत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया रूप 🗲 :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबता, उक्क अधिनियन के सभीन कर दोने थें अन्तरक की दायित्य में कभी करने वा उत्तरों वचने में सुविधा के क्षिए: भीर/वा
- '(चा) ए`सी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय साय-कार बॉभीनयस. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन. या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सांक्था 🖷 सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण **में, मैं उक्त विधिनियम की भारा 260-व की उपभारा (1**) 🛋 वधीन, जिल्ली क्या व्यक्तियों, संभात :----

(1) मैं इसी निर्मेश करेन्द्रकानस

(प्रस्तरः)

(2) श्री पो० शिवरामन

(भ्रन्तरिती)

भी यह क्ष्ममा बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उथत सम्पर्ति के मर्जन के सम्मन्ध में कोड़ भी कार्लप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो रह सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए का सकेंगे।

ल्लक्कीकारणः ----दशसों प्रयुक्त सच्यों और पर्योका, को जक्क अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

"फ्लाट मं० 301, जो सी परी मजिल, निर्मेल "बी" स्कंध, पम्प हाउस, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093, में स्थित है। धनुसूची जैना कि क सं० क्यई 2/37-ईई/13418/ 84-85 और जो अक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दाम अक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, **अभ्यद्ध**।

दिनों हं 3-6-1985

मोहर ।

प्ररूप बाहाँ, टी, एन, एत, न-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुवना

भारत प्रजन्म

कार्याक्षय, सहायक भागकर आयुक्त '(निर्जाकिक)

श्रर्जन रेंज-2, यम्बई बम्बई, दिनां: 3 जून, 1985 निर्देश सं॰अई-2/37-ईई/13420/84-85→-अतः मुझे, लक्षमण दास

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

सीर जिसकी सं जाप नं 2, जमीन मंजिल, निर्मल विहारी, (ए स्कंब), पम्प हाउन, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है (और इससे उपाधद अनुभूची में बार पूर्ण रूप से विणित है), और जिसना उत्तरनामा आयक्तर मिलिन्स की धारा 269 ा, ख के प्रवीन सदाग प्राधि गरी के कार्यान्य, बन्बई में रिजिस्टी है, तारीख 12-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अदने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य शक्ति दश्यमान प्रतिफल के दश्यमान प्रतिफल का पत्रह अति दश्यमान प्रतिफल का पत्रह अतिहात से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और संतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के निए त्व पावा चवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उथत अन्तरण कि जिल्ला का प्रतिफल का बादिक स्प से किथत नहीं किया गवा है अन्तर्ण के निए त्व पावा चवा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिसवी की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपना विधिनयम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट बही किश क्या था या किया जाना बाहिए था. किराने में सुविधा के लिए;

बतः वव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ मुर्थात् ड्राच्च (1) मेसर्व निर्मल करंद्रकशन्त ।

(घन्तरक्)

(2) श्री शामसाजीवन गजाधर प्रसाद गुप्ता (श्रम्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्जान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पूस सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परि-भाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विया गया है।

जन्स्यी

"शाप नं० 2, जो अमीन मंशित, निसेल चिहार, "ए" स्कंब, पम्प हाउस, अंधेरीं (पूर्व), सम्बई-400093, में स्थित है।

अनुसूची जरा। हि क० स० अई-2/37 ईई/13420/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई उत्त दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लकार्ती धात सक्षम प्राधिकारी सहायक भायः श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, सम्बर्ध।

दमोक: 3-6-1985

माहर 😗

प्रस्प बाई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

THE TUBE

कार्यालय, सहायक जायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्र^का रेंच-2, वस्ब**ई** वस्बई, रिनां 3 जन 1985

निर्देश तं ॰ अई-३/37-ईई/1´2779/84-85---ग्रतः मुझे,

ल**क्षम**ण हा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउ 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मिश्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्की संवक्ता नंव 7, तीं तरीं मंजिल, रोग अपार्टमेंटप, सीव टींव एएवं नंव 36 एवं 37, एमव नंव 21,
-नंव 12, इहार निरोध, बद्धाता, अंधेरीं, वम्बई में स्थित हैं
-श्वीर इसमे उपावद प्रामुनीं में और पूर्ण रूप से विणित
है), और जिल्ला करारनामा आपकर अधिनियम की धारा
269 जंसा के अवींन एसा आधिकारीं के कार्यालय, बम्बई
में रिजिस्ट्रीं है, तारीका 32-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान अतिफल से, ऐसे रश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण हे हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने ण उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अतः उत्यः अधितं प्राः विश्वारा 269-ग वै अनुसरण में, में, लक्त लिश्वियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तारिकत व्यक्तियों, अर्थात् ६—-58—156GI/85 (1) श्री नरेन्द्र शांताराम सावंत

(अन्तरक)

- (2) श्रीं जेरीं डीं० अग्तेयर और श्रीमतीं मेंडीं आग्वियर (अन्तरिती)
- (3) श्रीं वेरीं डीं॰ सुधा और अन्य (वह व्यक्ति, जिलके अधिभोग में संपत्तीं है)
- (4) श्री वेरीं ड सुधा

(वह व्यक्ति, जिलके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 🚁

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे। •

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के जध्याम 20-स में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया कवा हैं।

• अनुसूची

"फ्लट नं० 7, जो तींारी मंजिल, रोस अपार्टमेंट्स, सीं० टीं० एस० नं० 36 एवं 37, एस० नं० 21, हिस्स न० 12, यहार विलेख, चेगाल, अधेरी, बम्बेई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रंह 2/37 ईई/13779/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी कम्बई हार्या दिनांक 22-10-1984 को रिजस्टिंड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-2

दिनांक: 3-6-1985

माइर ॥

प्ररूप माइ टी. एन. एस. -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की . भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक आयकर आयक्त (निर्दोक्तण) भूजीन रोंच-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांकः 3 जून, 1985

निदेश संठ अई-2/37 ईई/13621/84-85---अन: मझे,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट तं० 5, बिल्डिंग नं० ए-21, ए० मेफीं गोल्डन जूबिल नैबरहुड कोग्रापरेटिय द्राउतिंग सेतायट लिमिटेड, मारोल, साकी नाता, अंधेरी, बस्बई 400059 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से बिलित है), और जियता तरारनामा, श्रायतर श्रिधिनयम, कीं घारा 2697, ख के श्रधीन, एक्षम प्राधिनारों के कार्यालय, बस्बई में रिनिस्टी है, तारील 19-10-1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुखे छह विकास करने का कारण है कि कि यथा पूर्वोक्षत सम्पत्ति का उणित दाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रस् प्रतिकात से बिधक है कौर अंतरिका (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिक्त क्यूबरेक्ट से उक्त जन्तरण लिकित में वास्तविक क्य से कथिश भाई किया गया है है—

- (क) बस्तरण से हुड़ किसी जाय की बाबत, उक्त लीधीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दाबित्स मों कमी करने या उससे जचने मों शकिशा वायित्स को लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय था किसी धन या अन्य न्लास्तिनों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) था अका तिथिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया पा हा किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुनिभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तिएएं अधित :--

(1) मुल्ला याह्याबाय मोयाडी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ताफिसाबाय यसुफली धामगानवाला (अन्तीरती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तालील से 30 विन की व्यक्ति, वो धी विकास याँ समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना को राजपण में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन को भौतर उद्युत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास किश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जाँभितियन, के अध्याप 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अप्राची

"फ्लैट नं० 5, जो बिल्डिंग नं० ए-21, दि सैफी गोल्डन जूबली तैश्वरहुड कोमापरेटिच हाःसिंग सोनायटी लिमिटेड, मारोत, ताकी ताना, अंधेरी बम्बई-400509 में स्थित हैं श्रनुसूची जैसा कि कि गें० श्वई-2/3-ईई/13621 84-85 औय जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनां। 19-10-1984 को गजिस्टई थिया गया है।

> र्रार्थमाण दास सक्षम प्राधिकारी वहायक आयहर ग्रायमन (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, बम्बई।

दिनां छ : 3-11-1985

मोहर ⊌

प्रकृष् वार्षे, टी. एन्. एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन मुख्ना

भारत संस्कार

कार्याजम, त्रहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/13549/84-85—-यतः, मुझे लक्षमण दास,

नाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

प्रौद्ध जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जीमन मंजिल, बिल्डिंग नं० 7, जुना नागरवाम रोड, वर्मा नगर, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा , श्रायकर प्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 15-10व

की प्रवेकित सम्परित के उचित गाजार मृस्य से कम के ध्रममान प्रतिकाद के निए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास शहरों का कारण है कि यथाप्ताँकत संपरित का उचित वाजार भूत्य, उसके ध्रममान प्रतिकास से एसे क्रममान प्रतिकास का वन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्सर्कों) और अन्त-रिती (अन्तरितिकां) के रीच एसे अन्तरण के सिए तम् पामा मना इतिकाद, निम्नितिष्क स्वृत्वेक से स्थ्य अन्तरण मिणित में भारतीयक रूप ने समित नहीं किया नना है है

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधित्वक के बधीय कहा बीने के अत्यहन क बाधित्व में क्ष्मी करने ना मकत अधन के बुधिया के जिए; बाहि/का
- (क) एति फिला नाय या किली यम या कुल वास्तिज्ञी की, विन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 की (1922 की 11) या जनत निधिनयम, या धनकर निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ निसीरती ब्वारा श्रुकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

वतः वव, उक्त विभिन्नम की भारा 269-व के वन्सरण कें, वे, उक्त विभिन्नम की भारा 269-व की उपभारा (1) वे वर्गन, निकारितवित करियमों, स्थादि उक्त

- (1) श्री मोहस्मद जुबैर इस्मैल मेमण। पन्तरक)
- (2) श्रीमती गीताबेन सुरेन्द्र मारू श्रीर श्री सुरेन्द्र विटठलदास मार्रु।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपृत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकनें।

स्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, को खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 3, जमीन मंजिल, बिल्डिंग नं० 7, जुना नागरदास रोड, वर्मा नगर, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-2/37-ईई/13549/ 84-85 ग्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर 🚏

130 x11 . 21 . Q4 . Q0

पायकर क्रांक्षित का अवश्वी (1981 का 43) **की मारा** अक्षकार है। के क्रांक्षक आ**क्षा**

untaria serialisti

कार्यासन्, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्ष्ण)

भ्रजीन रोज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० म्रई 2/37-ईई/13040/84-85—-म्रतः मुझे, लक्षमण दास,

बावकर बिधितियम. 1961 (1961 का 43) (विसे इस्कें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्त सर्वित, जिनका उचित वाचार नृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० आप नं० 7, जमीन मंजिल, निर्मल "ए" स्कंध, पम्प हाउम, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्व रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-10-1984

को पृत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कावमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तिरित की गई है और गुभे, यह विश्वाब करने का कारण है कि अधाप्नित सम्पत्ति का उचित बाजार प्ल्य, उसके द्रश्यमान अतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निणिखित उद्युद्ध से उक्त स्नतरण मिखित में अस्तिक एम से किश्रित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण श हुई किसी आय की बाबत, उचक अभिनियम को अधीन कर दोने औं अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उसते बचने में सुविधा के सिए; ओप्ट/बा
- (क) येसी किसी शाय या कियी प्रामा कृष्य वाहिस्त्य किसी स्वी भारतीय आय-कार अधिनियंत्र, 1922 (1922 कि 11) या उन्ता अधिनियंत्र, या अव-कार विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रमोधनार्थ अन्तरियों बुधारा हक्ट नहीं किया व्यक्त या गितिया किया वाहिय भां, कियाने वें सिया के सिक्त

करः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसुर्ग में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अधीन, निज्नसिष्टिक अधिकारों, सभीन क्रिक (1) मैसर्स निर्मेल ऋंस्ट्र अंग्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बद्री प्रसाद यादव।

(अन्तरिती)

की यह ब्यमा आएी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के निष् कार्यमहियां कारता हुने।

उनत कनित से वर्षन् से सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) पूछ तुष्का के साधकत के उध्याक की ताहीय में 45 विष की अवस्थिक सक्ताम्प्रकी व्यक्तियों पूर सृष्का की सामील से 30 विष कर अविधि, जो भी क्वाधि बाद में अवस्थि इस्तो हुए, के वीसर पूर्वेक्स व्यक्तियों में के किसी व्यक्तिया सुभाक्ता?
- (ब) वह स्वाम के राज्यत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विम के शीवर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितेक्ट्र कि कि कम्प स्थिति हुन स्थान अपोहाता अपोहाता के पाव विविध में किए वा स्थीत ।

स्पक्तीकारणः---इसमाँ प्रयुक्त राष्ट्र ११८ १६। तहा, यह अन्तर विभिन्नियम, कं प्रवृतिय ∠0-१८ प्रवृत्तिमाणिय वृत्ति, मृद्धी अर्थ होत्रेस, आ उप १८-वाय में दिस्सा स्वा क्षा

अमुस्यी

'शाप नं० 7, जमीन लीजल, निर्मल ''ए'' स्क्रंध, पंप हाउम, ब्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा को ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/13040/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, अभ्वर्ड हारा दिनांक 1 10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> , लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 3-6-1985

मोहर 🛚

उक्त बार्' ही. एत. एत्.

बाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउत 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत शहकाड

'सर्वासन, बहायक आय्कर नायुक्त (निरोज्न)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13029/84-85——अतः मुझे, लक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फलैंट नं० 204को है देव दर्शन, दूसरी मंजिल जुना नागरदास रोड, श्रधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में हैं द्वियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम में धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-84

को पूर्विका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए रोजस्ट्रीकृत यिलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का द्वारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क का (अंतरिकों) को बीच एसे अंतर्क (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्क को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है अन्त

- (क) बन्तरण ह अह क्षिणी शाव की वावत, उत्स् अधिनयम के अर्थान कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कभी जन्ते या उससे अचने में सुनिधा के शिए: और/4:
- (७) इनी किसी बाय या किसी इन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उत्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, डियाने में सुविभा अहै, निष्

नतं. नन, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ख ने, में उन्त अधिनियम की थारा 269-म की उरभारा (1) हे अभीन जिल्लावित स्थित्यों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती धुलीबाय एम० क्रोथारी, शांतिलाल डी० गांधी, प्रभुलाल जे० नागौरी, सुभाष यू० लूणावत (अन्तरक)
- (2) श्री शांति चन्द्र बफना श्रौर सुरेन्द्र एस० बफना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जाकरेंप् र 😁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा,
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नक्षा है।

- अनुसूचा

पलैंट नं० '204, जो देव दर्शन, दूसरी मंजिल, जुना नागरदास रोड, अधेरी (पूर्व), बम्बई-400069, में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की० सं० ग्रई-2/37-ईई/13029/8485 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर 🔢

प्रकल नाव दी एन , एस ुम्लम्स

बायकर बर्रिभनियम, 1961 (1961 का 43), कर्री भारा 269-म (1) के अभीन सचना

BIEG BERRE

कार्याक्षय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षक)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 ज्न, 1985

निवेश सं० श्रई-2/37-ईई/13109/84-85---श्रतः मुझे, लक्षमण दास

नायकर निर्धानमम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके परवात् 'उन्त निर्धानम्' कहा गया है), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्वास करने का काउण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित नावार मूल्य 1,00,000/-क से निर्देश हैं

को पूर्वोंक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कन के ब्रम्थकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास अरुषे का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरितीं (अन्तिरित्तियों) के भीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया ग्या प्रतिकत, निम्नितिचत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहुए भिन्ना आय की यावत, उक्त आँध-विषय के संधीत कर देने के संतुष्टक के व्यक्तित के कभी करने या उसके क्यने में सूनिधा के सिंध; बीड/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें आरतीय वायक र वृत्तित्वम्, 1922 (1922 का 11) या उनक जीवियवम्, या चन्-कुछ वृद्धिनियम्, 1957 (1957 का 27) के बुनोचनार्थं बन्दरिती ह्वारा प्रकट नृहीं किना या या वा किया प्राचा वाहिए था, किनाने में बृद्धिया है निक्त

बतः जब, उक्त विधिनियम की वाडा 269-व को बनुसरण को, मी, उक्त विधिवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को सभीन, निम्निविधित व्यक्तियों,, वर्षात् ध— (1) मैसर्स दीपक बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इंदिरा वी० नागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षक के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संप्रीत में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी कें पात लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को उनत अधिनिजय की अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही वर्ष होता, को उद्य सध्याय में दिका गया हैं।

जग्लुकी

"फ्लैंट नं० 6, को पहली मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 8, भवानी नगर, मारोल मारोशी रोड, श्रंधेरी (पूर्व) बम्बई-400057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० शई-2/37-ईई/13109 84-85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण्ड्र दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 3-6-1985

मोहर 🖫

प्रथम बाह्र ती एन एक .--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकाड

कार्यालय, सङ्गयक भागकार जाजूबत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्वई

बम्बई दिनांक 3 जून, 1985

्निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13149-84-85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 16, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं० 1, फ्लाट नं० 8, भवानी नगर, मारोल, मारोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में क्रिक्ट पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्तिकल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त- विक स्प से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुइं किसी आय की बाचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सर्विधा के जिक्; और-/का
- (क) ऐसी किसी बाई या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया विद्या था किया जीता वाहिए था, छिपाने यो याविधा के सिए;

कतः वब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वधीन निम्निनिक्त अधितयमें, वर्षात् :--- (1) मेसर्स दीपक बिल्डर्स (प), लि॰।

(अन्तरक)

(2) श्री उमेश चैन्द्र एव० गुप्ता, श्री सुरेश चन्द्र एव० गुप्ता।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभौग में सम्पत्ति ूहै) ।

स्ट्रे सूह प्राथमा आही स्वरंके पृथानिक हम्मारिक के वर्षन के जिल् कार्यनाहियां करता हो।

उन्द सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीयें :---

कि स्व क्षमा के राजपण के जन्मका की ताड़ीय है 45 विने की बदिन या सर्थनंथी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 विन की नविभ, जो भी नविभ का में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाहा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक सिवित में किए वा सकेंगे !

स्वच्छीकरण : --- इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गुवा है।

ग्रनुसूची

पलैट नं ० 16, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग नं ० 1, प्लाट नं ० 8 भवानी नगर, मारोल मारोशी रोड, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है। ।

ग्रनुसूची जैसा की कर्ष सं व्यई-2/37ईई/13149/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणः दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर:

शक्ष आई .टी.एन.एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६५-भ (1) के दशीन सुभना

PLANT MARKET

बार्वास्थ्य, बात्रुवक बाराकर बावन्त (विरोधाण)

श्चर्यंत रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांत 3 जून, 1985 निर्देश सं० श्चई-2/37ईई/13412/84-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मणं दास,

वायकार विश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (लिसे इसमें इसके प्रथात 'उकत अधितियम' काहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सभाव प्रतिभक्तारी का यह निष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर वंपतित, जिसका उपित दावार मूल्य 1,00,000/- रा. से दिचिक हैं

ग्रौर जिसेको सं० फ्लेट नं० 9, 2री मंदिल, विल्डिंग नं० 1. प्लाट नं० 8, भवानी जगार मारील मारीणी रोड, ग्रंघेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में लिखा है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनमुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विकार है), अप जिस्ता करारनामा आयकर प्रधिनिग्रम की धारा 268 काल के अर्ध न सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय जम्नई में लिस्डी है, ता रीख 11-10-1984

को प्रेंक्ति सम्पत्ति में उपित बाबार मूल्य में कम के ज्यामान प्रतिपत्त के लिए मन्तरित की गई हैं जैर गुर्फ मह विकास करने का करन हैं कि अधारण तिक संबंदित का उपित बाबार नृत्य, उसके क्ष्ममान प्रतिपत्त में, एते दश्यमान प्रतिपत्त का पंत्रह प्रतिवात ते बाधिन हैं और पंतरक (अंतरक़ी) भीत बोतरिती (बल्परितिवार) ने बीध गुर्शे का के लेग्य वाय पद्मा पद्मा प्रक्रित कहा निकारितिवार उपने के उपन का स्मार प्रवास पद्मा पद्मा प्रतिकत्त

- (अ) बन्तरण में हुई किसी नाथ नह गाम उसर जीध-विकास में अधीर के बीट में अध्यापक को उपीयत के मुक्ते भागी ना कानों काम में पुण्या में उप

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण को, को, को, खक्त अधिनियस की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीकिथा व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

- (1) भेनर्स क्षेत्रण विण्डर्स (प), लि०। (अन्तरक)
- (2) यो पुरेष प्रवाहात .

(धः तरिती)

(3) अस्तर । । (५,००० कि कि समित्रिक में सम्पत्ति हैं) ।

को शतु सृचन। प्राणी रहता । श्रीकाः सम्मासि की वर्जन की लिए कर्मनाहियां शहर क्राता श्रीव

उक्त सम्पत्ति के अवन के कलकार में बाई भी आक्रेप :---

- (क) इस सुचना के पाएपम भी एकाकन की तारी है 45 दिन की समित को या तरसंक्तनंथी व्यक्तियों पर सुचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी नगरीय कर जो मा भन को की मुन्न है सी सार पूर्विकत कि कि दे की कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि

श्रमणिक्षाच्याः एएवं अवस्था १८ । और वर्षे स्थां, श्रो उपह निश्कष्टिकार श्रीका १८ १८ से परिभाषित हर्षे, बदले रूथ स्थान स्थान । स्थान में निशा

ing some

फ्लेट नं 9. भी १ रिल्डिंग, मिल्डिंग नं 1, फ्लाट नं 0 8, भवानी नगर, माधीन १८ वे १८ वेड, कियी (पूर्व), कब**ई-59** भें स्थित है।

अनुस्तरि कैया कि २० पट मई-2/37ईई/13412/84-85 ओर पा नवस्य किया राजा देवता जिल्हा 11-10-1984 को विस्टर्ड विद्या संस्थित

> लक्षण दास १९८८ - ब्रायनस्य प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2, वस्वई

तारीख : 3-6-1985

मोहर ३

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. वण्यवस्थानवस्था

बायकर मुधितिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--व (1) के मधीन सुचना

नारत सहकार

कार्यात्तय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)
भर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 3 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13317/84-85-- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दरवात 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिनको मं० यूनिट नं० 106, 1 ली मंजिल, डी० बिल्डिंग, अन्सा इन्डस्ट्रियल इस्टेंट, साकी विहार रोड, साकी नाका, किंदि किंदि के प्रांत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ग का से विज्ञान है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर भिधिनियम की धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ड़ी है, तारीख 8-10-1984,

करो पूर्वीक्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे श्रथमान प्रतिफल का क्ल्यूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण किविस में अध्यक्त कम के किया मुझे किवा गया है:---

- (क) मन्तरण में हुई फिसी बाद की दावत अदत अभि-दिसम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दार्थन्य में कमी करने मा उससे अपने में सुविधा के लिए; कीर-
- (कां) एंसी किसी जान या किसी भन या अभ्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय जायकर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या तजत जीभिनियम या भन कर्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख । भार्ष जन्तिराती प्रवास प्रकट नहीं किया नया वा किया जाना बाहिए था कियाने में समिना के

लतः अध, तक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में. अकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) में अधीत निवासीक्षण काक्तियाँ, क्षणील क्ष्मान 59—156GI/85 (1) श्री मोहन लाल गुर्दस माल थानर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सुनेक्त प्राटोनोटिव प्लास्टिक्त (प), लि ०।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्
कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो., के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशम को तार्गन के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उपत अधिनियम के जध्याय 20-क में परिशाधिक है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नमा है।

बन्स्ची -

यूनिट नं 0 106, जो, 1 ली मंजिल, डी० बिल्डिंग, अनसा-इन्डिस्ट्रियल इस्टेट,साकी विहार रोड,साको नाग, बच्चई-72 में स्थित है।

भ्रतुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13317/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांग 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ुंलक्ष्मण दास राज्ञम आविकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13192/84-85-- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दारः,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० भाग नं० 1 एवं 2, खाटून मान्यन, मारोशी रोड, मारोल, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णका ने विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 जन्द्र के श्रधीन. सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से मुम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का जारण है कि स्थाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की, यावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससं बंधने मों सूचिधा के सिए; और/मा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, तक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० ई० खान।

(श्रन्तरक)

(2) श्री एस० श्रार० गेट्टी।

(श्रन्तिश्ती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस खूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किया के किए जा किया की अपने के पात निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरण :--- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है अ

धन्स्ची

शाप नं ० 1 एवं 2, खादूर्न मानगन, मारोशी रोड, मारोल, श्रंधेरी (पुर्व), बम्बई में रजिल्ही है।

भ्रमुसूची जैपा कि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/13192/84/85 श्लीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

लक्ष्मारी दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहर 🕉

क्रा व्हा स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स्ट स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स स्टब्स अस्य आर्द्ध टी.एन .एस . ------

(1) दीपक बिल्डर्स (प), लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नजीव श्रब्दुलजीज खातिब।

(भ्रन्तरिती)

भाग कर आर्थानसम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर खायुक्त (निरोक्षण) भ्रजंन रेंज-2 व्यम्बर्ध

बम्बई दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13696/84-85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रुक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थ्यापर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० पत्रैट नं० 10, 2 री मंजिल, भवानी नगर, भूकेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपावड भ्रतुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधानियम की धारा 269कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी बस्बई है, तारीख 20-10-1984

फां पृष्वित सम्पारा पा किया नाम गाया से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करा का नाम है है और मुफे यह विश्वास करा का नाम है है जो स्मुफे यह विश्वास करा का नाम है है के स्मुफे का उपने साम मिल्लिस का प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल रो अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरिको) और अन्तरित (अन्तरित्वों) के दीन एस प्रतारण के निए एस प्राम गया प्रतिफल, निम्मिनिखत उद्योदय में उपरा अन्तरण निष्ठित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जेन्तरण से हुई जिसी आय की बाबस, उनस अधिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य मा कमी करन या उससे अभने मा सुविधा की लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं विध्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा में सिए,

काँ यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तार्गात से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्नथब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

फ्लेट नं ० 10, जो, 2 री मंजिल, बिल्डिंग नं ० 4, भवानी नगर, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं श्र धर्-2/37ईई/13696/84-85 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अत्र , उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधार (1) को अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 1-6-1985

मोहर :

लक्ष्मण दास,

प्रस्य बाइ ,टी . एन् , एष् . न------

भावकार अभिगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई अम्बई दिनांक 1 जुन 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13027/84-85-- श्रतः मुझे, ्

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रशिषकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०यूनिट नं० 136बी०, 1 ली मंजिल, श्रेन्सा, इन्डिस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, बम्बई-400023 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से घणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-10-1584,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान करिकार के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्मास करने का कारण हैं कि यथाप्तित्व सम्पत्ति का उचित बाजार जूस्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से एमे रश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और -अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित को बास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए और/या
- (ब) एसी किसी आम या फिली धन या बन्य नास्तिको की, जिन्हें भारतीय आमक्तर अधिनियम, 1922 । १२३१ का ११) या अन्त अधिनियम, 1927 का ११३४ का ११) या अन्त अधिनियम, १९३७ (1957 का २७) धं प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया एस था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निचिति अधिनतयों, अधीत मे— (1) मेसर्स धनसा बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स फोटो क्वीन।

(ध्रन्तरिती)

का बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस त्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अमीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ज्वधि, को भी अविष् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्श किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के विश्व विचित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

नगुपुर्व प्री

यूनिट नं ० 136 बी, जो. 1 सी मंजिल, साफी नाका, बम्बई-400023 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/13027/84-85 भौरजो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर छायुक्त (किरीक्षण) धर्जन रॅज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहर

प्ररूप आहर . टी. एन्. एस.-----

आयकः अधिनयम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/13528/84-85--- **मतः मुसे,** लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ७ पलेट नं ० 11, 3 री मंजिल, बिल्डिंग नं ० 3, प्लाट नं ० 8, प्रधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे लिएवं श्रीर पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे लिएवं श्रीर पूर्व के प्रधीन, सक्षम माधिकारी के कार्यालय, बग्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 15-10-84 को प्रांचेश संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तिबक रूप से किथत नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

शतः अथ, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निजिबित स्वित्यों, अर्थात् ह— (1) मेसर्स दीपक बिल्डर्स (प), लि॰।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति राजिन्द्र कौर सेठी ग्रौर मास्टर मनवीप सिंह सेठी।

(भन्तरिती)

(3) मन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को स्तु स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है

सकत् सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवोंक्त स्थिकतयों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनते स्थाबर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थाबर व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिय में किए आ सकोंगे।

स्वादीकरण: --इसमें प्रयुक्त कस्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा रक्ष हैं।

अनुसूची

प्लेट नं ० 11, जो, 3री मंजिल, बिल्डिंग नं ० 3, प्लाट नं ० 8, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० फ्रई-2/37ईई/13528/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्ब**र्ड**

। तारीखा: 1-6-1985

मोहर 🗈

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जन, 1985

निदेश सं ॰ प्रर-2/37ईई/13699/84-85— यत: मुझे, लक्ष्मण दास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारंण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 8, को, 2 री मंजिल, भवानी नगर, मंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059; स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण हप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भायकर ग्रिधित्मम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धामित्य के कमी करने वा उक्स वचन में बृत्यिश के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) दीपक बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रब्बास हुसैन पटेल ग्रीर श्रीमति हलीमा ग्रब्बास पटेल।

(अन्तर्किः)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिन्देन बब्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्**चो**

धन्<u>य</u>ची

प्लैंट नं ० 8, जो, 2 री मंजिल, भवानी नगर, बिल्डिंग नं ० 2, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है ।

श्रनुक्चो जैसा कि कर सं 0 ग्रई-2/387ईई/13699/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई, द्वारा विनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण कास लक्ष्मण कास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्रक्ष ब्राइं दी प्र. पुर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-व (1) के संधीन अपना

भारत सरकार

आर्थातव, बहुत्तक जावकर जावनत (विर्यक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० अई-7/37-ईई/13698/84-85—अत: मुझे, लक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० .7, दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट नं० 8, ग्रंघेरी (पूरब), बम्बई-59 में स्थित हैं भार इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिविद्यम, की वी धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थामन प्रतिफल से, एोसे स्थामन प्रतिफल का पंचा प्रतिकत से लिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिखित में बास्तविक स्थान की स्थान नहीं किया गया है :——

- (क) वन्तरण वं हुइं किसी बाब की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूनिया के निस्ह; और/या
- (ख) एसी किसी जाब या किसी धन या बन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया स्था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्टिशा के किया

क्षाः तम उक्त विभिनियम की भारा 269-म वा अनुसूच्य के, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभाग्य (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात :— (1) दीपक बिल्डर्स (प्रा॰) लिमिटेड

(अन्तरक)

? 2) श्री इमितियाज अहमद ग्राँर श्रीमती जबैदा बेगम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तरशीस से 45 दिन की अविधि या तत्त्वं बंधी व्यक्तियों पद् स्थान की तामील से 30 दिन की नवीं के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर श्रीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विलिख में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना क्या है।

धन्स्थी

फलैंट नं० 7, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, प्लाट 8, भवानी नगर, श्रंधेरी (पूरब), बम्बई-59, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-2/37-ईई/13698/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रिजस्टई किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोक: 1+6-1985

प्ररूप आइ. दी.एन.एस. अन्यू-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई सम्बद्ध, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13697/84-85---अत: **मुमे**, सक्षमण दास,

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पड़चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रांर जिउकी सं० फलैंट नं० 12, तीजरी मंजिल, भवानी नगर, ग्रंधरी (पूरव), बम्बई में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रांर पूर्ण रूप से भिंगत है), ग्रांर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

की प्रांकित राम्परित के अचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत , उपते अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक जी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य, व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र के, अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) दीपन बिल्डर्स (प्रा०) लिमिटड

(अन्तरका)

(2) श्री कौतेर इस्वाल

(अन्तर्ति)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन, की अविधि या तत्मग्वाधी व्यवितयों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उचन स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गुरु लिखिन में किए जा सकरी।

स्थल्डीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

क्षा संभ

फ्लैट नं 12, जो तीतरी मंजिल, भवानी नगर, श्रंघेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/13697/ 84-85 फ्रांट जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास संक्ष्य आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 1-6-1985

बारत सरकार

क्ति<u>श्</u>रांसय, सञ्चयक शायकर सायुक्त (निरौक्सण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13483/84-85---अतः मस्रे, सक्षमण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशत (उपल अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-स अधिन संश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 9 ए. दीपक बिल्डिंग, 38 जे० बी० नगर, कुर्ला-श्रंधेरी रोड. बम्बई-400059 में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर पूर्ण स्था से विणित है) श्रीर पूर्ण स्था के विणित है) श्रीर पूर्ण स्था के श्रीमा अगराया अगराया अधिनयम की श्रीपा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 12-10-84

क्षेत्र पृत्रोत्तत सम्परित के लिकत नालार मृत्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए नन्तरित की गई है जोर मृत्रों यह विस्तास करते का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्परित का उपित काचार मृत्य . उसके इस्पनान प्रतिफल से, ऐसे अवसान प्रतिक्षण का विद्वा विद्या प्रतिक्षण के विद्या प्रतिक्षण के विद्या से विद्या के विद्या प्रतिक्षण के विद्या विद्या क्षेत्र के विद्या के विद्या की विद्या विद्या है है—

- (क्स) जनसरण संदूर्ण किसी वास की बावस, समस जिमित्सम के अभीन कार दोने के जनसरक के सामित्स में कमी करने मा समसी समने में स्थिश के लिए, और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिआ गया का या किए। आना जाहिए था, किया से राजिका के किए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग में अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 260 ल की उपभारा (1) के अभीत. निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थातु:—— 60—156G1/85 1 ब्रिजवासी बंगाली स्वीट्स (प्रा०) लिमिटेड (अन्तर्रक)

(अन्तर्ग) 2 श्री वैज्ञाय बिहारीलाल अगरवाल (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाप में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिन की क्षतिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी ब्राधिस वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी सन्य क्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पृक्ष सिकित में किए आ सकी।

स्थानिकरण ;— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

तरपर्य

श्रॉप नं० 9 ए, जो दीप र विल्डिंग, 38, जे० बी० नगर, कुला-श्रंधेरी रोड, बस्बई-400059, में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-2/37/13483/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक्त आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जने प्रेज-2 , बम्बई ।

दिनांक: 1-6-1985

बोहर 🏻

NEW MIST. ET. EW., CH., CO. SPECERS

-आयक्ट अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) **की** धरा 269 घ (1) के अधीन स्थान

सारत संदुर्वापु

कार्यालय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 6 जन, 1985

िरदेश २० अई-2/37-ईई/13869/84-85---अत: मुझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आहा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 201, जो, 2री मंजिल, अर्रविंद शारिंग सेंटर, प्लाट नं० 69, टीपीएस न 5, सांताकुज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिसका करारतामा अधिनियम की धायकर घारा 269 क ख के अधीत सक्षम शाधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 26-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित माजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वात करने का कारण हो कि यथाप्यिकत गंपरित का उजिल बाजार मृत्य. उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय स्था गया प्रतिफल. निम्नितियोंन उद्वेदय से अन्तर्ण अन्तर्ण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिक्त

- (क) मन्तरण से हुवं किसी नाव की नावचं। उन्नव मधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक कें दायिका की कड़ी आरसे या उससे मणने मी ख़ुविधा के लिए; और या/,
- ार्टियो िक्सी आय या किसी धन वा बन्स बास्तिवाँ सहै, जिन्हों नारतीय आयकर अधिनियम, 1922 अस्ति अस्ति या उन्त अधिनियम, या धन-अस् अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अलारिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

भारा अन्य, उत्तर अधिनियम की भारा 269-ण की अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात ह (1) मैसर्स श्री श्रीमल बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवेंया एम० शेट्टी ग्रांर पुष्पा एस० शेट्टी (अन्तरिसी)

का वह व्यान प्राद्धी कडके प्रॉक्ट अंपरित से वर्षन के निष् कार्यमाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के बंबंध में कोई भी नामीय हनन

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नविध सा तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्पन्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दिन 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबप्थ किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकरेंगे।

स्थक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

वनस्थी

"फ्लैंट नं० 201, जो 2री मंजिल, अरिवंद गापिंग सेंटर। प्लॉट नं० 69, टी० पी० एस० न० 5, सांताकुज बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं०अई-2/37-ईई/13869/84- 85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाण दिनांक 26-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मिण दाग सक्षम प्राधिकारी महासक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई।

दिनांक: 6-6-1985

मोहर 🖪

मक्त कार्या की . एवं . एवं , अन्यनकारपान

बायक र जीवनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) के बचीन सुवना

明正位 養玉寺(で

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985 🕝

निदेश सं० अई-2/37-ईई/13195/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा गमा हैं), की पाड़ी 269-य के मिनि सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला स्थात बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से मिनिक हैं

श्रीर जिसकी सं० नं० 75, रतना ज्योति इण्डस्ट्रियल इस्टैंट, वूसरी मंजिल, दर्शा गाँतन, विले पार्ले, (प.) बम्बई—400 056 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा जिसकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को स्वित बाधार मूच्य से कम को स्वयमान ।तिफल को लिए जन्ति स्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का अभित बाधार मूच्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ।और अंतरिती (मंतिसियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निसिसित स्त्यूरेव से उसते स्वत्तरण किवित में वास्कृतिक रूप से किवित नहीं किया गवा है है—

- (क) जन्तरण से हुए किसी शांध की बादत, सक्त बिप्तियम के जभीन कर दोने के श्नारक के शांवित्य में कमी बरने या उससे बुचने में सुविधा के किए; ब्रीफ/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भंत या नत्य नास्तियों कों, जिन्हों भारतीय नाय-कार निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निभिन्यम, वा भन-कार निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिकी स्वारा प्रकट मुद्दी किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिका के त्रिहा;

अतः जयः, वाया विधिवयम की भारा 269-न भी अनुसरण में, में उक्त विभिन्दम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अधीत्:--- 1. मेसर्स बाम्बे नोबल्टी इण्डस्ट्रीज।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विद्याबेन प्रतापणंकर पांड्या श्रीर श्रीमती ताराबेन आनंद णंकर पांड्यार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पृत्रोंकत सम्परित के अर्जून कें जिए कार्यभादिकों करता हुं।

बायक संयक्ति के अर्थन के बंधिया में करेड़ों भी लाखेंथ : " ...

- (क) इस स्वना के राजपत्र मी प्रकाशन की तास्त्र से 45 विव की वविष मा तत्संबंधी अमेक्सियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , को भी अवधि नाव में समाप्त होती हो , के मीतर पर्वोक्त अविषयों में से किसी कारित प्रवासित
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन नहें ताराज ते 45 विन के मीतर जकत स्थावर संपत्ति में हित्यस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकरणः — इसमें प्रमुक्त सब्दों नौर पदों का, को अकत अधिनियम, को अध्याय 20-य का धी उद्यक्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

नं० 75, जो रतना ज्वोति इण्डस्ट्रियल इस्टेट, दूसरी मंजिल, इर्ना गौतम, विले पार्ले, (प०) बम्बई-400056, में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37—ईई/13195/84–85 ग्राँर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 5–10–1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहर 🔅

हरूम बार्च हो. एन एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाष 269-म (1) के मभीन सुमना

कारत प्रकृत

कार्यालय, सहायक्ष आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्तई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/13009/84-85 मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्क अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क ने अधीन स्थाम प्रशिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, विश्वका स्वित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जमीन मंजिल, मीनू अपाटमेंट्य, विले पार्ली, (पू०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रौर पूर्ण रूप गें बणित है). श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित काजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास फरने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके 'क्ष्यकान प्रतिफल से, एसे अत्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचात सं पित्रक हैं और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीकोचित उच्चेच्य से उच्य अंतरण विचित में बास्तिकक क्या से कथित नहीं किया नवा हैं:——

- (क) विनाडण से हार्य किसी आम की बाबत, उक्त ऑक्शियम् के अधीन कार धीने के जंतरक की वायित्व में कभी कारणे या उसके वचने में सुविधा वी निष्; व्यार/वा
- [क] एको किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) वा स्थल अधिनियम, या भन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया नया या या किया जाना चाहिए वा, किया विषया के लिए;

अतः अतः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—

1. मेसर्स मीन् कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी। .

(अन्तरक)

2. डॉ॰ कमाल एच पारिक।

(अन्तरिती)

की यह तुषना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप उ-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की शविधि या तत्त्रत्वन्धी व्यक्तियों पर स्वा की ताबीय है 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति वृक्ष की स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति वृक्षाः;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 विभ के शीतर उसके स्थावर सम्पत्ति में हितनव्य किशी बन्ध व्यक्ति व्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास तिथित में किये का सकेंगे।

स्वकासरण :----इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, को उन्नर वाँचीनवान के सम्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्थ डांगा को उस सभ्याय में दिया न्या ही।

arrest .

पलैंट नं० 5, जो जमीन मंजिल, मीनू अपार्टमेंटस, विले पार्ले (पूरब) बम्बई, में स्थित है।

अनमूची जैसा कि कर संर अई-2/37—ईई/13009/84–85 थ्रींग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

नक्ष्म**ण**िंदास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-2, **बम्बई**

तारीख: 1-6-1985

मोहर 😨

प्ररूप मार्च , टी. एन , एस ,-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13111/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अग्राकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी मं० फ्लैट नं० 3, पहली मंजिल, मीनू अपार्टमेट, भन्दा पाटकर रोड़, प्लाट नं० 322, बिले पार्ले रोड़, बम्बई- 400 057 में स्थित है (प्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रांर जिसका करारनामा अभ्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 3-10-1984

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितात से अधिक है और अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ;—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर निध-नियम के मभीन कर दोने के अन्तरक के धामित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ज़ीड़/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया स्विधा हो लिए;

अक्ष अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) को अधीन, निस्मलि कित व्यक्तिसम्, अर्थात् क्ष- 1. मेस्स मीनु कन्स्ट्रअशन अम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री मुहास मनोहर मेहना।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप दे-

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

अनुसूत्री

पलैट नं० 3, जो पहली मंजिल, मीनू अवार्टमेंटस, नन्दा पाटकर रोड़, प्लाट सं० 322, विले पार्ले रोड़, बम्बई— 400 057, में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/13111/84-85 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी ,बम्बई द्वारा दिनांक 3-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुषत (मिरीक्षण) अर्जन रेज~2, बम्बई

नारी**ख**: 3-6-1985

मोद्धर 🎍

प्रकम बाई .टी.एन.एत.------

भावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिशांक 12 जूम 1985

मिदेश सं० अई-2/37-ईई/13397/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काडण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव दुकान नंव 7, जो, ग्राउण्ड फ्लार, 13, सितलादेवी टेम्पल रोड़, माहीम, बम्बई—16 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण का में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 11-10-1984 को पूर्वोक्त संपरित के उण्ला बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्वरित की नई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथामुर्वोक्त सम्मत्ति का उण्लित भाषार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्तर शिक्त विषय है और अन्तरक (जन्तरक) और अन्तरित (जन्तरितयों) के बीध देने अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिकल, निम्नितिवित अद्वित्य से उक्त अन्तरण मिलत में वास्त प्रतिकल, निम्नितिवित अद्वित्य से उक्त अन्तरण मिलत में वास्त विक कप से किया गया श्री क्या गया है :—

- . (क) अभ्यारण से हुन्द्र जिस्सी आय करी वासता, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अभ्यारक के पायित्य में कनी करने या उससे वसके में सुनिधा को किए: और/वा
 - (च) एसी किसी या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाता जाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए।

नतः जन्न उन्त निभिनियम की भाष 269-म को अनुसरण में, में, उन्त निनियम की भाष 269-म की उपभाष (1) को नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरू

- 1. मेसर्स पिंटो कन्स्ट्रकशन्स (प्रायवेट) लिमिटे (अन्सरक)
- 2. श्री अशोक कन्हैयालाल गजवानी श्रीर श्री कन्हैया-लाल रामदास गजधानी।

(अस्मिरिती)

अन्तरतियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन औं हिन्छु कार्यशाहियां करता हुं ।

उमत सम्पत्ति को नर्पन को संबंध में कोई भी जाक्रेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अनिध का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- . (व) इ.स. सूचना के राजपण मा प्रकासन का तारीब के 45 दिन के भीतर उसत स्थायर संपत्ति में हितीक्क्षे किसी कन्य स्थायत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकति।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

दुकान नं० 7, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, 43, शितलादेवी टेम्पल रोड़, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि कि सं अई-2/37-ईई/13397/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मिण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-6-1985

भोहर 🏰

प्र**पत्त बार्ड** ट**ी. एन्. एच**्न जन न न न

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की - भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नाइक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्शन रेज-2, बम्बई बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985 निदेण स० प्रई-2/37—ईई/13479/84—85—प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य किं0,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव फ्लैट नंव 302 और 303, तीमरी मंजिल, मनु स्मृति, विले पार्ले, (पूरव) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावछ अनुमूची में और पूर्ण कृप से विणित है), और जिस्क्रा करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, या के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 12-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत राजार मृत्य सं कम के इस्प्राव प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुखे यह अवस्थास अरतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुखे यह अवस्थास अरतिफल के निए अन्तरित की गई है और अधिमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिणय से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्षों) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के शिए प्रव पामा अप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त जिम्मियम के जभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के विष्: कार/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन भा अस्य आस्तियों +जा, जिल भारतीय गायक अधिनियम, 1922 (1022 का 11) मा ६६व अधिनियम, पा सन्यक्त अधिनियम, पा सन्यक्त अधिनियम, पा सन्यक्ति अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ

त: भव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. मैं० नैशनल बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री म्रिबन्द कुमार एच० पटनी।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है).

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु-।

दुक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अपि या तत्संबंधी न्यानितयों पर सूचा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनीं बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;

९पव्यक्तिक्रां च इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदाें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

पर्लंट नं० 302 और 303, जो, तीसरी मंजिल, मनु समृति विले पार्ले (पूरब), बम्बई में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि ॐ० सं० ग्रई-2/37-ईई/13479/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ध किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी 'सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 3-6-1985

महिरु 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 सन 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मान्यत (मिरीकण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/13826/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पलैट नंव 303, तन्द बीप, तीसरी मंजिल, विलेज चकाला, तारुण भारत कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, स्टेशन शोध, जिले पार्ले (पूरज), बम्बई-57 में स्थित है (और इसमे उपाबक अनुमूची में और पूर्ण हप से वर्णित है), और जिनंका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 भी धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-10-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के उरयमान प्रक्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल दरमनान प्रतिकल के पर्न्द्रह प्रतिकृतः से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौप वंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिवित उपविचय से जनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किभित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के छन्तरह, के वासित्य में कनी करने या उससे बचने में सृद्धिभा के सिष्ट; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रस्ते आर्थ अन्तिरियों अन्तिरियों ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने यें सुविधा के लिए;

कतः सव, उक्त क्रीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिकियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति अधिकायों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रकीप बाबूशाय पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वीपक बी० पारिख और श्रीमती मृणालिनी अरि० पारिखा।

(ऋद्वरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्दक्ति के अर्चन के तिए कार्यपाहियां करता हुं।

सकत संपत्ति को नर्जन को संबंध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सर्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रूसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसब्देश किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पळितिरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 303, जो नन्द बीप, तीसरी मंजिल, विलेज चकाला, तरुण भारत बोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, स्टेगन रोष, विले पार्ले (पूरब), बम्बई-400 057 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि अ० सं० ग्रई-2/37–ईई/13826/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26–10–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणे दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, बम्बई

नारी**ष**: 3-6-1985

प्रथम कहा_{ँ व}र्गे , दुवं _वर्गे क्षेत्र कर संस्थान

মন্ত্রত ক তিলিক্স, 1961 (1961 কা 43) কী মত 269-ক (1) মী কথাৰ মুদ্ৰকা

HILL BUTE

कार्यःलय, स**हायक शायकर वाग्वत (निरीक्षण)**

श्रर्भन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं ॰ ग्रई-2/37-ईई/13283/84-85---श्रत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) (पिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त निर्मातम' कहा गया है), निर्मा भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीविकार' के यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उच्ति वाकार मुख्य 1,00,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी संव यूनिट नंव 80, एवं बीव, बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, रतन ज्योति ६ण्डस्ट्रियल ६स्टेट, ६की गीतन, किले पार्ले पूर्णकाल, रतन ज्योति ६ण्डस्ट्रियल ६स्टेट, ६की गीतन, किले पार्ले पूर्णकाल है (और ६समें उपावक प्रानुसूची में और पूर्णकाल से विणत है), और जिसका कराण्नामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, वस्त्वई स्थित मक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्दी है, नारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के धर्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गधे हैं और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप्रात्ति का सिवक का पंद्रह प्रतिकत से प्रवेश क्ष्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निर्वेशक में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी मान की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में क्रवी करते था उत्तर्थ बनने में सुविधा के जिल्ह करि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन वा जन्म वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार जिन्हों भी सिन्यम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, वा भनकार अधिनियम, वा भन्यारिती स्थारा प्रकाट नहीं किया गया या किया जाना भाष्ट्रिए था. किया में स्विमा के किया;

बतः अव, उक्त अधिनियम को भाग 269-ग के बन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की बपभाष (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 61—156GI/85

- 1. श्रीमती रवीन्द्र कौर गुरु दसाल सिंह। (ग्रन्तरक)
- कुमारी प्रभीला कांजी नागडा।
 (भ्रन्सरिती)
- 3. ग्रन्तरिती

(बहु व्यक्ति, ज़िसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी सरके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षण के जिए कार्यगाहियां करता हुं।

उन्त कमित्त के वर्णन के बंबंध में नेम्ह भी नार्शन :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाकत की बारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचवा की कामीब से 30 दिन की अविधि, जो भी क्यिप वाद में समान्त हांती हो, के मीलार पृक्षेत्रत व्यक्तियों में से किसी क्यमित इवस्य;
- (व) इस स्वाम के रामपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतद उक्त स्वामर सम्पत्ति में हित-बहुष किसी जन्म स्थानित स्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सम्बोगे।

न्यक्ष करण --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में टिका नवा है।

वन्युची

यूनिट नं० 80, जो ए० बी० विल्डिंग, शीसरी मंजिल, रतना ज्योति अण्डस्ट्रियल अस्टेट, अर्ला नौतन, विले पार्ले (प०), बम्बई-400 056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि श्र० सं० श्रई-2/37–ईई/13283/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनांक 5-10-1984 को राजस्टर्ट्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सद्दाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्**नर्ड**

नारीख: 3-6-1985

प्रक्रम आहे. टी. एव. एवं ज्लानकार

आयकार वॉलिनियनं, 1961 (1961 का 43) की चाछा 269-च (1) में नभीन मुचना

भारत सरकार

कार्वोक्रम , सङ्घयक जायकर वायुक्त (रिनरीक्र्क)

ग्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985 निदेश सं० ग्रई-2/37-ईई/13658/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकार मिशियम, 1961 (1961 का 43) (विन्ने इन्ना) इसकी पश्चात् 'उक्तः मिशियम' कहा गया हैं), की धारा ?69-क के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विकास कारने १४ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृश्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं णाप नं 7, शिरीन सोहराब पैलेस, प्लाट नं 225, नारिमान रोड़, किले पार्ने (पूर्व), बम्बई—400 057 में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप सि वर्णित है), और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पृथेक्ति सम्पन्नि के उजित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान बित्रक्त के सिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उजित बाजार बृद्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तम पागा चया प्रतिफल, निम्निसिचित उज्वेषय से उक्त अंतरण लिचित में बास्ट्रीक्क एप से कीचत नहीं किया नवा है है—

- (क) वन्तरण वे हुई किसीं बान की बानत, अन्त मिनियम के गंधीर कर दोने के मन्तरक के श्रीमत्थ में कमी करने वा प्रसर्व ब्याने में सुनिधा के किए; मरिया
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अभिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गंवा था या किया बाना आहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

बाह क्य क्या विधिनियम की बारा 269-व के बन्बहुक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीब, निम्मिशिकि स्वित्तों, नवादि ह— 1. मैं० सवानी फैमिली ट्रस्ट।

(भ्रन्तरक)

2. मैं । मणी सेल्स कार्पोरेशन।

(ब्रन्तरिती)

को वह सूचना वारी खरके पुत्रोचन कम्परित से नवीनकी शिक कार्यवाहियों कारतर हुए।

क्वत सत्वरित में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंप ह---

- (क) इस स्थान भी राज्यम भी प्रकाशन की तारीय में 45 विश्व की सर्वीत या तत्त्वंत्री व्यक्तियों भर स्वाम भी ताजील से 30 दिन को अन्या, औं भी अविश्व में स्थाप्त होती हो, भी भीतर प्रवेक्त स्थाप्तियों में से किसी स्थाप्त स्थापत;
- (थ) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकावन की वाडीय है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर कम्पीत ने हितवड़ भ किसी कम्प व्यक्ति इतारा वभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकते।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदौं का, को उभीत विधित्रियम के अध्याव 20 क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उन्हें सध्याय में दिया गवा है।

बव्त्की

शाप नं० 7, ओ शिरीन सोहराब पैलेस, ग्लाट नं० 225, नारिमान रोष्ट्र, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37–ईई/13658/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई कारा दिनांक 20-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणु दास सक्षम श्रीधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 3-6-1985

मोहर ह

प्राक्त बाद'.टॉ. युद् , युद्ध ;----

नायकार निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नेभीन सूचना

गारत सरकार

कार्यां सम्, सहायक मायकार नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेश मं अई-2/37—ईई/13963/84–85—अनः मृही, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार (जिसे इसमें कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 34, जुहू रजनीगंधा सोसायटी, जुलमोहर कास रोड, विले पार्ले (प०), बवर्ग्ड-400049 कि स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा जायकर जीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 29-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्प से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित आकार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकल, निम्मिनियत अव्यवेष्य के उसत अन्तरण कि विश्व स्थान में वास्तिकल क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण चे हुई जिसी जान की वाचस, कवस शीवित्यत से लगीन कर की लें अन्तर्थ के शिवत्य में कमी करने या उचने जनने में स्विधा वै सिम्; बीर/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियाँ को चिन्हुं धारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा चे निक्;

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :---

4:

1 श्री नंबक्मार गोपिनाथ वेडक

(अन्तरक)

श्री अजित कुमार मोहनलाल नाम्राणी।

(अन्तरिसी)ं

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

अन्तरितो

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

नहीं यह शृष्या पारी करके प्यक्तित सम्परित में जर्बन से सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ४---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविभित्य तत्संसंधी अयिक्तयों पर धूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्रीकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिल्लाम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया दवा है।

अनुशूची

फ्लैंट नं० 34, जो जुहु रजनीगंध्रा सोसायटी, गुलमोहर क्रास रोड, धिले पार्ले (प०), बम्बई-400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कै० सं० अई-2/37-ईई/13963/ 84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, यम्बई

सारीख: 3-6-1985

मोहर 🤃

प्रकृष् बाइ .टी. एन. धस. ------

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13278/84-85-अतः मुझे, लक्षमण दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 1, ईली की उत्तर की म्रोर, नालिया, जुहू बिले पार्ले डेबलपमेट स्कीम नं 19, जाड़ नं 3, सी टी एस नं 27 (पार्ट), बम्बई में स्थित हैं (प्रीर इससे उपावद अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2694, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के जायीलय में राजस्ट्री हे, तारीख 5-10~1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिहित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उज्ले अन्तरण निवित्त में शास्त्रिक रूप से कथित महीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय कां बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत क्यक्तियों, अर्थात् हु----

1. डा० ऑनल रंछोडदास भाटिया।

(अन्तरक)

2. श्री एस० एन० सिन्हा।

(जन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि। को अविध या तत्सेबंधी स्थातियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिये मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है से 45 कि के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिट्टे वृध किसी ध्न्य व्यक्ति व्यास अधाहस्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगा।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हक्षींगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्नैट नं० 1. जो ईर्ला के उत्तर की ग्रोर, जुहू विले पार्ले डेवलपमेंट स्कीम नं० 19, प्लाट नं० 3, सी० टी० एस० नं० 27 (पार्ट्), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37–ईई/13278/84–85 और जी सक्षम प्रश्चिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 5-10-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

क्षक्रमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेजि-2, बस्बई

तारीख: 1-6-1985

प्ररूप आहर्र, दि. एन. एस. -----

'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; बम्बई

बम्बई, दिनांदा 3 जून 1985

निर्देश मं० अर्ड-2/37-ईई/13659/84-85—अतः मुत्रे, सक्षमण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित वाज़ार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव शाप नंव 6, शिरीन सीहराब पैलेस, क्वाट नंव 225, नारिमान रोड, बिले पार्ने (पूर्व), बम्बई— र्रे 00 057 में स्थित हैं (योर इसमें उपाबड़ अनुसूर्वा में योर पूर्ण क्या विवित्त है), ग्रोर जिसका करारतामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, सजन पाबकारी के 'कार्यालय बम्बई में रिजम्ट्री हैं, नारीख 20-10-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार बन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) औड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पान गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियंम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंम, पा धन-कर अधिनियंम, पा धन-कर अधिनियंम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अथ,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसिखत, व्यन्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० सवानी फैमिली दूरह।

(अन्तरक)

2. मेंसर्स बीना एजेन्सी, प्रोपराइटर वारेन्द्र जेठभाय मारू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसें अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित र से किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राप नं० 6, जो शिरीन सोहराव पैलेस, 'लाट नं० 225, नारिमान रोड, विले पार्ले, (पूर्व), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुम्ची जैसा कि कि के सं० अई-2/37—ईई/1365984-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. बम्बई

तारीख: 3-6-1985

भांहर :

भक्ष **मार्थ**ा टी. एन् ,। एस ,। = ८ = ==

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) हाई भारा 269-म (1) के मभीन सुमना

शाया बरका

कार्यालय, सहायक भारकर नायुक्त (रिनरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985 निर्देश सं० अई--2/37-ईई/13448/84--85---अतः मुहे,

नायकर वरिभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्षके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है कि 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मृश्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 63, छठी गंजिल, बिल्डिंग नं० 1,''गोल्ड मिस्टं'' जुह विले पार्ले डेवलपमेंट स्कीम, यिले पार्चे (प०), बम्बई-400056 में स्थित में (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयक्ष अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बायिलिय में र्राजर्म्द्रा है, तारीख 12-10--1984

को वर्धोक्त सम्पत्ति के छाचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त तम्पत्ति का उपित बाबार मध्य, उसके दश्यभाग प्रतिकास से, एसे दश्यभाग प्रतिकास स्रे वश्रुष्ठ प्रतिकृत से वृधिक है और वंतरक (बैतरकों) और वंतरिती (मंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-कल निम्मलिसित उद्देश्य से उस्त बन्तरण निकित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) नतरण से हुए किसी नाय की वायव, उनक विधिनियम के स्थीन कर दोने के संसहक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अमस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) यह उक्त अधिनियम, या धन सर्जीर्धानयम, 1957 (1957 का 27) औ प्रकार कार्य कर्तारकी ब्रुवारा प्रकट नहीं किया गय. था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुनिधा ਵੀ ਦਿਹ:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में अनत अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के बधीन, निम्तासिक्त व्यक्तियों, वर्षात् छ---

1. श्री प्राणलाल पूरवोत्तमदास कामदार

(अन्तरक्)

श्री प्रभात माधवप्रसाद खेमका।

(अन्द्रविरती)

3. अन्त(रती

(बह उपित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी कारको पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इ.स. स्वाना के रावधन में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधनाकी तामील से 30 दिन की बविध, जो और अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वोक्ते व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीक ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मबुध किसी अन्य व्यक्ति बुधारा बधोहस्ताक्षरी कं पास मिनित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही सभी होगा, जो उस, अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्लैट नं० 63, जो छठी मेजिल, बिस्डिंग नं० 1, "गोहड मिस्ट", जह विले पार्ले डेवलपमेंट स्कीम, किले पार्ले, (प०), बम्बई-400 056, में रिथत है।

अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/13448/ 84-85 ग्रंगर जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 💯 नंक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहरू 🗈

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

विशिधन्त , सहावक बायकाउ बायुक्त (निर्याजन) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० अई-2/37 ईई/13087/84-85-अतः मुझे, सक्मण दास,

भागकार अधिगिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्टारण है कि स्थावण सम्मति, जिसका इधित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० न० 69, हिस्सा नं० 1 श्रीर 3 (पी० टी०), सी० टी० एस० नं० 817, 817/1 से 2. फैनल प्लाट नं० 10, टी० पी० एस० नी०, श्रद्धानन्द, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणक्त है), श्रीर जिसका किंद्रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को प्रॉक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यॉक्त सम्मित का उपित बाजार मून्य, उनके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया। गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (च) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था., जिल्लाने भें सुरैशा के लिए,

क्तः बन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, चिम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ह्रे— 1. श्रीमती मीना शेशानन्त धानोलकर, श्रीमती संधा प्रकाश धानोलकर, कुमारी नूतन शेपानाथ धानो- लकर।

(अंसरक)

2. मेसर्स महालक्ष्मी बिल्डर्स।

(अंतिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के सिष् कार्यकाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप र----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध कियी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये का सकेंगे।

स्युक्तीकरण :--- इसमें प्रयूक्त सुक्तों और पतों का, को उक्ते वर्षिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वही अर्थ होगा, जो उस बुध्याय में विभा स्वा ही।

जन्सूची

एस० नं० 69, जो हिस्सा नं० 1 और 3 (पी० टी०), सी० टी० एस० नं० 817, 817/1, से 2, फैनल प्लाट नं० 10, टी० पी० एस० वी०, श्रद्धानन्द, विले पार्ले, श्रम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं ग्रिंड-2, 37 हुई 13087, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गन रेंज⊶2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्रस्य नार्वे ही एन एच -----

1. मेसर्स विनय विल्डर्स।

(अंसरक)

बावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थता 2. श्री विलीप रामकृष्ण खेर।

(अंतरिती)

HIM TEMS

कार्यासय, सहायक भायकर मामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 3 जुन 1985

निदेश सं० म्रई-2/37 ईई/13240/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, श्री स्वामी समर्थ अपार्टमेंटस, फ्लाट नं० 60, तरुण भारत कोआपरेटिव हाउसिंग सीसायटी लिमिटेड, सहार रोड़, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 093 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख़ 5-10-1984

को वृत्तीयत सम्परित के उभित बाजार मूल्य ते कम के ध्यवनात बित्यक के सिए अन्तरित की गर्व हैं और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि अभापनित सम्पर्ति का उभित स्वजार वृत्य उसके ध्रम्यकान अविश्वय श्रीत हो अप अस्तरिक (अंतरक) और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के विषय स्वयं नाम प्रतिकात, विम्निसित उद्योध्य से उसत अंवरण के सिए स्वयं नाम प्रतिकात, विम्निसितिय उद्योध्य से उसत अंवरण के सिक्त अंतरित अस्ति के साम स्वाप्तिक क्या से किया नहीं किया गया है "---

- (क) अध्ययन तं हुइं किसी नाथ की वाबत, सकत अधिनियर के अधीन कर दोने के अस्तरक के सर्वित्य में कभी करमें वा सतसे वचने में सुनिधा के सिय; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन या जन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जायकार जिथितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या जनकर विधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए जा, जियाने में सुनिधा की विद्या;

अतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक को, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निश्नतिशिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ध—

को यह बुचना ज्ञारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टेस को अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्बन्धि के कुर्वन के संबंध में कोई भी भारते हैं---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो जी जनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीषर प्रविकास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर अवत स्थावर गंपरित में हित्तक्ष्ट्रिय किसी सन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के न्यास तिथित में किए वा सकीगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

नवजनी

पलैंट नं० 1,जो श्री स्वामी समर्थ अपार्टमेंटस, प्लाट नं० 60, तरूण भारत कोआपरेटिव हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, सहार ्रोड़, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 095, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37 ईई/13240/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मर्जे वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 3-6-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

जायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षण 263-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

च्यायालयः, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुन 1985

निदेश सं० अ $\{-2/37 \text{ ईई}/13785/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दःस,$

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० पर्नट तं० 42-ए०, हिस्त, तं० 2, सी० टी० एस० तं० 671, 671/1 से 371/4, गुंड बती, प्रधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ष्रीर इसके उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विभात है), श्रांर जिसका कार्रारामा अत्यक्तर अधिनयम, 1961 की धारा 269क, कि अधीन सक्षम प्राधिकारी के सार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, सारीख 23-10-1984

को पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित्त का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीत निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 62—156GI/85

- 1. श्री वसंग डी० जोशी, श्रीनती अपरना जोशी। (अन्तरक)
- मेसर्ग देनत्य असो.सर्वेट्स

(अटा ्रिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्विवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तासंबंधी व्यक्तिगाँ दर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यवितमों में विज्ञी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्यारा अलोहस्ताक्षरी के पांच निष्यत में किए जा स्कर्न।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त प्राव्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

अनुसूची

प्लाट नं० 42ए०, हिस्सा नं० 2, सी० टी० एस० । न० 671, 671/1 से 671/4, गुंडावर्ता, श्रंधेरी (पूर्व), धमबर्ष में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि कि सं अई-2/37 ईई/13785, 84-85 श्रीर जो नजम गाविकरी, बम्बई ढारा दिनांक 23-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गमा है।

> लक्ष्मण द(स सन्नम प्राधिकारी सहायक आयहर अःयुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज→2, बस्बई

तारीख: 3-6-1985

इस्य बाह्र हो. एत. एवं.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के नधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जन 1985

निदेश सं० श्रई-2/37 ईई/13784,84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियंग, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षय वाधिकारी को यह विष्याः करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 42 ए०, हिस्सा नं० 1, सी० टी॰ एस॰ नं॰ 507, 507, 1 से 507, 12, गंड बती, श्रंबेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 23-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथाल्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पिक्कल, निम्नलिमित उददेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में शास्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरक सं हुई कि ही आब को गानत, उस्त वाधिनियम के जधीन कर देने के बन्तरक की र्याम्स्य म कभी करन का उसन वचने में सविधा के लिए: बीर/गा
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (195**7** का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया बाबा किया जाता चाहिए बा, क्रियाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री वसंत डो० जोशी, श्रीमती अपरना वसंत जोशी। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स देवाय असोशियेटस

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त मंपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किंग की अवीक सा तत्यंगंधी अयोक्तका ५४ सूचना की तामील सं 30 दिन की अवध्य, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, ये भीतर व्योच्ड कानिक भी में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाँठ ।'तिष्यत लें 'का मा मार्गि।'

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शध्याह 30-क में परिमाधित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्थी .

प्लाट नं० 42 ए०, जो हिस्सा नं० 1, सी० टी० , एस० 507, 507/1 से 507/12, गुंडावती, अंबेरी (पूर्व), वम्बई-400 069, में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37-ईई/13784/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग -दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

3-6-1985 त≀रीखः

The same of the sa प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश स० ग्रई-2/37-ईई/13289/84-85--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दाव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,06,000/- रा. से निधंक है

श्रीर जितकी स० यूनिट नं० 11 जमीन मंजिल मखा-रिया इण्डस्ट्यिल जाम्यलैक्स प्लाट नं० 27 महाकाली केवरा रोड़ ग्रंधेरी (पु०) बम्बई-400 093 में स्थित है (ग्रीर इससे उराबढ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिस्ता करारनामा ग्रायकर ग्रधि।नयम 1961 की धारा 269 ह ख के ग्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उक्यवान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई जीर मुक्तें यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण स हुई किसी बाद की शह., उसत शीभी तक्या के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाधितंव में कभी करने या उससे बचने में सविधा कं निए; और/नः
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों विकित् भारतीर लाय-कर बीपनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत विधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गबा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा. (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री मोहसीन गुलामहुसेन बच्चूम्रली।
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नारायण श्रीनिवास शेरेगर।

(अन्तरिती)

को बहु सूच्या जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की तबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित जिल्ला में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस स्थना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख धं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकों गें।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा जो उस नध्याम् में दिवा मबा है:

अन्स्ची

यूनिट नं० 11, जो जमीन मजिल, मखारिया इण्डस्ट्यिल काम्पलैक्स, प्लाट नं० 27, महाकाली केवस रोड़, ग्रंधरी (पू०), बम्बई-400 093, में स्थित है।

अनुसूची जैसा िक ऋ० सं० अई-2/37-ईई/13289/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

ारीख: 1-6-1985

नस्त्र कार . दी. हत. एवं. एवं.

अध्यक्तर लीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मुख्या

कार्यालय, सहायक जायकार आयता (निरोक्षण)

यर्जन रेज-2, वस्बई

बन्दर्ड, रिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० शई-2/37-ईई/13513/84-85--ग्राः मुझे, लदमण दात्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्राके पश्चात् 'जक्त आंधिनियम' कहा गया है), की धारा - ४५५ ह 、"好"。唐 斯俊訓 भारण है कि स्थानर : ए. हि. दिशवा उरेपत काजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रोर जिसको सं० वृधिट नं० 24 जीन संज्लि मबाध्या इण्डस्ट्रियल काललैका, प्लाट नं 27. महाजाली केया रोड़, ग्रंबेरी (पू०) वस्यी-400 093 में त्यित है (ग्रीर इससे उनावड अनुस्ते: में और पूर्ण रूप के वर्गित है), ग्रीर जिनका पराधामा ग्रायकर श्विनियम 1961 की धारा 2695 व े अजोत वस्पई जिन उन्नम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्रिं है तारोख 12-10-1984

ा वृ**र्वोक्त संपत्ति** के अभित बाकार गुल्य में कल के अध्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारणे हैं। कि यथापुर्वेदां संपर्वित की अंक्स दाजार मुल्या, उसके स्थमान प्रतिकता से होने स्थामान प्रतिकत का - इ**न्द्रह प्रतिकात** सं अधिक हो और उन्हारक ' इन्द्ररकों। क्ष**ैर अन्तरिती** (बन्तिरितियों) के बीच एरें अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रति-कन, निम्तांस्वित हिंद्दोस्य में हस्या बतारण विधित का राहतः ायक रूप स वर्णित राज्य है जान है -

- ्(क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में करी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी एएको अल धारिनको उन आउन्य व्यक्तिस कां, जिल्हें भारतीय आवतार वांधानियम, 1922 (1922 का 11) मा तजत क्षितियम, या धनका वीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिही दुशरा "कर नहते किया यहा भा या किया बाना बाहिए था, छिपानं ये मृतिधा से लिए

वतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण रं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) व्ये अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--

1. मेसर्स मखारिया बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री ग्रशोक एच० पारिख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वायत सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (त) दस मृदना के राजधन में प्रकाशन की **तारीय ह** 45 दिन की अवधि या सत्संबधी व्यक्तियाँ पर न्दन की तामील से 39 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्वार्विस मिनतयाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना यो र अपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर रावत रक्षावर सम्पत्ति में हित ण्डुभ किसी अन्य गणित इशास, वश्रोहस्ताक्षरी हुन राग सिरस्ता से राग्न का संदोंगे।

स्वधीकरण:--इन्मी प्रयुक्त अन्दर्श और पदा का, मा उत्तर निविधिम, बी अध्याय १० क में परिभाषित है, वहां अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया

शनस्त्री

यूनिट नं ० 24 जो जने : मंजिन मवारिया इण्डस्ट्रियल काम्पलैवन प्लाट नं० 27 महाकाली केवस रोड़, म्रंबेरी (पू०) बम्बई-400 093 में स्थित है।

अनुसूत्री जैता िः क∘ मं० अर्ड-2/37–ईई/13513 84-85 ग्रीर जी सझम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 की रिजस्टर्ड किया एया है।

> लक्मग दास सक्षम प्राधिकारी चहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्रि. धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेज−2 वस्य**ई** बम्ब**ई, दि**नीय । जून 1985

निदेश सं० अई-2/37-ईई/13000/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिनकी संव धलैंट नंव 22 दूहरी मंजिल विस्डिंग दें एनव टीव 25 विजय नगर मारोल मारोशी, रीड़ अधेरी (पूर्व), बम्बई -400 059, में स्थित है (ग्रीर इवसे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से विवित्त है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्राय १२ अधितियम, 1961 की धारा 269 के, ख ने श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को प्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह दिश्यामं करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान शितकल से, एसे अवस्थान शितकल के पंद्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्षियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण रां हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससं बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एरों किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सूविधा के लिए;

कतः अव, उकः अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपथारा (1) को अधीन, निम्मणिखित व्यक्तियों, अधीत् :— श्री रामा वेंकटेश।

(भन्तरक)

2. श्रीमती सुधा मोहन कामत

(धन्तरिती)

3. भन्तरक

(यह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उयत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में सगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस । 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

वनुसूधी

पलैट नं० 22, जो दूसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० एल० टी०-25, बिजय नगर, मारोल मारोशी, रोड़ ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059, में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि वं श्रष्ट -2/37-ईई/13060/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 1-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, वस्बर्ध

तारीख: 1-6-1985

मोहर ;

प्रक्रम बाइं, टी. एन. एस. ४०० -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के सभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मध्यक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निदेण सं० अई-2/37-ईई/13786/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दाय,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की 269-क को अधीन राभव प्राधिकार्य है। अधीन भाग %! रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रा. से अधिक ही श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 42-ए०, हिस्सा नं० 6, सी० टीं। एसः नं 506, 506/1 से 506/19 और 509 ग्डावती, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 069, में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुची) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका करारनामा श्रायहर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित लक्षम प्राधिरारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 23-10-84 तः पुत्रावत संपत्ति के अधित कालार मृन्य से कल में पटनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरममान प्रतिकल का पन्द्रह प्रक्षियत से अधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-। रती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संद्वाहर किया अप को बाबत, तथक ११६१ मध्य के अपन प्राचित का का अपन प्राचन में अमी करने या तक्का बचने हैं प्रुविधा के सिद्धः
- अ तार जिने का का किया गाया कर अधिनियम, 1922 को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं विका गया था या किया बाना बाहिए था, क्रियंकों सुविधा की जिए?

शतः जन, उक्त मिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) ले अधीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, ⁴ेर्स ३००० श्री बसंत डी० जोशी घौर श्रीमती प्रपर्ना वसंत जोशी।

(भ्रन्तरक)

2. मेशर्स देशाय श्रसोशियेट्स।

(निक्तिरती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए</mark> जन्म विदेश

अवस्य नम्पाँत के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ू:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वो उप व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा.
- (र) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उठत स्थानर सम्पत्ति मो जिला- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थाकिरण --- इसमें प्रयायत शब्दों और पतों का, जा उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में जिल्हा गया हैं।

धनुसूची

प्लाट नं० 42—ए, जो हिस्सा नं० 6, सी० टी० एस० नं० 506, 506/1 से 506/19 और 509, गुंडावती, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के लं श्रई-2/37-ईई/13786/84-85 स्रोर जो सक्तम प्राधिकारी, पत्रवई द्वारा दिनांक 23-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम द्रीविकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, बस्बई

सारीख: 3-6-1985

प्रकल बार्स, द्री तंत चंत्र -----

नापकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-थ (1) के वधीन सुख्या

THE ROLL

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरक्षिण)

जर्जन रेंज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13590/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण हास.

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (खिसे इसमें इसमें प्रवाद (उद्य मिथियम' कहा गया ही) की पाल 269-स के ज्यीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर बस्पति, जिसका तथित बस्बर मृत्य 1,00,000/- रा. से जिथिक है

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 11, वमीन मंजिल, बी-विलिंडग, नंद अयोत इण्डिस्ट्रियल इस्टेट, सकी नाव, स्पेध पूर्वे, श्रंथेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा जायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984

को प्रवेंक्त संपत्ति के उक्ति बाजार शृन्य हो कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अप्तिरित की नहीं हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथावृर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार शृन्य उत्तरों स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और बंबरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नितिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में वास्तिवृक्ष स्था से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरम् ते हुई किसी आय की याजत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके अचने में स्विधा के लिए; और/या
- ख) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आहरण को, जिन्हों भारतीय आवकार अधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विक्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था एक किन्त काना वाहिए था कियाने में सुविधा के रिपए:

कराः जब उन्त जिथिनियम की धारा 269-व के जनसरक में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हराक्चंद कचरा शाह।

(अन्तरक)

- मैसर्त रेजनंड्स (इंडिया) पेंट मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी । (अन्तरिती)
- 3. अन्तारती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मास्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां सूक करता हुं।

रका सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई मी-हालए -

- (क) इस स्वता के राज्यभन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की कडींथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कारत की लागील में 30 दिन की अविभ , को बी सकी बाद में समाप्त होती हो , को मीतर प्रशिक्त स्वाया में से किसी क्यों कर स्वाया :
- (क) इस तुक्ता के राजपण में रक्तवान नो हारीस है
 45 किन के मीचर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हित्र विक् किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अकंडरतालरी अ
 पास विकित में किए का सकेंगे।

स्वाचिक्य रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बा उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में तिस्त नमः है।

बन्स्ची

े यूनिट नं 11, जो जमीन मंजिल, बी-बिल्डिंग, न ध ज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी नाका, सफेद पूल, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से अई-2/37-ईई/13590/84-85 और जो सज़म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

्बम्बई, धिरांक 1 जून 1985

निर्देश यं जाई-2/37-ईई/13257/34-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उबत अधिनियम' फहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

प्रीर जिसकी सं पर्नंट नं 9, बिल्डिंग नं एवन, तीक्षरी मंजिल, बिमाननार को नापरेटिय हा सिंध सोनारटी लिमिटेड, प्रंथेरी (पूर्व), बम्बई-400058 में नियत है (प्रीप इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रीप पूर्ण रूप ने नियत है), प्रीप जिसका करारनामा अवक्ष अधिनयम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य में रजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को प्विक्त सम्पेतित के उचित बाशार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विक्त सम्पेतित का उचित बाजार गूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्सूड प्रनिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक हप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अप्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आग्नार अभिनिधम, 1922 (1922 का 11) या अप्तार विधिनिधम, या प्रान्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: इत, उक्त अधिनियम को भारा 269-म के अञ्चरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपस्पत (;) को अधीन, निम्निसियात व्यक्तियों, शर्थान :---- 1. श्री मनवनाल जिवाधार वेलाव ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भूरजवेन टाकोएभाव देताव।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में ग्रकाशन की तारी से 45 दिन की अशिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाम लिखित मों से किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हुगेंगा जो उस अध्याय में दिया रूपा उन।

धनुसूकी

फ्लैंट नं० 9, जो विल्डिंग नं० एन०, तीसरी मंजिल, विमानभगर कोजागरेटिंग हाउगित सोसायटी लिभिटेड, श्रंबेरी (पूर्व), बम्बई-400,05%, में स्थित है।

ानुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37-ईई/13257/ 84-85 और जो सज़न प्राधिकारी, बमाई द्वारा धिनांक 5-10-1984 को र्याजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मर्गे दास सक्षम प्राव्धिकारी पहायक आवितर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

तारांख: 1-6-1985

क्षरम् बाह्र^क. टी<u>. पुन. पुरु.</u>------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिसांक 1 जून 1986

निर्देश सं॰ अई-2/37-ईई/13021/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं यूनिट नं बी/28/29, तथ भवन इध्ड-स्ट्रियल इस्टेट, पहली मंजिल, महावाली केवस रोड़, ग्रंधेरी -(पू०), बम्बई-400093, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयार अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-10-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का सन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य, विश्नितिवित उद्देश्य से स्वत् अन्तरण सिवित में बास्ट-विक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धरण ये हुए भिन्धी नाम की बानत समझ बीच-नियम के बचीन कर दोने के बन्तरुक के दायित वा कनी करने या बचने समने में बुनिया के सिने: बार ना/
- (क) एंती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-अंद अधिनियम, या धन-अंद अधिनियम, या धन-अंद अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के स्योधनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना चाहिए था, जिनाने में बृद्धिधा है सिए;

- श्री वासुदेव केवलराम महतानी (एघ० यू० एक०) (अन्तरक)
- 2. मेसर्स एस्सन इक्षेन्द्रोनिनस

(अन्तिरती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के रिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वें विस् स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वय स्वयं स्व
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों कें पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्त्री

यूनिट नं० बी 28/29, नन्द भवा इण्डिल्ट्रयल इस्टट, पहती मंजिल, महाकाली केवस रोड़, अंबेरी (पूर्व), बम्बई-400 093, में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कं० सं० सई-2/37-ईई/13021/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा विनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्रोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन भूमना

भारत सरकार

कार्यासय, तक्कक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13455/84-85-त्यः, मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, दूसरी मंजिल, प्रवेता कोआ के रेटिव हाउसिंग सोसार्ट, स्तुः चंट के छेप्र को पूर्व), बम्बई—400 069, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्धरी अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसक करारनामा आगकर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्षार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-10-1984

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित वाजार मूल्य से क्षाम की रवशकान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दवयमान प्रतिफल से एसे दवयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक को लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निक्निविचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उसने वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी भन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रणोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के किए;

.जत: अब, उक्त अधिनिधम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनिय की धारा 269-ज की उपधारा (1) हे अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती लाजवंती वी० जियांदानी।

(अन्तरक)

2. श्री बाबूलाल अस्पार ग्राह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहित्रां करता हुने।

उक्त संपरिस के अर्थन संबंध में क्लोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकागन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षणी के पास् निस्ति में किए जा सकारो।

~

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, ओ लग्न अध्याय में दिया नयः हैं।

मन्स् ची

फ्लैट नं० 4, जो हूसरी मंजिल, ध्वेता कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, सहार रोड, कोल्डोंग्री, ग्रंधेरी (पूर्व), बम्बर्ड-400069, में स्थित है।

्यनुभूची जैसा कि ऋ० सं. अई-2/37-ईई/13455/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्म्पूर् दास सुसम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

प्रकृप बाह्र ही. एत. एक. -----

भागकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन संभाग

्र भारत सरकातु

कार्यास्य, सहायक बायकारु बायुक्त (निर्फ्रिक)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/13148/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भ्रूष्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, सी-विल्डिंग, सुखदायह देने गणरेटिंव हाउसिंग सोनायटी लिमिटेड, जे० बी० नगर, श्रंबेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में झीर पूर्ण का से विणित है), श्रीर जिस्ता करार-नामा आयकर अधानयम, 1961 की धारा 269 ह, ख के के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिक्स्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रिपिण के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोन के अंतर्क के बाधित्य में आमी करने था उसते क्याने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), क्षेत्रभाष, विम्मचिषित स्पित्रना, अमित् क्षेत्रक 1. श्री फूलवीप सिंह कोहली।

(अन्तरक)

2. श्री रचुवीर सिंह कोहली

(अन्तरिती)

3. अम्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह त्वना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्वन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनव तम्पील को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की वविध या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जवधि, जो श्री जवधि याद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर तम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति क्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पाइ गमा है।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट, नं० 10, जो सी-बिल्डिंग, सुखदायक कोआपरेटिव हाउसिंग को प्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, जे० टी० नगर, श्रंधेरो (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-2/37-ईई/13148/ 84-85 थ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहरः

प्ररूप बाहै, दी. एन. एस.------

मायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13961/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स ये अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं माला नं 31, दूसरी मंजिल, सेती इंडस्ट्रियल इस्टेट, 10 ई, सुरेन रोड, अंघेरी (पूर्व), बम्बई-93 में स्थित हैं (श्रीर इससे उग्नबद्ध अनुतूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकार अधियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री हैं दिनांक 29-10-1984

को पूर्विवत सम्पत्ति के उसित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथा पूर्विवत सम्पत्ति का उसित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्ति का स्विवत में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- कि) अन्तरण सं हार्व किसी बाय की अभव उक्त अधि-निश्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कारने या उससे यचने में सुविधा के लिये; होर, अ
- (व) एसी किसी अय वा किसी वन जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया नवा वा सा किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

वतः श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को वधीन-, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धा :—

- 1. मैंसर्स बूलसेट इलैक्ट्रोनिक्स (प०), लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. श्री वीपक किल्लावाला ।

(अन्त जिन्ही)

को यह मूचना कारी काउके प्रविक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां काउता हुने।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🎞

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ्य के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :--

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, बी उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाविष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

पन्सूची

गाला नं० 31, जो दूसरी मंजिल, सेती इंडस्ट्रियल इस्टेट 10ई, सुरेन रोड, अंघेरी (पूर्व), बम्बई-400 093 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क सं० अईई-2/37ईई 13961/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दूसि सक्षम प्राधिकीरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, बम्बई

विनोकः 1-8-1985 मोह्द्रः

प्रकप बाह् .टी.एन.एस.-----

बायकुर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर जायकत (तिहासिक), अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई 13727/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण द।स,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौरू जिनकी सं० पत्नैट नं० के-5, किनीशा अगर्टमेन्टस, दूसेरी मंजिल, एस० नं० 160, एन० नं० 3, सी० टी० एस० नं० 94, मोरोल मोरोपी रोड, विलेज, मोरोल, मंत्रेरी (पूरव) सम्बई, में स्थित है (श्रीट इससे उराबद्ध अनुसूची में म्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिन्न कर रास्तामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कब के अग्रेन सन्ना प्राधिक रो के कार्याज्य, सम्बई में रजिस्टी है दिनांक 20-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्विश्य से उक्त अन्तरण विस्तिस्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की मानत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे मजने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 की 1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए?

लतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे सधीन, निम्निलिखित व्यक्तिया, अधीत ह—- 1. मैससं वीरात कंस्ट्रक्शन ।

(भ्रन्तरक)

2. भी बाल फुष्ण एस० शेट्टी ।

(भ्रन्सरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विकत व्वारा अधाहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० के-5, जो कितीशा श्रपार्टमैंट्स, दूसरी मंजिल, एस० नं० 160, एच० नं०3, सी०टी० एस० नं० 94, मारोल, मोरोषी रोड, विलेज, मारोल, ग्रंधेरी (पूरब), ब्रांबर्स में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13727,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, विनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, यम्बई

चिनांक: 3-6-1985

बोहर 🛭

प्ररूप **वाह**ें की . एवं <u>. एस .</u> ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 3 जुन 1985

निवेश सं० अई-2/37ईई/13902/84-85----अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलैंट नं० 3, ग्राउंड पलोर, विनीता बी-बिव्हिंडग, 71 चकाला, अंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 27-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाए मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण फिलिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्ट बिधिनियम के क्यीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर जिभिनियम, या धनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा से लिए;

बतः वयः, उक्त विभिनियम की भारा 269-व के वनुसरण वाँ, माँ, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वो वभीत, निम्नतिविक व्यक्तियाँ अभिति क्षा

- 1. मैंसर्स शशी प्रोपरटीज, एण्ड इंडस्कीज लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जॉन वर्गीस श्रौर श्रीमती सुधा जॉनवर्गीसी। (क्रिंग्ती)
- ग्रन्तरक ।
 (वह व्यक्ति असके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदीं का, जो उनक अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, महीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विस्था गया है।

प्रनुसुची

फ्लैंट नं० 3, जो जमीन मंजिल, विनीता बी- बिल्डिंग, 71, चकाला, ग्रंधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13902/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनांक 27-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, यम्बई

विनोक: 3-6-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाहै ही एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) क अधीन सुमना

भाइत सहस्राह

कार्यालय, सहायंक बायकर बायूक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० आई-2,37ईई,13923,84-85—अतः मुझे, सक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रोप जिसकी सं० णाप नं० 2, जे० बी० नगर, सी० एस० नं० 439, श्रंधेरी (पूरव), बम्बई-400 059 में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है विनांक 29-10-1984

को पूर्वोक्स सम्परित से उचित बाबार मृत्य से कम की बहबमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ये यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाव्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के दीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में जास्तिक रूप से की जिस नहीं किया बया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में किसी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए जॉर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किती धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस वा धन कर अधिनियस ता धन कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्दिती इवारा प्रकट नहीं किया नवा धा किया अला जाड़िए था, कियाने में सृत्यिक के विकट

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अबुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. भी गणेश देवलपेसी ।

(बन्तरक)

श्री सुखवेबिसिंह जी भट्टी,
 श्री हरदेव सिंह भट्टी ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित से वर्षन् के जिल्ला कार्यवाही करता हुन्।

उपत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त अकिता में से किसी व्यक्ति व्याप्त होता;
- (व) इस अपना के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

शाप नं 2, जो जे बी नगर, सी एस नं 439, व्हिलेज, कोंडीहीय, श्रंधेरी (पूरन), बम्बई-400 059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कल्सं आई-2/37ई ई/13923/84-85 घौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 29-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बाई

विनांक: 3-6-1985

मांहर :

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) रिप्रजैन रेज-2, बम्बर्ट

बम्बई, दिनां रु 3 जून, 1985

निर्वेश सं० भाई-2/37ईई/13588/84-85---मतः **मुझे,** लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलट नं० 3, जमीन मंजिल, राजेन्द्र को-भापरेटिब हार्जीत्य मोसायटी लिमिटेड, तारूण भारत, चःचन, अंधेरी (पूर्व), बाबई-400 099 में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा प्राधानारी के कार्यालय बम्मई में रजिस्की है दिनां । 16-10-1984

को पूर्विक्त सम्पिल के उचित बाजार मृत्य से काम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई थाँद सुक्ते यह विश्वास

करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी थन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. मैसर्स अभिवत, बिल्डर्स, एवं वल्ट्रक्टर्स।

(प्रस्तरक)

2. श्री ग्राई० तंगच्चन।

(अन्तिःती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर जंकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा पया है।

अनुसूची

पलैट नं॰ 3, जो जमीन मंजिल, र.जेग्द्र को-म.परेटिय ह.उसिंग सोम.यटी लमिटेड लाम्ण भारत, च ाला, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 099 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि ऋ० सं० आई-2/37ईई/13588/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाव सन्तर्भ•ित्राधि तरी सहायक भाव⊹र श्रायुक्त (िरशिक्षण) श्रजीन रॉज-2, धम्बई

दिनोवः 3-6-1985 मोहर ए प्रकप बा<u>र्ह्य हो एन एस. ---</u> म, 1961 (1961 का 43) की

बावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निद्धालण) अर्जन रेज-2, बन्बई

वम्बई, दिनांक 1 जून, 1985

निदेश सं० भ्राई-2/37ईई/13471/84-85---- मुझे लक्ष्मण द.स,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 8, स्वामी शिवानन्द की-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, चकाला रोड, बम्बई-400 099 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और जो पूर्ण रूप से क्यिंगत है), और जिल्ला करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 अख के अधीन सक्षम प्राधिनारी के नार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री है दिनां 12-10-1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कांचल नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण वं हुई किती बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की तिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य कास्तिक, को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए:
- कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कुणील निक्रनीलिखत स्थितियों, अर्थातः—

64-156 GI|85

- श्रीमती ग्रमीनावाय, तफासुल, हुसेन की बीवी,
 श्रीमती फातिमानाय, श्रीमोम्हम्द हुसेन की बीवीं।
 (श्रन्तरक)
- नितिन नागिनदास मेहता,
 श्रीमती हेमा नितिन मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख तें 45 दिन की बविध या बत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी बविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुत्र करा है।
- (व) इस बुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा, बभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

शाप नं० 8, जो स्वामी शिवानन्द को-श्रापरेटिव हाउसिंग सो अथटी िनिटेड, चकाला, रोड, अधेरी (पूर्व) बम्मेंद्री 100 099 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा ि क०मं० आई-2/37ईई/13471/84-85 और जा सक्षत्र प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांछ 12-10-1984 को रजिस्टडें जिसा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रानकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, ब्रम्बइ

दिनांक 1-6-1985

ى «ھىنتىتىتىلىكىتى دەرىرىنى

इक्ष आहे_ं टी. एन. एत. _{पन-पन-पन-सम्बद्ध}

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) में मभीन सुचना

शारत प्रद्रकार

कार्यांचय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां 🤊 । जून 1985

निर्देण सं० श्राई-2/37ईई/13925/84-85--- ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वाद् 'उक्त अधिनियम' । इहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जियकी मं० पर्नेष्ट नं० 202, सीं० एस० नं० 439, जे० बी० नॉगर, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 059 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जी पूर्ण रूप से वर्णित हैं) आंर जिसका करारनामा प्रायक्तर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय बम्बई में रजिस्ट्री हैं दिनांक 29-10-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूक्य से कम् के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उचके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे भन्तर्थ के लिए तब्धा वधा प्रतिफल, निम्निक्षिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया बचा है है—

- (क) वृत्यापण से हुइ किसी बाय की बायत उपत आध-निव्यम के वधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उत्तर्ध वचने में सुविधाः के सियो; और न्या
- ्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा औं सिए;

न्तः भय, उन्त निर्धानयम, कौ नारा 269-न से समुखरण माँ, माँ, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निजित्तित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री गणेश डेवलपेर्स ।

(ब्रन्तरकः)

श्री बालाजी बी० मेट्टी।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रिया करता हु।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत र प्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, वो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्री

प्लैट नं० 202, सी० एस० नं० 439, जो जै० बी० नगर, अंधेरी (प्रुख)' बन्दई-59 में स्थित है।

्तुसूत्री जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/13925/84-85 और जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, वित्रोक 29-10-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाः सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनातः : 1-6-1985

प्रकम बाह्यं, टी. पुन्ह पुर्व हराज्यानास्य

नायकर नीभीग्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन वृद्धना

भारत सरकार

कार्बाजन, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 1 जून 1985

निदेश सं० आई-2/37ईई/13409/84-85---- श्रतः मुझे, लक्ष्मगदाम,

भायकर भी भिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किभिनियम' कहा नया हैं), की भारत 269-च के अभीन सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- राज से अधिक हैं

और जिनकी मं० फ्लैट नं० एम-4, जमीन मंजिल, मीनाक्षी भ्रजार्टमेन्ट्म एस० नं० 160. हिस्सा, नं० 3, सी० टी० एस० कुं 94, मेंट मारोल, मारोषी रोड, जिलेज मारोल, अंधेरी (पूर्व), अम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूर्वी में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिएका द रारनामा भ्रायकर अधिनियम, की धारा 269 अब के अधीन सक्षम प्राधिकारों के बार्यालय बम्बई में रिजर्टी हैं दिनांक 11-10-1984

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित् वाजार मूल्य से काम के द्रश्यमान प्रशिक्षल के जिए वंतरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का धन्तह प्रक्रित्तत से कृषिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे वंतरण के सिए तब वाचा नया प्रति-क्रम निम्मितिया बब्देश्य से स्वत्य बंदरण मिस्ति में वास्तविक क्रम निम्मितिया बद्दी द्रिक्त नवा है हम्म

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाव की बाबस, उनक विभिन्नियम के वधीन कार दोने के बच्चाइक की दायित्य में कनी काउने मा उनसे बचने में सुनिधा के सिष्ट; ब्राडि/वा
- (क) एंबी किसी जान वा किसी धन या अन्य जास्तियां कर जिल्हां भारतीन जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, वा धनकर क्षिणियम, वा धनकर क्षिणियम, 1957 (1957 का 27) के अक्रोज़वार्य अन्युरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गेवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में विस्था के निय;

बतः सव, उत्ततं विधिनियमं की भारा 269-न में बब्सरण वो, तो, जाव्य विधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात् :--- ा. मयर्स बीरात कंस्ट्रुषणन ।

(अन्तरः)

2. श्री स्टेनिली टोनी पाल ।

(अन्तरिती)

अन्तरिती ।

बहु व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

का वह सुवना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के छिए कार्वनाहियों करता हो।

इत्यु स्मृतिस् से बर्जन् से स्टन्स् में स्टेर्ड भी बाक्षेत्र:--

- (क) इस ब्यान के ग्राम्पन में प्रकादन की तारीब रें 45 विष की मन्ति मा तत्वम्बरूपी स्थितियों पर ब्रुचना की तामीन से 30 दिन की सनिथ, जो भी ब्रुचीय नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्योंबह क्षित्यों में से किसी स्थित हुवाय ।
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस स 45 विन् के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवक्ष्म विक्ती अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त इस्ट्रिंगियम्, के अध्याय 20 क में पीरभाषित इ. बही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विका प्रमाहती।

मन्सूचीं

फ्लैट नं एम-4, जो जमीन मंजिल, मीताशी अवार्टहेन्द्ः एस० नं 160, हिस्सा नं 3, मीं टी एस० नं 94, सेंट मारोल मारोपी रोड, विलेज मारोल, अंधेरी (पूरव), कम्बर्ष में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्राई-2/37ईई/13409/84-85 . और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा, दिनांक 11-10-1984 . को रजिस्टर्ड किया गया है।.

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनोप : 1-6-1985

बोहर ।

मुक्रम् सार्वं द्वी पुर एस , जान्या कंताना ।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 769-क (1) के बचीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

ं निर्देश सं० श्राई-2/37ईई/13586/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण बाम,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर संपर्तिक, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 106, पहली मंजिल, विद्यादेनी की-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बिल्डिंग, बी-2, चकाला, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400059 में स्थित है (स्रौर रससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कल्ल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक क्ष्म से किथित नहीं किया गया है:——

- (का) बन्धहरू वे हुन्ने किसी भाग की शारत, उन्हर श्रीभिनिय के बचीन कर योचे क नकारक की दर्शावरण में कमी करन या जबसे बनान मा साजवा से शिक्ष, बाँड/या
- (वा) एसी किसी बाव वा किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं कि.त. गमा वा का या किया जाना चाहिए था, छिनान में सुनेद्ना की लिए;

कतः कव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, में, उक्त अधिनियम कर धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्याजित्यों, अधीत् .---- 1. मैसर्स इंडिगो कंस्ट्रक्शन कम्पनी

(भ्रन्तरक)

कुमारी पुष्पा सपकाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यत्य व अोर्ड भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तासीन से 30 दिन की नगिभ, को भी क्यां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्यां करों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीखें हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में दितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकिस में किए मा अर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

र्वमस्त्री

पलैट नं ० 106, को पहली मंजित, विद्यादैनी कोश्रापरेटिय होउमिंग सोमायटी लिमिटेड, बिलिंडन नं ० बी-2, चकाला, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 099 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० गं० ग्राई-2/37ईई/13586/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी ब्रम्बई द्वारा, दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम न्द्रीधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-6-1985

प्ररूप् आइ.टी.एन. एस.-----

यायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>रीक्षण)</u> शर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, रिनांक 1 जून, 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सुरु गेंड गेंठ 39, जमीन मीजल, जिय शिक्ति इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोत विलेज, अंग्रेगी (पूरव) कुर्ना रोड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबंध श्रमुभूची में श्रीर को पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशिनयम श्री धारा 2.69 कख क श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5-10-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे अस्मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अभिक्त जैर अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गुया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया अन्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभास (1) के अधीन निम्मानिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :—

1. मैसर्स मेट्रीट इंडस्ट्रिज।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स वीनस इंडस्ट्रीज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सरमधी

शौड नं० 39, को जमीन मंजिल, फेज 3, शिव शक्ति इंडस्ट्रीयल, इस्टेट, एम० नं० 79, एच० नं० 15, एस० नं० 80 एच० नं० 1, मरोल विलेज, श्रंधेरी (पूरब), कुर्ला रोड, बम्बर्ड में स्थित र।

प्रनुसूची जैसा कि क० स० आई-2/37ईई/13200/84-85 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासं सक्षम प्राधिकारी यहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 1-6-1985

श्रक्ष बार्व हो . एवं . एवं . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के सभीन स्मना

भारत जहका

कार्यातय, सहायक जाम्कर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 1 कून, 1985

निदेश स० प्राई-2/37ईई/13470/84-85—प्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-व के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर एउपस्ति, जिनका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 110, पहली मंजिल, एक बिल्डिंग ग्रंसा इंग्र्स्ट्रीयल, इस्टेंट, साकी बिहार रोड, साकी नाका, बम्बई-72 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 12-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृह्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में जास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत है अक्ष अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. मैसर्स श्रंसा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स स्राप्ती सेक्यूरीटी प्रोडक्टस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस बुजना के राजपत्र में अकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया ग्या है।

वप्तुची

यूनिट नं 110, पहली मंजिल, एक बिल्डिंग भंसा इंडस्ट्रीयल, इस्टेट, साकी बिहार रोड, साकी नाका, बम्बई-72। श्रनुसूचीजैसाकि कं सं श्राई-2/37ईई/13470/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 12-10-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निश्लीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

विनांक 1-6-1985

मोहर 🛭

प्रक्ष मार्च की . एन . एस . ------

मापकर मिथीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 ज्न, 1985

निदेश सं० ग्राई- $2/37^{\frac{4}{5}}/13426/84-85$ —ग्रतः, मुझे लक्ष्मण दास,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- का से अधिक है

• जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, सी/1 किलिडन, सापरान, नगर, मारोल, मारोषी, रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर को पूर्ण कप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 12-10-1984

को प्रयोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्श्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; अरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व का 27) कि अधिनियम करनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

जतः अज्ञ, उक्तः ∻िधनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ऑर्थानयम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीर, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वार्थात् ः— 1. मैस्संए० एस० बिद्धार्स ।

(भ्रन्तरक)

2. भी मारियम बी० रफिउद्दीन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ठीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

पर्लंड पलंड नं 101, को पहली मंजिल सी/1 बिल्डिंग माएखान नगर, मारोल, मारोपी रोड, अधेरी (पूर्व() बम्बई; में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्राई-2/37ईई/13426/84-85 भ्रौर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज-2, बम्बई

दिनांक 1-6-1985

मोहर ः

प्रस्प श्रह्म दी एस- एख....

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुवत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंग-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक जुन 1985

निर्देश सं० प्रार्ध $2/37\hat{z}\hat{z}/13971/84-85$ —-प्रत: मुझे

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा नया है, की धारा 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने कर कारणं है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000 ∕- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102, पहली मंजिल, सी-स्कंध, हावा अपार्टमेन्ट्स, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400 093 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विभ्रित है) श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कायोलय बम्बई में रजिस्टी है **दिनां**क 30-10-1984

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान अन्तरित की गई और प्रदिफल के लिए मुभी यह विरवास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान । प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई कियी बाद की बावत, क्यत विधितियम के वधील कर दोने के वस्तर्क औ दायित्य में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के जिए। और/का
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अभिनियम, मा भन-कर **ज**भिनियम, 1957 (1957 का 27) 🏂 प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया भवा भाषा निमा नामा चाहिए था, जियाने में संविधा के जिए;

बंद्य भ्य, उक्त बीवनियन की भारा 269-म के लग्नरण , 🗗 उक्त अधिनियम की धारा 2.69-च की उपभारा (1) के बधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, बर्धात् :---

1. ज्ञांगीर बिल्डर्स।

(प्रन्तरक)

2. 'शीमकी इरावा ठेरेसा मेनेसिस ।

(श्रन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुकता की ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति युवाराः
- (च) इत सृष्णा को राजपण में प्रकासन की तारींच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्भ किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी अ पास सिसित में किए जा सकेंगे।

ल्ब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्तः सुन्दों आहि पूर्वों का, यो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 🜓 बही अर्थ होंग जो अस अध्याय में दिया नवां हैं ।

ध्यनुन्धी

पलैट नं ० 102, जो पहली मंजिल, सी-स्कन्ध, हावा श्रपार्ट-मेन्टस, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बर्ड-400 093 में स्थित है।

श्रनुमूची जै ता कि कु० मं० ग्र*ई- 2 | 37ईई |* 13971 *|* 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 30-10-1984 जो रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 1-6-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 जुन, 1985

निर्देश सं॰ श्रई-2/37ईई/13970/84-85—म्झतः, मुझे, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 4, जमीन मंजिल, सी-स्कन्ध, हावा अपार्टमेन्ट्स, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-4000 93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) अगेर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख, के श्रधीन सक्ष प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 30-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयं से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किण्य नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्षीन, स्किनिसित स्यक्तियों, अधीत :-- 1. जहांगीर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री तरलीक सिंह बूई।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

• अनुसूची

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13970/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकार सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 1-6-1985

मोहर 🔞

65—156 GI|85

त्ररूप नाइं,टो..एन.एस.-----

कामकार भाषितिसम, 1961 (1961 का 43) करीं 269-भा(1) को सभीत सुचना

भारत सरकार

काविषय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० **भा**ई-2/37ईई/13969/84-85—श्रतः, मुझे लक्ष्मण दास

भायकर गिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्गे इसके प्रकार (उन्ते निधिनियम कहा गया है), की भाग 269-च के नधीन सक्षत प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार नृष्य 1,00,000/- फ वे निधक है

श्रीर जिसकी सं ० पर्लंट नं ० 103, सी-स्कन्ध, हावा श्रपार्टमेन्ट्स, श्रीर जिसकी सं ० पर्लंट नं ० 103, सी-स्कन्ध, हावा श्रपार्टमेन्ट्स, श्रीरी (पूर्व), बम्बई-400 093 में स्थित है (श्रीर इस उपाब ब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 30-10-84 को वृश्रीका सम्पत्ति के उजित काजार मृत्य है काम के ख्यामा शितफल के लिए जैतरित की गई है जौर मुने यह विश्वास बच्ने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपाव श्रीतफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) बार भारतिएत (अन्तरितिया) के बीच एों अन्तरण के लिए तय राष्य गया श्रीतफल, निम्नलिकत उद्वदेय से उक्त कन्तरण कि सिचित्त में बारतिकल, निम्नलिकत उद्वदेय से उक्त कन्तरण कि सिचित्त में बारतिकल, निम्नलिकत उद्वदेय से उक्त कन्तरण कि सिचित्त में बारतिकल रूप ने अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किती आम की जाबत, उकत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक जैं वियत में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविभाश के लिए; जौर/बा
- (च) होसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों आरतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनकः कधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिह;

क्स: वन, उन्त विधिनियम की धारा 269-च की अनुसरण कों, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. श्री जहांगीर बिल्डर्स ।

(भन्तरक)

2. श्री रेमिनास्ड जोसेफ मेनेजिस ।

(मज्जूरिती)

का वह त्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उभव सम्मरित के कर्णन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिध, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काकितयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (6) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

व्रमुस्ची

एलैंट नं ० 103, को सी-स्कन्छ, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि जिंध माई-2/37ईई/13969/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30~10-84 को रिजस्टिड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक: 1-6-1985

प्रकृप आहे.टी.एन.एस.-----

भायकर कॅंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के स्थीन स्थान

भारत सरकार

कार्याक्षयं, सहायक बावकर बाब्क्स (निरीक्षण)-

धर्जन रेंज-2, धम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निर्देश सं० ध्रई-2/37ईई/1.3736/84-85---ध्रतः मुझे,
सक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परभात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाच करने का कारक है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 14, मयानी मानोर, शिवैकेतन, श्रीर मयानी मानोर प्रिमैसेस को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 52 ए, श्रंधेरी-कुर्ला रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की श्रारा 269 कला के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्टी है, दिनांक 20-10-1984

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाज़ार शृत्य से कम के करवाय प्रतिक्षण को लिए बान्दरित की गई है जौर शृत्रों वह विश्वाय करने का कारण है कि बचाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार शृत्य, उसको करमान प्रतिक्षण को एसे करमान प्रतिक्षण का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण कि निम्नितियाँ। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण कि निम्नितियाँ। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण कि निम्नितियाँ। व्यवस्था के जन्तरण विविद्य में बास्यक्षण कर्म के क्षित्य नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई कियी नाम की नामत, अक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक वे दावित्य में कभी करने ना उत्तसे वयने में सुनिया के लिए; बॉर/ना
- (ब) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हीं भारतीय आयकर लिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना जाडिए का किया में सुविधा के लिए;

बत: बन, धनत अधिनिवयं की धारा 269-ए के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधील, निम्नीविक्त व्यक्तियों, सर्वात् क्र--- श्री बाबूलाल तापूबाय हर्सीरा,
 श्रीमती उषा बाबूलाल हर्सीरा।

(ग्रन्तरक)

श्री लिलत केशवलाल पारिख,
 श्रीमती मुंजुला, लिलत पारिख,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्यांग के राज्यम में प्रकाशन की सार्रिक से 45 दिन की जन्मि ना सत्संबंधी काचित्रमाँ पर स्वान की सामील से 30 दिन की जन्मि, वो भी जन्मि ना में से जन्मि ना में से सामिल में से से सामिल में से सिक्सी स्मित्त क्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में डितवद्रभ किसी बन्म व्यक्तित द्वारा वभोड्रस्ताक्षरी के पांच विश्वित में किस का सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गंधा है।

वरसर्ची

पलैट नं 14, जो मयानी मानोर णिवैकेतन श्रीर मयानी त्रिमैसेस को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 52 ए, श्रंधेरी-कुर्ला रोड, श्रंधेरी (पूर्व), बम्बई-400069 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ०सं० घर्ड-2/37ईई/13736/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, विनाक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मश्र वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-6-1985

मोहर 🐔

प्रकप आहें. ट. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

मिदेश सं० धर्ड-2/37ईई/13266/84-85----धतः मुझे, १९२२७ टाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव पर्लंट नंव 202, दूसरी मंजिल, डीव-स्वंध, प्रीन लान्स, प्लाट नंव 645, टीव पीव, एसव III, प्राप. एलव भेव रोड, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इससे उपाबक प्रतुस्त्री में और पूर्ण रूप से विषत है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रकिनियम की घारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5 मक्सूबर, 1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक, है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथिल नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

बर्धः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधाना (1) को बभीन, निस्तिसिक अधितयों, अधित :—— 1. श्री मध्कर जगशाय तारे।

(श्रन्तरक)

2 श्री सुलतानली बीठ तूरमोहम्मद मिमानी, श्री गुलाम भोहम्मद एसठ मिमानी।

(भ्रव्यक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांडे भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व से**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र कुष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी कि पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

त्रमुम् की

पलेट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, डी०-स्बंध, दीन लान्स, प्लाट नं० 645, टी० पी० एस० III, श्राफ एल० जे० रोड़, माहीम, बम्बई-400016, में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ९० सं० आई-2/37ईई/13266/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म चौंस सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-2, बम्बर्ष

तारीख: 1-6-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. 🧸

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, संहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-2, बुम्बई

म्रर्जन रेज-2, दिनांक 6 जून, 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/13871/84-85—मातः मुझे लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

कीर जिसव सं ० फ्लेट नं ० 102, जो, 1ली मंजिल, घर्रावर गॉपिंग सेंटर, प्लॉट नं ० 69, टी० पी० एस० नं ० 5, सांताकूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित हैं (और इसते उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत हैं), और जिसका करारनामा गॉयकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम । प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में राजस्ट्री है, तारीख 26 प्रक्तूबर, 1984

को पृशिक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल की पन्द्र प्रशिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शोर्/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला गडा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विजा के लिए;

ज्ञतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण जे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— 1. मैसर्स श्री श्रीमल बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शंकरलालजी छगनलालजी कोठारी, श्री ष्टियासी लाल, शंकरलालजी कोठारी, गणपतलाल शंकरलालजी कोठारी, और मदनलाल शंकरलालची कोठारी।

(भ्रन्त(रती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

ं उल्ला सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र सं प्रकाशन की ताराख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शष्ट निचित में किए जा सक्ता ।

स्पद्धिकरणः -- उसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

सत्त सर्ची

पलैट नं 102, जो 1ली मंजिल, घरिबंद शॉपिंग सेंटर प्लॉट नं 69, टी० पी० एस० नं 5, साताकूझ (पूर्व), बम्बई, में स्थित है।

भनुस्ची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13871/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 26-10-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर, श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरेंज-2,बम्बई

तारी**ख**: 6-6-**85**

प्ररूप जार्द . सी. एस. एस., ---------

भायकर विधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के मधीन स्वृता

भारत सरकार

भागनित्र, सहायक भागकर भागुक्त (निरक्षिक) धार्यन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जुन 1985

निर्देश सं० **मर्६-2/37ईई/13714/84-85----म्र**तः मुझे, लक्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 5-एफ०, जो, 5भी मंजिल, "दैभव" 140, एस० वि० रोड, ईर्ला, विले पालें (प०), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत है), और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीकृतियम, की कारा 269 क, स्थ के मधीन सक्षम श्रीककारी के कार्यालय सम्बद्द में रिजस्ट्री है, तारीख 20 मन्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए वंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है ध—

- (क) वन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बार/या
- (वं) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-गः के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बचीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षांत क्र-

1. (1) श्रीमती धक्तमणी सी० केवलरामानी, और (2) श्रीमती घंडा ढी० केवलरामानी।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री निवनचंद्र एम० शाहा, और
 (2) श्रीमती इंदीरा एन० शाहा।

(भन्तरिती)

3. प्रन्तरितियों।

. (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के किस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राहा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजबूध किसी जन्म व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पाज निज्ञित में किए जा सकोंगे

स्पर्वाकरण ह—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्संट नं० 5-एफ०, को, डियों मंजिल, ''यैभव'', 140, एस० भी० रोड़, ईकी, विके पार्से (प०), बम्बई-56 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि ९० सं० भई-2/37ईई/13714/84-85 और जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गर्भन रेंज-2, बम्बर्

तारीखा: 12-6-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाइ ० टी० एन ० एस ० -

कायकार श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 12 जून 1985 निर्देश सं० ध्रई-2/37ईई/13136/84-85—धतः मुझे, लक्ष्मण दास

बाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक के पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का ज्ञाश्य है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जी ०-1, बिल्डिंग, विजय नगर, मारोल विकेश, क्याबई-400059 में स्थित है (और इससे उपावद प्रमुम्भी में क्यां क्या से विज्त है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रदिन्तियम 1961 की दारा 2697, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3 प्रक्तूबर 1984

मंत्र पृता कर समपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के छायधान . रितण्ल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृक्य असर्व दृश्यमान प्रतिफल से एसे छायमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ता रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्विष्य से उच्त अन्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्विष्य से उच्त अन्तरण कि लिए तम पाया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्विष्य से उच्त अन्तरण कि लिए तम पाया प्रतिफल के का प्रतिक क्रम से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्यू अवा या किया जाना भाहिए था, क्रियाने में सुविभा के लिए;

कतः अब. उक्त अधिनियम काँ भाग 269-ग के अनुसरम में. में. एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1. श्री ६च० सत्यपाल राव।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुन्दर फी० मेण्डोन कल्पना।

(भन्तरिती)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तायीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष ने 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितवयक्ष किसी अन्य क्विक्त व्वारा अधोहस्साक्षरी को पास लिक्ति में किस जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना हैं।

छासची.

जी-1 बिल्डिंग, जो विजेय नगर, मरोल विलेज, बम्बई-400059 में स्थित है।

श्रम्भूषी जैसा कि २०६० श्रई-2/37ईई 13136/84-85 और'जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सहमय वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर भायुक्त (निरीडण) ब्राउँन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 12-6-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० म्रई-2/37ईई/13023/84-85—म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26%-स के अधीन मक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आर्थ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी संव क्लॉक नंव 8, खादून मानशन, मारोल मारोशार रोड़, उंदेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्व स्प से विवत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीक्षित्यम की क्षारा 269 क, ख के श्रक्षीन सक्षम प्राविकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1 श्रवतुबर 1984

को न्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करते का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पिति का उचित बाजार मृत्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्तिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) विन्तरण से हर्ष किमी आय की घवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अप्रिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अव, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (†) को अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री मोहम्मद इक्षाहिम खात।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० टी० बंडारी।

ंरिस्ती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्ति हैं से किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लोक नं० ८, जो खाटून मानशन, मारोल मारोशी रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बई, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा नी त्र.०सं० श्रई-2/37ईई/13023/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मा (चास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-2, बस्बई

सारीख: 12-6-1985

माहर 🖫

मध्य भारते हो । सुर्यं सुर्यं , न्वन्यत्रात्रात्रा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन मुख्या

शारत सहकाह

कार्यासय, सहायक भायकर बाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

निर्देश मं० प्रई-2/37ईई/13891/84-85—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हे अधिक है

ग्रौर जिमकी सं० फ्लैंट नं० बी०/5, मिलिटेरी रोड़, मारोल बम्बई, ग्रंधेरी (पूर्व), वम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबत केमुनूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के मधीन सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 27 श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्रीमती फ्लोरेन्स श्रलमेडा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुधा करूणारुर राम मेट्टी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात जिल्ला में किए जा सकरें।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिशा गवा हैं।

अन्सची

फ्लैंट नं० बी०-5, जो मिलिटेरी रोड़, मारोल, ग्रंधेंरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रन्यूची जैसा की कर मंश्र श्रई-2/37ईई/13891/84-85 श्रौर जो सक्षम पाधिकारी, बस्बई द्वारादिनांक 27-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी यहायक द्यायकर स्त्रायकत (निरीक्षण) स्रजीन रेजि-2, बस्बई

नारीख: 12-6-1985

मोहुदु 🛭

प्रक्ष बाहें.टी.एन.एस., सन्तरमानमा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ज्न, 1985

निर्देश सं० ऋई-2/37ईई/13984/84-85—- ऋतः मुझे, लक्ष्मण दास.

भायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िंबते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्व 1,09,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं पलेट नं 204, जो, रसीला ग्रापार्टमेंटस, प्लाट नं 12, तेजपाल स्किम रोड़ नं 5, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 30 ग्रक्तूवर 1984

कों पूर्वोक्ट कम्पिता के उपित वाकार मून्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मून्य, उसके दरवमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए हम गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य है उसत अन्तरण विश्वेष्य में बास्तावक मूल से किथा नहीं किया गया है :—

- श्वा अल्गरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त विजितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक बी दायित्व में कमी करने वा उक्कों क्वने में सुविधा की तिए; और/वा

ा अत. उका अधिनियम की भारा 269-व की, अनुसरक ा, में उसत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, शिम्नीलिखिन न्यक्तियों. अर्थात् :--- 1. श्री रमेश कुमार सी० जैन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती तेजस्विनी पुष्पहास कुलकर्णी और श्रीमती शांता दत्तावय बेलगुंजडी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवें हैं कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सकारो।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उत्तर विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

STATE OF

फ्लेट नं० 204, जो, रसीला ग्रपार्टमेंटस,प्लाट नं० 12, तेजपाल स्किम रोड़ नं० 5, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37ईई/13984/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 12-6-1935

मोहर 🔊

श्चम बार्च .टी .एन्.एच् , २०० १० १० १० १०

भागकर वृश्वितियुन्, 1961 (1961 का 43) की भारत 289-थ (1) के वर्धीन वृथिन

भारत सरकार

का**बीलय,** सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बम्ब**ई**

बम्बई, दनांक 12 जून, 1985

नर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/13890/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निर्मित्रम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत निर्मित्रम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 10 ई-स्कंध दूसरी मंजिल मारोत मारोबी रोइ, श्रधेरी, (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूबी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क ख के श्रधीन सक्षम शिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27 श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्थमान विफल के लिए भन्तिएत की गई है और मुझे यह विम्वाध करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिएल (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पामा ग्या प्रविक्ता, निम्निसित उद्देश्य से जन्स सन्तरण शिक्तित में सस्तरिक कप स कविश्व नहीं किया कमा है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अहि/या
- (स) ऐसी किसी जाम या किसी धन या जन्य कास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सकत विधिनियम, 1927 वा सम्-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ वृत्तिहरी वृत्ताप्त प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, किया विधा के विद्या के विद्

वर्ष जुन्, उक्त वीधीनयम की धारा 269-ए के जनसरण में, में उक्त वीधीनयम की धारा 269-ए की उपधास (1) के सकीर, निम्नीनिवित व्यक्तियों, नवास क—

- मैसर्स पुंचवटी कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोक्षायटी केर माफ दि बाम्बे मिन्ट कोम्रापरेटिव केडिट सोसाइटी। (अन्तरक)
- 2. श्री मंदर मनिक तलीम।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोड़ भी बाहाप है-

- (क) इस, स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील ये 45 दिन की संविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति व्यक्ति
- (य) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उसत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अनुसूची

प्लैट नं 0 10, जो ई-स्कंध, दूसरी मंजिल मारोल मारोणी। रोड श्रंधेरी (पूर्व) वम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० स्रई 2/37ईई/13890/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक 27-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 12-6-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्री एडोल्फ अलमेडा।

. (भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० टी०' माम्मेन।

(भ्रन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रज्नेन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० अर्थ 2/37ईई/13864/84 85—श्रतः मुझ लक्ष्मण दासः,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी०/6 मयुर कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मारोल बम्बई 400059 में स्थित हैं (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 26 श्रक्तूबर, 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतर् रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में शाक्तिक स्र से किया नहीं किया गना है :—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियान में सुन्धि। वी जिल्ला।

भतः सम्, उसतः अभिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण में, में, उसतः अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्मनिश्चित व्यक्तियों, अभीन, निम्मनिश्चित व्यक्तियों, अभीन,

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अनीधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्षी किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

सम्बद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त शायकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यान में दिसा गया हैं।

अनुस्पी

वी॰/6 मयुर कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड जो मारोल, बस्बई 400059, में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्राई 2/37ईई/13864/84 - 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-10 - 1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **सम्बर्ध**

तारी**ण**ः 12-6-1**98**5

प्रकर बाह्र : टी. एन : एवं :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

मारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्क)

श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**र्ड** बम्ब**र्ड**, दिनांक 12 जून 1985

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/13478/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाबार मृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 301, ताज पाल रोड विले पार्ले (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतुमूली में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका जरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम शिक्षकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 12 अक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह बिक्सास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिश्वित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त बिभ.रेन्यम के अभीन कर दोने के खंतरक के बायित्व भें कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; भ्योर/वा
- (क) ऐसी कि सर्व जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें क्षेशरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भन-कर और नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंश करिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जातिए था, छिपाने में सुविधा वी सिद्धाः

चड: लव, उक्त निर्धानियम की शारा 269-ग के ननुसरण की, में, उक्त निर्धनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे नधीन, निम्निश्चित श्वीवस्था, लर्फात ड— 1. मैसर्स नेशनल बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती भारती ए० पटनी।

(भ्रन्तरिती)

भ्रन्तिरती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह श्वा जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिस के वर्षन के सिस कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की नविभ या तत्सविभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भी भी व्यक्तियों में संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तार्रींव से 45 विन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी अन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा स्केंगे।

न्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 301, जो। ताज पाल रोड, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

ग्रनुसूत्री जैमा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/13478/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रंज-2, बम्बई

तारीख : 12-6-1985

प्रकल बाहें . ही . एन . एवं , प्रत्येत्रप्रवटन

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नधीन स्थना

वारत वस्त्राड

कार्यासय, सहायक बायकड बायुक्त (निर्देशक)

श्चर्मन रेंज-2, अम्बद्ध

बम्बद्दी, दिनाँच 12 जून 1985

निर्वेश मं० श्रई-2/37ईई/13162/84-85---श्रतः मुझे. लक्ष्मण दाहः,

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2. पहलीं मंजिल, पार्ले गंगानिकेतन कोश्रापरिट्य हाउिंग गंभायटीं लिमिटेड, जी० मुभाप रोड. पार्ले (पूर्व) बम्बई-400057 में स्थित हैं (और हासे उपावड प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका अगरनामा श्रापकर श्रधिनिवम ती धारा 269क, ख के श्रधीन अक्षम प्रक्षिक कारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री हैं, तारीक 5 श्रमत्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार भूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है हु---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धकत अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक को बायित्व में अमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; क्षेप्पर्याः
- (स) ए सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किशा नवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में स्वैभा के निए;

अतः तथः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं कों, में, अध्या अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के नधीन विकास विकास का अधिन्यों, अधित् धार्मा

1. श्री हममुख वालजीबाय बोलांकी ।

(भ्रन्तर∜)

2. श्री बाभूबाय प्रतगर्जीबाय पारखः।

√भन्तरिती)

को यह सुभना चार्टी करको पूर्वोक्त सम्मरित के वर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उष्ट सञ्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी आखोप 🚁

- (क) इस सूचना के राजधन भी प्रकाशन की राशीन से 45 हिंदन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना कि सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को द्वाजपत्र में अकाशन को तारीब से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तासर्ह के जास निज्ञित में दिन्। ८० में उने ।

स्थव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुश्रुची

प्लैट नं० 2. जो पहली मंजिल, पार्ली गंगानिकेतन कोन्नापरेटिव हाउसिंग नोसायटी लिमिटेड बीं० सुभाष, रोड, पार्ले (पूर्व) बम्बई-57 में स्थित है।

श्रन्सूची जैला की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/13162/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बरा दिनांक 5-10-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्र्यामण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 12-6-1985

मोहर 🥫

प्र**क्ष्यं शहर्_त टी. एस**् **एस**् स्वरण्ड

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार ,

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीकण) अर्थन रोज-2, बस्बई

नम्बद्दी, दिनांक 12 जून 1985

ির্বেজ শৃত স্কর্ছ-2/3**7ईई**/13291/8-1-85---স্ব: मुझ, लक्षमण दाम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इचरें इसके पहचात् 'जबत अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्ल बाजार मृस्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

अंग्रु जिनकों सं० पनैट तं० 3, गृमीन मंजिल, प्लाट तं० । क्रिंड, विले पार्ले (पूर्व), विश्व हैं-400057 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुभूती में और पूर्ण हम से विणत है) और जिनका नगरनामा आयार अधिनियम की धामा 269 गृज़ खे के ग्राधीन स्थान प्राधिन गर्म के ग्रायीलय वस्बाई में रिजिस्ट्री हैं, तारीख क अम्बुवर 1984

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिक ल के सिए अन्तरित की नई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफक्त से एसे श्रवमान प्रतिफक्त के पमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफक्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाथ की बाबसे, उस्त विभिन्तियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के सामित्य में कभी कारने या उत्तरे बचने में सुविशा के लिए; और/बा
- (भ) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या र ग अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के किया गंगी का या किया जना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः ज्व, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उद्यात अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- ा. श्री रत्तनवाज मल्होत्रा।

(मन्तरः)

2. सैसर्भ पानीकोनिङ इन्डस्ट्रींग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वान के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चत में किये था सकते।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्या हैं ॥

144

फ्लैं**ट नं०** 3, जो जमींन मंजिल, प्लाट नं० 125, बिले पार्ले (पूर्व) बम्बई-100057, में स्थित है।

अनुसूची जैना की कर मंद्र अई-2/37/ईई/13291/ 1984-85 और को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेंज-2, **बम्बई**

नारींख: 12-6-1985

मोहार 🛚

प्ररूप नाइ.टी, एन . एतः ह ========

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत संह्यकड व्ययनिय, सहायक मामकर मायुक्त (निडक्किन)

अर्जन रेंग-2, बम्बई

बम्बई, दिन क 12 जून 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13789/84-85--- श्रत: मुझे, लक्षमण दास,

नायकर नीधनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के निधनियम प्राधिकारी को, यह पिछवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लैट नं० 52 चौथीं मंजिल, जिले पार्ले (पूर्व) बम्बई-400.057 में हि तहैं। और इससे उपावक अनुसूचीं में और पू से विणत हैं), और जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 के ख के अधींन सक्षम प्राधिकारी के आर्थालय में अम्बई मे रिजिस्ड्री हैं, तारीं ख 23 अक्ट्रबर 1984

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बल्वह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरिक्किं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कल निम्मलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है उल्ल

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त बीधीनवस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उदाचे क्यने में बृष्टिया के सिद्य कर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों और जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया शा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिर्भा औं जिए।

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) वे अधीनः निम्निविक्त स्विक्तमें वर्षात् हे—

- 1' श्री रामचंद्र बाबूराव इदम, श्रीनितीं इंदु रामचंद्र कदम। (श्रन्तर ह) :
- श्री शिशीरचंद्र चूर्नीलाल मकवाता, श्रीमती सीलाभाय शिशोरचंद्र मकवाता।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र उनन

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की भविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर क्वें कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्क किली कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्तिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क निभिनितम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

सम्बद्धी

फ्लैंट नं० 52 जो चौथी मंजिल, विल पाले (पूर्व), असम्बर्ध-400057, में स्थित है।

प्रमुखीं जैसा कि अ० मं० प्रई-2/37ईई/13789/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनों । 23-10-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दाप संसम् प्रतिशासी सहाय १ आस्तर आयुक्त (सिरोक्षण) अर्जन रोज-2, बस्बई

नारीखा: 12-6-1985

अरूप बार्ड : टी.: एन : एस : ------

भायकार मौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

महायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. बम्ब**ई**

बम्बई, दिनां 🤃 12 जून 1985

. निर्देश सं० श्रई -2/37ईई/13121/84-85 → श्रत: मझे लक्षमण दाव

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्परित, जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-II कर्नाटक कोम्रापरेटिव हाउित्त मोसाइटी लिमिटेड, मोगल लेन, माहीम, घम्बई-400016 में स्थित है (और इससे उपायस म्रनुमुची में और पूर्ण कर से विणित है) और जिसका करारनामा अधिनियम आयार की धिंडी 269 के ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों के अर्थावय बम्बई में रिलिस्ट्री है, तारीख 3 अक्तूबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार मृत्य, उसके शश्यमान प्रतिफ ल से, एसे शब्यमान प्रतिफ ल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तब पाया गया प्रतिफ ल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उपस अन्तरण सिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) ब्रस्ताउन वं द्वाद कियी बाव, की बावत, उक्स अधिनयम के अधीन कर दोने के सम्सरक असे दासित्य में कसी कारने या जससे अचने में सुविधा असिए; सार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल बिधिनियम, या अन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना वाहिए था, क्रिपाने में सृविभा यो निए;

श्रीमती कुनुम गोबिन्द बोरकर।

(ध्रन्तरक)

2. योभनी गुभनाथ विजय वागले।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्महित के अर्जन के लिए आर्थशारिक्ष अराज हों]।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में को इं भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किर्ता अधित दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ते।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ डोग्ग को उस अध्याय में विचार गया है।

नम्स्**या**

डी-2 ' जो जनिटक कांच्रापरैटिव हाउग्यिंग जीसाइटी विसिटेड, मोगल लेन भाहीम, बम्बई-400016, में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि संव अई-2/37ईई/13121/ 84-85 बीर जो नक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनाक 3-10-1984 को रिजर्टर्ड किया गया है।

> सक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी भहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रोज-2, बम्बई

ंगारीख: 12-6-198**5**

四次天 白

श्रक्प बार्ड . दी. पुन . एक

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की ार, 239-ए (1) के संशीद ध्वना

मारत गरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायकत (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13592/84-85—-म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

हाजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं पलैट नं 10 के दक्षिणी भाग जमीन के मंजिल कालाकुंज कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड प्लाट नं ०, 58, टी०पो० एस० 4 शांताकूज बम्बई-400054 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 16 श्रक्तुबर 1984

की पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का लिखत बाबार भूल्य. उसके दश्यमान प्रतिकान भे, एमे दश्यमान प्रतिफल का राष्ट्र गोपात से अपिक हो और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अकरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उददेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक एयं में कार्या गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी अब गा किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार जिल्लियम, 1922 11022 का 11) या उक्ट अधिनियम, या प्राप्त प्राप्तियात, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिथाने में स्विधा के लिए;

अतः बब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण हों. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री ग्रमीन हुसेन कुरेशी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री साधिका ग्रमी।

(अन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसको ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना को तासील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पाक्षीकरूम: --- इसमें प्रयुक्त क्रव्यों कींदु पदों का, को उक्स वीधनियम, को वध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा क्या है।

धनसंची

पलैट नं ० 10 के दक्षिणी भाग, जो जमीन के मंजिल, काला-कुंज कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं ० 58, टी०पी० एस० 4, शांताकूज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रतुसूची जैया कि क० सं० श्रई-2/37ईई/13592/84- 85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10- 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लंक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रज़न रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-6-1985

प्रकार नार्द्र हो_ड द्र_ि प्र_व्यान्यान

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन ब्यामा

नारुत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/13729/84-85---ग्रतः मुझे लक्षमण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 6, को 1ली मंजिल, रोहित को श्रीपरेटिव हार्जासूग सोसाइटी लि०, जसवाल वारी के सामने, श्राखरी इमारत जुहू, बम्बई-19 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम पाधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20 श्रक्तूबर, 1984

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृश्य स कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सर्पारत का उचित बाजार मृश्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण किवित में बाक्तविक क्य से कीचत नहीं किया गया है क

- (क) मन्तरण सं हुई किसी बाद की बाबत, उन्त मीर्पीयक्ष के वशीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद्युः बार्ट्यका
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या जन्य जास्तियों को विन्हें भारतीय वायक है विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त विभिनियम, या भव-कर अभिनियम, या भव-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवेशियमार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा सै विद्या।

ब्रदः सव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण कें, जी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— 1. डा० स्वराज पी० मेहरा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कांचन एस० कुकरेजा।

(भ्रन्तरिती)

3. भन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- [क] इस सूचना की हाक्ष्य में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास विश्वित में किए जा सकर्य।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्थी

प्लैट नं० 6, को 1ली मंजिल, रोहित कोधापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जसवाल वारी के सामने, आखरी इमारत, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसािक क० स० भ्रई-2/37ईई/13729/84-85 भीर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, यम्बई

तारीख': 12-6-1985

मोहर ः

इस्म बार्ड . दी . एन . एस . - - * ...--

बायकड वृष्टिनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

सं० अई० = 2/37-ई०ई०/13329/84-85, अतः मुझे, लक्षमण दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके परचात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ले० व्लांक प्रिमसेस कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जुह होटल के पास, जुह चर्च रोड, बम्बई 400 049 में स्थित है और इससे उपावड अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 8-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे अश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (वा) मन्तरण से हुन्हें कियी बाब की बाबत, कला विधिनसभ की अभीन कर दाने के बत्तरक को विधिल को कभी करने का बससे जनने में स्विधा के सिए, श्रीराज्यों
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें सिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा १६७ व के बन्मरण को, को, उक्त अधिनियम की धन्त १०० व ३४ व्यापाल (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री छोट्भाई गोपालजीभाई पटेल,

(ग्रन्तरक)

2. श्री मृगश प्रभुदास गांधी

अन्वारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बज के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षिप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिकिसम, के अध्याय 20-क में परिश्लीपत है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्यी

"ब्लाक प्रिमसेस कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,फ्लैंट नं० 8, दूसरी मंजिल, जुहु होटलप्के पास, जुहू चर्च रोड बम्बई 400 049 स्थित है।

अनुसुची जैंसाकि कम स० अई०-2/37 ई०ई०/13329/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 8-10-84 . को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ॅलक्षमण दास, सक्षम प्राविकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज-2, **बम्बई**

दिनां : 12-6-1985

प्रक्ष काइ. टी. एन. प्रस . ------

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई 2, दिनांक 12 जन, 1985

सं० अई०-2/37 ई०ई०/1 3596, 84 55 अतः लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. संअधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० पलट नं ० 6, पहली मंजिल, वंजावाडी, प्लाट नं ० 688, टाउण प्लानिंग स्कीम ।।।, आफ लेडी जामगेंदजी रोड, माहीम, बम्बई-400 016, में स्थित है ग्रीर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिकारी अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 19-10-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पायन गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्व्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से काजित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचित् :--- श्रीमती सुन्दरी, (जो श्री किशिनचन्द खिलमानी की मृत्यु के बाद विक्रो है)

अन्तरक)

2. श्रीमती अमीस वाली मोहम्मद कुरेशी

(अर्गरती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परिता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्िक अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 6, जो पहली मंजिल, बंजाबाडी, प्लाट नं० 688, टाउण, प्लानिंग स्कीम ।।।, आफ लेडी जामगेदजी रोड माहीम, बस्बई 400016, में स्थित है।

अनुसूची जसा कि ऋम सं० अई०-2,37 ई०ई०,13596, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दाम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजन रेंज-2, बम्बई

दिनाक: 29-5-1985

नोहर:

प्रकृष बाही, ठीन एवन एक न्यानन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउउ 269-व (1) के बचीन स्वना

STATE STATE

कार्याक्षय, सहायुक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बबम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

सं० आई०-23/7-ई०ई०/13411/84-85---अतः मुझे लक्षमण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'अकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स्० पलट नं 11, दूसरी मंजिल, जलदेव कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं 491, रोड नं 33, टी० पी० एम० 111, बान्दरा, बम्बई-400050 में स्थित हैं (ग्रीर उससे उपाबद अनुसुची मंग्रीर पूण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 269 क ग्रीर ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मति के उम्बित बाधार मून्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेशय से उक्त अन्तरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अपसर्थ से हुई किसी बाव की बावत उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित को कमी करने या उसने क्यमे को न्याधा के लिए; और/मा
- (क) क्ती किसी जान ना किसी पन ना नम्न नास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ मन्त्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किना क्या ना ना किना वाना नाहिए था, कियाने में सुनिधा है क्हि;

बतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--- 1. श्रीमती नीता फित्रलाल लल्ला

(अन्तरक)

2. श्री मुराद अली अब्दुल्ला वान्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चभ के लिए कार्यवाहियां शूक करता हुं।

उनक बम्मरित के बर्चन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकारण की तार्टीक के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस क्रियाय में दिया गया ही।

वन्स्ची

पलट नं ा 1 जो दूसरी मंजिल, जलदेश कोआपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं 0 49 टी० पी० एस० 111, बान्ब्रा, बम्बई 400 050 में स्थित है।. अनुसूची जैसा कि ऋम सं 0 आई०-2/37-ई०ई०/13411,

अनुसूची गसी कि कैम सं ० आई०-2/37-६०६०/13411, 84र85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक: 12-6-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

प्रत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाइत 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक कारकर वाय्क्त (निरीक्षण)

म्बर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

मं० श्राई०-2/37-ई०ई०/13500/84-85—श्रतः मुझे लक्षमण वास

वायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भवा हैं), की धारा 269-च को अधीन तक्षक प्राधिकारी की यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 405, 4थी मंजिल, कविता श्रपार्टमेंट
र्भि० टी० एम० 1030, यारी रोड, वसेवा, श्रंधेरी (प०) बम्बई
61 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप में
विजित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा
269-क श्रौर ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रिजस्ट्री हैं, तारीख 12-10-1984

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उभित बाकार मूल्य क कह के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि सकाप्योंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिफल है और अंतरकों) जीर अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एने अन्तरण के लिए तय पामा नया प्रतिकत, निक्निलिस उद्देष्यों से उक्स बन्तरण फिस्तित में भारतिक. कप से किसत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाप की बावत उक्त वीध-नियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उजसे अधने में मुश्रिक्ष के निए; बीद/बा
- (थ) ऐसी किसी बाम वा किसी भन वा बन्द शास्तियों की, बिनहें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1472 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा अत-कः विधिनियम, वा अत-कः विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया विधा में स्विधा के निए;

बहः बद, उध्व विधिनियम की भारा 269-स के बनुसरम की. की, उपत अधिनियम की भाग 269-म को उपधारा (1) व विधीत, निम्मीविधित व्यक्तियों, वर्षात क्रिक्ट 1. श्री सुरेश कांबली

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कानीस फातीसा और हबीब खान,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

तकत सम्मत्ति के वर्णन के सम्मन्ध में खोड़ों भी वाक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अनिध ना तत्सींथी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तानीन से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में सनस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमाँ में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इत बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्साक्षरी के गस लिखित में किए जा सर्कने।

हमस्त्रीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, के उप अध्याय में दिया। स्था ही।

अन<u>ु</u>स्ची

पलैट नं० 405, को 4थी मंजिल, किवता श्रपार्टमेंटस, सी० टी० एस० नं० 1030, यारी रोड, वसौँवा, श्रंधेरी (प०), बम्बई-61 में स्थित है।

श्रनुसूती जैसा कि क्रम सं० प्रार्ड०-2/37ई०ई०/13500/84-85 प्रीर को सक्षम प्राध्यकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 12-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ाक्षमण दात, ाक्षम प्राधि गरी.

. सहाय हे अर्थि

तारीख : 12-6-1985

नोहर 🖫

and the control of the forest of the forest of the first of the first

प्रस्य बाह्र , टी., पुन., एक., 🗈 🛎 🛎

जायकर क्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के विशोन सूचना

नारत तरकाड

कार्याक्षय, उहायक आयक र वायुक्त (निर्धिका)

म्रर्जन रेंज, बम्बई

वम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

सं० म्राई०-2/37-ई०ई०/13701/84-85—-म्रतः मुझे लक्षमण दास

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इस्में इस्के पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह निक्वास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक इ

स्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 2, को 3री मंजिल, प्लाट बी०, ट्रेन्क्यूल स्टेट, प्लाट नं० 8, सर्वे नं० 16, यारी रोड, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ग्रीर ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का गंग्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की अवत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्व में कसी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हीं भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम नः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाधनार्ध अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्पेवधा के निक्ष

अत: अब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के अबुसरण प्र', मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- 1. श्री सुन्दर एच० ग्रडवानी

(भ्रन्तरक)

2. मार्टस मोडूल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड

(मुद्धतरिती)

को यह भूषता बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्षत के विष कार्यवाहियां शुरु करता है।

जबत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थला के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख जो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्माव्यक्तिरणः ----इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जन्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हीं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय माँ दिया द्वा ही ।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 2, को 3री मंजिल, ब्लाक बी, ट्रंन्क्यूल ट्रेट, प्लाट नं० 8, सबे नं० 16, यारी रोड, झंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37ई०ई०/13701/ 84-85 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को २७२६ ई किया स्था है।

> लमक्षण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-6⊭1985 ।

माध्र 🖢

प्ररूप बाह्र दी पुन पुस

बाबकर ब्रिंगिस्ब, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के ब्रांगिस सुभाग

HIST HERE

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० माई०-2/37-ई०ई०/13799/84-85---म्रतः मुन्ने, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उजत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 34-बी/8, जो गुरुछाया को भ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी जिमिटेड, मनिष नगर, वसोंना रोड, ग्रंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (भौर इससे उपाबत अनुसूची में मोर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा, भ्रायकर भिष्ठिनियम, की घारा 269 क और ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-10-1984

को पूर्वित सम्परित के उचित शाजार मूल्य से कम के उद्यमन दिल्मान कि जो कि अंतरित की पदि हैं और मूक्षे यह जिल्लाम किन का कारण ही कि यथापूर्वितन शंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिकत्त में, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का बन्दर का कि ध्रममान प्रतिकत्त में, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का बन्दर मिल की ध्रममान प्रतिकत्त में, एसे क्ष्यमान प्रतिकत का बन्दर प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंसिरिशी (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय एस पाण प्या प्रतिकत निम्नतिशित उद्योध से उद्या अन्तरण कि कि ध्रम में स्थान कि कि कि स्था है:--

- (क) अन्तरण से हाद भिल्ली साथ की बायत, उथल व्यक्तिभक को लभीत कर योगे के करवारण के व्यक्तिभक में कभी अनने था उससे सवने हो स्वीयका ले किया बीक्र/मा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य शास्त्रश्री फी, जिन्हीं भारतीय जाय-कर आंधिनयम, 192? 1922 की 11) या उनस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्वीचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं विकास वासा वासा वासा शाहिए था, फिलाने ही

अंत: मब, अक्त ऑधनियम की भारा 269-ए के अनुगरण पं. मी, अक्त प्रिकिशम की भारा 269-ए की अपसारा (1) के बनीन, निम्निलियत व्यक्तियों. बर्धात्:——68—156GI/85

1. श्री सतिष राम कृष्ण माणगावकर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरीन्दर कुमार धावर।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वना आरी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वागः
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितब्रह्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी को गाम िलक्षित मों किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण '--- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्वी

प्लाट नं० 34-बी/8, जो गुरुछाया को-म्रापरेटिव हाउर्सिग सोसायटी लिमिटेड, मनिष नगर, वर्सों वा रोड, म्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्राई० 2/37ईई/13799/ 84-85 भ्रौरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-6-1985

मोहर स

त्रक्त बार्ड, दर्री, एक. एवं .-----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भाइत सरकार

कार्याजय, सहायक मायकर नामृक्य (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1885

भिर्देश सं० अई-2/37ईई/13045/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास.

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उन्त निथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-13, जो, 2री मंजिल, माझडाक अपार्टमेंट, 7 बंगला, वर्सोवा, ग्रंधेरी, बम्बई 61, में स्थित हैं (ग्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स वर्णिल हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में स्विक्ट्री हैं, तारीख 1-10

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की बहु है और मुख्ये यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूख, उसके अध्यमन प्रतिफल को पत्यह प्रतिशत से बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतिरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्तिवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंधरण वं हुइ कियी शव की वावत, शक्त कियि। वह के क्योंन कर दोने के बंतरक के वादिक में क्यों करने वा उसमें क्यों में मूं किया के सिए; वौर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, विमहें भारतीय जायकर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यमा, वा भन-कर अभिनियमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में वृष्या को विष्ह;

बश: अब, उनत वाँभिनिषम की भारा 269-ग औं वक्तरन माँ, माँ, उनत जिथिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन. निम्निसिस्त व्यक्तियों, बर्भात:---

(1) श्री कवल जीत महाजन

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रंबदास देवराव बाडकर्णी

(अन्तरिती)

कारे वह सूचना पारी काएक पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्चन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनव सम्परित के नजीन के राज्यन्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के प्रावपक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपृष्ट्र किसी क्या व्यक्ति ब्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्ट लिखित में किसे या सफोंगे।

म्यत्रे

प्लैट नं बी-13, जो 2री मंजिल माझडाक अवार्टमेंट 7 बंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी, बम्बई 61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िए ऋ० सं० अई-2/37ईई/13045/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-10-1984 की रिजस्टर्ड किया गया

> लक्षमण दूरस सक्षम प्राक्षितिरा, सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 12 जूम 1985

मोहर 🛚

प्रकृष मार्च. दी. एव. एक.-- = ====

आयकर करिपनिज्य, 1961 (1961 का 49) की पार 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, प्वम्बई

बम्बई, दिशांक 12 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13122/84-85---अत: मुझे, लक्षमण द(स

कायकर अधिनियम, 1964 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परपात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की नारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति , जिसका उधित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

- (अ) करुरण में हुए किसी आब की बावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे क्याने में स्विका के निए; बार/या
- (क) ऐसी किसी थाय या किसी धन या बन्ध आस्तिकों को, जिन्हों भारतिय आप-कर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उद्या आजिन्छन, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

यसः अव, उपत अधिनियम की भारा 269-म के सब्धरण भा, भा, उपत अधिनियम की भारा 269-म को उपभाव (1) है अधीय, निम्निक्षिक स्वनित्यों, सर्वाद क्र-- 1. श्री आर० राजनगम।

(अन्तरक)

2. श्री गोदरेज रूस्तमजी भगत प्रौर श्रीमती अनंवाझ गोदरेज, भगत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स तम्पत्ति के वर्षन के हैंक्ट्र कार्यमाहिमां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी काओंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इत त्चना के शकपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किशी कर्य व्यक्ति इवारा जभोहस्ताक्षरी के वास निविक्त में किए वा सकींगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्तं शब्दों और पर्दों का, को जबस विभिन्नियंत्र के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा चवा है।

समस्य ची

पर्नैट तं० 408, जो इमारत तं० 31, मिनिय चेताली को-आपरेटिय हार्जीसग सोक्षायटी लिमटेड, मिनिष नगर, जे० पी० रोड, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37ईई/13122/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 3-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ~2, बम्बई

दिमांकः , 12-6-1985

११६५ **जाद¹, स**ी. **६**श. एक.-----

यामकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

धार्य सम्बद्ध

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिशांक 12 जुन 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13191/84-85-अत: लक्ष्मण धास

काराकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विस्का उपित बाजार 1,00,000/- फ. से अधिक है

ग्रीर जित्तकी सं० प्लाध नं० 33 जो किरन बन्द की-आप० हाउ-क्षिंग सोसाईटी लि०, मनिय मगर, जे० पी० रोड, अन्धेरी (५), अम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में ग्रीर पुण रूप से वर्णित है(, ग्रांर जिसका करारनामा, आयद र अधि-नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

नां पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान गीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का असित बाजार ्रन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भातरिती (अंतरितियों) के बीच **एसे अंतरण के सिए तय** ाया गया प्रतिफाल, निम्नसिखित उद्देश्य से उत्तर जन्तरण ्रियत में बारतिवर रूप से कांग्ड नहीं किया पना है ह--

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्षीपानियम की अधीन कार दोने की सरक्षरका की दाधित्व में क्यी करते मा उच्छे देवने में स्थिता को लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार किंधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🤿 प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भाषाकिया जाना चाहिये था, खिलको थे द्वश्याके लिए;

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) हिमस्राय कायणा काचम ।

(2) श्रीमती रंजनबेन पदमशी माला।

(अन्तरिकी)

(अन्तरक)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरि के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर प्रबंधन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धतिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

प्लाट मं० 33, जो, किरमचन्द्र को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि॰, मनिष मगर, जै॰ पी॰ रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम० सं० अई-2/37ईई/13191/84-85 भीर जो सक्तम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राक्षिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिद्धिण) अर्जन रेज-2, बम्बई।

तारीख: 12-6-1985

मोहरः

प्रक्य आहें ु, टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत स्रक्तर

कार्याज्य, सहायक वाज्यकर वाय्क्स (निरीसण) वर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुन 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13558/84-85---अतः मुझे, सक्षमण दास

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसमें इसमें प्रकार प्रकार का प्रतिचाम कहा गया है की भारा 269-व के विधीन संभाग प्राधिकारी की, वह विध्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाबार मृत्य 1,00,000 रा. में शिक्ष है

भौर जिउकी सं० प्लाट नं० 406, जो, 4थी मंजिल, इमारस बी-44, मिप भगर, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (क्रेंट इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत हैं), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-10-1984

की पूर्विपत सम्पालत के उपित बाजार मूल्य से कम के दल्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरति (अन्तिरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण निम्नलिखत में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरक से हुए किली बाय की नामत, उक्त अभिनियम के लभीन कर बाने के जन्तरक के बायरक मा कमी करने मा उससे अचन मां सुनिधा के लिए, बार/या
- (अ) पुँसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया कर स्था मा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुणिया के लिए;

क्षाः अव, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तं, मैं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रीमती मिना हसारे।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मिनाक्षी सेठी ग्रांर श्री बी० थापर लालचन्द।

(अन्सरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
को यह पूजना जारी करके पूजांक्त संपत्ति के अर्थन के बिक् कार्यनाहिस करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना की रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी क्यांचि बाद में समाप्त शांती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति सूवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उनक स्थापर सम्पन्ति हो हिट बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोश्रस्ताक्षरी के शास निर्धिक्ष हो किए जा सकीये।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहु किथ होगा, जो उस अध्याय में दिया महाहुँ।

धनुसूची

पसैट नं० 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत बी-44, मनिष नगर, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2/37ईई/13558/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेंज-2, बम्बई ।

सारीख: 12-6-85

मोहर १

म्सं वारं . टी. प्र . व्य ुन्नवस्थानकात्त

भागांकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्तज) अर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुन 1985

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/13710/84-85-अतः मुझे, लक्षमण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वश्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1403-बी, जो 14 बी० मंजिल, इमारत नं०41 (श्रंश), 4 बंगला, वसींवा, अन्धेरी (श्रंश), बम्बई—58 में स्थित हैं (भौर इससे उपावस अनुमूची में भींर पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्बी हैं, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल है निम्निसिस्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण 'लिस्त में यास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) सम्बद्ध से हुइं किशी कान की नानता, उनका वृधिनिषम् तो नधीन कर देने के वन्तरक के वादित्व में कमी करने मा उत्तर्थ मचने में बृद्धित के किए; बार्/या
- (भ) एसी किसी आय वा किसी धन मा अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में शिवधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. बर्धात ६(1) श्री शाशाद आर० अनुयान

(अन्धरक)

(2) मैं भर्स चौमले ब्रदसं

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करने पूनितंत सम्मृतित के नः. के निन् कार्यवाहियां गुफ करता हूं।

जनत सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजनन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमाहित

धनुसूची

फ्लैंट नं 1403 बी॰, जो 14वीं मंजिल, इमारत ब्राईटन टावर्स, प्लाट नं 356, एस॰ नं 41, (श्रंण), 4 बंगला, वर्सोवा, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2/37ईई/13710/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है '

> लक्षमण दास सक्षम प्रा**र्कि**कारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रॅज--2, **बम्बर्ड**

तारीख: 12-6-1985

मोहर 🖫

धक्य आहु¹ा हों.. एन्.. पुत्र_ः स्टब्स्टन्टन्ट

गायकर गिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) में मुभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुन, 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13569/84-85—अस: मुझे, लक्षमण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 305, जो, 3री मंजिल, इमारस रेजन्सी—ए, लाट नं० बी—3, एरा० नं० 41 (श्रंश), 4 बंगला, वसौरी अन्धेरी (प), वम्बई—58 में स्थित है (श्रौर इससे उपावक सूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16—10—1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवतित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और सन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रशिक्ष निम्निसिख उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित में अन्तिक रूप से किया नहीं किया गया है

- (स) अन्तरण से हुई फिसी वाय की वावत, क्वट किंगिनदम के क्यीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे वजने में मृतिसा के निष्; बॉए/बा
- (भ) एसी किसी बाब या किसी भन वा बन्य कारिस्यों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के क्रेंप्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छियाने में सविधा के सिए:

ंत प्रेच, त्यस्त लिभिनियम की भारा 269-ग की, **मनुदरम** की, मी, तक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भूरपीय जिस्सीलि**स्त व्यक्तियों, मर्थांद्र≝-** (1) श्री शेरयभ अन्सारी।

(अन्तरक)

(2) श्री संतदास एन० हिगोरानी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करवा हूं।

उन्त सुन्यत्ति के मुर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख बं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक विभिन्निमंत्र के अभ्याय 20-क में गरिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन कथ्याय में दिया चवा हैं।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 305, जो, 3री मंजिल, इमारत रेजन्सी-ए, प्लाष्ट नं० बी-3, एस० नं० 41 (झंश), 4 बंगला, वर्सोबा, अन्धेरी-प बम्बई-58 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13569/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई ।

तारीखा: 12-6-1985

मोहर ॥

प्रकार नाहरें, टॉं, एक*ा एक । स*्टन र राक्त

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

कार्याजय, बहायक वायकर जामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1985

निर्वेश सं० अई-2/37ईई/13387/84-85---- **श**तः मुझे लक्ष्मग्र दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाव 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, को, 3री मंजिल, इमारत कान-कोर्ड, प्लाट नं० 6, एस० नं० 41 (प्रंश), 4 बंगला, वसींवा, प्रनिधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 8—10—84 को प्रविक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान परिताल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार क्रिया प्रतिकृत का पत्रह किलास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया गतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण जिलाह के निष्क कर से किथत नहीं किया गया है ;-—

- (क) अन्तरण संहुर्ष किसी बाव की कानत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; अपूर्िया
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री किशनचन्य वि० घेरीया

(भन्तरक)

(2) श्री ग्रमील मेहरोला

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्त संपत्ति के अर्चन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हरू-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी भी पास सिवित में किए जा सर्कों गे।

स्थळीकरणः -- हमार्गे प्रयक्त शब्दों और पदाँ का, वा उक्त हिंदिनम्, हों अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधें होगा को उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

प्लैटनं ० 30 4, को, 3री मंजिल, इमारत कानकार्ड, प्लाटनं ० 16, एस० नं ० 41 (श्रंग), 4 बंगला, वर्सोना, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० भई-2/37ईई/13387/84-85 भौर को सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> षुट्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 12-6-1985

मोहर ः

प्रकृष आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ंघ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून 1985

निर्देश सं० ध्र $\frac{5}{2}$ -2/37ईई/13573/84-85—-ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- र से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं पर्लंट नं 504, को, 5वीं मंजिल, श्रकाडं-ए, प्लाट नं 17, एस वन 41 (श्रंश), 4 बंगला, वर्सोवा, क्येंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची नें श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क खके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 15-10-1984

को प्रवेकित सम्पत्ति के तिस्त वाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के जिए अवविष्य करी पहें हैं और मृत्रे यह विश्वात करने का कारण हैं कि अभागतींकत संपत्ति का अधित बाधार बुक्य, उसके रूथ्यमान प्रतिकत में पूरे दश्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और एसे अंतरक (बन्तरकों) और अंतरितों (बन्तरितिकों) के सीम एसे अन्तरका के लिए तम पामा भया प्रतिकल, निम्नलिथिय न्द्रदेश्य में उसते अन्तरक सिकित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क्ल) अंतरण से हुई किपी आय की वाबत, उक्त बिध-नियम के अमीन कर होने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- . (ख) एंसी किसी बाय या िकसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर वृष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिटाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सोन् श्रार० चंगराबी

(भन्तरक)

(2) मैंसर्स निश्रीन हतीमी ह्रीयानावाला ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाश्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

nerodî

पलैट नं ० 504, को, 5वीं मंजिल, श्रक्तोर्ड अप्, प्लाट नं ० 17, एस० नं ० 41 (श्रंग), ४ वंगला, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बस्बई--58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि सं० ग्रई-2/37ईई/13573/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 16 ₹10-1984 को राजस्टई किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन ज-2, बम्बई

तारीख: 12-6-1985

तक्रम अहिं, को , **इन** , एवं ,-----

शायकार व्यापिक्क्य, 1961 (1961 का 43) 👊 भाक्त 269-न (1) ने भनीण स्क्रना

nice about

क्षार्थाचय, बह्मदक मायकर मामुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जुन, 1985

निर्देण सं० श्रई-2/37ईई/13091/84-85--श्रतः मुझे;

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें **श्यके परचात् 'उक्त अधिनियम' कक्षा गत्राह'), की धारा** 289-च के अभीन बक्तम प्राधिकारी की, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्पर्धन विभावत सामन नामार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० पत्रैट नं० 102, को, 1ली पंजिल, इमारत श्रकार्ड-ए, प्लाट नं० 17. एस० गं० 41 (ग्रंग), 4 बंगला, वर्सीवा, भन्धेरी (ए), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के ऋधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त संस्पेटिक को उत्तिन बाजार मृज्य से काम के धरमजान परिकास में किए अन्तरिय की यह है और मुक्ते यह विक्यान न पने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उपयो क्रमनाम प्रक्रिकता में, गृहे क्रमनान द्रांनिकम का पंक्रइ प्रतिकाद से जीभका ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिली (अंतरिसियों) के बीच एसे मंग्नरण के जिल तथ पादा गया प्रक्रि-भावन निज्यमितित स्वयंक्य से समस बन्तरण निवित में शस्तिनिक ह्य में कथिक नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से द्वार किसी जन्म की मन्द्रद्व, अधिनियम के अधिन कर गोर्ने के क्यारक से अधिनस में कभी करने पर तकासे नवाने हैं प्रतिका की हिसार जीर/बा
- (व) एंसी विक्ती-भागमा किसी धन वा वस्त बारिसवाँ को, जिल्ही भारतीय जानकर जीवीनयन, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनिवस,, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ला.27) के धार्म अपर्ध सम्मरिती स्वास शक्ष्य नहीं किला गया था राष्ट्रिक्सा खाना चाहिए या जिलावी में सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निकासिया व्यक्तियों, वर्धात् हें=∞ः

Fireman and company that is the second constitution of the second constitution and the second constitution of the second constitu (1) श्री एस० एस० सक्येना, एच० यू० एफ० ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी लिना रोका ।

(अक्टरिती)

को बहु स्वता बाही करूबी पूर्वीक्त संपर्तित के अपन के सिए कार्यवाहिको करता हुई।

शकत सम्पत्ति को जर्जन को सम्बन्ध में कोई" भी नाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच **ये** 45 दिन को असीभ या तत्सम्बन्धों अयोक्तयों पर सुषना की तामील से 30 विन की अविधि, यो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्याक्तका में में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधिहरताथारी के जिल्ह कि कि के जिस का प्रकार

स्यव्यक्रियरण:—-इतमें प्रयुक्त शब्दों बीर पर्यों का, यो **उपद** अधिनियम के जध्याब 20-क में परिभाषित हैं, बह्वी वर्ष होना जो उब लक्ष्यम में दिया नवा 🗗 ।

अन्सूची

फ्लैट नं ० 102, जो, 1ली मंजिल, इमारत ग्रकोर्ड-ए, प्लाट नं० 17, एस०नं० 41 (ग्रंश), 4बंगला, वर्सोवा, प्रन्धेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है।

भ्रन्**मुची जैमा कि ऋ० सं० ग्र**ई-2/37ईई/13091/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मिय दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 12-6-1985

प्रकृप आर्ड . दो . एत . एस . -----

्राष्ट्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्धिक्य) श्रजन रेज-- 2, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 जून, 1985

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/13708/84-85—-श्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

कागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 602 को, 6 वी मंजिल, इसारत अफ्रोई-बी, प्लाट नं० 17, एस० नं० 41 (ग्रंण), 4 वंगला क्रिक्सेंबा, अन्धेरा (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम की धारा 269 के खे के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 20-10-84 को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्या से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेदित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिल खब्द देय से उक्त अंतरण बिस्ति में बास्तिक क्या से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुइ किसी आय की वाबस, शक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूबिभा के लिए;

बतः बंब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मंजरी मेहरोत्रा श्रीर अन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाम एम० गुरुग्रानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

खक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

इपक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यायः में दिवा गया है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए आ सकोंगे।

नगर मी

एलैंट नं 620, का, 6 वी मंजिल, इमारत श्रक्तीर्ड-बी, प्लाट नं 17, एम $\frac{1}{2}$ नं 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्सोंका, श्रम्धेरी (7), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुपूची कैंमा कि क्रम मं० ग्रई-2/37ईई/13708/84–85 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्षमश्रदास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बर्म्बई

तारीख: 12-6-1985

मोहर् 🖫

प्रकष् आई . दी . एन . एस . -=----

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-वं (1) के बभीन सुचना

नारत जरका

कार्यांचय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985 निर्देश सं० अई-2/37ईई/13568/84-85--अत: मुझे लक्षमण दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्प्रिः, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

थौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 605, जो, 6वीं मंजिल, इमारत रेजन्सी, प्लाट नं० बी-3, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, वसींबा, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रार इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत ई,) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख

16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पृति के उचित बाबार मृत्य ते कम के सब्माय प्रित्मल के लिए बंतरित की गई हैं बौर मुक्के यह विश्वास करने का कारान है कि मधापूर्वोक्स सम्पृति का उचित बाबार मृत्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रश्चित से अध्यक हैं और बंतरक (बंतरकों) बौर बंतरिती (बंतरित्यों) के बीच एसे अंतर्क के लिए त्यु पावा बवा प्रतिफल कस निम्मालियित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्त-विक सम से किंवत नहीं किया नवा है ६——

- शिक्षं) अंतरण अंदूर्य किसी बाय की बावस, स्वयक्ष स्थितिसूत्र के स्थीन कर बोर्न के बंसद्रक के सामित्य में कभी करने मा नसके बल्ले में सुनिका के लिए; करर मा
- (थ) होती कि बी बाद वा कि बी पन वा अन्य वास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार वीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जहारती त्वारा प्रकट नहीं कि या गया बाया किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा वी विहर;

बतः, बन, रानत विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के बचीन, निम्नीनिवत व्यक्तियों, अभित्:—

(1) मैसर्स मेहता बेल्टींग कम्पनी।

(अन्तरका)

(2) श्री भूपेंद्र एस० संपत और अन्य ।

(अनुतरिती)

का वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्प्रोत्त के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करका हुन्।

उक्का सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप 💴

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वस्ति वाद में समाप्त होता है। अर्थ भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंद- बहुभ किसी मन्य व्यक्ति स्वाय मधोहरताक्षरी के पास निहित्त में किए का सकेंगे।

स्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, वो उने अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा चो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

ननुसूची

फ्लैटनं० 605, जो, 6वीं मंजिल, इमारत रेजेन्सी, प्लाटनं० बी-3, एस०नं० 41 अंश 4 बंगला, वसींवा, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि० सं० अई-2/37ईई/13568/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 16-10-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**र्स**्चण) अर्जन रेज-2, बॅम्ब**ई**

तारीख: 12-6-1985

प्रकल भार्द . टी.. एक्.. पुच्य : = == =

नायुकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सुक्रना

प्राउत बर्डमर

कार्याक्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

निर्देण सं० अई-2/37ईई/13706/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर मिनियंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

भौद जिसकी सं० फ्लंट नं० 1403-ए, जो, 14 वी, 4 मंजिल, इमारत आइटन टावर, प्लाट नं० 356, एस० नं० 41 (ग्रंग) 4 बंगला, वसोंवा, अन्धेरी (प), बस्बई-58 में स्थित हैं (ग्रंगर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राजस्ट्री है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का अनुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एके अन्तर्क के निए तम पाया प्या प्रतिक कन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) सत्तरण प्रेष्ट्र मिली बाय की नामक उपन विभिन्न नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कृती करने या उसके वजने में सुविभा के लिए; आह्र/या

अतः नथः, उपत निवित्यम की पारा 269-म की व्यवस्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री भाक्षाद आर० अनुयान।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स चौगले बर्दस ।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति से सर्जन से सिह कार्यनाहियां करता हूं।

उन्तु सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई' भी बासोद:---

- (क) इस यूजन के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीन से 30 दिन की वविध, वो भी वविध वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पून्त कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इंतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हित-बहुध किसी कन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाद सिहिस्त में किए का सकते।

स्यव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जकता विभिन्नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

प्लंटि नं० 1404--ग, जो, 14वीं मंजिल, इमारत आईटन ह्रिटावर, प्लाट नं० 356, एस० नं० 41 (श्रंण), 4 बंगला, वर्सोवा हुआ-घेरी (प), बम्बाई--58 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37ईई/13706/ 84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिमांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखाः 12-6-85

मोहुद्ध ॥

CHI SET THE SET OF SOME

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आरह रिस्ट्र

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-2, वम्बई बम्बई दिनांक 12 जून, 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13404/84-85- अतः मुझे, ल-गण द.ध,

बायकर नांधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमं इसके एकाए जिसे का शिंदाणे का गण हैं). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका रिचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ज. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० प्लेट नं ० 305, जो, 3री मंजिल, इमारत अकार्ड-वी, प्लाट नं ० 17, एस० नं ० 41 (अंश), 4 वंगवा, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (स्रोर इससे उपबद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्णरूप, से वर्णित है), स्रोर जिला कर रनामा अध्यकर अधि-नियम की धारा 269काल के अधीन सक्षम अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 11-10-1984,

को प्रशास्त सम्परित के जिचत बाजार मृत्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है. एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो आर अन्तरक (अन्तरक)) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्तिलिखत उद्धरेश्य से सकत अन्तरण निमित्त में बास्तुबिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- भि। स्वस्पाद्धः के ब्राह्मः विभागे तका औ वासत्। स्वस्थः स्वीपित्रसम्ब के लगीन कर तोते के पन्नकः के दार्शकः में क्षतः करतः वा उसर अवस्य के स्वीपकः के प्रकार क्षत्र वस
- (क) एमी किसी जाय या जिल्ली धन या अप्य वास्तियों की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया भया या या किया जाना आहए था, क्रियाने में ब्रिया के स्थित के स्थान के स्थित के स्थान के स्थित के स्थान के स्थित के स्थान के स्था

बत: बब, उन्त बीधीनयम, की धारा 269-म के जनुसरण को, की, उबस बीधिटियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, वर्षात् :— (1) श्रीमति पूनम अरि० कुमार और, रिव कुमार एस०।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी कपिला डाहयाभाई कसंरा।

रिती)

को यह सुकता कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कार भी जाओप 🦟

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों. के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीलें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्याक्त द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-व में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जो उस बध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 305, जो, 3 री मंजिल, ईमारत अकार्ड-बी, प्लाट नं० 17, एस०० 41 (ग्रंश), 4 बंगला, वसोवा, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि के सं० म्रई-2/37ईई/13404/84-85 म्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ेंलेक्पण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरें ज-2, बम्बई

तारीख: 12-6-1985

प्रस्प आर्थ. टी. एन. एस------

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायक्त (भिरीक्षण)

अर्ज न रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जन, 1985

निदेश मं॰ प्रई-2, 37ईई, 13567, 84-85---अतः म्झे, लक्ष्मण द।स,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इसमें** इसके पदचात 'तक्त अधिनियम' कका गया हैं), की धारा 269-म के अधीय सक्षम श्रीभकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं १ पर्वेंट नं १ 603, जो, 6 मंजिल, इमारत रेजन्सी-र्ज्ञा, प्लाट सं० बी०-3,4 वंगल≒ वर्मोतः, अंधेरी (प), वस्बई-58 **में** 🏲 थत है (श्रौर इससे उप बद्ध अनुसुची में और इससे पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राचिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री

है, न।रीख 16-10-1984

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्ड है और मुभ्ने यह विश्वास** करने का कारण हो कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उत्तक रुखमान प्रतिकल सं, एसे स्थमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किश्रित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे सम्बने में सुविधा के लिए: अरि/या
- ्ंस) एेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अर्थिस्त्रयौ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 195**7** (1957 का 27) - 🕔 पयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उल्थारा (1² के सभीत रिक्सियां व्यक्तियां, अर्थात :---

(1) कुमारी मिन् आर० ग्प्ता i

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती मोहिनी एम० पंत

(ग्रन्न(रती)

को ग्रष्ठ सुचना जारी करके पर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहयां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :--

- (ह) इस समान के भागपत्र के प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ल्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस∗ अध्य किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्साक्षरी कै पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण - --इनाः पश्चन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गेया

प्रनुत्रुची

फ्लैट नं 603, जो, 6 शें मंजित, इमारत रेजन्मी-बी; प्लाट नं० बी-3, 4 पंगन , वर्शना, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैपा क किं कें। मई-2/37ईई,13567/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 16-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी, नहायक आमक्तर आमुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 12-6-1985

मोहर ■

प्रकृष् नाह्य. टी., एन. एस. ११०००००००

भायकर किंतियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (१) के अभीत स्थान

साइव करका

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

निदेश सं० अर्ड-2, 37ईई/ 13705/ 84-85— अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 203, जो, 2री मंजिरल, इमारत-कानकार्ड-बी, प्लाट नं० 16, एस० नं०41 (श्रंश), 4 बंगला वर्सीया, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रौर इससे उपावद अनुसुची में श्रौर पूर्णक्प से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 20-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की वाबत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वक्तने में सुविधा भी सिए, बहि/मा
- (व) एसी किसी आय ग किसी भन वा अच्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सुविधा के निए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कें वर्णन, निम्निखित व्यक्तियों. गर्भात् क्ष्यन (1) श्रीमति कुसुमा देवी कनोडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री ललित कुमार आवरोरा

(अतिरिती)

की यह स्वान बारी करके पूर्वोक्त सम्पोरत के अर्थन् के सिए कार्यवाह्नियां करता हो।

स्वत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया सवा हैं।

वन्स्ची

पलेट नं० 203, जो, 2री मंजिल, इमारत कानकार्ड-बी, प्लाट नं० 16, एस० नं० 41 (अंश), 4 गला, बसेवा, ब्रांधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित ई।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2 37ईई 13705 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रें ज-2, **बम्बई**

तारीख: 12-6-1985

वावकर वॉमिनियम् 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के नेपीन स्वता

मार्थ्य बर्डकार

कार्यासय, बहायक सायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-2, `बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 जून, 1985

निदेश सं० ई-2/37ईई/13749/84-85-- अतः मुझे, लक्षमण दास,

नामकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इस्में इसमें इसके परचात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, चिसका उचित बाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

मीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो 2री मंजिल, इमारत कान-काइ-बी, प्लाट नं० 16, एस० नं० 41 बंश), 4 बंगला, वसौंवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्णरूप से विजत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 22-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के क्ष्मजान जित्र के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विवनस्य करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपरित का उजित बाजार जून्य अतने बहरमान प्रतिकाल से एसे बहरमान प्रतिकाल का बेक्ट प्रतिकात से निभक्त है और नंतरक (जंतरका) और (जंतरितमी) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाना नमा प्रतिकाल , निम्मितिका अव्योक्त से उक्त बन्दाइन जिल्हा में बास्त-

- (क) मन्तरक वे हुई किहीं जान की बावता, उनत महिनियम के अभीन कर येने के बनाउक के समित्य में कृती कहने वा उन्नते बन्ने में भूतिया के सिद्ध; सरि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया आना चाहिए था स्थिपने में सुविभा के लिए;

भ्राष्ट्र, स्व, उन्त् नीभीनियन, स्ती भारा 269-व से वयुवर्ष वें, में इन्त नीभीनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निज्नविधित न्युनितनों, अर्थात् क्र— 70—156GI/85 (1) श्री संदीप कनोडिया।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आवरोरा इंजिनिअरिंग कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षम के किए कार्यवाहियां क्रद्रता हूं।

जनव बंपरिता में अर्जन के संबंध में कोहां भी बाध्येप ही----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाः
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बहुध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, वधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए वा सकेंगे।

श्यक्षकिरणः - इसमे प्रयुक्त कवाँ और पवाँका, थो उक्त विभिनियम के कथाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया। नवा हैं।

मम्युकी

प्लाट नं० 16, एस० नं० 41 (भ्रंश), 4 बंगला, वसोंवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ई-2/38ईई/13749/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 22-10-1984, को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, बस्बई

सारीख: 12-6-1985

मोहरं ह

प्ररूप आई. दी. एन. इस .-----

भाग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर नामुक्त (गिरीक्षण)

अर्जन रेंच 2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 जून, 1985

निदेश सं० ई 2/37ईई/13210/84-85— अतः मुझे, लक्षमण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसके पहलात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुं से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 306, जो, 3री मंजिल, कानकाई-बी इमारत, प्लाट नं० 16, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, श्रांशि-वरा, वसौंवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-54 में त्यत है, (श्रांश इससे उपाबक्र अनसुची में श्रीर पूर्णच्या विणत है), श्रीश जिसका करार-नामा आयकर अधिनिथम की। धारा 269 वस्त के अधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में स्थित है रिजस्ट्री है, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से एसे इस्मान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न् लिखिल उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्त जिक स्प से कहिंच पहीं किया गया है :---

- (क्क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीभीनमन के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे दकने में सुविभा के किए; और/बा
- (च) इसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाब-कार किशिनयम, 192 (1922 का 11) या उत्तर अधिनयम, या भनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूनिभा के जिल्हा;

कतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ के वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1)-के अभीरा, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राजेश मूलचन्दानी।

(अन्तरक)

(2) श्री जसपाल सिंह चावल। और, श्रीमीत गुरदीप कीर चावला।

(अक्ताती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (ख) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में लिए की किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित में किए बा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

उन संची

फ्लेट नं० 06, 3 जो, 3 रो मंजिल, कानकाई-बी, इमार प्लाट नं० 16, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला ओशिवरा, वसीवा, अंधेरी (4), बम्बई-54 में स्थित है।

अनसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/13210/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सज्जम प्रसिन्नारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-2, **बम्बई**

दिनांक 12-6-1985 मोहर : प्ररूप **जाइ³, टी, एन, एस.** जननपुनवन्यमधनप्रत

्राज्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 जून 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/13047/84-85—भन. मुझे, लक्षमण दास,

बावकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इतमें इसके परवात् 'उन्नत लिभिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि बभाव्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लंट तं० 12, जो, कराय ब्हिला, श्रंथेरी श्री रामकृषा को०-श्राप०, हाउसिंग सोधाइटी, लि० भरडावाडी, रोड, श्रंथेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (श्राँर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), श्रीर जिकसका करारनामा आयहर अधिनयम की धारा 269क ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी हैं, तारीख 1-10-1985

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्यात करने का कारण है कि यथायुर्वों कत संपन्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एोसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोमे अंतरण के लिए तय पाया गया पति-कन, निम्निजित उद्बोध्य से उपत अन्तरण किश्वित में वास्तुविक कप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्डिक्स में कभी करलेश उसके क्याने में सुविक् में जिए; सुद्ध/का
- (च) एती किसी जाब या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीर जायकर विभिनियनम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया वधा भा सा विस्ता जाना चाहिए था. कियाने में सविधा की लिए:

इत: बंब, उक्त अभिनिधम की भारा 269-स की अब्बर्ध में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अपीत निम्मतिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मनोहर भजानन तेंडुलकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो स्वमानीवाई कं तलेगांवकर ग्रांर श्रीमती निल्मी जीव तलेगांवकर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना भारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हो।

सकत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) एत न्यना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 विन की नवीं या तत्त्राम्बन्धी म्यक्तियाँ पर स्वाना की मानील से 30 विन की अविध, यो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य न्यिकत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रचका करणः ---- इसमें प्रयुक्त करकों और वसों का, को उपत अधिनियम के अध्याद 20-क में वरिभाषिक हैं, अही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया एया हैं।

अमुसुची

फ्लैट नं 12, जो, कराय व्हिला, भरडावाडी रोड, ग्रंधेरी श्रीसम कृपा को०-आप० हाउसिंग सोसाइटी ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि ऋ० सं० अई 2/37ईई/13047/84-85 श्रीप जो सक्षम प्राधिनारी, बग्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को र्राजस्टर्ड जिया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकण स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 12-6-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाष कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार्ष्ट्र कार्यांक्य, सङ्कायक भारकार् आवृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-2, बम्बई

वम्बर्ड, दिनांक 12 जून, 1985

निदेण सं० अई-2/37ईई/13049/84-85—अतः मुझे, लक्षमण दास,

नाम कर अभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (निवर्ष इसके इसके प्रकात (उन्त निभिनियमं कहा गया हाँ), की भारा 269-त के नभीन सभान प्राधिकारी को यह विद्याद करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उजित नाजार मृत्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लैंट नं० 706, जो सातवीं मंजिल इमारत हरमनी-ए प्लाट नं० 343 एम० नं० 41 (अंग) 4 बंगला ओणिवरा वसौंवा प्रधेरी बम्बई-58 में स्थित हैं (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित हैं) और जिसका करा रनामा अव्यक्तर अधिनियम की धारा 269 कला के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारील, 1-10-1984

को पूर्वोक्त तन्यित के उपित बाजार मूल के कान के कानात प्रतिफल के निए जंतियत की गर्व है जार मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार यन्य समके अन्यमान प्रतिफल से, एसे अन्यमान प्रतिफल का बन्ह्य विश्वास से जीयक है जीर अन्तरक (जंतरकों) जीर बंदिरती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के निए बन वावा चना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तरिक अप में कर्षित महीं क्रिया गया है उन्न

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त निधितितम के अभीन कर दोने के बस्तुरक के शियस्य में कमी करने या उससे अचने हो सुविध्य के लिए; और/पा
- (क) एंसी किसी अथ या किसी भन या अन्य छास्तिबों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उक्त अधिनियम, या भन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किसा नवा था पा जिया जाना नाहिए था, स्थितने में स्तिधा के जिल्ला

अतः मध. अक्त विधिनियम का धारा 269-ग के अनुमरण में, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीर्मात कामिली नन्दन सहगल।

(अध्यक्त)

(2) श्री पर्रामन्दर सिंह लूथरा।

(क्रिंदिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन्तर लिए कार्यनाहिना करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को शायपन में प्रकाबन की तारीं को 45 दिन की नविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी सविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस क्षमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य स्वित क्षारा अधोहस्ताक्षरी के वास विवित में किए का सकींन।

स्वकारिकरणः -- इसमें प्रमुक्त सम्बाँ बाद्ध पत्ती क्या बिक्क मीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, क्ही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

फ्लैंट नं० 706क, जो, 7 वीं मंजिल, इमारत हरमनी-ए, प्लाट नं० 343, एस० नं० 41 (अंश), 4 बंगला, भ्रोशिवरा, वजीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि में अई-3/37ईई/13049/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ल्यामण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरें ज-2, बस्बई

तारी**ख**: 12-6-1985

प्र**क्ष्य आहे"** .को . एन . **एस** . . ------

कायुक्तुर विधियम , 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) की मधीन सुचना

भारत न एकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 जून, 1985

निवेश सं ० अई-2/37ईई/13845/84-85-- अतः मुझे लक्षमण दास

भाष्यस्य अधिभिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिक्यम' कहा गया हैं), को भारा 268-स के अधीन स्काम प्राविकारी का यह विष्यास कहने का कारण हैं कि स्थापर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भूरि जिसकी सं० फ्लेट नं० 62 जो "सी" विग. 2 री मंजिल, रोहिन अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 52, एस० नं० 41 (श्रंश), श्रोशिवरा, आफ जे० पी० रोड, वर्सीवा, श्रंधेरी (प), बम्बई-59 में स्थित है, (श्रार इसने उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रार जिसका अराग्नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 26 10-1984

को पूर्वोक्त तथ्यीस के उपित वाजार मूल्य से कम के रायमान प्रक्रिक के लिए अम्तरिती की पर्व और मूओ यह निर्वास कम का कारण है कि यथप्रवृत्तिक सम्मत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रायकान प्रतिपक्ष से, ऐसे रम्यमान प्रतिपक्ष का प्रक्रित से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्ति एसे यम्तरण से निए तथ मुक्स प्राप्त प्रतिपक्ष निम्मतिक्षिक उद्देश्य से अध्य वस्तर्य निर्मातिक रूप से किया गया है :---

- (का) वासरंग से हुई मिसी नाव की नावत, उक्त जीवित्रसम्बद्ध पर्ध मधीन फर दोने से वासरक के करिक्स में कमी करणे हा समझे समने हैं समिशा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐनों किसी भाग या किसी भन या जन्य आसिसां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था स्थिती में स्विधा के लिए;

बत: बच, उचन विधिमयम की भारा 269-न को बनुबरन ऑ, मैं अकत सीभीतसम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थीन् स— (1) रांश्म चौहान।

(अन्तरक)

(2) श्री सायरम खोदान इरानी ।

(अन्त रिनी)

(3) अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह क्षाना चारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्ववाहियां कारता हुए।

दनत प्रश्नाक के वर्षन के सम्बन्ध में खोड़ भी वासोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समित या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तानील से 30 दिन की समित था नी समित बाद में हजापत होती हो, के नीलर पूर्वों कर व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितजब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरों के पास िचित में किए वा सकींगे।

श्राकाकरण :----क्समें प्रयुक्त कार्यों और पत्नें का, को खबत अभिनेत्रम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विधा गया ही।

अनुसूची

क्लेट नं २ 2, जो, "सी" विग, 2री मंजित, रोहित अपार्टमेंट, प्लाट नं २ 52, एसं २ नं २ 41 (श्रंश), श्रोशिवरा, अक्ष जे पी० रोड, वसीवा, श्रंशेरी (प), वस्वई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अर्द-2/37ईई/13845/84-85 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 28-10-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

तर**रोख**: 13-6-1985

बोहर ध

प्रकण नाष्ट्रं, टी., एन., एस., -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में अभीत स्था

बारक बरकात -

1

कार्यातय, सहायक जायकार नायुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज बम्बई धम्बई; दिनांक 12 जून, 1985 निर्देश सं० श्रईई-2/37ईई/13721/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिनकी संव पलैट तंव बी/17, जो, फ्रेंडिशिप कोव-प्राप्त हाउिला सो तडिटी लिव, दाउद बाग रोड, अंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (अंट इसमे उपायद अनमुची और पूर्णका से बणित है), और जिन ए का उत्तामा आग. अधितित का जाता 269 कुछ के अधीत जन प्राप्त प्रकारी के ार्यात्रम, बम्बई में रिजिस्ट्रीं है, तारीख 20-10-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के सिए तय पाना मूबा प्रतिक का विस्कृतियां उद्देश्य में अस्त एक कि सिए तय पाना मूबा प्रतिक का विस्कृतियां उद्देश्य में अस्त मृत्यरण कि सिए तय पाना मूबा प्रतिक का विस्कृतियां उद्देश्य में अस्त मृत्यरण कि सिए तय पाना मूबा प्रतिक का विस्कृतियां उद्देश्य में अस्त मृत्यरण कि सिए तथ पाना मूबा प्रतिक का विस्कृतियां वहाँ विक्या या है अन्तरण

- (क) बन्धाइन वं हुइ किवी मान की बावत वस्तु निय-नियम के बन्धीन कर बन्ने के बन्धुरक के व्यक्तित में क्वी कहते वा उन्हों बन्ने वे ब्युविशा के निष्शु बीर/या
- (क) एकी किसी नान ना किसी पन ना सभ्य नास्तिनी की, विन्हें भारतीय नायकर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् निभिन्नियम या धन-कर निभिन्नियम या धन-कर निभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकाचनार्थ नत्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का ए किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा ने निए;

बत्त ब्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री भोगीयात ित भाई मिस्त्री ।

(जन्सक्र)

(2) श्री निमात चन्द भक्तचरमा नृतिधा। (अक्रमानिदी)

को बहु बुचना बा<u>री करके पृत्रीयत</u> सञ्चरित के वर्णन के निष्-कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पृतित् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाषन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 विन की नविध, को भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविद्यों में वे किसी अविद्य स्वाप्त
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी वें बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी बन्य व्यक्ति इंबारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

रम्बर्गिकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पूर्वों का, वी उपस् विभिन्नियम के सभ्याय 23-क में परिभाषित है, बह्दी-अर्थ होता को उस् अभ्याय में दिसा प्रवर हैं।

नगुन्ती

पलैट नं बी/1ं, जो फेंडिशिप को०-आप० हाउिया सोगा-इटी लि०, वाउद बाग रोड, अंधरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। प्रनसूती जै । ि अ० सं० अई-2/3 ईई/1772 ।/84-85 प्रीर जब सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 20-20-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दा। सक्षम प्राधितारीं सहायक **ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**ान रेंज-2, **बस्ब**र्ष

तारीखा: 12-6-1985

मोहर 🗈

वरम् वाष्ट्रिको<u>ड एन्ड एपॅ</u>लसम्बद्धक

जारकर जीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की अध्यक्षारा 269-थ (1) वे वृषीन कृषणा

HING COURS

कार्यासय, सहायक जायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनॉक 1 जून, 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/3667/श्राष्टो 84---श्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

बारकर विभिन्नित्र, 1961 (1961 का 43) विको इसके इसके परकात् 'उनत विभिन्नित्र' कहा गया है, की भारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत्यस करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

र्थार जिसकी मं० अमीन का हिस्पा, पार्वे न० 70, मी०टी० एमें नं० 251, सब प्याट नं० 21, जुहू बिले पार्ले, डेक्टलीपमेंट. (स्कीम, जुहूइली नाला), विलेज, धम्बई में स्थित है (ऑज् इसे उपायं में ऑर पूर्णका में विणित है), रिजर्म्झिंशती अधिआरीं कार्यालयः बस्बई में रिजर्म्झिंशरण अधिनियमः 1908 (1908 त 16) के अबीन, तारीख 26-10-1984

को पूर्वित्त अञ्चित को अधिक बाबार मृत्य हो कन को
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभो यह विद्यास
करने का कारण है कि संभाप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
बुस्य, उसके ध्रम्यान प्रतिष्क्षम से, एते व्यवसान प्रतिषक का पंदर्
प्रतिषक से बीधक है और अन्तर्भ (अन्तर्कों) और अन्तरित्ती
(अन्तरित्यों) के भी व एमें अन्तर्भ को लिए तब पाना ग्वा
प्रतिकस, निम्नलिधित उद्यक्ष से उसते अन्तर्ग जिलित
के एएस्तीयक रूप से कथित नहीं किया गवा है 3—

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी आम की बाबत, उसत अभिनियस के अभीन कर धने के अस्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे वसने में सुविधा किए और/या
- (थ) इंडी किसी नाय वा किसी धन वा नन्य मास्तियाँ की, विस्तृ भारतीय भाव-कर निर्धानयन, 1922 ई1922 का 11) वा उसत निर्धानयम, वा धृत्-कर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के हिंदोजनार्थ जन्मरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा से विद्युः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—

(1) श्री सुवींमलचन्द्र, मलिक ।

(भ्रन्तरङ)

- (2) श्री वामुदेव गोबिन्द राम छ ब्रिया,
 - 2. श्री किशंर नग्द लाल छात्रिया,
 - 3. श्रींमति पूनम वासुदेव छ ब्रिया और
 - श्रीं नन्द लाल गोबिन्द राम छान्निया । (श्रन्तरितीं)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्वनाहियां करता हुं:

जबत कपांस्त के बचन के संजय में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इस भूषना में राज्यक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधिया उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषमा की तामीं से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाब में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यास;
- (क) इस सुज्ञा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्ति में हितबब्ध किती कम्ब स्थानित बुकारा स्थाइस्ताक्ष्मी के पाक निवित्त में किए था वृद्धेंगे।

स्वकारे करण:--- इसमें प्रवृत्तर क्ष्मां बाँड पवां का, जो सबस् अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उद्द स्थाय में विदा भवा हैं।

SER ST

श्रनसूची जैमा कि कम सं० विलेख सं० एम०-2341/81 और जो उपरजिस्द्रार, बम्बई द्वारा दिनौंक 26-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्षमण दास सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, **बस्बई**

तारीख: 1-6-1985

मोहर 🄞

हरून बादै, टी., एन., एस.,-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

प्रारंत बरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निद्धीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 1 जून, 1985

निदेश सं० अई-अ/3जीईई/3739/श्राषटो/84---श्रतः मुझे, लक्ष मण धास,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकीं संब प्लाट (स्ट्रक्चर के काथ), नंव सींव्युल्ल नंव 445, 445 (1) से 445 (7) तक विले पार्ले पूर्व), तथा एसव नंव 50 प्लाट नंव 11. मंगलोरीयन गार्डन मोकाइटीं स्कींम, है तथा जो वस्वई में स्थित है (और इसमें उपापद्ध अनसूची में और पूर्णरूप में विणतहै) रिकस्ट्री कर्ता अधिकारीं के वार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 66) के अधींन, तारीख 17-10-1984

को पृथें क्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रित्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने क्य कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उथके स्थमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरित्यों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कांधत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के शायित्व में कभी करने या उसके बजने में सुविधा के लिए; जीर/मा
- (क्ष) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायक द अधिनियम, 1922 निर्मा की (त) या अक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए जा, जिपाने में सुविधा के निए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरक में , में , उक्त अधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (1) में अधीन, निम्मित्वित व्यक्तिव्यों, वर्षात् क्र- (1) श्रीमिति सुहासीनी रत्नाकर कैसकर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मिस्त्रीं रामेश्वर एण्ड सन्ता

(अन्तरिती)

· (3) मा**डू**त ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग , सम्पत्ति)

- है।
- (4) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह स्थान जारी करके पूर्वावत सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की शामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरत प्रशिक्त के णरा निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भी जनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्य होया को उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्तुची

ध्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1751/1981 और जो उप-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 17-10-1984 केंद्र रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधि⊹ारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-6-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाह् , टी. एन्. एस. ------

बायपुर मधिनिवधः, 1961 (198, का 43) की धारा 269 व (1) वे वधीन स्वना

भारत सरकार

भागसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जनरेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांच 1 जुन, 1985

निवेश सं० ६-2/3 /ईई/श 7 38/शायटी-84 -- भतः मुझ, लक्षमण यादः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भार जिसकी सं ० प्लाट बेपिया सर्थे नं ० 27, एचं ० नं ० 17-ए सी ० टीं ० एपं ० नं ० 1251 (प्राण), एट्रक्चर के साथ, दिलें ज के दिन के साथ, दिलें ज के दिन जो जाता, आद्रा, अन्यई-50 में है तथा जो बन्बई में स्थित है (और इतंस उपापद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वींगत है), रिनस्ट्रोकती अधिकारी के कार्यालय, बन्धई में रिनस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1984,

को पनांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान इतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है नार मंतरक (अंतरकों) जाँद कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अर्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा को लए;

बत बब, उक्त बिभिनियम की धारा 269-ग के बनुतरम में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—— 71—156GI/85 (1) श्रोमिति भेरी सी० परेरा, बोनीका णांतिस परेरा, फीडालीन माहिन परेरा, राबर्ट सीं० परेरा और मेरी ए० बार्टीटास्ट।

(प्रस्तरक)

(2) डियोगा को० भ्राप० हाउिए सोशनाइटी जि०। (भ्रन्तरिती)

कीं यह स्वना बारों करके पूर्वोदस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्सयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा वता है शि

अनुसूची

धनसूची जिना कि क० सं० विले ो सं० 1015/1084 ऑहर जो उप रिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-10-1984 को र रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दात नजम प्रतिकारी सङ्ग्यक आयक्तर पायुक्त (तिरीक्षण) धर्जनरॉज-2, कम्बर्ध

सारीज: 1-6-1985

मोहर ह

प्रकृष् वाह्री, जी, एन, एस, -----

भागकर जीभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाडा 269-प (1) के बभीन सुन्ता

कार्यालय, सहायक भायकर आपुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज−2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 जून 1985

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/3671/84-85-श्रतः मुझे, सक्षमण दास,

श्रायकर विभिनितम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के स्थीन सक्षम प्राधिकारी की, यह क्लिनास करमें का कारण् है कि स्थायर संपरित जिसका उपिस बाबार मृस्य

1,00 000/- स. से सिधक है ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, तथा इमारत प्याट नं०, 27, (ग्रन प्लाट नं० 27ए); संबर्बन स्कीम 6, दोड़ा ग्रीर धिटी सर्वे नं० सी/695 ग्रीर सी०/696 (ग्रंग), 27ए डार्टर रोड़, श्रव 48 पेरी रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब बन् सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिन्दी-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीदरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-10-1984 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और करने का विश्वास कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके करयमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिकार हैं और अन्तरक (क्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६---

- (क) अध्यास के हुए किन्दी नाम की नान्छ, उपाध अधिनियन के न्थीय कर दोने के बंतरक के दानित्य में कमी करने ना चछते नमने में कृतिभा के लिए; और/वा
- (क) देशी किली बाब वा किसी धन वा बच्य बास्तियों का, जिल्हें भारतीय बायक र बिधियय , 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बच्चरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नमा था वा किया जोना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिक्:

लगः अब, उक्त क्रिनियम की भारा 269-न के कन्सरण बें, बें,, उक्त मीधिनियम की भारा 269-थ की उपधाना (1) के मधीन, जिम्मीसिक्त स्वीक्तमीं अमित् ा— (1) फ़ान्सील मेरी लुईम परेरा, पिटर टेरेन्स परेरा, इरेन मेरी परेरा, ग्रीर माईकल जोसेफ परेरा।

्रम्तरक)

(2) एम्पायर किस्मत को०-भ्रोप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ।

(भ्रन्सरिती)

(3) श्रन्तरितयों।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिमोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना चारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करना हूं।

सम्बद्ध सम्मासि क अर्थन के सम्मान्य में कार्य भी कार्राप :---

- (का) इस मुखना के सक्यम में प्रकासन की तारी सं से 45 दिन की सनीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्कृता की तासीस से 30 दिन की ब्रम्भि जारेशी क्विभ बाद में समाप्त होती हो के भीतर पृथिक स्थापता में से जिल्ली व्यक्तित हुवारा,
- (६) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन को उत्तर : 45 दिन के भौतुर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार बिचित्र में किस जा हकोंगे।

स्वाधिकत्व :— इसमें नियुक्त शब्दों और वदों का, हो सकत श्रीकियम हे तथ्याम् 20-क में परिभाषित् में, वहीं अधे होगा अर उस् मध्यास में दिस दस हों।

नग्रंकी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 2256/70 श्रीर नया नं० 4683/84 श्रीर जो श्रपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 30-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

. लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्राधुन्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-6-1985

朝[[]

प्रका अहर ही. एम एक प्राप्त प्राप्त

श्रामकार अधितिसय. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के बंधीन सूचना

भारत करकार

शीमानिय, सहायक सावकार आयाक्त (विराधिका) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिमांक 1 जुन 1985

निदेश सं० अई-2/37ईई/3720/84-85-- अतः मुझे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संठ प्लाट नंठ 793 सीठ टीठ एपठ नंठ इ-341

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 793 सी० टी० एप० नं० इ-341 कुड़ां रास्ता, खार विलज बांद्रा खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इसमे उदाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री हर्ती श्रीधकारों के दायिलय बम्बई में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1903 का 16) के श्रीधीन तारोख 18-10-1984

को पूर्विक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्जीयत पंजीत्न का ाफित दाजार पून्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) जीर लंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गील-क्ष्म किम्नितिबंत उद्योक से उभस अन्तरण कि चित्र में पास्तिबंक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आध की बाबरा सकत अधि-पियस के अधीन कर बाने के अन्तरक के बायित्य के सभी करने या उत्तर्स अपने में सृतिधा के निए: और/मा
- (क) ऐसी किसी आव वा किसी धन वा अध्य कास्तिवाँ को. जिल्हों भारतीय आयकर व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो अधोबनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया नमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्थिपा कै विष्;

कताः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरिक्ति व्यक्तिरायों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री किशान चन्य खजान चन्य रामनी,
 - 2. श्रीमती गोपी किशनचन्द रामानी,
 - 3 श्री राज् किशनचन्द रामानी श्रीर
 - श्री भुनील किशनचन्द रामानी ।

(भन्तरक)

- (2) श्री जवेल को० ग्रो० हाउसिंग सीसायटी। (ग्रन्तरती)
- (3) मन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

शक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वजींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर स्वान की तामील से 30 दिन की बनाथ, यो भी अविष् वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों वर व्यक्तियों में से किसी न्यानित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर संपर्कत में दिस-व्युध किसी बन्ध व्यक्ति इनाय अभोहस्ताक्षरी के शस निवित्त में किए वा सकति।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उनक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अन्स्ची

ग्रनुसुची जैसा कि विलेख सं∘ 1974/84 ग्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनांक 18-10-1984 को ' रजिस्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 1-6-1985

प्ररूप मार्च, टी. एन एम. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत अरकार

म्प्यांचियः, सहायकः ज्ञायकः भायकः (निरीक्षणः)
श्रर्जनः रेंज-2, वस्बद्धः
वस्बद्धः, विलाकः 3 जुनः 1985

निदेश सं० श्रई-2/37-ईई/13251/84-85--श्रतः मुझे, लक्षमण दास,

बायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. यो अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० शाप न ० 4, नेबला ग्रापार्टमेंटस श्रीशिवरा, श्रधरी (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से वॉणत हैं) श्रीर जिल्ला करारनामां श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं. सारीख 5-10-1984

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य सं कम के क्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विकास करने का क्रिण हैं कि यथापूर्वों क्षत सम्पत्ति का उचित वाजार मून्य, असके उदयमान प्रतिकार में, एक क्षयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रोतकार से प्रधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बारेंट/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने कें सुविधा के निए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क्षं अधीर, रिनम्तिविधित व्यक्तियों, जर्भात् क्ष-ः

(1) मेसर्स भपक्स कन्सद्कशन्स ।

(धन्तरक)

(2) श्रोवी० जी० मेहता।

(अन्दरिती)

(3) भन्तरक।

(बह व्यक्ति, जितके प्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्धन के संबंध में कांद्र भी नाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी. विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों से स
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्थळतेकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा था उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्वी

शाप न० 4: जो नेबुला अपार्टमेंटत, हिरा नम्बनी इस्टट, भोशिवरा अंधेरी (प). बस्वई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० घई-2/37ईई/13251/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 5-10-198 को रजिस्टडं किया गया है।

> लंकनेण दान सक्षम प्राधि तरी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मजैन रेंज-2, बम्बई

तारीज : **3**⊶8 - 19**85**

मोहर 🏻

प्रकृप आर्ष: टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अधीन स्थना

शाइव ब्रव्हाडु

कार्यासय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, विनांक 3 जून 1985

निर्देश सं० अई-2/37ईई/13248/84-85--अतः मुझे, लक्षमण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० णाप नं० 16, नेबुला भ्रापार्टमेंटस, भ्रोशिवारा, मंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (भ्रीर इसके उपाबद्ध भ्रनुसूची में-भीर पूर्ण रून से निंगत है) श्रीर जिसका करारनामा भाजकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिअस्ट्री है सारीज 5-10-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित गाजार मृत्य में कम के क्रयमाने व्यक्तिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का नम्ह प्रतिकास का नम्ह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

(क) जन्तरण संहुई किसी शाय की बावत शक्त जिल-णियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में क्षमी करने या उत्तर्स वचने में सुविभा के लिए; शैर/या

एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया - भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

बत: अत्र, शक्त अधिनियम की धारा 269-ण की, अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के क्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं— (1) मेमर्स अपेक्स कन्सद्रक्शानसः।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीसी० जी० मेहता।

(भन्तरिती)

(3) धन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उपतः अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा दया हैं।

नमृस्ची

शाप नं 16, जो नेबुला ग्रपार्टमेंटस, श्रीशिवारा, हिरा नंदानी इस्टेट, ग्रपना घर के पीछे, ग्रंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/13248/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-10-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण पास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

विनको 3--6--8195 गाँहर ः श्ररूप आह्रौ, टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकड शामुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 जून 1985

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/13075/84-85—ग्रतः मुक्ते, सक्षमण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

कोर जिसकी सं शाप नं 10, नेव्ला श्रपार्टमेंटस, हिरान्वंदानी इस्टेट, ओशिवरा के श्रपना दर के पीछे, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर मिंधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान्
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उरुके द्रियमान प्रतिकल से एसे द्रियमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम
वाबा गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उदत अन्तरण
मिन्नित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है प्र

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसते विभिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक को दायिता में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। वरि/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियमे, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को सिए;

बत्त जब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के ज्नूस्रक को, मी, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीम, निम्नुसिवित व्यक्तियों} अर्थात् ध—⇒ (1) मेसर्सं ध्रपेष्स कन्सद्रवणन्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स इंडो साइगोन एकेन्सी ।

(ऋसरिती)

(3) भन्तरक ।

(वह र्थाक्त जिसके श्रधिमोग सम्पास है)।

को यह सूचना जारी कारक पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप अ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की व्यक्ति मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।

Ÿ

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्थक्टीकरण: —- इसमें प्रयुक्त शस्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा हैं।

अनुसूची

शाप नं० 10, जो नेक्ला ग्रपार्टमेंटस ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० धई-2/37ईई/13075/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाक 1-10-1984 को राजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-2, बम्बई

दिनोक: 3-6-1985

मोहर 🕉

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर आवृक्त (निर्देशक)

भ्रजंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनोक 3 जून 1985

निवेश सं० मई-2/37ईई/13179/84-85-म्प्रतः मुझे लक्षमण दास

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भून्य 1,00,000/- का से अधिक है

कौर जिसकी सं० फ्लेट नं० वि०/601/ए, जो 6ठी मंजिल, विनस प्रपार्टमेंटस, ओशिवरा, 4 कंगला अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूणे अप से विणत हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रकित्यम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारी ख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मृत्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से एसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के गीच एसे वन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अध्यरण निवित में वास्तिकल, स्प से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बादत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के अधिरण में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा की निष्; और/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन या जन्य जास्तिनों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर ज्ञीधिनियम, या धनकर ज्ञीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाजा काहिए था, कियाने में सुविधा को निए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अधीन, निम्निसिक्क व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स हिरानंदानी बिल्डर्स ।

(मन्तरक)

(2) श्री दीपक जी० दोशी और गोवर्धनराम जी० जोशी।

(मन्तरिती)

(3) ग्रन्तरको।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जर के सम्बन्ध में कोई औ नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किमी क्योंक्त दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकरो।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त शक्यों और पर्दाका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सुध्याय में विवा नेपा है।

यगस्यी

पलेट नं वि/601, ए, जो 601 मंजिल, विनस भ्रपार्ट मेंटस, ओशिवरा 4 बंगला , अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है। भ्रमुस्यी जैसा कि त्रम सं भ्रई-2/37ईई/13179/ 84-85 और जो सक्षम आधिकारी, बम्बई क्वारा विनांक 5-10-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

वितांक : 3-6-1985

माजूर ह

मुक्त मार्गः थो. १५. १४.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) को मधीन क्षा

भारत स्टब्स्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

द्यर्जन रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 1 पून 1985

निदेश सं० मई-2/37-ईई/3670/प्रक्तू० 84--भतः मुझे लक्षमण दास,

शायकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाकार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी कं जभीन का हिस्सा, जो प्लाट नं 59-ए की की का एस नं 504, बिल्डिंग साउथ, विलेज दांडा, अंदेरी साल्का, शांताकुंज, (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण कप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई-54 में रिजस्ट्री-करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1984

को प्वांक्त समात्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि प्रथापवांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ते विधक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत , उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उबसे वचने से स्विधा के रिक; और/वा
- (क) एनी किसी नाव वा किसी वन वा वन्य आसितवीं की, जिन्हें भारतीय नाम-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता नृषिनियम, वा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसाधिनार्थ नामितियों क्यारा प्रकट वहीं किया प्रवास के साथ किया प्रकट वहीं किया प्रवास के सिए;

अत: व्या, जवत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) हिल ग्रेस झार्चिकाप सिमन थिमेंटा और राईट खेरंड एम० एस० जी० झार० निसस राडिंग्स विकार खरंड एम० एस० दि चर्च झाप सेमेंड हार्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) सेवेंड हार्ट को० को० हार्जासग सोसायटी जि० (ग्रन्तारकी)

- (3) 1. श्रीमक्षी कार्थालन डियुन्हा
 - 2. श्री वाल्टर राग्निग्स,
 - 3. श्रीमधी जेन डिक्नुन्ज ,
 - 4. श्रीमती क्लाउंडिन जनंडीज,
 - 5. श्रो राबर्ट डिन्रुज,
 - 6. श्री एडवर्ड सीकोरिया
 - 7. श्री होरेस वेम्स,
 - 8. श्री टानी फर्नाधीज,
 - 9. श्रीमदी मार्घा बार्गीबस.
 - 10. श्री ए० सी० फर्नाडीज,
 - 11. श्री जान गोर्दैया,
 - 12. एम० सी० जी० म्रार० एन० राष्ट्रेग्ज (ट्रस्ट)
 - 13. श्री धेरेस डिसा,
 - 14. ६म० एस० श्रार० जी० एस राईंग्स (ट्रस्ट)
 - 15. श्री भीवान (मसक्यूट्टा और
 - 16. श्री मार० पी० डिसोजा।

(बह ट्यक्ति जिसके श्राध्येष्ट्र में सम्पति है)।

को यह सूचना भारी कारके पृथांकत संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हों।

सकत संपृतित के क्यान के संबंध में कोई भी बाधरे हू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुंबारा;
- (व) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के वृद्ध सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वाकिरणः -इतमे प्रयूक्त शब्दां और पवां का, भी शब्ध अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा सका

जन्त्यो

मनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1690/1980 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई क्षारा विनांक 30-10-1484 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 1-6-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आवश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनांक 6 जून 1985

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 181/83-85-अतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीए जिसकी सं ० भूमि श्रीर इमारत है तथा जो वैद्याग में स्थित है (और इस्ते उपाबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वैशित है) रिजिन्द्रिशित अधिकारी के कार्यालय विशाखापटनम में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अस्तुबर 1984

को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मभ्ते यह विश्वास करने का अराण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अनारण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिरियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा निया जान चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमण्ण सें, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की नुष्यार (1) के अधीन नियमितिक व्यक्तियों, अर्थात् :---72 --156GI85

(1) द्वारक भाई मोदीवती पार्यसारथी,164-ए, जोरब ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) बी० बी० वेंकट रेड्डी,47-11-10 द्वारा नगर,विशाखापटनम ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कुड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो नी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व वे**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किएं जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में विया गया है।

अन्सुची

खुली जमीन भ्रौर इमारत, नं० 15-2-3, सेंबुरी क्लब, महाराणोपेटा, म्युनिसिपल कारपोरेशन विशाखापटनम, र जिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12435, 84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-6-1985

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 17th April 1985

No. A.19011/2/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Suresh Kumar, IRS, as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th April, 1985, until further orders.

The 7th May 1985

No. A. 32013/3/83-Admn. I.—In pursuance of the instructions contained in the Department of Personnel & Training O.M. No. 5/1/83-CS. II dated the 30th July, 1983 and consequent on the nomination of the undermentioned officers for appointment to Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers Service cadre of the Union Public Service Commission by that Department Vide their O.M. No. 7/18/83-CS.II dated the 17th August, 1984, the President is pleased to appoint the following Grade 'B' Stenographers of CSSS as temporary Private Secretaries (Grade A of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from the date as indicated below against each name until further orders:—

| SI. No. | Name of Officer | , | | Date of appointment |
|------------|------------------|-------|------|---------------------|
| 1. 5 | hri O.P. Sharma | | | 11-4-1985 |
| 2. S | hri J.L. Nanda . | | | 11-4-1985 |
| 3. S | hri P.C. Dutta . | | | . 19-4-1985 |

M.P. JAIN, Under Secy. (Admn.)

New Delhi-110 011, the 17th June 1985

No. A.32013/3/83-Admn.I.—In pursuance of the instructions contained in the Department of Personnel & Training O.M. No. 5/1/83-CS.II dated the 30th July, 1983 and consequent on the nomination of Shri S. Sitaraman for appointment to Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers Service cadre of the Union Public Service Commission by that Department vide their O.M. No. 7/18/83-CS.II dated the 17th August, 1984, the President is pleased to appoint Shri S. Sitaraman. Grade 'B' Stenographer of CSSS as temporary Private Secretary (Grade 'A' of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 27th May, 1985 until further orders.

S. BANERJEE, Under Secy. (Adma.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110 003, the 24th June 1985

No. O.II-2042/85-Est.I.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Venkateswarlu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th May, 1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI.
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

(CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE)

New Delhi-110003, the 28th June 1985

No. E-16013(2)/20/83-Pers.-I.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri N. S. Naruka, IPS (Raj: SPS) relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (Fire) CISF H Qrs. New Delhi with effect from the afternoon of 14th June 1985.

No. E-16016/2/83-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to parent department Shri J. C. Cummra relinquished charge of the post of Section Officer (Ind.I) with effect from the forenoon of 17th June, 1985.

No. E-32015(3)/22/84-Pers.-I.—President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma as Commandant FSTPP (NTPC) Farakka with effect from the noon of 6th June, 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 27-8-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-28017/10/84-Pers.II-881.—Shri Madan Gopal Das, Assistant Commandant, CISF Unit ECL. Sectalpur, expired on 12th May, 1985. He is struck off from the strength of CISF with effect from the forenoon of 13th May, 1985.

S. ANANDARAM, Director General CISF

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE & GOLD (CONTROL)

APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi-110066, the 21st June 1985

No. F.6/CEGAT/85.—Shri Jagar Nath Verma, formely working as permanent Assistant, Delhi High Court, New Delhi assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold (Control), Appellate Tribunal, New Delhi in the afternoon of 31st May, 1985.

F. S. GILL President

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS, DEWAS (M.P.)

Dewas, the 26th June 1985

F. No. BNP/C/5/85.—Shri P. R. Sharma permanent Inspector Control is appointed as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.), on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 4-6-1985 (F.N.) for a period of three months or till the appointment is made on a regular basis in accordance with the recruitment rules, whichever is earlier.

This ad-hoc appointment does not confer any prospective rights on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the ad-hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

F. No. BNP/C/5/85.—In continuation of this Deptt's Notification of No. BNP/C/5/85 dated 9-10-84 and 16-12-84 the adhoc appointment of following officers as T.O. (Ptg. & Plate.) in BNP, Dewas is continued upto dates shown against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions:—

| Si. Name of O No. | | | Date upto adhoc appointment continued | | | | |
|------------------------|---|---|---------------------------------------|------------------------------|--|--|--|
| S/Shri 1. S.P. Phulkar | | | | 20.0 95 (CN) | | | |
| 2. C.S. Ranade | • | • | • | 20-9-85 (FN) 20-9-85 (FN) | | | |
| 3. M.C. Koshy | • | | | 30-10-85 (FN) | | | |
| 4. P.S. Gopalan | | • | | 20-5-85 (FN) | | | |

- F. No. BNP/C/5/85.—The following permanent Deputy Technical Officer of Printing & Platemaking Section are appointed to officiate on regular basis as Technical Officer (Printing & Platemaking), in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.), w.e.f. 17-7-84 until further orders:—
 - 1. Shri R. C. Agarwal.
 - 2. Shri Ashok Joshi,
 - 3. Shri A. D. Deshpande.
- F. No. BNP/C/5/85.—In continuation of this Department's notification of No. BNP/G/7/85 dated 1-5-85 the adhoc appointment of the following officers are hereby extended upto dates shown against each or till the appointment is made on a regular basis in accordance with the Recruitment Rules, whichever is earlier:—

| Sl. No. | Name of the Off | ficers | Post against which appoint- ed on adhoc basis | Date upto adhoc appoint- ment conti- nued |
|------------|-----------------|--------|--|--|
| S | /Shri | | ······································ | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · |
| 1. N | Iohinder Singh | | Deputy Control Officer. | 3-9-1985 |
| 2. P | aresh Joshi . | | -do- | 3-9-1985 |

These adhoc appointments do not confer any prospective rights on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the adhoc appointments can be discontinued at any time without assigning any reason.

> M.V. CHAR, General Manager

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 26th June 1985

No. 197]A—In continuation of this office notification No. 476/A dated the 1st December 1984, under which Shri B. C. Lodh, Accountant, India Security Press was appointed as Accounts Officer in the Iudia Security Press, in the scale of Rs. 840—1200 on Ad-hoc basis for a period of six months with effect from 1-12-1984, on trial basis in the first instance, the period of his ad-hoc appointment is extended for six months from the 1st June 1985 to 30th November 1985 on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM, General Manager India Security Press

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 21st June 1985

No. 1242-CA.I|210-69.—On his attaining the age of superannuation Shri P. S. Sankaran, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Accountant General (Audit)-II, Tamil Nadu, Madras has retired from service with effect from 31-5-1985 A.N.

K. P. LAKSHMANA RAO; Asstt. Comptr. & Ar. Genl. (Commerce)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 27th June 1985

No. Admn.I/O.O. No. 172.—The Director of Audit, Central Revenues-I hereby appoints the following permanent and officiating Section Officer (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 10-6-1985 until further orders.

| S. | No. | Name |
|----|-----|------|

- 1. Shri J. N. Trikha (Permanent S. O.).
- 2. Shri Julius Toppo (officiating S. O.).

No. Admn.I/O.O. No. 173.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Sh. Jagir Singh, a Permanent Section Officer (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 13th June, 1985 until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT COMMERCE WORKS & MISC

New Delhi, 27th June 1985

No. Admn. III/2(8)/AAO/84-85/555.—The Director of Audit, Commerce Works & Misc, New Delhi has ordered the promotion of the following Section Officers as Temporary Asstt. Audit Officers (Group 'B' Gazetted) on provisional basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 from the dates shown against each:—

| Name of the official | | | | | Date of promotion | | |
|----------------------|------|----|--|-----|-------------------|----------|--|
| S/Shri | | | | | | | |
| 1. K.K. Kohli | | | | | | 1-3-84 | |
| 2. Shiycharan | | | | | | 1-5-84 | |
| 3. A.P. Ganguly | | | | | | 29-8-84 | |
| 4. Vinod Kumar Ka | apoo | r. | | | | 29-8-84 | |
| 5. Sri Dutt | | | | . ' | | 6-4-85 | |
| 6. Kulbhushan Dar | | | | | | 31-12-84 | |
| 7. M.R. Chaudhry | | | | | | 31-12-84 | |

R.P. SINGH, Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 1st July 1985

No. Admn.I/PF.AGN/121.—Shri A. G. Narayanaswami, Accountant General (A&E)I, Madhya Pradesh, Gwalior will retire from Government service with effect from the 30th November, 1985 afternoon on attaining the age of superannuation.

P. MUKHERJEE, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MAHARASHTRA (A&E)

Bombay-400 020, the 11th June 1985

No. Admn.1|Genl|31-Vol.III|C-1(1)|62.—The 'Accountant General (A&E), I, Maharashtra, Bombay, is pleased to

appoint the following Section Officers to officiate as Accounts Officers from the dates mentioned against their names until further orders.

- Shri C. G. Bhalerao—10-6-1985 F.N.
 Shri S. C. Sharma—10-6-1985 F.N.
 Shrl B. L. Hedaoo—10-6-1985 F.N.

en fattettatteren i er ende eren i er

Sd./- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General/Admn.

e thinesis a

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF **IMPORTS & EXPORTS**

New Delhi-110011; the 13th June 1985

IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6|1194|77-Admn.(G)|3128.—On attaining the age of superannuation, Shr. Balbir Singh Controller of Imports & Exports in the office of Joint Chief Controller of Imports & Exports (Central Licensing Area), New Delhi has retired from Government service with effect from the afternoon of 31-3-1985.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 25th June 1985

No. A-32013(1) 84-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 21-5-1985 and until further orders Shri S. V. Mathur, Junior Lecturer in Textile Chemistry as Senior Lecturer in Textile Chemistry in the Indian Institute of Handloom Technology, Varanasi.

V. K. AGNIHOTRI

Additional Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 24th June 1985

No. 12(7)|61-Admn.(G)|Vol.IV.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Singaram. Director (Gr.II(L|F) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Indutries) New Delhi as Director (Gr. 1) (Leather Footwear) in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1-6-1985 until further orders.

No. 12(116) 61-Admn. (G) Vol. III.—The President is pleased to permit Shri S. Bandopadhyay, Director, Regional Testing Centre, New Delhi to retire from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-1-1985.

No. A-19018(618) 82-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri C. K. Viswanathan, Asstt. Director (Gr. I)

(Mech.), Small Industries Service Institute, Gauhati as Deputy Director (Mechanical) at Small Industries Service Insti-Ahmedabad with effect from the forenoon of 29-4-1985 until further orders.

> C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

. New Delhi, the 28th June 1985

No. A-1/1(262).—Shri P. Chakravarti, Permanent Director (Gr. I of Indian Supply Service) and officiating Deputy Director General (S&D) of this Directorate General retires from Government Service with effect from the afternoon of 30th June, 1985, on attaining the age of superannuation.

> RAIBIR SINOH Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Paddings To 可能性 (1915) The Complete Padding To a Complete Padding Padding To The Market Padding Padd

Calcutta-16, the 25th June 1985

No. 6346B A-19012 (4-KKM) 80-19B .— Shri K. K. Mukher-Geological Survey of India under this Notification No. 2819B|A-32013(4-Driller)|78-19B dated 10-4-80 stands reverted to his substantive post of Sr. Technical Assistant (Drilling) in this Department w.e.f. the afternoon of the 21st February, 1984.

No. 6352B|A-32014(2-AG(I)|81|19B.—Shri Manabendra Das, S.T.A. (Geophysical Workshop) Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General, G.S.I. an Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the same Department on pay according to rules in the cale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200| in an officiating capacity with effect from the Forenoon of 13-5-85, until further orders.

No. 6368B|A-19012(1-AKS)|82-19A,—Shri Abhay Kumar Singh, Assistant Geologist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on resignation with effect from the afternoon of 19-4-1984.

> A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 25th June 1985

No. A.19011(257)|79-Estr.A.—Shri P. G. Kulkarni, Deputy Mineral Economit (Stat.), Indian Bureau of Mines has resigned w.e.f. 31-5-1985 (Afternoon).

No. A-19011(380)|85-Fett A .- On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri H. R. Bakhru, Officiating Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has been appointed to the post of Junior Mining Geologist in the Indian Burcau of Mines with effect from the afternoon of 31st May, 1985.

> G. C. SHARMA Asstt Administrative Officer for Controller General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 26th June 1985

No. 18-79|79|Estt.—Shri Subhash Chandra Chattapadhyay, Rescarch Associate (Linguistics), in the Anthropological Survey Endia, is promoted to ottciate in the post of Assistant Linguistics, Group B (Grzetted) at North West Regional Office, Dehra Dun, on the forenoon of the 13th May, 1985, until further order.

A. K. DASGUPTA Sr. Administrative Officer

DEFARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700019, the 27h June 1985

No. 35-2|83-Estt.—Shri Sukumar Mukherjee, who was officiating in the post of Scientific Officer on ad hoc basis, is promoted to the post of Junior Technical Officer, General Central Service, Group B, Gazetted in the scale of pay of Rs. 650-1200 in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation with effect from the forenoon of 26th April, 1985 until further orders.

G. K. DUTT Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th June 1985

No. A. 19018|4|85-M(F&S).—The President is pleased to appoint Dr. R. Sundarcsan, in a substantive capacity to the permanent post of Acistant Professor of Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the 17th May, 1984.

P. K. GHAI Deputy Director Administration (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

MANAGER PROGRAM STREET, The Control of the Control

Bombuy-400 085, the 26th April 1985

No. Ref. 7(2)|85|Vig|1206.—WHEREAS it was alleged that:

"Shri Rambabu, Tradesman (C), Reactor Operations Division, has been absenting from duty unauthorisedly w.e.f. November 17, 1984 onwards.

By his aforesaid conduct, the said Shri Rambabu has shown lack of devotion to duty and behaved in a manner unbecoming of a Government servant in contravention of sub-rules (1)(ii) and (1)(iii) of Rule 3 of Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964.",

AND WHEREAS the said Shri Rambabu was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him under Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, vide memorandum No. 7(2)|85|Vig|662 dated February 26, 1985,

AND WHEREAS the envelopes containing the said memorandum sent to the last known addresses by Registered A.D. post of the said Shri Rambabu have been received back undelivered.

AND WHEREAS the said Shri Rambabu has failed to keep this office informed of his whereabouts,

AND WHEREAS the said Shri Rambabu continues to remain absent from duty without keeping this office informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under

Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) of sub-rule (2) of Rule 12 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, read with Department of Atomic Energy's Order No. 22(1)|68-Adm. II dated July 7, 1979, and Rule 19(ii) of the said rules, hereby removes the said Shri Rambabu from service with immediate effect.

Shri Rambabu is informed that an appeal against the above order lies with Controller, BARC., the Appellate Authority. The appeal, if any, should be submitted to the Appellate Authority within forty-five days from the date of receipt of this order.

T. J. ASNANI
Head, Personnel Division

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 19th June 1985

Ref. No. DPS|2|1(11)-83-Adm.|17864.—In continuation of this Directorate notification No. DPS|41|9|85-Adm.|7911 dated 19-3-1985 Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Sharma, a permanent Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto July 31, 1985 or until further orders whichever is earlier.

The 21st June 1985

Ref. No. DPS|41|3|85-Adm.|3841.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Anil Madbav Parulkar, a permanent Asst. Accountant to officiate as an Asst. Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 8-5-1985 (FN) to 7-6-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri T. M. Alexander, Asst. Accounts Officer granted leave.

The 24th June 1985

Ref. No. DPS|41|1|85-Adm.|3847.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoint Shri Joaquim John Pareira, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hac basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 8-5-1985 (FN) to 14-6-1985 (AN in the same Directorate vice Shri P. N. U. Nair, Assistant Purchase Officer, CPU, DPS, granted leave.

P. GOPALAN
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 11th June 1985

No. NFC|PAR|0704|1182.—Further to this office notification No. NFC|PAR|0704|1001 dated May 11, 1985, the appointment of Shri V. R. N. Iyer, Sclection Grade Clerk, as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis is extended upto 29-6-1985 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Via Kota (Rajasthan), the 17th June 1985

No. RAPS|Rect|8(7)|85|S|264.—The Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station is pleased to appoint Shri M. Aravindakshan, a permanent Personal Assistant in PPHD Pool and officiating Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Kota) as Industrial Relations Officer (Rs.

840-1200) in Rajasthan Atomic Power Station in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29[5]1985 until further orders.

R. K. CHOPRA Assistant Personnel Officer (R)

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 28th June 1985

No. 05012|RS|2346.—Chief Executive, Heavy Weter Projects, appoints Shr. D. Narayanan Nair, a permanent Stenographer (Junior) in NPB pool and officiating Stenographer (Senior), Madras Atomic Power Project, Department of Atomic Energy, to officiate as Asstt. Personnel Officer in Heavy Weter Project (Talcher) w.e.f. the forenoon of April 29, 1985 until further orders

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

(DEPARTMENT OF SPACE)

ISRO SATELLITE CENTRE, AIRPORT ROAD,

VIMANAPURA POST. BANGALORE-17

Bangalore, the 6th June 1985

No. 020|1 (15.4)|85-Estt.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from the service of Shri M. Prabhakar Koushik, from the post of Scientist-Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space, with effect from the afternoon of March 21, 1985.

H. S. RAMADAS Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th June 1985

No. A_35018|1|85-ES:—The President is pleased to accept the request of Shri S. N. Besu, Aircraft Inspector (now Airworthiness Officer) for voluntary retirement from Government Service under FR 56-K with effect from 27-5-85 (A|N).

The 26th June 1985

No. A-19011|1|85-ES:—On attaining the age of superannuation, Shri V. R. R. Arava, Controller of Airworthiness retired from Government service-on 31-5-1985 (AN).

M. BHATTACHARJEE Asstt, Dir. of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Deihi-110066, the 26th June 1985

No. A-19012|1102|85-Esstt.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Shri Anil Kumar Choudhary, Design Assistant to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on adhoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35_880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 20-5-1985 for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 28th June 1985

No. A-19012|1100|85-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Jitendra Nath

Baruah, Supervisor to the grade of Extra Assistant Directorl Assistant Engineer (Engineering) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30_740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 6-5-1985 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid late.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi-110011, the 28th June, 1985

No. 1|139|69-BCIX.—Shri J. R. Jadhav, Senior Architects of this Department retires from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th June, 1985.

PRITHVI PAL SINGH
Dy. Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies, Act, 1956 and of Ms. Mahashakti Stud & Agricultural Farms Pvt. Limited

New Delhi, the 19th June 1985

No. 12380|22974.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies, Act. 1956, that the name of M|s. Mahashakti Stud & Agricultural Farms Pvt. Limited has been struck off from the Register and the said company has been dissolved.

T. P. SHAMI Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Cochin-682016, the 4th June 1985

CORRIGENDUM

- C. No. 1(9)|(B)|GL|85-86.—In the Notification No. 185_86 (C. No. 1 (9)|(B)|GL|85-86) dated 10-5-85 under Sl. No. 6 item (i) the sentence under column No. 4 (area jurisdiction may be read as 'All cases assigned to the erstwhile Incometax Officer, Award, Companies Circle, Ernakulam and item (ii) the sentence under column No. 4 may be read as 'All cases assigned to the erstwhile Incometax Officer, B-Ward, Companies Circle, Ernakulam.
- 2. Item (b) mentioned in the area jurisdiction of Incometax Officer, B-Ward, Circle-II, may be read as 'those jurisdiction over whom vests with the Income-tax Officer, A-Ward, C-Ward, D-Ward, and E-Ward, Circle-II, Ernakulam.
- 3. Item 1 mentioned in the area jurisdiction of Income-tax Officer, C-Ward, Circle-II, may be read as 'All persons within the area of jurisdiction specified in the preamble to this order, other than those, jurisdiction over whom vests with the Income-tax Officer, A-Ward, B Ward D-Ward and E-Ward, Circle-II, Ernekulam.

The 11th June, 1983 INCOME TAX

C. No. 1(9)/GL/24/85-86.--

Order No. 1/85-86.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) and (2) of section 124 of the I.T. Act. 1961 (Act 43 of 1961), I, the Commissioner of Incometax, Cochin, hereby direct that with effect from 15-6-1935 the Income tax Officers specified in Col. 3 of the schedule apparent hereto, shall exercise all the functions of an Incometax Officer in respect of areas, persons, classes of persons, incomes, classes of incomes, cases, classes of cases, mentioned in Col. 4 of the said schedule.

| | SCHEDULE | |
|---------------------------------|---------------------------------------|---|
| SI. Name of the Circle No. | Designation of the I.T.O. | Jurisdiction |
| (1) (2) | (3) | (4) |
| 1. Incomotax Circle, Cannanore. | Incometax Officer, A/ward, Cannanore. | All persons other than cases assigned to other I.T.O.s u/s. 124, 126 ant/or 127(1) of the IT Act, 1961, in whose cases the total income or loss computed as per the latest assessment or income or loss as per the latest return filed, as on 1-4-83 is Rs. 1,00,000/- and above, falling within the territory of the revenue taluk of Cannanore, excluding Baliapatam, Azhikode and Chirakkal Panchayats, in Cannanore District. All persons in the above area not so far assessed to tax, who have filed or shall file hereafter any return of income declaring income or loss exceeding Rs. 30,000/ All persons whose only income is from business or profession or by way of sharfrom a firm or firms, association of persons or body of individuals, belonging to the categories mentioned in item (1) and (2) above, irrespective of income or loss of such persons. All persons having income from profession by practice of medicine, within the territorial jurisdiction of Income-tax Circle, Cannanore. All other cases specifically assigned u/s 124, 126 and/or 127(1) of the I.T. Act, 1961 |
| 2. Incometax Circle, Cannanore. | Incometax Officer, B/ward, Cannanore. | |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|----------------|--------------------|--|---|
| | | | body of individuals, belonging to the categories mentioned in item (1), and (2) above. irrespective of income or los of such persons. (4) All persons, who are deriving income from profession, other than practice of medicine within the territorial juisdiction of Income-tax Circle 'Cannanore. (5) All cases of religious and/or charitable trusts falling thin the territorial jurisdiction of Incometax Circle Cannanore. (6) All persons irrespective of income whoderive income from the business of contract, in the revenue district of Cannanore, erstwhile North wynad Taluk of wynad District; and the Union Territory of Mahe. (7) All other cases specifically assigned u/s. 124, 126 and/or 127(1) of the I.T. Act, 1961. |
| 3. Incometax | Circle, Cannanore. | Incometax Officer, C/Ward, Cannanore. | All persons, except those assigned to other ITOs u/s. 124, 126 and/or 127(1) of the I T Act, 1961, whose total incomor loss as per the latest completed assessment or income or loss as per the latest return, as on 1-4-83, is below Rs. 1,00,000/excluding those cases where the latest income returned or assessed as on 1-4-85 is upto Rs. 25,000/- in the revenue taluk of Cannanore excluding the Baliapatam Panchayat. All persons in the above area, who are not assessed to tax so far, and who have filed or shall file hereafter any return of income, declaring income or loss not exceeding Rs. 30,900/ All persons whose only income from business or profession is by way of share from a firm or firms, association of persons or body of individuals, belonging to the categories mentioned in (1) & (2) above, irrespective of income or loss of such persons if not assessable in A and B wards. All persons falling within the above territories as mentioned in (1) above enlisted by action u/s. 133A of the IT Act, 1961. All other cases specifically assigned u/s. 124, 126 and/or 127(1) of the IT Act, |
| 4. Incometax C | Circle, Cannanore. | Incometax Officer, D/Ward, Cannanore. | (1) All persons except those assigned to other Incometax Officers u/s. 124, 126 and/or 127(1) of the IT ACT, 1961 in whose cases, the total income or loss as per the latest completed assessment or income or loss as per the latest completed assessment or income or loss as per the latest return filed as on 1-4-83, is below Rs. 1,00,000/-excluding those cases in Baliapatam panchayat where the latest income assessed or returned as on 1-4-85 is upto Rs. 25,000/-, falling within (a) the revenue taluk of Tellicherry and Taliaparamba in Cannanore District |

| (1) (2) | (3) | (4) |
|---------------------------------|--|--|
| | | (b) the crstwhile North Wynad of Wynad Dist. (c) the Union territory of Mahe and (d) the Baliapatam panchayat in Cannanore Taluk. (2) All persons in the area mentioned in item (1) above, who are not assessed to tax so far and who have filed or shall file hereafter any return of income declaring Income or loss not exceeding Rs. 30,000/- (3) All persons whose only income from business or profession is by way of share from a firm or firms, association of persons or body of individuals belonging to the categories mentioned in items (1) and (2) above, irrespective of income or loss of such persons, if not assessable in A and B Wards. (4) All persons falling within the above territories as mentioned in (1) enlisted by action u/s. 133A of the IT Act, 1961 (5) All other cases specifically assigned u/s. 124, 126 and/or 127(1) of the IT Act 1961. |
| 5. Incometax Cirlce, Cannanore. | Incometax Officer, E/Ward, Cannanore. | All persons except those assigned to other ITOs u/s. 124, 126 and/or 127(i) of the I.T. Act whose total income returned or assessed is upto Rs. 25,000/- as on 1-4-85 exc-pt the partners of the firm assessed by the ITOs A-Ward, B-Ward, C-Ward, and D-Ward, Cannanore and the persons who derive income from profession by practice of medicine falling within the revenue taluk of cannanore Income-Tax Circle, Cannanore. All persons who derive income from Sa ary (but does not indent no income from business or profession) as on 1-4-85 within the territorial jurisdiction of Income-tax Circle, Cannanore. |

2. These Orders take effect from 15-6-1985.

M.J. MATHAN Commissioner of Incometax, Cochin-

.---

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd June 1985

Ref. No. A.P. No. 5810 and 5811.—Whereas, I, J. L. GJRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Faridkot on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the Uability of the transferor to pay tax under the said Act in wespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following person. namely :-

(1) Shri Kulbhushan Rai so Ulfat Rai rlo Geli No. 6, Dogar Basti, Faridkot, (R.D. Nos: 2403 & 2521).

(Tesseror)

(2) Shri Sahib Singh so Pritam Singh ro Gall No. 6. Dogar Basti, Faridkot (R. D. No. 2403) and Gurj t Singh s o Pritam Singh Clo as above. (R. D. No. 2521).

(Transferee)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chenter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated in Gali No. 6, Dogar Basti, Faridkot and persons as mentioned in registered sale deed Nos. 2403 & 2521 of Oct. 84 of the Registering Authority, Faridkot

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-6-1985 Sept .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd June 1985

Ref. No. A.P. No. | 5812.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

nerns the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the homovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 (One lac) and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer

Jalandhar on November, 1984

Tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sushil Kumar Puri s|o Kharaiti Lal R|o 4-A, I ada Nagar, Green Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Amarjit Kaur wo Surrinder Jit Singh ro 189, Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 4-A, Dada Nagar, Green Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3272 of November 1984 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jelandhar.

Date: 3-6-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th June 1985

Ref. No. A.P. No. 5813.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 (One lac) and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Surjit Kaur wlo Jarnail Singh rlo V. Khera tehsil Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Shoban Lal So Ratten Chand ro 473, New Jawahar Nagar, Jalandhar

(Transferce)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov²⁻⁴ able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 473 situated in New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 2845 of October, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 10-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th June 1985

Ref. No. A.P. No. | 5814.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Maksudpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Amir Chand Verma
So Brij Lal Verma
General Attorney of Sh. Manmohan Mehta
So Brij Lal Mehta,
Guardian of Sh. Ajay Mehta
so Manmohan Mehta,
240/2 Shaheed Udham Singh Nagar,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Resham Singh, Jaswant Singh Santokh Singh salo Nazar Singh rlo Cheema Kalan, Teh. Phillaur Distt. Jalandhar.

(Transferee)

*(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 8, (3K-17M-134 S. ft.) situated in v. Maksudpur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3117 of Oct. 84 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date 12-6-1985 Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 12th June 1985

Ref. No. A. P. No. 5815.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

as per schedule situated at Ferozpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at As Resolution No. 3 of 13-12-84 by Railway Karamchari Co-

op Society Ltd., Ferozpur. on December 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property kothi No. 84 situated at Preet Nagar, Ferozeur

THE SCHEDULE

J. L. FIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sohan Lal Clo Railway Karmehary Co-op. Society Ltd., Ferozpur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Slo Sh. Pritam Singh, Kothi No. 84 Preet Nagar, Ferozpur City.

*(3) as S. No. 2 above.

*(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Property kothi No. 84 situated at Preet Nagar, Ferozpur City and persons as mentioned in the Resolution Deed No. 3 of 13-12-84 by Railway Karamchary Co-op. Society, Feroz-

Date 12-6-1985 Seal: en la composition de la composition de

FORM NO. ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE IN SOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.][I|37-EE|10-85.659,—Whereas, I, K. VASUDF.VAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.0001 and hearing

the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00.000]- and bearing No. 26, Uttam Nagar, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schrödle annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ved Kumari r|o 2746, Ranjit Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Kumari rlo K-559, Mangol puri New Delhi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Plot No. 26, (Northern Half) Block-U, Uttam Nagar, Village Bindapur, New Delhi. Area 108 sq. yds.

K. VASUDEVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Date: 4-6-1985:

Seal: .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhl, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37-EE|10-84|662.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Shop No. 13, in Oriental Apartments, Plot No. 19, situated at Yusaf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on

1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesnid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

(1) Bombay Builders India (P) Ltd., 18, Maloha Marg, Commercial complex, New Delhi.

(2) Shri J. C. Chopra & Mrs. Kamal Chopra, 3, Co-op Society, (N.D.S.E.-1) New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said impro-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Ground floor in Oriental Apartments, Plot No. 19, Community Centre, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 395.60 sq. ft.

> K. VASUDEVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi New Delhi

Date: 4-6-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|10-84|665.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. BSH-107, 3, Local Comm. Centre, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74—156 GI[85]

(1) Shti Rajehdras N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Asha Gupta Ms Liftman Ms Liftman Industries, B-13[2, Jhilmil Industrial area, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

RSH-107, (G.F.) 3, Local Comm. Centre, Dilshad Garden. Delhi-32. Area 80 sq. ft.

K. VASUDEVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Date : 4-6-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-84|666.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

No. RSH-104, Ground Floor, 3, Local Comm. Centre situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Rajindras N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

The state of the s

(Transferor)

(2) Smt. Daropati Devi, 1570-71, 1st Floor, Main Bazar, Pahar Ganj,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Galacte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH,104 (Ground Floor) 3, Local Comm. Centre, Dilshad Garden, Delhi, Area 80 sq. ft.

K. VASUDEVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi|New Delhi

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

**COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC Acq.III 37-EE 10-84 667.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. RSH-119, Ground Floor, 3, Local Comm. Centre, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Lethi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax East, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Rajindras N-52-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjeet Kaur, E-111, Kalkaji. New Delhi-19.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-119, (G.F.) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi. Area 181, sq. ft.

> K. VASUDEVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 4-6-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-LE|10-84|668.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. RSH-402. 3, Local Community Centre situated at Delhi (and more fully described in the Schedule below) has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Rajendras'
N-52-A, Connaught Place,
New Delhi.

(2) Sh. Kamal Kishore Popli, A-10[2, Dilshad Gorden, Delhi-52. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RSH-402, (second floor) 3, Local Community Centre, Dilshad Garden, Delhi-32, Area 85 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range:III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1985

Seal :

(1) Bhatia Sehgal Constn. Corpn., 48-A, Jor Bagh, New Delhi-3.

(Transferor)

(2) M/s. Associated Machinery Corpn., F-64, Site No. 1, Bulanchahar Road, Ind. Area, Post Box 40, Ghaziabad (U.P.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III.37-EE|10-84|669.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 606, 22, Raimdra Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mystoys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606; in Padma Tower No. II, 22 Rajindra Place, New Delhi. Area 521, eq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
DelisiNow Delisi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salt."
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. H. S. Navlakha, K-26, Hauz Khas, Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. M. G. Agarwal, 18|27, Shakti Nagar Delhi-7.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|10-84|670.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 133, Block-D, Preet Vihar, situated at Delhi

133, Block-D, Preet Vihar, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 133, Block-D, Area 370 sq. vds., Preet Vihar, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1985

Scal t

(1) M|s. Surya Enterprises P. Ltd., Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Triage Oversees, 8, Village Hauz Khas, New Delhi-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1985

Ref. No. IAC Acq. III 37-EE 10-84 671.—Wherens, I, VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 203, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Ports.

Delhi .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi

1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, second floor of No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 1070 sq. ft. (Covered area).

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4114-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|10-84|672,—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 322, in 3, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transftr, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mrs. Rekha Verma Wlo. Sh. Pardeep, Smt. Sarla Rani Verma, Wlo Sh. R. K. Verma, Sh. R. K. Verma Slo Late Sh. Sachidanand Verma, Rlo B-6|8, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mls. India Tube Mills & Metal Industries (P) Ltd., Clo. Dheeraj Chambers, Hazari Mal Solmani Marg, Bombay-400001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested and the said interested in the said interested and the publication of this motice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-322, in 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi Area.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date : 4-6-1985

(1) Sh. Prakash Khatiwala, Slo Sh. Hiralal C. Khatiwala, Jhaveri Bhavan, Katra Tobacco, Delhi-6. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. (Dr.) Upender Gami, So Sh. Dr. (Mrs.) Mridula Gami, Wo Upendra Gami, A-197, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|10-84|673.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 3, Gujrat Vihar, Vikas Marz situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 at Gujarat Vihar, Vikas Marg Delhi-92, measuring 337-78 sq. vds. (Near Swasthya Vihar) (Village Khujeri Khas).

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

75-156 GI|85

Date: 5-6-1985

Seal :

 Shri J. R. Jain & Smt. Sheshi Jain, RZ-108-E, Erya Samaj Road, Uttam Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anand Prakash Gupta, & Smt. Sharni Gupta, 3039, Kucha Raja Sohan Lal, Bazar Sitaram, Delhi-96.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1935

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|10-84|574.—-Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding K.s. 1,00,000₁- and bearing

No. 51, Co-op. House Building Society Ltd. situated at Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the 1.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant resident plot No. 51, measuring 180 eq. yds. in Defence HO Civilian personal Co-op. House Building Society Ltd., Delhi-92.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date : 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Avtar Kaur, 57-27 A Sector, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Avtar Kaur & V, S. Bchia (Karta of H.U.F.), 57-27, A Sector, Chandigarh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37 BE|10-84|675.—Whereas, 1, K. VASUDEVAN,

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

No. 621, 9. Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hats been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely:—
Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 621, 6th floor, Building, 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 335 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. 1H|37-EE|10-84|676.--Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 110, 19, Yusaf Sarai Community Centre, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Bombay Builders India (P) Ltd., 18, Malcha Marg Commercial Comple, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Vcena Malhotra, Mrs. Lee Sanjiv Şoni, B-I|173. Najpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said humovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110, 1st Floor in Oriental Apartments, Plot No. 19, Yusaf Sarai, Community Centre, New Delhi. Area 405.48 Sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date : 4-6-1985

Seal :

(1) Skipper Properties (P) Ltd., 22. Barakhamba Road. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE TENDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Tarseen Lai Chadha So. Sh. Janak Raj Chadha, Ro 411, Adarsh Nagar, Jalandhar City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th lune 1985

Ref. No. 1.\C|Acq. 111/37-EE|10-84|677.--Whereas, I. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Ground Floor in Janak Cinema Building, Janak Puri, situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, New Delbi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; sed/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act 1947 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

397.83 sq. ft. area on Ground Floor in Janak Cinema Bullding, Janak Puri, New Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 5-6-1985

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4!14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|10-84|678,—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Ground floor in Janak Cinema, Building, Janak Puri situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhl in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Skipper Properties (P) Ltd,.
 Barakhamba Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Vikal Kumar Chadhu (Mistar), under Gardianship of Sh. Janak Raj Chadha, 411, Adarsh Nagur, Jullunder City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

397.83 sq. ft. area on Ground Floor in Janak Cinema Building, Janak Puri, New Delhi,

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|10-84|679.--Whereas. I, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 310, 19, Yusaf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in Crober, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Bombay Builders India (P) Ltd., 18, Commercial Complex, Malcha Marg, Diplomatic Enclave New Delhi-22.

(Transferor)

Style India Exports,
 New Double Storey Extn.
 Laipat Nagar IV, New Delhi-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 340, third floor in Oriental Apartments, 19, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 625.55 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Acquisition Range-III
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Date: 3-6-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Allied Constructions, G-5, Deepali, 92, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Geeta Jaswal & Mr. Dinesh, E-167, Greater Kailash-I, New Dehli.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|37-EE|10-84|680.—Whereas, I. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. 206A, 2, Old Rohtak Road situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III. New Delhi in October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area 210 sq. ft. to be constructed Industiral Flat No. 206A on flated Factories Plot No. 2. Old Rohtak Road, Delhi.

K. VASUPEVAN
Competent Althority
Acquisition Range-III
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

Date : 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th June 1985

R. M. No. IAC Acq. III 37-EE 10-84 681 A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN

K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. G-78, Hari Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 (43 of 1961) in Ottober, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Kanhaiya Lal Slo. Late Sh. G. C. Bahal, Rlo 52, Aimeri Gate, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Dallit Kaur, Wo Sh. Manjit Singh, Ro C-78, Block G, Hari Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the removing period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-78, Block-G, Hari Nagar, New Delhi. Area 200 sy. yds.

K. VASUDEVAN Competent Authority Acquisition Range-III
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

76-156 GI|85

Date: 5-6-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC Acq. III 37-EE 10_84 681B.—Whereas, I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the knowne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. C-135, Prashant Vihar situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Jagdish Lal Grover 9429|10 Multani Dhanda, Pahar Ganj, Delhi-55.

(Transferor)

(2) Mrs. Shobha S-135, Prashant Vihar, New Delhi-42.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up House C-135, Prashant Vihar, Delhi-42.

K. VASULEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

rrow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1985

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-84|682.-Whereas I, k vasudevan

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000|- and bearing No. Ground Floor in Janak Cinema Bldg., Janak Puri

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercanid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Skipper Properties (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Viney Kumar Chadha slo Sh. Janak Raj Chadha, 411, Adarsh Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said - Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

396.83 sq. ft. area on Ground Floor in Janak Cinema Bdlg., Janak Puri, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Dato: 5-6-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 3rd June 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37-EE|10-84|683.—Whereas, I, K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Ground Floor in Janak Cinema Building, Janak Puri, situated at Janak Puri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslith-tun Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said -\text{\text{\text{-}}}\text{\text{-}} I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Skipper Properties (P) Ltd., 22, Barakhamba Rd., New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vinod Kumar Chaddha soo Sh. Janak Raj Chadha, 411, Adarsh Nagar, Jullunder City

(Trans tee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

397.83 sq. ft. area on ground floor in Janak Cinema Building Janak Puri, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 3-6-1985

Skipper Properties (P) Ltd., 22, Barakhamba Rd., New Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

_GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC Acq.III 37-EE 10_84 684.—Whereas I. K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Ground Floor in Janak Cinema Bldg, Janak Puri

situated at New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any paymeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2), Shri Asvani Kumar Chadha so Sh. Janak Raj Chadha, 411, Adash Nagar, Jullundur City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

397.83 sq. ft. area on Ground Floor in Janak Cinema Building, Janak Puri, NewDelhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

Date: 5-6-1985

Seal :

(1) Smt. Kailash Rani wo Sh. Amar Nath Gupta B-4|227, Safdarjung Enclave, New Delhi-29. (Transferor)

(2) Mrs. Mohinder Kohli wo Sh. S. N. Kohli 3|29, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-84|685.—Whereas, I, K, VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- adn bearing
No. R-7, 6, Bhikaji Cama Place, situated at NewDelhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer

in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for thepurposes of the Indian Income-tax Act Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Flat No. R-7, 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi (R. K. Puram) Area 218 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1985

(1) Sh. Jagdish Prashad, A-6, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Trilok Chand Gupta, D-19 Hauz Khas, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 3rd June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-84|686.--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason
to believe that the inmoveable property having a fair market
value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. R.S. 201|3
No. R-2, Green Park, situated at New Delhi
(and more fully descried in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908)
in the Office of the Registering Officer
at INC. ACQ.III, New Delhi on October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

- in the Office of the Registering Officer at Disc. ACQ.III, New Delhi on October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-2, Green Park New Delhi-16. Ground Floor 1440 sq. ft. 1st floor 1200 sft. Barsati floor 360 sq. ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 4th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-84|687.—Whereas, I, K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. 33, Gegan Vihar, situated at Delhi-51

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office. of the Registering Officer

at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Kamlesh Kumari, A_3, Golden Park, Delhi-51.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Joginder Pal & Sh. Satish Chand both sons of Sh. Wazir Chand, r|o 2878, Kucha Neel Kantha, Daryagan, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

33, Gagan Vihar, Delhi-51.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Dato: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. K. L. Nagpal & Mr. Arun Mehta, A-8, Lajpat Nagar III, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Sundeep Singh Maker D-11, Ansari Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 5th lune 1985

Ref. No. IAC |Acq-III|37-EE |10-84 |688.—Whereas I, K. VASUDEVAN

k. VASUDEVAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 194, 6, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
phās been transferred under the I. T. Act 1961 in the
Office of the Registering Officer
at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

77---156 GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 134, on first floor in Bldg. No. 6. Bhikaji Cama Place, New Delhi having a super area 126 sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-ItI, New Delhi

Date: 5-6-1985

Seal:

CARTIN APPROPRIATE STATE OF STREET APPROPRIATE AND A STATE OF STREET

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 3rd June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-84|689.—Whereas, I, K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 117, 2, Old Rohtak Rd., situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., ACQ.II, New Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated. In the said

instrument of transfer with the object of :--

(a) sacilitating the reduction or evision of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Allied Construction Co., 5C, Deepali, 92, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Geeta Jeswal d|o Dinesh Kr. Sharma, E-157, Greater Kailash I. New Delhi-110048.

"Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 117 of 425 sq. ft. in Flatted Factories Plot No. 2, Old Rohtak Rd., Shazada Bagh, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi

Date; 3-6-1985 Seal:

ocar

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No IAC|Acq.III|37-EE|10-84|689A.—Whereas 1, K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred t. as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

No. 310-A. Jaina Tower, Distt. Centre,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the I.AC. Acq. III N. Delhi on October, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

- (1) Jaina Properties (P) Ltd., Adinath Shree House, Opp. Super Bazar, Connought Circus, New Delhi.
- (2) Mrs. Savitri Devi wo Sh. W. Z. 0-39 New Mahabir Nagar, P.O. Tilak Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the aid Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

THE SCHEDULE

310-A, Jaina Tower, Distt. Centre, Janak Puri, New Delhi Area 170 sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 5-6-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jaina Properties (P) Ltd., Adinathshree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Jaswant Kaur wo S. Khazan Singh, WZ-2A, Hind Nagar, Delhi.

(Trauferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 5th June 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|10-84|689B.—Whereas I, K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 0001, and pearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
No. G-42, Jaina Shopping Complex, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer

at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (s) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G-42, Jain's Shopping Complex, Basai Darapur, Najafgarh Rd., New Delhi. Area 45 sq. ft.

K. VASUD VAN
Competent A hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-6-1985

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCQME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE 160|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur.-208 012, the 12th June 1985

Ref. No A-44|85-86.--Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 99|22-18 situated atSokri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has he transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) with the Competent Authority under section 269AB of in the office of the Registering Officer at Kurawali under registration No. 3054 dated 4-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11g of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Rikhkha so Khuetta Ro Fatch pur Sikri Agra.

Il Transferor 1

(2) Shri Lakhan Singh & Others Ro Vill Jautana. Fatehpur Sikri.

(Transferce)

- (3) Shri Lakhkan Singh & Others Rjo Vill Jautana. Fatehpur Sinkri (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Shri Lakhan Sing & Others Ro Vill Jautana. Fatchpur Sinkri Agra,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immer-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. Land No. 99/22-18 at Village Sikri, Distt. Agra,

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date . 12-6-1985. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE 160|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, 208 012, the 12th June 1985

Ref. No. A-55|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable represents having a fair market when averaging property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

47 situated at Durga Nagar Ferozabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962

Officer at Rirozabad, under registration No. 11443 dated 8-10-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have resent to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— (1) Smt. Rajji urf. Raj Kumari W.o Shri Ram Pratap. Aggarwal.
Durga Nagar. Firozabad
Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prakash Aggarwal & Others Rio Chauwhan Firozabad Distt. Agra

(Transferce)

(3) Shri Ram Prakash Aggarwal & Others Ro Chauwhan Firozabad Distt. Agra

(Person(s) in occupation of the property).
Shri Ram Prakash Aggarwal & Others
Ro Chauwhan Firozabad
Distt. Agra

(Persons whom the undersigned konws to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 47, Durga Nagar Firozabad Distt. Agra.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date . 12-6-1985.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 143 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE 160|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LFININ PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, 208 012, the 12th June 1985

Ref. No. A-65|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tart Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ref. 1,00,000|- and bearing No., 7909 situated at Katra Street Aligarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Officer at Aligarh under registration No. 909 dated 1_10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Bishan Kumar Bhardwaj M. 434-Sect-C Aliganj Lucknow

(Fransferor)

(2) Smt. Sushila Devi & Shri Bajrangi Lal Devi Wali Gali—Kanwari Ganj Aligarh.

(Transferee)

(3) Smt. Sushila Devi & Bajrangi Lal evi Wali Gali—Kanwari Ganj Aligarh.

(Person(s) in occupation of the property).

(4) Smt. Sushila Devi & Bajrangi Lal Devi Wali Gali Kanwari Ganj Aligara.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EMPLAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House situated at Katra Street Aligarh.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date . 12-6-1985. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE 160|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, 208 012, the 12th June 1985

Ref. No. A-66|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 3|100-A situated at Kol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 7881 dated 1-10-84

Officer at Aligarh under registration No. 7881 dated 1-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sz tion 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem 'Nath Sharma Nai Basti Kal Distt Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Dharamyeer Sharma Slo Chure Ram Sharma Vill, Sakuravali, Distt. Aligarh.

(Transferee)

 Shii Dharmveer Sharma Slo Chure Ram Sharma Vill. Sakuravali, Distt. Aligarh.

Distt. Aligarh.
(Person(s) in occupation of the property).

(4) Shri Dharmveer Sharma Slo Chure Ram Sharma Vill, Sakuravali Distt, Aligarh,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3/101 A-Bagbir Kaujela Tch. Kol. Distt.

S. K. BHATNAGAR
Computent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date , 12-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE 160'282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur,-208 012, the 12th June 1985

Ref. No. A-96|85-86.—Whereas,,
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. situated at Hathras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered with the Competent
Authority uls 269AB of the said Act read with rule
48DD (4) of Income-tax Rules, 1962
Officer at Hathras under registration No. 4386 dated 5-10-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than Ref. No. A-96|85-86.--Whereas, , exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

78-156 GI|85

(1) Narmada Devi Wo Ganga Sagar Gupta 31-Sautosh Road Calcutta

(Transferor)

(2) Laxmi Chand Agarwal & Others, Gali Dwarika Dhis Hathras.

(Transferee)

(3) Shri Laxmi Chand Agarwal & Others, Gali Dwarika Dhis Hathras.

(Person(s) in occupation of the property)
(4) Laxmi Chand Agarwal & others,
Gall Dwarika Dhis

Hathras.

(Persons whom the undersigned konws to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaflette.
- I PI (ATTO —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Residential House at Soda Bad Diwas Hathras.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range Kanpur

Date . 12-6-1985,

FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITON RANGE 160|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th June 1985

Ref. No. A.103 85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/andn bearing situated 'at Satgarha-Mathura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mathura under registration No. 10637 dated 27-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of runsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Tulsi Ram Naina Mukhtare Am, Shree Gopal Lal Ji Trust Jabalpur.

(Transferor)

(2) Ram Nath, Slo Lal Chand. Kotwali Road, Mathura.

(Transferee)

(3) Ram Nath

So Lai Chand.
Kotwali Road, Mathura.
(Person(s) in occupation of the proderty).

(4) Ram Nath, Kotwali Road, Mathura. So Lal Chand.

(Persons whom the undersigned konws to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House at Satghara Mathura

S. K. BI TNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for thee acquisition of the eafforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date, 12-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITON RANGE 160|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th June 1985

Ref. No. K-16|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

1399 situated at Ratanial Nagar has been transferred and registered with the Competent Authority uls 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 at Kanpur under registration No. 18830 on 30-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Gurjeet Pal Dua Soo Rati Ram Dua 27 Block No. 3, Govind Nagar Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Radhakishan Dew Raj & Girdhar Lal etc. S|o Shri Kundan Lal & Kundumal 104|189 Old Sisamar Kanpur.

(Transferce)

(3) Sh. Radhakishan Dew Raj & Girdhar Lal etc. S|o Shri Kundan Lal & Kundumal 104|189 Old Sisamar Kanpur. (Person(s) in occupation of the property).

(4) Sh. Radhakishan Dew Raj & Girdhari Lal etc. Slo Shri Kundan Lal & Kundumal 104/189 Old Sisamar Kanpur.

(Persons whom the undersigned konws to be interested in the property)...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1399 Ratan Lal Nagar Kanpur.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date . 12-6-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE 160/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur,-208 012, the 12th June 1985

Ref. No. K-7|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 318 situated at Village Visayakpur Teh Akbarpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T.Act 1961 in the Office of

the registering Officer at IAC Acon. Range-I, at Kanpur under registration No. 1724 on 15-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Leela Ram So Gyan Chand & Ganga Valuu Sio Baideo Rio Vid. Visayak Pur. Teh. Akbarpur Distt. Kanpur.
 - (Transferor)
- (2) Sudarshan Doors (P) Ltd.
 Director Girdhari Lal Dalmia So Bajraj Lal Ro H. No. 16|43 Civil Lines Kanpur.

(Transferce)

(3) Sudarshan Doors (P) Ltd. Director Girdhari Lal Dalmia, S|o Bajraj Lal R|o H. No. 16|43 Civil Lines Kanpur.

(Person(s) in occupation of the property).

(4) Sudarshan Doors (P) Ltd.
Director Girdheri Lal Dalmia,
Slo Bajraj Lal Rlo H. No. 16|43 Civil Lines Kanpur.

(Persons whom the undersigned konws to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expensions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Agricultural land No. 3|8 at Vill. Visayakpur Tah. Akbarpur, Distt. Kanpur.

> S. K. BHANAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, manely:—

Date , 12-6-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106|282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. K-9|85-86.—Whereas, I. S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. situated at Saket Nagar 127|W-1|793 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAClAcq Range-I, at Kanpur under registration No. 17637 dated 12-10-84 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Naresh Kumar Slo Kartar Nath & Others, Rlo 128 138, Block E, Kidwai Nagar Kanpur,

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Wlo Meghraj, 127|W-1|793 Saket Nagar Kahpur

(Transferee)

(3) Smt. Saroj W|o Meghraj 127|W-1|793 Saket Nagar Kanpur

(4) Smt. Saroj W|o Meghraj 127|W-1|793 Saket Nagar Kanpur

(Persons whom the undersigned known to be Interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 127 W-1 793 Saket Negar, Kampur.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax, Acquisition Range, Kanpur.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-6-85

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GY 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK

Kanpur-208 012, the 5th June 1985

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. K-12|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herrin after referred to as the said Actt) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 94|124 situated at Farrash Khana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer

at Kanpur under registration No. 17899 dated 12-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sm: Khaunisha Wlo Mohd, Hasan Ahmed. Rls 94/124 Farrash Khana Kanpur.

(Transferor)

(2) Sh. Imtiaz Ahmed S|o Sh. Abdul Haq. Peruoz Ahmed & Others. P|o 94|124 Farrash Khana. Kanpur.

(Transferee)

(3) Sh. Imtiaz Ahmed S|o Sh. Abdul Haq. Peroaz Ahmed & Others. P|o 94|124 Farrash Khana, Kanpur.

(Persons in occupation of the property)
(3) Amtiaz Ahmed So Sh. Abdul Haq. Peroaz
Ahmed & Others.
Plo 94|124 Farrash Khana.

Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 94/124 Farrash Khana Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competed Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 5-6-85

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE LNLOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106|282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK
KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. K-15|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Plot No. 7 situated at Kidwai Nagar Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 18021 on 16-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferor)

a Behari Lal Sio Late Shri

(1) Shri Krishna Behari Lal Sjo Late Shri Ratan Lal Sharma Rjo 130|559 Baqarang Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt Rajeshari Devi Kedia, W|o Bijheswar Lal Kedia, 128|8, Block B, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Rajeshari Devi Kedia, Wlo Bijeswar Lal Kedia, 128/8, Block B, Kidwai Nagar, Kanpur.

(4) Smt. Rejeshari Devi Kedia,
Wlo Devi Lai Kedia,

128|8, Block B, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Person whom the unders gned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Schalm No. 2 Kidwai Nagar Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 13-6-85

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. K-23|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 74 119 situated at Dhan Kutti Kanpur
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 18330 dated 22-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Krishna Slo Late Sh. Raghunath Prasad, Omprakash & Shri Prakash R|o 32|18 Old Chawal Mandi, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kanedia Slo Murari Lal Kanodia 74|215 Dhan Kutti Kanpur.

(Demonsteree)

(3) Shri Krishua Kanodia Slo Murari Lal Kanodia 74|215 Dhan Kutti Kanpur. (Person in occupation of the property)

(4) Shri Krishna Kanodia Slo Murari Lal Kanodia 74|215 Dhan Kutti Kanour.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immediable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

74 119, Dhan Kutti, Kanpur.

S. K. BHA NAGAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-6-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, `106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP, LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 13th June 1985

Ref. No. K-24|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Locate tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No. 93 213 situated at Rizwi Road, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto).

No. 93|213 situated at Rizwi Road. Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 18454 dated 31-10_84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922

 11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax

 12 ct. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Abdul Morari S.o Hatiz Jahiruddin. R|o 93171 Razni Road, Nai Sarak, Kanour.

(Transferor)

 Smt. Shahada' Begam woo Kamaluddin, Rlo 88|35, Prem Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Shahida Begam woo Kamaluddin, Roo 88/35, Prem Nagar, Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. Shahida Beyam w'o Kamaluddin, R'o 88,35, Prem Nagar, Kanpur.

(Person in occupation of the property) interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of the pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 93'213 Razni Road, Naj Sárak, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Unspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 13-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106(282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 5th June 1985

Ref. No. K-25|85-86.-Whereas, I. S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearin-No. 53|20 situated at Nayagani, Kanpur (and morefully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 18381 dated 20-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and t have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of one liability of the transferor to pay tax under the and Act, is respect of any income arising from the transfert and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Purshottam Das Rastogi S|o Shri Shiv Charan Lal R|o 15, Kriszo Nagar, Lawrence Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) Shri Gopal Das Chaurasia S|o Shri Chhedi Lal & Shri Shyamjee Chaurasia, R|o D-55|156, Aurangabad, Varanasi. (Transferce)

(3) Shri Gopal Dass Chaurasia Slo Shri Chhedi Lal & Shri Shyamjee Chaurasia, Rlo D-55|156, Aurangabad, Varanasi.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Gopal Dass Chaurasia Slo
Shri Chhedi Lal and Shri Shyamjee Chaurasia
Rlo A-55[156, Aurangabad Varanasi.

(Persons whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the tespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 53|20, Nayagani, Kanpur.

K. BHATNAGAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282. KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 5th June 1985

Ref. No. k-26|85-86,—Whereas, I., S. K., BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. 108/149 situated at Sesamow, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred (and more fully described in the hedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur under registration No. 18337 dated 19-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Saraswati Devi Widow of Late Shri Ram Chandra Nigam, 108 149, Sisamav, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Pradcep Kumar Nanda Slo Late Shri Radhey Shyam Nanda, Rlo 108/149, Sisamay, Kanpur.

(Transferee)

- (3) Shii Pradeep Kumar Nanda Slo Late Shri Radhey Shyam Nanda, Rlo 108 149. Sisamay, Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Pradeep Kumar Nanda Slo Late Shri Radhey Shyam Nanda, Ro 108/149, Sisamay, Kanpur. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 108|149, Sisamui, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acuisition Range, Kanpur

Date: 5-6-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 11th June 1985

Ref. No. K-28|85-86.—Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 117-M 252, situated at Kakadeo

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Competent Authority at Kanpur under registration registration No. 18283 dated 19-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reacon to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any necessary writing from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the taid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kartar Kaur Widow of Shri Phool Singh, Ro 126, 70, Block G, Govind Nagar, Kanpur. (Transferor)

(2) Shri Sant Prasad Jain So Shri Jagmohan Jain, Shri Nareshchander Jain, Rlo 174 10, Shastri Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) Shri Sant Prasad Jain So Shri Jagmohan Jain, Shri Nareshohander Jain, Ro 174/10, Shastri Nagar, Kanpur, (Person in occupation of the property)

(4) Shri Sant Prasad Jain Sto Shri Jagmohan Jain, Shri Nareshchander Jain, Ro 174 10, Shastri Nagar, Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 117-M|282, Kakadeo, Kunpur.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acqui Ion Range, Kanpur

Date: 11-6-1985

Seal: .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDUI MAGAR, OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208012

Kanour-208012 the 5th June 1985

Ref. No. K-33[85-86,—Whereas, 1, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) the itability of the transferor to pay tax under the vald Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri Gaya Singh, 114]3, Vinayakpur, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ranjeet Singh (Sachiv) 330, Nankari, III, Kanpur.

(Transferce)

- (3) Ranjeet Singh (Sachiv)
 330, Nauka i, IIT. Kanpur
 (Person in occupation of the property)
- (4) Ranjeet Singh (Sachiv),
 330, Naukari I.I.T., Kampur.
 (Person(s) in occupation of the property)
 interested in the property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetee or a period of 30 days from the service of notice on the respective nerrons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. K. BHATNAGAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Kanpur

Date: 5-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 4th June 1985

Ref. No. K-46|85-86.-Whereas, J,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the inmovable and the inmovable of the control of the property, having n-fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

47A & B situated at Vill. Rania Distt, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Akbarpur (Kanpur) under registration No. 1688 dated

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- Shri Kunwar Bahadur Singh & Shri Ranjeet Singh & Shri Shravan Kumar Singh all So Mahraj Singh, Rlo Rania Pergana, Akbarpur Distt. Kanpur Dehat. (Transferor)
- (2) Shri Vishwa Nath Sharma & Shri Kashinath Sharma So Shri Ghanshyam Sharma, Rlo & Mohd. Jafar Khan, Mohd. Rashid Khan, Rlo 89|256, Bans Mandi, Kanpur.

(Transferee)

- (3) Shri Vishwa Nath Sharma & Shri Kashinath Sharma So Shri Ghansham Sharma, Ro 113, Civil lines, Bareily. & Mohd. Jafar Khan, Mohd. Rashid Khan, Ro 89|256, Bans Mandi, Kanput. (Person(8) in occupation of the property)
- (4) Shri Vishwa Nath Sharma & Shri Kashinath Sharma So Shri Ghanshyam Sharma, R]o 113, Civil Jines, Barreily. & Mohd. Jafar Khan, Mohd. Rashid Khan, R]o 89|256, Bans Mandi, Kanpui.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ag., Land No. 47A & 47B situated at Vill. Rania Pergana, Akbarpur Distt. Kanpur.

> S. K. BHAWNAGAR. Competer Authority Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range. Kanpur

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 4th June 1985

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concoulment of any iscome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the enice Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gulab Chand S|o Shri Moti Lal Sindhi, R|o Kailashpuri Falvangani, Banda.

(Transferor)

(2) Shri Bhajan Lal So Shri Sheetal Das Sindhi, Ro Kailashpuri Falvanganj, Banda.

(Transferee)

(3) Shri Bhajan Lal Slo Shri Sheetal Das Sindhi, Rlo Kailashpuri Falvangani, Banda.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Bhajan Lal Slo Shri Sheetal Das Sindhi, Rlo Kailashpuri Falvanganj, Banda.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immsovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Kailashpuri, Falvanganj, Banda.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kannyr

Date: 4-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106 282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR, OPP, LENIN PARK,
KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 13th June 1985

Ref. No. K-50|85-86.-Whereas, I, Ref. No. K-50/85-80.—whereas, 1,

S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000!—and bearing
No. 194-B'9 situated at 'O' Block, Kidwai Nagar
'(and more fully de cubed in the scheduled annexed hereto), No. 194-B'9 situated at 'O' Block, Kidwai Nagar (and more fully de cribed in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Kappyr and 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Kappyr and 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Kappyr and application which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sain Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the maior under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. Ujwal Devi Wo Shri Nanha Singh, Rio 105|530, Anand Bagh, Kanpur.

(Transferor)

(2) Mohd Islam & Mohd. Asfaq & Mohd. Rais & others, Rio 105|55, Chamanganj, Kanpur,

(Transferee)

- (3) Mohd. Islam & Mohd. Asfaq & Mohd. Rais & others, R]o 105|55, Chamangani, Kanpur. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Mohd. Islam & Mohd. Asfaq & Mohd. Rais & others, R o 105 55, Chamangani, Kanpur. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- F. (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective. persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, . Explanation :shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 194-Bl9, Block 'O', Kidwai Nagar, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985

Seal ;

(1) Shri Tara Chand slo Badri Prasad 14|1, Ailanganj Settlement Kanpur.

12 492-A, Gwal Tola, Kanpur.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE BLCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106[282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. 1 FNIN PARK, KANPUR

Kanpur-208012, the 13th June 1985

Ref. No. K-51|85-86.—Whereas, I S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 0001; and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 11|277-A situated at Genaltob Kanpur
(and more fully described in the schedule annexed hersto),
has been transfrred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
(and Kanpur under registration No. 79600 dated 22_11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the reforesaid property and I have rasen
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Rekha Sahu, wo Shri-Vishnu Prakash Sahu

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immewable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as a win that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 11 11 277-A, Gwal Tola, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said 'Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

80-156GII85

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Munna Lal slo Shri Triloki Saran Garg, 661, Vijay Nagar, Gazlabad.

(Transferor)

(2) Shri Sobha Ram Agrawal Slo Shri Ram Swarup Agrawal, KH-57, Kavi Nagar Gaziabad.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

STORE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. I ENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208012, the 13th June 1985

Ref. No. M-1621|85_86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]. and bearing

No. K-3 situal d at Kavi Nagar, Gaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act

No. K-3 situated at Kavi Nagar, Gaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad under registration No. 34759 dated 11-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K-3, Kavi Nagar, Gaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 31st May 1985

Ref. No. M-7/85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to-as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and beating No.

and bearing No. situated at Library Road, Mussoorie (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 1048 dated 16-11-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax EAct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shamim Akhtar 15, Ripon Lane, Calcutta

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hai Kanwar Pal Singh Lamba 18/45, Punjabi Bagh, New Delhi,
 - 2. S. Joginder Singh J-9|54, Rajori Garden, New Delhi.

(Transferce)

- (3) Shri|Smt --do (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Shri|Smt —do—
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hotel at Library Road, Mussoorie Distt, Dehradun.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR

Kanpur-208012, the 13th June 1985

Rcf. No. M-11|85_86.-Whereas, I S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 84, 86891 situated at Vill. Fatehpur, Distt. Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered underthe registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 8302 dated 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purstance of Section 269°C of the said Act., I hereby marate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followers persons, namely :--

(1) Shri Rajendra Kumar Sjo Mukhtiar Singh Vill. Fatchpur, Pargana—Pachvadun Distt. Dehra Dun.

(Transferor)

(2) Shri Sachendra Singh Slo Shri Lal Navratan Singh 1911, Subhash Road, Dehra Dun. III maferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Vill. Fatehpur Distt. Dehra Dun.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date; 13-6-1985

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-12/85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-sinated at Teg Bahadur Road, Dehra Dun

and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, of 188) in the office of Registering Officer at Debradum under registration No. 8344 dated 9-10-84

under registration No. 8344 dated 9-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair raket value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Diwan Chand s/o Shri Narain Das, 55, E. C. Road, Dehradun.
- (Transferor)

 (2) 1. Shrl Om K. Sharma s/o Shri Asha Ram Sharma,
 2. Smt. Shakuntala Sharma w/o Shri H. K. Sharma,
 Rio F. V. & P.O. Unu, Distt. Muzaffar Nagar.
- (3) (Transferee)
 -do(Person(s) in occupation of the property).
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Teg Bahadur Marg, Dehradun.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Dâte: 13 6-1985

Seal

Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, AMPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-13/85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 6/958 situated at Chakrota Road, Saharanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sharanpur under registration No. 10293 dated 31-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any moonic of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bundu s/o Madu, . Khumran, Chakrota Road, Saharanpur. (Transferor)
- (2) 1. Shri Monsoor Ali s/o Mohd. Ibrahim, 2. Mohd. Akeel s/o Mohd. Ibrahim, Chakrota Road, Saharanpur.
- (3) -do-

(Person(s) in occupation of the property).

(4) -do-

-do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said impovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 6/958, Chakrota Road, Saharanpur.

S. K. BATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985

(3)

(4)

FORM ITNS .---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KARCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-16/85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

132 situated at Mohanpuri Colony, Meerut has been transferred under the I. T. Act 1961 in Confice of the Registering Officer at Meerut under registration No. 15649 dated 18-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1: Shri K. L. Asthang, slo Shri K. R. Asthang. B-25, Jh. 2, I.IG. Kutub Enclave, New Delhi.

(2) Shri Prabhat s/o Shri Madan Mohan, 123, Mohanpuri Colony, Meerut.

(Transferee)

-do-(Person(s) in occupation of the property).

-do-(Persons whom the u

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 132, Mohanpuri Colony, Meerut.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kunpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings, for the acquisition of the aforesaid property by the innue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons may be the

Date: 13-6-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOYERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-20/85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 4/73 situated at Surya Nagar, Gaziabad (and more fully described in the Scheduled annexed berete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 5531 dated 5-10-84

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

an pursuance of Section 2690 of the said Now, therefore Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followvg persons, namely:-

- (1) Smt. Amrat Kaur w/o Sardar Amarjit Singh Narula, 745, Church Misan Road, Delhi-6.
- (2) 1. Shri D C Adhikari s/o Late Sri K. C. Adhikari 2. Smt. Prabha Adhikari w/o Sri D. C. Adhikari, 7/14, Krishna Nagar, Delhi-51.

🚄 (ansferee)

(3) -do-(Person(s) in occupation of the property).

(4)-do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said proper y may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at A|13, Surya Nagar, Teh. Dadri Distt. Gaziabad.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-26/85-86.--Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 117 situated at Prempuri, Railway Road, Meerut and more fully described in the schedule annexed hereto) was been transfered the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 14888 dated 1-10-34 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons-

81—156GI|85

- Shri Javeswar Das Jain s/o Late Sri Shambhu Dayal Jain, Prempuri, Railway Road, Meerut.
- (2) Smt. Vijay Goyal w/o Sri Surendra Kumar Goyal, 229, Dalanpada, Meerut City.
- (3) -do-(Person(s) in occupation of the property).
- (4) -do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117 at Prem Puri, Railway Road, Meerut.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT FICE OF THE INSPECTING ASSISTANCE
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282. KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-29/85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 11 situated at Meerut (and more fully described in the Schadule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 15172 dated 9-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property of t

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri R. C. Goyal slo Ram Saran Das, 13, Lajpat Kunj, Agra-2.

(2) Shri Kanta Prasad Goyal s/o Doep Chand Gupta, 297-A, Naya Bacar, Sadar Meorut Cantt. (Transferec)

-do-

(Person(s) in occupation of the property).

-do-(4)(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11 Chaitanya Puran, Meerut.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13-6-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE NCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-31/85-86.—Whereas, I,

No. M-31/83-80.—Whereas, 1,

S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 2608 of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refused
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value caseeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
situated at Auglsey, The Mall, Mussoonic
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
the bean transferred under the Reciptation Act. 1908, (16

this been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi

under registration No. 930 dated 10-10-84 for an apparent consideration whichis less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax **Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri R. K. Jain & P. K. Jain, B-498, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gulsan Rai, E-36/12, Rajori Garden, New Delhi

(Transferee)

-do-(3) (Person(s) in occupation of the property).

-do-(4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, ot the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given h that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Auglsey, The Mall, Mussoorie, Distt. Dehradun.

S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 'Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP, LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur 208 012, the 13th May 1985

No. M-32/85-86 --- Whereas, 1, S. K. BHATNAGAR,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Involve-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinate referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Not situated at Vishna Birwan, I ibrary Road, Mussoorie (and more fully describe, in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and regimered with the Competent Authority up 269AB of the laid Act read with rule 48DD (4) of inconnector into 1962 under registration of the fathol 31-10-84 has been unstarted under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the Office of the registering Officer at at Mussoorie

at Mussoorie

at Mussoone for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the ob instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income drising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid protectly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Hit Saran s/o Late Sri Vishnu Dayal, Kishori Niwas, Birhana Road, Kanpur.

and the first th

(2) Shri Kosav Lal & Sti Ran Kumar s/o Sri Shyam 12, Athat Bazar, Dehradun.

('fransferce)

(3) -do-(Person(s) in occupation of the property).

(4)-do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afcreasid persons within a period of 45 days how the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said influentable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in ! laster X/A of our said Att. shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDO! !.

House at Library Mall II and Mussoorie, Distt. Dehradun.

S. K. BRATNAGAR Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE SECOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK,
KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

No. M-38/85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing situated at Sarwan Nath Nagar, Haridwar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1998) in the office of the Registering Officer at Haridwar

No. 2167 dated 1-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Jagdish Lal Bhutani s/o Harbans Lal Bhutani, R/o Sarwan Nath Nagar, Haridwar, Par Jwalapur, Teh, Roorki, Distt. Saharanpur. (Transferor)
- (2) 1. Shri Sai Das Arora s/o Sri Bakshi Kisan Chand Ji Arora, 2. Ajai Kumar Arora s/o Sri Sai Das Arora, R/o Bhingoda Road, Haridwar, Par. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur. (Transferee)

(3)-do-(Person(s) in occupation of the property).

(4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) it may other person interested in the said immovable payerty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Sarwan Nath Nagar, Haridwar, Distt. Saharanpur.

> S. K. BHATNAGAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985 Seal:

(3)

(4)

FORM IINS-

(1) Shri Krishna Lal Kohli, 16, Telephone Exchange, Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Basanti Devi, 10-A, Adarsh Nagar, Meerut.

Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. M-57/85_86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

No. 16 situated at Telophone Exchange, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 15441 dated 15-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax? Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

-do-

-do-

(Person in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows

to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16, at Telephone Exchange, Meerut.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. M-76|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immergable property, having a fair market value & Company Rs. 1460,000|- and bearing

No.....situated at Jaisa Ram Road, Haridwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar under Registration No. 2392 dated 31-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Harish Chand
 S/o Sri Raimal Das
 R/o Pceplan Nagar,
 P.O. & Pargana Jwalapur,
 Teh. Haridwar, Distt. Saharanpur.

(Transferce)

(2) Shri Yashpal Agrawal and Shri Subhash Agrawal S/o Shri Om Prakash Agrawal, R/o Bada Bazar, Haridwar, Distt. Saharanpur.

一种

(Transferce)

(3) ---do---

(Person in occupation of the property)

(4) —do---

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Jaisa Ram Road, Mayapur, Haridwar, Distt.,

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 13-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. M-110|85-86.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No. 30 situated at Kanwali Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Dehradun under Registration No. 8278 dated 22-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transftr; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Bir Singh
 S/o Shri Badan Singh,
 Village Kanwali, Pargana Central Doon,
 Distt. Dehradun.

(Transferor)

(2) 1. Sunita Bhasin
W/o Shri Ra vish Kumar
2. Smt. Sarla Rani Bansal
W/o Sri Krishna Murari,
124, Dhunsarwats, Dehradun,

(Transferor)

[Person(s) in occupation of the property]

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House at 30, Kanwali Road, Dehradun.

S. K! BHATNAGAR
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1985

Seat:

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK. KANPUR-208012

> > Kanpur-208 012, the 13th June 1985

Ref. No. M-111|85-86.—Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.0001- and bearing No.
1485 situated at Chowk Daulat Ram, Hathras,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi under Registration No. 1014 dated 31-10-84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
82—156GI[85]

(1) Smt. Ginia Devi, Smt. Meena Wadhera, Shri Pradeep Jain & Others, 345, Sector No. 9D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) 1, Smt, Radha Bai W/o Shri Mohan Lal, 2, Shri Sohan Lal, Shri Mukesh Kumar, Shri Ashok Kumar S/o Shri Kundan Lal Gali Malin, Hathras, Distt, Aligarh

(Transferee)

(3) —do—
[Person(s) in occupation of the property]

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Chowk Daulat Ram, Hathras, Distt. Aligarh.

S. K. BHATNAGAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 13-6-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN,

GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur,-208012, the 13th June 1985

Ref. No. M-116 85-85.--Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-tering Officer at Calcutta

No. 12 to 14 situated at Nawalpura, Khurja (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khurja under Registration No. 5909 dated 31-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties I as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kallash Chand Sharma S/o Shri Radhey Shyam Sharma, Village Nawalpura, Khurja.

(Transferor)

(2) Smt. Mayawati W/o Shri Shatar Singh, Village Nau Pathan, Ghas Mandi, Khurja, Distt. Bulandsahar.

(Transferee)

(3) —do—

(Person in occupation of the property)

(4) —do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THU SCHEDULE

House at Nawalpura, Khurja Diett. Bulandsahar.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-6-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LENIN PARK,

KANPUR-208012

Kanpur,-208012, the 13th June 1985

Ref. No. M-197/85-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to so the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 2341 situated at Sikarpur, Distt. Bulandsahar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bulandsahar under Registration No. 8933 dated 31-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inculitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Pawan Kumar
 S/o Shri Shyam Sunder
 R/o Shikarpur, P.O. Muktiwada,
 Distt. Bulandsahar.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar, Subodh Kumar & others. S/o Shri Om Prakash, R/o Shikarpur, P.O. Muktiwada, Distt. Bulandsahar.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Agricultural land No. 2841 at Sikarpur, Distt. Bulandsahar.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 13-6-1985

9-71

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th December 1985

C.R. No. 62|947|85-86|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Rs. 1,00,0001- and bearing K. No. 686/686/494 situated at Ravindranagar, Shivamoga has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shimoga on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. K. T. Sharadamma W/o Nagappa Hegde R. K. K. Marg, Shimoga,

(Transferor)

(2) Shri U. K. Shamanna S/o Kalasappa Gonda, Shanvally Village Koppa Taluk, Chikmagalur Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

THE STATE OF THE PROPERTY OF THE STATE OF TH

- (a) b, any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1674/84-85 Dated 11-10-84)

R.C.C. House in site 46' +52' situated in Ravindranagar Shimoga City.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 13-6-1985

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGAI ORE-560001

Bangalore-560001, the 12th June 1985

C.R. No. 62|948|85-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-Perty, howing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chalta No. 66 to 68A sheet No. 43 situated at Atmaram Borkar Road Panaji.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas under Documen: No. 906/203/84-85 dated 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temport of may income arising from the transfer, and /ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secular 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhicu Vinayak Sinai Matmo and His wife Mrs. Roshan Bhicu Sinai Matmo Alias Mrs. Netra Bhicu Sinai Matmo Trustees of Bipin Trust.

(Transferor)

(2) M/s. A.V.C. Investments & Trading Pvt. Ltd., 201/202, Kamakshi Niwas Dr. Atmaram Borkar Rd. Panaji—Goa-403001 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 906/203/84-85 Dated 28-11-84) Property admeasures about 462 mts. alongwith building at Panaji Municipal Limits.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 12-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31d June 1985

Ref No. 156|Oct. 84|R-II.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Property as specified in schedule to Doc. No. 1503/84

in the said instrument of transfer with the object of

situated at ______ (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 1503/84 on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Catholic Diocese of Thiruvella,

(Transferor)

(2) Sri A. V. Rm. V. Sankaranarayanan, aged 55 S/o A. V. Rm. Velayutha Mudaliar, Door No. 125, Tilakapuram, Ambasamudram-627401, Tirubelveli Dist.

2. Smt. Savithri Sankaranarayanan, Mudaliar, 125, Tilakapuram Railway Station Road, Ambasamudran-627401, Tirunelveli Dist.

3. Sri V. S. Velayutham S/o Sri A. V. Rm. V. Sankaranarayanan Mudaliar, 125, Tilakapuram Railway Station Road, Ambasamudran-627401, Tirunelveli Dist.

4. Smt. V. Subbulakshmi W/o Sri V. S. Velayutham, 125, Tilakapuram Railway Station Road, Ambasamudran-627401, Tirunelveli Dist.

5. Sri S. Sunderaraman S/o Sri A. V. Rm. V. Sankaranarayanan Mudaliar, 125, Tilakapuram Railway Station Road, Ambasamudran-627401, Tirunelveli Dist.

5. Sri S. Sunderaraman S/o Sri A. V. Rm. V. Sankaranarayanan Mudaliar, 125, Tilakapuram Railway Station Road, Ambasamudran-627401, Tirunelveli Dist.

7. Sri V. S. Murugan S/o Sri A. V. Rm. V. Sankaranarayanan Mudaliar, 125, Tilakapuram Railway Station Road, Ambasamudran-627401, Tirunelveli Dist.

7. Sri V. S. Murugan S/o Sri A. V. Rm. V. Sankaranarayanan Mudaliar, 125, Tilakapuram Railway Station Road, Ambasamudran-627401, Tirunelveli Dist.

8. Smt. M. Rajalakshmi W/o Sri V. S. Murugan, 125, Hakapuran Runway Station Road, Ambasamudran-62/401, firunelych Dist. 9. Sti V. S. Rajagopai S/o Sri A. V. Kin. V. Sankaranarayanan Mudaliar, 125, Idakapurain Kanway Station Koad, Ambasamudran-62/401, Tirunelve Dist. Sri R. Velayutham
 S/o Sri V. Ramasamy Mudaliar, Door No. 6, Agasmar East Street, Ambasamudram-627401, Tirunelveli Dut. 11. Sri R. Arumugham S/o V. Ramasamy Mudaliar, Door No. 5, Agasthiar East Street Ambasamudram-627401, Tirunelveli Dist. 12. Sri R. Sankarasubbiah S/o V. Ramasamy Mudaliar, Door No. 5, Agasthiar East Street, Ambasamudram-627401, Turunelveli Dist. 13. Sri Velayutham

5/o Sri V. Laksuminarayanan,
Door No. 14, Agasthiar East St.,
Ambasamudram, Tirunelveli Dist.

14. Sri Sethuraman
S/o Sri V. Laksuminarayanan,
Door No. 14, Agasthiar East St.,
Ambasamudram, Tirunelveli Dist.

15. Sri J. Sankaranarayanan Sri L. Sankaranarayanan
 Sro Sri V. Lakshminarayanan,
 Door No. 14, Agasthiar East St. Door No. 14, Agasthiar East St., Ambasamudram, Tirunelveli Dist. 16. Sri M. C. Menon, S/o T. V. R. Menon, 'PRAKASH', Palghat-678 013. 17. Smt. Rema G. Nair, 'PRAKASH', Palghat-678 013. 18. Sri P. Vinod Kumar S/o Sri M. C. Menon, 'PRAKASH' Palghat-678013. 19. Sri P. Thyagarajan S/o Sri P. Poonusamy, 35, Sambandhamoorthy Street, Madurai-625001. 20. Smt. Sulochana Thyagarajan 20. Smt. Sulochana Thyagarajan W/o Sri P. Thyagarajan, 35, Sambandamoorthy Street, Madurai-625001.
21. Sri S. Ravikumar
S/o V. R. Sundaram,
51, A/Z Workshop Road, Madurai-625001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by ary other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in Schedule to Doc. No. 1503/84. Coonoor.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 3-6-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MAUKAS-600 006

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 136|Oct.84|R.II.—Whereas, I, IRS. M. SAMUEL,

e.ng the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable superty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/nd bearing

roperty as specified in schedule to Doc, No. 1818 to 1837

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 928) in the office of the Registering Officer at inganallur|Doc. No. 1818 to 1937 in October 1984 or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than the per cent of such apparent, consideration and that the ften per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of insfer with the object of :-

- (a) familitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

(1) 1. Sri Perumal Koonor 2. Sri Krishnasamy and others. Coimbatore. Sri Perumalkonar and Sri Krishnasamy, Marudayeeran Koil Street, Konavaikalparayam, Colmbatore-1818. 2. Sri Dharamarajan and Sri Balachandran 36A, Railway Quarters, Bharath Bhavan Road, Mettupalayam. Sri Karuppannagounder,
 Ramasamy Gounder, Vellanoor, Coimbatore. 4. Sri Parvathiammal and others, 37, Mudaliar Street, K. V. Palayam, Kurichi Village Coimbatore Taluk. Sri Dharmalingam and Sri Balachandran, 36A, Raffway Quarters, Bharath Bhavan Road. Mettupalayam. 6. Sri Perumal Konar and Sri Krishnasamy Marudavearan Koil Street. Konavaikalparavam Colmbatore-1818. Sri Rayakkal and others, Boominathan Pillai Veedhi, Vellanoor. 8. Sri Kuppanna Gounder and others 4/14.,Suregounder Veedhi, Vellanoor.
9. Sri Venkatachala Gounder,

13/28, Duraisamy Veedhi, Vellanoor, CBE. Sri Kuppakkal, Kanjikoonampalayam, Vellanoor, CBE. 11. A. Natarajan Secrapalayam Village, Coimbatore. 12. Sri V. A. Thandavapillal and others, 12 Karuppanna Rayan Koil Street, Vellanoor, CBE. Sri Arumugakoonar,
 12/38, Perumalkoil Veedhi,
 K. V. Palayam,
 Vellanoor Village, Coimbatore. 14. Sri Chinnappakonar, 71, Marudaveeran Koil Street, K. V. Palayam, Trichy, Coimbatore. 15. Sri Mayappakonar, 63A, Chithannapuram, Vellanoor Road, Coimbatore. 16. Sri Thirumakkal and others, 80, Marudaveeran Koil Veedhi, K. V. Palayam, Kurichi, Colmbatore, 17. Sri N. Marimuthu, 8/72, Andavankoil Veedhi, K. V. Palayam, Kurichi Village, Coimbatore. 18 Sri N. Karuppannagounder and others, Subbiagounder Veedhi, Vellanoor, Coimbatore. 19. Sri K. Arasan and others, Vellanoor Gramam, Wathumodu Thothan, Coimbatore. 20. Sri K. Marimuthu and others, Vollanoor Village, Coimbatore, CBE (Transferor)

(2) The Sakthi Cooperative House Building Society Ltd., 73A, Sakthi Sugars, Race Course, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Vellanoor Village, Coimbatore, (Singanallur Doc. No. 1818 to 1837 84).

MRS. M. SAMUEL Commetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madrag-600 006

Deto: 6-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 6th June 1985

Ref. No. 137|Oct.84|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land at Vellanoor Village situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, '1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur|Doc. No. 1871 to 86 in October 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, cersons, namely:—

Sri Sengalikonar and other,
 Marudavceran Koil Street,
 V. Palayam, Kurichi,
 Coimbatore.
 Sri Krishnagounder,
 Vellanoor, Vellapalayam, Kennedy Road,
 Colmbatore.

Sri Nanjappa Udayar and others, Vellanoor, Udayar Veedhi, Combatore. Sri Palanichamy, Kennedy Road, Vellapalayam, Vellanoor, 5. Sri Ramakkal and others, Kennedy Road, Vellapalayam, Vellanoor. Sri Kangappagounder and others, Kennedy Road, Veliapalayam, Vellanoor. 7. Sri Pechiannakkonar, K. V. Palayam, Vellanoor Village, Coimbatore. 8. Sri K. S. Balasubramaniam, Vellanoor Road, K. V. Palayam, Coimbatore. 9. Sri Govindasamy, Vellanoor Road, K. V. Palayam, Coimbatore. 10. Sri Ramasamy Konar, Vellanoor Road, K. V. Palayam, Coimbatore. 11. Chinnayya Gounder and others, Chettiarthottam, Vellanoor Village, Coimbatore. 12. Smt. Parvathi, 4/21, Pattakara Lane, Vellanoor, Coimbatore. 13. Sri Venkatachalam and others, 4/21, Pattakara, Rangappa Gounder Veedhi, Vellanoor, Coimbatore. Sri Rajammal,
 Vedhi, Vellannor, Coimbatore. 16. Sri Thiruchengoda Gounder, 1, Indira Veedhi, Rangasaniv Gounder Street. Coimbatore. 16. Sri Palaniammal and others, K. K. Gounder Veedhi, Vellanoor, Coimbatore.

(Transferor)

(2) The Sakthi Cooperative House Building Society Ltd., 73A, Race Course Road, Coimbatore.

1. Sengalikonar and others,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at Vallanoor Village Coimbatore Taluk. (Singanallur S R.O.|1871 to 1886)

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 6-6-1985

(1) Shri Hiranand H Gangwani

(Transferor)

(2) Ms. Unyform Style

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACCUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. ARIV 37-EE 12588 84-85.-

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Shop No. 9, srauad floor, Sei bab Dham, Ramnagar, Borivli (W), Bombay-92

83-156GI 85

(area more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer wit instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9. graund floor, Saibaba Dham, Ramnagar, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|12588|37EE|84-85 on 1-10-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-5-1985

FORM FINS

(1) Mis. Bargeati Luddere.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Awanish G. Vidawalka:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISMICON RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 4th Jun: 1985

Ref. No. AR. II]37EE|22473|84-85.—
Whereas, I, YAXM Vi. D.A., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Office No. 5, by Floor, Track C. In requested, bomb r-54 (and more fully described in the Schoolule agreed hereto), has been transferred and the agreement is registered unassection 269AB of the Incomesury Act 1961 in the offic of the

the Competent Audiority it Bombay on 22-10-1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid cropping and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration describe by more than fifteen, per cent of such apparent manderation and that the consideration for such transfer as noticed to between the parties has not been truly stand in the said arrangent of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or where excets which have not been or which ought to be a sclosed by the transferer for the purposes of the ladius income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proper y may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the solvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said itemovable property, within 45 cays from the date of the publication of the netice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the name meaning as given in that

THE SCHEDULE

Office No. 5, on first Floor, Shri Baleji Dharhan, Tilak

Congression 5, on this ricon, san Baish Dharhan. Tilak Road, Santagraziwes Bomby 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombe, under Simil No. ATMI37EE 22473 84-85 on 22-10-1984

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, is pursuance of Section 2690 of the stud Act. I hereby initiate prospectings for the acquisition of the aforesaid property by the beam of his notice under orbisection (1) of Section 269D of the sale. Act to the following persons namely :-

Date: 4-6-1985

Scal:

(1) Satish Dhirajlal Mapara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

.(2) Deepak B. Dadarkar & Mrs. J. D. Dadarkar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13198|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to, as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Bombay
Flat No. 11, S.C.I. Usha Kiran Co.op Hsg. Sty. Ltd., Santacruz Sub way Rd., Santacruz, Bombay-54
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 5--10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income ro any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, S.C.I. Usha Kiran Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Santacruz-subway Rd., Santacruz, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37EE|13198|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-6-1985

(1) Bhagwari Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· (2) Mr. Bomi M. Pavil & Mrs. Gool B. Pavri. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a paied of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 3rd June 1985

(b) by any other person intensed in the said immovable

property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. II|37EE|13930|31-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Composent Authorit, ander Section 489B of the
Incomostax Act, 1965 34 of 1963 hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, adding a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing Office No. 4, 1st Plant, Tilek Poud, Sontactuz-west, Bombay-

> Explanation :-- The terms and expressions used herem as are demand a Chapter CNA of the said Act, shall have the rank countries as given in that

(and more fully described in the Schodule annexed hereto). has been transferred and agreement to registered under Section 269AB of the income tax Act, 1251 in the office of

Chapter,

Bombay on 29-10-1984 for an apparent of the Competent Au hority at Bombay on 29-10-1984 for an apparent of the local property as after market value of the local property as after said exceeds the apparent consequention therefor by more than officers near any order to the consequention therefor by more than fifteen per cont of such upo ucut consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of an around from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any sachiating the conceannent of any income of any sachiating the observation of the disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Office No. 4, 1st Floor, Shri balaji Darhan, Tilak Rd., Santaeruz-West, Bombay-f.

The agreement has been recisioned by the Competent Authority, Bombay in his section 229-10 1934.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-6-1985

- (1) M|s. Liberty Investments (P) Ltd.
- (Transferor)
- (2) Music Trinacle Road. (a public trust).

(Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37EE|13108|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 003. 14th Road, Langacruz-East, Combay-55
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been traceferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Incomp-tax Act 19 11 in the office of
the Competent Authority at
Bembay on 3-10-1984

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of saih apparent consideration and that the consideration are even managery by severed to between the parties has not between the parties had not between the parties ha

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Nadia Apts. 11th Road, Santacruz-East, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]13108[84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 3-6-1985

Seal

arothe TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 9(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGUII BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-H|3780 1010 1010 Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent An above enact prior 2692 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) it refinality referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000° and braring Flat No. 505. Nadia And In No. 1150, of T.P.S. III, S. No. 383. Bordt will are to the language of the language for the fair section 269AB of the fair to the language of the Competent Au herry of Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which I less than the fair market value of the aforesaid momenty and I have reason to believe that the for market like of the property as aforesaid exceeds the apparent ranket often therefor by more than fifteen per corn of whether the fair and immovable property, having a fail market value more than fifteen per cert of the party of consideration to any ordered as were at the between the parties has not open the service in the sold insmumeut of transfer with the object or .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income analy even the transfer; and/or:
- (b) facilitating the consecution of B latterne or any moneys or other basic while have are been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat. Acceedings in her appreciate of the storesaid property by his issue of this torior under subsection (1) of Section 2691) at the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mis. Liberty Invisaments Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Mohammed olymakhr Ce nentwola.
2. Mrs. Asina Mohammed Cementweles.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms of distributions used herein as ale defined in fourth XXA of the said give, in the Lington.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, Madia Apartmer 1, Flot No. 3|30, of T.P.S. III, No. 383 (Part), saisera z e, Bombay-54.

The agreement has been revistered by the Authority Bornes, ander John vio. AR-III/57FE]13203|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13421|84-85.— Whereas, I. LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. A-7. (38), 2nd floor, Arvasu Co-op. Society, T. P.S. No. VI, Rl., No. 1, Santacruz (west), Bombay

situated at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1951 in the office of the Competent Authority at Bombay 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Shrirang Wasudeo Sohoni.

(Transferor)

(2) Copt. V. Karunakaran.

(Transferee)

(3) Transferee

(Persons in occuption of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daysfrom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Charter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-7, (38), 2nd floor, Arvasu Co-op. Hsg. Sty., T.P.S. No. VI, Road No. 1, Santacruz-west, Bombay.

agreement, has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|13421|84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authorit Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-1 Bombae

Date: 3-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUSTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13264|84-85.—

Whereas, I, LAXMAN D'S being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to es the 'said Act') have reason to believe that the immensable to the section of the product that the immensable to the section of the product that the immensable to the section of the product that the immensable to the section of the product that the immensable to the section of the product that the immensable to the section of the product that the immensable to the section of property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 15, 3rd Floor, Juhn Co-op. Hsg. Sty. Linking Road,

Road, Goregaon (E), Bombay

Road, Goregaon (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedul, annexed hereto), has been transferred and agreement in registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in transcal of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M. P. Pante.

(Transferor)

(2) Mrs. Termia Krishman Samani.

(Transferee)

(3) Tian feite

(Person in occuption of the property)

Objections, a less, to the nagration of the said property may be more an writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the eforciald persons with a period of 4.5 days from the data of publication of this notice in the Official Gallitte or a teriod of 30 days from the certific of notice on the respective persons, which were period expired later;
- (b) by any more person intrested in the said immovable peopers, when 42 case from the date of the publication of the publication of the most in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shot lines the same meaning as given id that Change

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd Floor, Juhu Co-op. Ssg. Sty. Ltd. Linking Road, Bombay-54.

The agreement has been real, and by the Competent Authority. Rambay under Scriet No. AR-II/37EE/13264/84-85 on 5.10.1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombau

Date: 3-6-1985

(1) Smt. Sabire M. Sahib.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Ramesh P. Vira. Mrs. Rajul R. Virs. (Transferce)

(3) Transferee

(Persons in occuption of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13922|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. B-3, Kesar Ban Co-op Hsg. Sty. Ltd., 3rd Road. Santacruz-East, Bombay-55 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B3, Kesar Ban Co-op. Seg, Sty. Ltd. 3rd Rd., Santacruz-East, Bombay -55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seairal No. AR-II|37-EE|13922|84 85, on 2910-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 84-156GI|85

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13828|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Component Authority under Section 269B of the measurements. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 3-8, 1st Floor, Vasant Kunj Co.-op. Seg. Sty. Ltd. North Avenue, Santa cruz west, Bombay-54 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete),

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the albrevial property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan affined per count of such apparent consideration therefore by more than affined per count of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Surindra Kumar Jain

(Transferor)

(2) Ranjit Shankarlal Bhagat & Mrs. Virbala Ranjit

(3) Transferee

(Transferre)

(Persons in occuption of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons, whichever period expires later;
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEXPLANATION:—The terms and expressions used leaves as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3-B, 1st Floor, Vasant Kunj-Co.op. Hsg. Sty. Ltd., North Avenue Santacruz West, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|3-7EE|13828|84-85 on 26-10-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-6-1985

(1) 1. Shri Ashwin Kumar Shantilal Shah, 2. and, 2. Shri Hemant Kumar Shantilal Shah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Khosla Motors.

(Transferos)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II]37-EE|13832|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Shop No. 2, Anu Apartments, Plor No. 33, Subway Road,
Signtacruz, (W), Bombay-54 situated at Bombay
(and more fully descried in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the trausfer to pay test under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Anu Apartments, Plot No. 33, Subway Road, Santacruz(w), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|13832|84-85 on 26-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13694|84-85.— Whoreas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Alok Apartment, Flat No. 25, 2nd Floor, Plot No. 104 & 105 C. S. No. Santacruz-west, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any menoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nandita Damani.

(Transferor)

(2) Smt. Shivaben Aditram Chevli & Smt. Rekha Ramesh Chandra Doshi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occuption of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Alok Apartments, Flat No. 25, 2nd floor, Plot No. 104 & 105 Santacruz west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE]13694[84-85. on 26-10-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13791|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremarker referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|Shop No. 7 on Ground floor, in the Bldg. known as "Mangesh Apartments", Plot Bearing C.T.S. No. H|138, S. No. 142, Phiroz Shah St., Santacruz west, Bombay situated at Bombay 23.10.1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the gurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Dayalal V. Parmar & Mr. Shivlal V. Parmar.
 (Transferor)
- (2) Mr. Lakhamshi Bachubai Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occuption of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground Floor, Bldg known as "Mangesh Apartments" Plot Bearing C.T.S. No. H|138, S. No. 142, bearing at Phiroz Shah street, Santacruz West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-II|37-EE|13791|84-85 on 23-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Bombay

Date: 3-6-1985

Scal:

(1) Mr. Deepak P. Ahuia.

(2) Mrs. Veena D. Nandwani.

(Transferor)

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13606|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. D/33, 3rd floor, Santacruz Rameshwai Premises
Co-op Hsg Sty Ltd. Sitiuated att S. V. Road, Opp. Khira
Nagar, Santacruz (W), Bombay-54.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Competent Authority at Bombay

on 19-10-1984

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- · (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla tNo. D|33, 3rd Floor, Santacruz Rameshwar Premises Co-op. Hsg. Sty. Ltd., situated at S. V. Road, Opp. Khira Nagar, Santacruz-west, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under serial No. AR.II[37EE|13606|84-85 on 19]10|1984.

LAXMAN DAS Competing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-5-1985.

Soal :

(1) Inderlit Baruah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|S. Prime Enterprises.

(Tramferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AMSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|21986|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Office No. 24, II floor, Anju Shopping Centre, Santacruz West, Bombay, 54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the

Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followine persons, namely :---

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office No. 24, II floor, Anju Shopping Centre, Santacruz, West, Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE;21986|84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 1-6-1985, Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13702 84-85. - Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Mcome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No 101, 1st Floor, Nadia Apts, Plot No. 3, TPS. III,

10th Road, Santacruz East, Bombay-55.
situated at Bombay
tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the the Competent Authority at

Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the moresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alteresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Shafiullah Bechukhan.

(Transferor)

(2) Shri Nayankumar Hiralal Shah. Sri Kiritkumar Hiralal Shah, Sri Manubhai Hiralal Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovalbe property,, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101., 1st Floor, Nadia Apartments, Plot No. 3. TPS. III, 10th Road, Santacruz West, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13702|84-85 on 20-10-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Dated: 1-6-1985.

FORM ITNS ----

(1) Mr. Sushil Kumar Abrol

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shisheer Ramakant Pusalkar.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 19th June 1985

Ref. AR.II|37EE|13501|84-85.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and

Flat No. Al7, 3rd Floor, Versova, Andheri-West, Bombay,

Situated at tBomaby

has been transfer of ord the agreement is registered under Section 269 VP of the Lacom stax Act, 1961 in the Office of the Connetent Authority at Bombay on 12-16 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen; of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sebsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---85—156GI85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A 7. 3rd floor, Manik-Moti, Sarla Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Yari Road, Versova Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II. 37EE 13501 84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 196-1985

(1) Mr. Santokhasingh Uppal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Atul paints and Chemicals co.

"Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref., No. AR.III|37EE|20586|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00000|- udn bearing

No. Piece of land bearing sub plot No. 4 (pt) of Survey No. 250 (pt) CTS No. 18 (pt) of Mulund (W) Bombay

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bembay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fari market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfers andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys in other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of he limiter Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the send Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acceptable shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing sub plot No. 4(pt) of survey 250 (pt) CTS No. 18 (pt) of Mulund (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unde No. AR.[11]37EF|20586|84-85 dated; 1-10-84.

LAXMAN DAS
Competent Anhority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay.

Dated: 31-5-1985

FORM ITNS----

CANNO CONTENTO POLICIO PARA ESTA ESTA COMPANSA ESTA ESTA ESTA CONTENTA E

(1) M/s Lokbandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE RACOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomaby the 2nd May 1985

Ref. AR.II|37EL|13093|84-85.--Whereas I,

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iramovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 504, 5th Floer, Symphony-B, Plot No. 344, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered under singled at Bombay

on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been only about in the fail. Someth of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mr. Kishore M. Udhani and Reema K. Vidhani

- (a) by any of the aforesaid persons within a ported or 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th Floor, Symphony-B, Plot No. 344, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Osshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/13093/84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Dated 2-5-1985

The state of the s (1) M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. S. Saini and Mrs. Kamlesh Saini (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II 37-EB(13271 84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority uder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. Plat No. 705, 7th Ploor, Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58 situated at Bembay

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the the Competent Authority at Cembay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ig respect of any income arising from the trasfer: mad/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other pierson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705, 7th Floor, Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been tegistered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 13271 84-85 on 5 10 1984.

LAXMAN-DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985

Monl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13269|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Merchafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the namov able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing
No. Flat No. G_3, Ground Floor, Residency-B, Plot No. 38 S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andberi (West), Bombay-58 and rapre fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor is pay tax under me said hall, in respect of any income arising from the transfer; i est for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ian Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

'(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Velembath K. Narayanan

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-3. Ground Floor, Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARII;37EE!13269[84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Contaissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985

and the state of

(1) Ms. Lokhanwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Manisha N, Velembath.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|13268|84-85.-Whereas, I

LAXMAN DAS, being the Compsent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'; have reason to believe that the immer-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
No. Flat No. G-1, Ground Floor, Residency-B, Plot No. 38,
S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova,
Andheri (W), Bembay-400 058
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the

section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property at anoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the duction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of say shooms unising from the provider: nn#/or

(b) facilitating the supercelement of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immey-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-1, Ground Floor, Residency-B. Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scriel No. AR.II 37EE 13268 84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

Date: 27-5-1985

FORM LT.N.S.

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Sheetal N. Velembath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR,II[37EE]13267[84-85,-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 105, 1st Floor, Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Osbiwara, Versova, Andheri (W), Bombay 400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Andheri (W). Bombay 400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the offic of the Competent Authority at Combay on 5-10-1984 for the apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income enling from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Imposes-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Woulth-tex Act. 1937 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st Floor, Residency-B, Plot No. 38, S. No. (Part) Four Bungalows, Oshiwaar, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13267 84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-5-1985

Soal :

FORM ITNE

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(2) Mr. Hari Krishna Chowdhry and Mrs. Mecra H. Chowdhry.

(Trunsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13092|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heredualter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the increase

able property having a fair market value
Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 503, 5th Floor, Harmony-A, Plot No. 343
S. No. 41 (Patr), Four Bungalows, Oshiwara, Versova,

Andheri (West), Bombay-400 054

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of terreder with the object of te-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this sottee in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the probleming of this notice in the Official Gazette

BEPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning me given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th Floor, Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andherl (W), Bombáy-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13092[84-85] on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985

Seal: -

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION SIONER OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR,II|37EE|13996|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 506, 5th Floor, Residency-B. Plot No. 38, S. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W. Bombay-400 058 (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; THE PROPERTY OF and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons namely:— 86-156GI\85

- (1) M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)
- (2) Master Mahesh Narain Punjabi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506, 5th Floor, Residency-B. Plot No. 38. S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13996|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985

Seal;

FORM ITNE

(1) M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Nand Manghamal Punjabi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13995|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay 400 058

Bombay -400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.Π[37ΕΕ]13995[84-85 on 30-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 27-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kamladevi Parasramka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13157|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 607, 6th Floor, Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Benibay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Computert Authority at Bombay on 5 10, 1984 the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 607, 6th Floor, Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova Andheri (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|13157|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-5-1985

Scal:

(1) M|s. I.okhandwala Premises Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Nasir Dadarkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE[13211]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 304, 3rd Floor, Home Court. Plot No. 336, od S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Osbiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Home Court, Plot No. 336, od S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andher. (W). Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13211 84-85 on 10-5-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-5-1985

Scal:

(1) M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Geetu Narain Punjabi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writting to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13997[84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-ta), Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000]—and bearing
Flat No. 402, 4th Floor, Residency-B, Plot No. 38,

S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova,

Andheri (West), Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fint No. 402, 4th Floor, Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bom-

bay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|13997|84-85 on 30-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-5-1985

(1) M/s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Harsha Nand Punjabi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13998|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 203, 2nd Floor, Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

transfer with the object of :--

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and for

of the transferor to pay tax under the mid Act. in respect of any insome arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act.

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bornbay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13998 84-85 on 30-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 27-5-1985

FORM I.T.N.S.~

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2 Mr. Jagjit Singh Nagpal & Mrs. Surdarshan Nagpal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.JI|37EE|13017|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.
Flat No. 1303, 13th floor, Plot No. 351, Oshiwara, Versowa, Andheri-West, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Seguon 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fit to us the 'said Act'), have reason to believe that the

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.1303, 13th floor, Bldg. Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshivara, Versova Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay undr Srial No. AR.II 37EE 13017 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 30-5-1985.

Scal:

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Rahamuthulla Habib Tejani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13687|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 303, 3rd floor, Plot No. 344, Versova, Andheri-west,

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, Bldg. Symphony-A, Plot No. 344, S. No. 41 (part), Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13687|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competer Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dato: 30-5-1985.

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) Miss Santosh Upadadhyay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 30th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13405|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing Flat No. 1702, 17th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-

west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Λct, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1702, 17th floor, Bldg.-Nagnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13405|84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 30-5-1985.

87-156GI]85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 30th May 1985

Ref. ARJJ/37EE/13308/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 1410, 14th floor, Bldg. Magnum-Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (part), Versova, Andheri-west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Mis. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. Ram B. Sakharani.

(Transferee)

(4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (1) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1410, 14th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No.

357, S. No. 41 (part) Varsova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13308|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-5-1985.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-YFAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13390|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-anx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, Plot No. 344, Oshiwara, Versova,

Andheri-west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other asects which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mls. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.

(2) Mr. Raj D. Trivedi & Mrs. Nayana R. Trivedi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that ANDLAT.

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. Symphony-B, Plot No. 344, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheriwest, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13390|84-85 on 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-5-1985.

FORM FINE

(1) Smt. Kailash A. Das.

(Transferor)

(2) Mn. Ravi Puravankara.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 369D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref AR.II|37EE|13476|84-85.--Whereas, I,

Ref AR.II|37EE|13476|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saki Act'), have reason to believe that the inamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 16, Survey No. 30, N.A. No. 7, CTS No. 1125|10, near Bhangi Chawl & Ganga Bhavan, Versova Andheri, Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 16, Survey No. 30, N.A. No. 7, CTS No. 1125|10, near Bhangi Chawl & Ganga Bhavan, Versova, Andheri, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13476|84-85 Competent on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 30-5-1985.

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Harmohan Singh.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, ΒΟΜΒΛΥ

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 30th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. AR.II|37EE|13016|84-85.--Whereas, f, LAXMAN DAS,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

> Explanation: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 1304, 13th floor, Plot No. 351, Oshiwara, Versova, Andheri-west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), had been transferred and the agreement registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid by the same of the property as aforesaid to be aforesaid to the same of the property as a same of the property as a same of the property and the same of the property as a same of th orneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1304, 13th floor, Bldg. Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13016 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons namely :--

Date: 30-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13013|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/and bearing

No. Flat No. 1903, 19th floor, Plot No. 357, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid accounts and I have recognized.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fincen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s, Lokhandwala Estates & Dev. Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Ms. Make International.

(Fransferce) (persons in occupation of the property). (Person whom the undersigned anows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1903, 19th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (part) Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registeerd by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H 37EE 13018 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

Scal:

(1) M|s. Hiranandani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satpal R. Kapoor.

(Transferee.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACUISITION RANGE-II ROMBAY

(persons in occupation of the property). (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Bombay, the 27th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the sadersigned:---

Ref. No. AR.II[37EE[13711]84-85,---Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs., 1,00,000- and bearing

Nel-Flat No. 601 in Mercury Apte, behind Apna ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netless on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 601, in Mercury Apartments, at Hiranandani Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bom-

The agreement has been registeerd by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|13711|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-5-1985

والمرابع والمتلب والمرابع والمتابع والم FORM ITNS----

(1) M/s. Harishiyam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. B. R. Shah and Mrs. Nirmala B. Shah, (persons in occupation of the property). (Person whom the undersigned knows to be interested in the propert)y

(3) Smt. Vidyavati Kapur Trust (Owners).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985 *

Ref. No. AR.II|37EE|13903|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 601, Harishivam Apartments, J. P. Rd., Andheri, Bom-

bay-58

(and more fully described in the Schedule agnexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert) may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Harishivam Apartments, Kapur Builders, J. P. Rd., Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registeerd by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EF 13903 84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afaresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, camely --

Date: 27-5-1985

NOTICE LUNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13847|84-85.-Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Flat No. 61, C-Wing, 2nd floor, Rohit Apartments Versova, Andheri (West), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor her more than fifteen the property as a soft of each of e consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-88-156GI[85

(1) Hiralal Lalitkumar & Co.

(Transferor)

- (2) Mr. Khushroo Ardeshir Khobyar.
- (3) Transferor.

(persons in occupation of the property).

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property). (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, C-Wing, 2nd floor, Plot No. 52, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Off. J. P. Rd., Versova, Andheri-West, Bom-

The agreement has been registeerd by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13847 84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985

(1) Ms. Hiranadani Builders.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohamed Suleman Hariff.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR. II|37EE|13098|84-85.--Whereas, I, I.AXMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing No.
Flat No. M!507, Mercury Apts, behind Apna Ghar, Oshiwara, Adheri-west, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Compeetnt Authority

at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fake market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said 7Act. in sespect of any income arising from the C.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269Coof the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at Chapter.

THE SCHEDULE

"Flat No. M 507, in Mercury Apartments, at Hiranandani Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE|13098|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI, Bombay.

Date: 27-5-1985

FORM LT.N.S.-

(1) Mls. Lokhandwala Estate & Develop. Co. (P) Ltd., Transferor)

(2) Mr. Adriana R. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13747|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,099/-

Mat No. 1211, 12th floor, Magnum Towers, Versova,

Andheri-west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfereed and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

Bombay on 22-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consisteration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said hastrament of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same monning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1211, 12th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheriwest, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13747|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-5-1985 Seal:

(1) Mls. Lokhaudawala States & Develop, Co. (P) Ltn., Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Haresh Mulchand Aidasani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13707|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 705, 7th floor, Bldg. Premium-Towers, Versova, Andwheri-west, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nereln as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705, 7th floor, Bldg. Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheriwest, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13707 84-85 on 20-10-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 31-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises (P) Ltd.,

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sharad H. Bhatia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II[37EE[13750]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and

bearing No.

Flat No. 102, 1st doos, Bldg-Symphony-A, Plot No. 344, S. Np. 41 Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri-West, Bombay-sifted at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the vair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said manument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: wat/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Bldg. Symphony-A, Plot No., 344, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri-west Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13750|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 31-5-1985

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. AR. II|37EE|13751|94-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 701. 7th theor Plot No. 337, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, panely;—

(1) M/s. Lokhandwala Premises (P) Ltd.

Transferor)

(2) Radheyshyam Ridhkaran Faold & Mrs. Sanjay Radheyshyam Faold.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Bldg., Homestead, Plot No. 337. S. No. 41(Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13751|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 31-5-1985

Scal:

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd.

Transferor)

(2) Mrs. Guta R. Sakhrani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB **TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. AR.II|37EE|13391|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. 1409, 14th floor, 4 Bunglows, Versova, Andheri-

west, Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority it at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Flat No. 1499, 14th floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (part) 4 Bunglows, Versova, Andheri-west, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13391|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the collowing persons, namely:-

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. AR. II|37EE|13015|84-35.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding situated Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. Flat No. 1904, 19th floor, plot No. 357, Versova, Andheri-

west. Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Lokhandwala Estates & Development C. Ltd. Transferor)
- (2) Mls. Maks International.

(Transferce)

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven; in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1904, 19th flor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (part), 4 Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheriwest, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Autho-Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13015|84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay. Bounbay

Date: 31-5-1985

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. AR. II|37EE|13685|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DĀS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and nearing

Flat No. 706. 7th floor, 4 Bungloews, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceamient of any income or any atoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

89-156GI|85

- (1) Mis. Lokjandwala Estates & Develop. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Nisha Haresh Aidasaui.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person laterested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 706, 7th floor, Bldg. Premium towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13685|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

Scal:

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Miss Madhuban Kumar.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. AR. II|37EE|13247|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Flat No. 202 B, Atlas Rpts., behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parthy has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 B. Atlas Apartments, at Hiranandani Estate, Behind Apan Ghar, Oshiwara, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37EE]13247[84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-6-1985

(1) Ms. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER'SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Indo-Saigon Agency.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. AR. II]37EE|13077|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 11, Nebula Apts. Oshiwara, Andheri-west,

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the (flicial Gazette or a period of 20 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/):

Shop No. 11. Nebula Apartments, Hiranandani Estate, behind Apaa Ghar, Oshiwara, Audheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Ahthority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|13077|84-85 on 1-10-1984:

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-6-1985

Soul

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. AR. II 37EE 13244 84-85.—Whereas, I, LAXMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 12, Nebula Apts., Behind Apna Ghar Oshiwara, Andheri-west. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Mis. Apex Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. V. G. Mehta (HUF).

(Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 Nebula Apartments, Hiranandani Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andhori-west, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE.13244|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-6-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37EE|13904|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 202, in Harishivam Apartments, J. P. Road, Andheri, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority
Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or;

(b) facilitating the concealment of any income or any snopsys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes fee he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1)Mls. Harlshivam Builders.

(Transferor)

(2) Shri Narender Kunyar Sivraj Kothari & Smt. Saribai Kanakraj- Kothari.

(Transferee)

(4) Smt. Vidyavati Kapur Ti ist (Owners). (Person whom the undersigned konws to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

202 in Harishivam Apartments, Kapur Buildings, J.P. Road, Andheri, Bombay,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13904 84-85 on 27-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 3-6-1985

Scal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. AR.II|37EE|13078|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Ks. 1,00,000)- and bearing

Shop No. 9, Nebula Apts, Oshiwara, Andheri-west, Bombay, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or AM moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Ms. Apex Constructions.

(Transferor)

(2) M/s. Indo-Salgon Agency.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 9 Nebula Apts., Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13078 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-

Date: 3-6-1985

FORM ITNS ----

(1) Mis. Apex Constructions.

(Transferor)

(2) Ms. Indo-Saigon Agency.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. AR-II|37EE|13076|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No.

Shop No. 8, Nebula Apts, Oshiwara, Andheri-west, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/era
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Nebula Apartments, Hiranandani Estate, pehind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13076|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985

(1) Samartha Development Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Vasanthi Gopalkrishnan & Mr. P. G. Gopalakrishanan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

WFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE]13781]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 005, Groundfloor, Blsg No. A-3, Andheri West,

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as 'agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been of (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 005, Groundfloor, Bldg. No. A-3, of Apns Ghat Unit No. 13 Co. op Hsg. Sty. Ltd., at Oshiwara Shri Swaml Samartha Nagar, Near 4 bunglows, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Eombay under Serial No. AR.II|37EE|13781|84-85 on 22-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

Scal:

(1) Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ulhus Bhalchandra Raut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EF|13254|84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 105, 1st floor, Opp. 4 bunglows, Andheri West Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the ancome-tax Act, 1961, in the office of The Competent Authority

at Bombay on 15-10-1984

for un apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- th) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, off. J. P. Road, building No. C-14, Apna Ghar Unit No. 13 Co-op. Hsg. Sty Ltd., at Oshiwara, Swami Samartha Nagar, opp. 4 bunglows. Andheri West,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13254|84-85 on 15-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

90-156GI[85

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. Hiralal Bhagwandas Punjabi.

(Tiwisferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE RESISTANT COMMISSIONAL OF INCOME-FAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13303|84-85.-Whereas 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000]— and bearing Rs. 1,00,000]— and bearing Flat No. 405, 4th floor, Off. J. P. Road, Opp. 4 bunglows, Andheri West, Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-10-84 at Bombay on 8-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets. which have not been set which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act: 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Building No. A-22. Apna Ghar Unit No. 4 Co-op Hsg. Sty. Ltd., at Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, opp. 4 bunglows, Andheri West, Bombay_58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13303 84-85

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwan Ramchandra Gandhi.

(1) Ms. Samartha Development Corporation.

(Transferou i

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13044|84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. No. B-12, Andheri West, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

<u>Lat Bombay on 1-10-1984</u>

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Excilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income varising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressia property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o₁ a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. No. B-12, Apna Ghar Unit No. 11 Co-op Hsq. Sty. Ltd., at Oshiwara, Shree Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. 4 bunglows, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13044]84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

(1) Mls Sander Constructions Co.

Ms. Jayantilal Nemchand & Bros.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE]13821[84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value erreeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 2, on ground floor, Suader Park, Andheri West,

Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the nanster with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 on Ground Floor, Sunder Park, A-Building, Off. Veera Desai Road, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARAI[37EE]13821[84-85 on 26,10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Insome-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 29-5-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II;3/EF;13282|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1.00,000[- and bearing

Unit No. 32-A in Jaxmi Industrial Estate, Andheri West, Rombay

situated at Bombes

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Gampetent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affician per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and to.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls, Laxmi industrial Estate.

(Transferor)

(2) Kulwant Kaur Bindra, Surinder Singh P. Bindra.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No 32-A in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13282|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

')ate: 29-5-1985

beal;

(1) M/s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Aaymon Glues & Chemicals.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II[37FE]1303[84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Unit No. 32 L in Laxmi Industrial Estate, Andheri-West

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Rombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

"Unit No. 32 L in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri-west, Bombay-4000 058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombbay under Serial No ARJI 37EE 13037 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

vow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-5-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mls. Nahar Seth & Jogani Associats.

(Transferor)

(2) Mr. P. N. Krishnamurthy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TXX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OCCURNMENT OF DOMA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECIENC ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II]37FE|13691|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 210, 2nd floor, Everest Bldg, I. P. Road, Versova,
Andhert west, Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Ircome-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority Bombay at 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 210, 2nd Floor, Everest Bldg, J. P. Road, Versova Andheri, West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competnt Autho-Bombay undr Serial No. A.P.II|37EE|13691|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following ine persons, namely --

Date: 29-5-1985

Scal :

(1) M/s Laxmi Industrila Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jawala Industries.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II[37EE]13841[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Industril Unit No. 15, Off. Vira Desai Road, Versova, Andheri-west. Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Estate No. Industrial Unit No. 15 Phase No. C, Off Vira Desai Road, Versova, Andheri-west, Bombay.58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AP.II/37FE[13841/84-85] on 26-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 29-5-1985

FORM ITNS ...

(1) Mls. Nahar Seth & Jogani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mıs, Bhawana Ranjit Kapasi & Mr. Ranjit Chandulal Kapasi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Rombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13693|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1203 on 12th illoor, Everest Bldg. J. P. Road., Versova, Andheri-west, Bombay. Rs. 1,00,000|- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Commetent Authority Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in isospect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1203 on 12 floor, Everest-Building, Jay Prakash Road, Versova, Andheri-West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARTI 37EE 13693 84-85 on 20 10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

91-156GI|85

Date: 29-5-1985

(1) M|s. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushma Bhatnagar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13648|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

and bearing Flat No. 703 B-wing, 7th floor, behind ESIC Nagar , Versova,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilizating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lecome-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax. Act, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, B-wing, 7th floor, Abhishek Apartments. Behind ESIC-Nagar, 4bunglows, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13648|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the wind Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-5-1985

Scal :

- (1) Mis. Samartha Development Corporation (Transferor)
- (2) Smt. Kanchan S. Chaudhary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13844|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 006, Ground Floor, Apna Ghar Unit No. 1, Andheri-Wist, Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trunsferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay, on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax "Ast, 1957 (27 of 1997);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazett.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 006, Building No. 4-a, Ground Floor, Apna Ghar Unit No. 1, Co-op Hsg. Sty. Ltd., Off J. P. Rd., Opp. 4 Bunglows, Andheri. west Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13844|84-85 on 26-10-1084. the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13153|84-85.- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impact of 100,000, and henring

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 304, 3rd floor, Plot No. 159, 4 bunglows Rd.,

Versova, Andheri-west Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely

(1) Mls. Evershine Associates.

(Transferor)

- (2) The Cochin Malabar Estate and Industries.
 ((Iransferee)
- (3) Transferee.
 (Persons in occupation of file property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, third Floor, Plot No. 159, Samunder Darshan Co-op Hsg Sty Ltd., Four Bunglows Road, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE[13153]84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Pate: 29 5-1985

(1) M/s. Dev Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Albert Menezes & Mrs. Iona Menezes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ВОМВЛУ

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13723|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'mid Act'), have reason to believe that the immercials property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 202. Bldg. Canvera. C. T. S. No. 1885, 1085|1, &

1085 2, Jai Prakash Rd., Versova, Andheri, Bombay.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 260AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

at Bombay on 20-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair surket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly except in said. between the parties has not been truly stated in the said sustrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aferward persons within a period of 43 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein use defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

- (6) fielditating the reditation or eracion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in out of they increme arising from the transfers ind/m
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Bldg. Canvera, C. T. S. Nos. 1085, 1085|1 1085|2, Jai Prakash Rd., Versova, Ardheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II[37EE][13723]84-85 on 20-10-4984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

Séal :

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Shri Yeshawant Baburao Kharade & Shri Vasant Yeshwant Kharade.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13297|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and beauing No. Flat No. 403, 4th floor, off. J. P. Road, opp. 4 bunglows, Andheri-west, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-10-1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or oversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the unblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, Building No. A-22, 4th floor, Apna Ghar Unit No. 4 Co. op. Hsg. Sty. Ltd., at Oshiwara, Off J. P. Road, opp. 4th Bunglows, Andheri-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13297|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Shri Vijay Rajender Singh and Miss Babra Singh.

(Transferee)

NOTICE TINDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-**SAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT: COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No., AR,II 37EE 13521 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor, Apna Ghar unit No. 4 Co. op. Hsg. sty. Actd., Andheri-west, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Conspetent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pers. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Building No. A-25, 4th floor, Apna Char Unit No. 4 Co. op. Hsg. Sty. Ltd., at Oshiwara, Shree, Swami samartha nagar. off. J. P. Road. opp. 4 bunglows, Andheriwest, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Rombay under Scrial No. AR. II 37EE 13521 84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 29-5-1985

- (1) M/s. Samartha Development Corporation.
 - (Transferor)
- (2) Furgan Anwar Khan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13780|84-85.—Whereus, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 408, 4th floor, Off. J. P. Road, Opp. 4 bunglows, Andheir weet. Resolventy Sec.

Andheri-west, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration ration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408, 4th floor, Building No. A-19, Apna Char Unit No. 5 Co-op, Hsg. Sty. Ltd., at Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. 4 bunglows, Andheriwest, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13780|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

Scal:

(1) M|s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharanjit Tulsiram Ratian.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13645|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 008, ground floor. Apna Ghar Unit No. 3 Co. op. Hsg. Sty. Ltd., Andheri-west, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269 NB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for at apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

92—156GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 008, Building No. B-2, Ground floor, Apna Ghar Unit No. 3 Co. op. Hsg Sty Ltd., at Oshiwara, Shree Swamy Samartha Nagar, Off. J. P. Road, opp. 4 bunglows, Andheriwest, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13645|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Keshavsharan Shivshankar Arora and Snit. Kuntidevi K. Arora.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 29th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|13852|84-85.-Whereas, I,

Competent Authority

Ref. No. AR.II[37EE]13852[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 108, 1st Floor, Oshiwara, Andheri-west, Bombay-58, situated at Bombay.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the

at Bombay on 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 108, Building No. A-6, 1st floor, Apna Ghar Unit No. 1 Co-op Hsg. Sty Ltd., at Oshiwara, Shree Swamy Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. 4 bunglows, Andheri-.west-Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13852|84-85 on 26-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assisfant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Date: 29-5-1985

(1) Inderin Properties (P) Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamlesh Vasantlal Javeri & Shrikant V. Javeri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13875[84-85.—Whereas, I, *LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 2, 7th floor, A-Wing, Plot No. 8A, 8B Versova

Andheri-west, Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Competent Authority at Bombay on 27-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wonlineth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the published cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 7th floor, A-Wing, Bldg.-Town Towers Plot No. 8A and 8B, S. No. 41 (Part), Oshiwara Village, 4 bunglows, Off. J. P. Rd., Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13875|84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-5-1985

(1) M|s. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ram Abhilash Pandey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Rombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.11|37EE|13173|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Unit No. 4-G, in Laxmi Industrial Estate, Andheri-west, Rombay.

situated at Bombay

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the compalment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 4-G, in Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Extension, Andheri-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13173|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

(1) M/s. Atul Builders & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Praful Dwarkanth Rege.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.IIJ37EEJ13532J84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have tenson to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 101, Sea Pearl, C. T. S. No. 1318/1, 90-Off-Versova Rd., Andheri-west, Bombay-58 (and more fully described in the schedule anexed hereto), has been transferred and agreement is registered under

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at at market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Fair Market Value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 101, Sca-Pearl, C. T. S. No. 1318/1, 90-Off-Versova Road, Opp. Pratab Society, Andheri-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37BE 13532 84-85 on 15-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13566 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 77, 7th floor, C-Wing, Flot No. 12, Village Oshiwara, Andheri, Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Aashirwad Enterprises.

(Transferor)

(2) Miss Rohiani Dinkar Alhat.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation or the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 77, 7th floor, C-Wing, Plot No. 12, Building Abhishek, Oshiwara, Andheri-west, Bombav. The agreement has been registered by the Abhishek, Oshiwara, Andheri-West, Bombay. Competent 85 on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Samartha Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Raghunath Patil.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR. II/37EE/13817/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authrity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000] and bearing Flat No. 003, ground floor, near 4 bunglows, Andhert-West, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

West Hombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Fombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (R7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same assuming as expering that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Building No. B-11, Ground floor Apna Ghar Unit No. 11 Co-op. Hsg. Sty. Ltd., at Oshiwara, Shri Swami Samartha Nagar, near 4 bunglows, Andheri-Wast, Bombay-58. The agreement has been registered by the Competent Authority, under Serial No. AR.II]37EE|13817|84-85 on 26-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

Seal

FORM ITNS-

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Deepti Dilip Pandit.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. Al AR. II 37EE 13811 84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 207, 2nd floor, Apna Ghar Unit No. 7 Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Andheri-West, Bombay-38, situated at Borday.

situated at Bornbay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-10_1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd floor, Bldg. No. B-6, Apna Ghar Unit No. 7 Co-op. Hsg. Sty. Ltd., at Oshiwara, Off. J. P. Road, Opp. 4 bunglows, Apalleri-West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]13811[84-85 on 23-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secrion (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :---

Date: 29-5-1985

للمنافضة والمستوالية والمستوال FORM ITNS-

(1) M/s. Samartha Development Corporation. (Transferor)

(2) Shri Naresh Jayantilal Engineer. & Smt. Pragna Naresh Engineer.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCXME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR. JI[37EE]13801[84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Building No. A-3, Flat No. 405, 4 bunglows, Andheri-West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement in registered under has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument. ment of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netlee in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cucht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 405, Building No. A-3, 4th floor, Apna Ghar Coop. Hsg. Sty Ltd., at Oshiwara, Shrer Swamy Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 hunglows, Andheri-West, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|13801|84-85 on 25-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Communication of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-93---156GT|85

Date: 29-5-1985

Sea :

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13337[84_85.--Whereas, I

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing Flat No. 504 Plot No. 68 Kamal Apartments, 4 bunglows, Versova, Andheri West, Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rombar on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesting therefor the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and has the smalleration for such apparent consideration and the smalleration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the mirposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Bhagat & Kapoor Hag. Development (P) Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Euby Vaguez,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, Plot No. 68, Building—Kamal Apartments, 4 Bunglows, Versova Andheri-West, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13337|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

Scal:

(1) M/s, R. N. A. Builders.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said progerty may be made in writing to the undersigned :--

(2) Mrs. K. Umadevi & Mr. Jaganath Rao,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

AR. II/37EE/13839|84-85.-Whereas I, Ref. No LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Room No. 55, 1st Floor, Andheri West, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such the seer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Room 55, 1st floor, Roshanlal Shopping Arcade, Andherl-West, Oshiwara Off. J. P. Rd., S. No. 41 (part), Near Apna Ghar, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13839|84-85 on 26-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferm for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 : 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Aut. 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac to the following persons, namely :--

Date: 29-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13680|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

No. Room No. 57, 1st Floor, Off. J. P. Rd., Andheri, W. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facintaining the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and first
- b) facilitating the concealment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Ms. Makanmal Dwarkadas (HUF).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this section in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Room No. 57, 1st Floor, O. J. P. Rd., Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13680/84_85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

(1) Ms. R.N.A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Midtown Housing Agency.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13666|84-85—Whereas, I LAXMAN AS being the Competent Authority under Section 2691) of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (herein referred to as the Said Act) have reason to believe that the immov_b, property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. and bearing

No. Room No. 48, Reshanial Aggarwal Shopping Arcade, Off J. P. Rd., Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annual hereto),

has been transactred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Ac., 1961 in the Competent Authority

at Rombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(a) facilitating the erduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, withinforty five days from the date of the publication of this, notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 8—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 48, Roshanial Aggerwal Shopping Arcade Off. J. P. Rd., Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13666|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, Bombay

Date: 29-5-1985

Scal :

FORM LT.N.S.

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rahiabhai Dawood Rangoon Wala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE][3252]84-85.—Whereas, I

LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing
No. Room No. 63 1st floor, Off. J.P. Rd., near Apna Ghar,
Anrehri (W), Versova, Bombay
(and more fully described in the Schedule supered hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 63, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shnpping Arcade, O. J.P. Rd., S. No. 41, near Apna Ghar, Andheri West, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Sombay under Serial No. AR.II|37EE|13252|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

Scal:

(1) Ms. R.N.A. Builders.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. D. Narwani & S. P. Ghanshani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire, late.;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the s said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II|37EE|13253|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. Shop No. 65, Off. J.P. Rd. S. No. 41, Andheri West,

Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Λet, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Agt. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Shop No. 65, Off. J.P. Rd., S. No. 41, Andheri (W), Versova, Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13253|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

Scal:

(1) M|s. R'N.A. Builders

may be made in writing to the undersigned

(Transferor)

(2) Mrs. Maya Lalchand Bhambhani,

HANNER COMPANIES MAINTENANT CONTRACTOR OF THE STATE OF TH

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13668[84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 73, 7th floor, Off. J.P. Road, near Apna Ghar, Andheri West, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed so between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the initial property

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin a fare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 73, 7th floor, Off. J.P. Road, S. No. 41, near Apna Ghar, Andheri West, Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR,II|37EE|13668|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) Mrs. Rahul Jain & Mrs. Nidhi Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13669|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 64, Saranga Tower, Off J. P. Road, S. No. 41, Andheri West, Bombay-58 situated at Bombay

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), this been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- ' (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 64, Sara

Off. J. P. Road, S. No. 41, Andheri (W), Bombay-so.

The agreement has been registered by the Competent. Authority, Rombay under Serial No. AR. II 37EE 13669/84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-94-156GI 85

Date: 29-5-1985

Scal:

FORM ITES

(1) Ms. R. N. A. Builders

(Transferor) '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok Lalchard Bhambhani.

(Transferee)

. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13670|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 84_8th boor, Saranga Tower Off J. P. Road,
Andheri West, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annered hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the lncome-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

ot Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respoctive persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

of the sale EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 84, 8th floor, Saranga Tower, Off. J. P. Road Andheri West, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13670|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

Seel:

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTE: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Veronica Molly.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE_II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13255|84_85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Plat No 21, 2nd Floor, Off J. P. Road, Versova, Andheri West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) as the said Act. or the Wealth-tex Act, 1957 2427 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Off J. P. Road, S. No. 41, Near Apna Ghar, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II;37EE|13255|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

Scal:

FORM ITNE

(1) M.s. R. N. A. Biulders.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanwar Ameer.

Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

AR. II[37EE]13671[84-85—Whereas. I, No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 64, 6th floor. Manju Tower, Off. J. P. Road, S. No. 41, Andheri West, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acquisite shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 64, 6th floor, Manju Tower, Off. J. P. Road, S. No. 41, Andheri (West). Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|13671|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaind property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-5-1985

(1) M/s. R. N. A. Biulders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neelu M. Bachani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13840|84-85.-Wherens, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No.

Room No. 42, B-Wing, Arcade, Osiwara, Andheri (West), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Rombay on 26-10-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, mi/in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given la that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 42, B-Wing, 4th floor, Roashanlat Aggarwala Shopping, Arcade, Oshiwara, Andheri West, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13840|84-85 on 26_10-1984.

> LAXMAN-DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

(1) M/s. R. N. A. Biulders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh Kodumal Ramchandani and Mrs. Bhagwati Ramchandani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13675|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 101, 10th floor, Off J. P. Road, Andheri West.

Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same now wing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rosharlal Aggarwal Complex, Flat No. 101, 10th floor, Saranga Tower, Off. J. P. Road, S. No. 41 (Part), Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13675 84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Agnes Carmeline Desouza.

may be made in writing to the undersigned :-

('Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13254|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of ine Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing Flat No. 51, 5th floor, Versova Andheri (W), Bombay

situated at Bombay (and More fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred and agreement is registred under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- transfer with the object of :---
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; Teil/et
 - (b) facilitating the concealment of say income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for _the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Nanju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Versova, Off. J.P. Road, S. No. 41, Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37-EE|12354|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) M/s. R. N. A. Bullders.

(Transferor)

(2) Mr. Gobind D. Panjanani Mrs. Kamala G. Panjanani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13674|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 83. 8th floor, Santosh Tower, Off. J.P. Road, S. No. 41. Andheri West, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been ransferred and agreement is registred under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair matket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the unblifty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been us which ought to be disclosed by the transferee tot the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

· Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanial Aggarwal Complex Flat No. 83, 8th floor, Santosh Tower, Off J.P. Road, S. No. 41, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37-EE 13674 84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inconstax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-5-1985

PART III - SEC. 11

FORM ITNS

(1) Ms. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumitra G. Rao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|13673|84-85.---Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 53, 5th floor, Manju tower Versova, Andheri (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been ransterred and agreement is registred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the universigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as green in

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 53, 5th floor Manju Tower, Off.J. P. Road, Versova, Andheii West, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13673|84-85 of 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-5-1985

Seal :

95—156GI[85

FORM I.T.N.S.

(1) Mls. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Agnelow Francis Fernandes.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13256|84-85.-Whoreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 61. Ist Floor, Andheri West, Versova, Bombay

situated at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ransferred and agreement is registred under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the protein here not been traily trained in the protein here to be the protein here. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshalnal Aggarwal Shopping Arcade, Room No. 61, 1st floor, Andheri West, Versova, S. No. 41 (pt) near Apna (Jun, Off. J.P. Road, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13256 84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-5-1985

(1) Mis. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Vidushi A Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II 371 E 13612 84-85 .- Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Flat No. 709, 7th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 4957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which were period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 709, 7th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Pt.) Fourth Bunglows, Versova Audheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11|37EE|13612|84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI **BOMBAY**

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II[37EE[13610]84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

and bearing Flat No. 710, 7th floor, Plot No. 357,

instrument of transfer with the object of :-

Versova, Andheri-West, Pombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as asseed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mis. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.
 - . (Transferor)

(2) Mr. Anil Kumar N. Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication, of this notice in the Official Gazette. .

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 710, 7th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13610[84-85] on 19-J0-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of theome-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 31-5-1985

5. .

FORM ITNS --

(1) M|s. Lokhandwala Estates and Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Divya A. Gupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

AR. II|37EE|13609|84-85.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 712, 7th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement in an extension. ha, been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fall market value of the faoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 · (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 712, 7th floor, Plot No. 357, Bldg. Magnum Towers, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-

West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE 13609 84-85 on 19-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dte: 31-5-1985

(1) M/s. Lokandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Alka A. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13611|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000| and bearing Flat No. 711, 7th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-west, Bombay (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as after in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 711, 7th floor, Bldg, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 Four Bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13611|84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 29-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Lalkhandwala Premises (J) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Chheda B. Keshavji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|371 E|13613|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,69,600]-

and bearing.
Flat No. 604, 6th floor, Plot No. 344,
Versova, Andheri-west, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Empetent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Plot No. 344, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, "Symphony-B" Versova (Andheri-West Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, 11|37EE|13613|84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5 1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Lol andwala Premises (P) Ltd.

(Transferor) (2) Mr. B. Vasanth & Mrs. Shalini Vasanth.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EF|13607|84-85.-Whereas 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 604, 6th floor, Plot No. 38, Versova, Andheri-west, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Plot No. 338, S. No. 41 (Part), Bldg. Arena-B, Four Bunglows, Versova, Andheri-West,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13607|84-85 on 19-10-1984.

> LAXMAN DAS Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-5-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13985 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, 4th floor, Plot No. 38, Versow, Andheri West, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ngreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sau Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
96—156|GI|85

- (1) M/s. Lokandwala Premises (P) Ltd.
- (2) Mr. Prakash Pitambar Punjabi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Flat No. 402, 4th floor, Bldg. Residency. A, Plot No. 38, S. No. 41, (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-West,

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13985|84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 29-5-1985

FORM ITAS ----

- (1) M/s. Lokandwala Premises (P) Ltd.
- (Transferor) (2) Mr. Pitamber M. Punjabil & Others. (Transferce)

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13986|84-85.-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor, Plot No. 38, Versova, Andheri-west, Bombay (and more fully described in the selection and the content of the content

(and more fully described in the schedule annexed hereto), (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984 to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning priven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 13986 84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authors, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-5-1985

manager, to the most important material to constitute a function of the state of th

(1) Ms. Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Chandra G. Punjabi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR,II|37EE|13987|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 35, B-Wing 3rd fi. Flat No. 401, 4th floor, Plot No. 38, S. No. 41, Versova, Andher west, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984.

at Bombay on 29-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tramfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by easy of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Bldg. Residency-B, plot No. 38, No. 41, Four Bungtows, Versova, Andheri West, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13987/84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the fame of this metics under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M|s. Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Girdhari Manghanmal Punjabi.

may be made in writing to the undersigned :-

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13988|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

bearing No.

Flat No. 403, 4th floor, Plot No. 38, Versova, Audheri (W) (and more fully described in the schedule unnexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazage.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor Plot No. 38, Bldg. Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Aut-Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13988 84-85

hority, Bombay on 29-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 29-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Dhanibai M. Punjabi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13989|84-85.--Wheeras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 505, 5th floor, Plot No. 38, Four Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984. The an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been regsitered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE|13989|84-85 on 29-10-1984.

Flat No. 505 5th floor, Bldg. Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (P), Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-5-1985

(1) Mis. Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Master Bharat Pitamber Punjabi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. - No. AR.II|37EE|13994|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 506, 5th floor, Bldg, Residency-A, Versova, Andheri

West, Bombay.

(and more fully described in the schedule below)
has been transferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 29-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Baplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 506, 5th floor, Bldg. Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13994|84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforenaid property by the issue of this notice under sub-socion (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, memory :--

Date: 29-5-1985

FORM LT.N.S.-

(1) M|s. Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)
(2) Mr. Manghanmal Raharankhional Punjabi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR,II|37EE|13990|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No.

Flat No. 305, 3rd floor, Plot No. 38, Versova Andheri West

Bombay.

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said 'Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gueztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, Bldg. Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|13990|84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate properedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-5-1985

(1) Ms. Tristar Builders.

(Transferor)

(2) Shri Kamlakar Damodar Attarde.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13827|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!and bearing

Flat No. 201, 2nd floor, T. P. S. II, J. P. Road, Desai Road Junction, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority

at Rombay on 26-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any iscome unising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income Of any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the gaid Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said isomovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 29, T.P.S. II, J.P. Road, Flat No. 201, 2nd floor Nalin Apt. Veera Desai Road, Junction, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13827|84-85 on 26-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-5-1985

(1) Mls. Vandhan Estate (P) Ltd.,

(2) Mrs. Asha S. Saraswat Mr. S. Saraswat. (Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE[13456[84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-and bearing

Flat No. 503, 5th floor, in Pink Apts, 7 bunglows, Versova

Road, near Garden, Bombay-61, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 26° B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Co.fipetent Authority at

Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property Property bearing No. 95|B, Sarawathipuram, Mysore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms nand expressionus used herel as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Pink Apartments, 7 bunglows, Versova, Road, near Garden, Bombay-61.

The agreement has been regime cd. by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13456/84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

97---156GI|85

Date: 28-5-1985

Seal;

FORM ITN9----

(1) M/s. Urban Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Uma P. Singh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombny, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13580|84-83.-Whereas, I. I.AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 122, 12th floor, in Amit Apts, near Lokhandwala Complex, Bombay-61.

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

. (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 122, 12th floor, in Amit Estate, Off, J. P. Rd., 4 bunglows, near Lokhandy, ala Complex, Bombay-61,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 13580 84-85 on 16-10-1984

LAWMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 28-54035

(1) Mls. Urban Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. P Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR. 4 | 37EE | 13579 | 84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 121, 12th floor, Amit Estate, 4 bunglows, near

Lohandwala Complex, Andhen-west, Bombay-61,

stanted at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-10-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Enurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 121, 12th Goor, in Amit Estate, Off. J. P. Rd. Four Bunglows, near Lokhandwaia Complex, Andheri-west,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13579|84-85 on 16-10-1934

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

Tarrico and all of

FORM ITNS

- (1) Mis. Lokhandwala Estate and Development Co. (P) Limited.
 - (Transferor)
- (2) Shri Ram B. Sakharani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. No. AR.II|37EE|13490|84-85.--Whereas. J.

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sand Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 1310, 13th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-

west, Bombay,

siluated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12 10-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and!or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wanta ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ... Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice is the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1310, 13th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheriwest, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|84-85 Authority, Bo. on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Suthority Inspecting Assistant Commissioner of Tome-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Vimal Constructions.

(Transferor)

(Trausferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13288|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Shop No. 3, Ground floor, Nand-Kripa Annex, Shopping Centre, Andheri-west, Bombay-58, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1s. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Adg.—1957 (27 of 1957);

(2) Shri Ramchandra Parmeshwar Sharma.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Nand-Kripa Annexe, Shopping Centre, 4 bunglow R.I., Andheri-west Bombay-58.

Authority, Bombay ander Serial No. AR.II 37EE. 13288 84-85 on 5-10-1984. The agreement has been registered by the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-5-1985

(1) Ms. Western Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Singh Tejinderjit Gurdian Singh & Kaur Joginder Tejinderjit Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13222|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 109-D, 1st floor, D-Bldg. Yari Gully Versova, An-

dheri-Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said execteds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (51 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that

THE SCHEDULE

Flat No. 109-D, 1st Floor, D-Bldg. Inkaks Nagar, Yari Gully Versova Andheri, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR.III37EE 13222 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-5-1985

(1) M|s Prakash Construction Co.

(Transferc*)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinodkumar Chiranjilal Khanna & Mr. Kishorekumar Ghiranjilal Khanna,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said prope

(a) by any of the aforesaid persons within a peri-

(b) by any other persons interested in the said imme

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein

in that Chapter,

able property within 45 days from the date of

publication of this notice in the Official Gazette

are defined in Chapter XXA of the s Act, shal lhave the same meaning as given

of 45 days from the date of publication of t

notice in the Official Gazette or a period of 30 da

from the service of notice on the respective perso

(Transfere

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13581|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Shon No. 10, Ground floor, Bldg. No. 1, Amit Nogar,

Yari Rd., Versova, Bombay-61,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of situated at Bombay

Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Authority, Rombay under Serial No. AR II 37EE 13581 84-85 on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Shop No. 10 Ground floor, Bldg. No. 1, Amit Nagar, Yari Road, Versova, Dombay-400 061.

Date: 28-5-1985

FORM ITNS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s Vardhan Estates (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vijay K. Ghosalkar, Shri Subas K. Ghosalkar & Ravi K. Ghosalkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE[13481]84-85.--Whereas, J.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 3rd floor, A-bldg, Pink Apts, near 7 Banglews, J.P. Rd., Versova, Bombay-61,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the

office of the competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

....w., therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 3rd floor, A-bldg, in Pink Apartments, near 7 bunglows, J.P. Rd., Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37|13481|84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

FORM ITNS ----

(1) M[5 M. R. Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Juthika Exports.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13964 84-85, - Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 121 on the 1st floor, Andheri Versova Road, Andheri-West, Bombay.

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984,

consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 121 on the 1st floor, in the Building Andheri Industrial Estate. Versova Road, Andheri-west, Bombay. The agreement has been registered by the Competent tuthority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE[13964] 84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-II, Bomba

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

Plate . 28-5-1985

Send :

98-156GI[85

FORM ITNS----

(1) Inderjit Properties (P) Ltd.

(Transferor)

ROTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Damjibhat Narayanbhui Patel, Damjibhai Laymanbhai Patel and Mahadeybhai Nanjibhai Patel. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMEAY

Bombay, the 28th May 1985 Ref. No. AR.II[37FF[13877]84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 9, ground floor, Twin Towers, Plot No. 8A, 'B', S. No. 41, Villag Oshiwara, Versova Andheri-West, Paparabus.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerre.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, on groundfloor, Building Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41. Village Oshiwara, 4 bunglows, Off. I.P. Rd., Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13877|84-85 on 27-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bomb.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28 5-1985

Seal.

FORM ITNS----

(1) Inderjit Properties (P) Ltd.

(Transferor) (2) Kamlesh Vasantlal Javeri & Shrikant Vasantlal faveri.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE[13876]84-85. --Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 3, on 7th fleor, Bldg. Twin Towers, Village Ochtwara, 4 bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds th eapparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-till Ach_1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a poriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on 7th flor, Building Twin Towers, Plot No. 8A & 8B, S. No. 41 (Part) Village Oshiwara, 4 bunglows, Off. J.P. Road, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13876|84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-5-1985

(1) M/s Pam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Charu P. Mehta (C.V. Shuh)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUÍSITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR. II[37EE]13836[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and

bearing No.

Flat No. 401, on the 4th floor, Pam Apts, Yari Road, Off. J.P. Road, Versova, Andheu-Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, on the 4th floor, Pam Apartments, Yari Road, Off, J.P. Road, Versova, Bombay-53,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11[37EE]13836[84-85 on 26-10-1984.

LAMMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR. II | 37FH | 13804 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 201, on the second floor, Pam Apts. S. No. 25, H. No. 1, S. No. 26 H.N. 2, of Village Oshiwara, Versova,

Andheri-West, Bombuy-58, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons,

namely:

(1) M|s Pam Builders.

(Transferor)

(2) Mr. L. Krishnan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, on the 2nd floor, Pam Apt. Plot Bearing S. No. 25, H. N. 1, H. N. 2, of Village Oshiwara, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13804 84-85 on 25-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

FORM I.T.N.S .-

(1) M|s Pam Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Natwarlal Umedbhai Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

('Fransferee')

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bombay, the 28th May 1985 Ref. No. AR-II|37EE|13803|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Flat No. 501, 5th floor, Pam Apts, Plot No. 25, II, No. Plot No. 26, H.N. 2, Plot No. 27, H.N. 2, Village Versova Andheri-West, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- Tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Pam Apartments, Bldg. Flo. A|2, Yari Rd., Plot No. 25, H. N. 1, Plot No. 26, H.E. 2, Plot No. 27, H.N. 2, Village Versova, Andheri-West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.IIJ37EF 13803 84-85 on 25-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-5-1985

FORM ITNS

(1) M/s. Omprakash & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Yasmin Lal Dadlancy & Mr. C. S. Nagporewalla. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1935

Ref. No. AR.II[37EE]13415[84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 202, 2th floor, B-Wing, behind ESIC Nagar,

4 bringlows, Versova Bombay

rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax A.t. 1961 in the office of the Competent Authority at hay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evacion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections. If any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902, 9th floor, B-Wing, Abhishik Apartments, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova Andheri-Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.JI|37EE|13415|84_85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS -Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforciaid preperty by the lattle of this notice under section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-5-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13646|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing
No. FlatNo. 401, on the 4th Floor, Bldg. No. 17, S. No. 41, Villore Cabbrage Paping Paping Andheringert

Village Oshiwara, Behind Behram Baug Andheriwest, Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the reparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly acceed in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sell Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amots which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :--

(2) Nawab Ali Shaikh Davood Muk lam.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able preperty, within 45 days from the date of the priblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as upe defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, Bldg No. 47, Survey No. (Part), Village Oshiwara, Behind Behram Baug, And West, Bombay-58. Andheri

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|13646|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date: 27-5-1985

_____ FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Gani Ruknuddin Mukadam.

(Trransfferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13647|84-85.—Whereas. I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
No. Flat No. 303 on 3rd Floor, Bldg. No. 17, S. No. 41, (Part), Village Oshiwara, Behind Behram Baug. Andheri-West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the

Office of the Competent Authority at Bombayon 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) Recomming the control has to fany income or any moneys of other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely :-99-156GI 85

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303 on 3rd Floor, Bldg. No. 17, S. No. 41 (Part) Village Oshiwara, Behind Behram Baugh, Andheri (West) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13647|84 85 on 20-10-1984. Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta: Acquisition Range-II, Bomboy

Date: 27-5-1985

(1) Ms. Vaibhav Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Govindan Kutty.

(Transferee)

(3) M/s. Vaibhav Builders.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANCE-II, BOMBAY

Bombay, the 26th May 1985

Ref. No. AR.II 37I - 13403 84-85 -- Whereas, I

LAXMAN DAS

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') if we reseon to believe that the immovable property, having a 'air marker value exceeding Rs. 1.00,000]- and how to a 'air marker value exceeding Rs. 1.00,000]- and how to No. 19. H. No. 2. U.R.O. 80 And's i West. Bombay-58 (and more fully deap lead in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in transferred under Section 269AB of the income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1984 and an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeraid property, and I have reason

narries value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the form riset value of the property as aforesaid exceeds the property consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the cost of for such transfer as agreed to between the parties has and been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction to evision of the liability of the transcript to pay tag under the said Act, in . Tork arising from the transfer respect o. . and /or
- (b) facilitating the concentment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the laid at, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 501, Block No. A 42 Guru Kripa Apartment, S. No. 19, H. No. 2, C.S. No. 80. Veera Desai Road, Andheri-West, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seriel No. AR 11/37EF/1340/84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombis

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property be the instead of this notice under subsection (1) of Section 260D or the said Act to the following persons, namely :

Date: 28-5-1985

Set!:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13550|84-85,— Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred-to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000 and bearing Flat No 701. Atlas Apls., behind Apna Ghar, Oshiwara,

Andheri-West, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
-) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating

Now, therefore. 'n pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) M|s Apex Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Jagpat Raj Lodha

(Transferee),

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 701, Atlas Apartments, Hiranandani Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara. Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13550|84-85 on 15-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 3-6-1985

interested in the property)

FORM ITNS

(1) Mls. Harishiyam Builders

(Transferor)

(2) Smt. Sardaben Hasmukhalal Shah

(4) Vidyavati Kapoor Trust (Owners)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13551 84-85,-

Whoreas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 301, Harishivam apartments, Kapur Bldg., Andhert,

Bombay

hand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 196I, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1610-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person whom the undersigned knows to be

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the 32'd immovable property within 45 laws from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301. Harishivam Apartments. Kapur Buildings, J. P. Road, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 13551/84-85 on 16-10-1984.

LAYMIAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

SeaI :

FORM ITNS---

(1) Ms Harishivam Builders

(Transferor)

(2) Shri Kaluram Gautam Mali

(4) Smt, Vidyavati Kapur (Trust)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13552|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
sa the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/

and bearing Fint No. 604, Harishivam Apts, J. P. Road., Andherî-west,

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Serion 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of ;--

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of +5 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. 604, Harishivam Apartments, Kapur Buildings, J. P. Road, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13552|84-85 on 16-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioer of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 2690 of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985

FORM ITNS----

(1) Hiralal Lalitkumar & co.

(Transferor)

(2) Mr. Prem Maganlal Ningoo

(Transferce)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13130|84-85.— Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 34, B-Wing, 2nd floor, Bldg. Rohit-Apartments, Versova, Andheri-west, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the foil market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cranafer with the object of :---

- (a) its littering the reduction or evasion of the nabuty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the Power of persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person unarested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this active in the Official Gazette.

EXPLANATION:---The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 34, B-wing, 2nd floor, Plot No. 52, S. No. 41 (part). Oshiwara, Off J.P. Rd., Versova, Andheri-West, and bearing

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No AR,II]37EE[13130]84-85, on 3-10-1984.

> LAXMAN DAS Competer Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

FORM 1.T.N.S. - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INFIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985 .

Ref. No. AR.II 37EE 13492 84-85.—

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 47 (1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Flat No. 1312, 13th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-

west, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market salue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely ! --

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Indira Rani Haroly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1312, 13th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 Part, Four Bunglows, Versova, Andheriwest, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13492 84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13132|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable according to the control of the reason to believe that the immovable according to the control of the reason to believe that the immovable according to the control of the reason to believe that the immovable according to the control of the c property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 35, B-Wing, 2nd floor, Rohit Apartments, Plot No.

52. Versova, Andheri-west, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at
Bombay on 3-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market of the property as aforesaid
exceeds he apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the parconsideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :---

- (a) familitation the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other nesets which have not been of which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tex Act 1923 (11 of 1922) or the wild Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the insue of the notice under valuection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Hiralal Lalit Kumar & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Maganlal Ningoo

(Transferee)

(3) Transferor

- (Persons in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 35, B-Wing, 2nd floor, Rohit Apartments, Plot No. 52, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Off J. P. Road, Versova, endlieri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bomboy under Scrial No. AR.II|37EE|13132|84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS Competent: Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Accome-tux Acquisition? Range-IJ, Bombay

Date: 29-51085

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-🖫 X ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13131|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 59, C-Wing, 1st floor, Rohit Apartments, Versova, Andheri-west, Bombay

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 3-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have maxon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--100-156GI|85

(1) Hiralal Lalit Kumar & Co.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Maganlal Ningoo

(Transferee) (3) Transferor

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 59, C-Wing, 1st floor, Bldg. Rohit Apartments, Plot No. 52, S. No. 41,, Oshiwara, Off. J. P. Road, Versova. Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13131 84-85 on 3-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Date: 29-5-1984

(1) Harasiddh Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Promila Mahindra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13495|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1, 5th floor, "NESTLE", Plot No. 78, J. P. Road,
Andheri, Bombay
situated at Bombay

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is Registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this socice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor, "NESTLE". Plot No. 78, Unit No. 638, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Off. J. P. Road, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13495|84-85 on 12-10-1984.

LAX. AN DAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing capacita, namely:—

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Rof. No. AR.III37EE|13846|84-85.--

Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00|- and bearing Flat No. 69, C-Wing, 4th floor, Rohit Apartment, Oshiwara,

Andheri-west, Versova, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax mader the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or anymessys or other amels which have not been or which cusht to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Hiralal Lalitkumar & Co.

(Transferer)

(2) Mr. Kamalkant Yudhistra Pandit

(Transferee)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshie property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 69, C-Wing, 4th floor, Bldg-Rohit Apartments, Plot No. 52, S. No. 41, Oshiwara, Off. J. P. Road, Versova, Andheri-west, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II]37EE|13846|84-85 en 26-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13245|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act') have reason to believe that the immovable of the said Act's the said of the said to contain the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. N|407, Neptune Apts, Oshiwara, Andherl-west,

Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Ms. Hiranandani Builders

(Transferor)

(2) Mr. Gursharan Kaur

(Transferce)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fint No. N|407, Neptune Apartments, Hiranandaui Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13245|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range II, Bombay.

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13249|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000 - and bearing Flat No. B 703, 7th floor, "SKY WALKER', behind Apna

Ghar, Oshiwara, Andheri-west Bombay

situated at Bombay ? (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

fair market value of the aforesaid property and 1 have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Apex Constructions

(Transferor)

(2) Neena S. Gurnani Mr. Suresh S. Gurnani.

(Transferce)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B[703, 7th floor, Skywalker at Hiranandani Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andherl-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|13249|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. situated at Bombay

Date: 29-5-1985

(1) M|s. Apex Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. Smita Hemant Kumar Bohtare

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Persons in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 29th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EE|13189|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. B|402, Nebula Apts, behind Apna Ghar, Oshiwara,
Andheri-west, Bombay
situated at Bombay

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Assemble shall have the same meaning as given if that Chapter

Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. B|402, Nebula Apartments, at Hiranandani Estates behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-west, Bombay.

The greement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13189[84-85 on 5-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discloved by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Embay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-5-1985

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13183|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing Flat No. 201 A, Mercury Apts, Oshiawara, Andheri-West, Bombay, situated at Bombay.

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Inspectax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act., 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely :---

(1) Ms. Hiranandani Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Savita R. Bhojwani.

(Transferee)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period eexpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovableproperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 A in Mercury Apartments, at Hiranandani Estate, 4 bunglows, Oshiwari Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AP. II|37EE|13183|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

NOTIEC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13182|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Flat No. J|208 Jupiter Apts. Oshiwara, Andheri-West, Bombay situated at Rombay.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-- (1) Mis. Hiranandani Builders.

(Transferor)

(2) Mr. A. H. Merchant & Mrs. Z. A. Merchant.

(Transferee)

(3) Transferor (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the poblication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. J|208 Jupitar Apartments at Oshiwara, Off, Four Bunglows, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AP.II]37EE]13183[84-85] on 5-10-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Anjali Kumar.

(Transferee)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-· SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No.AR, II|37EE|13242|84-85.--Whereas I,

LAXMAN DAS, oeing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 202 A, Atlas Apta, Oshiwara, Andheri-West, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the ompetent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following ner us. namely:— 101--156GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The term and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 A, Atlas Apartments, Hiranandani Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13242|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 29-5-1985

. (1) Ms. Raviraj Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Naresh N. Santani.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13235|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, the Computent Authority under Section 269B of the frequencial Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ic as the 'said Act'), have reason to believe that the mittilities by property having a fair market value esceeding Rs. 1,00,000 and bearing Citizen, Shop No. 1, Ground floor, plot No. 27, Versova, Andheri-West, Bombay, situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto). has ben transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Competent Authority at Bombay of 5-10-1984

sombay off 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
thereofs the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said distrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- by facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the roresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, plot No. 27, S. No. 41 (Part), 4 bunglows, Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13235|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II]37EE|13234|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Renzer Shop No. 6, ground floor, S. No. Andheri (W), Bombay-58, situated at Bombay No. 41, Versova, (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Raviraj Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Mukesh Ramswarup Gupta, Smt. Bhagwan Devi R. Gupta, Smt. Asha Rajendra Kumar Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Benzer, Shop No. 6, ground floor, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13234 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the seid Act to the following persons, namely .-

Date: 31-5-1985

(1) M/s. Raviraj Builders.

(Transferor)

(2) Master Bimlash Kumar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13577|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

Deing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the hymnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Breez, Flat No. 506, A. Wing, 5th floor, 4 bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the sichedule assexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Competent

Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reductio or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Breeze, Flat No. 506, A-Wing, 5th floor, Plot No. 25, No. 41 (Part), 4 bunglows, Oshiwara, Versova, Andherl-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Schial No. AR.II 37EE 13577 84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 31-5-1985 Seal :

(1) M/s, Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-~FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Uttam Singh K. Gurnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13104|84-85.-Whereas, I-LAXMAN DÁS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as th 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Breeze, flat No. 402, 4th floor, plot No. 25, Versova (Andheri-

West, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bonfay on 1-10-1984

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been anily stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ned/or

Breeze, Flat No. 402, B, 4th floor, Plot No. 25, 4 Bunglows, Oshiwara, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent' Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13104 84-85 on 1-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-5-1985

FORM ITNS----

(1) M.s. Raviraj Builders.

(Transferor)

(2) Sunderlal Sharda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13578|84-85,---Whereas, I LAXMAN DAS,

LAAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Breez Flat No. 505, A' on 5th floor, Flot No. 25, 4 bunglows, Versova, Andheri-West, Eombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the intenti-of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intifate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days 'rom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Breez Flat No. 505, 'A' on 5th floor, Plot No. 25, S. No. 41 (part), 4 bunglows, Oshiwara (Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scried No. AR.II | 37EE | 13578 | 84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

(1) M|s. Raviraj Developers.

| Transferor |

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ram Tirthdas Klratri Mrs. Janki R. Khatri. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No .AR. II|37EE|13910|84-85,---Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 705, B, 7th floor, Denzil Plot No. 31, 'Oshiwara,

Versova Andheri-Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the registering Officer at New Delhi at 1 Jubay on 27-10-1984

at Lollibay on 27-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be live that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partia has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-in Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same-meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705, B-On 7th floor, Denzil Plot No. 31, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Oshiwara, Andheri, Bombay.

Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13910|84-85 on 27-10-1984. agreement has been registered by the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II[37EE]13575[84-85.-Whereas, I

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 1.00,000|- and bearing
Breeze, Flat No. 201, B—on 2nd floor, Plot No. 25, S. No.
41 (Part) Versova, Andheri, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) M/s. Raviraj Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Kumar Whabi, Mrs. Sitabai Whabi, (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 B on 2nd floor, Breez, Plot No. 25, S. No. 41 (part), 4 Bunglows, Versova, Andheri, (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. II|37EE|13575|84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

(1) M|s. Raviraj Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Baptist Periera.

. The sales where the con-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13574|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

Denzil Flat No. 202, B on 2nd floor, Plot No. 31, Versova, Andhew West, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Com-

petent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Denzil Flat No. 202, B—2nd floor, Plot No. 31, S. No. 41 (Part) 4 bunglows, Oshiwara, Versova, Andberi-West, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13574|84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

102-156GI/58

Date: 31-5-1985

(1) M|s. Raviraj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-

(2) Shri Chaturbhuj Dhamanlal Kandhari, Shri Jamnu Chaturbhuj Bhatia.

may be made in writing to the undersigned :--

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13236|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 101 A, 1st floor, Plot No. 25, Breez, Versova Andheri-West, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office to the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisiton of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 "A" on 1st floor, in Breez plot No. 25, S. No. 41 (Part), 4 bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR; II 37EE 13236 84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN' DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(1) Mis. Raviraj Constructions. .

(Transferor)

(2) Mrs. Tara Gopal Kamath.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.11|37EE|13233|84-85 Whereas, 1 LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Benzer, Flat No. 201 'A' 2nd floor, Plot No. 9 & 9A Versova, Andheri-West, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Connectent Authority at Bonitary on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferosaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the oblest of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Benzer, Flat No. 201, 'A' on 2nd floor, Plot No. 9 & (A.S. no. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Oshiwara, Audheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13233 84-85 on 5-10-1984.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

LAXMAN DAS

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Ac., to the following persons, namely,:---

Date: 31-5-1985.

(1) M|s .Lokhandwala Estates & Development Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Indira Rani Haroly.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13494|84-85.—Whereas 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 1311, 13th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-west,

Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-10-1984

persons, namely :---

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1311, 13th floor, Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheriwest Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13494[84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 27-5-1985.

(1) M|s .Lokhandwala Estates & Development Co. Pvt. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Reshma Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13953|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 103, 1st floor, Plot No. 355, Versova, Andheriwest, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section

AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

THE SCHEDULE

Flat No. 103, first Floor, Sunny Side B, Plot No. 355, S. No. 41 (Part), Four Bunglows Versova, Andheri-west Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Athority, Bombay under Serial No AR.II[37EE]13953 84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985.

FORM ITNS

(1) M|s .Lokhandwala Estates & Development Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Alka Pasari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13406|84-85.--

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable presently beginn a fair market value exception.

property, baving a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000|- and bearing.
Flat No. 1701, 17th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri, west, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that afteen per ount of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evalor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1701, 17th floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows Versova, Andheri-west, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13406[84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 27-5-1985.

(1) M|s .Lokhandwala Estates & Development Co. Pvt, Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> · ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13158|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 106, first floor, Bldg. Sunny side B. Plot No. 355.
S. No. 41, Versova Andheri-west Bombay
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Mr. Nirmal Kumar Deb Burman.

Objections, if any, to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this not...
 in the Official Gasette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor, Bldg. Sunnyside-B, Plot No. 355, No. 41 (PART), Four Bunglows Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13158|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985.

24908

FORM ITNS-

(1) M|s .Lokhandwala Estates & Development Co. Pvt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Geeta R. Sakharani.

Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(3) Mls. Oshiwara Land Development Co (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Bombay, the 27th May 1985

BOMBAY

Ref. AR.II|37EE|13309|84-85.-

PRASAD. being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1309, 13th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-

west Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immediable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Flat No. 1309, 13th floor, Plot No. 357, Bldg Nagnum Towers, S. No. 41 (PART), Four Bunglows, Versova. Andherl-west Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.IV|37EE|13309|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-5-1985.

(1) M/s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Parminder Grewal & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13408|84-85.---Whereas, I, I.AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

No. Flat No. 1112, 11th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri West, Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

of the Competent Authority
of the Competent Authority
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ten under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

103---156GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immervible property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1112, 11th floor. Bldg. Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova Andheri. West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13408|84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985

Soal:

FORM ITNS----

(1) M|s. Lokhandwala Estates & Develop. Co. Ltd., (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

Gazette.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lucio Prakash Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. o. AR.II|37EE|12830|84-85.—Wheeras, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 1212, 12th floor, Plot No. 357, Versova,
Andheri-West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is rejistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent therefore by more than lifteen percent of such apparent apparents and that the apparents of the property and that the apparents are the such than the percent of the percent of the apparents and that the apparents are the such than the percent of the per consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1212, 12th floor, Bldg. Magnum towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part). Four Bunglows, Versova Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Correctent Authority Bombay under Serial No. AR,II|37EE|10830|84-85 on 26-10-1984.

LARMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31-5-1985 Seal:

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Develop. Co. (P) Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr.Bimaljit Singh Grewal & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13407 84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 1111, 11th floor, Plot No. 357, Versova, Andheri-west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expeires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flet No. 1111, 11th floor, Bldg. Magnum towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13407[84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Date: 27-5-1985

Sect 1

(1) Ms. Lokhandewala Premises (P) Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushila V. Papriwals

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13307|84-85.--Whereas, 1

LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 603, 6th floor Plot No. 38, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ruspect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Bldg. Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bungloes, Versova, Andheri-West,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13307|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :--

Date: 27-5-1985

FORM ITNS-----

(1) Ms. Lokhandwala Premises (P) Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vijay Papriwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No AR.II|37EE|13306|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Flat No. 705, 7th floor, Plot No. 38, Versova, Andheri-

West, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/tr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 705, 7th floor, Bldg. Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13306 84-85 on 8-10-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 27-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises (P) Lhd.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Papriwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II | 37EE | 13305 | 84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. FlatNo. 601, 6th floor, Plot No. 38, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Bombay (and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning ragiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Bldg. Residency-B, Plot No. 38, S. No. 41 (Part), Versova, (Four Bunglows), Andheri-West,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13305|84-85 on 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the afortaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persors, namely:--

Date: 27-5-1985

FORM ITNE -

(1) M/s. Apex Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Syed Shakil Haider.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13250/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 17, Nebula Apartments, Oshiwara, Andheri-West,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sterion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Extualy :-

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a, by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, Nebula Apartments, Hiranandani Estate, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, under Serial No. AR.II/37EE/13250/84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

(1) Ms. Lokhandwala Estates & Development Co. (P)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Himanshy Nirmal Kumar Deb Burman. (Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR. $\Pi/37EE/13161/84-85$.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 105, 1st floor, Plot No. 355, Versoa, Andheri-West,

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said not, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said imagovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shell have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st Floor, Bldg. Sunny Side-B, Plot No. 355, No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13161/84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1984

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDMA SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Yusuf Khan Nemat Khan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13480/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 118-E, Anjali, Plot No. 2, Versova Village, Andheri-West Dombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

 racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or

sennect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the proposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 118-E, Anjali Plo,t No. 2, S. No. 121, Bunglows, Versova Village, Andheri-West. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13480/84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

104-156GI|85

Date: 30-5-1985

(2) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Date Abdul Rasid Hasan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13557/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and hearing No.

and bearing No. Flat No. 228, Gitanjali. Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows,

Versova Village, Andheri-West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Commetent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less tan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been at which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the second Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 228, Gitanjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows, Versova Village, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/357EE/13557/84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 30-5-1985

FORM ITNS----

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Freeda Rodrigues.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned-

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13919/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 122, Anjali, Plot No. 2, Versova Village, Andheri-

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

THE SCHEDULE

Flat No. 122, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows, Versova Village, Andheri-West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Compc'en' Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13919/84-85 on 29-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons, namely :--

Date: 30-5-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandar Hashbomal Khilnani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13752/84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Rs. 1,00,000|- and bearing
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 313, Anjali, Plot No. 2, Versova Village, AndheriWest, Bombay situated at Bombay
(and moref ully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and agreement is registered under Section
269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 313, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows, Versova Village, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13752/84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 30-5-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Bombay Housing Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13918/84-85,—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing 32 and bearing

Flat No. 114, Plot No. 3, S. No. 121, Versova Village, Andheri-West, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority of Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mr. Ramesh J. Mirani & Mrs. Sapne R. Mirani.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 114, Gitanjali, Plot No. 3, S. No. 121, 7 Bunglows, Versova Village, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13918/84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) of said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-5-1985

(1) Bombay Housing Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satish Chander Grover.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13107/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 117-E, Anjali, Plot No. 2, Versova, Andheri-West,

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) by of the aforesaid persons within a period forty five days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of thirt days from the service of notice on the respectiv persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Flat No. 117-E, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bunglows, Versova Village, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13107/ Authority, Bombay 84-85 on 3-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

Date , 30-5-1985

(1) M[s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Rajni Madhu Jawahrani Kumari Aruna

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13665|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No. 43, 4th floor, Off. J. P. Road, S. No. 41, Versova Andheri (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have that Chapter. have the same mouning as given in

THE SCHEDULE

(a) sacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Flat No. 43, 4th floor, Roshanlal Aggarwal Complex, Santosh Tower, Off. J.P. Rd., S. No. 41, Andheri(W), Versovanear Apna Ghar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13665|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

American processing the designation of the state of the s

FORM ITNS---

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

(2) Shri Vipin Verma

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13672|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 113, 11th floor, Off. J. P. Road, Andheri West,

Versova, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269A3 of the Income tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority
at Eombay on 20-10-1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Apt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following necessity, unusually:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanial Aggarwal Complex, Flat No. 113, 17th floor, Off. J. P. Road, Andheri West, Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13672|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range-II Bombay.

Date: 29-5-1985

(1) M|s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION: 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mattina Demellow & Mr. Stephen Demellow. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13591|84-85.-Whereas, L. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Refl 1.00,000]—and bearing Marie toward Andhoric World

Flat No. 404, 4th floor, Manju tower, Versova, Bombay, situated at Bombay Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under the 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

and/or

Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

105---156GI 85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 404, 4th floor, Manju tower, S. No. 41, Andheri West, Versova, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13591[84-85] on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 29-5-1984

FORM ITNS----

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor) (Transferce)

(2) Mrs. Shilpika Gilani.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13678/84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 404[4 Manju Tower, S. No. 41, Andheri West, Versova, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed here(s)).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than sand excees the apparatus consideration interest by more man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 404, 4th floor, Manju Tower, S. No. 41, Andheri West Versova, Bombay-48.

The agreement has been registered by the Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13678|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Naresh Yalchand Bhambhani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II]37EE[13679[84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 81, 8th floor, Saranga Tower, Off. J. P. Road, Andhen West, Versova sombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 200 AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bembay on 20-10 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair nearket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the nanafetor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; (1941) (マ

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 81, 8th floor, Saranga Tower, Off. J. P. Road, Andheri West, Versova

near Apna Ghar, Bombay-58
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13679|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the anoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-5-1985

PORM TINS-

- (1) Mls. R. N. A. Builders.
- (Transferee)
- (2) Mr. Naresh Lalchand Bhambhani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13681|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value: exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 24, 2nd floor, Manju Tower, Off. J. P. Road, Andheri West, Versova Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 24, 2nd floor, Manju Tower, Off. J. P. Road, Andheri (W), Versova Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE[13681]84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tas Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-5-1985

FORM ITNE-

(1) Mr. Chandulal B. Kataria

(Transferor)

(2) Mr. Vasantrao Balwant Kashikar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13061|84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 709 on 7th floor, in 'Everest' on J. P. Road, Versova Andheri (W), Bombay-400 061, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under the
269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the
Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair magnet value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
 - (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: —The terms and empressions used herein as-are defined in Chapter XXA of the said Ant. shall have the same meaning so given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDILLE

Flat No...709, VII Floor, Everest, J. P. Road, Vargova Andheri W), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II | 37EE | 13061 | 84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following региста, патеју :---

Date: 29-5-1985

(1) M|s, R. N. A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ravindra Singh & Mr. Gurbhan Singh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13676|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Room No. 64, 1st floor, Off. J. P. Road, Andheri

Versova Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the dability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (I1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 64, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade Off. J. P. Road, Andheri (W), Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EE/1376/84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, Dairely :-

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37-EE|13677|84-85.—Whereasc, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Room No. 65, 1st Floor, Off. J.P. Rd., Versova Andheri
West Bomhay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10_1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weeks-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in sursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid processing the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ms. R.N.A. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Rajesh Kumar P. Gupta, & Mr. Premnath

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Room No. 65, 1st floor, Off J. P. Rd., S. No. 41. Andheri-W. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13677|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

(1) M.s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Swroop & Mr. Karau Karayan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13667 84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 1,00,000 and bearing
No. Flat No. 301, B-Wing, Roshanial Aggacwal Shopping
Arcade, Versova, (W) Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority
at Bombay on 20-10_1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasen to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Flat No. 301, B Wing, Off J.P. Road, S. No. 41, Versova Near Apan Ghar, Versova Andheri-W, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13667 84-85 on 20-10-1984.

> LAMMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Infome-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submeetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-5-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. R.N.A. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Jamanadas Tahilram Curnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II]37FE]13454]84-85.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

Mg. Flat No. 114, 11th floor, Roshanlel Aggarwal Complex Off. J.P. Road, S. No. 41, near Apna Ghar, Andheri-West,

Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under the 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Mot, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

106-156GJ185

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Roshanlal Aggarwal Complex, Flat No. 114, 11th floor, Saranga Towers, Off. I.P. Road, S. No. 41, Near Apna Ghar, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|13454|84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 29-5-1985

FORM IINS---

(1) M.s. Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Talluri Vijayasri Ramadevi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Lombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13954|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 405, 4th floor, Plot No. 4, Versova, Andheri,

West, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Bldg. Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andherf-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11,37EE 13954 84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay

Date: 30_5-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Ms. Lokhandewala Premises Pyt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13160 84-85.--Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

Hat No. 103, first floor, Plot No. 341, Versova, Andheri-

West, Bombay, shuated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

mbay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(z) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Varsha Suresh Jalan Clo. Shri Rani Textiles.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning on given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, First Floor, Bldg-Home Lands, Plot No. 341, S. No. 41 (Part), Four Bangalows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13160[84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons manely:-

Date: 30-5-1985

(1) M|s Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. M. Goswami.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.11[37EE|13051[84-85.—Whereas I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 503, 5th floor, Plot No. 344, Oshiwara, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eald instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 503, 5th floor, Bldg. Symphony, Plot No. 344, S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Oshiwara, Versova

Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13051 84-85 on 1-10-1984.

LAXITAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombny

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-5-1985

PORM ITNE ---

(1) Mis Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Hamid M. Shaikh.

(Transferos)

NOTICE, UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13050|84-85.-Whereas 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 702, 7th floor, Plot No. 89, Oshiwara, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Bldg. Sky Lark-A, Plot No. 89, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13050|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Bombay

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers cal/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-5-1985

FORM TINS-

(1) Mls Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gerson Fernandes.

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II | 37EE | 13960 | 84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 202, 2nd floor, Plot No. 338, Versova Andheri-west, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Bldg. Arena-A, Plot No. 338, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri-west, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11|37EE|13960|84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following portone, andely :--

Date: 30-5-1985

(1) Ms Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sabera Kaleem & Mr. Kaleem Asar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITIÓN RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th May 1985

AR.II|37FE|13894|84-85.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

the linconnectant Authority under Section 269B of the linconnectan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,090; and bearing Flat No. 307, 3rd floor, Plot No. 4, Versova, Andheri-West, Bombay situated at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any incom₂ or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

THE SCHEDULE

Flat No. 307, 3rd floor, Bldg. Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri-West,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13894|84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

cforesaid property by the issue of this notice under sub-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Seal:

Date: 30-5-1985

(1) M/s Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Miss Suraiya Sulaman & Others.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 30th May 1985

Rof. No. AR.II|37EE|13829|84-85.-Whereas I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000; and bearing
Flat No. 101, 1st floor, Plot No. 334, Versova, Andheri-west,
Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, first Floor, Bldg. Cross Gates-B, Plot No. 334, S. No. 41, Four Bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|13829|84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

(1) M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mis. Kamladevi Parasramkia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMBETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13156|84-85.-

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Flat No. 606, 6th floor, Bldg. Montana-A, Versova, Andheri-

west, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th 'floor, Bldg. Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-west,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13156[84-85] on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

Scal :

107—156GI 85

- (1) M/s. Lokhandwala Premises (P) Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mr. S. Saini & Others.
- (4) M/s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37FE|13274|84-85.-Whereas I, J.AXMAN DAS, whereas 1, J.A.M.A.N. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 601, 6th floor, Plot No. 38, Versova, Andheri-west, Populary

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

flombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said best transfer with the object of transfer with the object of instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay 1 c under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the alquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o ra period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor (Bldg. Residency-A, Plot No. 38, S. No. 41 (Part) Four Bungalows, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Sorial No. AR.II 37EE 13274 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN D.\S Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 31-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II]37EE]13273|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 603, 6th floor, Plot No. 38, Versova. Andheri-west,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s, Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferot)

(2) Mr. R. S. Saini & Others.

(Transferee)

(Persons in occupation of the property)

(3) Ms. Oshiwara Land Development Co (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property by be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No .603, 6th floor, Bldg. Residency-A, Plot No.38, S. No. 41 (Part) Four Bunglows, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR.II|37EE|13273|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13640|84-85.—
Whereas I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fa Rs. 1,00,00|- and bearing No. fair market value exceeding

Shop No. 13, Sunder Park, Ground Floor, Andheri-West,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Mr. Bhadrasen Vasanji Thakkar.

(Transferor)

(2) Smt. Indira K. Shah.

(Transferee)

(3) Transferee. (4) Transferce.

(Person whom the under the knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Sunder Park, Bldg.-A, Ground floor, Off. Last Corner, Touching Linking Rd., Andheri-west, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE]13640[84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985 Seal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of SectionD of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M|s Lokhandwara Premises Pvt. Ltd.

(2) Mrs. Kusmulata Dangi.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13493|84-85.-

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable activities the said Act') and the restrict to the said Act. property having a fair market value exceeding Ra 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 104, first floor, Plot No. 341, Versova, Andheri-west,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe this the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 104, first Floor, Bldg. Harmony-B, Plot No. 341, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri-west, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13493|84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 31-5-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s, Lokhandwala Premises (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Darshan Kaur Kewal Singh. (Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR II 37EE 13831 84-85.-

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 10, Ground floor, , Plot No. 89, Versova, Andheri-

west, Bombny (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-J0-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gastette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Garage No. 10, Ground floor, Bldg. Sky Lark-A, Plot No. 89, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri-west, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.JI|37EE|13831|84-85 on 26-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 31-5-1985

(1) M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shehlata Vidyadhar Godbole & Others. (Trunsferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION FANGE-II.

Rombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13159|84-85.—Wherees, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 703, 7th floor, Plot No. 343, Versova, Andheriwest, Bombay

situated at Lombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax "Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the Said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 70, 7th floor, Bldg. Harmony-B, Plot No. 343, S. No. 41, Four Bunglows, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13159/84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-5-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BUMBAY

Pombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR. 11|37EE|13339/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 103, Nirman Cottage, Yari Road, Bombay-61 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

Bonion of 3-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, assusty:—

(1) Miss Shailaja B. Raikar.

(Transferor)

(2) Mr. Kanayalal Gobindram Israni, Mrs. Sushila K. Israni,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Nirman Cottage, CTS No. 1036 Yari Road, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13339/84-85 on 3-10-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

(1) Anil Khubchand Keswani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Roshanalli Dawood Nasser,2. Roshenalli Hasanali Lakhani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

No. AR. II 37EE 13472 84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 2, Heena Cottage, Bakaria Agjedi Nagar, Versova

Bombay-61.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered unde Section 269AB of the incompetity Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition i the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons markely:—

108-156GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Heena Cottage, Zakaria Aghedi Nagar, Yari Rd., Versova, Bombay-61 The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13472|84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Kanta K. Bhatia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. Janardan Shetty & Mrs. Vijaya P. Shetty.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13441|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing [Gambs Towers', Flat No. 801, Plot No. 15, 4 Bungalows, Road, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that " Acr.

THE SCHEDULE

Gambs Towers' Flat No. 801, Plot No. 15, 4 Bungalows, Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13441|84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-5-1985

(1) Harasiddh Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Kavita B. Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

AR. II|37EE|13615|84-85.-Whereas I, No. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st Floor, "Nestle" Plot No. 78, Unit No. 638, Shil. Swami Samartha Prasanna Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19_10-1984 Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2. 1st Floor, "Nestle" Plot No. 78, Unit No. 638, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13615/84-85 on 19-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

AR. II[37EE]13614]84-85.—Whereas I. Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovbeing the Compeent able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 1, 1st Floor, "Nestle" Plot No. 78, Unit No. 638, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the ind Act to the following persons, namely:-

Harasiddh Corporation.

(2) Shri Bhogilal II. Patel.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. Flat No. 1, 1st Floor, "Nestle" Plot No. 78, Unit No. 638, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13614|84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

(1) Harasiddh Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pravinchandra Ravikant Udani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, **B**UMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR. II|37FE|13617|84-85.—Whereas I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing
Flat No. 5, 1st Floor, "Lenvie" Plot No. 90, Unit No. 647,
Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off
J.P. Read, Andheri (West), Bombay-400 058,
singled at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 157 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st Floor, "Lennie" Plot No. 90, Unit No. 647, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. Ak,11/37EE/13617/84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

(1) Harasiddh Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Bhogilal Patel (HUF).

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

No. AR. II|37EE|13616|84-85.-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 3, 1st Floor, "Nastle", Plot No. 78, Unit No. 638, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058, situated at Boinbay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 3, 1st Floor, "Nestle", Plot No. 78, Unit No. 638, Shri Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Off J.P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR. II|37EE|13616|84-85 on 19-10-1984.

LAMAN DAS
Compete Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-5-1985

(1) M/s. Jaycee Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Jayantilal K. Sony.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 30th May 1985

AR. Il|37EE|13385|84-85.-Whereas I, Ref No.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 103, first Floor, Rukmani Buildings, 21, J.P. Road,

Andheri (west) Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Secion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, first Floor, Rukmani Buildings, 21, J.P. Road, Near Navrang Cinema Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13385|84-85 on 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985

(1) M|s. Minoo Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. K. Sivarama Krishnan & Mrs. Ambujam S. Iyer.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

AR, II|37EE|13197|84-85.—Whereas I. No. LAXMAN DAS,

ing the Competent Λ utherity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have cason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flee No. 4, 2nd floor, in Minoo Minar, Veera Desai Road,

Andheri-west. Pombay.

situated at Pombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which eight to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, in Minoo Minar, Veera Desai Road, Andheri-West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13197|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

yow, therefore, as pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 169D of the said Act, to the following pergous, namely :--

Date: 30-5-1985

(1) M|s. Caibhav Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushiladevi Shiv Lal

(3) Transferor.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-**FAX ACT, 1961, (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR. II 37FE 14000/84-85.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Gurukrupa Apartments, S. No. 19, H. No. 80, Veera Desai Road, Andheri-west, Bombay.

sit ted at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. That /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

109---156GI[85

(persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as it. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No, B-503. Gurukrupa Apartments S. No. 19, H. No. 2, C.S. No. 80, Vecra Desai Road, Andherl-west Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|14000/84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 30-5-1985 Seal:

Ref. No.

FORM ITNS-

(1) M|s. Urban Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kunderti Rekha Serma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;

(b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flut No. 301, on 3rd floor, Amit Estate, Off J.P. Road, 4 bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 061

AR. II|37EE|13119|84-85.-Whereas I,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less tehan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, on 3rd floor, Amit Estate, Off J.P. Road, bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13119/84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-5-1985

Seal ·

FORM I.T.N.S.——

(1) M/s. Manish Construction Corporation.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rajasth.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 30th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13275|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

Flat No. 6, 4th floor, Vrindavan, S-2, Veera Desai Road, Andheri-west, Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-ADG /OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (114 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection is any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 4th floor, Vrindavan, S-2, Veera Desai Road, Andheri-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13275/84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 30-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Soperiwala, Mehta & Joglekar Associates.

(2) Mr. Ranjit Singh Pal.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, EOMBAY

Bombay, thet 29th May 1985

Ref. No. AR LAXMAN DAS, AR. II]37EE|13758/84-85.--Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 2, Kohincor Apts, 2nd floor, Plot No. 5, Yari Road,

Versova, Andheri-west, Bombay.

versoval, Andreit-west, Bombay, situated at Fombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10 1984

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, Kohinoor Apts. Plot No. 5, Yari Road, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13758/84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 19-5-1985.

(1) M/s. Harishivam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babulal Gheesulal Rathod.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13386.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

Flat No. 503, Harishivam Apts. J.P. Road, Andheri-West,

Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument t of transfer with the object of — Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; and/or

Flat No. 503, Harlshivam Apts. Kapur Bldgs. J.P. Road, Andheri-West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13263/84-85 on 5-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any the context assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (\$\overline{\pi}\$ of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-5-1985

PORM ITNS

(1) M/s. Queens Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE 4NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Sulamangalam Rajan Govindarajan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE3030/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and Flat No. B-54, on 5th floor, Ganga Bhavan on Plot bearing C.T.S. No. 1053 1052/J-22, J.P. Road, Versova Audheri,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under the 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fustrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made sin writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer: and/or

Flat No. B-54, on 5th floor, Ganga Bhavan on Plot No. C.T.S. No. 1053-1052/1-22, J.P. Road, Versova Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13030/84-85 on 1-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-5-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, **EOMBAY**

Bombay, the 29th May 1985

AR, II 37EE 13261/84-85.—Whereas I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Flat No. 103 in Harishivam Apts, Kapur Buildings, J.P.

Read, Anotheri Bombay.
has been transferred and agreement is registered under the
269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the
Competent Authority

Bombay on 5-10-1984 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of triesfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

(1) M/s. Harishiyam Builders.

(Transferor)

(2) Shri Rameshkumar Kanaklal Gandhi.

(Transferee)

(4) Vidyavati Kapoor Trust (Owners).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Harishivam Apts, Kapur Buildings, J.P. Road, Andheri Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13261/84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13262|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-bearing No. Flat No. 504, in Harishivam Apartments, Kapur Bldgs, J.P. Road,

Andheri, Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ms. Harlshivam Builders.

(Transferor)

(2) Sh. Dalpatraj Dhamraj Kothari.

(Trnsferec)

(4) Smt. Vidyavati Kapoor trust (Owers).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, in Harlshivam Apartments, Kapur Buildings, J.P. Road, Andheri, Bombay-58.

Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13262|84-85 on 5-10-1984. The agreement has been registered by the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 29-5-1985

Scel:

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

(2) Sh. Kishore Chand Khanna Soo Sh. Dharam Chand Khanna.

(Trusferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13133|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-property having a fair market value exceeding Rs. 10,000|-and bearing No. Flat No. 21, 2nd floor, of A-wing, Plot. No. 24, Versova, Andheri, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), situated at Bombay

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or system or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliziting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd Floor, A-wing, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Prasanna Co-op. Hsg. Sty Ltd. S. No. 41, Oshiwara Village, near 4 bunglows, Versova, Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]48184-85 on 3-10-1984.

which the purity (11, 1

LAXMAN

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

110—156 GI/85

Date: 29-5-1985

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

(2) Sh. Shashi Mehra, Smt. Sunita Mehra & Sh. Ravi Mehra, Smt. Neena Mehra.

(Trasferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13135|84-85.-Wheres, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 52, 5th floor, of A-wing, Troika Apartment Plot No. 24, S. No. 41 (Part), Versova

Plot No. 24, S. No. 41 (Part), Versova, Andheri, Bombay.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metios in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, A-wing Troika Apartment, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Prasanna Coop Hsg. Sty. Ltd., S. No. 41 (Part), Oshiwara Village, near 4 bunglows, Versova, Andheri, Bombay,

The agreement has been registered by the Cometent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13135|84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS Competant Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 29-5-1985 Scal:

المناسبة الم

FORM ITNS-

(1) Troika Construction Co.

(Transferor)

(2) Sh. Prakashchand D. Khanna.

(Trusferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-T AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EF|13134|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No. Flat No. 31, 3rd floor, A-Wing, Plot No. 24, Versova, Andheri, Bombay

Versova, Andheri, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gvien in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, A-Wing, Plot No. 24, Shree Swami Samartha Prasanna Co.op Hsg. Sty. Ltd., S. No. 41 (Part), near 4 bunglows, Versova, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Cometent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13134|84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 29-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13837|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. C.T.S. No. 411 Andheri West, S.v. Rd., Andheri village, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consderation therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) L. Mr. Noor Mohamed Adam Halai,

2. Mr. Farooq Adam Halai,

3. Mr. Abubakar Haji Ahmed Sorathio.

(Transferor)

(2) Mrs, Halimabai A. Gani,

(Trusferee)

(3 Halimabni A. Gani & Chumawala Timbers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 41, at Andheri Village, B.S.D. Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Setial No AR.II 37EE 13837 84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I lereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-seclion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-5-1985

(1) Om Builders (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Telang Nursing Home (P) Ltd.

(Trasferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13636|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 11, 1st Floor, Om Marg, 314, Pali Ram Rd., Andheri West, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Om Niketan first Floor, Om Marg. 314, Pali Ram Road, Andheri West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, $\Pi|37EF|13636|84-85$ on 19-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .-

(1) Om Builders (P) Ltd.

(Transferor)

OF THE

(2) Sh. Mohammed Ishaqu Gausi.

(Transferèc)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13336|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing bearing No. Flat No. 43, 4th floor, 314, Pali Ram Rd., Andheri West, Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein las Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Om Niketan, Flat No. 43, 4th floor, 314, Pali Ram Road Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Cometent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13336|84-85 on 8-10-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 31-5-1984

Scal:

the property of the state of th FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-* TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13058|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

sems the Competent Authority under Section 269B of the minome-tax, vet, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

bearing No. Flat No. 1101, 11th 'floor, BD-Wing Abhishek Apartments, Behind ESIC Nagar, 4 bunglows, Versova, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incomp-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s, Ompraksh & Co.

(Transferor)

(2) Fayal 1. Machiwalla & Others.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

(4) Dr. Bomsi Wadia,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

whichever period expires later;

(b) by any other person interested is the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1101, 11th floor, 'B', D-Wing, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE]13058[84-85] on 1-10-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 31-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13057|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and

bearing No. Flat No. 1001, 10th floor, BD Wing, Abhishek Apts, Behind ESIC Nagar,

Abhishek Apts, Behind ESIC Nagar, 4 bunglows, Versova, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1.10.1084

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that 'he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Fayal I. Macchiwalla & others.

Transferec)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property).

(4) Dr. Bomsi Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propetry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the cervice of notice on the respective persons, whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immoveble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1001, 10th floor, 'B', D,Wing, Abhishek Apartments, Behind ESIC Nagar, 4 bunglows, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13057 84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 31-5-1984

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st May 1985

Ref. No. AR II]37E Γ]13059[84-85.---Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000| and bearing No. 502 5th floor, B. Wing, Abhishek Apartments, behind ESIC Nagar, 4 hunglows

Apartments, behind ESIC Nagar, 4 bunglows, Versova.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely —

111--- 156GI[85]

(1) M/s, Omprakash & Co.

(Transferor)

(2) Sh. H. J. Manias & J. A. Manias,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property).

(4) Dr. Romsi Wadia.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, B. Wing, Abhishek Apartments. Behind ESIC Nagar, 4 bunglows, Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13059|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Rombay-

Date: 31-5-1984

FORM LINS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13774|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land at Versova bearing S. No. 6, Hissa No. 3 (part) C.T.S. No. 1225, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and account to the second reads.

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Yashwant Harishchandra Hingle & Others. (Transferor)

(2) M|s. Bemisal Builders.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons) whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land situated at lying and beingat Versova bearing S. No. 6, Hissa No. 3 (Part), C.T.S. No. 1225.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H[37EE]13774[84-85 on 22-10-1984,

LAKMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Hombay.

now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nomons, namely :--

Date: 27-5-1985

(1) Satish P. Kad.

(Transferor)

NOTICE-DIDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Rcf. AR.II|37EE|13394|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 501, 5th floor, Sagar Tarang CHSL J.P. Road, Andheri, Versova, Bombay-61, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has-been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 11-19-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transfero; to pay tax under the seld Act, in respect of any income arising from the transfer; 70\ bus
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Percy Jai Vakil & Firdaus Percy Vakil. (Transferee)

(3) Transferee. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereus as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Sagar Tarang CHSL., J.P. Road, Andheri, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|3712E| 13394|84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-5-1985.

FORM NO. ITNS-

(1) Mrs. Vanita Vasant Naik.

(Transferot)

(2) Mrs. Ushaben Bachubhai Jila.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. . AR.II|371:11|13968|84-85.—Whereas. I.

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Flat B-22, in Ha Darshan Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Gilbert Hill, Near Bhavans College, Andheri (W), Bombay-58, situated at Bombay.

situated at Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay

on 29-10-1984

on 29-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the said in th instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-22, in IIa Darshan Co-op. Hsg. Sty. Ltd. Gilbert Hill, near Bliavana College, Andheri West, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] Authority, Bombay under 13968 84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-5-1985. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

FORM IINS-

(1) Shri Om Prakash Vyas.

(Transferor)

(2) Shri Cletus Valentine D'Souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13908|84-85,-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value creeding Rs. 4,00,000|- and bearing No. Flat No. 504, 5th floor, 'Luv Apartment' C.S. No. P3, Veera Desai Road, Andneri (W), Bombay-58,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has seen transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objecti of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ter under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, 'Luv Apartment', C.S. No. P.3, Veera Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 13908 84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-5-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13865|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Gulshan Villa Premises CHSL., 'B' Building, Flat No. 607, 6th floor, G.D. Barfiwala Road, Andheri (W), Bombay-58, (and morefully described in the Schedule approved bareto).

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Mr. Parso M. Advani, 2. Mrs. Parpati M. Advani, 3. Mr. V. M. Advani.

(Transferor)

(2) Mr. Ashwin R. Gandhi.

(Transferee)

(3) Transferee & Faimily.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 607, 6th floor, B' Building, Gulshan Villa Premises CHSL, G.D. Barfiwala Road, Andheri (W), Bombay-

58.
The agreement has been registered by the Competent Serial No AR.II|37EE| Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| 13865|84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 27-5-1985.

(1) Master Jaydeep R. Whabi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II[37ER[43572]84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 2. I floor, Unit No. 10, Brighton Tower, Plot No. 356, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Transferor)

(2) Master Rajesh S. Lal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, I floor, Unit No. 10, Brighton Tower, Plot No. 356, S. No 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE Authority, Bombay under 13572 84-85 on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-5-1985

(1) Shri Natvarlal Ramshankar Joshi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Fatebehand Gopalji Mehta, Shri Nitin Fatchchand Mchta, Shri R. F. Mehta, Shri R. F. Mehta, and Smt. C. F. Mehta.

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

BOMBAY .

Bombay, the 27th May 1985

Ref. 'AR II|37EE|13440|84-85.--Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Flat No. 693. Chandraprabha. Plot No. 84, S. V. Road, Irla Bridge, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections ,if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 603, Chandraprabha, Plot No. 84, S. V. Road, Irla Bridge, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under Serial No. AR.III37EE Authority, Bombay und 13440|84-85 on 12-10-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioners Income-tax Acquisition Range-II **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act o the following persons, namely :-

Date: 27-5-1985.

(1) Mrs. Swaraj Y. Arora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAM-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR.II[37EE]13509[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act, that classiff to believe that the infinity able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Duplex Eangalow, 7-B, Indu Park, Four Bungalows Road, Andheri (W, Bombay 5%, (and hearte fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: wod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Premsagar P. Mathrani & Smt. Jayshree P. Mathrani, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Duplex Bangalow, 7-B, Indu Park, Four Bungalows Road, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomby under Serial No. AR.II[37EE] 13509[84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-5-1985.

Scal :

112-156GI 85

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13325/84-85.—Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 3, 1 floor Evertop Apartments CHSL., Sahakar Nagar, Andheri Versova Road, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bomban on 8-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market—value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor—by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Jawaharlal Maben & Mrs. Mary Laura Baben.

(Transferors)

(2) Mrs. Mary Vajravathy Soans & Miss Catherino Mitra Soans.

(Transferees)

(3) Transferees & their family.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date-of the publication of this notice in the Official Gallette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, I floor, Evertop Apartments CHSL, Sahakar Nagar, Andheri, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 27-5-1985.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mrs. Gulshan G. Morani.

(Transferor)

(2) Dr. Balbir Singh Suri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13503|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 22, Vira! Apartments, Viral Shopping Centre, Opp.

Ambar Oscar Cinema, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section, 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surveyes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Ast, or the Wealth-tex Ast, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22, Viral Apartments, Viral Shopping Centre, Opp. Ambar Oscar Cinema S.V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] Authority, Bombay und 13503|84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 27-5-1985

(1) Shri Natayan Shankar Gaikwad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Malite Chakkunny Peter.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR:II|37FE|13152|84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. A|103, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. A-103, Manish Nagar Bldg. on 40 J. P. Road, Andheri (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay und 13152|84-85 on 5-10-1984. Serial No. under AR.II|37EE|

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Comprient Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the following property are always as the said Act, to the said Act, to the said Act, to the following property are always as the said Act, to the sai ing persons, namely:-

Date: 27-5-1985

FORM ITNS-

(1) Mr. Pappu Verma, Mrs. Kavita Verma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Arjandas & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Rof. AR.II 37EE 13576 84 85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 205, Citizen, 3rd floor, Plot No. 27, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Oslawara, Versova, Andheri West,

Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall ha e the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 305, 3rd floor, Citizen, Plot No. 27 S. No. 41 (part) 4 bunglows, Oshiwara, Versova,, Andheri (W) Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under Scriel No. AR.II 37EE 13576 84-85 on 16-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-5-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Special Belting Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kalyal Koushalya Ramdhan,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR.II | 37EE | 13709 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 502, on the 5th floor, Bldg. Concord, Plot No. 16, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-58

bay-58,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

20-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, on the 5th floor, Building Concord, Plot No. 16, S No. 41 (part), 4 bunglows, Versova, Andheri west, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE] 13709[84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 27-5-1985.

Scal:

(1) Mr. Sushil Kumar Bhasin & others.

(Transferor)

(2 Mrs. Hawabibi M. Motala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AR.II 37EE 13955 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 503, on the 5th flor in the Bldg. Homestead, Plot No. 337 of S. No. 41 (Pt), 4 bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-58,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on **2**9-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perinod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovatle property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -The terms and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on the 5th floor, Building Home Stead, Plot No. 337, S. No. 41 (Pt), 4 bunglows, Versova, Andheri, West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE| Authority, Bombay und 13955 84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 28-5-1985.

Scal:

1) 1. Mrs. Vijaya Deshmukh,
 2. Mrs. Sheila Kriplani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs. Komotex.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AK.II|37EE 13199|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001, and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 73, 7th Floor, "Avinash" Andheri Versova Road, Plot No. 5, Scheme No. 121, Andheri (W), Rombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

131

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

Flat No. 73, 7th Floor, Avinash Building, Andheri Versova Road, Plot No. 5, Scheme No. 121, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II.37EE 13199 84-85 on 5-10-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 28-5-1985.

FORM NO. LT.N.S.-

(1) Mr. Mirza Mohmed Jawad Shah Baziyam.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mrs. Mackie Soli Contractor,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13230|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 22, II floor, 'Gautam Niwas', Varshna CHSL,

Flat No. 22, II floor, 'Gautam Niwas', Varshna CHSL., Near Seven unglows, Andheri (W), Versova Road, Bombay-

58, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, II floor, 'Gautam Niwas', Vaishna CIISL., Near Seven Bungalows, Andheri (W), Versova Road, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II₁37EE₁ 13230[84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 28-5-1985.

Scal:

113--156GI|85

(1) Mr. Surendra Kumar Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Kailash Das.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AR.II|37EE|13208|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Flat No. 606, 6th floor Bldg. 'Sun Swept' Plot No. 353, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400 058,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of kiny income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: --

(a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606, 6th floor Bldg. 'Sun Swept' Plot No. 353, S. No.41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay un 13208|84-85 on 5-10-1984. under Serial No. AR.II 37EE

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-5-1985

wal :

(1) Mrs. Harbans Kaur Janakdeep.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Mrs. Babay Krishana Naidu. 2, Mrs. Baby Krishana Uaidu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13655|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Shop No. 4, Jubilee Apartment, Yari Road, Versova, Markey 61 signated at Rombay.

Bonbay-61, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (F1-of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Jubilce Apartment, Yari Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13655 84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE|13392|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 104, 1st floor, Purshottam Housing Society

Ltd., Jai Prakash Road, Andheri (West) Bombay-58.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. K. S. Sujnani,

(Transferor)

(2) Chandrakant Kanji Sonani.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104. 1st floor in Purushottam Housing Society Ltd. at Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13392|84-85 on 8-10-1984.

> LAMAN DAS Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 28-5-1985

Soul :

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ramesh A. Whabi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13570]84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

haxman DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 1 on the Ground floor, building Brighten Tower Plot No. 356, S. No. 41 (part), 4 Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-400 058.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the proteins here not these trains are as different consideration. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mr. Shailesh B. Lal Clo Shri Vinay Sinha.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the Ground Floor, in the Building Brighton Tower on plot No. 356, of S. No. 41 (part), 4 bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13570[84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-5-1985

Soal:

FORM I.T.N.S ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13741|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
No. Flat No. B|8, on the 2nd floor, Jeevan Sudha Co.op
Hsg. Sty. Ltd., C.B. Burfiwala Marg, Juhu Lane, Andheri
West, Bombay-400 58, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:—

(1) Shri Chintamani Vishnu Karambelkar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sumrath B. Choudhary,2. Smt. Pushpa S. Choudri.

(3) Transferces & their family.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

MEMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|8, on the 2nd floor, Jeevan Sudha Co.op Hsg. Sty. Ltd., C.B. Burfiwala Marg, Juhu Lane, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II|37EE|13741|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 27-5-1985

(1) Lucky Framing Works.

(Transferor)

(2) Ambavi Ganesh Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13110|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 2, Palm Spring, Plot 26, Oshiwara Land, Otf. Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58,

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1951 in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Palm Spring, Plot No. 26, Oshiwara Land, Off. Four Bungalows, Andherl (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13110|84-85 on 3-10-1984.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lessue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

(1) Mr. Ashok Whabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kiran Prabhudas Mandavia & Mr. Rajni Prabhudas Mandavia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13090|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/and bearing

Shop No. 6, Gr. Floor, Bldg. 'Green Fields', Plot No. 333. S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58,

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shali have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Gr. Floor, Bldg. 'Green Fields', Plot No. 333, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andherl (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II[37EE]13090[84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isrue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-5-1985

Soal :

FORM ITNS----

(1) Mehmod Abdulla Patel.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khaliludin Sharafudin Shaikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II ВОМВЛУ

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13537|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 222, third floor, Boilding No. 2, Zakeria Aghadi Nagar Co.op. Hsg. Sty. Ltd., No. 1, Opp. Gulmohar, Yari Rd., Versova, Andheri, Bombay,

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Aothority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlifty of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersianed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 222, third floor, Building No. 2, Zakeria Aghadi Nagar, No. 1 Co. op Hsg. Sty. Ltd., Versova, Opp. Gulmohar Garden, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13537|84-85 on 15-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 114-156GI[85]

Bate: 28-5-1985

FORM ITNS -- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, .BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR, 11 | 37EE | 13848 | 84-85. - Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 604, Mcriaka, Nalanda Menka Co. op. Hsg Sty Ltd., Plot No. 142 143, J. P. Rd., Versova, Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-10-1984 for an appearent consideration which is less than the fale merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Dilip Babulal Vakharia.

(Transferor)

(2) 1. Sri Sayed Khalil A. Wahab,
2. Sri Sayed Mohammed Hasim A. Wahab
3. Sri Sayed Gayas A. Wahab,
4. Sri. Sayed Farid A. Wahab,

5. Sri Sayed Nasir A. Wahab.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Persons in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, Menka, Nalanda Menaka Co-op, H-g Sty Ltd., Plot No. 142, 143, J. P. Rd., Versova, Andheri, West, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13848|84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dato: 28-5-1985

Scal:

Large Till (1911) (1911) of the minister of the minister of the contract of th

FORM ITNS---

(1) Mr. Pravin Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37Eb,13553|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Flat No. 205, 2nd floor, Palm Beach Apts, J. P. Road, Mach-hlimar, Versova, Bombay-61

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed and agreement is registered under Section 26♥∧B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. George Thomas.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, Palm Beach apartments, J. P, Road, Machhlimar, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11|37EE|13553|84-85 on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-5-1985

FORM ITNS------

- (1) Capt. Harmindersingh & Smt, Raminder Kaur.
- (2) M|s. Bharat Laboratories.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13911|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Flat No. 703, on the 7th floor, Lands End, 'B' Lokhandwala Complex, Oshiwara Andheri West, Bombay-58 Rs. 1,00,000- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

at Bolling of 27-10-15-04 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Lands End B, Lokhandwala Coplex, Oshiwara Village, 4 bunglows, Andheri West, Bomba 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authrity, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13911|84-85 27-10-1984.

LAXMAN Da Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income t Acquisition Range-II, Bomb

Date: 28-5-1985

Scal:

FORM I.T.N.S ---

(1) Mr. Navin Kumar Batla

(Transferor)

(2) Mr. Sarbjeet Singh Chaddah.

(Transferce)

NOTICE UNDAR SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

> Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13340]84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/-

and bearing No.

and bearing No.
64-A, Sai Apartments, Off. J. P. Read, Opp. Pratap Society
4 Panglows, Andherr (W), Bombay-58
tand more fully described in the rehedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 8-10-1984
for an apprent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the true great to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesal i property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

64-A, Sai Apartments, Off. J. P. Road, Opp. Pratap Society, 4 Bunglows, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE 13340 84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Kusumdevi Dalmia,

(Transferor)

(2) Shri Kapadia Utlul Chandersen.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUN-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.JJ 37EE 13086 84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 404, IV Floor, 'B' Bldg. of Sunder Park, Veera Desai Road, Andheri Versova Road, Ambivali, Andheri(W).

Bombuy-400 058

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the eleject of :-

- (a) facilitating the reduction or eveston of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1857)?

Now, therefore, in pursuance of Section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely .---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, Fourth Floor, 'B' Bldg., Sunder Park, Veera Desai Road, Andheri Versova Road, Ambivali, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13086 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AND THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13805|84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,00|- and bearing Flat No. 2|A|303 on the 3rd floor, of A. Block, Building No. 2, Andheri, Versown Road, Andheri, West Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Subhash Manohar Bandiwdekar.

(Transferor)

(2) Mrs. Pratima C. Maiaker.

(Transferee)

(3) Transferor,

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2|A|303 on the 3rd floor, of A block, Building No. 2, Andheri Versova Road, Andheri (W), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37FF|13805|84-85 on 25-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 28-5-1985

(1) Shri Yashwant H, Hingle & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Ptem Hoshmatta Lalwani.

(Transferce)

(3) Transferors

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13773|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-Rs. 1.00.000l- and bearing No.

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Land at Yari Road, Versova S. No. 6, Hissa No. 3, (Part),

C-T.S. No. 1225,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memors or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said farmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Yari Road, Versova, S. No. 6, Hissa No. 3, (Part), C.T.S. No. 1225.

The agreement has been registered by the Competent Autho-

rity, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13773|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-5-1985

(1) Mr. V. A. Redkar,

(Transferor)

(2) Mr. Salim K. Daudani. Mr. Anwar K. Daudani

(fiansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TEAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, ВОМВАУ

Rombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13292|84-85.-Whereas, J. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Apna Ghar Co-on, Housing Soc. Unit No.-3, Bldg. No.-A|29,

Flat No. 207, Andheri(W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Toronte tax. Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bembay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax √√ 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the followlag persons, namely 1~ 115-156GJ/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apna Ghar Co-op. Housing Society Ltd. Writ No. 3, bldg. A-29, Flat No. 207. Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H 37EE 13292 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) R. Desikachari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. S. Gulrajani & Mrs. A. G. Gulrajani

(| ransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. RF.II[37EE]13637[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 102, in A-Wing of Shree Gopinath Krup Co-op-Housing Society on Plot No. 40 of Manish Nagar, J.P. Road,

Andheri (West) Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days frees the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, A-Wing of Shree Gopinath Krupa Co-op Housing Society on Plot No. 40 of Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13637|84-85 on 19-10-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date : 29-5-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Dhun Homi Lakadia.

(Transferor)

(2) Mr. Darayas Pesi Dastoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee family. (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JI, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13120|84-85.--Wheeras, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 34, III Floor, Jubilee Darshan, Plot No.-2, CTS No.-1108/10, Yari Road Versova, Bombay-400 C61

(and more fully described in 112 Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. to transfer: respect of any income arising from the and/er
- of any income or (b) facilitating the concealment any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No.-34, III Floor, Jubilec Darshan, Plot No.2, CTS No.-1108/10, Yari Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13120[84-85 on 3-10-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in purusance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedy :--

Date: 29-5-1985

Scal:

- (1) M|s Hitesh Construction Co.
- (Transferor)

(2) Shri Ram Raipal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|371:E|13386|84-85. - Whereas, I,

Ref. No. AR. III 3 / 12 | 13386 | 84 83. - Whereas, I, LAXMAN Das, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 | and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, 'Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-61, (and more fully described in the Schedule extreme).

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as nareed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th 'floor, 'Suman' Building, C.T.S. No. 1206,

Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay 400 061.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13386 84-85 on rity, Bombay 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-5-1985

(1) Sudha Madbav Mane.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Taraji Ehnath Mane.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13893|84-85,---Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imformation of the said Act') is the said Act'. movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Flat No. Al9 on 3rd floor in 'Eversun' Co-operative Housing Society, J.P. Road, Andheri (West) Rombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfered and agrement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) inclitating the reduction or evenion of the Mability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 57 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. A|9, 3rd floor in 'Eversun' Co-operative Housing Society, J.P. Road Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13893|84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellow-ing persons, namely:—

Date: 28-5-1985

Scal:

(1) Sudha Madhav Mane

(Transferor)

(2) Taraji Eknath Mane

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. 48.11/37EE/13893/84 85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. A 9 on 3rd floor in 'Eversun' Co-operative Housing

Society, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-58.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- se ujaioq poen suoissoidro pue suilo; oll—: nollvaviaxi art nollva in campo. XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101BF floor, 'Nimachal' Bldg, Juhu Lane, Andheri (Fest), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bornaby under Serial No. AR.II|37EE|13893|84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

FORM ITNS----

- (1) Smt. Bharati Anil Rane.
- (Transferor)
- (2) Smt. Hansaban Rafilal Shah.
- (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EF|13880|84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 24, 2nd floor, Radht Shyam Apartment,
Juhn Lane, Andheri Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Computent Authority at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, Radhe Shyam Apartment, Juhu Lane, Andheri, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13880 84-85 on 27-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

Date: 28-5-1985

(1) Mrs. Niruben Narandas Bhagat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Harshita A. Tyagi.

(Transferee)

(3) Transferee,

(Person in occuptation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13056|84-85.—Whereas I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 508, Nirman Cottage, Yari Road,

Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act; in respect of any income arising from the transfer; said /qq
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, chover period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 508, Nirman Cottage, Yari Road, CTS No. 1036. Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|13056|84-85 on 1-10-1984

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-5-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

(1) Mrs. Netra Mohan Deodhar.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumer Mohan Dighe.

(Transferec)

(4) M/s. Oshiwara land development Co. (Pvt.) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Rombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II[37FF|13046|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I-lat No. C-402, 'Benhar' 4th floor, 15|8 of S. No. 41, 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and market the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
116—156GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-402, 'Benhar' 4th floor, 15 8 of S. No. 41 4 Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13046]84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 28-5-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13641[84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value Shop No. 14. 'Sunder Park' Bldg 'A', Ground floor, Veera Desti Road, Off. Last Corner, Touching Linking Road, Andheri (W), Bombay-58 (and parts of the School of the School

Touching Linking Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any aroneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Valia Investment Corporation.

Transferor)

(2) Smt. Indira K. Shah.

(Transferce)

3) Transferce.(4) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14 'Sunder Park' Building 'A' Ground floor, Veera Desai Road, Off. Last Corner, Touching Linking Road, Andheri (West), Bombay-58. The agreement hass been registered by the Competent

The agreement hass been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EF|13641|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JI
Bombay

Date: 28-5-1985

Scal :

(1)Smt. Bharti R. Makhija.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakash P. Jlandani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. **ACQUISITION RANGE-II BOMBAY**

Rombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13151|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have feason to believe that the immovable having a fair matket value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Flat No. 2, 1st floor, Thakkaris Apartment, 'A' Plot 203-A, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-57 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- fb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, marnely :-

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No.-2, 1st floor Thakkaris Apartment 'A' Plot 203-A, Juhu Lane, Andheri (W), Bombay-400057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37FE 13151 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Bombay

Date: 28-5-1985

Sen! :

FORM 1.T.N.S .--

(1) Shrì Shantaram Pundlik Karangutkar.

(Transferor)

(2) Shri Janak Kumar Passi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.11/37FF/13654/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000]- and bearing.
Unit No. 115 B, 1st floot, Andheri Industrial Premises Co.op.
Hsg Sty I td., Ambivli Village, Veera Desai Road,
Andhtri (W), Bombay-400058 situated at Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
las been transferred and agreement is registered under
Section 269AD of the Income-tax Act, 1961, in the
office of the Competent Anthority at Bombay on
20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property the publication of the

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 115, B. 1st floor, Andheri Industrial Premises Coop Hsg Sty Ltd., Ambivh Village, Veera Desai Road, Andheri West Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13654 84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I!
Bombay

Parte : 28-5-1985

(1) M/s. Chanderwal Jain.

(Transferor)

(2) Mr. Arjundas Kalra.

(Transferce)

NOTICE UNITER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IJ BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR 11/371-E/13205/84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-Results of the said Act), have reason to believe that the interior able property, having a fair market value exceeding Res. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 605, 6th floor, Bldg 'Sun Swept', Plot No. 353, S. No. 41 (Part) Four Eungalows Versova, Andheri (W), Bombay-54 situated at Bombay ford proper fully aperalised in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor, Bldg. 'Sun Swept', Plot No. 353, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II[37EE]13205[84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 28.5 (1985)

Scal:

FORM ITNS---

(1) M|s. Rajkumar Agencies.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ramesh Khatsi Gode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.37EF|13838|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

Shop No. 43, Reshaulal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Andheri (W), Versova, S. No. 41 (P); near Apna Ghar, Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purnuance of Section 269C of the sild Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period surpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 43, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Oshiwara, Andheri (W), Versova, S. No. 41 (Pt.) near Apna Ghar, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II]37EE|13838[84-85 on 26-10-1984]

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 28-5-1985

FORM ITNS ----

(1) Mustan Mulla Kamruddin Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Amarlal H. Makhija2. Smt. Vidya N. Gogia3. Shri Suresh T. Parsoni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II POMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No AR.II[37HE]13364[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Shop No. 6 on the ground floor, in the Bldg, Mini Jewel,
J. P. Road, Versova, Bombay-61 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), had more fully described in the Schedule annexed hereof, had been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair suarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of canster with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (51 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inmate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that · Disples.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, on the Ground Floor, Building Mini Jewel, P. Read, Versova, Rombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13364[84-85]

on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Bombay

Date: 28-5-1985

FORM ITNS-

(1) Mrs. Salma A. Rohadia Moscs David.

(Transferor)

(2) Mr. Kably Parvez Suleman.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AR. 11|37EE|13843|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 223, Building No. 2, 3rd floor, of Zakaria Aghdi Nagar No. 1 Co-op. Hsg. Sty Ltd., Versova, Andheri, Bom-

bay-400 061

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immtov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said oct, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 223, Building No. 2, 3rd floor, Zakaria Agahdi Nagar No. 1 Co-op. Hsg. Stv. (19) Ltd., Versova, Andheri, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II 37EE 13843 84-85 on 26-10-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 28-5-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269'D(1) OF THE INCOME-1'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Bhavna Prakash Asrani

(Transferor)

(2) Mr. Manglani Mohan R. & Mrs. Manglani Poonam M.

(Transferce)

(3) M/s. Apex Constructions.

may be made in writing to the undersigned :-

(Persons in occupaion of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 29th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13177|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 160,000]- and bearing No.
Hat No. B|401 in Nebula Apartments Hiranandani Estate,
Oshiwara, Andheri (W). Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less thann the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the forposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

117-156 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|401 in Neblua Apartments, Hiranandani Estate, O hiwara, Andheri(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13177|84-85 on 5-(0-1984,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tux
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 29-5-1985

(1) Mrs. Sharda Gopaldas Shah, Mr. Gopaldas Jamnadas Shah and Mr. Dilip Gopaldas Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Ramesh R. Innani Jt with Mrs. Anju R. Innani.

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AR.11|37EE|13719-B|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000]— and bearing

Flat No. 501, on the 5th floor, of Vijay Apartment, value exceeding

C. D. Barfiwala Mart, Juhu Lane, Andheri west, Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date_of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Flat No. 501, on 5th floor, Vijay Apartment, C. D. Barflwala Mart, Juhu Lane, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13719|84-85 on 20-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-5-1985

FORM I.T.N.S.-

- (1) Mr. Jimmy Dorab Dorabice.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Rekha Kishan Mchta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13209|84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 503, 5th floor, Bldg. 'REGANCY-B', Plot No. B-5, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay 58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trainsfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Bldg. 'Regancy-B', Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13209|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-5-1985

(1) Mis. Bonanza Exports.

(Transferor)

(2) M/s. National Plastic Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13927/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. AR.II|37EE|1392/|84-85.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. P & F, and Phase Wo. 15 at Laxmi Industrial Estate. Block-E, Village Oshiwara, Taluka Andheri, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the stud Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. P&F, and Phase No. 15 at Laxmi Industrial Estate Block-E, Village Oshiwara, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13927|84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 28-5-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. A. H. Merchant & Mrs. Z. A. Merchant. (Transferor)

(2) Mr. Abdulla Anamed & Hawabi Abdulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. No. AR.U[37EE[13979]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Bidg. No. C, Fiat No. 32, Co. H. S. Sahakur Nagar, Andheri (W), Bombay-58,

situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the feet market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bidg. No. C. Flat No. 32, H. S. Sahakar Nagar, Andheri-(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37FE 13979 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 28-5-1985

FORM ITNS ...

(1) Mrs. K. S. Sajnani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chandrakant Kanji Sonani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AR. II/37EE/13383/84-85.--Whereas, I, LAXMAN being the Competent Authority under Section 269B of the incompetar Act, 1961 (43 of 1961) (herelaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Flat No. 104, 1st i'loor, Purushottam Building, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58

situated at Bombuy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evenion of the Heblity of the transferor to pay tax under the said Ast, in spect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any motioys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereif as one defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Purushottam Bldg., J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.1[|37EE|13383|84-85 on 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby miliate proceedings for the acquisition of the advenced property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-5-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE CINDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Ramkishordas,

- 2. Hardeodas,
- 3. Satyadeodas and 4. Ramapatidas.

(Transferor)

(2) Ms. Hemali Enterprises.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th May 1985

Ref. AR. III37EE|13921|84-85.---Whereas, I, LAXMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing

No. Property situated at Village kondivitta, Andheri (W), S. No. 46, Hissa No. 4, C.T.S. No. 515 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property situated at Village Kondivitta, Andheri (W), S. No. 46, Hissa No. 4, C.T.S. No. 515.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR. II[37FE]13921]84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 28-5-1985

and a substitutive for the contract of the con FORM ITNS-

(1) Mr. Kishanlal Kanodia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR. II]37EE[13777]84-85.--Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 603, Building Spring, Leaf, Plot No. 61, 62, 3, No. 19A, 95A, 7 Bungalows, Andheri, West, Bombay-61

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Bhupendrabhai C. Mehta,

(Transferce)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, in the Building Spring-Leaf, Plot No. 61, 62, S. No. 19A, 95A, 7 Bunglows, Andheri West_Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under Serial No. AR, III37FE[13777]84-85 on 22-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-5-1985

(1) Mrs. Pushpa Khubchand Keswani.

(Transferor)

(2) 1. Roshanlli Dawood Nasser & 2. Roshanalli Hasanalı Lakhani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR. II|37EE|13473|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 1, Heena Cottage, Zakuria Aghadi Nagar, Yari Road, Versova, Bombay-400 061 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising (row the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Heena Cottage. Zakaria Aghadi Nagar Yari Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seriol No. AR.II 37EE 13473 84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-5-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--118-156GI/85

FORM ITNS----

(1) Mr. Kiran Prakash.

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti Markan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u>・ 1987年</u>(4.11年) 4.12年 - 14.12年 - 14.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR. 11[37EE/13959[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to belive that the immovas the said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing
No. Flat No. 301, III Floor, Bldg. 'Harmony-A', Plot No. 343, Versova, Andheri (W), Bombay-58 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

ar Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'a exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, III Floor Bldg. 'Harmony-A' Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13959|84-85 on 29-10-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons. namely:-

TAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-5-1985

NOTICE UNDER SETION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR. il₁37EE/13772/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Piece & parcel of land at Versova S. No. 105, C.T.S. No. 1258 & 1258 (1 to 6), S. No. 10, Hissa No. 3, C.Y.S. No. 1260

1259

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kisan Ramchandia Keshe & Others.
 (Transferor)
- (2) M/s. Bemisal Builders (P) Ltd.

(Transferce)

(3) Transferors.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece & parcel of land at Versova S. No. 105, C.T.S. No. 1258 & 1258 (1 to 6) S. No. 10, Hissa No. 3, C.T.S. No. 1259.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II[37EE]13772[84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-5-1985

Scal:

(1) Mrs. Zarafshan S. Bhasin & Others.

(Transferor)

(2) Mariambibi Ebrahim Mamoorie.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR. II|37EE|13957|84-85.---Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Flat No. 502, on the 5th floor, Bldg. Homestead, Plot No. 337, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri West Bombay-58

West, Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer; and/or

Flat No. 502, 5th floor, Building Homestead, Plot No. 337, S. No. 41, 4 bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13957|84-85 on 29-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o the said Act, or the Wealth-tax, Ast, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons 4timety:—

Date: 27-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR.11|37EE|13097|34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269 B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. Shop No. 5 on Groundfloor, in Nebula Apartments, at

Four Bunglows, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

tating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, ad/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Mrs. Kanwal Ammer & Mr. Rakesh Silaichia, (Transferor)
- (2) Shri Ashok L. Whabi.

(Transferee)

(3) Apex Constructions.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, on the ground floor, in Nebula Apartments, at Four bunglow Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13097|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-5-1985

Scal:

FORM ITNS-----

(1) Vee Pee Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Suraiya Khan & Mr. Asif Khan

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 27th May 1985

Ref. AR. II[37EE]13502[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Flat No. 502, 5th floor, Everest Building, Ganga Bhavan,

J.P. Road, Versovn, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Everest Buildings, Ganga Bhavan, J.P. Road, Versova, Andhert (W), Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13502[84-85 on 12-10-1984.

> **I**XMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namery:-

Date: 27-5-1985

(1) M|s. Alpana Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Ridhikaran P. Sharma.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 200D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF NDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Rombay, the 1st June 1985

Ref. AR. II|37EE|13656|84-85,-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Alka Apartmens, 27 Jogeshwari Co-op. Hsg. Sty. Itd.,

Road No. 4, Jogeshwari-East, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957:4(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Alka Apartments, 27 Jogeshwari Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Road No. 4, Jogeshwari-Past Bombay-60. S. No. 3.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13656|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 1-6-1985

(1) Satyam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sureshbhai Bapalal Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II 37EE 13642 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. Gala No. 17 in Satyam Industrial Estate, 1st Foor,

Subhas Rd., Behind Carona Shop, Jogeshwari (E), Bombay-60.

situated at Bombav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 17, in Satyam Industrial Estaté, 1st floor, Subhas

Road, Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13642|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 1-6-1985

(1) Shri Pukhraj Premchand Shah.

(Transferor)

(2) Mrs. Indraben G. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II/37EE/13103/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. Flat No. 1, 1st Floor, G-Building, Parasnagar Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Jogeshwari (S), Bombay-60 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er:

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following nerons namely:-

119-156GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st Floor, G-Building, Parasingar Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Jogeshwari (E), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13103|84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 1-6-1985

144 A. J. M. 154 A. FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II 37EE 13806 84-85 .-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. No. Flat No. 14, 31 situated Virgo-Ville Co-op, Soc. Shirly

Rajan Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tag Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Angela D'Souze,

(Transferor)

- (2) Miss Khorshed Homi Engineer & Mrs. Najoo Homl Enginter.
 - (Transferee)
- (3) Transferee. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as priven in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 14, Virgo-Ville Co-op. Hsg. Sty. Ltd., 31, Rajan Road, Bandra, Vest, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seriol No. AR.II 37EE 13806 84-85 on 25-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 1-6-1985

(1) Mis. Venus Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Mary Bannerjee.

may be made in writing to the undersigned .-

(Transferee)

NOTICE INDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. AR.II|37FE|13523|84-85.--Whereas, I, LAXMAN

DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovement having a fair market value exceeding property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 101, 1st floor, Plot No. 288, Bandra-Wset,

Bombay-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 101, on 1st floor, in the building Jai Darshan, Plot No. 288, S. No. 392, Chimbai Road, Bandra West Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13523|84-85 on 15-10-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 1-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Nasceruddin Shah,

(2) Shri Narain H. Sobhani.

(Transferor)

Transferee.

(Transferce)

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

kef. No. Ak. II]37EE|13196|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the insmovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. 8 A, Dreamland Bldg., 13, A. Rajan Road, Rajan Village, Off. Carter Road, Randra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed herete)

has been transeferred and tthe agreecment is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) faillitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following notions, barnely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8]A, Dreamland Building, 13, A, Rajan Road, Rajan Village, Off. Carter Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13196|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 27-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Martin Fonseca.

(Transferor)

(2) 1. Miss Elizabeth Lobo. Mr. Arun A. Rodrigues.
 Mrs. essica P. Lobo.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

> Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13175|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 005, Ground Floor, The New Pavanvhiar Co.op. 'GREENFIELDS'' Sharly-Rajan Road, Bandra, Bombac', Gand more fully described in the Schedule approved hereto.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the finbfiley of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax -int, 1957 (27 at 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Expranation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 005, Ground Floor, Green Fields, The New Pavanvhiar Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Sharly-Rajan Road, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13175[84-85] on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 1-6-1985

Seeu:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985.

Ref. No. AR.II|37EE|13770|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. C4|5th floor, Kanti Apartment, Mount Mary
Road, Bandra, Bombay-400 050,
(and more fully described in the Schedule annexered hereto),
has been transferred and agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 22-10-1984

Bombay on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been truly stated in the said instrument a transfer with the object of the said instrument.

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-cection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Mis. Kamal & Co.

(Transferor)

1. Mr. Uttamchand S. Alichandani.

Mr. Uttamchand S. Alichandani,
 Mrs. Radharar U. Alimchandani,
 Mr. Hiralal U. Alimchandani,
 Mrs. Nishah Alimchandani,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ister;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C4|15th floor. Kanti Apartment, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13770|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR, II 37EE 13857 84-85.-Ref. No. AR.II]37EE[13857]84-85.—
Whereus, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
I'lat No. 14, 4th floor, Skyiark Apts at 6D Opp. 27 Union
Park, Bandra, Bombay-52 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has these transferred and agreement is registered under has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Deepak Roy

(Transferor)

(2) Deepak Chopra

(Transferce)

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property) (4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property) may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 14, 4 th floor, Skylark Apartments, at 6D, Ghuim, Opp. 27 Union Park, Bandra, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13857|84-85

on 26-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

in pursuance of Section 269C of the said ate proceedings for the acquisition of the by the issue of this notice under sub-tion 269D of the said Act, to the followly :—

Date: 1-6-1985

Scal:

(1) M/s. Delite Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjun Lachmandas Narang

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) M/s. G. S. Builders

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 1st June 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR.II|37EE|13510|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Flat No. 2, 1st floor, Shale Rock, Plot No. CTS No. C.41, Somnath Lane Bandra, Bombay-50 situated at Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2. 1st floor, Shale Rock, Plot No. CTS No. C.41, Somnath Lane, Bandra, Off. Hill Road, Bombay-400 050.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13510|84-85 on 12-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

Soal :

(1) Ms. Madhava United Hotels International Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Tilak Raj Gangaram Bhari

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13715|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. M-203, 2nd floor, Madhava, Plot No. C.4, in the E Block of Bandra. Kurla Complex, Bandra, East, Bombay-51

Situated at Bonday.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office in the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -120-456GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:-

THE SCHEDULE

Unit No. 203-M, 2nd floor, C.4. Plot, in the E Block of Bandra Kurla Complex, Bandra East, Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13715|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, -Bombay

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IL ROMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13374|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Shop No. 35, (previously 1 & 2), Near Main Entrance Gate of Sea Bird, 114, B. J. Road, Bandra, Bombay 400 050.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market walue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Mohammedali Kessamali Porbandarwala, 2. Mrs. Noorsultan Mohammadali Porbandarwala
- Fatima Anwar Jetha

2. Murad Anwar Jetha (Miner).
3. Miss Alcena Anwar Jetha (minor).

(Transferee)

(3) Transferor

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from s service of motion on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 35 (previously 1 & 2) Near Main Entrance gate of Sea Bird, 114, B. J. Road, Bandra, Bombay-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II 37EE 13374 84-85 on 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition kange-II Bomba

Date: 3-6-1985

(1) Shri Subhash V. Karani

(Transferor)

(2) Smt. C. N. Rajdeo

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13929|84-85,---Ref. No. AR.IIJ37EE[13929]84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Shop No. 2, Fiona, Juhu Tara Road, Santacruz west, Bombay-400 054 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984 for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(v) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatt property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Fiona, Juhu Tara Road, Santacruz west, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EF 13929 84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13147[84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 'Act, 1961 (43 of 1961) (bereinstter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 601, & 602, 6th floor, Sanjari Apartment, 274 Swamy Vivekanand Rd., Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly (inted in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferse for which ought to be disclosed by the transferse for the rapposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Aziz Ebrahim.

- Shri Haroon Ebrahim,
- 3. Shri Iqbal Ebrahim.
- 4. Smt. Fatimabai Ebrahim.

(Transferor)

- 1. Shri Gulam Mohd. Noor Mohd. ajani.
 2. Shri Abdul Rahim Noor Mohd. Rajani.
 - 3. Mrs. Saroobai Noor Mohd, Rajani,
 - 4. Miss. Razia Noor Mohd. Rajani.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphise property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 601 & 602, on the 6th floor, Sanjari Apartment, 274 Swamy Vivekanand Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13147 84-85 on 5-10-1984.

> LAWMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: persons, namely : -

Date: 3-6-1985

(1) Natasha Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s Patel Roadways (P) Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ret. No. AR.II|37EE|J3414|84-85.---Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable are the income tax in the income property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Terrace Space & Parking Space Nos. 9 & 10, in the
Building Natasha, situated at 52, Hill Road, Bandra West,
Bombay-50, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Corporation Application of

the Competent Authority at Bombay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Terrace & Parking Space Nos. 9 & 10, in the Bldg. Natasha, situated at 52, Hill Road, Bandra west, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|13414|84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

(1) Ms Vijay Raj & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamal Gul Jessani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13276[84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedi Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 61 on the 6th floor, Vijay Raj 229, S.V. Road, exceeding

Bandia (West) Bombay-400 050.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair . market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the martice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice he the Official Guestie or a period of 30 days from n survine of nation on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazatte 2-

EXPLANATION !- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said AGA shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, on 6th floor, Vijay Raj 229, S.V. Road, Bandra West, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13276 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-6-1985

FORM I.T.N.S.--

(1) Smt. Shrinbai Faramvoze Siganporia and Mr. Faramroze Jehangir, Siganporia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M Devending Construction Company.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13138|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tnx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Land lying being and situated at 24th Road, Bandra, Final Plot No. 37, of Town Planning Scheme III of Bondra

Division, Bombay, situated at Bombay (anxiemore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Fignal plot No. 37, of the Bandra Town Planning Scheme No. III. situated at 24th Rd., Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|13138|84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second property of the contract of the second party of the

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13231|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 302, Larissa, Plot No. 39B, Off. Situdevi Temple Rd., Mahim, Bombay-58.

situated at Bombay (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the evject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, to
 respect of any income arising from the transfer
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s Galaxy Corporation.

(Transferor)

(2) Nanda Ahil Sunkersett, Alman Anil Sunkersett, Shunal Anil Sunkersett, Prabhakar Raoji Sunkersett, & Sumati P. Sunkersett,

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, "Larissa", Plot No. 396B, Off. Siladevi Temple Rd., Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37FE|13231|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PSCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13232|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No

Flat No. 301, Larissa, Plot No. 396B, Off. Sitladevi Temple Road, Mahim, Bombay-16, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herete),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitation the reduction or evacion of the link of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cubaforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely :-121-156GI/85

(1) M|s. Homestead Estates & Properties (P) Ltd. (Transferor)

(2) Prabhakar Raoji Sunkersett.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, "Larissa" Plot No. 396B, Off Sitladevi Tem-

ple Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.!! 37! 1 13237 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

(1) Charu Trust.

(Transferor)

(2) M|s. Lincoln Nursing Home.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II]37EE]13589[84-85.---Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sai Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Ground Floor, Rajkir Apartments, 8th Road, Khar, Bombay-

52, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the feduction or evention of the Unblity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gauste or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor, Rajgir Apartments, 8th Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE|13589|84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 3-6-1935

Scal :

FORM ITNS---

(1) Smt. Jyoti Nandlal Achhipiliya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramakrishnan Hotchand Lalwani.

may be made in writing to the undersigned :--- .

whichever period expires later:

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13813|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 12, 2nd floor, Khar, Bonabay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 25-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-try Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

E 1 NOT THE EAST TWO STR

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd Floor, Purushotham Bhagwan Co-op. Hsg. Sty. Ltd. 15th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13813|84-85 on 25-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1985 Seal:

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13176|84-85.--Whoreas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 4.00,000]- and bearing No.
Flat No. 15, in Crescent Co-op. Hsg. Sty. Ltd. Puli Hill Rd.,
Khar. Bombay-52 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Surinder Singh Sabaharwal.

(Transferor)

(2) Mr. Mahinderpal Singh Bhasin & Mrs. Jaspal Kaur Bhasin,

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, in Crescent Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Pali Hill Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13176 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act to the following: persons, namely :-

Date : 1-6-1985 Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Rasikalal J. Dave.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-T LY ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dipak C. Hinduja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37EE[13071]84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lamestable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Kalpak Bldg., Khar (West), Plot No. 465, 15th Road, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 20,9AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insurerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the tran
- (b) facilitating the concentration any moneys or other assets which have not which ought to be disclosed by the transfer the purpose of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act or the West Act, 1957 (27 of 1957); Was Hairs

New, therefore in primutator of Section 249C of the m Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26915 of the said Act, to the fellowing ing persons, namely :---

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Kalpak Bldg., 2nd Floor, Plot No. 465, 15th Road, Khar West, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR. II|37EE|13071|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

- (1) M|s. Amar Constructions.
- (Transferor)
- (2) Mr.Fazlur Rehman Fakrul Hasan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13861|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 505, 'Amar Tower', 5th floor, Near Chandan Cinema, Juhu-Bombay-49, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of property.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsens, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505, Amar Tower, 5th floor, near Chandan Cinema, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13861|84-85 on 26-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

(1) Mr. Bhikhubhai D. Topiwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. V. Trivedi and Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13433|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fiar market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 4, 6th Floor, Sagar Sangeet, Dr. A. B. Nair Road,

and or

Juhu. Bombay-49 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of vansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 6th Floor, Sagar Sangeet, Dr. A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13433|84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Veguestion Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely : --

Date: 3-6-1985

FORM ITNS-

(1) Mrs. Nasreen Hyder & Miss Zarcen Kably.
(Transferor)

(2) Mr. Elwyn D'Souza &Mrs. Sybil D'Souza, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Rcf. No. AR. II|37EE|13842|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Cottage No. 9, Udadhi Tarang Co-op. Hsg. Sty Ltd. Juhu
Tara Road, Near Hotel Bombay-49 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; seed for

(0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the service period, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Cottage No. 9, Udhadhi Tarang Co-op. Hsg Sty Ltd., Juhu Tara Road, near inhu Hotel, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Compay under Smiol No. AR, II]37EE|13842|84-85 on 26-10-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Stange-II. Bombay

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|377E|13683|84-85.-Whereas, I

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Rs. 1,00,000 and bearing Building No. A, Flat No. 22, Udadhitarang Co-op. Hsg. Sty. Itd., Juhutara Rd., Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumont of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-122---156BI/85

(1) Mrs. Sushila K. Karkera.

(Transferor)

(2) 1. Dhirajolal Pragji Saraya and 2. Mrs. Jayashree—Bharat Kumar Thakker.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building No. A, Flat No. 22, Udidhitarang Co.op. Hsg. Sty. Ltd., Juhutara Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13683 84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range II, Bombay

Date: 3-6-1985

(1) Shri Vihtaldas Ramkishan Phaphat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Govardhan Singh Baid (Transferce)

(3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13499|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Flat No. 241, Ground Floor, Green-Acres, Juhu Karmayog Co-op Hsg. Sty., Bldg. No. 15-A, North South Road, No. 5, Bombay-49 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a pariod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions EMPLAMATION !used becelo are defined in Chapter XXA of the said.
Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 241, Ground Floor, Green Acres, Juhu Karmayog Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Bldg. No. 15-A, North South oad No. 5, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, II|37EE|13499|84-on 12-10-1984.

XMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13860|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 506, Amar Tower, 5th floor, near Chandan Cinema,

Juhu, Bombay-49 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 35f 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Ms. Amar Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Hakikus Nisha Fakrul Hasan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. Flat No. 506, Amar Towers, 5th floor, Near Chandan Cinema Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13860 84-85 on 26-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13088|84-85.-Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 10 on 2nd Floor, Manohar Mahal, Mogal Lane, Mahim, Bombay-16 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Florinda Cajetan Braganza.

(Transferor)

(2) Mr. Manohar Dattaram Rao & Mrs. Kavita Manohar Rao.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 2nd Floor, Manohar Mahal, Mogal Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR. II|37-EE|13088|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

(1) Miss Siporoza D. D'Souza.

(Transferor)

(2) Shri Shashikant Dattatraya Raje.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13787|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Comperent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 2, on the Ground Floor Block C in Gulati Co-op.
Housing Society Ltd., Sitaladevi Temple Road, Mahim,

Bombay

sittated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 2.69AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the inference of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers tina /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on the ground floor, Block-C, Building in Gulati Co-operative Housing Society Ltd., Sitaladevi Temple Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13787|84-85 on 22-10-1984,

> L'AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13909|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00|- and bearing No. Madan Smruti, T.P.S. IV, Mahim, 1137, Veer Savarkar Marg,

Bombay-400028

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Uday Vasantrao Diwane 2. Shri Dinesh Vasantrao Diwani,

(2) 1. Dr. Smt. Pushpa Johari

2. Shri Piyush Johari, 3. Shri Sandeep Johari, 4. Dr. Bhagwati S. Johari.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madan Smruti. T.P.S. IV, Mahim 1137, Veer Savarkar Marg, Bombay-400028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13909|84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

(1) Mr. Ashok Lachman Lulla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TEX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kishore Vadilal Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13620 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

roperty having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000]- and bearing Unit No. 142, Kaliandas Udyog Bhavan, Plot No. 1081 1082 of T.P.S. IV, Mahim, Near Century Bazar, Prabhadevi

Bombay-25, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or

> Unit No. 142, Kaliamdas Udyog Bhavan Plot No. 1081/1082 of T.P.S. IV, Mahim, Near Century Bazar, Prahbadevi, Bombay-25.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13620[84-85 on 19-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 1-6-1985

LURN ITNS

(1) Mr. Nariandas Kanayalal Mehta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arjan Shamdas Dansinghani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13582|84-85.-Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing
Flat No. 8, 3rd Floor, Sweet Home Co-operative Housing
Society Ltd., Plot No. 442, Pitamber Lane, Mahim, Bombay-400016.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

days from the service of notice on the respective

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the haid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor, Sweet Home Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 442, Pitamber Lanc, Mahim, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR.III|37EE|13582|84-85, on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

FORM ITNS-----

(1) M/s. Industrial Surface Coatings.

(Transferor)

(2) Mr. Hiralal Develand Sanghvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) M/s. Iyoti Agencies.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, COMMIS-BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II $|37\Sigma E|13980|84-85$.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 8, Green Field, Kapad Bazar, Mahim, Bombay-

400016

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under School 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer and/or
- (w) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 1590 of the said Act to the following persons, namely 123-156GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 8, Green Field, Kapad Bazar, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13980|84-85 on 30-10-1084.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

- (1) Shri Shared Sukhlal Shah.
- (Transferor)
- (2) Shri Pragji Nagji Parmar,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Transferor,

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st June 1985

Rcf. No. AR.II|37EE|13204|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

One Unit situated on the Plot No. 408, Mogal Lane, Mahim,

Bombay-16.

situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thun fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

One Unit situated on the Plot No. 408, Mogal Lane, Mahim Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13204|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

H. Shaida.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13983|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

and bearing No. Flat No. 702, 7th floor Building No. 16, forming part of survey No. 41, Village Oshwara, Behind Behram Baug,

Jogeshwari (W), Bombay-58 situated at Bombay

(and more fully describe in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2693 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prpoerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(Transferce)

(2) Dr. Munawar Hussain Pardhan and Mr. Muhamedally

Objectios, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Building No. 16, forming part of survey No. 41, Village Oshwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE/13983/84-85 on 30-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Dr. Abdul Rasul G. Mcghji.

asay he made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II]37EE[13982[84-85,---]Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 702, 7th Floor, Building No. 15, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug.

Jogeshwari (W), Bombay-58

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

fer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax -Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Building No. 15, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR, JI 37EE 13982 84-85 on 30-10-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-6-1985

andron and the continuous community on the first and states are continuous to the states are also assessed as FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME: IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II₁37EE|13981|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 702, 7th Floor, Building No. 17, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

for the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the unbhity of the upuateror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers amil/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(2) Mr. Mazeher Meghji.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Building No. 17, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Iogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13981 84-85 on 30-10-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa, d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date : 4 6 1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961) (2) Shri Sadanand D. Bapat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR,II|37EE|13802|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 702, 7th Floor, Building No. 14, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 196I in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax xunder the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; ind/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act, of the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1967);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

amy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Building No. 14, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13802 84-85 on 25-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(2) Mr. Mohamed Sharif Moharali.

(Transferee) (Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13718|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 -

Flat No. 401, @ 4th Floor, Building No. 7, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent Authority at Bombay on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthdax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fat No. 401, 7th floor, Building No. 7, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-40058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE/43718/84-85 on 20-10-1984.

Inspecting

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !--

Date: 4-6-1985

Seal

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(2) Mr. Amina Talib Ghazali.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II]37EE|13713|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have Teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]-and bearing No. Flat No. 602, 6th Floor, Building No. 17, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 signated at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed thereto), (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sonsideration therefore by more than fifteen per cent of sucl apparent consideration and that the consideration for sucl transfer as agreed to between the parties has not be n /uly stated in the said instrument of transfer with the object.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Building No. 17, forming part of survey No. 41, Village Oshwara, Behind Behiam Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13713|84-85 on 23-10-1984.

LAXMAN DA\$ Computent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TXX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohd. Iqbal Hussain Khalifey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, POMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13712/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing Flat No. 402, 4th Floor, Bldg No. 16, Forming part of village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen fer cent of such apparent consideration and that the considera-tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely :-

124---156GI]85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Bldg. No. 16, forming plart of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13712/34-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 2omb™

Date: 4-6-1985

, FORM TINS-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Khudeja Bi Kadar Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13978/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

and bearing Flat No. 701, 7th Floor, Bldg. No. 13, Forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269BA of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 17-10-1984

ion an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferant|or
- (b) facilitating " a concealment of any income or any moneys" other assets which have not been or which on the to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (15, or 1927), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957)]

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, Bldg. No. 13, survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari, Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13978/84-85 on 17-10-1984

LAXMAN DAS
-Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
- Acquisition Range-II.

Bombay

Date: 4-6-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohamad Ismail Abdul Kadar Mukri. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13127/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fear market value exceeding Pag. 100 0007, and hereins

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 401, 4th Floor Bldg. No. 5, Forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961

in the Office of the Registering Officer at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Bldg. No. 5, Forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE/13127/84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Date: 4-6-1985

FORM ITNS

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Ayub Ibrahim,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13717/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Flat No. 103, 1st Floor, Bldg. No. 8, Forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registored under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer; MICE / OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : ---

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Bldg. No. 8, Forming part of survey No. 417, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II/37EE/13717/84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abbas Rahim Mapari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.IL/37EE/13703/84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 604, 6th Floor, Bldg. No. 7, Survey No. 41, Village

Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-

(with more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under movable property, having a fair market value exceeding Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aferesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Bldg. No. 7, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-

58.
The agreement has been registered by the Competent.
Authority, Bombay under Serial No. AR,II|37EE|13703|8485 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Daté: 4-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Nazir Ahmed Mohd. Saneb.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13756/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 602, 6th Floor, Bldg, No. 8, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Bldg. No. 8, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, under Serial No. AR.II/37EE/13756/84-85 on 22-10-1984.

DAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

Date: 4-6-1985

FORM ITNS------

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bashir Shaikh Ahmed.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.11/37EE/13605/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Flat No. 302. on 3rd Floor, Bldg. No. 16, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here have transferred and the necessary in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 19-10 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Floor, Bldg. No. 16, forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13605/84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shaikh Ahmed Shaikh Usman.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13742/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing Flat No. 604, on 6th Floor of Bldg. No. 14, Forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the

office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by, any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th Floor, Bldg No. 14, Forming part of Survey No. 41, Village Oshiwara, behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13742/8485 on 23-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Shaikh Aziz Shaikh Abdul.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13022/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 604, 6th Floor, Bldg. No. 9, Survey No. 41, Village

Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-Tax Act, 196 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ewhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30

Objections, if any, to the acquisition of the said property

days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Bldg. No. 9, Survey No. Behind Behram Baug, Village Oshiwara, Jogeshwari (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13022/84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——125—156GI|85

Date: 4-6-1985

Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mrs. Ann Christine Padiyar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Combay, the 4th June 1985

Ref. No. ARJI/37EE/13073/84-85.- - Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000] and bearing Flat No. 502, 5th Floor, Bldg. No. 17, Survey No. 41, (Part) of Village Oshiwara, Behind Behrain Baug, Joegshwari (W),

Bombay-58

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984

and for

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property. and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502 on 5th Floor of Bldg. No. 17, Forming part of Survey No. 41 (part) of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13073/84-85, on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely: -

Date: 4-6-1985

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Rasheed Abdul Vahid.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13604/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 304 on 3rd Floor, of Bldg. No. 17, Forming Part
of Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug,
Jogeshwari ,W), Bombay-400 058
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
was been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). Has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this active in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thru Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Bldg. No. 17, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13684/84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Karim Shah Rajguru.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING **ASSISTANT** COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13782/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. 202, on 2nd floor of Bldg. No. 1(H.Z) forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cout of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any usoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for tne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, on the 2nd Floor of Bldg. No. 1 (HZ) forming part of survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13782/84-85, on 23-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-6-1985

(1) Mr. Zarine Baxter.

(Transferor)

(Tránsferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13019|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Block No. 2, Ground Floor, Arun Apts, Tilak Rd., Santaciuz-

West, Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) M|s. National Federation of Labour (NFL).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 2, Ground Floor, Arun Apartments, Tilak Road, Santacruz West, Bombay-54.

The agreement has been registered by the COMPETENT AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13019] 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

FORM ITNS ...

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13818|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing Shop No. 9 at Reshma Apts, at IInd Hasnabad Lane, Santa-

cruz-west, Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Mohamed Akhtar Haji Ahmed Motiwala, Shri Maroon Rashid Haji Ahmed Motiwala and
 Shri Haji Ali Mohammed M. Moojawala.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Zaibunnissa A. S. Lakaha and 2. Shri Mohammed Iqbal A. S. Lakha.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, at Reshma Apartments, at IInd Hasnabad Lane, Santacruz-West, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.Π 37ΕΕ 13818 84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. вомвлу

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13038|84-85,-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Rs. 1,00,000|- and bearing
Shop No. 'B', Ground Floor, Joshi Niwa's, Malvia Road,
Bombay situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Rombay on 1,10,1984 Bombay on 1-10-1984

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely '--

(1) Neepra Associates.

(Transferor)

(2) Dr. Shirish Prabhakar Urankar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official G32ette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 'B', Ground Floor, Joshi Niwas, Malvia Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13038|84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

(1) M|s. Shaco Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Lawrence Francis Vaz, Mr. Josheph Carmino Vaz.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13682[84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No. 84, 1st Floor, Flat No. 201, 2nd floor at Shaco apartments, Vile Parle (W),

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, at Shaco Apartments, Vile Parle (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13682|84-85 on 20-1-84.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13920 84-85.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to belive that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the limitovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of Land at Vile Parle (E), S. No. 142A, Hista No. 7, CTS. No. 1695 and 1699, Final Plot No. 272, T. P. Scheme V, Vile Parle (E), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have the server that the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Composent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-126--156GI 85

(1) Ms. Ajay Associated.

(Transferor)

M|s. Pooja Developers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Piece of Land at Vile Parle Eart, S. No. 112.A, Hissa No. 7, CTS, 140, 1695 and 1699, Final Plot No. 272, of Town Planning Scheme V, Vile Parle East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13920 84-85 on 29-10-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985 Seal r

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE PARTY OF THE P

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-II, BOMBA'.

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13600|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Unit No. 117 on 1st Floor of D Bldg. in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M[s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) Shri Bipinchandra Himatlal Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 117 on 1st Floor of D Bldg, in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sorial No. AR.II 37EE 13600 84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985 Seal:

FORM ITNS

(1) M|s. Ansa Builders

(Transferor)

(2) M|s. Pride Manufacturing Corporation

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferce)

NOTICE UNIVER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13260|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. 115 on 1st Floor of F Bldg., in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72 has been transferred and agreement is registered under

Sanction 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(a) facilitating the erduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 115 on 1st Floor of F Bldg., in Ansa. Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.H|37EE|13260|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-6-1985 Seal:

FORM IINS-

(1) Mis. Ansa Builders (2) Mls. Pride Industries

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THB INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II[37EE|13259|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competern Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000 and

bearing No.

Unit No. 114 on 1st Flolor of F Bldg., in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72. (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons waichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 114 on 1st Flolor of F Bldg., in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13259|84-85 eq 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-Il. Bombay

Date : 3-6-1985 Scal :

FORM ITNS----

(1) Kasturilal Kundanlal Wasan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-MX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Sunex Automotive Plastics Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13315|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (45 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000]- and
Uoit No. 108 on 1st Floor in D Bldg. of Ansa Industrial
Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.
(and make fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. In the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the 1849 http://fable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 108 on 1st Floor in D Bldg, of Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13315|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bymbay

Date : 3-6-1985 Seek :

(1) Shri Vijya Kundanlal Wasan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Sunex Autonotive Plastics. Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ret. No. AR.II|37EE|13316|84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No 107 on 1st Floor of D Bldg. in Ansa Industrial
Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilifating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ABEL/(H
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 107 on 1st Floor of D Bldg, in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13316|84-85 on 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 3-6-1985 Seed :

FORM ITNS

(1) Mls. Ansa Builders

(Transferor)

(2) Mls. Mecon Industries

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref No. AR.II|37EE|13660|84-85.—
Whereas. I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Unit No. 118 on 1st Floor of D Bldg. in Ansa Industrial
Fetale, Saki Villar Rd. Saki Nilla Bombay 72

Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 118 on 1st Floor, of D Bldg. in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72,

The agreement has been registered by Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13660|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons, namely :---

Date : 3-6-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II]37EE|13882|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000]- and bearing
Unit No 215, 2nd Flloor, H-Bldg., Anna Industrial
Estate. Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M|s, Ansa Builders

(Transferor)

(2) Ms. Universal Premises & Textiles (P) Ltd. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used acroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd Floor, H-Bldg., Ansa Unit No. 215, Industrial Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13882 81-85 on 27-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

(1) M|s, Arg Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Chenab Oil Industries (P) Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13661[84-85,-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to be a second of the said Act'), have reason to believe that the immovable to be a second of the said Act'. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Unit No. 3 on Ground Floor of F. Bldg., in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 1987. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 3 on Ground Floor of F Bldg. in Ansa Industrial Estate, Saki Viliar Road, Bombay-72 with plant and Machinery.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombsy under Serial No. AR.II 37EE 13661 84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per ons, namely:— 127-156GI 85

Date: 3-6-1985.

Control of the Contro FORM ITNS—

(1) Ms. Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kalicharan D Makhiyani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13662|84-85.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Unit No. 210 on 2nd Floor of D Bldg. in Ansa Industrial

Estate, Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to beleive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 210 on 2nd Floor of D Bldg, in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar, Saki Naka, Bombay-72,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13662[84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 3-6-1985.

FORM ITNS

(1) Mr. Praful D. Rege.

(Transferor)

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mr. Praful D. Rege.

(3) Mr. P. D. Rege.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13881|84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

5 Raigad Niketan Sahar Road, Andheri (East), Bombay-400 099.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-10-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Raigad Niketan, Sahar Road, Andheri (East), Bombay-400 099.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13881|84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985. Seal:

2631

(1) M|s. Goyal Builders (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashwin P. Sanghavi Smt. Rita Sanghavi, Shri P. M. Sanghavl.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 3rd June 1985

AR, II|37EE|13796|84-85.--Whereas, I. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. D-103, 1st Floor, D-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri East, Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, D-Wing, Minal Apartments, Old Nagardas Road, Andheri East, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II 37EE 13796 84-35 on 25-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-6-1985

(1) Laiq, Ahmed M|s, Abodi Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mumtaz Pirzada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13737|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1A Ground Floor, S. No. 82, H. No. 12 & 16, CTS. No. 572 & 576, Mahakali Road, Andheri Eest,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A, Ground Floor, Bilguis Apts., S. No. 87, Hissa No. 12 & 16, Bearing CTS. No. 572 & 576, Mahakali Road, Andheri Fast, Bombay-93,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13737[84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

(1) Shri Yogesh D. Engineer.

(Transferor)

(2) M|s. K. V. Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13892|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Shed No. 29, Ground Floor, 3rd Phase Shivshakti Industrial Estate, S. No. 79, H. No. 15 & No. 80 H. No. 1 of Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 {11 of 1922} or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as always in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 29, Ground Floor, 3rd Phase Shivshakti Industrial Estate, S. No. 79, H. No. 15 and No. 80, H. No. 1 of Marol Village Off Andheri Kurla Road, Andheri (East), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13892|84-85 on 27-10-1984.

LAMMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985

Scal:

(1) P. R. Nayar.

(Transferor)

NOTICE WEDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. C. Jacob.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR II 37EE 13928 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. 203, 2nd Floor Building No. 4, Manish Darshan,
Marol Pipe Line Road, J. B. Nagar, Bombay-400 059
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and agreement is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 29-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evaden of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Building No. 4, Manish Darshan, Marol Pipe Line Road, J. B. Nagar, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13928|84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax,
Acquisition Range-II, Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:

Date: 3-6-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13376|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Unit No. 22, 1st Floor Nanddeep Udyog Premises Co-op. Society Ltd., Nand deep Industrial Estate, Kondivita Lane, Andheri (East), Bombay-400 059.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-10-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Step Pharmaceuticals
Prop. Shri Madhusudan Y. Laghate.

(Transferor)

(2) Ms. Amar Industries.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expensions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 22, 1st Floor, Nand deep Udyog Premises Co-op. Society Ltd. Nand Deep Industrial Estate Kandivita Lane, Andheri (E), Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13376|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985.

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Nirman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Francis Aranha So Rosario Aranha,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13419|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing value exceeding Rs. Nirman Vihar, "B" Wing, Pump House Andheri (East), Bombay-400 093, (and more fully described in the schedule below) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-10-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer sa agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957): -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 102, 1st Floor, Nirman Vihar, "B" Wing, Pump House, Andheri (East), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Autority, Bombay under Serial No. AR, II 37EE 13419 84-85 hortiy. on 12-10-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-128-156GI 85

Date: 3-6-1985.

(1) Mr. Abu Talib Abdul Razak Khan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Allan Henriques and Mrs. Esther Henriques.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13396|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Unit No. 13A, New Empire Industrial Estate, Kondivita Road, Andheri (E). Bombay-400 059. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AH of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which - ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13A, New Empire Industrial Estate, Kondivita Road, Andheri (E). Bombay-400 059,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13396 84-85 on 11-10-1984.

> LAXMAN DAS Compount Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely :--

Date: 3-6-1985.

Scal:

(1) Ms. Nirman Constructions.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. Sivaraman,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

No. AR. II|37EE|13418|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Nirman Vihar "B" Wing,

House. Andheri (East), Bombay-400 093. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducteion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; , and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Nirman Vihar "B" Wing, House, Ardheri (East), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Aut-

hority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13418|84-85 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority specting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-6-1985.

(1) Ms. Nirman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramsajivan Gajadhar Prasad Gupta (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR,II|37EE|13420|84-85.—Whereas, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Shop No. 2, Ground Floor, Nirman Viha, Pump House, Andheri (East), Bombay-400 093. Nirman Vihar, "A" Wing,

situated at Borobay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the I-come-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair warket value of the property as aforeeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said TAct, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following paraons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground Floor, Nirman Viha Pump House, Andheri (East), Bombay-400 093. Nirman Vihar, "A" Wing,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II]37EE[13420]84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985.

Seul : -

FORM JINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13779|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Flat No. 7, 3rd Floor, Rose Apartments, C.T.S. No. 36 & 37, S. No. 21, Hissa No. 12, Sahar Village, Chakala, Andheri, Bombar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269A3 of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) incllitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, -1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narendra Shantaram Sawant.

(Transferor)

(2) Shri Jeryr D'Aguiar and Mrs. May D'Aguiar.

(Transferce)

(3) Mr. Barry D'Souza and Ors.

(Persons in occupation of the property)

(4) Mr. Barry D'Souze.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd Floor, Rose Apartments, C.T.S. No. 36 and 37, S. No. 21, Hissa No. 12, Sahar Village, Chakala, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13779|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

Senl:

(1) Shri Mulla Yahyabhai Moyadi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Næfisabai Yusufali Dhamangonwala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR,II|37EE|13621|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 5, Building No. A-21, The Saifee Golden Jubilee Neighbourhood Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Marol, Sakinaka, Andheri, Bombay-400 059 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement in registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said matrament of transfer with the object of "--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Building No. A-21, The Saifee Golden Jubilee Neighbourhood Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Marol, Sakinaka, Andheri, Hombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13621|84-85 on 19-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-6-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

> Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13549|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 'Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat. No. 3, Ground Floor, Building No. 7, Old Nagardas Road, Varma Nagar, Andheri (E), Bombay-400 069 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent 1994

Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :---

- (a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-~

(1) Mr. Mohmad Zubair Ismail Memon.

(Transferor)

Mrs. Gitaben Surendra Maru and Shri Surendra Vithaldas Maru.

(Transferee)

Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that,

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, Building No. 7, Old Nagardas Road, Varma Nagar, Andheri (E), Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13549 84-85 on 15-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

FORM LT.N.S.-

(1) M|s. Nirman Construction3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Badriprasad Yadav.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13040|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerin after referred to

as the said Actt) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 7, Ground Floor, Nirman Vihar, "A" Wing, Pump House, Andheri (E), Bombay-400 093 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground Floor, Nirman Vihar, "A" Wing, Pump House, Andheri (E), Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13040|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13029[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 204. Dev Darshan, 2nd Floor, Old Nagardas Road. Andheri (E), Rombay-400 069, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer. the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following രല്യവരാ na**mely:**—

129—156Cd[85

- (1) (i) Smt. Dhulibai M. Kothari, '
 - (ii) Shantilal D. Gandhi, (iii) Prabhulal I. Nagouri &

 - (iv) Subhash U. Loonawat.

(Transferor)

(2) (i) Shri Shanti Chandra Bafna and

(ii) Surendra S. Bafna.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Dev Darshan, 2nd Floor, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay-400 069.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13029 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 3-6-1985 Seal :

(1) M|s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Indira V. Nair.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13109|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 6, On 1st floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, On 1st Floor in Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59.

T e agreement has been registered by the Competent AUTHORITY, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13109|84-85 on 3-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II]37EE|13149|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and

bearing No.

Flat No. 16, on 4th Floor Bldg. No. 1, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59 situated at Tombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieff of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eacht to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Deepak Builders Pvt. Ltd.

Transferor)

(2) Shri Umesh Chandra H. Gupta & Shri Suresh Chandra H. Gupta,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent AUTHORITY, Bombay under No. AR.II|37EE|13149|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) M|s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Durgam Radhakrishnan.

Transferor.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Bombay, the 3rd June 1985

BOMBAY

Ref. No. AR.II|37EE|13412|84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 and hearing

Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 9, on 2nd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 8, Bhawani
Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd Floor, Bld. No. 1, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (East), Bombay-59.
The agreement has been registered by the Competent AUTHORITY, Bombay under No. AR.II 37EE 13412 84-85 on 11-10-1984.

LAXMAN DAS
Competers: Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER; SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13317|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.03,000|- and bearing
Unit No. 106 on 1st Floor in D Bklg. in Ansa Industrial

Estate, Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has the transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Mohanlal Gurdasmal Thapar.

(Transferor)

(2) Sunax Automotive Plastics Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 106, on 1st Floor in D Bldg. in Ansa Industrial Estate Saki Vihar Road, Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II]37EE 13317 84-85 on 8-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

FORM NO. ITNS-

(1) Shri M. E. Khan.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Shetty.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13192|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

andn bearing Shop No. 1 & 2. Khatoon Mansion, Maroshi Road, Marol,

Andheri-East, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

bomony of 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 1 & 2, Khatoon Mansion, Maroshi Rd., Marol, Andheri-East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE 13192 84-85 on 5-10-1984,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for thee acquisition of the eafforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-6-1985

(1) Deepak Builders (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAXYACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nazceb Abdulaziz Khatib.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II]37EE|13696|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 10, 2nd floor, Bhawani Nagar, Andheri-East, Bombay ettented at Bombay.

bay streated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of: of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 10 on 2nd Floor of Bldg. No. 4, On Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri East, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37FE]13696[84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

(1) M|s. Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Photo Queen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13027|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Unit No. 136B, 1st Floor, Ansa Industrial Estaté, Saki Naka,

Bombay-23 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in novable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or

Unit No. 136B, 1st Floor, Ansa Industrial Estate, D-Bldg.,

Saki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13027 84-85 on 1-10-1984.

TAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

Scal:

(1) Ms. Deepak Builders (P) Ltd.,

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajinder Kaur Sethi & Master Mandeep Singh Sethl.

(Transferce) (3) Transferor (Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT / COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION ANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref No. AR.II 37EE 13528 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Find No. 11, 3rd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Andheri-

Last, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 15-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcoald exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degreed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri-East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13528|84-85 on 15-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

130---156GI]85

Date: 1-6-1985

(1) Mis. Deepak Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abbas Hussain Patel & Mrs. Halima Abbas Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. ROMBAY

Bombay, the 1st June 1985

AR. II 37EE 13699 84-85.—Whereas, I, Ref. No.

Ref. No. AR. II]3/EE|13699|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 8, 2nd Floor, Bhawani Nagar, Andheri-East, Bombay-59.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Hombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhawani Nagar, Moral-Maroshi Rd., Andheri-East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/13699/84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, promoter ---

Date: 1-6-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Deepak Builders (P) Ltd.,

(Transferor)

(2) Imtiynz Ahmed & Smt. Jubedabegum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II 37EE 13698 84-85.—Whereas. I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred t. as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

Flat No. 7. 2nd Floor, Bldg. No. 2 plot No. 8, Andheri

East, Bombay-59. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8 in hawani Nagar, Marel Maroshi Road, Andheri East, Bhawani Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[13698]84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :--

Date: 1-6-1985

Scal:

· 有其性性的现在分词,并且是一种的一种种的一种。

FORM ITNS-

(1) Mls. Deepak Builders (P) Ltd., (Transferor)

(2) Kausar Iqbal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13697|84-85.-- Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 12, 3rd floor, Bhawani Nagar, Andheri East,

Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

in) inclinating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers ead/or

(b) facilitating the constalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 5, Plot No. 6, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri-East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13697|84-85 on 20-10-1984,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

(1) Brijwasi Bengali Sweets (P) Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baijnath Biharilal Agrawal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR II 37EE 13483 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

9A. Deepak Bldg. 38, J. B. Nagar, Kurla Andheri Rd.,

Bombay-59.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9A, Deepak Bullding, 38, J. P. Nagar, Kurla Antheri-Road, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13483|83-84 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL, BOMBAY

Bombay, the 6th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13869|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and beating
Flat No. 201, 2nd floor, Arvind Shopping Centre, Plot No.
69, TPS No. 5, Santacruz, Bombay.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Shree Shreeamal Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Shivayya M. Shetty & Pushpa S. Shetty.

(Transferee)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Arvind Shopping Centre, Plot No. 69, TPS. No. V. Santacruz East, Bombay-55,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13869|84-85 on 26-10-1984.

LoxMan Das Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 6-6-1985

Scal:

(1) M/s. Bombay Novelty Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Vidyaben Pratapshankar Pandya & Smt. Taraben Agand Shankar Pandya. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR|37EE|13195|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

Unit No. 75, Ratna Jyot Industrial Estate, 2nd sloor, Irla Qauthan, Vile Parle (W), Bombay-56.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or 11) 雅德山 。
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Mirposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections. If any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

75, Ratna Jyot Industrial Estate, 2nd floor, Irla Gauthan, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13195 84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-6-1985

Scal:

(1) Mis. Minoo Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Kamal H. Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bomyay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13009|84-85.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 5. Ground Floor, Minoo Apts, Vile Parle (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property of the apparent consideration therefor by more than apparent of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground Floor, Minoo Apartments, Plot No. 332, TPS. V. Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13009 84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following -ersons, namely:-

Date: 1-6-1985

Scal : -

(1) Mis. Minoo Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Subhas Manohar Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION PANGE II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13111|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing
Flat No. 3 on 1st Floor in Minoo Apts, Nanda Patkar Road,
Plot No. 322, Vile Parle Road, Bembay 57,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at 2

Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration ther: for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

131-156GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, on 1st Floor in Minoo Apartments, Nanda Patkar Rd., Plot No. 322, Vile Parle Rd., Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13111 84-85 on 3-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay.

Date: 3-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13397|84-85.--Whereas, I, 1 AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 7, on the ground floor, 43, Sitladevi Temple Road, Mahim Bombay-16

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Pinto Constructions (P) Ltd.,

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Kanyalal Gajwani & Mr. Kanayalal Ramdas Gajwam

(Transferce)

(3) Transferee.

(Persons whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 on the Ground floor, 43, Sitladevi Temple Rd. Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13397 84-85 on 11-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Onte: 12-6-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13479|84-85.—Whereas, I, 1 AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Plat No. 302, & 303, 3rd Floor, Manu Smruti, Vile Parle (F#Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Connetent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) National Builders.

(Transferor)

(2) Arvind Kumar H. Patni.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 & 303, 3rd Floor, 25 Teipal Road, Manu Smruti, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13479|84-85 on 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

(1) Shri Pradip Babubha; Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Decpak V. Parikh & Smt. Mrunoline D. Parikh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13826|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvements, having a tair market value exceeding

immovable property, having a tair market value exceeding. Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No. 503, Nand-Deep, 3rd Floor, Village Chakala, Tarun Bharat Co-op Hsg Sty. Road, Vile Parle (E), Bombay-57

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same mining as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1!22 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Nand-Deep, 3rd Floor, Village Chakala, Baharat Coop, Hog Sty Rood, Vile Parle (F), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II|37EE|13826|84-85 on 26-10 1984.

LAYMAN DAS Competer Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bowbay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-tur persons, namely:—

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13283|84-85,-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Unit No. 80 A-Building 3rd floor, Patna Jyot Ind. Estate, Irla Gauthan, Yue Park (W), Bombay-56

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been reement is registreed under Section 269 ... e-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the farmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sin., Ravindra Kaur Guru Rayal Singh. (Transferor)

(2) Miss Pramila Kanji Nagda.

(Transferee)

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 80 A-B Building, 3rd floor, Ratna Jyot' Ind. Estate, Irla Gauthan, Vile Parle (W), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13283|84-85 on 5-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-6-1985 Seal:

(1) Savani Family.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mani Sales Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 19855

Ref. No. ARJIJ37EE113658184-85.--

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 7. Shirin Sohiab Palace, Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-460 057. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- facilitating the concealment of any moone of many moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, Shirm Sobra's Place, Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13658 84-85 on 20-10-1084.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitin Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR. II|37FF|13963|34-85,---Wherens, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing Flat No. 34, Juhu Rajnigandha Society, Gulmoher Cross Road, Vile Parle (West), Bonibay-400 049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert mmt/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 ot 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shri Nandkumar Gopinath Vedak.

(Transferor)

(2) Shri Ajit kumar Mohanlal Nagrani.

(Transferee)

- (3) Transferee.
- (4). Transferce.

(Persons in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 84, John Rajnigandha Society, Gulmoher cross Road, Vile Parle (West), Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13963 84-85 on 29-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

D..te: 3-6-1985

(1) Dr. Anil Ranchhoddas Bhatia.

(Transferor)

(2) S. N. Sinha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay- the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37FE|13278|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinefter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Ref. (c., est and bearing

Flat No. 1, situated at North of Irla, Nalia, Juhn Vile Parle Development scheme No. 19, Plot No. 3, C.T.S. No. 27 (Part) Bombay, cluated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tay Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the efcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Bearing No. 1, land situated at North of Irla. Nalia, Juhu Vile Parle Development Scheme No. 19, Plot No. 3, S. T. S. No. 27 (Part). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13278[84-85-on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 1-6-1985

(1) Savani Family Trust.

(Transferor)

(2) M/s. Bina Agency.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13659|84-85.---Wherens, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Shop No. 6, Shirin Sohrab Palace, Plot No. 225, Nariman

Road, Vile Parle (Enst), Bombay-400 057.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been tunnsferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--132-156GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Prop. Virendra Jethabhai Maru,

- (a) by any of the aforesaid persons within a perjod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Shirin Sohrab Palace, Plot No. 225, Nariman Road, Vile Parle (East), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seri 1 No. AR.II 37EE 13659 84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-6-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE!13448|84-85.—Whereas, I, Whoreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. N-63, 6th floor, Bldg. No. 1, 'Gold Mist', Juhu Vile Parle Development Scheme Vile Parle (W), Bombay-400 056, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pranlal Purshotamdas Kamdar.
- (Transferor)
- (2) Shri Prabhat Madhavprasad Khemka.
- (Transferee)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 63, 6th floor, Bldg. No. 1, 'Gold Mist', Juhu Vile Parle Development Scheme, Vile Parle (W), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13448 84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date : 1-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.iI|37EE|13087|8:1-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

S. No. 69, Hissa No. 1, and 3 C. T. S. Nos. 817, 817 1 to 2, Final Plot No. 10, of T. P. S. V., Shradhanand, Vile

Parle (E).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mccna Sheshananth Dabholkar, Smt. Sandhya Prakash Dabhokar, and Kum. Nutan Sheshanath Dabholkar.

(Transferor)

(2) Mis. Mahalaxmi Builders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Shradhanand Road, Vile Parle (E), bearing S. No. 69, Hissa No. 1, add 3 (part), C. T. S. Nos. 817, 817|1, 10 2, final Plot No. 10, of T.P.S.V., Vile Parle.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13087 84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 1-6-1985

FORM ITNS ...

(1) Mls. Vinay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Dilip Ramaktishna Kher.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13240|84-85.---Whoreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority uder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

Flat No. 1, Shree Swami Samarth Apts, Plot No. 60, Tarun Bharet Co. op. Hsg. Society Ltd., Sahar Road, Andheri Fast, Bombay-93 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Shree Swami Samrath Apartments, Plot No. 60, Tarun Bharat Co. op. Hag Sty Ltd., Sahar Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11|37EE|13240|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-6-1985

Scal:

(1) Shri Vasant D. Joshi and Smt, Aparna Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Desai Associates.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13785|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flot No. 42-A, Hissa No. 2, CTS. No. 671, 671, to 671, 4, Guidavati, Andheri East, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; AND / UK
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Cflicial Gazette or a period of 10 lays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, Hissa No. 671, 67111 to 67114, Gundavati, Andheri East, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13785|84-85 on 23-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-6-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13784 84-85,--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Plot No. 42-A, Hissa No. 1, CTS. No. 507, 507|1 to 507|12
Gundavati, Andheri East, Bombay-69.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 23-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vasant D. Joshi and Smt. Aparna Vasant Joshi.

(Transferor)

(2) Mls. Desai Associates.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, Hissa No. 1, CTS. No. 507, 507|1 to 507|12 Gundavati, Andheri East, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13784 84-85 on 23-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, painely:-

Date: 3-6-1985

(1) Shri Mohsin Gulamhusein Bachooali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Narayan Shrinevas Sheregar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13289|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. Unit No. 11, on Ground floor, at Makhatia Industrial Complex, Plot No. 27, Makhakali Caves Road, Andheri East, Pombay 400 023

Bombay-400 093.

(and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 11, on Ground Floor, at Maharia Industrial Complex, Plot No. 27 Mahai Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri East. Bombay-93.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE|13289|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper v by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-6-1985

(1) Mis. Makharin Builders.

(Transferor)

(2) Asok H. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13513|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authorlyt under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

P.s. 1,00,000]- adn bearing
Unit No. 24, Ground floor, Markheria Industral Compex,
Plo No. 27, Mahakali Caves Road, Andheri East, Bombay
400 093 situatde at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and convergent in recistrand under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registreed under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for thepurposes of the Indian Income-tax Act Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 24, ground floor, Makharia Induestrial Complex Plot No. 27 Mahakali Caves Rd., Andheri. East, Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Searil No. AR-II|37-EE|13513|84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-II
Bombay

Date: 3-6-1985

(1) Mr. Rama Venkatesh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha Mohan Kamat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 1st June 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;

Ref. No. AR II|37EF|13060|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Flat No. 22, 2nd Floor, Building No. LT-25, Vijay Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059, situated at Bombay has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of

has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 22, 2nd Foor, Building No. LT-25, Vijay Nagar, Marol Mroshi Road, Andheri (E), Bombay-400 059. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13060 84-85 on 1-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

133—156GI|85

Date: 1-6-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13786|84-85. —

Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

And bearing No.
Plot No. 42-A, Hissa No. 6, CTS. No. 506, 506 1 to 506 19 & 509. Gundavati, Andheri East, Bombay-69.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23_10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument cransfer with the ebject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Vasant D. Joshi & Smt. Aparna Vasant Joshi.

(Transferor)

(2) M/s. Desai Associates.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 42-A, Hissa No. 6, CTS. No. 506, 506|1 560|19 & 509, Gundavati Andheri East, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13786 84-85 on 23-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-6-1985

(1) Shri Harakchand Kachra Shah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Raymonds (India) Paint Mfg. Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferce.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Bombay, the 1st June 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR,II|37EE|13590|84-85.--

(b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 11, in B. Building on Ground floor,
in Nand Jyot Industrial Estate Saki naka, Safed Pool, An-

diver East, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed herete)

situated at Bombay has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office

of the Competent Authority at
Bombay on 16-10-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the last of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. 11, in B Building Ground floor, in Nand Jyot Indl., Satate, Saki Naka, Safed Pool, Andheri East, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II[37EE]13590[84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JI Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 1-6-1985

(1) Shri Maganlal Jhinabhai Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Surajben Thakorbhai Desal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 1st June 1985

Ref. N. AR.II 37EE 13257 84-85.—

Whereas, I, LAXMAN DAS,

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immediable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000- and bearing Flat No. 9 in Building No. H. on 3rd floor, at Bimanagar Co-op Hsg Sty Ltd., Andheri East Bombay-400 058 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in the said in the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the galuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facence arising from the transfer:

THE SCHEDULE

Flat No. 9, in Building No. H, on the 3rd floor at Bimanagar Co. op. Housing Society Ltd., Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13257|84-85 on 5-10-1984.

(b) facilitating the agreedment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, mandy :-

Date: 1-6-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II|37EE|13021|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Unit No. B. 28/29, Nand Bhavan Industrial Estate, 1st floor, Mahakali Caves Road, Andheri East, Bombay-93.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), had been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalual of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Vasudev Kewalram Mahtani (HUF). (Transferor)

(2) M|s. Essen Electronics.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the sa Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 28|29, Nand Bhavan Industrial Estate, 1st flox Mahakali Caves Road, Andheri East Bombay-93.

The agreement has been registered by the Compete Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE|13257|84-65] on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 1-6-1985

PORM LINS

(1) Mrs. Lajwanti V. Jianandani.

(Transferor)

(2) Shri Babulal Asper Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1901 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUSTION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR. II[37EE]13455[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable

as the said Act), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 4, 2nd floor, Shveta Co-op. Hsg Sty, Sahar Road, Koldongri, Andhori East, Bombay-400 069, situated at Bombay (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the income-tax Act 1961 in the Office of the Comestant Authority. of the Competent Authority

at Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair matiful value of the more aid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such annaler as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay rax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

Flat No. 4, 2nd Floor, Shweta Co-op Hsg Society, Sahar Road, Koldongri. Andheri East, Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13455 84-85 on 12-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any mosys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-6-1985

FORM ITNE

(1) Kuldeep Singh Kohli.

(Transferor)

(2) Raghubir Singh Kohli.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AMERICANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II 37EE 13148 84_85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

1,00,000|- and bearing

raat No. 10, C. Building, Sukhdayak Co. op. Hsg. Sty Ltd., J. B. Nagar, Andheri Fast, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 5-10-1984

and or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument.

" "range or with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqueition of the atcressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, C. Building, Sukhdayak Co. op. Hsg. Sty Ltd., J. B. Nagar, Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13148/84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 1-6-1985

Scal:

(1) M/s. Dulcet Electronics (P) Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

(2) Mr. Deepak Killawala.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13961|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rg. 100 000| property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Gala No. 31, 2nd floor, Sethi Industrial Estate. 10E Suren Road, Andheri (E) Bombay-93.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 31, 2nd floor, Sethi Industrial Estate, 10E Suren Road, Andheri East, Bombay-400 093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13961 84-85 on 29-10-1984.

LAXMAN DAS Competer Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquiition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-6-1985

FORM LT.N.S .-

(1) M|s. Virat Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Balakrishna S. Shetty.

(3) Transferce.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13727|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing No.
Flat No. K-5, Kitisha Apartments, 2nd Floor, S. No. 160,
H. No. 3, CTS, No. 94, at Moral moroshi Rd., in village
Massal, Andheri East, Bombay,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule appeared beyond)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeserieve mar me har market value of the property as affore-said exceeds the apparent consideration therefore by more-than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ared for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the putposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the cald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. K-5, Kitisha Apartments, 2nd Floor, S. No. 160, H. No. 3, CTS. No. 94, at M ol Maroshi Rd., Village Marol Andheri Enst, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13727|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquiition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-134-156GI 85

Date: 3-6-1985

FORM ITNS-

(1) M|s. Shashi Properties & Industries Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. John Varghese and Mrs. Sudha John Varghese.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13902|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN PAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ks. 1,00,000; and bearing

Flat No. 3, ground Floor, Vineeta-Bldg. 71 Chakla, Andhari, East, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 Ground Floor, Vinceta B-Bldg, at 71 Chakla, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Seriel No. AR.III37FF 13902 84-85 on 27-10-1984.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquiition Range-II
Bombay

Date: 3-6-1985

5001

(1) Shri Ganesh Developers.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. Sukhdevsingh Bhatti & 2. Mr. Hardevsingh Bhatti.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-LI BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (32 of 1961) (beremalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and brating Shop No. 2, 1, 3, Nagar, C. S. No. 439 Andheri East, Bombay-92, situation as Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ... respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 2, C. S. No. 439, Village Kondivita, Goantham, 60 feet D. P. Road, J. B. Nagar, Andheri East, Bombay-59
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13923|84-85 on 29_10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority in the grown that commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 3-6-1985

(1) M|s. Omex Builders & Contractors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. I. Thankachan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

(a) by any of the aforesaid persons within a period

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 3rd June 1985

Rcf. No. AR.II[37EE]13588[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing

Flat No. 3, Ground Floor, Rajendra Co. op. Hsg. Sety. Ltd., At Tarun Bharat, Chakala, Andheri (E), Bombay-99.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax-Act 1961 in the Office of the Competent Acthority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattern has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, On Ground Floor, Rajendra Co-op. Hsg. Sty. Ltd., At Tarun Bharat, Chakala, Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under Serial No. AR.II|37EE|13588|84-85 on 16-10-1984.

I.AXMAN DAS
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquittlen Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date: 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Aminabai wo Tafazzul Hussain. Smt. Fatimabai wo Mohammed Hussain.

(Transferor)

(2) Nitin Nagindas Mehta. Hema Nitin Mehta.

may be made in writing to the undersigned :-

('fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13471|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Shep No. 8, Swami Shivanand Co.op, Hsg. Sty. Ltd., Chakala Road, Andheri East, Bombay-99

Chakala Road, Andheri East, Bombay-99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Connectent Authority at

Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Swami Shivanand Co.op. Hsg. Sty. Ltd., Chakala Road, Andheri East. Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13471|84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 1-6-1985

(1) Shri Ganesh Developers.

(Transferor)

(2) Mr. Balaji B. Shetty.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II]37EE|13925|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269D of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 202, J.B. Nagar, Kondivita Goanthan, 60 D.P. Road,

Andheri-East, Bombay-59 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-10-1984

Bombay on 29-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 202, C. S. No. 439, Village Kondivita Goanthan. 60" D. P. Road, J. B. Nagar, Andheri East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|13925|84-85 on 29-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Kange-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the safeties and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Date : 1-6-1985

≘i Seal :

(1) M/s. Virat Construction

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Stanley Tony Paul

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> Bombay, the 1st June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !-

Ref. No. AR.II|37EE|13409|84-85,-

whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the inconc-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Fig. 100, M-4 on ground floor in building "Minakshi Apart-ments" at S. No. 160, Hissa No. 3, CTS No. 94, St. Marol Maroshi Road, in Village Marol, Andheri East, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Society 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason below the fair market trains of the aforesaid property, of the property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. M-4, Ground Floor Building "Meenakshi Apartments" S. No. 160, Hissa No. 3, CTS No. 94, St. Marol Maroshi Road in Village Marol, Andheri East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13409|84-85 on 11-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income ro any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-6-1985

FORM ITNS—

(1) M/s. Indico Construction Co.

may be made in writing to the undersigned ;-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Pushpa Sapkal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13586|84-85.—
Wherens, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat Booked in Vidyadajni Coop Hsg Society Ltd. Chakala

Flat Booked in Vidyadaini Coop Hsg Society Ltd., Chakala, Andheri (E), Flat No. 106, 1st Floor, Bldg. No. B2, Bom-

bay-99

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the esaid property by the issue of this notice under subon (1) of Scetion 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st Floor, Bldg. No. B2, Vidyadaini Coop Hsg Sctv Ltd., Chakala, Andheri (E), Bombay-400 099,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE | 13586 84-85 on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date : 1-6-1985 Seal:

(1) Met Treat Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Venus Industries,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13200|84-85.—
Whereas I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shed No. 39. Ground Floor, Shiv Shakti Indl. Estate, Marol
Village, Andheri (E), Kurla Road, Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 5-10-1984
for an apparent consideration of the competent and the agreement is registered under

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely:—

135—156G185

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. 39, Ground Floor, in Phase 3, at Shiv Shakti Industrial Estate, S. No. 79, H. S. No. 15, S. No. H. No 1 of Marol Village, Off Andheri—Kurla Road, Andheri East, Bombay-69

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13200[84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax
Acquisition Range-11,
Rombay

Unte: 1-6-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.

(1) Mls. Ansa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Aabri Security Products

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.H|37EE|13470|84-85.--Ref. No. AR.II[37EE]13470[84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 110, 1st Floor, E-Bldg., Ansa Industrial Estate, Saki Vil. Rd., Saki Naka, Bombay-72, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomestax Act, 1961, in the office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at Bombay on 12-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more accordance to the consideration and the second of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more accordance apparent and the second of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more accordance and the second of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more accordance and the second of the property and the second of the second o than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immev-out 10 step sqt most skep 55 mithin 'Altodoid olde publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 110, 1st Floor, F-Bldg., Ansa Industrial Estate, liaki Vihar Rd., Saki Naka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37FE|13470|84-85 л 12-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date ! 1-6-1985

Scal:

(1) Ms. A. S. Builders.

(Transferor)

(2) Mariam B. Rafiuddin.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II | 37EE | 13426 | 84-85.—
Whereas. I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 101. 1st Floer, C|1-Bldg., Mapkhan Nagar, Marol
Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed heretdo),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority at
Bombay on 12-10-1984
for an apparent consideration, which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the presaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st Floor, Cll-Bldg., Mapkhan Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13426[84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1985

ASSESSED AND ADMINISTRA

FORM ITNS-

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Irenc Therease Menezes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13971[84-85,-Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 102. 1st Floor, C-Wing, Hawn Apartments, Andheri (E). Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Eombay on 30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 102, 1st Floor, C-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri-East, Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13971|84-85 on 30-10-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 1-6-1985

Seal

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

(2) Tarlak Singh Buoi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. **BOMBAY**

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13970|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 4, Ground Floor, C-Wing, Hawa Apartments, Andheri-Fast, Bombay-93,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Secretary described in the schedule annexed here of, has been transferred and the agreement is registered under Secretary 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-10-1984

.. -

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration ter such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, C-Wing, Hawa Apartments. Mahakali Road, Andheri-East, Bombay-93.

Tht agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13970 84-85 on 30-10-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-6-1985

(1) Jehangir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reginald Joseph Manczes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ROMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13969/84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No.
Flat No. 103, C-Wing, Hawa Apartments, Andheri (F).

Bombay-93

Mand more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30-10 1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, C-Wing, 1st Floor, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13969|84-85 on 30-10-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 1-6-1985

FORM I.T.N.S.

tigan (page) di parti per transporta di persona di persona di persona di persona di transporta di persona di p

(1) 1. Shri Babulal Tapubhai Harsora. 2. Smt. Usha Babulal Harsora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Shri' Lalit Keshavlal Parikb, 2. Smt. Manjula Lalit Parikh.

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 1st June 1985

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|13736|84-85.—
Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Hat No. 14, Mayani Monor, situated at Shivniketan & Mayani Manor Premises Co.op. Hsg. Sty. Ltd., 52.A, Andh. Vi, Kurla Road, Andheri East, Bombay-69 and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

EXPLANATION: —The terms and expressions used librain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same recaning as given in that Chapter

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 14, Mayani Manor, Shivniketan & Mayani Manor premises Co.op. Hsg. Sty. Ltd., 52-A, Andheri, Kurla Road, Andheri East.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE 13736 84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 1-6-1985

Scal:

FORM ITNS ...

(1) Shri Madhukar Jagannath Tare.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Shri Sultanali V. Noormohamet Bhimani 2. Shri Gulam Mohammed S. Bhimani (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Rcf. No. AR.II|37EE|13266|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 202, on the 2nd floor, D Wing, of Green Lawns Plot No. 645 TPS III, Off. L. J. Road, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, on the 2nd floor, D Wing, of Green Lawns, Plot No. 645, TPS III, Off. L. J. Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13266184-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-6-1985

Scal :

FORM TINS

(1) M/s. Shree Shreemal Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 6th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13871|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 102, on 1st floor, in Arvind

showing Centre, Plot No. 69, TP. S. No. V. Santacruz (E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 136-156 G1/85

(2) Mr. Shankerlalji Chhaganlalji Kothari, Mr. Khiyalilal Shankarlalji Kothari, Mr. Gaupatlal Shankerlalji Kothari Mr. Madanlal Shankerlalji Kothari.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

'Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 102, on 1st Floor, in Arvind Shopping Centre, Plot No. 69, T.P.S. No. V. Santacruz, East, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE[13871]84-85 on 26-10-1984.

I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Rombay.

Date: 6-6-1985

Soid 7

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13714|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 5-F, 5th Floor,
'Vaibhav', 140, S. V. Road,
Irla, Vile-Parle,

Eombay-400 056

(and more fully described in the Schedule annexed herete), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on

20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Rukmani C. Kewalremani, 2. Chandra D. Kewalramani.

(Transferor)

(2) 1. Navinchandra N. Shah, 2. Indira N. Shah.

(Transferee)

(3) Transferces.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-F, 5th Floor, Baibhay, 140, S.V. Road, Irla, 111 No. 5-F, 5to Floor, Vaibhay, 140, S.V. Road, Irla, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III37EF113714[84-85 on 20-10-1984, .

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 12-6-1985 Sent :

(1) Mr. H. Satyapal Rao.

(Transferor)

(2) Mr. Sundar G. Mendon Kalpana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13136|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
G-1, bolds. Vijay Nagar, Marol Village, Bombay-400 059
(and more fully described in the Scheduled annexed Section has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax. Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said lastrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the mid Act, or the Weslin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-1, Building, Vijay Nagar, Marol Village, Bombay-400059. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE|13136|84-85 on 3-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, meretore, in pursuance of Bection 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1985

(1) Mohamoud Ebrahim Khan.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) ST. Bhandari,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.11/37EE/13023/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|, and bearing

Bleck No. 8, Khatoon Mansion, Marol Marshi Rd., Andheri-East, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the offic of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immov-

able preperty, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as sives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 8, Khatoon Mansion, Marol Marshi Road, Marol, Andheri-East, Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Eombay under Serial No. AR.II|37EE|13023|84-85 on 1-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12 6-1985

(1) Smt. Florence Almeida.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sooda Karunakar Ram Shetty,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II[37EE]13891[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No. B[5, Military Rd., Marol, Antheri-East, Bombay. (and more fully descried in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-10-1984

27-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oblace of the said instrument. of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fam Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B|5, Marol Mayur Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Military Road, Maral, Andheri-East, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13891|84-85 cn 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the said Act, to the following remons, namely :---

Date: 12-6-1985

(1) Ramesh Kumur C. Jain.

(Transferor)

(2) Mrs. Tejaswinee Pushpahas KulKarni & 2. Mrs. Shania Dattaay Belgundi.

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

. ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13984|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/riand bearing
Hat No. 204, Rasila Apartments,
Plot No. 12, Tejpal Scheme Road, No. 5,
Vile Parle F. Bombay-57.
Vile Parle F. Bombay-57.

vine rarie in Bombay-51. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 30.10.1984

30-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Wing-E, 2nd Floor, Marol Maroshi Road, Scheme Rd. No. 5, Vile Parle East, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II]37EE[13984[84-85] on 30-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assister Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforewald property by the issue of this notice under subsection (1) of Scotion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1985

(1) Panchavati Co-op. Hsg. Sty... Clo. The Bombay Man acop. creak Sty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mandar Monik Talim,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. 37EE 13890 84-85.--Whereas, I, I AXMAN DAS. Ret. AR. 37EE;13890;84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 10, Wing-E, 2nd Floor, Marol Maroshi Road, Andheri-East, Bombay (and move fully described in the Schedule approach beated).

Anuneri-East, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Corroctent Authority

the Convetent Authority at Bombay on 27-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state I in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Wing-E, 2nd floor, Panchavati Co-op. Hsg. Stv. Opp. P lice Training Cump. Marol Maroshi Road, Andheri-East, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Fombay under Serial No. AF-II[37-EE]13890[84-85 on 27-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-6-1985

(1) Mr. Rudolph Almeida.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. P. T. Mammen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR. II|37-EE|13864|84-85.-LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Bl6 Mayur Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Marol, Bombay-400 059

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to a studies with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentrated of any income or any magneys or other amote which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used helein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B|6 Mayur Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Marol, Rombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13864|84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons memely :---

Date: 12-6-1985

(1) National Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Bharti A. Patni.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombny, the 12th June 1985

Ref. No. AR. II|37-FE|13478|84-85.—LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-nnd bearing

and bearing
Flat No. 301, Tej Pal Road, Vile Parle (F.), Bombay-59
tond more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 12-10-1984

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ex.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Manit Smauti, 25, Tej Pal Road, Vile Parle-(E), Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.IJ[37EE]13478[84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

137—156GI[85]

Date: 12-6-1985

(1) Shri Hasmukh Valjibhai Solanki.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

(2) Shri Babubhai Pragjibhai Patekh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. JI|37EP|13162|84-85.—Whereas, I, IAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. Flat No. 2, 1st floor, Parle Ganganiketan Co-op. Hsg. Sty., Ltd., B. Subhas Road. Parle (F), Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property away be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice in the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that hapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, on 1st floor, Parle Ganganiketan Co-op. Hsg. Stv. 1td., B-Subhas Road, Parle-East, Bombay-400 057.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. 4R, II/37EE/13162/84-85 on 5-10-1984.

WAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 12-6-1985

(1) Shri Rattanlal Malhotra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Poliyenroic Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

No AR. II 37-EE 13291 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

Flat No. 3, Ground Floor, Plot No. 125, Vile Parle-East,

Bombay-57 (and Aore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Connetent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground Floor, Plot No. 125, Kalptru Hsg. Sty. Ltd., Dixit Road, Vile Parle East, Bombay-400 057,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EE]13291[84-85] on 5-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ramachandra Baburao Kadam & Mrs. Indu Ramachandra Kadam.

(Transferor)

(2) I. Shri Kishorechandra Chunilal Makuwana. 2. Mrs. Neela bai Kishorchandra Makwana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. III37EE[13789]84-85.—Whereas, I. LAXMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 52, 4th floor, Vile parle (E), Bombay-400 057, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 4th floor, in Ishkrupa Bldg., Maharashtra welfare Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Veer Baji Prabhu Deshpande Marg, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III37EE|13789|84-85 on 23-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mustate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:-

Date: 12-6-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Smt. Kusum Govind Borkar.

(Transferor)

(2) Mrs. Shubhanai Vijay Wagle.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bornbay, the 12th June 1985

Ref. No AR.11/37EE/13121/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing D-11 Karnatak Co-op Hsg Sty. Ltd., Mogal Lane,

Mahim, Bombay-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered ander Section 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the "ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-11, Karnatak Co-op Hsg, Sty Ltd., Mogal Lane, Mahim,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13121|84-85 on 3-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-6-1985

(1) Amin Hussain Kureshi.

(Transferor)

(2) Mr. Sadiqa Amin.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13592/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00000|- adn bearing

South Portion of Flat No. 10, Ground Floor,

Kalakuni Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 58, T.P.S. IV, Santacruz-west. Bombay-54.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

on 16-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fari market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South Portion of Flat No. 10, Ground Floor, Kalakuni Coop. Hsg. Society Ltd., Plot No. 58, T.P.S. IV, Santacruz west, Bombay54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13592 84-85 on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-6-1985

- (1) Dr. Swarai P. Mehra.
- (Transferor)
- (2) Smt, Kanchan S. Kukreja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OR SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL **BOMBAY**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 12th June 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II[371/E]13729[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!—and bearing No. Flat No. 6, 1st floor, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and thhe agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984 on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 6 on 1st floor Rohit Co-op Hsg. Sty Ltd. Opp.

Josawal Wari, Last Bldg., Tuhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR II|37EE|13729|84-85 on 20-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II|37FE|13329|84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 8, 2nd floor La-Balance Premises Co-op Hsg Sty. Ltd., Near Juhu Hotel, Juhu Church Road, Bombay-49 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Chhotubhai Gopaljibhai Patel.

(Transferor)

(2) Mrugesh Prabhudas Gandhi.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor, La-Balance Premises Co-op. Hsg. Society Ltd., Near Juhu Hotel, Juhu Church Road, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II|37EE|1329|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 12-6-1985

FORM ITNS

(1) Smt. Sundari Wd/o Kishinchand Khilnai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR II[37EL]13596[84-85.—Whereas, I, , LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

perty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fla No. 6, 1st Floor, in Wanjawadi, Plot No. 688, Town Planning Scheme III, Of Lady Jamshedji Boad, Mahim, Bombay-16 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and thhe agreement is registered und Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said, Acz, in suspect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27)-of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

138 -156GI/85

(2) Mrs. Awecd Walimohammed Qureshi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st Floor, in Wanjawadi, Final Plot No. 688, Town Planning Scheme III, of Lady Jamshedji Road, Mahim, Rombay-16

, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II|37EE|13596|84-85 on 19-10-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Bombay

Date: 12-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II POMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR II | 371 E | 13411 | 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (45 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 41, 2nd Floor, Jadev Co-op. Hsg. Sety. Ltd., Plot No. 491, Road No. 33, T.P.S. III, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule appeared bereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and thic agreement is registered under Section 269AIs of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Necta Pitulal Lulla.

(Transferor)

(2) Shri Murad Ali Abdulla Wagle.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the same Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 11. 2nd Floor, Jaldev Coop. Hsg. Sty. Ltd., Plot No. 491, Road No. 33, T.P.S. III, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay onder Serial No. AR.II 37EE 13411 84-85 on 11-10-1984

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-6-1985

(1) Mr. Suresh Kamble.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanis Fattma & Habib Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. Ak. II|37EE|13500|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Flat No. 405, 4th Floor, Versova, Andheri-west, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at bay on 12-10-1984 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that me consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Knvita Apts., C.T.S. No. 1030, Yari Road, Versova, Andheri-west, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay uder Serial No. AR.II|37EE|13500|84-85 on 12-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1985

Senl:

(1) Mr. Sunder H. Advani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aarts Module Int. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II|37EE|13701|34-85.--Whereas, I, LAXMAN DΛS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000; and bearing
No. Flat No. 2, 3rd floor, Yari Road, Andheri (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 259AB of Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor, Block B, Tranquil Treat, Plot No. 8, S. No. 16, Yari Road, Andheri (W), Bombay-58.

agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13701 84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Auth-wity Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-6-1985

FORM ITNS-

(1) Sh. Satish Ramakrishna Mangaonker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAXFACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Surinder Kumar Dawar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II[37EE]13799i84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 34-B/8, Manish Nagar, Versova Road, Andheri,

West, Bombay-58, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and agreement is registered under Section has transferred and agreement is registered under Section 269AB of Ircome-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walib-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

At 34-B|8, Manish Nagar, Versova Road, Andheri-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13799|84-85 on 25-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subunder subsection (1) of Section 269D of the soid Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-6-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Kanwar Jit Mahajan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. Ambadas Devras Nadkarik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONS OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II]37EE[13045]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing
Flat No. B-12, Mazdock Apts., 7 Bungalows, J.P. Road,
Versova, Andheri, Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used forein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-13, Mazdock Apts, 7 Bungalows, J. P. Road, Versova Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority. Bombay uder Serial No. AR.II|37EE|13045|84-85 on 1-10-1984.

> LAMIAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-6-1985

(1) Mr. R. Rajangam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Godrej Rustomji Bhagat, Mrs. Arnaraz Godrej Bhagat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II 37EE 13122 84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No. 408, Bldg. No. 31, J. P. Road, Andheri-West,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is regis'ered under Section 269 AB, of the Income tax Act, 1961 in the office of the Comp. Authority at Bombay on 3-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408, Bldg. No. 31, Manish Nagar, Manish Chaital Co-op. Hsg. Sty., J.P. Road, Andheri-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13122|84-85 on 3-10-1984

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-6-1985

(1) Sh. Himsurai Kanthappa Kanchan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ranjabenan Padamshi Gala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II|37EE|13191|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Kiranchandra Co-op. Hsg. Sty. Andheri-West. Bombay-58

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Kiranchandra Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Plot No. 33, Manish Nagar, J.P. Road, Andheri-West, Bombay-58,

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13191|84-85 on 5-10-1984.

LAXMAN DAS
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II 37EE 13558 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 4th floor, Building No. B-44, Manishnagar, Andheri,

Bombay-58 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is regis'ered under Sec'ion 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act. to the following persons, namely :-- .

139-156 GI/85

(1) Mrs. Meena Hazare.

(Transferor)

(2) Miss. Minaxi Sethia & Mr. Thaper Lalchand. (Transferee)

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

graph and the second of the se

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; -
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

On 4th floor, Building, B-44, Manish Nagar, Andherl-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.iI[37EE]13558[84-85] on 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 12 - 1005

FORM ITNS----

(1) Mr. Shazad R. Amuyan.

(Transferor)

(2) Ms. Chowgale Brothres.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR.II|37EE|13710|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 1403-B, 14th floor, Versova, Andheri-west, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

Flat No. 1403-B, 14th floor, Versova, Andheri-west, Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following purpose paracly:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1403-B, 14th Floor, Building-Brighton towers, Plot No. 356, S. No. 41 (part) Four Bungalows, Versova, Andheri-west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13710|84-85 on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-6-1985

FORM (TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

-ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II|37EE|13569|84-85.--Whereas, I, LAXMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value when it is Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Flat No. 305, 3rd floor, Four Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and agreement is regis'ered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Sheryan Ansari.

(Transferor)

(2) Mr. Santdas N. Hingorani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metios on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd Floor, Building Regency-A, Plot No. B-3, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13569|84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-6-1985

(1) Mr. Kishanchand V. Dheeriya.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil Mehtrotra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Rcf. AR. II 37EE:13387 84-85 .-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marke value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 304, 3rd floor, Building Concord, Versova Andheri West, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is regis'ered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 8-10 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression; used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd floor, Building Concord, Plot No. 16, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andherl West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR.II]37EE|13387|84-85 on 8-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-6-1985

FORM I.T.N.S.-

- (1) Mrs. Sony R. Changrani,
- (Transferor)
- (2) Nishreen Hatimi Harianawala.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR.II|37EE|13573|84-85.--Whereas, DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing

No. Flat No. 504, 5th iloor, Four Bunglows, Verseva, Andheri

West, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration whichis less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excueds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, ot the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, 5th floor, in Accord, Plot No. 17, \$. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andherl West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13573|84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-6-1985

(1) S. S. Saxena HUF.

(Transferor)

(2) Miss Leena Roka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II|37EE|13091|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, Four Bunglows, Andheri West,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets - which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, Building Accord, Plot No. 17, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova Andheri West, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13091|84-85 on 1-10-1984.

LAXMĂN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-6-1985

- (1) Mrs. Manjri Mehrotra & Ors.
- (Transferor)
- (2) Mr. Sham M. Guranl.

Distriction and the Production of State Participation with the control of the con

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. 11[37EE]13708[84-85.—Whereas, I, LAXMAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 602. 6th floor, Versova, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Building Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri-West Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II|37EE|13708|84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12-6-1985

(1) Mis. Mahta Belting Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhupendra S. Sampat & Ois.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. AR. II[37EE]13568[84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

tening the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

No. Flat No. 605, 6th floor, in the Bldg. Regency, Plot No.

183, S. No. 41 (part). Andheri-west, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-'ax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 16-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the wasideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable projectly, within 45 days from the date of the public of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 605 6th Floor, Building Regency, Plot No. B3, S, No. 41 (part), Four Bungalows, Versova, Andheri-west, bay-58

The agreement has been resistered by the Competent Authority. Bombay under Serial No., AR. II|37EE|13568|84-85 on 16-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the rection (1) of Section 269D of the Act, to the following across namely to

Date: 12-6-1985

Sent

(1) Mr. Bhazad R. Amuyan,

(2) M|s. Chowgale Brothers.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR-II|37-EE|13706|84-85.— Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 1403-A on 14th Floor, Versova, Bombay-58

situated a Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfererd and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay 20-10-1984

140-156 Gİ/85

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dicloted by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1403-A, 14th Floor, in the building Brighton to ver, Plot No. 336 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37EE 13706 84-85 on 20-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :74—156 GI|85

Date: 12-6-1985

FORM ITNS----

(1) Mrs. Poonam R. Kumar & Ravi Kumar S. Iyoti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss. Kapila Dahyabhai Kansara.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No AR.III37FE[13404]84-85.-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 305, 3rd Floor, Blde, Accord, Andheri west,

Bombay.

situated a Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is perstered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at

Fembas on 11-19-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transftr, and/ 01.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of -957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- . (a) by any of the aforesaid person whith a period of 45 days from the date of publication of this noticee in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
 - (b) by any other person interested in the said provable property, within 45 days from the date of the publication of this serice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given Act. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor, Bldg. Accord-B. Plot No. 17, S. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri west, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombey under Serial No. AR.II[37FF]13404[84-85] on 11-10-1931.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-6-1985

(1) Miss. Minu R. Gupta.

(Transferor)

(2) Mrs. Mohini S. Pant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.11/37FE/13567/84-85. -

Whereas I, LAXMAN DAG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that he Immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Plat No. 603, oth floor, Bldg. Regency-B, Versova, Andheriwest, Bombay.

situated a Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has then transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bembay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others useets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937, 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid praparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, vanishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Bldg. Regency B. Plot No Four Bunglows, Versova, Antheri-west, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13567|84-85 оп 16-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs. Kasumadevi Kanodia.

(Transferor)

(2) Mr. Lafait Kumar Aurora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II|37EL|13705|84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 203, 2nd floor, Concord B, Versova, Andheri-west,

Bombay.

situated a Bombay (and more fully described in the Schedule below) has been transferred and agreement is registered under Section 26°AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 20-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the eaid property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other reason interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mesaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 203, 2nd floor, Concord-B. Plot No. 16, S. No. 41 (Part), Four Bunglo vs, Versova, Andheri west, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.H[37EE]13705[84-85] on 20-10-1984.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1935

FORM ITNS ----

(1) Mr. Sandeen Kanodia.

(Transferor)

(2) Mis. Aurora Engineering Co.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.H.37EF 13749 84-85.
Whereas I, I AXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. I,00,000 and bearing
Tlat No. 204, 2nd floor, Concord-B. Plot No. 16, Versova,
Andheri-west, Bombay,
situated at Bombay.

situated at Bombay (and the fully described in the Schedule annexed hereto),

(and More fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruction; of transfer with the object of :-

- a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property mny be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd Floot, Concord B. Plot No. 16, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri west, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13749|84-85 on 22-10-1984.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 12-6-1985

.5 al ±

FORM ITNS-

(1) Mr. Rajesh Mulchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jaspal Singh Chawla & Mrs. Gurdeep Kaur Chawla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II/37I/E[13210]84-85.---Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Flat No. 306, 31d floor, Versova, Andheri west. Bombay, situated a Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

whichever period expires later;

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, Floor, Bldg. Concord-B, Plot No. 16, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versoy i, Andheri west, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR.II 37EE 13210 84-85 on 5-10-1984

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Date: 12-6-1985

Şeal :

FORM ITNS----

(1) Mr. Manohar Gajanaa Tendulkar.

(Transferor)

(2) Smi. Rukarını bar K. Dlagam & Smt. Nafini G. Telegankar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.III37EE[13047]84-85 ---Wheren I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable groperly having a fair market value exceeding

Rs. 1 00,0001- and bearing 1 Ia. No. 12, Karai Vill, Andheri-West, Bombay-58.

situated at Bombay (and fore fully described in the schedule annexed hereto), has been transfererd and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-10-1984

for un apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the caid immovable property, within 45 days fromo the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that "本人进

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Karai Villa, Bhardewadi Road, Andheri-west, Eomhay-400 058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR H 37EE 13047 84-85 on 1-10 1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1935

Scal :

FORM INS----

(1) Mrs. Kamini Nandan Sehgal.

(2) Mr. Perminder Singh Luthra.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|15049|84-85.---Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

transfer with the object of :--

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 706, 7th floor, Harmony-A, Versova, Andheri-West,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

of the Competent Authority at

Rombay on 1-10-1984

for on apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 705, 7th Floor, 3ldg. Harmony-A. Plot No. No. 41 (part), Four Bunglows, Versova, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II 37FE 13049 84-85 on J-10-1984

> LAYMAN DAS Composited Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dute: 12-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|1.3845|84-85.— Wherens I, I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

Flat No. 62, 2nd floor, Oshiwara, Versova, Andheri (W),

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd and agreement is resistant. has been transfererd and agreement is registered under Section 269AB of the Ircome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 26-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which sught to be disclosed by the transferse for the Sursesses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--141-156 G1/85

(1) Rashmi Chaunan.

(Transferor)

(2) Mr. Cyrus Khocadad Irani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 62, C-Wing, 2nd floor, Rohit Apartments, Plot No. 52, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Versova, Andheriwest Pombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13845|84-85 on 26-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ⅱ Bombay

Date: 12-6-1985

Scal:

FORM HINS--

(1) Bhogilal Kika Bhai Mistry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Virnal Chand Bakhatewarmal Lunia.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME TAX, ASSISTANT COMMIS-

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 12th June 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|13721|84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000|—and bearing

Rs. 1,00,000|—and bearing

Friendship Co-op. Hsg. Sty. Ltd., Davood Baug Rd., Andneri (w). Bombay-58.

situated at 3ombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfererd and agreement is registered under Section 265AB of the Income-tax A.ct, 1961 in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or existion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income aris to the transfer; and/or

Friendship Co-op Hsg. Sty. Ltd., Dawood Baugh Road, Andheri-west, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II|37EE|13721|84-85 on 20-10-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 12-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37G.3667|Oct.|84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. piece or parcel of lease hold land or ground situated and lying at Juhu Vile Parle Development Scheme together with the building thereon in the Regd. sub district of Bandra S. 70 CIS No. 251 of Juhu Village, situated at Juhu.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-10-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said Act, to the following persons. namely:—142—156 GI/85

(1) Subimal Chandra Maulik, 'Usha',

(Transferor)

(2) 1. Vasudeo Gobindram Chhabria,

2. Kishore Nandlal Chhabria,

3. Smt. Poonam Vasudeo Chharbria, & 4. Nandlal Gobindram Chhabria,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.2341/81 dated 26-10-1984, and registered with the Sub-Registrar, Bembay

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-U, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II|37G|3739|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot bearing S. No. 445, 445 (1) to 445(7) Tuluka Andheri & bearing S. No. 50 and bearing Plot No. 11 of Mangalorian Garden Society Scheme,

situated at Vile Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the ran market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more them fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Suhasini Wdlo Ratnakar Gopal (Transferor)

(2) Mls. Mistry Rameshwar & Sons.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property).

(4) Transferee. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein has are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 1751/81 and registered on 17-10-84 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1-6-1985

Scal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay the 1st June 1985

Ref. No. AR.II[37G[3738]84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot bearing S No. 279, H. No. 17A, CTS No. 4251 (Part) with structures standing thereon at Village Danda, Sherty Rajan, Bandra, Bombay-50, situated at Bandra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Sec. in 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stransfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Mary Catherine Pereira, Bonifaco Francis Pereira, Fridolin Martin Pereira Robert Cajetan Pereitti and Mary Adeline Baptista,

(Transferor)

(2) Diago Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

(4) Transferors. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective-persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1015/84 and registered on 18-4-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-6-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No AR.II]37G]3671]Oct.[84.—Whereas, f, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Land bearing Plot No. 27 of S. S. VI, Danda, and bearing CS No. C[695 & C[696 (Pt.) together with building stand thereon under H. Ward No. 1874, of 48 Perry Road, Bandra, Populary St. Bombay-50,

situated at aBndra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at Bombay on 30-10-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trainfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument as parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)]

(1) Frances Marie Louise Pereira, Peter Terance Perreira, Irane Mary Percira, and Michael Joseph Pereira.

(Transferor)

- (2) Empire Kishet Co-operative Horsing Society Ltd. (Transferce)
- (3) Transferec.

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.



X

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2256|70 and new No. 4683/84 and Registered on 30-10-84 with the Sub Registiar. Bombay,

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 1-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TA FACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

Ref. No. AR.II[37G]3720]Oct.[84.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 693, CTS No. E-341, Village Bandra, 15th Road

Khar, Bombay-400 052.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under stetion 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-10-1984,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any guerroys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Kishanchand Khazanchand Ramani,

2. Smt. Gopi Kishanchand Ramani,

3. Mr. Raju Kishanchand Ramani, 4. Mr. Sunil Kishanchand Ramani.

(Transferor)

(2) Three Jewel Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

(3) Transferce.

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

BXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1974|84 and registered on 18-10-84 with the Sub-registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons granels

143-156 GI/85

Date: 1-6-1985

Seal;

- (1) M/s. Apex Constructions.
- (Transferor)

(2) V. G. Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor. (Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13251|84-85.—Whereas, I.

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 4, in Nebula Apts., Oshiwara, Andheri-West, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer at the said instrument of transfer as agreed to be truly stated in the said instrument of transfer as agreed to be transfe fer with the object of : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act. 1957 (27 of 1957);

Shop No. 4, in Nebula Apts, at Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II[37EF]13251[84-85] on Still Local Competent Authority. 5 10 1984.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date · 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Rci. No. AR.II|37EE|13248|84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—Shop No. 16, Nebula Apts, Oshiwara, Anaheii-West, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at H thosy on 5-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Apex Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. C. G. Mehta.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 16, Nebula Apartments, Hunnandani Estates, behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Autho-

rity, Bombay under serial No. AR.IIJ37EE|13248|84-85 on

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-6-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13075|84-85.-Whereas. I.

LAXMAN DAS, being the Competent teling the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act;) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Shop No. 10, Nebula Apts, Oshiwara, Andheri-West, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/10/1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Apex Constructions.

(Transferor)

(2) Mls. Indo Saigon Agency.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzana

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Nebula Apartments, Hiranandam Estate, be-

hind Apna Char, Oshiwara, Andheu-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.11|37EE|13075|84-85 on 1-10-1984.

> LAXMAN DAS Competent Auth Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-6-1985

Soal:

(1) M|s. Hiranandani Bui.

(Transferor)

(2) Mr. Deepak G. Joshi & &

3. Joshi. ransferee)

(3) Transferor.

(Persons in occup).

property).

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd June 1985

Ref. No. AR.II[37EE[13179]84-85.-Whereas, I, AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. V|601|A, 6th floor, Venus Apts, at Oshiwara, Four

Bungalows, Andheri-West, Bombay, situated at Bombay

(and there fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5|10|1984

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to utlieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in poct of any income arising from the trassfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. V. 601 A, 6th floor, Venus Apte, at Oshiwara, Four Bunglows, Andheri-West, Bombay.

The agreement has been registered by the Compotent Authority. Bombay under Serial No. AR.II/37EE/13179/84-85 cn 5/10/1984.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 3-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

JOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 1st June 1985

RA. No. AR. II | 37G | 3670 | Oct. / 84.—Whereas,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Piece or parcel of land bearing Plot No. 59A CTS No. 504, situated at Willington South Santagruz (West), Bombay-54 in the Village of Dunda in Andheri Taluka,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rigistering Officer at Bombay on 30-10-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) His Grace Archbishop Simon Piments & St. Rev. Msgr. Nereus Rodrigues Vicar of the Church of Sucred Heart,
 - (2) Sacred Heart Co-operative Hoding Society Ltd. (Transferce,
 - (3) 1. Mrs. Kathleen D'Cunha
 - 2. Mr. Walter Rodricks
 - 3. Mrs. Jane D'Cruz 4. Mrs. Claudina Fernandes
 - 5. Mr. Robert D'Cruz
 - Mr. Edward Sequeira
 Mr. Horace Wemyes

 - 8. Mr. Tony Fernanes
 - 9. Mrs. Martha Borges

 - 10. Mr. A. C. Fernanes
 11. Mr. John Goveya
 12. Msgr. N. Rodrigues (Trust)
 13. Mr. Terence Desa

 - 14. Msgr. N. Rodriques (Trust)15. Mr. Brian Misquitta16. Mr. P. R. D'Souza,

(Persoins in occupation of the property).

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any any of the aforesaid persons with seriod of 45 days from the date of publication notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No 1690|80 and registered on 30-10-1984 with the Sub-Registrar, Bombay,

> LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-text. Acquisition Range-U, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 1-6-1985

(1) Dwaraka Bhaimldipati Pa 164-A, Jorbagh, New Delhi -

(Transferor)

ንላthy,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-THE ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th June 1985

Ref. No. 181|85-86.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing

land and Bidg, situated at Vizag (and more fully described in the schedule below) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam in October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid except the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Shri Velagala Bulli Venkata Reddy, 47-11-10 Dwarkanagar, Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning be given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The vacant site and building bearing No. 15-2-3 situated at Century Club, Maharampeta, Municipal Corporation, Visakhapatnam, registered with SRO's Office, Visakhapatnam, vide document No 12435 84.

> M. JEGAN MOHAN
> Competent Authority
> Inspecting assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-6-1985.

